

विश्वभारती

वार्षिक प्रतिवेदन 2021-2022

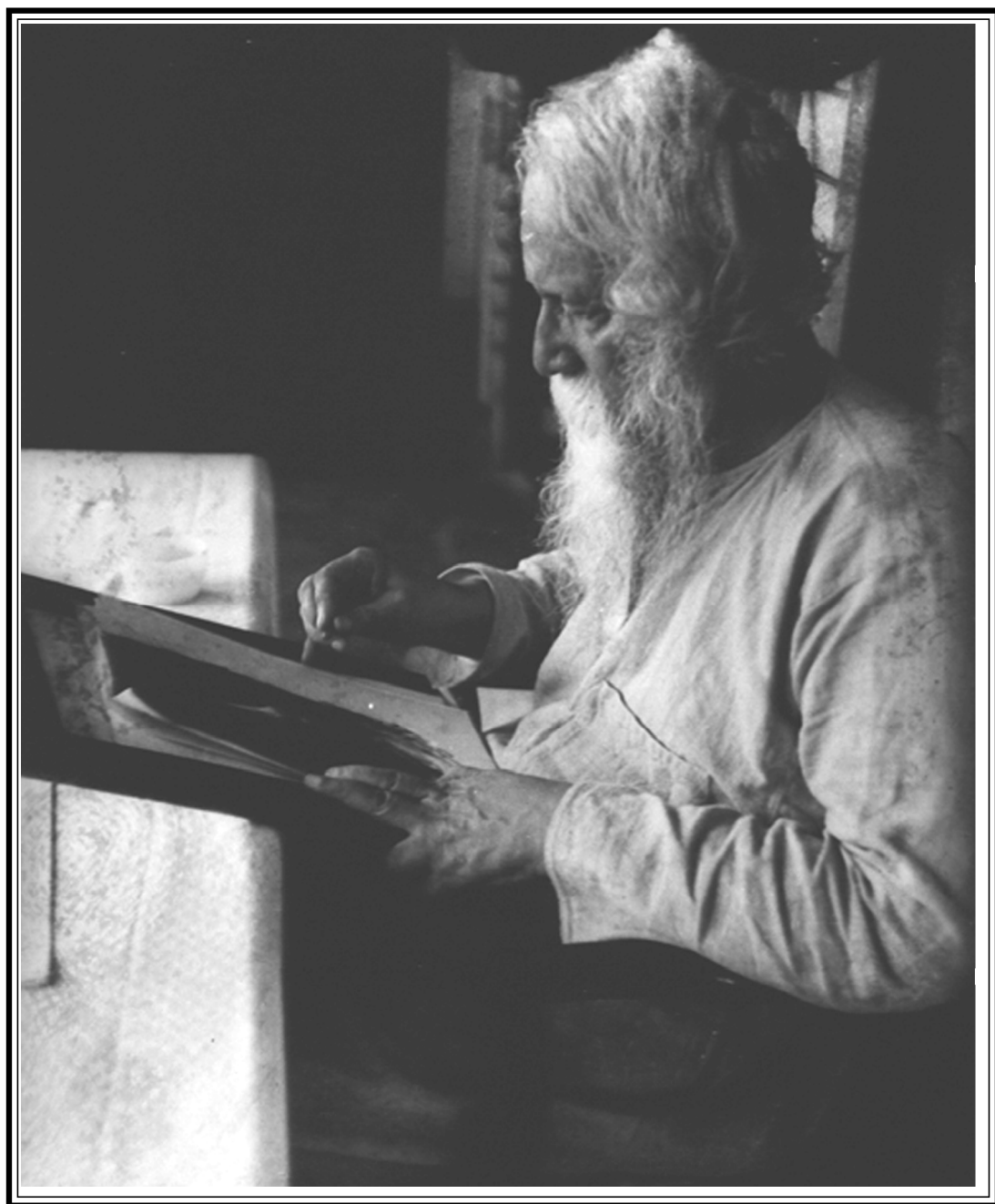


शान्तिनिकेतन

2022

॥ यत्र विश्वं भवत्येकनीडम् ॥

॥ जहाँ विश्व एक नीड़ में निवास करता है ॥





विश्वभारती
विश्वभारती
Visva-Bharati



आचार्य: श्री नरेंद्र मोदी
ACHARYA (CHANCELLOR)
SHRI NARENDRA MODI

संस्थापक: रवीन्द्रनाथ ठाकुर
Founder: Rabindranath Tagore

उपाचार्य: प्रोफेसर विद्युत चक्रवर्ती
UPACHARYA (VICE-CHANCELLOR)
PROF. BIDYUT CHAKRABARTY

प्रस्तावना

उच्चतर शिक्षा की पीठ और भारत के विशिष्ट सांस्कृतिक केन्द्रों में विश्वभारती की यात्रा में एक जलविभाजक है। अभिलिखित इतिहास में सर्वाधिक नवोन्मेषी चिन्तक गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा जिन्होंने मानवता को वरीयता दी, सन् 1921 ई. में संस्थापित हुई; यह विश्वभारती वही नहीं रह गयी है जो अतीत में थी। यह स्वाभाविक है कि संस्थाओं में परिवर्तन घटित होते हैं और कि इस बात की कोई गारंटी नहीं होती कि वे हमेशा श्रेष्ठतर बनी रहें। जैसा कि इतिहास कहता है, वैश्विक रूप से ज्ञान के विख्यात शैक्षिक केन्द्र विलुप्त हो गये हैं और नए केन्द्रों ने उनकी जगहें ले ली हैं। यह सुविस्तृत रूप से ज्ञात है कि भारत के दूसरे कई विश्वविद्यालयों की तरह नालंदा, विक्रमशिला, तक्षशिला ने विश्व भर के शिक्षार्थियों को आकर्षित किया था। इन दिनों यह चक्र उलट गया है: भारतीय शिक्षार्थी विशेषतया पश्चिमी देशों एवं अन्यत्र अवस्थित शैक्षिक रूप से समृद्ध विश्वविद्यालयों में अंशदान करते हैं। गंभीर आत्ममंथन के लिए अब हम सबके लिए वह समय आ गया है जो अब भी यह विश्वास करते हैं कि कुछ भी असंभव नहीं है। इसे हम तब घटित देखेंगे जब विश्वभारती अपना शैक्षिक और सांस्कृतिक गौरव पुनः प्राप्त कर लेती है।

विश्वभारती घासपात पर निर्भर रहनेवाली ऐसी गाय है जिससे आशा की जाती है कि वह उन अंशधारकों का पोषण करे जो यह भूल चुके होते हैं कि स्वस्थ रहने के लिए स्वयं उसकी परवाह एवं भरणपोषण की आवश्यकता है। यह वह छाता है जो भीगते हुए लोगों को अपने असंख्य छिद्रों से बड़ी मुश्किल से रक्षा कर सके। उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर कहा जा सकता है कि विश्वभारती का हिमायती लाभों के लिये निचोड़ा जाना नया नहीं है। अपनी मृत्यु के ठीक छः वर्ष पूर्व चौहत्तर वर्ष की उम्र में गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर को अपनी सांस्कृतिक टोली के साथ कोष उगाही के लिये भारत के अन्य दूसरे भागों की यात्रा करने के लिये बाध्य होना पड़ा था। वह अपने मानसपुत्र के भविष्य को लेकर आश्वस्त नहीं थे, शायद उन लोगों के बढ़ते महत्व को देखकर जो संस्थाओं के प्रति अपने कर्तव्यों को भूलकर अपने अधिकारों के लिए हमेशा बलपूर्वक दावा करते रहे, इस बात की अभिव्यक्ति उन्होंने तब की जब उन्होंने बड़ी आत्मीयता से महात्मा गाँधी से अनुरोध किया कि इस 'जलयान (विश्वभारती) जो कि (उनके) जीवन के सर्वोत्तम खजाने की खेप को ढो रहा है (महात्मा गाँधी से रवीन्द्रनाथ ठाकुर, 2 फरवरी, 1940)' का खयाल रखें।

क्या परिस्थिति बदली है? विश्वभारती के कुलपति के रूप में मेरा जो अनुभव है, उसके तहत मेरा उत्तर विविध कारणों से सापेक्ष 'ना' में है। इनमें से प्रथम है परिसर के निहित स्वार्थों के आधिपत्यशाली चंगुल में इसका होना तथा उनके जो अधिकारों एवं कर्तव्यों के बीच द्वन्द्वात्मक अन्तरसंबंध को सुविधानुसार कम आँकते हैं। कोई भी इस पीड़ा का अनुभव करता प्रतीत नहीं होता कि जिस स्मृतिचिह्न को सन् 1913 में टैगोर ने नोबेल पुरस्कर्ता के रूप में प्राप्त किया था, वह चोरी चला गया; वैश्विक रूप से समादृत व्यक्तियों में से भी कोई सामाजिक रूप से अपने को कलंकित महसूस नहीं करता, इसके बावजूद कि जमीन के धूर्त बनकर जो कि बमुश्किल निवारक थे वे विश्वभारती के गौरव तले सज्जित हैं। विश्वभारती ने न केवल अपने अतीत की ख्याति को गँवा दिया है, अन्यत्र से प्रतिभाओं को आकर्षित करने में भी असफल सिद्ध हुई है क्योंकि इसके परिसर ने तीव्र राजनीतिकरण की परंपरा अर्जित कर ली है। घोटालों, वित्तीय व्यवस्था, शैक्षिक कर्मियों के नियोजन, वित्तीय या अन्य अवैध लाभार्जनों के खुलासे के विचार से, बहुतों के लिए विश्वभारती 'सर्वाधिक संकटापन्न जल' के रूप में पहचानी जाती है जो शिक्षक या शिक्षकेतर कर्मचारी के रूप में परिसर में सेवा देनेवाले उन्नत मस्तिष्क को रोकने के लिए पर्याप्त था। मुझे यहाँ पर गलत न समझा जाय क्योंकि कई शिक्षक सदस्य ऐसे हैं और वे जो प्रशासन में हैं, जो अपनी शैक्षिक उत्कृष्टता और कार्यक्षमता पर खरे उतरते हैं, लेकिन जो हमेशा परिधि में खड़े नजर आते हैं क्योंकि उनके पास वाणी नहीं है।

परिस्थितियाँ फिर भी बहुत निराशाजनक नहीं हैं। गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने इस बात का अनुभव किया था और उनके ज्येष्ठ पुत्र रथीन्द्रनाथ ठाकुर ने जो विश्वभारती के प्रथम कुलपति थे, इस आवेग को झेला था अपेक्षाकृत अपकीर्तिकर रूप में, जब वह परिसर को छोड़ रहे थे। लेकिन जीवन प्रवाहशील है। कमजोर करने की भाँति-भाँति की आकृतियों वाली उन स्वार्थपूर्ण कवायदों के उलट हम आशान्वित हैं। यदि घासपात पर निर्भर रहनेवाली गाय को मार नहीं पाते, समयान्तराल में हम बल प्राप्त करेंगे और इसमें कोई संदेह नहीं कि विश्वभारती देर-अबेर से भी पहले जगत् गुरु (वैश्विक शिक्षक) बनकर रहेगी।

विद्युत-चक्रवर्ती

प्रो. विद्युत चक्रवर्ती

कुलपति

विश्वभारती, शान्तिनिकेतन

अनुक्रम

अध्याय-1	i-viii
ब्रह्मचर्याश्रम से विश्वभारती तक	i
वर्तमान संस्थागत संरचना	iii
सामाजिक रूप से प्रासंगिक अनुसंधान एवं अन्य गतिविधियाँ	iv
उत्सव एवं त्योहार	vi
वित्त	vii
संचित निधि व्याख्यान	vii
शिक्षण कर्मचारियों की स्थिति	vii
प्रशासनिक कर्मचारियों की स्थिति	viii
विद्यार्थी संघटन	viii
अध्याय-2	1-453
भाषा भवन	1-64
बांग्ला विभाग	2
अंग्रेजी विभाग	10
हिन्दी विभाग	23
संस्कृत, पाली एवं प्राकृत विभाग	28
ओडिया विभाग	32
अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग	36
भारत-तिब्बती अध्ययन विभाग	37
संताली विभाग	39
जापानी विभाग (निप्पन भवन)	41
चीनी भाषा और संस्कृति विभाग	45
मराठी विभाग	48
तमिल विभाग	49
असमिया विभाग	51
आधुनिक यूरोपीय भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन केंद्र	53
तुलनात्मक साहित्य केंद्र	56
संकटग्रस्त भाषा केंद्र (सीएफइएल)	59

बौद्ध अध्ययन केंद्र	64
विद्या भवन	65-119
प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्त्व विभाग	66
नृतत्त्व विभाग	73
अर्थशास्त्र एवं राजनीति विभाग	77
भूगोल विभाग	92
इतिहास विभाग	96
दर्शन शास्त्र और तुलनात्मक धर्म विभाग	101
पत्रकारिता और जनसंचार केन्द्र	107
स्त्री अध्ययन केन्द्र	117
शिक्षाशास्त्र	119
शिक्षा भवन	120-225
भौतिकी विभाग	122
रसायन शास्त्र विभाग	139
गणित विभाग	163
प्राणिविज्ञान विभाग	173
वनस्पति विज्ञान विभाग	188
सांख्यिकी विभाग	203
कम्प्यूटर एवं पद्धति विज्ञान विभाग	207
पर्यावरण अध्ययन विभाग	211
जैव प्रौद्योगिकी विभाग	217
एकीकृत विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र	221
गणितीय शिक्षा केन्द्र (सी एम ई)	224
कला भवन	226-260
डिज़ाइन विभाग	228
मूर्तिकला विभाग	237
चित्रकला विभाग	243
ग्राफिक कला विभाग	248
कला इतिहास विभाग	252
कला भवन नंदन संग्रहालय	259

संगीत भवन	261-277
रवीन्द्रसंगीत, नृत्य एवं नाटक विभाग	262
हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग	270
रवीन्द्र संगीत गवेषणा केन्द्र	277
विनय भवन	278-301
शिक्षा विभाग	278
शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग	291
योग कला एवं विज्ञान विभाग	298
पल्ली संगठन विभाग	302-344
आजीवन शिक्षा एवं विस्तार विभाग (ग्रामीण विस्तार केन्द्र)	304
ग्रामीण अध्ययन विभाग (पल्ली चर्चा केन्द्र)	317
शिल्प सदन विभाग	319
समाज कार्य विभाग	325
पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान)	345-431
कृषि अर्थशास्त्र विभाग	349
कृषि अभियांत्रिकी विभाग	357
कृषि कीट-विज्ञान विभाग	361
कृषि विस्तार विभाग	367
कृषि सांख्यिकी विभाग	373
शस्य विज्ञान विभाग	377
पशु विज्ञान विभाग	395
फसल शरीर क्रिया विज्ञान विभाग	396
आनुवंशिकी और पादप प्रजनन विभाग	398
उद्यानिकी एवं कृषि परवर्ती प्रौद्योगिकी विभाग	403
पौध पैथोलॉजी विभाग	410
मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग	425
माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा-संस्थान	432-437
पाठ भवन	432
शिक्षा सत्र	436
अन्य	438-495
कृषि आर्थिक शोध केन्द्र	438

राजभाषा प्रकोष्ठ	441
रवीन्द्र भवन	442
विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क	454
ग्रंथन विभाग	471
बांग्लादेश भवन	474
ए.के. दासगुप्ता योजना और विकास केन्द्र	477
अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ	479
इंदिरा गाँधी केन्द्र	481
संगणक केंद्र	482
उद्यान अनुभाग	485
क्रीड़ा बोर्ड	486
एनसीसी	488
व्याख्यान शृंखला	490
राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)	494
विद्यार्थी चिकित्सा बीमा	495
अध्याय-3 : शैक्षणिक पंचांग / कार्यक्रम	496-498
अध्याय-4 : छात्र सांख्यिकी	499-501
अध्याय-5 : परिसर विकास	502
अध्याय-6 : विश्वविद्यालय वित्त	503
परिशिष्ट क से छ तक	504-543
परिशिष्ट-क : भवनों के अध्यक्ष	504
परिशिष्ट-ख : संस्थानों के अध्यक्ष / निदेशक	505
परिशिष्ट-ग : विश्वविद्यालय के पदाधिकारी	508
परिशिष्ट-घ : शैक्षिक कर्मचारी	511
परिशिष्ट-ङ : संसद (कोर्ट) के सदस्य	532
परिशिष्ट-च : कर्म-समिति के सदस्य	540
परिशिष्ट-छ : नई नियुक्तियां	542
संपादकीय समिति	544-545

अध्याय - 1

ब्रह्मचर्याश्रम से विश्वभारती तक : एक छोटे से विद्यालय का एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित शिक्षा-केंद्र में रूपांतरित होने का इतिहास

विश्वभारती जो एशिया के पहले नोबेल पुरस्कार विजयी कवि रवीन्द्रनाथ ठाकुर के ऐसे संस्थान के स्वप्न की परिणति का प्रतीक है जहाँ उपनिषद् के शिक्षानुसार (जो स्वतंत्र करता है वह शिक्षा है) समग्र शिक्षा उपलब्ध होगी, उसकी शुरुआत अत्यंत साधारण थी। सन् 1863 में श्री देवेन्द्रनाथ ठाकुर, कविगुरु के पिता एवं 19वीं शताब्दी बंगाल के पुनर्जागरण के अग्रदूत, ने बीरभूम जिला के शुष्क मिट्टी में 20 रुपए के पूर्व भूमि दर पर 20 बीघा जमीन का उपयोगकर्ता अधिकार प्राप्त किया एवं वहाँ शांतिनिकेतन आश्रम की तरह ध्यान के उद्देश्य से समर्पित कर दिया। रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने तत्कालीन शिक्षा व्यवस्था और शिक्षा के माध्यम, जिसे वह यांत्रिक, निष्प्राण व उत्साह विहीन मानते थे, के प्रतिकूल 23 दिसंबर, 1901 में स्वीकृत शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से केवल 5 विद्यार्थियों को लेकर एक विद्यालय की स्थापना की। जनवरी, 1924 के विश्वभारती बूलेटिन के अनुसार :

“...सीमित संख्यक बच्चों के लिए शिक्षा जीवन से कटकर नहीं होगी, जहाँ विद्यार्थी एक बड़े परिवार के सदस्य बनेंगे तथा संस्थान के सभी कार्यों को अपना मानेंगे एवं जहाँ यह सभी आजाद, आपसी विश्वास व खुशी के माहौल में रहेंगे तथा बढ़ेंगे।”

ब्रिटिश राज को बेजोड़ बनाने के लिए ब्रिटिश नेतृत्व द्वारा संवेदन-शून्य क्लकों को तैयार करने के लिए बनाई गई शिक्षा व्यवस्था के सचेत प्रत्याख्यान के फलस्वरूप रवीन्द्रनाथ ने एक नई शिक्षा व्यवस्था प्रारंभ की जहाँ कक्षाएँ खुली हवा में होती थीं, जहाँ मानव और प्रकृति एक सामंजस्यपूर्ण संबंध स्थापित कर पाते हैं। 20 वर्ष बाद पैट्रिक गिड्डीज को एक पत्र में वह लिखते हैं :

“मैंने केवल एक सरल विचार के साथ प्रारंभ किया था कि शिक्षा को कभी भी जीवन से अलग नहीं किया जाना चाहिए।”

रवीन्द्रनाथ ने ‘सम्पूर्ण’ मानव को पोषण करने वाली समग्र शिक्षा की संकल्पना को हमारे प्राचीन भारतीय उपनिषद् के ग्रंथों से आत्मसात किया था जिसमें सांसारिक समृद्धि के बंधनों से आत्मा की मुक्ति के संबंध में लिखा हुआ है। उनके साधन सीमित थे परंतु उनके आदर्श अडिग। सन् 1917 तक एक भारतीय सांस्कृतिक केंद्र की अवधारणा धीरे-धीरे आकार लेने लगी थी। यह केंद्र ‘विभिन्न संस्कृतियों के समन्वित अध्ययन के लिए’ बनाया जाएगा। 23 दिसंबर, 1918 को कवि-शिक्षक द्वारा विश्वभारती का शिलान्यास किया गया था। अपने संक्षिप्त व्याख्यान में उन्होंने इस संस्थान के लक्ष्यों एवं उद्देश्यों को स्पष्ट करते हुए कहा था :

“एक विश्वविद्यालय का प्राथमिक लक्ष्य रचनात्मक कार्यों में योगदान करना और ज्ञान प्रदान करना है। मानव को एकत्र करना चाहिए और उन्हें न केवल बौद्धिक अन्वेषण बल्कि महत्वपूर्ण रचना के

अध्याय-1

लिए भी पूर्ण अवसर मिलना चाहिए तथा शिक्षण में इस वसंतमय, सरल व अपरिहार्य संस्कृति का अतिप्रवाह होना चाहिए।”

विश्वभारती का पंजीकरण 16 मई, 1922 में हुआ था। विश्वभारती में विश्व की सभी जगहों से विद्वान आने लगे जिससे यह सही अर्थों में वैश्विक संस्कृति एवं शिक्षा का केंद्र बन गया।

सन् 1924 में ब्रह्मचर्य विद्यालय को विश्वभारती पूर्व विभाग का नाम दिया गया और आगे चलकर सन् 1925 में यह विश्वभारती का पाठ भवन बन गया।

सन् 1921 में उन्नत अध्ययन विभाग की स्थापना की गई थी जिसका सन् 1926 में नाम बदलकर विद्या भवन रखा गया।

सन् 1919 से संगीत एवं कला का शिक्षण कला भवन में होता था जिसको सन् 1933 में दो शाखाओं में बांट दिया गया- कला तथा संगीत भवन।

रवीन्द्रनाथ अपने प्रारंभिक वर्षों के दौरान शिलाइदह और शहजादपुर में रहते समय गरीबी और अज्ञानता में डूबे हुए गाँव के जीवन की व्यथा-वेदना को समझ पाए थे। इस वेदनादायक स्थिति का अंत करने के लिए रवीन्द्रनाथ ने व्यावसायिक प्रशिक्षण व्यवस्था का प्रारंभ किया ताकि गाँव के लोग आत्मनिर्भर बन सकें। इसी उद्देश्य से 6 फरवरी, 1922 में सुरुल में लेनार्ड एल्महर्स्ट के प्रेरणादायक नेतृत्व से विश्वभारती कृषि एवं ग्राम पुनर्निर्माण विभाग प्रारंभ किया गया। आगे चलकर यह श्रीनिकेतन के नाम से जाना गया। इस संस्थान की स्थापना में निहित आदर्श गाँव के जीवन को संपूर्णता प्रदान करना तथा यहाँ के लोगों को उनकी सहजप्रवृत्ति के संबंध में जागरूक करवाना था। सन् 1924 में ‘शिक्षा-सत्र’ नाम से एक और विद्यालय स्थापित किया गया था जो 1927 में श्रीनिकेतन में सम्मिलित कर लिया गया।

14 अप्रैल, 1937 को गुरुदेव द्वारा चीना भवन का अनुसंधान विभाग के रूप में भारत और चीन के पुराने सांस्कृतिक संबंधों को बुलंद करने के उद्देश्य से उद्घाटन किया गया था। प्रोफेसर तान यू-शान के अथक उत्साह और प्रयास से विश्वभारती के माध्यम से चीन-भारतीय सांस्कृतिक संगति के लिए संभावना का एक नया द्वार खुल गया। सन् 1994 में निप्पोन भवन की स्थापना से जापानी भाषा तथा संस्कृति के उन्नत अध्ययन को एक नई दिशा मिली। हिंदी भवन का शिलान्यास सी.एफ. एंड्रुज एवं क्षितिमोहन सेन द्वारा किया गया था तथा पंडित बनारसीदास चतुर्वेदी जी के अथक प्रयास के कारण 31 जनवरी, 1939 को हिंदी भवन का निर्माण संपूर्ण हो पाया।

मई, 1951 में विश्वभारती को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया और इसे ‘राष्ट्रीय महत्व का एक संस्थान’ माना गया।

अतः जो केवल एक विद्यालय के रूप में शुरू हुआ था, आर्थिक, प्रशासनिक व अन्य अनेक प्रकार की बाधाओं के पार कर एक लंबी राह तय करने के बाद आज विविध व्यावसायों व विषयों से परिपूर्ण एक आधुनिक विश्वविद्यालय में परिणत हुआ है जहाँ उत्कृष्टता, जीवंतता व प्रयोगात्मकता को निरंतर विकसित

किया गया है। शांतिनिकेतन अर्थात् शांति का निवास तथा श्रीनिकेतन अर्थात् श्री का निवास - यही दो मिलकर विश्वभारती को स्वर्गीय सौंदर्य, शांति एवं शैक्षणिक जीवंतता पूर्ण बनाते हैं।

वर्तमान संस्थागत संरचना

संविधान के अधिनियम, 1951 के अनुसार विश्वभारती के परिदर्शक भारत के राष्ट्रपति हैं एवं पश्चिम बंगाल के राज्यपाल यहाँ के प्रधानाचार्य हैं। भारत के राष्ट्रपति विश्वविद्यालय के आचार्य एवं उपाचार्य को नियुक्त करते हैं। संविधान द्वारा बनाया गया 1951 के अधिनियम का संशोधित संस्करण एवं विश्वभारती की मूर्तियाँ ही विश्वविद्यालय की शक्ति एवं कार्य का आधार है। विश्वविद्यालय के मुख्य निर्णायक मंडली हैं- संसद, कर्मसमिति, शिक्षा समिति, अर्थ समिति तथा विभिन्न संस्थान के बोर्ड व पाठ समितियाँ।

विश्वविद्यालय में निम्नलिखित संस्थान हैं :

शांतिनिकेतन में

भाषा भवन (भाषा, साहित्य तथा संस्कृति संस्थान)

विद्या भवन (सामाजिक विज्ञान संस्थान)

शिक्षा भवन (विज्ञान संस्थान)

कला भवन (ललित कला संस्थान)

संगीत भवन (संगीत, नृत्य व नाटक संस्थान)

विनय भवन (शिक्षा संस्थान)

रवीन्द्र भवन (टैगोर अध्ययन, संग्रहालय तथा अभिलेखागार संस्थान)

पाठ भवन (प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा संस्थान)

श्रीनिकेतन में

पल्ली संगठन विभाग (ग्रामीण पुनर्निर्माण संस्थान)

पल्ली शिक्षा भवन (कृषि विज्ञान संस्थान)

शिक्षा सत्र (प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा संस्थान)

कोलकाता में

ग्रंथन विभाग (प्रकाशन विभाग)

इसके अलावा, विश्वभारती कृषि-आर्थिक अनुसंधान केंद्र के कार्यों (विश्वभारती के साथ समन्वित कृषि मंत्रालय द्वारा प्रायोजित एक अनुसंधान केंद्र) एवं कंप्यूटर केंद्र, जो अपने शैक्षिक कार्यों के साथ ही शैक्षिक एवं प्रशासनिक विभागों के लिए भी सेवा केंद्र का कार्य करता है, के कार्य-कलापों का भी मार्गदर्शन करती है।

सामाजिक रूप से प्रासंगिक अनुसंधान एवं अन्य गतिविधियाँ

मानविकी, भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान के क्षेत्रों में सामाजिक रूप से प्रासंगिक अनुसंधान कार्यों तथा कमजोर वर्गों के आवश्यकता-उन्मुख विस्तार कार्यों की उन्नति के लिए कई कदम उठाए गए हैं।

उपरोक्तानुसार विभिन्न गतिविधियों की एक संक्षेप समीक्षा निम्नलिखित है :

शिक्षा भवन में मूलतः उक्त क्षेत्रों पर अनुसंधान किया जाता है- (i) बिहार के कृषि विकास में गैर-सरकारी एजेंसियों की भूमिका (ii) प्रसंस्करण एवं इनपुट आपूर्ति से संबंधित कृषि वस्तुओं का विपणन (iii) कृषि एवं ग्रामीण विकास में विकेंद्रीकृत योजना (iv) कृषि विकास पर अनुवृत्तियों का प्रभाव (v) सीमांत व छोटे खेतों की आर्थिक व्यवहार्यता (vi) प्रगति और इनपुट आपूर्ति पर विशेष ध्यान देते हुए कृषि विपणन (पश्चिम बंगाल)

पल्ली संगठन विभाग ने शांतिनिकेतन और श्रीनिकेतन के आस-पास के गाँवों में कार्योंन्मुख कार्यक्रमों से आत्म-सहायता एवं आत्मनिर्भरता के माध्यम से गाँव के जीवन को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया है जैसे ब्रती बालक व युवा संगठनों द्वारा किए गए कार्यक्रम, ग्रामीण पुस्तकालय सेवाएँ, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछड़े वर्गों द्वारा बसाए गए क्षेत्रों में शिल्प व प्रशिक्षण आदि।

पल्ली चर्चा केंद्र (ग्रामीण अध्ययन केन्द्र) ने 'ऑपरेशन वर्ग', आई सी ए आर के तहत कृषि उत्पादन एवं कृषि विपणन, आदिवासी समुदायों विशेषकर संथाल समुदाय के भाषायी भ्रष्टाचार व संस्कृति भ्रम के अध्ययन से ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी-विरोधी कार्यक्रमों पर अपना ध्यान केंद्रित किया है।

पल्ली शिक्षा भवन ने जिन परियोजनाओं की शुरुआत की है, वे हैं- (i) आई सी ए आर एवं यू एस डी ए के तहत खरपतवार नियंत्रण पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान (ii) चावल के खरपतवार नियंत्रण पर नोसिल अनुसंधान परियोजना (iii) तेल-बीज अनुसंधान योजना (iv) विभिन्न फसलों पर नीम के अर्क का प्रभाव (v) प्रकृति पर ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण तथा एन आर ओ ई आर की अगुआई में कचरों की संचलना तथा उसका इसका उपयोग। (vi) फसलों की वृद्धि पर सिंचाई एवं नाइट्रोजेन का प्रभाव, विश्वभारती के प्रायोजन से बड़े पैमाने पर जूट, गन्ना, सरसों की खेती की शुरुआत कर कृषि पूंजी के विकास हेतु कृषि अर्थव्यवस्था। इसके अलावा, पादप संरक्षण विभाग ने सामाजिक रूप से प्रासंगिक परियोजनाएँ भी लीं (i) एकीकृत हारिकारक कीट प्रबंधन (ii) फसल कटाई के पश्चात विकृति विज्ञान (iii) नेमोटेड पारिस्थितिक आदि जैसे सामाजिक रूप से प्रासंगिक परियोजनाओं को शुरू किया है। राज्य सरकार के सहयोग से एक मृदा परीक्षण प्रयोगशाला भी स्थापित की गई है ताकि चावल की फसल के उत्पादन के संबंध में बाढ़ की मिट्टी में उपलब्ध मृदा फॉस्फोरस व पोटेशियम के आकलन हेतु कुशल मृदा परीक्षण पद्धतियों को विकसित किया जा सके।

सामाजिक कार्य विभाग ने सामाजिक रूप से प्रासंगिक क्षेत्र अध्ययन संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया है जैसे - (i) बीच में विद्यालय छोड़ देने वालों को दोबारा विद्यालय में शामिल करना (ii)

स्वास्थ्य केंद्रों की सेवाओं का उपयोग करना (iii) सहकारी बैंकों द्वारा कृषि और उद्योग में निवेश (iv) सामाजिक रूप से संकट में परिवार (v) ग्रामीण आबादी के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए स्वरोजगार तथा शारीरिक विकलांगों के लिए विशेष परियोजनाएँ। इस विभाग ने आस-पास के गाँवों में अन्य सरकारी एजेंसियों के सहयोग से एक समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम भी प्रारंभ किया।

मानविकी और सामाजिक विज्ञान संस्थान ने दर्शन शास्त्र, धर्म, इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, बंगला, संस्कृत, पाली व प्राकृत, फारसी, उर्दू, हिंदी, संथाली, उड़िया, तमिल, मराठी, तिब्बती, चीनी, जापानी, रूसी, जैसी भारतीय एवं विदेशी भाषाओं में अनुसंधान कार्यक्रम प्रारंभ किया है। चीनी भाषा और संस्कृति एवं इंडो-तिब्बती अध्ययन के विभागों में बौद्ध साहित्य और धर्म पर विशेष अध्ययन किए जा रहे हैं। उनके पास प्राचीन पांडुलिपियों का एक समृद्ध भंडार है। उड़िया भाषा के विभाग ने ओड़िशा की लोकभाषाओं पर विशेष अध्ययन शुरू किया है। निप्पन भवन अर्थात् जापानी अध्ययन एवं संस्कृति केंद्र को भारत और जापान के बीच विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की ओर जापान की वित्तीय सहायता से पुनः उन्मुख किया गया है।

इसके अलावे इंदिरा गांधी राष्ट्रीय एकता केंद्र माध्यमिक एवं उच्च-माध्यमिक विद्यालयों में राष्ट्रीय एकता की संस्कृति को पाठ्यक्रम के रूप में लाने हेतु पाठ्यक्रम विकास पर कार्यशालाओं व संगोष्ठियों का आयोजन करता है।

स्नातक व स्नातकोत्तर स्तरों पर कम्प्यूटर विज्ञान के नियमित पाठ्यक्रमों के अलावा भी आगे की पीढ़ियों में कम्प्यूटर संस्कृति को प्रोत्साहित करने हेतु यहाँ एक विशिष्ट कम्प्यूटर केंद्र है जहाँ नियमित रूप से विश्वभारती के शैक्षिक व प्रशासनिक समुदाय को प्रशिक्षण तथा अभिकलन सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं। अंग्रेजी, वनस्पति विज्ञान, कला भवन, गणित, पल्ली शिक्षा भवन, भौतिक विज्ञान, रवीन्द्र भवन, प्राणी विज्ञान तथा कृषि-आर्थिक अनुसंधान केंद्र जैसे विभागों में अभिकलन सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

विद्यार्थियों की उन विस्तार गतिविधियों का उल्लेख करना भी उचित होगा जिनका एक विशेष और सामाजिक-आर्थिक महत्व है। यह एनसीसी, एनएसएस, शारीरिक शिक्षा, कार्यों एवं त्योहारों के नियमित कार्यक्रमों के रूप में आयोजित किए जाने थे जिनमें आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों, मूलतः जहाँ अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लोग रहते हैं, में शैक्षिक भ्रमण किया जाता था ताकि वहाँ के लोगों के साथ बातचीत हो सके। इन विस्तार गतिविधियों की मुख्य विशेषताएँ हैं - समाज सेवा, पर्यावरण सुरक्षा, अशिक्षा उन्मूलन, प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल तथा मादक पदार्थों की लत के खिलाफ अभियान।

उपर्युक्त तथ्यों से विश्वविद्यालय द्वारा अपने संस्थापक रवीन्द्रनाथ टैगोर, जो सामाजिक रूप से सामाजिक प्रासंगिक शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से भारत में सामाजिक उत्थान के लिए सर्वथा तत्पर रहे हैं, के सपनों के अनुरूप सामाजिक रूप से प्रासंगिक अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों का एक व्यापक दृष्टिकोण मिलता है।

उत्सव एवं त्योहार

विश्वभारती के कार्यक्रम एवं उत्सव अनुपम हैं, जिन्होंने इसके सदस्यों की जीवन शैली को प्रभावित किया है। ऐसे अवसरों पर विश्वविद्यालय का समस्त जन समुदाय एक स्थान पर होकर प्राकृतिक सौन्दर्य का आनंद लेते हुए पूर्णतया आश्रम-जीवन का अनुभव करता है तथा मंदिर, छातिमतला एवं आम्रकुंज वैदिक मंत्रोच्चार एवं रवीन्द्र-संगीत से गुंजायमान हो उठते हैं।

शान्तिनिकेतन कर्ममंडली ने 2021-2022 की अवधि में विश्वविद्यालय के निम्नलिखित कार्यक्रमों एवं उत्सवों का आयोजन किया :

1. वर्ष-शेष बांग्ला वर्ष की समाप्ति (14 अप्रैल, 2021) 30 वां चैत्र, 1427 (बंगाब्द)।
2. नव-वर्ष (15 अप्रैल, 2021), प्रथम वैशाख, 1428 (बंगाब्द)।
3. गुरुदेव स्मरण गुरुदेव की वार्षिक पुण्यतिथि और वृक्षारोपण 8 अगस्त, 2021 (श्रवण 22, 1428 बंगाब्द)।
4. हलकर्षण उत्सव, 9 अगस्त, 2021 (श्रावण 23, 1428 बंगाब्द) इस अवसर पर श्रीनिकेतन में मनाया गया।
5. 17 कार्तिक, 1428 बंगाब्द, 4 नवम्बर, 2021 को उदयन और छातिमतला पर आलोक सज्जा।
6. 2 अग्रहायण, 1428 (19 नवंबर, 2021) के विश्वभारती के शताब्दी समारोह के सिलसिले में पूर्वपल्ली मैदान में वृक्ष लगाये गये।
7. 26 नवंबर, 2021 (9 अग्रहायण, 1428 बंगाब्द) को 'संविधान दिवस' मनाया गया।
8. 18 दिसंबर 2021, को महर्षि देवेन्द्रनाथ ठाकुर के जन्म वर्ष पर विशेष प्रार्थना।
9. पौष उत्सव (22 दिसंबर, 2021 से 25 दिसंबर, 2021) 6 से 9 पौष बंगाब्द छातिमतला में पौष उत्सव का आरंभ हुआ एवं इस चतुर्थ दिवसीय उत्सवों में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों तथा अन्य मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन पौष मेला में किए गए।
10. 12 जनवरी, 2022 को स्वामी विवेकानन्द के जन्मोत्सव पर विशेष प्रार्थना एवं सांस्कृतिक संध्या।
11. महर्षि स्मरण (20 जनवरी, 2022) 6 माघ 1428 बंगाब्द के अवसर महर्षि देवेन्द्रनाथ ठाकुर की पुण्यतिथि मनाई गई।
12. 23 जनवरी, 2022 को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के जन्मोत्सव पर विशेष प्रार्थना।
13. 25 जनवरी, 2022 के माघोत्सव पर विशेष प्रार्थना।
14. 6 से 8 फरवरी, 2022 तक श्रीनिकेतन का वार्षिक उत्सव।

अन्य कार्यक्रम एवं उत्सव

- 15 अगस्त, 2021 : स्वाधीनता दिवस (स्वतंत्रता दिवस)
2 अक्टूबर, 2021 : गाँधी जन्म-जयंती

25 दिसंबर, 2021	: क्रिसमस
23 जनवरी, 2022	: नेताजी की जन्म-जयंती
26 जनवरी, 2022	: गणतंत्र दिवस
12 फरवरी, 2022	: दीनबंधु जन्म-दिवस
10 मार्च, 2022	: गाँधी पुण्याह

वित्त

विश्वविद्यालय के दैनंदिन खर्च, जिसका एक प्रधान अंश शैक्षणिक तथा गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के वेतन के रूप में है। विश्वविद्यालय प्रायः प्रायः पूरी तरह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुदान पर निर्भर है। वर्ष 2021-2022 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से 285,98.50 लाख रुपये राख-रखाव हेतु अनुदान आयोग से प्राप्त हुए, वास्तविक खर्च 303,71.57 लाख हुए। आन्तरिक स्रोत से 1348.88 लाख प्राप्त हुए।

संचित निधि व्याख्यान :

- क) महर्षि देवेन्द्रनाथ स्मारक व्याख्यान।
- ख) प्रोफेसर असिन दास गुप्ता स्मारक व्याख्यान।
- ग) हजारी प्रसाद द्विवेदी स्मारक व्याख्यान।
- घ) डा. देवकीनन्दन श्रीवास्तव स्मारक व्याख्यान।
- ङ) पीयूष कुमार मुखोपाध्याय स्मारक व्याख्यान।
- च) प्रोफेसर अशोक रुद्र स्मारक व्याख्यान।
- छ) डा. शिवानी शंकर चक्रवर्ती स्मारक व्याख्यान।
- ज) सुश्री करवी मुखर्जी स्मारक व्याख्यान।
- झ) विनोद बिहारी मुखर्जी आर्काइव वं रिसर्च केंद्र स्मारक व्याख्यान।

शैक्षणिक कर्मचारियों की स्थिति 31.03.2022 तक

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर	सहायक अध्यापक
पुरुष	110	72	185	59
महिला	16	12	77	38

अध्याय-1

गैर-शैक्षणिक कर्मचारी 31.03.2022 तक:

श्रेणी	सामान्य		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जनजाति		पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		दिव्यांग	
	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.
क	33	1	8	0	2	0	4	1	0	0	0	0
ख	112	22	15	7	7	3	5	0	0	0	0	0
ग	213	23	83	11	19	4	3	3	0	0	1	0

31.03.2022 तक छात्र संरचना :

नामांकित छात्रगण : स्नातक — 1364, स्नातकोत्तर — 1725

पीएच.डी — 181, डिप्लोमा — 72, सर्टिफिकेट — 184

पाठ-भवन के छात्रगण (कुल) : 1151

शिक्षा-सत्र के छात्रगण (कुल) - 823

अध्याय-2

भाषा-भवन

(भाषा, साहित्य एवं संस्कृति संस्थान)

भाषा-भवन भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के दस मुख्य भाषाओं एवं साहित्य विभाग, दो केंद्र तीन तीन भाषा इकाई के संस्थान हैं। फरवरी 2010 ई. में यह विद्या-भवन से उत्पत्ती हुई एवं अपनी अलग पहचान बनाई। 2014 में पूर्वपल्ले भवन में कुछ प्रमुख विभागों स्थानांतरित किया गया, जबकि कुछ विभागों को पूर्ववत परिसर में रखा गया।

भाषा-भवन के संघटक विभागों में स्नातक, स्नातकोत्तर, एम. फिल और पीएच.डी. पाठ्यक्रम के साथ भाषा एवं साहित्य में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा शिक्षण भी चलाए जाते हैं। विदेशी छात्रों के लिए भी पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। चीनी भाषा एवं साहित्य (चीना भवन) विभाग, भारत में चीनी अध्ययन की सबसे पुराना संस्थान एवं जापानी (निप्पन भवन) भाषा के विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ विनिमय एवं सहयोग साथ उत्पन्न किया जा रहा है। ओड़िया विभाग जनजाति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'उत्कृष्ट केंद्र' घोषित किया गया है। जनजाति मामले से संबंधित ओड़िया विभाग के तहत एक संग्रहालय एवं पुस्तकालय की स्थापना की गई है।

महामारी के कारण भाषा भवन के तहत प्रत्येक संघटक विभाग ने स्वयं ही ऑनलाइन माध्यम से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी एवं विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। भाषा भवन के अंतर्गत विभिन्न विभागों के छात्रों ने पूरे साल भर बहुत से पाठ्येतर गतिविधियों में भी हिस्सा लिया। भाषा-भवन भारतीय एवं विदेशी भाषाओं/साहित्य/संस्कृतियों का संगम केंद्र की विशेषणा प्रस्तुत किया है। यह अपने पूर्व एवं पश्चिम के सुंदर सांस्कृतिक पहलुओं को संजोए हुए है, भाषा-भवन “यत्र विश्वं भवत्येकनीडम्” रवीन्द्रनाथ के विचारों को चरितार्थ किया है।

बांग्ला विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/सेट एवं गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्र

यूजीसी-नेट: 02

1. सायंतनी बनर्जी
2. अनीशा मंडल

डब्ल्यूबीसीएससी-सेट: 05

1. सायंतनी बनर्जी
2. अनीशा मंडल
3. कमल हसन
4. संगीता बिश्वास
5. चैताली घोष

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी शीर्षक, तिथि):

1. 27.11.2022: नीलांजन बंद्योपाध्याय द्वारा ऑनलाइन रथींद्र स्मृति बक्तृत व्याख्यान।
2. 30.03.2022: भूतपूर्व प्रोफेसर सोमेंद्रनाथ बंद्योपाध्याय की स्मृति में शोक सभा का आयोजन।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि :

मृणालकांति मंडल

- 08.02.2022: रवींद्र अध्ययन केंद्र, कल्याणी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान 'रवींद्रनाथेर शिक्षादर्शः शांतिनिकेतन, श्रीनिकेतन ओ पतिसारेर आलोक' शीर्षक में ऑनलाइन माध्यम से व्याख्यान दिए।

सुदीप बसु

- 28.01.2022: सिंदरी कॉलेज, सिंदरी झारखंड, बिजनी कॉलेज, असम के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ शीर्षक : "महिला सशक्तिकरण: मुद्दा एवं संबंध" पर भाषण दिया गया।
- 04.02.2022: वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत, गुजरात द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में "आत्मनिर्भर भारत के विवेकानंद और रवींद्रनाथ" पर व्याख्यान दिया गया।
- 21.02.2022: रांची महिला कॉलेज, रांची, झारखंड द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय वेबिनार में "बोहिर बोंगे बांग्ला ओबोस्थान" पर मुख्य-नोट भाषण दिया गया

अपर्णा रॉय

- 30.10.2022: कांद्रा राधाकांत कुंडू कॉलेज, बर्दवान द्वारा आयोजित 'अधुनिक पाश्चात्य साहित्यतत्व ओ बांग्ला साहित्य' नामक एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में व्याख्यान दिया।

- 28.06.2021: बी.वी. कॉलेज, आसनसोल द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय वेबिनार में 'अतिमारी ओ बांग्ला सहिये तर प्रभाव' शीर्षक पर व्याख्यान दिया।
- 17.08.2021: भाषा-साहित्य-संस्कृति समय मंच, रायगंज, उत्तर दिनाजपुर द्वारा आयोजित 'नबनिता देबसेन एर सहिया' शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया।

मानवेंद्र नाथ साहा

- 23.05.2021: बरहामपुर रवींद्र मेला समिति, मुर्शिदाबाद द्वारा आयोजित 'सत्यजितेर चलचित्र विनो पेशार मेयरा' शीर्षक पर एक जन व्याख्यान दिया गया।
- 20.06.2021: जादवपुर यूनिवर्सिटी रिसर्च स्कॉलर्स एसोसिएशन, कोलकाता द्वारा आयोजित 'मृणाल सेंसर सिनेमा: अकारा वास्तव ओ धौनीर अवीघात' शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया।
- 23.06.2021: डिगबॉय कॉलेज, असम द्वारा आयोजित 'नारीर स्वतंत्र भुवन: सत्यजीत रायर चलचित्र' शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया।
- 26.06.2021: रामकृष्ण मिशन शिक्षा मंदिर, बेलूर द्वारा आयोजित 'साहित्यर भाषा ओ चलचित्र भाषा: सत्यजीत रायर सिनेमा' शीर्षक पर विशेष व्याख्यान दिया।
- 24.07.2021: समाजशास्त्र विभाग, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित 'अपर्णा सेनर चालोचित्रो: बंधुते, एककित्य' पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया।
- 17.07.2021: आनंद मोहन कॉलेज, कोलकाता द्वारा आयोजित 'पुनर्जागरण, प्रभामनोता ओ सत्यजीत रायर सिनेमा' पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

मानवेंद्र मुखोपाध्याय

- 30.04.2021: टैगोर रिसर्च इंस्टीट्यूट, कोलकाता द्वारा आयोजित 'महर्षि ईश्वर: चिंतन कथामो' विषय पर ऑनलाइन माध्यम के माध्यम से एक विशेष व्याख्यान दिया।
- 07.05.2021: सीसीसीएलएस, बांग्लादेश द्वारा आयोजित 'बहुआयामी टैगोर' पर एक ऑनलाइन क्रोस बॉर्डर के पैनल में भाग लिया।
- 13.05.2021: अपनपथ प्रकाशन द्वारा आयोजित 'रवींद्रनाथ: 'भोजपारा' द्वंद्व-छंद' विषय पर ऑनलाइन माध्यम से एक विशेष व्याख्यान दिया।
- 08.08.2021: एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता द्वारा आयोजित टैगोर की 80वीं पुण्यतिथि पर 'रवींद्र मृत्युभवन अर अमरा' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- 30.08.2021: टैगोर रिसर्च इंस्टीट्यूट, कोलकाता द्वारा आयोजित 'अबनिंद्रनाथ नंदन: इच्छासुखेर अबगहन' विषय पर ऑनलाइन माध्यम से एक विशेष व्याख्यान दिया।
- 29.09.2021: आईसीएल विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम द्वारा आयोजित शीर्षक । 'रिसर्च मेथडोलॉजी एंड इट्स स्कोप इन द बंगाली डिसिप्लिन' पर 10-दिवसीय मानविकी शोध विधि कार्यशाला में ऑनलाइन माध्यम से संसाधन व्यक्ति के रूप में दो व्याख्यान दिए।

अध्याय-2

- 04.12.2021: स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स एंड कल्चर स्टडीज, एडमास यूनिवर्सिटी, बारासात द्वारा आयोजित व्याख्यान शृंखला शीर्षक में ऑनलाइन माध्यम से 'एप्लीकेशन ऑफ डिफरेंट लिटरेरी टूल्स इन एनालिसिस टेक्स्ट्स', 'एकमुथो चबीर गोछा' पर संसाधन व्यक्ति के रूप में एक व्याख्यान दिया गया।
- 04.12.2021: मधुमंजरी (संगीत, नृत्य एवं नाटक संस्थान), कोलकाता द्वारा आयोजित शांतिनिकेतनर पौस उत्सव ओ मेला: बीबरटानेर इतिहास' पर ऑनलाइन के माध्यम से एक विशेष व्याख्यान दिया गया।
- 12.12.2021: आनंदचंद्र कॉलेज, जलपाईगुड़ी द्वारा आयोजित 'नारीबाड़ी तत्त्व' और 'पाठक-प्रतिक्रियामूलक तत्त्व' पर ऑनलाइन माध्यम से दो विस्तार व्याख्यान दिए गए।
- 26.02.2022: बांग्ला विभाग, सेंट जेवियर्स कॉलेज (स्वायत्त), कोलकाता द्वारा आयोजित 'बांग्ला-बिदयार भूत-भबिष्यत' शीर्षक पर ऑनलाइन माध्यम से तीसरी मैत्रेयी सरकार स्मारक भक्ति व्याख्यान दिया।

अतनु ससमल

- 22.12.2021: पश्चिमबंग सरकार ग्रंथागार परिसेवा अधिकार एवं बीरभूम जिला स्थानीय ग्रंथागार द्वारा आयोजित 'प्रगति मंत्र - अमर सरबा बृहत गणतंत्र (भारतीय गणतंत्र)' शीर्षक पर एक जन व्याख्यान दिया।
- 5.01.2022: बिश्व बांग्ला विश्वविद्यालय, बोलपुर, बीरभूम, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित 'रवींद्रनाथ शिक्षा भवन ओ आधुनिक समय' पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

रीता मोदक

- 23.12.2021: बिजनी कॉलेज, असम द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में 'बिश् सत्केरी नारी: संग्राम ओ साहित्य' शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया।
- 16.03.2022: पूर्वी क्षेत्रीय भाषा केंद्र, भुवनेश्वर, ओडिशा द्वारा आयोजित 'लेखन शोध प्रस्ताव' शीर्षक पर भाषा, साहित्य एवं संस्कृति में शोध पद्धति पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक विशेष व्याख्यान दिया गया।

श्रीला बोस

- 6.10.2021: रामानंद शताब्दी कॉलेज, पुरुलिया द्वारा आयोजित चैतन्य जीवन राजनीति ओ चैतन्य-भगवान (ऑनलाइन माध्यम) शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया।
- 22.01.2021: लोकगीत अकादमी, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित टेराकोटा मोंडायर लोकजीवन (ऑनलाइन माध्यम) शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया।
- 24.02.2022: जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली द्वारा आयोजित बांग्लार टेराकोटा मंदिर आख्यान (ऑनलाइन माध्यम) शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया।

- 24.03.2022: रामानंद शताब्दी कॉलेज, पुरुलिया द्वारा आयोजित बांग्ला साहित्यकार चतरेर बांग्लार मंदिर केनो देखबे शीर्षक पर ऑनलाइन माध्यम से एक विशेष व्याख्यान दिया गया।

बिश्वजीत राय

- 15.03.2022: पूर्वी क्षेत्रीय भाषा केंद्र, भुवनेश्वर, ओडिशा द्वारा आयोजित 'साहित्यिक सिद्धांत और बंगाली साहित्य' शीर्षक पर भाषा, साहित्य और संस्कृति में शोध पद्धति पर एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक विशेष व्याख्यान दिया गया।
- 28.03.2022: आलाचोना चक्र पत्रिका के सहयोग से भाबुक सभा द्वारा आयोजित प्रेसीडेंसी कॉलेज में 'महाभारत हिंगसा' शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया।

मिलनकांति बिश्वास

- 26.06.2021: मानकर कॉलेज द्वारा आयोजित 'आधुनिक साहित्य लोकसंस्कृति' शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया।
- 09.02.02: दुर्गापुर शासकीय महाविद्यालय द्वारा आयोजित 'बांग्लार लोकसंस्कृत परिवेश भवन' शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया।
- 10.02.2022: सिंधु महाविद्यालय द्वारा आयोजित 'लोकसंस्कृत क्षेत्र समीक्षा: त्वत्त पद्धति ओ प्रयोग' शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया।

पायल मुखर्जी

- 08.05.2021 से 17.05.2021: सामाजिक विज्ञान में शोध विधि ए.के. दासगुप्ता योजना और विकास केंद्र, विश्व-भारती द्वारा आयोजित 10 दिवसीय ई-राष्ट्रीय कार्यशाला "सामाजिक विज्ञान में शोध विधि" विषय में भाग लिया।
- 20.09.2021 से 29.09.2021: ए.के. दासगुप्ता योजना एवं विकास केंद्र, विश्व-भारती आयोजित 10 दिवसीय ई-राष्ट्रीय कार्यशाला "शोध विधि एवं डेटा प्रबंध" विषय में भाग लिया।

प्रकाशन

मृणाल कांति मंडल

पुस्तक:

- "बंकिमचंद्र उपन्यास: पुनर्विकास", बंकिमचंद्र उपन्यास पर आलोचनात्मक निबंध संग्रह, मृणाल कांति मंडल द्वारा संपादित, देबाशीष भट्टाचार्य द्वारा प्रकाशित, अप्रैल, 2021, आईएसबीएन: 978-93-90993-20-8.

पुस्तक आलेख:

- "बंकिमचंद्र उपन्यास: पुनर्विकास" में 'रजनी' उपन्यास मानस तत्व साधन, बंकिमचंद्र उपन्यास पर आलोचनात्मक निबंध संग्रह, मृणाल कांति मंडल द्वारा संपादित, बंगिया साहित्य संसद, कोलकाता, अप्रैल 2021, पृष्ठ 93-102 आईएसबीएन: 978-93-90993-20-8.

अध्याय-2

अमल कुमार पाल

संपादित पुस्तकें:

- छंदा सरस्वती, दे प्रकाशन, कोलकाता, फरवरी 2022 आईएसबीएन 978-93-94079-62-5
- रवींद्रबचनसमुच्चय, लालमाटी, कोलकाता-73 फरवरी 2022 आईएसबीएन 978-93-91579-00-5

सुदीप बसु

पुस्तक/आलेख:

- बंकिमचंद्र के उपन्यास में 'निहता नायिका': 'मृणालकांति मंडल, बंगिया साहित्य संसद, कोलकाता, अप्रैल 2021, पृष्ठ 61-68, आईएसबीएन: 978-93-90993-20-8.
- प्रस्तावना, 'रूकशाना' अशरफुल मंडल द्वारा लिखित पलक प्रकाशन, कोलकाता, फरवरी 2021 पृ.7-10, आईएसबीएन: 978-93-90939-83-1
- प्रस्तावना, 'स्वाधीनता परबर्ती बांग्ला छोटोगोलपो: पाठकेर मानने ओ अनुभव' में, बंगिय साहित्य संसद, कोलकाता, फरवरी 2021, पृष्ठ 7-8, आईएसबीएन: 978-93-90993-82-6

पत्रिका आलेख:

- साहित्य परिक्रमा पत्रिका में प्रवासी पत्रिका का ललित कलाओं में योगदान, दिसंबर 2021, पीपी.23-29, आईएसएसएन: 2455-27/39

अपर्णा रॉय

पत्रिका आलेख:

- बंग अनुवाद वचन साहित्य, दशादिशी, फरवरी 2022 आईएसएसएन 2320-3153

अभ्र बोस

पुस्तकें:

- उनिश शतोके बंगालीर बुद्धि चर्चा ब्रह्म समाज, कारीगर, कोलकाता, फरवरी 2022, आईएसबीएन: 978-81-953002-6-6

मानवेंद्र नाथ साहा

पुस्तकें/ आलेख:

- सत्यजीत रायर छोबीता साक्षात्कार, अपराजितो सत्यजीत, सुखेन विश्वास द्वारा संपादित, कल्याणी विश्वविद्यालय प्रकाशन, कल्याणी, अगस्त 2021, आईएसबीएन: 978-8-93-91168-68-1

मानवेंद्र मुखोपाध्याय

पुस्तकें:

- 'बीरेंद्रकृष्ण भोर: आलेख अंतरे आलेख अंदर', बिरतुतजातियो साहित्य सम्मेलनी, बोलपुर, 6 अक्टूबर, 2021, आईएसबीएन: 978-93-91736-06-4.

- 'रुद्र आचार्य गद्य', बोईवाला बुक कैफे, शांतिनिकेतन, 20 जनवरी, 2022. आईएसबीएन: 9789394-087057.

पुस्तक/ आलेख:

- 'क्षनपरिचय घनपरिचय', अमरात्मा अभयचरण (संपादक अनिद्यकांति दे), बंगिया साहित्य संसद, कोलकाता, अप्रैल 2021, आईएसबीएन: 9789390-993024, पृ. 215-218.
- पत्रिका आलेख :
- 'राग आलोकंजनी, शारदीय एकॉन शांतिनिकेतन 1428 बीएस (सं. अबीर मुखोपाध्याय), शांतिनिकेतन, पृ. 152-154.
- 'फुटपाथ पेरोली समुद्र: आशीष नंदिर बोडर सांगे एकंता अलाप', नंदिनी अन्यभवन (सं. बिक्रमजीत मंडल), दिसंबर 2021, शीर्षक कोड: डब्ल्यूबीबेइएन 15811, पृ. 232-239.

अतनु ससमल

पुस्तक आलेख:

- आमी जे एकांतो थेके देखी के नारी, अतनु सस्मल, दोशोर प्रकाशन, कोलकाता, सितंबर, 2021, आईएसबीएन: 9788195334953.
- पारिवारिक स्मृतिलिपि पुस्तकें रवींद्रनाथ, पशुपति सस्मल, अतनु सस्मल द्वारा संपादित, दोशोर प्रकाशन, कोलकाता, दिसंबर 2021, आईएसबीएन: 9788195334957.
- मायातरु ओ चंद, अतनु सस्मल, दोशोर प्रकाशन, कोलकाता, फरवरी, 2022, आईएसबीएन: 9788195334993.

रीता मोदक

पत्रिका आलेख:

- असम्पत आत्मजीवनी: एक स्वप्नमय मनुशेर जीवनकथा "रजनीतिर कोबी", आलमगीर तुलु, बांग्ला विभाग, ढाका कॉलेज, बांग्लादेश द्वारा संपादित 16 दिसंबर, 2021

पुस्तक आलेख:

- दीपेंद्रनाथ जतयु: एक दहनबेलर कथा" चारर दसक में: छोटोगलपे कालबैशाखी, डॉ. रवींद्रनाथ बंदोपाध्याय द्वारा संपादित, डॉ. बसुमिता तरफदार बांगियो साहित्य संसद, कोलकाता, फरवरी 2022, आईएसबीएन- 978-93-90993-96-3

श्रीला बोस

पुस्तकें:

- बांग्लार मोंदिर देखेर गोलपो, सिग्नेट प्रेस, कोलकाता, फरवरी 2022 आईएसबीएन 978-93-5425-000-2

अध्याय-2

पुस्तक:

- नारीर बिशोयाधिकार: राममोहनेर एकती पुस्तक सोमपोर्के टीका, सारधा दिशेतोबोर्शे राममोहन राय, कोरक, फरवरी 2022, पृष्ठ 141-48
- कलनार लालजी ओ कृष्णचंद्र मंदिर टेराकोटे कृष्णालीला, बांग्लार मंदिर मस्जिद टेराकोटा ओ बर्धमान, बर्धमान इतिहास संधान मार्च 2022, आईएसबीएन 978-93-91243-33-3 पृष्ठ 183-88
- पत्रिका आलेख
- फेलुदार मास्टरी, देबिप्रनाम, सरदिया 1428, पेज 241-4

बिश्वजीत राय

पुस्तकें:

- संगकीर्तन बिरोधी बांगसमाज बिषयक प्रस्ताव, अपनपथ, कोलकाता, फरवरी 2022, आईएसबीएन: 978-93-92022-09-8

पुस्तक आलेख:

- बांग्ला 'अकादमिक' लेखपात्रो काके बोले, लेखलिखिर पाठशाला में मृण्मय प्रमाणिक द्वारा संपादित, गंगचिल, कोलकाता, फरवरी 2022, आईएसबीएन: 978-93-90621-73-6, पीपी.545-557
- "गौतम बसु ओ तर मोन बिशोयोके टीका-टिप्पनी" सुभो कल्पपुरुष (बांग्ला निबंध संग्रह) में अमलान दत्ता, कोलकाता द्वारा संपादित: टोबू प्रोयस मार्च 2022, 122-136, आईएसबीएन: 978-93-91230-80-7

पत्रिका आलेख:

- फेलुदा लालमोहन द्वंद्व अहर्निश, अनुस्टप, ऑटम 2021, आईएसएसएन 09742697, पृ.562-597
- शिट संध्यार निर्बाता (कवि शंख घोष पर एक निबंध), परिचय, नवंबर '21-फरवरी' 22, 328-334, आईएसएसएन: 2321-936एक्स
- शंख घोषेर रवींद्रचार्चर रीति: तथ्य ओ सत्य, जिजनासा, 2021-2022, 244-256, आर.एन. 73148/80

मिलनकांति बिश्वास

पुस्तक आलेख:

- 'रजनी' उपन्यास मानस तत्व संधान, "बंकिमचंद्र उपन्यास: पुनर्विकास", बंकिमचंद्र उपन्यासों पर आलोचनात्मक निबंध संग्रह, मृणाल कांति मंडल द्वारा संपादित, देबासिस भट्टाचार्य द्वारा प्रकाशित, अप्रैल, 2021, आईएसबीएन: 978-93-90993-20-8. पृष्ठ संख्या-93 से 102 तक।

नीलरतन सरकार

पुस्तक आलेखः

- गाडियर अन्य भुवन", 'लेखालिखिर पाठशाला', संपा. मृणमय प्रमाणिक, कोलकाता: गंगचिल, आईएसबीएन 978-93-90621-73-6, पृ. 124-34.

अंग्रेजी विभाग

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / एसएलईटी और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

1. अग्निव रॉय: नेट (मार्च, 2022)
2. अपूर्व मंडल- नेट-जेआरएफ (जून, 2021)
3. अर्कदीप मित्रा: नेट (मार्च, 2022)
4. बप्पा प्रमाणिक: नेट-जेआरएफ, डब्ल्यूबीएसईटी, गेट (मार्च, 2022; अप्रैल, 2022; मार्च, 2022)
5. ब्रतिम सरकार: नेट (फरवरी 2022)
6. देबाशीष गरीन: नेट (फरवरी 2022)
7. हैमंती घोष: नेट (फरवरी, 2022.) 2)
8. हमीदुल शेख: सेट (अप्रैल, 2022)
9. जूदित कुजूर: सेट (अप्रैल 2022)
10. मयूरी भगत: गेट (मार्च, 2022)
11. पल्लबी चौधरी:नेट, गेट (मार्च 2022)
12. ऋतुपर्णा चक्रवर्ती: नेट (मार्च 2022)
13. संप्रति भट्टाचार्य:सेट, गेट (अप्रैल 2022; मार्च 2022)
14. शबनम यास्मीन: गेट (मार्च, 2022)
15. सौरव कपरी : गेट (फरवरी 2022)
16. सुमन दास:नेट-जेआरएफ (मार्च, 2022)
17. सुदीप्त कुमार पॉल- नेट-जेआरएफ (जून 2021)
18. सौमिली दास- नेट-जेआरएफ (जून 2021)
19. तस्नोवा सरमिन- गेट (मार्च 2022)

सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी (केवल राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय)

अमृत सेन

- 07.05.2021: स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, साओ पाओलो और दर्शनशास्त्र, भाषा और मानव विज्ञान विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रवींद्रनाथ टैगोर और विश्व संस्कृति पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में "द मेकिंग ऑफ ए पोएट" पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया।
- 07.05.2021: पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला द्वारा आयोजित रवींद्रनाथ टैगोर की विरासत पर राष्ट्रीय वेबिनार में "टैगोर और उनका जीवन" पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया।

- 08.05.2021: गुरुदेव टैगोर भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय दूतावास, मेक्सिको द्वारा आयोजित टैगोर के आध्यात्मिक राष्ट्रवाद पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में "टैगोर और उनकी राष्ट्रीय कल्पना" शीर्षक पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया।
- 04.07. 2021: अंग्रेजी विभाग शासकीय डिग्री कॉलेज, लालगढ़ द्वारा आयोजित "लॉरेंस स्टीक्स ट्रिस्ट्राम शैंडी" पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- 07.08. 2021: अंग्रेजी विभाग, क्राइस्ट कॉलेज, राजकोट द्वारा आयोजित उच्च आधुनिकता के सौ वर्षों पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में "टैगोर की छाया में बंगाली आधुनिकतावाद" शीर्षक पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया।
- 11.09. 2021: एचआरडीसी, बर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 07.09.21 से 20.09.21 तक वैश्विक अध्ययन में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम पर "अंग्रेजी बनाम वैश्वीकरण में भारतीय लेखन " पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।
- 13.09. 2021 एवं 14 सितंबर 2021: एचआरडीसी, बर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा 31.08.21 से 29.09.21 तक आयोजित प्रथम संकाय गहन कार्यक्रम पर दो व्याख्यान दिए गए।
- 20.09. 2021 और 21.09.2021: आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, त्रिपुरा द्वारा आयोजित 20.09.21 से 24.09.21 तक मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान में शोध पद्धति पर एक राष्ट्रीय स्तर संकाय विकास कार्यक्रम "दर्शन शास्त्र शोध एवं विधि की प्रकृति एवं क्षेत्र एवं साहित्य में शोध विधि" पर दो व्याख्यान दिए गए।
- 12.10. 2021: एचआरडीसी, बर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंग्रेजी विभाग, राममोहन कॉलेज, कोलकाता द्वारा "द गेम ऑफ ओम्ब्रे इन द रेप ऑफ द लॉक" पर एक विशेष व्याख्यान दिया।
- 02.12. 2021: एचआरडीसी, बर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 23.11.2021- 6.12.2021 तक पुनश्चर्या कार्यक्रम "ट्रेंड्स इन सोसाइटी: चेंजेस एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन लिटरेचर्स" के शीर्षक "अब्दुलराजक गुरनाह और हिंद महासागर का साहित्य" पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- 06.12. 2021: एचआरडीसी, पांडिचेरी विश्वविद्यालय द्वारा 1.12.2021- 14.12.2021 तक अंग्रेजी में पुनश्चर्या कार्यक्रम "इंडियन ट्रेवल राइटिंग पेडागोगिक पर्सपेक्टिव्स" शीर्षक से एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया गया।
- 07.01. 2022: अंग्रेजी विभाग, मोहसिन कॉलेज, हुगली में चतुर्थ सुभद्रा चक्रवर्ती स्मृति व्याख्यान ऑनलाइन माध्यम से प्रस्तुत किया गया।
- 11.01. 2022: एचआरडीसी, एनबीयू द्वारा आयोजित 7-21 जनवरी 2022 तक उत्तर औपनिवेशिक विचार और भारतीय साहित्य पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "उत्तर औपनिवेश स्थापना भारतीय चीनी प्रवासी" शीर्षक पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया गया।

अध्याय-2

- 22.01.2022: अंग्रेजी विभाग, गोखले कॉलेज, कोलकाता द्वारा आयोजित "संस्कृतियों और महाद्वीपों के बीच की खाड़ी: अब्दुलराजाक गुरना की कथा" शीर्षक पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया गया।
- 25.02.2022: एचआरडीसी, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दिनांक 22.2.22-28.2.22 तक संक्षिप्त पाठ्यक्रम "विविधता, धर्म और राष्ट्रवाद" में "टैगोर के भारतपथिक" शीर्षक पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया गया।
- 07.03.2022: एचआरडीसी, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा अंग्रेजी विभाग के सहयोग से 2.3.22-15.3.2022 तक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य में शिक्षण परिणाम पर "अब्दुलराजाक गुरनाह की कल्पना में हिंद महासागर में गतिशीलता" और "यात्रा वृत्तांत न लिखे: टैगोर और चीन" शीर्षक पर दो ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- 31.03.2022: अंग्रेजी विभाग, गोबिंद प्रसाद महाविद्यालय, बांकुरा द्वारा आयोजित 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में "स्प्लेंडाइड मेंडैक्स: स्विफ्ट्स गुलिवर्स ट्रेवल्स" शीर्षक पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया गया।

अनन्या दत्ता गुप्ता

- 17.05.2021: व्याख्यान शृंखला, विश्वभारती शीर्षक - 'अचलतन पुनःदौरा : वास्तुशास्त्र अनुशासन; 'संवाद युवा शोध' पर विशेष व्याख्यान दिए।
- 29.05.2021: मध्यस्थ के रूप में आमंत्रित, हमारे शान्तिनिकेतन: दो लेखक की यादें, मृणाल और ईरा पांडे और राधा चक्रवर्ती के साथ ऑनलाइन पैनल चर्चा। नवान्न अर्थ वीकेंड, अंतर्राष्ट्रीय साहित्य महोत्सव। https://www.youtube.com/watch?v=C2zU06qMw_AOnline
- 13.06.2021: अंतर्राष्ट्रीय टैगोर उत्सव, 2021, बिस्वोबीना, ऑनलाइन व्याख्यान प्रदर्शनी - 'श्यामल मित्रा धर कथा: टैगोर के जिंदगी में पृथ्वी, प्रकृति और मौलिकता', पर संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित। एडिलेड, ऑस्ट्रेलिया से नीलांजना सिन्हा द्वारा सृजित। <https://www.youtube.com/watch?v=YLDPWvq-bns>
- 26.07.2021-30.07.2021: 'गैस्कोइग्नेस जोकास्टा: महिला पुनर्जागरण सिटी के तहत घेराबंदी में दोष एवं संबंध', संबंध 2: अंग्रेजी प्रवास संस्कृति, 1550-1700, 30 जुलाई 2021, ईआरसी-टाइड ऑनलाइन सम्मेलन। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय।
- 18.07.2021-24.07.2021: 'गैस्कोइग्नेस जोकास्टा एव महिला पुनर्जागरण सिटी के तहत घेराबंदी, शेक्सपियर सर्किट, 'शेक्सपियर के यादगार युद्ध', 11वीं विश्व शेक्सपियर कांग्रेस, सिंगापुर।
- 12.11.2021: स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय 'साहित्य की समीक्षा' शीर्षक पर एक आमंत्रित मुख्य ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

- 12.03.2022: पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित, अंतः बाह्य : लेखक और महामारी। नवान्न पृथ्वी सप्ताह, अंतर्राष्ट्रीय साहित्य महोत्सव, पहला दिन, सत्र 3. बोलपुर/शांतिनिकेतन, <https://www.youtube.com/watch?v=4bHJuE8Up1E>
- 13.03.2022: मर्यादक के रूप में आमंत्रित, क्लूड इन: बंगाल में अपराध कथा, नवान्न पृथ्वी सप्ताह, अंतर्राष्ट्रीय साहित्य महोत्सव, दूसरा दिन, सत्र 8. बोलपुर/शांतिनिकेतन <https://www.youtube.com/watch?v=GRqoN9ilk1o>
- 23.03.2022: सेंट पॉल कैथेड्रल मिशन कॉलेज, कोलकाता अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शीर्षक 'वी डिलीवर वीमेन वर्क फोर कॉलिंग' ऑनलाइन पर विशेष व्याख्यान दिया।

देवारती बंधोपाध्याय

- 21.04.2021: अंग्रेजी विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय, असम, भारत द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार "द इको-कॉन्शियस वार्निंग: द ग्रेट डिरेजमेंट एंड 'द ब्रीफिंग' "दक्षिण एशियाई एंग्लोफोन साहित्य में पर्यावरण-पर्यावरण चेतना" शीर्षक पर ऑनलाइन पत्र (पूर्व वक्ता के रूप में) आलेख प्रस्तुत किया।
- 15.09.2021: अंग्रेजी स्नातकोत्तर विभाग एवं शोध केंद्र सतना धर्म कॉलेज, अलाप्पुझा, केरल, भारत द्वारा आयोजित प्लेटिनम सतनाम एरुडाइट व्याख्यान शृंखला, 2021-22 में "न्यू नेचर राइटिंग: इकोक्रिटिकल कंसर्न" शीर्षक पर आमंत्रित व्याख्यान।
- 11.11.2021: टैगोर अध्ययन, एडिनबर्ग नेपियर विश्वविद्यालय और ग्लासगो, यूके द्वारा आयोजित "पोएट्री एंड क्लाइमेट क्राइसिस: स्कॉटलैंड एंड इंडिया" पर अंतर्राष्ट्रीय सीओपी 26 वेबिनार में "टैगोर एंड गेडेस: द एनवायरनमेंट एंड मॉडर्निटी" शीर्षक पर आलेख (आमंत्रित वक्ता के रूप में) प्रस्तुत किया।

दीपांकर राय

- 29.05.2021: कूच बिहार पंचानन बरमा विश्वविद्यालय, कूच बिहार द्वारा आयोजित एक दिवसीय द्विभाषी वेबिनार "टैगोर की कहानी पुनर्मिलन संरचना एवं अर्थ" शीर्षक कथावाचक के कहानी एवं कला "वाल्टर वेंजामिन से टैगोर के साथ छोटी संचय कहानियों का एक प्रयास" पर स्वागत व्याख्यान दिया।
- 31.10.2021: बिरुतजटिया साहित्य सम्मिलानी, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित फॉर टुमॉरो द बड्स माइट स्टिल सिंग पुस्तक विमोचन कार्यक्रम के रूप में "बर्ड्स बल्कोनीस बिनोक्यूलर्स" पर पैनल चर्चा में भाग लिया।

सौरभ दास ठाकुर

- 08.03.2022: एचआरडीसी, कलकत्ता विश्वविद्यालय अंग्रेजी विभाग के सहयोग से पुनश्चर्या कार्यक्रम "अधीगम परिणाम एवं अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य में सक्षमता : औपनिवेशिक परिप्रेक्ष्य"

अध्याय-2

"19वीं सदी बंगाल के मध्य में अंग्रेजी शिक्षा, भाषा प्रश्न एवं आकस्मिक भद्रलोक पहचान" शीर्षक पर आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।

सुदेव प्रतिम बसु

- 30.05.2021: ग्राफिक उपन्यासकार ओरिजीत सेन, फिल्म निर्देशक सुप्रियो सेन और संगीत निर्देशक नबरुन बोस (टंगरा ब्लूज़) सत्र "स्ट्रीट स्मार्ट: पॉपुलर कल्चर टुडे" में ऑनलाइन मॉडरेटर के रूप में कार्य किया। सुरेश अभिया मेमोरियल ट्रस्ट (एसएएमटी) द्वारा आयोजित नवान्न अर्थ विकाेन।
- 05.12.2021: डिजाइन विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन भारतीय कॉमिक्स - "डिजिटल स्पेस की खोज" पर #3 पूर्ण सत्र की अध्यक्षता किए, जिसमें कॉमिन् 21 में चार पेपर प्रस्तुतियां शामिल हैं:
- 05.03.2022: मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी) कलकत्ता विश्वविद्यालय, अंग्रेजी विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम शीर्षक अधिगम परिणाम एवं अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य में सक्षमता : औपनिवेशिक उत्तर औपनिवेशिक परिप्रेक्ष्य में "रियलिज्म, स्पेस एंड एवरीडे थिंग्स" पर 90 मिनट का दो ऑनलाइन व्याख्यान दिए.

स्वाति गांगुली

- 17.07.2021: सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 11वें विश्व शेक्सपियर कांग्रेस 2021 (18-24 जुलाई) ऑनलाइन संगोष्ठी 31 शेक्सपियरन ट्रेसेस (संयोजक सुप्रिया चौधरी और सुभा मुखर्जी) शीर्षक "ए टेल ऑफ़ ट्विन्स एंड द ट्रेजेडी ऑफ़ एरर्स: द शेक्सपियरियन ट्रेस इन एलिस मुनरो की "ट्रिक्स" पर व्याख्यान दिया।
- 07.08.2021: जीआईआईए अर्थ संसद द्वारा आयोजित ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा "रीडिस्कवरिंग टैगोर" (7-8 अगस्त 2021) विश्वभारती टैगोर की दृष्टि" शीर्षक पर पूर्ण आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 13.03.2022: नवान्न अर्थ वीकेंड (12- 13 मार्च 2022) शांतिनिकेतन में सुरेश अभिया मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आयोजित "द गुड फाइट" सत्र के शीर्षक 'स्वाधीनता के संघर्ष में हिंसा एवं अहिंसा का योगदान' निकिता धवन द्वारा व्याख्यायित चर्चा पर आमंत्रित हुए.

तपू विश्वास

- 15.05.2021: अंग्रेजी विभाग, संस्कृत कॉलेज और विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित ऑनलाइन "वर्तमान समय में शोध पद्धति" शीर्षक पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 01.08.2021: बांकुड़ा विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा आयोजित "द न्यू एजुकेशन पॉलिसी: एन ओवरव्यू" शीर्षक पर ऑनलाइन आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 08.08.2021: बांकुड़ा विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन "विश्वविद्यालय शासन: एक नई चुनौती" शीर्षक पर आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।

- 29.08.2021: अंग्रेजी विभाग, संस्कृत कॉलेज, एवं विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल द्वारा ऑनलाइन "21वीं सदी के परिप्रेक्ष्य में ब्रिटिश रोमांटिक कविता" शीर्षक पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 21.11.2021: बांकुड़ा विश्वविद्यालय में "स्वतंत्र भारत में उच्चतर शिक्षा प्रणाली" शीर्षक पर ऑनलाइन आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।
- 15.01.2022: संस्कृत कॉलेज एवं विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल में ऑनलाइन "सैमुअल बेकेट एंड एब्सर्ड ड्रामा" शीर्षक पर आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।
- 23.01.2022: रानी रासमनी ग्रीन विश्वविद्यालय हुगली द्वारा "लेखन शोध प्रस्ताव हेतु एक नई तकनीक" शीर्षक पर ऑनलाइन आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।
- 12.02.2022: रानी रासमनी ग्रीन विश्वविद्यालय हुगली द्वारा "यूजीसी देखरेख सूची पत्रिका हेतु लेखन पत्र" शीर्षक पर ऑनलाइन आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।
- 16.03.2022: मणिपुर विश्वविद्यालय में अंग्रेजी विभाग एवं यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र (एएससी) द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "लेखन एवं प्रकाशन पत्र : शोधार्थी हेतु एक यात्रा" शीर्षक पर ऑनलाइन आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।
- 19.03.2022: रानी रासमनी ग्रीन विश्वविद्यालय हुगली द्वारा "सैमुअल बेकेट और यूजीन इओनेस्को: एक तुलनात्मक अध्ययन" शीर्षक पर ऑनलाइन आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।

शैक्षणिक उपलब्धियां, प्रकाशन, आदि।

प्रकाशन

पुस्तकें:

कुल: 3

- दत्ता गुप्ता, अनन्या (2021), फॉर टुमोरो द बर्ड्स माइट स्टिल सीन शांतिनिकेतन: बिरुतजातियो. उदाहरण सहित 80 काव्य संग्रह, 978-93-91736-00-2. https://www.amazon.in/tomorrow-birds-mostly-Pictures-little/dp/9391736009/ref=asc_df_9391736009/?tag=googleshopdes-21&linkCode=df0&hvadid=544900972464&hvpos=&hvnetw=g&hvrnd=88262&hvvp=c&hvdvcmdl=&hvlocint=&hvlocphy=9299026&hvtargid=pla-1426423532526&pssc=1
- दत्ता गुप्ता, अनन्या (2021), द इंडिया आई ब्रीथ, एलिजाबेथ गेंथर। ट्रांस. कोलकाता: रितोबक. आईएसबीएन 978-81-951657-9-7. <https://rritobak.com/new-arival/product-details/?product-id=134>
- दत्ता गुप्ता, अनन्या (2021), अभि बुली: द डायरी ऑफ़ अ क्विपस्टर बॉय। कोलकाता: चर्मपत्र. <https://boighar.in/product/abhi-buli-ananya-dutta-gupta/>

अध्याय-2

पुस्तक/संकलन :

कुल: 8

- सेन, अमृत। (2021), ए फॉर्माको डी उम पोएटा: रवींद्रनाथ टैगोर ए ला लिटेरेटुरा मुंडियाल। लौरा पी। इज़ारा (सं.) , रेलेम्ब्रांडो टैगोर (पृ. 11-41), साओ पाउलो: साओ पाउलो विश्वविद्यालय प्रेस. आईएसबीएन 9786587621715.
- बंधोपाध्याय, देबरती (2021), टूवर्ड्स नॉन वाइलेंस थौट ऑफ टैगोर एंड गांधी। डी. दत्ता एवं ए. मक्सिक (सं.), अहिंसा: टैगोर और गांधी (पृ.216-231) में। ग्रैंडस्का नरोदना बिब्लियोटेका।
- बंधोपाध्याय, देबरती (2022), द पेरेग्रीन: ईकोक्रिटिज्म एंड न्यू नेचर राइटिंग। इन द डिमार्को एंड टी रूपर्ट (एड.), एवियन एस्थेटिक्स इन लिटेरेचर एंड कल्चर: बड्स एंड ह्यूमन इन पॉपुलर इमेजिनेशन (पृ. 139-152), लेक्सिंगटन बुक्स।
- बारिक, शाओन (2021), हॉन्टेड बाई द एम्पायर: मेमसाहिब्स राइटिंग द घोस्ट्स ऑफ 'हिंदुस्तान' पोस्ट द इंडियन मोटिव ऑफ 1857 इन ओइंड्रिला घोष (सं.), विज्ञान, कॉन्टेस्टेशन एंड डिसेप्शन: इंट्रोड्यूसिंग जेंडर एंड द सुपरनैचुरल इन विक्टोरियन शॉर्टर फिक्शन (पृ. 293-312) कोलकाता: एवेनल प्रेस.
- बिश्वास, तापू (2022) द डोमिनिंग प्लॉट: द सबप्लॉट इन ट्वेल्थ नाइट। डी. सिन्हा (सं.) में, शेक्सपियर की बारहवीं रात पर महत्वपूर्ण निबंध (पृ. 62-68), अटलांटिक पुस्तक।
- रॉय, दीपांकर (2021) 'परिचय', ट्रांस दीपांकर रॉय, बंग साहित्य परिचय, दिनेश चंद्र सेन, कोलकाता: आनंद प्रकाशन, अप्रैल 2021, (पृ. xxxvii - cxlii),
- दासठाकुर, सौरव (2021), टी.एस. एलियट डिपार्चर फ्रॉम न्यू क्रिटिसिज्म : नोट्स टूवर्ड्स द पोसिबिलिटी ऑफ ए पॉएटिक ड्रामा'। इन सप्तर्षि मल्लिक और सरबजीत विश्वास (सं.), द अनस्पोकन वर्ड्स: ए स्टडी ऑफ टी.एस. एलियट्स क्रिटिकल राइटिंग्स (पृ.1-7), नई दिल्ली: अल्फा प्रकाशन।
- गांगुली, स्वाति (2022), फिर देखा विश्वभारती आर सतोबशों: प्रतिष्ठा मुहूर्तो, आदर्श ओ असंका खाती। इन अंगशुमान कर (सं.), गोभीर निरंजन पाठेर गद्यपद्यप्रबंधे 2 (पृ. 45-49) कोलकाता: सप्तर्षि प्रकाशन 2022, आईएसबीएन 9789390830534.

मुद्रित पत्रिका आलेख:

कुल: 7

- बंधोपाध्याय, देबरती (2021), रवींद्रनाथ टैगोर एवं संस्कृति और विज्ञान के माध्यम से प्रकृति का संवर्धन। विज्ञान और संस्कृति, 87(5-6), 159-165. https://doi.org/10.36094/sc.v87.2021.वींद्रनाथ_टैगोर_और_ऑगमेंटिंग.बंधोपाध्याय.159

- -- (2021), पोस्ट कोलोनीयल इकोक्रिटिसिज्म थ्रू द कनडियन लेंस : स्लेकट राइटिंग ऑफ मार्गेट एट ऊड। जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी स्टडी इन लिटेरेचर एंड एनवायरमेंट (जेआईएलई) / रेविस्टा इंटरडिसिप्लिनरी डी लिटेरेचर ई इकोक्रिटिसिज्म (आरआईएलई), 7(1), 80-98.
- बंधोपाध्याय, देबरती (2021), बुक रिव्यू मारुना मुर्मु, वडर्स ऑफ हियर ओन : वुमन ऑथर्स इन नाइंटीन-सेंचुरी बंगाल। इंडियन जर्नल ऑफ जेंडर स्टडीज, 28(3), (पृ.469-472), डोई: 10.1177/09715215211030545
- बिश्वास, तापू (2021), पोस्ट कोलोनीयल इकोक्रिटिसिज्म थ्रू द कनडियन लेंस : स्लेकट राइटिंग ऑफ मार्गेट एट ऊड। जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी स्टडी इन लिटेरेचर एंड एनवायरमेंट (जेआईएलई) / रेविस्टा इंटरडिसिप्लिनरी डी लिटेरेचर ई इकोक्रिटिसिज्म (आरआईएलई), 7(1), 80-98.
- बिश्वास, तापू (2021), बादल सरकार एंड मैट्रिक्स ऑफ एडोप्टेशन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कल्चरल स्टडीज एंड सोशल साइंसेज, 13 (16), 89 – 101.
- बिश्वास, तापू (2021), डेथ इन टैगोर'स द पोस्ट ऑफिस। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कल्चरल स्टडीज एंड सोशल साइंसेज, 14 (17), 40-50.
- बिश्वास, तापू (2021), पुतुल खेल: एनालिसिस ऑफ ट्रांसक्रिएशन ऑफ डॉल हाउस। थिएटर इंटरनेशनल, (13), 1-8.
- दत्ता गुप्ता, अनन्या (2021), 'रवींद्रनाथ पोर एकटा प्रोक्रिया', उत्तरबंग संगबाद, स्पेशल सप्लीमेंट रोंगदार रॉबर, पुनश्चय बोइशाख, 9 मई।

ई-पत्रिका :

कुल: 5

- दत्ता गुप्ता, अनन्या (2022), टू इंडियंस टू नोबल्स : कुणाल बसु इन एन आइडियल वर्ल्ड एंड सौकत मजूमदार द मिडिल फिंगर, कैफे डिसेंसस एवरीडे, एड. मैरी एन चाको और मोसराप हुसैन खान, 1 मार्च। <https://cafedissenseveryday.com/2022/03/01/two-indias-two-novels-kunal-basus-in-an-ideal-world-and-saikat-majumdar-the-middle-finger/> ISSN 2373-177X. वेब पत्रिका।
- (2022), 'डिलेट्री नोट ऑन रीडिंग रॉबर्ट गैलब्रेथ्स ट्रबलड ब्लड मिस्ट्री ट्रिब्यून, 22 जनवरी. <https://mysterytribune.com/a-dilatory-note-on-reading-robert-galbraiths-troubled-blood/>
- -- (2022), अनलिमिटेड आर्ट लैंग्वेज एंड कम्यूनिकेशन। इमामी आर्ट ब्लॉग। 2 मार्च। <https://www.emamiart.com/blog/untitled-art-language-and-communication/>। ऑनलाइन
- -- (2021), 'पेंडोरा एगोनिस्टा: अनलॉकिंग द आई, मी एंड अस ऑफ वीमेन्स रीडिंग एंड राइटिंग।' इंटरसेक्शन: ए जर्नल ऑफ लिटेरेरी एंड कल्चरल स्टडीज। वॉल्यूम 1, सितंबर। ऑनलाइन।

अध्याय-2

- - - 27.07.2021-28.01.2022: 'ट्रैवलिंग इन म्यूज़िक: म्यूज़िंग ऑफ़ ए एक्सीडेंटल कोरिस्टर', (चार भागों में), रघुखत ब्लॉग
<https://roughkhata.blog/travelling-in-music-musings-of-an-acidental-chorister/>
<https://roughkhata.blog/travelling-in-music-musings-of-an-acidental-chorister-2/>
<https://roughkhata.blog/travelling-in-music-musings-of-an-acidental-chorister-3/>
<https://roughkhata.blog/travelling-in-music-musings-of-an-acidental-chorister-4/>
- सेन, अमृत। (2021), अनकम्प्रोमाइज़िंग एंड पैशनेट: द फिक्शन ऑफ़ अब्दुलरज़क गुरनाह। विज्ञान और संस्कृति, 87(11-12), (पृ.452-54), <https://www.scienceandculture-isna.org/2021/nov-dec/archive/10%20Nobels%20in%20Science%202021-8.pdf>

पुस्तक समीक्षा:

कुल: 2

- दास ठाकुर, सौरव (2021), पुस्तक समीक्षा, 'कोबी' ओ 'रानी': सोमदत्त मंडल द्वारा निर्मलकुमारी महलानोबिस और रवींद्रनाथ टैगोर के संस्मरण और पत्राचार (ट्रांस. एंड एड.) एशियाटिक 15 (1), जून 2021: 224-28.
- दत्ता गुप्ता, अनन्या (2022), पुस्तक समीक्षा इन एन आइडियल वर्ल्ड: एन ओल्ड कंट्री ऑफ़ यंग पीपल, कुणाल बसु द्वारा, द पंच मैगज़ीन, 9 अप्रैल 2022, <https://thepunchmagazine.com/the-byword/review/kunal-basu-amp-rsquo-s-in-an-ideal-world-an-old-country-of-young-people>

शोधार्थी प्रकाशन

पुस्तक:

कुल: 2

- मित्रा, अर्कदीप (2021), लव, अदर, डिफरेंस: द थीम ऑफ़ लव इन देबाशीष लाहिड़ी के टिंडर टेंडर एंड पोपीज इन द पोस्ट। दीपक गिरी (एड।) में। भारतीय अंग्रेजी कविता (पृ. 151-158),
- - - (2022), कलेक्टिव इलनेस एंड बीकमिंग एक्सेसनली नॉर्मल. इन प्रदीप्त मुखर्जी (एड.)। डोजिंग डायस्टोपिया (पृ. 131-140),

प्रिंट जर्नल में आलेख:

कुल: 5

- चक्रवर्ती, परंतप (2021), रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा हलकर्णन: ए ट्रांसलेशन वीथ ए क्रिटिकल इंट्रोडक्शन। गीतांजलि एंड बियॉन्ड, अंक 5, 56-63.
- घोष, देबोत्मा (2021), "निनागावा मैकबेथ: री इमेजिनिंग शेक्सपियर इन द ट्वेंटीथ सेंचुरी जापान एंड द कल्चरर कॉफिट इंग्रेंट इन ट्रांसलेशन ट्रांसपोज़िशन"। वार्षिक शेक्सपियर, XIX (19).

- कर्मकार, निवेदिता (2021), पॉवर प्रॉक्ची एंड परफिडि : मैकबेथ डाउन फॉल प्रजेंटेट थ्रू ए मंग एडोप्टेशन। वार्षिक शेक्सपियर, XIX (19), 111-121.
- रॉय, मधुमिता (2022), "साइंस, मेडिसिन, एंड जेंडर पॉलिटिक्स इन कोलोनीयल बंगाल: ए रीडिंग ऑफ ग्रेचेन ग्रीन्स मेमॉयर द होल वर्ल्ड एंड कंपनी"। तुलनात्मक साहित्य और सौंदर्यशास्त्र का जर्नल।
- - - - (2022), "चिकित्सा सतर्कता के खिलाफ महिलाओं के प्रतिरोध की खोज: इश्मत चुगताई की "छुई मुई" का एक महत्वपूर्ण अध्ययन। अंतर्राष्ट्रीय महिला अध्ययन जर्नल का विशेष अंक।
- सोम, सुदेस्ना (2021), "स्पोटिलिटि इन विलियम शेक्सपियर ऐज़ यू लाइक इट"। वार्षिक शेक्सपियर, XIX (19).

ई-जर्नल्स आलेखः

कुलः 3

- भट्टाचार्य, अनीश (2022), कंस्ट्रक्शन ऑफ 'लिम्बो' एज रेजिस्टेंस : ए रीडिंग ऑफ हारुकी मुराकामी काफ़्का ओन द सोर।
- - - (2022), मैकिंग न्यू द लैंग्वेज ऑफ लव : ए कम्प्रेटिव स्टडी ओएफ सेलेक्ट वर्क्स ऑफ टी एस एलियट एंड हारुकी मुराकामी। ड्योजेस जर्नल।
- सामंत, अभिषेक। (2021), दलित वोमेन स्पीक डिफ्रेंसिएटली : ए स्टडी ऑफ बामा संगती। साहित्यसेतु, वर्ष-11, अंक 6, सतत अंक 66, नवंबर - दिसंबर 2021, आईएसएसएन: 2249-2372. यूआरएल:<http://www.sahityasetu.co.in/issue66/abhishek.html>

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी शीर्षक, दिनांक)

- 21.06.2021: प्रोफेसर अमृत सेन द्वारा आयोजित "भारतीय लेखन यात्रा: एक संवादात्मक सत्र" : एक परस्पर संवादात्मक सत्र। अंग्रेजी विभाग, प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर जयती गुप्त
- 22.06.2021: प्रोफेसर अमृत सेन द्वारा संयोजन "लेखन यात्रा: महत्वपूर्ण दिशाएं"। अंग्रेजी विभाग, रीडर सौरे विश्वविद्यालय डॉ. कर्न. थॉम्पसन।
- 23.06.2021: प्रोफेसर अमृत सेन द्वारा आयोजित "भारतीय लेखन यात्रा: एक संवादात्मक सत्र" अंग्रेजी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय के डॉ. प्रमोद के. नायर।
- 24.06.2021: संचालन प्रोफेसर अमृत सेन द्वारा "भारतीय लेखन यात्रा: चाय चाय पर संवादात्मक सत्र"। मुख्य यात्री लेखक विश्वनाथ घोष।
- 10.07.2021: डॉ. अनन्या दत्ता गुप्ता द्वारा आयोजित "इक्कीसवीं सदी भारत में पश्चिमी महिला यात्री।" तन्मय पुटुंडा, संकाय, कीट, भुवनेश्वर द्वारा विशेष व्याख्यान।
- 19.07.2021: डॉ. अनन्या दत्ता गुप्ता द्वारा आयोजित और आयोजित "मातृभूमि की खोज में सीमाओं से पेरा जाना" विषय पर डॉ. सुकल्याण चंद्र, संकाय, गुस्करा कॉलेज द्वारा विशेष व्याख्यान।

अध्याय-2

- 23.07.2021: डॉ अनन्या दत्ता गुप्ता द्वारा आयोजित "शोध विधि: वैश्विक दक्षिण और अंतःविषय अभ्यास केंद्र" प्रोफेसर सुदेशना रॉय, स्टीफन एफ. ऑस्टिन विश्वविद्यालय, नकोगडोचेस, टेक्सास, यूएसए द्वारा विशेष व्याख्यान।
- 13.08.2021: डॉ. अनन्या दत्ता गुप्ता द्वारा आयोजित "पूल निर्माण : यू.एस. में साहित्यिक शोध संचालन का तरीका एवं विधि एक संक्षिप्त परिचय"। डॉ मधुचंदा राय चौधरी, संकाय, सिस्टर निवेदिता विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा विशेष व्याख्यान।
- 31.01.2022: डॉ. अनन्या दत्ता गुप्ता द्वारा आयोजित और आयोजित "बंगाल में किंग लियर: नोट्स टुवर्ड्स ए हिस्ट्री ऑफ रिसेशन" डॉ अभिषेक सरकार, फैकल्टी, अंग्रेजी विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा विशेष व्याख्यान।

शिक्षकों/शोधार्थियों द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि' की अध्यक्षता/ मूल्यांकन/प्रस्तुतिकरण।

पाठ्यक्रम :

दीपांकर रॉय

- 18.10.2021 - 24.10.2021: "नई सहस्राब्दी में साहित्यिक अध्ययन" - अंग्रेजी विभाग, पांडिचेरी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक सप्ताह का अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम।

शोधार्थी सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला

प्रतिभागी/प्रस्तुतिकरण

- 24.05.2021: अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य (आईएसपेइएलएल) पदोन्नत हेतु कला, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान और भारतीय समाज विद्यापीठ, रीवा विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, भारत द्वारा पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में प्रतती बारिक (पीएचडी शोधार्थी) ने भाग लिया।
- 04.06.2021: भारतीय मरणोपरांत नेटवर्क और सेंटर फॉर कम्परेटिव सोशल थ्योरी (सीसीएसटी), समाजशास्त्र विभाग, पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय, बारासात द्वारा आयोजित चार दिवसीय ऑनलाइन संगोष्ठी "पोस्टह्यूमनिज्म एंड द हरिजन्स: डर्ट अच्छा है" शीर्षक पर सौमिली दास (पीएचडी शोधार्थी) ने आलेख प्रस्तुत किया।
- 02.07.2021-31.07.2021: यूनिवर्सिटी ऑफ वेल्स, ट्रिनिटी, सेंट डेविड, यूके और सेंट बेर्चम्स कॉलेज, केरल, भारत द्वारा आयोजित "महत्वपूर्ण सिद्धांत एवं दर्शन शास्त्र 2021 के मानविकी ग्रीस स्कूल" में सौमिली दास (पीएचडी) ने भाग लिया।
- 23. 07. 2021: अंग्रेजी भाषा और साहित्य विभाग, स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स एंड कल्चर स्टडीज, एडमस यूनिवर्सिटी, कोलकाता द्वारा आयोजित संगोष्ठी शीर्षक "द स्ट्रेंजर इन द सिटी: द आर्टिस्ट एज़ ए लॉस्ट हीरो इन द वुडकट नॉवेल्स ऑफ़ फ्रांसिस मैसेरिल एंड लिंड वार्ड" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

- 02.08.2021 - 09.08.2021: अंग्रेजी विभाग, सेंट मैरी कॉलेज, थिसूर, भारत द्वारा आयोजित 8 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में ब्रताती बारिक (पीएचडी शोधार्थी) ने भाग लिया।
- 15.08. 2021: ऋषिराज पाल (पीएचडी शोधार्थी) ने रोमांसिंग द गॉथिक, यूके द्वारा आयोजित भारतीय हॉरर मिनिसरीज, घोल (नेटफ्लिक्स) पर एक आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- 28.08. 2021: अंतः विषयक शोध केंद्र, लंदन द्वारा आयोजित कथा वाचन (स्वयं) जीवनी एवं नृवंशविज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "औपनिवेशिक बंगाल में विज्ञान, औषधि एवं लिंग राजनीति : ग्रेचेन ग्रीन मेनिओर, विश्व एवं कम्पनी का एवं (पुनः) व्याख्यान" मधुमिता रॉय (पीएचडी शोधार्थी) ने आलेख प्रस्तुत किया।
- 01.10.2021: मानविकी विद्यापीठ, नानयांग प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, सिगापुर द्वारा आयोजित शीर्षक "जॉसिन विश्व तथ्य के सौन सेंस एवं सेस साउंड : सत्व शास्त्र की ओर श्रवण" पर ऋषिराज पाल (पीएचडी शोधार्थी) ने आलेख प्रस्तुत किया।
- 22.10. 2021: अंग्रेजी एवं आईक्यूएसी विभाग, सेवा भारती महाविद्यालय, कापगरी, झारग्राम, पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी में "टेल ऑफ ट्रांसकेंडिंग क्लाइमेट: ए रीडिंग ऑफ किम स्टेनली रॉबिन्सन द मिनिसट्री फोर द फ्यूचर" " कैटास्ट्रोफिज्म " शीर्षक पर तुषार कांति कर्मकार, (पीएचडी शोधार्थी) ने आलेख प्रस्तुत किया।
- 20.01.2022: अंग्रेजी विभाग, विद्यासागर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "भारतीय साहित्य के निर्माता" नामक एक अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में मयूरी भक्त (एम.फिल. शोधार्थी) और सुदीप्त कु. पॉल (एम.फिल. शोधार्थी) ने आलेख प्रस्तुत किया।
- 10.02.2022: बोडोलैंड विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित और आईसीएसएसआर-एनईआरसी द्वारा प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय पर वेबिनार: 21 वीं सदी पर पर्यावरण विषय : संभावनाएं के शीर्षक " बांसुरी वादन : विश्व के फॉरेस्ट गैंडर्स कोर में स्थान एवं गैर स्थान मरनोपरांत काव्य शास्त्र विवेचना" पर सुदेसना सोम (पीएचडी शोधार्थी) ने आलेख प्रस्तुत किया।
- 25.02.2022 यूलब बहुसांस्कृतिक सभा 2022 पर "बांग्लादेश कल्पना संवादात्मक : भाषा विज्ञान सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व, गैर-प्रतिनिधित्व बहकाना" शीर्षक बलात महिला के मानव अधिकार हिंसा के प्रति चित्रण कथा एवं उनकी मुंह जवानी इतिहास के माध्यम से अनसुलझी आघात संबोधन : 1971 की महिला की राख साइ उठना पुनर्मिलन कथा" अविषेक भट्टाचार्य, (पीएचडी शोधार्थी) ने आलेख प्रस्तुत किया।
- 21.03.2022 - 23.03.2022: मोतीलाल नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "समकालीन भारत में सार्वजनिक क्षेत्र स्थान : सिद्धांत एवं व्यवहार" शीर्षक "महानगरीय सार्वजनिक क्षेत्र की परिकल्पना : विश्वभारती त्रैमासिक पत्रिका में कला एवं सौंदर्यशास्त्र पर लेखन" देबमाल्या दास (पीएचडी शोधार्थी) ने आलेख प्रस्तुत किया।

अध्याय-2

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों/एनएसएस/सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियों में शिक्षकों एवं छात्रों द्वारा सहभागिता।

- प्रोफेसर अमृत सेन निदेशक (कार्यवाहक), ग्रंथन विभाग, विश्वभारती, सदस्य आईक्यूएसी, विश्वभारती, सदस्य, पीएच.डी. न्याय निर्णयन समिति, सदस्य, एमओयो समिति। अलिया विश्वविद्यालय अंग्रेजी विभाग बीओएस के सदस्य रह चुके हैं। बर्दवान विश्वविद्यालय के शोध समिति, रवींद्र भारती विश्वविद्यालय के आरएसी सदस्य हैं।
- प्रोफेसर देबारती बंद्योपाध्याय वार्षिक प्रतिवेदन समिति, शोध बोर्ड एवं महिला अध्ययन केंद्र के अध्ययन बोर्ड के रूप में कार्य किए हैं।
- डॉ. सुदेव प्रतिम बसु विश्वविद्यालय (अप्रैल 2018 से) कुलानुशासक (कार्यवाहक) हैं। वह विश्वभारती नेक कोर एवं कार्यरत समिति से जुड़े रहने के साथ-साथ भाषा भवन नेक टीम (जून 2019 से) के संयोजक भी हैं। भवन स्तर पर डाटा संयोजन के साथ-साथ केंद्रीय विश्वविद्यालय स्तर पर भी संयोजन किए हैं। विश्वभारती नेक पीयर टीम दौरा का हिस्सा भी रहे हैं। वह कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के निवारण विश्वभारती आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी-पीएसएचडब्ल्यूडब्ल्यू) के नवंबर 2020 से सदस्य भी हैं एवं बिना अनुपस्थिति के सभी विचार-विमर्शों में भाग लिया है। वे विश्वविद्यालय स्तरीय एंटीरैगिंग कमेटी के संयोजक भी हैं।
- डॉ. अनन्या दत्ता गुप्ता विश्वभारती महिला संघ की कार्यकारी सदस्य हैं।
- डॉ. सौरव दास ठाकुर, नेक समिति, भाषा भवन, विश्वभारती के सह-संयोजक थे।
- डॉ. दीपांकर रॉय, अंग्रेजी विभाग नेक समिति के संयोजक थे।

हिन्दी विभाग

हिन्दी भाषा और साहित्य का अध्ययन 1938 से भाषा-भवन, विश्वभारती का अभिन्न अंग है। पं. हजारीप्रसाद द्विवेदी के अथक निर्देशन में हिंदी अध्ययन पाठ्यक्रम की शुरुआत हुई। सी.एफ. एंड्रयूज, क्षितिमोहन सेन एवं बनारसीदास चतुर्वेदी के अथक उद्यम से 31 जनवरी, 1938 को हिंदी भवन का शिलान्यास किया गया। मध्ययुगीन हिंदी साहित्य एवं संत साहित्य में कवि रवींद्रनाथ ठाकुर की विशेष रुचि थी। वर्तमान में इस विभाग में शोध पर आधुनिक एवं मध्ययुगीन साहित्य, तुलनात्मक साहित्य एवं हिंदी अनुवाद में रवीन्द्र साहित्य का विशेष अध्ययन होता है। हिंदी भवन में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं एम.फिल के साथ-साथ हिंदी में प्रमाण पत्र एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम के साथ एक वर्षीय विदेशी पाठ्यक्रम भी चलाए जाते हैं।

नेट/जेआरएफ : वर्ष 2021-2022

वर्ष 2021-2022 नेट/जेआरएफ से सम्मानित छात्र: सात (07)

1. अमित कुमार सिंह (एमए सेमेस्टर -III)
2. सोनमित लेप्चा (नेट/जेआरएफ)
3. राजेश कुमार साव (आरजीएनएफ/पीएचडी)
4. ज्योति जायसवाल (नेट/सेट/एम.फिल)
5. निरुत्पल बोरा (नेट/एम.फिल.)
6. अनिल कुमार बेहरा (नेट/एम.फिल.)
7. जूली कुमारी (नेट/एम.फिल.)

संगोष्ठी / कार्यशाला / सम्मेलन :

विभागीय संगोष्ठी :

- 13 अगस्त, 2021 'तुलसी में काव्य, दर्शन और भक्ति का मधुत्रय' पर प्रोफेसर पांडे शशिभूषण 'शितांशु' (अमृतसर) द्वारा तुलसी जयंती पर ऑनलाइन व्याख्यान दिए।
- हिंदी दिवस समारोह 14 सितंबर, 2021 का ऑनलाइन उद्घाटन माननीय कुलपति प्रो. विद्युत चक्रवर्ती के द्वारा किया गया। प्रो. टी.जी. प्रभाशंकर 'प्रेमी' ने हिंदी भाषा एवं साहित्य के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उद्घरण दिए। श्री हरिवंश नारायण सिंह, राज्य सभा के माननीय अध्यक्ष ने संबोधन ज्ञापित किया। प्रो. चंदन कुमार (दिल्ली), प्रो. दामोदर मिश्र (हावड़ा), प्रो. विनोद कुमार मिश्र (अगरतला), श्वेता दीप्ति (काठमांडू), डॉ. अनुज लुगुन (बोधगया), प्रो. पवन अग्रवाल (लखनऊ), श्री सुरेश चंद्र शुक्ल (ओस्लो), प्रो. एम.एन. तिवारी और प्रो. सी. त्रिपाठी ने भी दर्शकों को संबोधित किया।

अध्याय-2

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि :

चक्रधर त्रिपाठी

- 21.08.2021: हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित ऑनलाइन शीर्षक 'नई शिक्षा नीति और राजभाषा' पर व्याख्यान दिया।
- 28.08.2021 : गंगा-कावेरी व्याख्यान श्रृंखला शीर्षक 'राजभाषा हिन्दी : विविध आयाम' पर 5वां ऑनलाइन व्याख्यान दिया गया।
- 08.09.2021: राष्ट्रीय पुस्तकालय, कोलकाता में मुख्य अतिथि के रूप में हिंदी के महत्व पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- 08.09.2021: राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन सॉल्टलेक, कोलकाता में हिंदी दिवस के अवसर पर व्याख्यान दिया।
- 22.09.2021 : पंजाब नेशनल बैंक, दुर्गापुर के अंचल कार्यालय में हिंदी दिवस के अवसर पर व्याख्यान दिया।

मुक्तेश्वर नाथ तिवारी

- 22.10.2021: हिन्दी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कोचीन विश्वविद्यालय, कोचीन द्वारा आयोजित 'आधुनिक हिन्दी कविता में विश्व-बोध' पर डॉ. एल. सुनीता बाई विन्यास पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया गया।
- 18.11.2021 : यूजीसी-एचआरडीसी, कालीकट विश्वविद्यालय, केरल में 14वें पुनश्चर्या पाठ्यक्रम 'समकालीन हिन्दी कविता में वैश्विक चेतना' विषय पर व्याख्यान दिया।
- 29.11.2021 : हिन्दी विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, केरल में 13वां स्वर्ण जयंती 'पाश्चात्यकाव्यशास्त्र के आधारस्तंभ' विषय पर व्याख्यान दिया।
- 15.12.2021 : मानविकी में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, यूजीसी-एचआरडीसी, रांची विश्वविद्यालय, रांची द्वारा आयोजित शीर्षक 'स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता के सरोकार' विषय पर व्याख्यान दिया।
- 17.01.2022 : यूजीसी-एचआरडीसी, उत्तर बंग विश्वविद्यालय, सिलीगुड़ी द्वारा शीर्षक उत्तर 'औपनिवेशिकता और हिन्दी साहित्य' विषय पर व्याख्यान दिया।
- 18.02.2022 : हिन्दी विभाग, विद्यासागर विश्वविद्यालय, मेदिनीपुर द्वारा शीर्षक 'स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता में लोकतंत्र' अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार की अध्यक्षता किए।
- 12.03.2022: हिन्दी विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक में 'शोध विधि' पर विस्तृत व्याख्यान दिए।

शकुंतला मिश्रा

- 09.12.2021: यौन उत्पीड़न निवारण, विश्वभारती, जागरूकता कार्यक्रम पर आईसीसी, विश्वभारती के अध्यक्ष के रूप में स्वागत संबोधन दिए।

- 14.09.2021: विश्वभारती द्वारा आयोजित राजभाषा हिंदी दिवस समारोह कार्यक्रम में राजभाषा अधिकारी (अतिरिक्त प्रभार), विश्वभारती के रूप में राजभाषा की वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत की गई।

रवींद्रनाथ मिश्र

- 18.07.2021 : अभिराम सारस्वत परिषद कटक, ओडिशा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'रवींद्रनाथ दृष्टि गीत' पर ऑनलाइन आलेख प्रस्तुत किया।
- 10.08.2021 : हिंदी विभाग, विश्वभारती में तुलसी जयंती समारोह शीर्षक 'तुलसी में काव्य दर्शन और शक्ति का मधुत्रय' उपस्थित हुए।
- 14.09.2021 : हिंदी दिवस समारोह के अवसर पर हिंदी-भवन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'हिंदी देश में, हिंदी विदेश में' पर ऑनलाइन व्याख्यान दिए।
- 24.12.2021 : उत्कल विश्वविद्यालय, ओडिशा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'आधुनिक काव्य-चिंतन' पर ऑनलाइन व्याख्यान दिए।

सुभाष चंद्र राय

- 24.04.2021: दिनकर स्मृति न्यास, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'जन मन के कवि दिनकर' ऑनलाइन नवीनवरन वक्ता रहे।
- 30.05.2021: दिनकर स्मृति न्यास द्वारा दिनकर नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'प्रकृति और संस्कृति रक्षण समाज की अस्तित्व' पर ऑनलाइन दिनकर वक्ता रहे।
- 13.08.2021: हिंदी-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित 'तुलसी जयंती'
- 14.09.2021: हिंदी-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार 'हिंदी देश में, हिंदी विदेश में'।

श्रुति कुमुद

- 14.03.2022: छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, हिंदी विभाग में चल रहे पूर्व-पीएच.डी. कोर्स वर्क में 'स्त्री विमर्श और शोध' विषय पर एक व्याख्यान दिया गया।

सुकेश लोहार

- 02.01.2022 : युवा दलित साहित्यकार मंच द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "दलित सृजनधर्मिता और नई संभावनाएं" पर व्याख्यान दिए।

प्रकाशन: पुस्तकें / आलेख

चक्रधर त्रिपाठी

पुस्तकें:

- त्रिपाठी, चक्रधर, (2021), 'ओडिया में संघ का इतिहास', सरस्वती प्रकाशन, भुवनेश्वर, खंड 1, आईएसबीएन: 978-81-955273-3-5

अध्याय-2

- त्रिपाठी, चक्रधर, (2021), 'जैनेन्द्रकुमार: विविध वातायनों से', पंकज पुस्तक मंदिर, दिल्ली, आईएसबीएन: 978-93-92910-19-7
- त्रिपाठी, चक्रधर, (2021), 'जन्मदिन के अवसर पर', (टैगोर के जन्मदिन का अनुवाद) केदारनाथ एंड संस, मथुरा, यू.पी. आईएसबीएन: 978-81-89258-39-9

पुस्तक आलेख:

- त्रिपाठी, चक्रधर, (2021), 'पं दीनदयाल की दृष्टि में भारत की आत्मनिर्भरता, आत्मनिर्भर भारत', इंडियन बुक बैंक, दिल्ली, पृ. नंबर 174-180, आईएसबीएन: 978-81-81115-159-9

मुक्तेश्वर नाथ तिवारी

आलेख:

- तिवारी, मुक्तेश्वर नाथ, (2021, अप्रैल-जून), संपादकीय 'अपनी बात', 'विश्वभारती पत्रिका', शांतिनिकेतन, खंड 79, पृष्ठ. नंबर 168-176, आईएसएसएन: 2348-4977
- तिवारी, मुक्तेश्वर नाथ, (2021, जुलाई-सितंबर), संपादकीय 'अपनी बात', 'विश्वभारती पत्रिका', शांतिनिकेतन, खंड 80, पृष्ठ. नंबर 161-168, आईएसएसएन: 2348-4977
- तिवारी, मुक्तेश्वर नाथ, (2021-2022, अक्टूबर-मार्च), संपादकीय 'अपनी बात', 'विश्वभारती पत्रिका', शांतिनिकेतन, खंड 81, पृष्ठ. नंबर 136-144, आईएसएसएन: 2348-4977
- तिवारी, मुक्तेश्वर नाथ, (2021), प्राक्कथन, 'वसुषेण', ऋषिकेश मल्लिक द्वारा ओडिया में काव्य संग्रह, रवींद्रनाथ मिश्र द्वारा हिंदी में अनुवाद; आनंद प्रकाशन, कोलकाता, पृ. नंबर iii-iv, आईएसएसएन: 978-93-88858-81-6

शकुंतला मिश्रा

- मिश्र, शकुंतला, (2021, जुलाई), बंगला से हिंदी अनुवाद 'उमरखय्याम की खोज': प्रसंग बांग्ला अनुवाद (डॉ. मनोज चक्रवर्ती), 'विश्वभारती पत्रिका' खंड 79 नंबर 1, पृष्ठ नंबर 110-112, आईएसबीएन: 2348-4977
- मिश्र, शकुंतला, (2021), बंगला से हिंदी अनुवाद 'लालन का तत्व दर्शन' (डॉ. रमाकांत चक्रवर्ती) 'बाउलकवि ललन शाह : साधना और साहित्य', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, पृ. नंबर 87-94, आईएसबीएन: 978-93-90678-07-5

रवींद्रनाथ मिश्र

पुस्तकें:

- मिश्र, रवींद्रनाथ, (2021), 'बसुसेना' ओडिया से हिंदी में अनुवाद काव्य संग्रह, आनंद प्रकाशन, कलकत्ता द्वारा प्रकाशित - 700007, आईएसबीएन: 978-93-88858-81-6
- मिश्र, रवींद्रनाथ, (2021), 'गीतांजलि' बंगला से उड़िया अनुवाद काव्य संग्रह, रेका प्रकाशन, कटक द्वारा प्रकाशित

आलेखः

- मिश्र, रवीन्द्रनाथ, (2021, अप्रैल-जून), संपादित आलेख 'कवि, कविदृष्टि एवं काव्य प्रयोजन' विश्व-भारती पत्रिका में प्रकाशित, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, खंड 79, पृष्ठ नंबर 131-136, आईएसएसएन: 2348-4977

श्रुति कुमुद

आलेखः

- कुमुद, श्रुति, (2022, फरवरी), 'वह शहर एक शख्स': 'वनमाली' पत्रिका, खंड 02, पृ. नंबर 95-98

सम्मानः

सुकेश लोहार

सम्मानः

- 'अमृत लाल नागर' सम्मान, केआरएस इंटरनेशनल फाउंडेशन, कलकत्ता द्वारा 28.3.2022 को सम्मानित किया गया।

संस्कृत, पाली और प्राकृत विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/सेट एवं गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम

क्र. सं.	छात्रों के नाम	नेट/जेआरएफ/सेट
1.	ब्योमकेश गरई	नेट एवं जेआरएफ
2.	तानिया पाइन	नेट एवं जेआरएफ
3.	सुदीप घोष	नेट
4.	बिदिशा प्रमाणिक	नेट
5.	सुकांत घोष	एन एफ (ओ बी सी)

शिक्षकों/शोधार्थियों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि में अध्यक्षता/मूल्यांकन/प्रस्तुतीकरण करना।

नरोत्तम सेनापति

- 03.02.2022: संस्कृत विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में एक व्याख्यान दिया
- 19.01.2022-21.01.2022: संस्कृत विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्राचीन भारतीय व्याकरण परंपरा : विकास, उत्कृष्ट पर राष्ट्रीय वेबिनार में एक व्याख्यान दिया।

अरुण कुमार मंडल

- 26.08.2022: संस्कृत विभाग, आईक्यूएसी एसकेबीयू, सिधू-कान्हू-बिरसा विश्वविद्यालय, पुरुलिया के सहयोग से आयोजित वर्तमान परिस्थिति रामायण प्रासंगिकतम पर शीर्षक 'वाल्मीकी रामायण परिनायाकसहचारणी वर्तमानसमाज तीसम प्रासंगिकत का' राष्ट्रीय सम्मेलन पर आमंत्रित व्याख्यान दिए.

ललिता चक्रवर्ती

- 04.09.2021-09.09.2021: रामकृष्ण मिशन विवेकानंद शैक्षिक एवं शोध संस्थान, बेलूर, हावड़ा, पश्चिम बंगाल द्वारा नव्य सिद्धांत मुक्तावली में मंगलवाद पर पांच ऑनलाइन व्याख्यान दिए.

जगत राम भट्टाचार्य

- 14.06.21 - 30.06.21: प्राकृत भाषा एवं साहित्य ग्रीष्म विद्यापीठ, भोगीलाल लहरचंद आदर्शवादी संस्थान, दिल्ली में प्राकृत व्याकरण एवं दर्शनशास्त्र पर विचार व्यक्त किए.
- 23.08.21 - 29.08.21: प्राकृत एवं संस्कृत विभाग, जैन विश्वभारती संस्थान, मानद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्राकृत पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में ऑनलाइन प्राकृत व्याकरण व्याख्यान दिए.

- 16.11.21 - 22.11.21: प्राकृत, पार्श्वनाथ विद्यापीठ, वाराणसी पर राष्ट्रीय कार्यशाला में द्वि माध्यम प्राकृत भाषा एवं साहित्य में व्याख्यान दिए.
- 20.01.22: संस्कृत विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "प्राकृत व्याकरण परंपरा" पर राष्ट्रीय वेबिनार "प्राचीन भारतीय व्याकरण परंपरा: विकास एवं उत्कृष्ट" में ऑनलाइन व्याख्यान दिए.
- 10.02.22: संस्कृत विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "प्राकृत भाषा" पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम सांस्कृतिक साहित्य : आंतरिक बुद्धि का समुद्र पर ऑनलाइन व्याख्यान दिए.
- 12.02.22: संस्कृत विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "प्राकृत भाषा" पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम सांस्कृतिक साहित्य : आंतरिक बुद्धि का समुद्र पर ऑनलाइन व्याख्यान दिए.
- व्याख्यान शृंखला - "जैन कैनोनिकल साहित्य" पर व्याख्यान दिया।
- भारतीय ज्ञान प्रणाली, आईआईटी, गांधीनगर, गुजरात में आयोजित।
- 18.02.22: आईआईटी, गांधीनगर, गुजरात में आयोजित भारतीय ज्ञान प्रणाली व्याख्यान शृंखला में "प्राकृत नाटकीय साहित्य" पर व्याख्यान दिया गया।

निरंजन जेना

- 14.02.2022-15.02.2022: फारसी विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम द्वारा आयोजित "सूफीवाद एवं अंतरधार्मिक संवाद को वैश्विक शांति तथा सामाजिक सद्भाव प्रोत्साहन पड़ राष्ट्रीय संगोष्ठी "सूफी एवं वैदिक विद्या : विश्व शांति हेतु संभावित संगम" पर आलेख प्रस्तुत किया।
- 26.03.2022-28.03.2022: संस्कृत, पाली एवं प्राकृत विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित आईसीपीआर नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित "वेद में सत्य और परमानंद प्रभाव" राष्ट्रीय संगोष्ठी "सत्य एवं परमानंद हेतु मानव : भारतीय दर्शनशास्त्र परिप्रेक्ष्य" पर आलेख प्रस्तुत किया।
- 26.03.2022-28.03.2022: संस्कृत, पाली एवं प्राकृत विभाग, विश्वभारती द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "सत्य एवं परमानंद हेतु मानव खोज : भारतीय दर्शनशास्त्र परिप्रेक्ष्य" का आयोजन हुआ।

डॉ. हरेकृष्ण मिश्र

- डॉ. बी. आर आबेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान, अंडमान एवं भारतीय इतिहास संकल्प समिति, पश्चिम बंगाल द्वारा संचालित संगोष्ठी "वीर सावरकर द्वारा हिंदुत्व समझ : वैदिक अवधारणा" शीर्षक पर आलेख प्रस्तुत किए.

डॉ. राम प्रमोल

26.03.2022-28.03.2022: संस्कृत, पाली एवं प्राकृत विभाग, विश्वभारती, द्वारा आयोजित, भारतीय दर्शनशास्त्र शोध परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित सत्य एवं परमानंद हेतु मानव खोज पर राष्ट्रीय शीर्षक "साहित्य और परमानंद - भारतीय दर्शन के अनुसार ब्रह्म एक मातृ करण" पर आलेख प्रस्तुत किए.

अध्याय-2

प्रकाशन

निरंजन जेना (विभागाध्यक्ष)

- 2021, आईएसबीएन : 978-81-7702-483-3, "वैदिक ज्ञान रत्न", वैदिक अध्ययन पर प्रोफेसर शशि तिवारी अभिवादन खंड, "वैदिक बलिदान मानदंड : वर्तमान समाज में इसकी प्रासंगिकता", प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली, पृ.491-503.

अरुण कुमार मंडल

- उज्ज्वल निल मणि (श्रीमदरूपगोस्वामीविरचित) [मुद्रप्रभाख्यादिसंमिलितमः प्रथमः प्रकरण], संस्कृत पुस्तक भंडार 38, विधान सारणी कोलकाता- 700006, फरवरी, 2022, आईएसबीएन: 978-93-92622

ललिता चक्रवर्ती

- चक्रवर्ती, एल. (जनवरी 2022) पुराणभव्यः शिवः एबांग आमरा, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, पृ. 154-159, आईएसएसएन - 2394-4927.

अरुण रंजन मिश्र

- आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी: काव्यकला परिसिलन, सह-लेखक, डॉल घोष, शिवालिक प्रकाशन नई दिल्ली, फरवरी 2022, कुल पृष्ठ 265, आईएसबीएन नंबर 978-93-912143-4-0.
- इंटरनेशनल पीयर रिव्यूड रिसर्च जर्नल में प्रकाशित शोध पत्र: वेदों में राष्ट्र एवं अंतर्राष्ट्रीय, विश्वस्वरानंद इंडोलॉजिकल जर्नल, आईएसएसएन नंबर 0507-1410, सं. एनसी पांडा, सह. पंजाब विश्वविद्यालय, होशियारपुर-146021, 2021, पृ.-1-5.
- शोध पुस्तक अंश : संस्कृत अध्ययन (प्रस्तावना से) सेवा में पुनश्चर्या अवलोकन, पूर्व (खंड I), में संस्कृत अध्ययन सं. सुभ्रजीत सेन, संस्कृत पुस्तक भंडार, कोलकाता, दिसंबर 2021, पृ.1-22, आईएसबीएन: 978-93-92622-23-6.
- "वैदिक साहित्य में जनजातीयवाद", वैदिक ज्ञान रत्न में प्रकाशित आलेख, सं. भास्करनाथ भट्टाचार्य, प्रतिभा प्रकाशन, सितंबर 2021, पृ.- 140-146, आईएसबीएन: 978-81-7702-483-3.

जगत राम भट्टाचार्य

- भट्टाचार्य, जे.आर. (2021), पीड़ित से पीड़ित एवं मुक्त होना - आचार्य महाश्रवण की दृष्टि में। आचार्य महाश्रवण -विविध आयाम। जैन विश्वभारती संस्थान (डीम्ड यूनिवर्सिटी), लांडन। 224-34
- भट्टाचार्य, जे.आर. (2021), जैन अग्मीरा भाषा-समविका। प्राच्यविद्या। संस्कृत विश्वविद्यालय, ढाका विश्वविद्यालय।
- भट्टाचार्य, जे.आर. (2022), निर्वाण जैन पथ - एक साधारण भक्त की जीवन: सुक्ति, मुद्राशास्त्र, धर्म एवं दर्शनशास्त्र (प्रोफेसर हम्पा नागराजैया उत्सह), 304-9.

हरेकृष्ण मिश्र

- राष्ट्र, राष्ट्रवाद और राष्ट्रीय विकास पर यजुर्वेदिक विचार, शोध पत्रिका में प्रकाशित - मानविकी और सामाजिक विज्ञान शोध अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, गुप्ता प्रकाशन, खंड: 7, अंक: 6, वर्ष-2021, पृ.-22-25, आईएसएसएन संख्या- 2455-2070, प्रभाव कारक-आरजेआईएफ 8

पुस्तक प्रकाशन

- पूर्वी भारत पैपलाडिन्स, भारतीय इतिहास संकल्प समिति, द्वारा प्रकाशित, पश्चिम बंगाल आईएसबीएन 978-93-82424-71-0(सृजन) बनभालु, अथिन प्रकाशन द्वारा लम्बी कविता, भुवनेश्वर, आईएसएसएन संख्या 978-93-82-424-71-0

विभाग द्वारा भवन/सदन/विभाग संबंधित विकास कार्य पर एक संक्षिप्त इतिहास।

1901 में जब रवींद्रनाथ ठाकुर ने ब्रह्मचर्य आश्रम विद्यालय की स्थापना किए थे, तब से ही यहाँ के शैक्षणिक पाठ्यक्रम में संस्कृत का महत्वपूर्ण स्थान था। विश्वभारती के निर्माण काल से ही संस्कृत का पठन-पाठन करने के लिए बिधुशेखर शास्त्री, क्षिति मोहन सेन, सिल्वन लेवेई, मौरिस विंटरनिट्ज आदि जैसे सुयोग्य विद्वानों का सहयोग मिला।

विद्या भवन की शुरुआत हुई 8वीं पौष, 1332 (दिसंबर 1925 के अंतिम सप्ताह में) में पंडित बिधूशेखर शास्त्री की अध्यक्षता से। विद्या भवन में अन्य विषयों के साथ संस्कृत, पाली और प्राकृत का अध्ययन और अध्यापन होता है। यह मुख्यतः उच्चतर शोध विभाग था। 1972 में जब विभागों का पुनर्गठन किया गया तब इसमें मानविकी के 15 विभागों में संस्कृत, पाली और प्राकृत का भी स्थान था। 2011 में भाषा भवन के तहत संस्कृत विभाग नए रूप में आया।

1951 में जब विश्वभारती को केंद्रीय विश्वविद्यालय तथा राष्ट्रीय महत्व संस्थान का दर्जा मिला तब उसमें संस्कृत, पाली और प्राकृत को स्वतंत्र विभाग का स्थान मिला। इस विभाग में स्नातक, स्नातकोत्तर, प्रमाणपत्र, डिप्लोमा और एडवांस डिप्लोमा स्तर की शिक्षा दिए जाने लगे, विदेशी छात्रों के लिए एक वर्ष का पाठ्यक्रम एवं शोध कार्यक्रम इत्यादि चलाए जाने लगे।

विभाग 2011-12 सत्र से स्नातक एवं स्नातकोत्तर पर सेमेस्टर व्यवस्था लागू की गई। 2014 से एम. फिल पाठ्यक्रम की भी शुरुआत हुई।

ओड़िया विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/सेट एवं गेट परीक्षा : यूजीसी नेट (जेआरएफ) में उत्तीर्ण छात्रों के नाम
यूजीसी नेट (जेआरएफ)

1. दीपुन पुहन
2. चंदन कुमार नायक

यूजीसी नेट:

3. सोनाली साहू
4. प्रभास चंद्र तोलतिया
5. सिबानंद बशेहा
6. कबिता ताड़िदि
7. प्रेमराज गहिर
8. आकाश कुमार सिंह
9. बिपद कुमार बरिक्

शैक्षिक संकाय एवं गणमान्य व्यक्तियों द्वारा आयोजित विभागीय वेबिनार

क्र.सं.	वक्ता	विषय	दिनांक
1.	प्रो. नारायण साहू	पोस्ट 1980 ओड़िया नाटक	10.04.2021
2.	डॉ. शत्रुघ्न पंडब	पोस्ट 1980 ओड़िया काव्य	24.07.2021
3.	डॉ. गौरांग चरण दास	सरोला दास महाभारत के विगत एवं वर्तमान का संपादन	10.07.2021

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि।

सबिता प्रधान

- मानव संसाधन विकास केंद्र, संबलपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 10 जुलाई को 'भाषा एवं संस्कृति' पर संसाधन व्यक्ति के रूप में दो व्याख्यान दिए.

मनोरंजन प्रधान

- 20.06.2021: दयानिधि साहित्य संसद, संबलपुर द्वारा आयोजित ऑनलाइन माध्यम से "गल्पिका दयानिधि मिश्र" पर एक व्याख्यान दिया।
- 25.06.2021: ओड़िया विभाग, जी.एम. विश्वविद्यालय, संबलपुर द्वारा आयोजित ऑनलाइन "एक विंश शताब्दीरा ओड़िया कथा साहित्येर नूतनता" पर व्याख्यान दिए.

- 05.07.2021: रेमुना कॉलेज, बालासोर द्वारा आयोजित ऑनलाइन माध्यम से "सरला साहित्यरे समाजिक ओ संस्कृतिक मूलबोध: एका द्रष्टिपत" पर एक व्याख्यान दिया।
- 13.07.2021: नरेंद्रनाथ स्मृति संसद, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित ऑनलाइन माध्यम से "सृजन साहित्य समीक्षा और नरेंद्रनाथ मिश्र" पर एक व्याख्यान दिया।
- 15.07.2021: मानव संसाधन विकास केंद्र, संबलपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन माध्यम से "साहित्य एवं संस्कृति" पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में दो व्याख्यान दिए।
- 18.10.2021: द यूनिवर्स कटक (सामाजिक-सांस्कृतिक की अग्रणीय संस्था) में "साहित्य बिचार ओ मुल्यबोध" पर एक व्याख्यान दिया।
- 15.01.2022: ऑनलाइन माध्यम से कोरापुट शासकीय कॉलेज में "अनुवाद संधिओ" पर व्याख्यान दिया।

शरत कुमार जेना

- 24.08.2022-28.08.2022: ओओएसओयू, संबलपुर द्वारा आयोजित ऑनलाइन माध्यम से "ओडिया, नाटक प्रबंध, राम्या रचना ओ समालोचना विकासधारा" पर चार व्याख्यान दिए।
- 26.12.2021: ओओएसओयू, संबलपुर द्वारा आयोजित ऑनलाइन माध्यम से "पांडुलिपि संपादन" पर व्याख्यान दिए।

रवींद्र कुमार दास

- 04.07.2021: त्रिधारा साहित्य संसद, गंजम, ओडिशा द्वारा आयोजित गूगल मीट के माध्यम से "साहित्य में नया रुझान" शीर्षक पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- 05.10.2021: फकीरमोहन ऑटोनॉमस कॉलेज, बालासोर, ओडिशा द्वारा आयोजित गूगल मीट के माध्यम से "स्वाधीनता के उपरांत ओडिया काव्य" शीर्षक पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- 04.12.2021: राउरकेला विधि कॉलेज, राउरकेला साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित "ओडिया उपन्यास साहित्य रे एन चर्चा" शीर्षक पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- 18.12.2021: बुद्ध मंदिर, भुवनेश्वर के दिल्ली महिला लेखक संघ द्वारा आयोजित "तोतारु तडगा: एक वैश्विक दृष्टिकोण" शीर्षक पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

विस्तारित गतिविधियाँ, सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियाँ:

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम/संकाय विकास कार्यक्रम।

रवीन्द्र कुमार दास

- 11.11.2021- 28.11.2021: यूजीसी एमएचआरडी, संबलपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यूजीसी प्रायोजित संकाय गहन कार्यक्रम में भाग लिया।

अध्याय-2

वेबिनार संयोजन

रवींद्र कुमार दास

- 18.06.2021-20.06.2021: फकीरमोहन संस्था, नई दिल्ली एवं ओडिशा अध्याय द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 'काव्य पाठ' कॉलेज एवं विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच संयोजन के रूप में कार्य किया।
- 27.06.2021: फकीरमोहन संस्था नई दिल्ली कान्सा सांस्कृतिक केंद्र, टोरंटो, कनाडा के सहयोग से आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार 'फकीरमोहन: पुनर्जागरण महापुरुष' पर संयोजन के रूप में कार्य किया।
- 20.09.2021-30.09.2022: फकीरमोहन संस्था, नई दिल्ली कान्सा सांस्कृतिक केंद्र, टोरंटो, कनाडा के सहयोग से 10 दिनों के अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार "भारतीय साहित्य विविध आयाम" पर संयोजन सह-संयोजक के रूप में कार्य किया।
- 30.03.2022: फकीरमोहन संस्था, नई दिल्ली एवं ओडिशा अध्याय द्वारा आयोजित "भारत में ब्रिटिश प्रशासन रियासत के दौरान फकीरमोहन सेनापति दीवान के रूप में" सह-संयोजक के रूप में कार्य किया।

शिक्षकों/शोधार्थियों द्वारा अकादमिक उपलब्धियाँ

- प्रोफेसर मनोरंजन प्रधान को 12.12.21 को जारका में गोकर्णिक साहित्य समाज, धर्मशाला द्वारा आयोजित प्रबंधिक बैकुंठ नाथ रथ स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

पाठ्य पुस्तक

सबिता प्रधान

- ओड़िया उपन्यास, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, जुलाई, 2021, (आईएसबीएन: 978-93-91017-50-7)

शरत कुमार जेना

- कवित्र कर्णमा, तृप्ति, भुवनेश्वर, 2021, (आईएसबीएन-13 978-93-80758-42-8),
- चित्तरंजन श्रुति सांभर (सं.) - चिन्मय प्रकाशन, बिनोद बिहारी, कटक, 2021, (आईएसबीएन -81-8119-158-7),
- हृदयलोक (प्रो. देव प्रसन्ना पटनायक हेतु बधाई सारांश) (सं.) - अथेन बुक्स, भुवनेश्वर, अक्टूबर, 2021, (आईएसबीएन: 13 978-93-80824-20-8)

रवींद्र कुमार दास

- "उत्तर संरचनावाद बनाम ओड़िया साहित्य" (आलोचना), ब्लैक ईगल बुक्स द्वारा प्रकाशित, डबलिन, अमेरिका, दिसंबर 2021.

शोध पत्र:

प्रमिला पटुलिया

- बसंत कुमारी पटनायक गलपेर मानवेत्र चित्रे प्रतिफलन, इंकार, खंड-73, अंक-2, मई, 2021

शरत कुमार जेना

- सांस्कृतिक नायकार श्रद्धा परंपरा : "पबनार ज्योति"र काव्यस्वर- बिपिनिय काव्य सांभर: बिदघ बिचिर (सं.) डॉ नलिनी कुमार पाणिग्रही, द्वारा पश्चिम प्रकाशन, पहला संस्करण, 2021, (आईएसबीएन- 978-81-89098-30-2).
- नारी सशक्तिकरण प्रसंगेर गांधीजी- गांधी सौरभ, सं. - मेजर रामारमन पाधी, अन्नपूर्णा प्रकाशक, बरहामपुर, 2021, (आईएसबीएन- 978-9385700-23-1).
- बिक्सिप्त चेतनार बिन्यास: गोधुलिर बाघ- जुग पुरुष मनोज दास, सं.- प्रो. नारायण साहू, सत्यनारायण बुक स्टोर, कटक, 2021, (आईएसबीएन- 818118-374-6),
- महत्तर चेतनार नबदिगंत: शेष बसंतर चिती, जुग पुरुष मनोज दास, सं.- प्रो. नारायण साहू, सत्यनारायण बुक स्टोर, कटक, 2021, (आईएसबीएन - 818118-374-6),
- बिलुप्त ओड़िया लोक संस्कृति कथा ओ 'बगधिमिरारा कथा'- बाघ धीमीर दिलीप कुमार त्रिपाठी द्वारा, विश्वमुक्ति प्रकाशन, भुवनेश्वर-23, 202, (आईएसबीएन-978-93-91620-03-5)
- 1870 पूर्व ओड़िया नारी कवि भारतीय प्रेक्ष्यपट्ट: एक तुलानात्मक अध्ययन एवं अम्ब पंचबटी, अक्टूबर, 2021.

रवीन्द्र कुमार दास

- एक शोध आलेख प्रकाशन शीर्षक "प्रतिक एवं रमाकांत रथ नक 'लंथन' साहित्य एवं विज्ञान स्वाभिमान पत्रिका (आईएसएसएन-2320-1479) में, वर्ष 36, नंबर-2, जनवरी 2022.
- शोध आलेख प्रकाशन "रेबती" बालासोर, ओडिशा पत्र शीर्षक "रेबती नारी नुह मनीस: मनीस नुह चेतन" जनवरी 2022 में।

विभाग के विकास की भविष्य योजना के निर्देशन का संक्षिप्त इतिहास:

विश्वभारती का ओड़िया विभाग 1947 ई. में कल्पना किया गया और नियमित स्नातकोत्तर विभाग की स्थापना 1951 में की गई। देश में ओडिशा के बाहर ओडिया साहित्य और भाषा स्नातकोत्तर के लिए यह एक मात्र विभाग है। यह स्नातकोत्तर, एम.फिल और पीएचडी स्तर हेतु शिक्षा प्रदान करता है। इसके अलावा, यह प्रमाणपत्र, डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी चलाया जाता है। आरम्भ से ही यह, उच्च कोटि के शोध और शिक्षा से संबंधित कार्य को सुचारु रूप से चला रहा है।

अरबी, फ़ारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि:

अतीकुर रहमान

- 21.03.2022-22.03.2022: फ़ारसी एवं केंद्रीय एशिया अध्ययन केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित शीर्षक, " असम के विशेष संदर्भ में उत्तर-पूर्व भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन पर सूफीवाद एवं इसका प्रभाव" राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक " फ़ारसी इतिहास में उत्तर पूर्व भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक दशा को दर्शाना" में आलेख प्रस्तुत किए.
- 22.10.2021-23.10.2021: फ़ारसी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रस्तुत शीर्षक, "मौलाना काज़ी सज्जाद हुसैन -ई-गुलिस्तान वा बुस्तान" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार शीर्षक "मोता' अलत-इ-सादी" में आलेख प्रस्तुत किए.
- 18-09-2021: उर्दू और फ़ारसी शोध संस्थान, पुरा मारुफ़, मऊ द्वारा आयोजित शीर्षक गुलिस्तान-ए-सदी : फ़ारसी की एक अहम नासरी तसनिफ़।" राष्ट्रीय वेबिनार शीर्षक "उर्दू और फ़ारसी की नासरी आसनफ़" में आलेख प्रस्तुत किए.

प्रकाशन

- "प्रो. अमीर हसन अबिदी : हयात व ख़िदमत", डॉ. अतीकुर रहमान, दबीर, लखनऊ, दबीर हसन स्मृति पुस्तकालय काकोरी, 2021, खंड VIII, अंक: I-IV, क्रमांक 21, पृष्ठ संख्या 132-148, आईएसएसएन: 2394-5567
- "मेहदी अख़वां-ई-थालिथ: एक अहद साज़ हमेशा सारा", डॉ. अतीकुर रहमान, दस्तक, वाराणसी, उर्दू विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, 2021, खंड 4, अंक-08, पृष्ठ संख्या 84-92.
- "मौलाना काज़ी सज्जाद हुसैन की अदबी ख़िदमत", डॉ. अतीकुर रहमान, उर्दू दुनिया, राष्ट्रीय उर्दू भाषा संवर्धन परिषद, शिक्षा मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, भारत सरकार, 2021, खंड 23, अंक:08, पृष्ठ संख्या 42-44, आईएसएसएन: 2249-0639
- अनवर शाह कश्मीरी के "हदीस साहित्य के धारणा एवं प्रसार का योगदान" अब्दुल्ला मोल्ला। दबीर (एन इंटरनेशनल पीयर रिव्यूड रेफ़रीड क्वार्टरली लिटरेरी रिसर्च जर्नल फॉर फ़ारसी लिटरेचर), वॉल्यूम 8, नंबर 1 से 4, 2021, पृ. 22-29. आईएसएसएन: 2394 — 5567.

भारत-तिब्बत अध्ययन विभाग

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी : सोनम जैंगपो

- 27.10.2021-28.10.2021: जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, भारत सरकार एवं अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन, नई दिल्ली, भारत के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन 'बौद्ध विचार का प्रसार' पर भाग लिए एवं शीर्षक 'हिमाचल प्रदेश के चंबा जिला के पंगी घाटी में बौद्ध धर्म का प्रसार' विषय पर आलेख प्रस्तुत किए.
- 20.03.2021-03.04.2021: मैत्रेयी कॉलेज, डीयू एवं पीएमएमएमएनएमटीटी शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तहत गुरु अंगद देव शिक्षा शिक्षण केंद्र, एसजीटीबी खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित उच्चतर शिक्षा में शिक्षक हेतु सुलभ उभरती प्रौद्योगिकी पर द्वी सप्ताहिक ऑनलाइन राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम / पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में सफलतापूर्वक भाग लिया एवं पूरा किया।
- 05.04.2021-09.04.2021: सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क (इनफ्लिबनेट) केंद्र, गांधीनगर, गुजरात द्वारा आयोजित 5 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम "शोध विधि एवं नीति शास्त्र : साहित्यिक चोरी मुद्दा संदर्भ प्रबंधन उपकरण और अल्ट्रामेट्रिक्स" में भाग लिया।

मंतोष मंडल

- 11.03.2022-17.03.2022: इतिहास विभाग, विद्यासागर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान में अंतःविषयक शोध विधि कार्यशाला में भाग लिया।

प्रकाशन

संजीव कुमार दास

पुस्तक :

- दास, संजीव कुमार। श्री नालंदा एवं उसके सत्रह पंडित (बंगला एवं अंग्रेजी), तथागत प्रेस: कोलकाता 2021; आईएसबीएन: 9789391867256
- दास, संजीव कुमार। बुद्ध और बौद्ध ससन (हिंदी), विश्व बौद्ध प्रेस: दिल्ली, 2021, आईएसबीएन: 9789391985035

पत्रिका में आलेख प्रकाशन :

- [सं.] कुमार, बिमलेंद्र। सचेतन क्या है? : एक अद्वितीय मारक भ्रम, धर्मदूत, सारनाथ: भारतीय महाबोधि समाज, नवंबर 2021, आईएसएसएन-234-3482
- [सं.] कुमार, बिमलेंद्र। चर्यागीत : सहयान बौद्ध साहित्य के अदित्य निधि, महाबोधि, कोलकाता : भारतीय महाबोधि समाज, दिसंबर 2021, आईएसएसएन- 0025-0406

अध्याय-2

- [सं.] बौद्ध, संघमित्रा। महायान-उत्तरांतर-शास्त्र, बोधि-पथ, खंड- 21, बौद्ध शिक्षा संस्थान दिल्ली, जून 2021, आईएसएसएन-2347-8004
- [सं.] बौद्ध, संघमित्रा। महायान बौद्ध साहित्य में पंच विज्ञान का संक्षिप्त परिचय, बौद्ध-पथ, खंड- 22, बौद्ध शिक्षा संस्थान दिल्ली जनवरी 2022, आईएसएसएन-2347-8004
- [सं.] बौद्ध, संघमित्रा। प्रतिमोस प्रतिज्ञा: अभिधर्मकोसकारिक पर आधारित विशेष रूप से सैद्धांतिक चर्चा, बौद्ध पंथ खंड - 22, बौद्ध शिक्षा संस्थान दिल्ली, जनवरी 2022, आईएसएसएन -2347-8004

प्रकृति चक्रवर्ती

प्रकाशित आलेख:

- 'महायान बौद्ध के सत्रह भारतीय मास्टर' नालंदा (बौद्ध धर्म और भारतीय सांस्कृतिक पत्रिका), आईएसएसएन- 2320-7264, पंजीकृत संख्या 1832/70, 2021-22 श्रीमती प्रतिमा बरुआ द्वारा प्रकाशित, नालंदा अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका

सोनम जैंगपो

- आलेख शीर्षक प्रकाशन 'विश्व समाज बौद्ध विचारक का योगदान : एक परिचय' पृ. — 60-65, पीयर रिव्यूड एंड रेफरेड जर्नल शीर्षक "विश्वव्यापी अंतर्राष्ट्रीय अंतः विषयक शोध पत्रिका" आईएसएसएन: 2454-7905 खंड - I. अंक- XLVIII esajeaa1ef : प्रभाव कारक : 7.479 श्रीमती पल्लवी लक्ष्मण शेते द्वारा, फरवरी 2022 , सिरिस प्रकाशन द्वारा प्रकाशित, बेलानगर, नांदेड़, महाराष्ट्र - 431 605
- आलेख शीर्षक प्रकाशन 'आर्य मैत्रेय नाथ का कार्य (भविष्य बुद्ध) : संक्षिप्त परिचय', पृष्ठ संख्या 258-266, नालंदा पत्रिका : बौद्ध एवं भारतीय सांस्कृतिक पत्रिका, आईएसएसएन: 2320-7264, खंड - 55-57, सं भिक्खु सुमनपाल प्रकाशक- श्रीमती प्रतिमा बरुआ, नालंदा अंतर्राष्ट्रीय वार्षिक पत्रिका वर्ष 2020-22.
- अध्ययन शीर्षक में एक शोध आलेख प्रकाशित 'भारतीय हिमालय में मठ संबंधी शिक्षा प्रणाली में शास्त्रीय तिब्बत भाषा का उपयोग' पृष्ठ संख्या 149-167 संपादित पुस्तक शीर्षक 'भारतीय हिमालय भाषा', आईएसबीएन 978-93-91377-04-5 डॉ. कोंचोक ताशी द्वारा, 2021, इंदु बुक सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड दरियागंज, नई दिल्ली- 110002 द्वारा प्रकाशित।।

नोरबू ग्यालतसेन नेगी

- आलेख शीर्षक प्रकाशन "बौद्ध धर्म : एक शांति प्रिय धर्म", विश्वव्यापी अंतर्राष्ट्रीय अंतः विषयक शोध पत्रिका (ए पीयर रिव्यूड), खंड — I, अंक-XXXIV, शेते, लक्ष्मण पल्लवी, (सं.) अगस्त 2021, सिरिस प्रकाशन, बेलानगर, नांदेड़ महाराष्ट्र, पृ. 56-61, आईएसएसएन: 2454-7905.
- आलेख शीर्षक प्रकाशन "अनातमवाद", विश्वव्यापी अंतर्राष्ट्रीय अंतः विषयक शोध पत्रिका (ए पीयर रिव्यूड), खंड — I अंक-XLVI, शेते, लक्ष्मण पल्लवी, (सं.) जनवरी 2022, श्रीश प्रकाशन, बेलानगर, नांदेड़ महाराष्ट्र द्वारा प्रकाशित, पृ. 106-108। आईएसएसएन: 2454-7905.

संताली विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट एवं गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम।

यूजीसी नेट, जेआरएफ:

1. दीनबन्धु पाल (जेआरएफ)
2. मधु कुमारी (जेआरएफ)
3. पवित्र हेम्ब्रम
4. विश्वजीत सरेन
5. सुचित्रा मुर्मू
6. सुशांत हेम्ब्रम
7. रमेश बस्के

डब्ल्यूबी-सेट:

1. सुमित्रा हेम्ब्रम
2. कुनामी टुडु

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी इत्यादि में उपस्थित शिक्षक / शोधार्थी

धनेश्वर मांझरी

1. 8.9.2021: आदिम खरवाल संताल साहेद सोमेल्ल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबीना "सौंता लहरी रे सिखनत" पर एक ऑनलाइन आलेख प्रस्तुत किया।
2. सदस्य: 1. क्रय समिति सदस्य- मराठी विभाग, बीओएस समिति सदस्य- 1. संताली विभाग, विद्यासागर विश्वविद्यालय, 2. संताली विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय, 3. संताली विभाग, बांकुरा विश्वविद्यालय, 4. पश्चिम बंग संताली अकादमी, 5. आरएसी-एम.फिल. समिति सदस्य- हिंदी विभाग, विश्वभारती। 3. ए. के. दास गुप्त योजना एवं विकास केंद्र, डीएसजीआरसी, विश्वभारती, शांतिनिकेतन।
3. अध्यक्ष, डीएसजीआरसी, संताली विभाग, भाषा-भवन, विश्वभारती।
4. प्रकाशन: कोरोना (पुस्तक)-आईएसबीएन 978-93-92244-17-9
5. संपादक/उप-संपादक: 1. संपादक- द संताल (वार्षिक संताली पत्रिका), 2. संपादक- आशा पत्रिका, 3. उप-संपादक- अकड़ा
6. 1.3.2022-12.3.2022: ईआरएलसी, भुवनेश्वर, ओडिशा में भाषा साहित्य पर शोध विधि में ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरा किया।

अध्याय-2

दुखिया मुर्मू

- 15.3.2021-20.3.2021: राष्ट्रीय अनुवाद मिशन, भारतीय भाषा केंद्र संस्थान, मैसूर, कर्नाटक में छह दिवसीय कार्यशाला - दर्शनशास्त्र विषयक संताली में अनुवाद समकक्ष अंतिम समीक्षा में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- 6.2.2021-19.2.2021: यूजीसी - मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी) रांची विश्वविद्यालय, रांची, झारखंड में यूजीसी-प्रायोजित अंतः/बहु विषयक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम "भाषा विज्ञान" ग्रेड-ए प्राप्त अकादमिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- आलेख प्रकाशन 'संताली भाषा साहित्य के विकास में पॉल ओलाफ बोडिंग का योगदान' जुलाई 2021 से सितंबर 2021 तक विश्वभारती पत्रिका। आईएसएसएन 2348-4977 विश्वभारती पत्रिका। पेज नं. 135-143.
- पुस्तक अध्याय शीर्षक प्रकाशन - संताली मातृभाषा में शिक्षण : महत्व एवं समस्या' 'संताली निबंध संकलन सुनराम सोरेन द्वारा संपादित प्रथम संस्करण 15 अगस्त, 2021, देवकी प्रेस करंदीह, जमशेदपुर, झारखंड द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित। आईएसबीएन- 978-81-952327-2-7. पेज नं. 27-34.

मंसाराम मुर्मू

- 17.08.2021 -30.8.2021: संबलपुर विश्वविद्यालय भाषा, साहित्य एवं सांस्कृतिक अध्ययन (भारतीय भाषा और उड़िया) से यूजीसी प्रायोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम एचआरडीसी अकादमी प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

रामू हेमब्रम

- ईआरएलसी, भुवनेश्वर, ओडिशा के साहित्य एवं सांस्कृतिक अध्ययन में फील्डवर्क दिनांक 1.3.2022 से 12.3.2022 तक भाषा साहित्य एवं संस्कृति में शोध विधि प्रशिक्षण कार्यक्रम में ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- 8.9.2022 : शिक्षा पर खेरवाल संथाल सावनहेद द्वारा आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में संयोजक।
- 17.8.2022 — 30.08.2022: यूजीसी (एचआरडीसी) संबलपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर, ओडिशा में भाषा, साहित्य एवं सांस्कृतिक अध्ययन (भारतीय भाषा एवं ओडिया) में अकादमिक प्रशिक्षण पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

जापानी विभाग

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि
गीता ए. कीनी

- 08.08.2021: बंगला विभाग, कृष्णनाथ कॉलेज, मुर्शिदाबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "रवींद्रनाथ ओ जापान: संपर्क बोहुमंत्र" पर "बाइसे श्रावण उपलक्ष अंतर्जातिय अलोचना सभा" में व्याख्यान दिया।
- 16.10.2021: टोक्यो विश्वविद्यालय, जापान द्वारा आयोजित रवींद्रनाथ टैगोर जापान-भारत-बांग्लादेश विनिमय कार्यक्रम की 160वीं जयंती के अवसर पर एक वेबिनार "टैगोर एवं जापान" पर व्याख्यान दिया।
- 03.02.2022-04.02.2022: जापानी केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय एवं जापानी अध्ययन विभाग, ढाका विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑनलाइन माध्यम) - "भारत में जापानी अध्ययन एवं दक्षिण एशिया : नक नई एकता" पर गोल मेज चर्चा "दक्षिण एशिया में जापानी अध्ययन का भविष्य : एक नए आयाम की तलाश" में भाग लिया
- 07.02.2022-08.02.2022: जापानी केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय एवं जापानी अध्ययन विभाग, ढाका विश्वविद्यालय, द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "भारत एवं दक्षिण एशिया में जापानी अध्ययन : एक नई एकता" पर आलेख प्रस्तुत किए. आलेख का शीर्षक – "'हाना वा सकुरागी हितो वा बुशी – कहाबतो के लेंस द्वारा जापान की खोज"
- 07.02.2022 - 08.02.2022: जापानी केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय एवं जापानी अध्ययन विभाग, ढाका विश्वविद्यालय, ढाका बांग्लादेश द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "भारत एवं दक्षिण एशिया में जापानी अध्ययन : एक नई एकता" पर पैनल चर्चा "दक्षिण एशिया में जापानी अध्ययन कार्यक्रम हेतु प्रभावी सहयोग पर क्षेत्रीय चर्चा" में भाग लिया।
- 18.03.2022 - 19.03.2022: जापानी अध्ययन विभाग, ढाका विश्वविद्यालय, बांग्लादेश द्वारा आयोजित शीर्षक -कोविड के बाद जापान : अर्थव्यवस्था, राजनीति, समाज, संस्कृति एवं साहित्य पर अंतर्राष्ट्रीय हाइब्रिड सम्मेलन में 'जापानी समाज' सत्र की अध्यक्षता किए.
- 18.03.2022 - 19.03.2022: जापानी अध्ययन विभाग, ढाका विश्वविद्यालय, बांग्लादेश द्वारा आयोजित शीर्षक - कोविड के बाद जापान : अर्थव्यवस्था, राजनीति, समाज, संस्कृति एवं साहित्य पर अंतर्राष्ट्रीय हाइब्रिड सम्मेलन में "जापानी अध्ययन स्नातक छात्र के जापानी साहित्य अनुवाद अभिविन्यास : बांग्ला भाषा इंडोनेशिया" पर संयुक्त रूप से आलेख प्रस्तुत किए.

अध्याय-2

- 21.03.2022 - 22.03.2022: चीनी अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय संबंध और शासन अध्ययन विभाग (आईआरजीएस), शिव नादर विश्वविद्यालय (दिल्ली एनसीआर) के सहयोग से आयोजित पूर्व एशिया अध्ययन प्रथम संपूर्ण भारतीय सम्मेलन (एआईसीईएएस) में "कैलिडोस्कोप: साहित्य पर इतिहास" शीर्षक के आलेख की अध्यक्षता किए.

अर्पिता पॉल

- 03.09.2021-05.09.2021: "दिमित्री कैंटीमिर" क्रिश्चियन विश्वविद्यालय, बुराचेस्ट, रोमानिया द्वारा आयोजित 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ऑनलाइन) जापान: पूर्व-आधुनिक, आधुनिक, समकालीन- पूर्व से पश्चिम की ओर वापसी यात्रा : सीखने के बारे में एवं जापान से" शीर्षक "कितामुरा टोकोकू: आधुनिक जापान से प्रारंभिक आवाज का महत्व" पर आलेख प्रस्तुत किए.
- 15.12.2021-16.12.2021: एशियाई भाषा विभाग, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद जापान संस्था, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित 4वा दक्षिण एशिया में जापानी भाषा शिक्षा पर (जेएलईएसए 2021) राष्ट्रीय (अंतर्राष्ट्रीय) सम्मेलन में "अध्यापन कक्ष की ओर 'वापस जाओ' एवं दक्षिण एशिया में जेएलई का भविष्य" शीर्षक डिजिटल शिक्षा का लाभ उठाना एवं संज्ञानात्मक हस्तक्षेप : शिक्षण उपकरण के रूप में जापानी समकालीन की शुरुआत" पर आलेख प्रस्तुत किए.
- 05.03.2022: जापानी अध्ययन केंद्र, जापान संस्था, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "अंतरसंस्कृति संवाद एवं जापानी भाषा शिक्षा : भाषा एवं व्यवहार" पर प्रस्तुतीकरण दिए.

प्रोसेनजीत चक्रवर्ती (अतिथि संकाय)

- 05.03.2022: जापानी अध्ययन केंद्र, भाषा साहित्य एवं सांस्कृतिक अध्ययन विद्यापीठ (एसएलएल एवं सीएस), जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली एवं जापान संस्था, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक "अंतरसंस्कृति संवाद एवं जापानी भाषा शिक्षा : भाषा एवं व्यवहार" पर आलेख प्रस्तुत किए. पत्र शीर्षक है (अंतर सांस्कृतिक द्वारा : सांस्कृतिक एवं व्यवहारवादी परिस्थिति से एक अनुभव)

कार्यशाला में प्रतिभागिता

शोधार्थी

प्रोसेनजीत चक्रवर्ती (शोधार्थी एवं अतिथि संकाय)

- 09.12.2021-14.02.2022: जापान संस्था, जापान द्वारा मेजबानी "तृतीय जापानी अध्ययन में आकांक्षी शोधार्थी हेतु सहयोगी शोध कार्यशाला"।

शिक्षकों/शोधार्थियों अथवा संपूर्ण विभाग के रूप में प्राप्त अकादमिक उपलब्धियाँ (डी.एस.ए. अथवा सी.एस.एस. इत्यादि के रूप में मान्यता)

- डॉ. सुदीप्त दास, सहायक प्रोफेसर, 2 वर्ष हेतु जापान में पोस्ट-डॉक्टरेट शोध में जेएसपीएस प्राप्त किया।
- श्री सुभोजीत चटर्जी, पीएचडी छात्र, 26 अक्टूबर, 2021 - 12 जून, 2022 तक आयाम गाकुइन विश्वविद्यालय, जापान में फील्ड कार्य संचालन के लिए जापान संस्था फैलोशिप प्राप्त किया।

प्रकाशन

गीता ए. कीनी

- कीनी, जी.ए., एवं सिंह, एस. (2021, अक्टूबर) बांग्ला ओ जापानी [ओनोमेटोपोइक शब्दों का व्याकरण प्रयोग / कार्य] भाषा ध्वन्यात्मक शब्देर व्याकरणगत प्रयोग, पृथ्वीवाली गूंज, पीयर-समीक्षा के मानवीकी तथा सामाजिक विज्ञान अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 37 अंक, खंड-X, अंक- I, आईएसएसएन-2321-9391, पृ.70-76.

सुदीप्त दास

- दास, एस. (2021, मई) रास बिहारी बोस: गुमनाम स्वतंत्रता सेनानी, वर्तमान शोध अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका (आईजेसीआर), खंड- 13, अंक-05, आईएसएसएन: 0975-833X, पृ.17681-17682.

अर्पिता पॉल

- पॉल, ए. (2022).क्लेसी मार्टिन, मैं अभी भी यहाँ हूँ, पृ. 207-221, हार्पर कॉलिन्स, न्यूयॉर्क।

अन्य कोई संबंधित सूचना :

- 05.12.2021: जापान महावाणिज्य दूतावास के सहयोग से तथा जापान संस्था, जापान के तत्वधान में जापानी भाषा प्रवीणता परीक्षा (जेएलपीटी) का सफलतापूर्वक आयोजन हुआ। कोविड 19 महामारी के कारण कुछ वर्षों से यह परीक्षा रोक दी गई थी, वर्ष 2015 से यह अन्वरत चल रही है। पश्चिम बंगाल एवं पड़ोसी राज्यों से 352 परीक्षार्थी ने परीक्षा दिया।
- 26.02.2022: महावाणिज्य दूतावास कोलकाता के सहयोग से जापानी सरकार एमईएक्सटी छात्रवृत्ति 2022 चयन परीक्षा का आयोजन हुआ।

छात्र उपलब्धियाँ :

- 27.02.2022-03.03.2022: वर्चुअल मोड के माध्यम से जापान सरकार द्वारा कार्यक्रम जेइएमईएसवाईएस (छात्र एवं युवा हेतु विनिमय जापान-पूर्व एशिया नेटवर्क) हेतु आठ छात्रों का चयन किया गया।
- श्री देबप्रियो दास (पीएचडी छात्र)
- सुश्री रितिका भगत (पीएचडी छात्र)
- श्री शेख अजहर (पीएचडी छात्र)

अध्याय-2

- सुश्री अनुश्री दास (एमए की छात्रा)
- श्री बापन घोष (एमए छात्र)
- श्री मथुरा दास (एमए छात्र)
- श्री शेख ज्वेल हक (एमए छात्र)
- श्री शेख सबिर अली (एमए छात्र)
- 14.08.2021-16.10.2021: जापान संस्था, नई दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित ऑनलाइन संस्कृति पाठ्यक्रम (जापानी विंडो) में श्री शेख अजहर ने भाग लिया।

चीनी भाषा और संस्कृति विभाग

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / स्लेट एवं गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम

1. आशु शर्मा - नेट एवं जेआरएफ
2. इंद्रजीत मिश्र- नेट एवं जेआरएफ

छात्रवृत्ति/उपलब्धियां

- 1) 2021 में, पांच (05) छात्रों को चीन सरकार में अध्ययन छात्रवृत्ति के लिए चीनी भाषा माइन अध्ययन हेतु नामांकित किया गया।
- 2) बीस (20) छात्रों ने कैंपस और ऑफ कैंपस चयन के विभिन्न अनुवाद कंपनियों में नौकरी प्राप्त किया।

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक)

- चीन भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित चीनी अध्ययन (वर्चुअल) 14वें अखिल भारतीय सम्मेलन चीन अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली एवं कोनराड-एडेनॉयर-स्टिचुंग (केएएस) एवं भारत सरकार के सहयोग से 11-13 नवंबर 2021 को देश-विदेश से विद्वत शोधार्थी ने सम्मेलन में भाग लिया।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि:

अभिजीत बनर्जी

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला

- 28.04.2021: चीनी पीपुल्स फ्रेंडशिप विदेशों के साथ एवं यूनान फ्रांस सरकार, चीन द्वारा आयोजित 10वें दक्षिण चीन एशिया अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंच विषय के तहत — “विरासत शिल्क रोड भावना एवं एशियाई भविष्य की ओर देखना” विषय के तहत ऑनलाइन मोड के माध्यम से “वैश्वीकरण परिप्रेक्ष्य में क्षेत्रीय सांस्कृतिक विनिमय हेतु आपने क्या किया” द्वितीय पैनल चर्चा की अध्यक्षता की।
- 11.06.2021: तोंगजी विश्वविद्यालय, शंघाई द्वारा आयोजित तोंगजी विश्वविद्यालय, शंघाई, चीन के अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय पूर्व स्नातक एवं स्नातक छात्रों के लिए ऑनलाइन माध्यम से व्याख्यान दिया। प्रस्तुत शीर्षक - “भारत चीन संयोजकता एवं सभ्यता संपर्क के पुरातन शिल्क रोड”।
- 18.06.2021: चीनी अध्ययन अशोका केंद्र, अशोका विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा द्वारा आयोजित 18 एवं 19 जून 2021 को भारत में चीन एवं पूर्व एशिया अध्ययन के अग्रिम क्षेत्र पर ऑनलाइन माध्यम से परिसंवाद में आलेख प्रस्तुत किया। प्रस्तुत शीर्षक: “चीना भवन एवं भावी दृष्टिकोण में चीनी भाषा के वर्तमान स्थिति”।
- 29.07.2021: शिक्षा अधिगम केंद्र, तेजपुर विश्वविद्यालय, विदेशी भाषा विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय के सहयोग से 26-30 जुलाई 2021 के दौरान विदेशी भाषा में उभरते क्षेत्र पर संकाय विकास कार्यक्रम में ऑनलाइन माध्यम से व्याख्यान दिया। प्रस्तुति शीर्षक: “भारत में कोविड 19 के दौरान एवं बाद में विदेशी भाषा शिक्षण हेतु संभाव्य कल्पना”।

अध्याय-2

- 28.9.2021: विश्वभारतीय परिषद द्वारा आयोजित वेबिनार शीर्षक "चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के सौ साल" पर व्याख्यान दिया। प्रस्तुत शीर्षक: "डेंग शियाओपिंग: चीनी कम्युनिस्ट पार्टी, चीन राष्ट्र एवं जन के महान जागृति वास्तुकार"।
- से 20.10.2021: चीनी जन सहयोग बंधुत्व, विदेशों के साथ एवं हेनान प्रांत सरकार द्वारा आयोजित। 19.10.2021 को ऑनलाइन चीन (आन्यांग) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन चीनी चित्रण में व्याख्यान दिया। प्रस्तुत शीर्षक: "भारतीय चीनी सभ्यता प्रवचन"।
- 02.11.2021 से 03.11.2021: सीपीसी केंद्रीय समिति, प्रसार विभाग, भारत में चीनी दूतावास, चीन विदेशी भाषा प्रसार प्रशासन एवं समकालीन चीन तथा विश्व अध्ययन अकादमी द्वारा आयोजित "शासन 2021 पृ ब्रिक्स संगोष्ठी" में 3 नवंबर 2021 को ऑनलाइन माध्यम से उप विषय बहुराष्ट्रीय गहन अंतर्राष्ट्रीय सहमति के सुदृढ़ ब्रिक्स तंत्र पर व्याख्यान दिया।
- 29.11.2021: चीनी अध्ययन अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, बीजिंग विदेशी अध्ययन विश्वविद्यालय, बीजिंग, चीन में विदेशी विशेषज्ञ के रूप में ऑनलाइन माध्यम व्याख्यान दिया। प्रस्तुत शीर्षक: "भारत में चीनी भाषा विकास का इतिहास"।
- 30.11.2021: एशियाई भाषा विभाग, अरब एवं एशियाई अध्ययन, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित ऑनलाइन माध्यम से व्याख्यान दिया। प्रस्तुत शीर्षक: "भारत-चीन विनिमय में चीनी भाषा का महत्व"
- 08.12.2021: सामाजिक विज्ञान एवं भाषा विद्यापीठ, वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन माध्यम से व्याख्यान दिया। प्रस्तुत शीर्षक: "भारत में चीनी शिक्षण का महत्व"
- 18.12.2021: राजनीति विज्ञान विभाग, श्री केरलवर्मा कॉलेज, त्रिशूर द्वारा आयोजित ऑनलाइन माध्यम से व्याख्यान दिया। प्रस्तुत शीर्षक: "भारत-चीन आपसी समझ को बढ़ावा देने में मृदु शक्ति का महत्व"
- 10.02.2022 से 11.02.2022: मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान, शिव नंदार विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 10.02.2022 को पूर्व एशियाई अध्ययन भारतीय संघ में स्त्र 'भाषा शिक्षण एवं संसाधन' पर ऑनलाइन माध्यम से व्याख्यान दिया।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं

शुभेंदु घोषाल

- 9.12.2020-10.12.2020: चीनी भाषा और संस्कृति विभाग (चीन-भवन) भाषा-भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित "अंडरस्टैंडिंग चाइना फ्रॉम ए मल्टीडिसिप्लिनरी पर्सपेक्टिव" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक "Words ofनेटizens- Understanding China in New Era"

प्रकाशन

- बनर्जी, ए. (2022, फरवरी), चिनेर लिपिर क्रोमोबिकाश ओ भाषा: ओति संक्षिप्त अबोलोकॉन (चिनेर लिपिर क्रमविकाश ओ भाषा: अति संक्षिप्त अबोलोकॉन) (एस सरकार, संपादक) सुभोश्री (शूभश्री): चिन अचेना एंडोरे (चिन अछेना अन्दर), पीपी. 390-397
- घोषाल, एस. (2022, फरवरी), चिन देशेर उत्सोब इबोंग आचार बिचार (चिनदेशेर उत्सव एवं आचारविचार) (एस सरकार, संपादक) सुभोश्री (शूभश्री): चिन अचेना एंडोरे (चिन अछेना अन्दर), पीपी.380-389

विद्यार्थी

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं

राजर्षि विश्वास, एमए सिमेस्टर 1 के छात्र

- 21.03.2022-22.03.2022: चीनी अध्ययन संस्थान और शिव नादर विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित पूर्वी एशियाई अध्ययन के पहले अखिल भारतीय सम्मेलन की संगोष्ठी में "इन ट्रांजिशन: सिक्क्योरिटी एंड इकोनॉमिक्स" सत्र में 21.03.2022 को ऑनलाइन माध्यम से पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: "Tracing the Historical Perspective of India-Mongolia Relations and China's Response."

शिक्षकों/शोधार्थियों या समग्र रूप से विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता)

- प्रोफेसर अविजीत बनर्जी को दिसंबर 2021 से दो साल की अवधि के लिए स्कूल के चीनी और दक्षिण-पूर्व एशियाई अध्ययन केंद्र की केंद्र समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया।

मराठी विभाग

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि:

रणवीर सुमेध भगवान

विशेष व्याख्यान:

- **18.12.2021:** एच.आर.डी.सी, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज विश्वविद्यालय, नागपुर, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "रवींद्रनाथ टैगोर आणि त्यांच्या कथा साहित्यतिल संस्कारमूल्य" पर आमंत्रित विशेष व्याख्यान दिया।

शिक्षक की प्रशासनिक गतिविधियाँ:

रणवीर सुमेध भगवान

- मराठी विभाग के प्रभारी का पद धारण
- भाषा भवन की एनएसएस इकाई के कार्यक्रम अधिकारी
- विश्वविद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक

प्रकाशन

लेख/पत्र/प्रकाशन:

रणवीर सुमेध भगवान

- रणवीर सुमेध भगवान, (मार्च – अप्रैल 2021) "धार्मिक राष्ट्रवादाची गचंती आनी बांग्ला अस्मितेच्या विजयाचा अन्वयार्थ"- मराठी पत्रिका "मुक्त शब्द" में प्रकाशित, ISSN 2347 3150.
- रणवीर सुमेध भगवान, (अक्टूबर - नवम्बर 2021) "प्रबोधन चय शंभरी निमित्त" - मराठी पत्रिका "मुक्त शब्द" में प्रकाशित "अक्टूबर - नवम्बर 2021, ISSN 2347 3150.
- रणवीर सुमेध भगवान, (जनवरीमार्च- -2022) "भारतीय नारी विमर्श की आधारशिला: सावित्रीबाई फुले और ताराबाई शिंदे" - "पैरोकर" इंटरनेशनल पीयर रिव्यू जर्नल में प्रकाशित, ISSN 2320 5601

तमिल विभाग

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / एसएलईटी और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम

1. सतीस्वरन जी., यूजीसी जेआरएफ
2. मुरलीधरन एम., यूजीसी-नेट

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक)

- सतीस्वरन जी., टैगोर रचित बच्चों की कहानियां, 03.01.2022 (ऑनलाइन)
- तमिल शंकर एस., मदुरै जिला में बौद्ध धर्म, 10.01.2022 (ऑनलाइन)
- सेंथिल प्रकाश.एस, थिरुक्कुरल का बंगला में अनुवाद, 17.01.2022(ऑनलाइन)
- मुरलीधरन एम., थनी पाकुपादुम संस्कृत थानिपादल मारपुम, 16.2.2022
- सेंथिल प्रकाश.एस, गीतांजलि तमिल अनुवाद, 21.02.2022
- सतीस्वरन जी., बंगाली नारीवादी लेखक, 15.02.2021
- तमिल शंकर.एस, मणिमेकली एक बौद्ध साहित्य, 28.02.2022
- मुरलीधरन। एम, कालिदास के शकुंतलम में संगम साहित्य का प्रभाव, 09.03.2022
- सेंथिल प्रकाश.एस, दक्षिण भारतीय साहित्य में टैगोर, 24.03.2022

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि:

सेंथिल प्रकाश. एस

- 14.09.2021: यूजीसी-एचआरडीसी, भारती विश्वविद्यालय, कोयंबटूर तमिलनाडु द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में तमिल में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 21.10.2021: तमिल विभाग, पीएसजी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, तमिलनाडु द्वारा "तमिल में शोध परियोजना" शीर्षक पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में आमंत्रित व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक " मैसूर के केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान में वित्त पोषण के अवसर और आवेदन के तरीके।"

तमिल भाषा केंद्र द्वारा आयोजित वेबिनार

समन्वयक: सेंथिल प्रकाश एस.

- 29.07.2021: "महाकवि सिरपी" पर राष्ट्रीय स्तर पर वेबिनार का आयोजन। माध्यम : Zoom Meeting.Live:https://m.facebook.com/story.php?story_fbid=413997196664883&id=100051911020590

अध्याय-2

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियाँ/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ और विभाग के शिक्षकों और छात्रों की सहभागिता

- शोधार्थियों के लिए "रिसर्च मेथडोलॉजी" पर एक वेबिनार का आयोजन किया। (04 कार्यक्रम)
- हमारे विभाग की ओर से, हमने बंगाली के माध्यम से तमिल सीखने के लिए ई-पुस्तक प्रकाशित की।

शिक्षकों/शोधार्थियों या विभाग द्वारा समग्र रूप से प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएँ:

सेंथिल प्रकाश. एस

- भारतीय भाषा विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में अध्ययन बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त।
- सह संपादक -मॉडर्न तमिल रिसर्च जर्नल, ट्रौची, ISSN-2321-984X
- संपादक मंडल सदस्य, पांडिया नाडु रिसर्च जर्नल, मदुरै
- संपादक मंडल सदस्य, क्लासिक थमिज़ जर्नल, त्रिची

प्रकाशन:

- प्रकाश एस, सेंथिल और जी, सतीस्वरन। (2021) वनाप्पेची कविथैलाक्लिल थुनैविनाडुकलिन अमिप्पम पोरुम्मियम। आधुनिक थमिज़ शोध, 9(3), 2321-984X2.
- प्रकाश एस, सेंथिल और एम, मुरलीधरन (2021) तमिल संस्कृत इलक्किया ओप्पाविकुल। आधुनिक थमिज़ शोध, 9. N(3), 2321-984X2.

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना।

- पुरालेख में डिप्लोमा, मंदिर कला और वास्तुकला में डिप्लोमा के लिए ई-सामग्री विकसित की गई।
- सभी पाठ्यक्रमों के लिए गूगल मीट के माध्यम से आयोजित ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित की गईं।
- शोधार्थियों को अनुवाद के क्षेत्र में विशेष प्रशिक्षण दिया गया।
- विभागीय पुस्तकालय के लिए तमिल वर्चुअल अकादमी से 1000-ई-पुस्तकें एकत्र की गईं।
- सभी पाठ्यक्रम के पेपर पाठ्यक्रम, किताबें और अध्ययन सामग्री को डिजिटल किया गया है और नए प्रवेशित छात्रों को वितरित किया गया है।

असमिया विभाग

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, तिथि):

- सांस्कृतिक कार्यक्रम, अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस समारोह, 21/02/2022 में 4 वक्ता ।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि।

संगीता सैकिया

- 10.01.2022: यूजीसी-एचआरडीसी, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में "असमिया साहित्य में उत्तर-औपनिवेशिक विचार" विषय पर विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

शिक्षकों/शोधार्थियों या विभाग द्वारा समग्र रूप से प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएँ (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता): शिक्षक का नाम:

प्रकाशन:

संगीता सैकिया

पाठ्य पुस्तकें, अन्य पुस्तकें:

1) শ্রীমন্ত শংকরদেব আৰু তেওঁৰ সময়, Srimanta Sankardev aru teonr xamay (Srimanta Sankardeva and his times, Book)	श्रीमंत शंकरदेव पर संदर्भ पुस्तक का संपादन, डॉ संगीता सैकिया द्वारा संपादित 2021	मिताली ऑफसेट प्रिंटर, गुवाहाटी आईएसबीएन: 978-81- 949568-5-3
2) টাইফাকে জনগোষ্ঠীৰ পাণ্ডুলিপি লিখন আৰু দানৰ পৰম্পৰাঃ নাহৰকটীয়াৰ নামফাকে গাঁৱৰ আলমত (Taiphake janagosthir pandulipi likhan aru dandar parampara: Naharkatiar Namphake gaonor alomot)	डॉ संगीता सैकिया 2021	सतसारी, यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल में शोध लेख ISSN 2319-8893, Volume-16, Issue 11, प्रकाशकसैडिन प्रिंटरस - डोगो, यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल रंगसांग में शोध लेख ISSN 2387-7180, Vol 8 (XIV)
3) অসমীয়া পৰম্পৰাগত জ্ঞানপ্রণালীৰ উৎকৃষ্ট নিদর্শন ডাকৰ বচন: এক আলোচনা (Daakor dachan as an excellent example of Assamese Traditional Knowledge System: A discussion	डॉ संगीता सैकिया 2021	

अध्याय-2

4) भक्ति आन्दोलनर पठभूमिरे असमीया ँ बाङ्लासाहित्य (Assamese & Bengali literature on the background of Bhakti Movement)	संगीता सैकिया, पल्लवी साहा, अगस्त, 2021	खोआई, अंक 44, यूजीसी-केयर लिस्टेड जर्नल में शोध लेख, ISSN 2319-8389
5) असम बुरङ्गीत प्रतिफलित पुरणि असमबमात-कथाआरुसमाज-ब्यरुहा: सातसबीअसमबुरङ्गीरआधारतएकआ लोचना (The Language and Social System as reflected in the "Buranji"s of Assam: A study)	डॉ. संगीता सैकिया, सितंबर, 2021	यूजीसी लिस्टेड जर्नल, संप्रति, वॉल्यूम -7, नंबर -2 में शोध लेख, ISSN 2454-3837
6) द्दन्ध, प्रत्याख्यानर सन्धुखीन एजनकबिबाजब काहिनीरे (With the story of a Kabiraj, who faced conflicts and challenges)	डॉ. संगीता सैकिया, नवंबर, 2021	सतसारी, यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल में शोध लेख ISSN 2319-8893, Volume 17, Issue 4
7) प्रसंग: विश्वप्रसिद्धछुटिगल्ल, मूल- शेखरबसु Translated Article (In the context of world famous short stories Origin: Shekhar Basu) (Part 1-3) November, 2021 (Part 4-5) December, 2021 (Part 6-9) January, 2022	डॉ. संगीता सैकिया	गैरियोशी में साहित्यिक आलोचना पर अनूदित लेख, यूजीसी-केयर लिस्टेड जर्नल, ISSN 2349-5324 Vol 29 (Issue 1), Vol 29 (Issue 2), Vol 29 (Issue 3)

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना:

- इग्नू के लिए पाठ्यक्रम सामग्री का संकलन किया- असमिया साहित्य का विकास (एक सामान्य अवलोकन)

आधुनिक यूरोपीय भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन केंद्र

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/सेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

क्रम सं.	छात्र का नाम	नेट/जेआरएफ/सेट
1.	तपन सरकार, एम ए, जर्मन	नेट+जेआरएफ
2.	प्रगति दास, पीएच डी, फ्रेंच	नेट
3.	दीपंकर मंडल पीएच डी, फ्रेंच	नेट

अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि। शिक्षकों/शोधार्थियों द्वारा की गई अध्यक्षता/मूल्यांकन/प्रस्तुति का विवरण।

नीलांजन चक्रवर्ती

- 15.07.2021: रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित व्याख्यान (ऑनलाइन), व्याख्यान का शीर्षक: "तेजी से बदलते सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में विदेशी भाषा शिक्षाशास्त्र के भविष्य के प्रति दृष्टिकोण"। विदेशी भाषा क्षेत्र में प्रभावी शिक्षण पद्धति के कार्यान्वयन पर पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम, एमिटी स्कूल ऑफ फॉरेन लैंग्वेजेज, एमिटी यूनिवर्सिटी कोलकाता।

इंद्राणी दास

- 12.08.2021: "भारतीय कक्षा में एक विदेशी यूरोपीय भाषा शिक्षण" पर विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित व्याख्यान (ऑनलाइन), विदेशी भाषा क्षेत्र में शिक्षार्थियों के आवश्यक कौशल हेतु पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम, एमिटी विश्वविद्यालय, कोलकाता।

रोमित राय

- 17.08.2021: "विदेशी भाषा शिक्षण और सीखने हेतु प्रेरणा" विषय पर विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित व्याख्यान (ऑनलाइन), विदेशी भाषा क्षेत्र में प्रभावी शिक्षण पद्धति के कार्यान्वयन पर पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम, एमिटी स्कूल ऑफ फॉरेन लैंग्वेजेज, एमिटी यूनिवर्सिटी कोलकाता।
- 26.07.2021: इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ वेरेइनिगुंग फुर जर्मनिस्टिक 2021 में पलेर्मो, इटली के अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में 26 से 31 जुलाई 2021 तक आयोजित "डेर डायलेक्टिस कोम्पोनिस्ट" अल सिंक्रेटिस्ट: म्यूसिकफिलोसोफी उंड कॉम्पोजिशनसप्रेक्सिस फॉन रबींद्रनाथ टैगोर विषय पर ऑनलाइन पेपर प्रस्तुत किया।
- 01.10.2021: "सोशल ट्रांसलेटिंग प्रोजेक्ट 2021-22: गेस्प्रेख उंट ऑस्टॉश मिट डेयर ऑटोरिन जुम बुख" डाई सोमर ", ग्रुप 1 मिट रोन्या ओथमान" में सहभागिता; यजीदी मूल के जर्मन लेखक, रोन्या ओथमान के उपन्यास "डाई सोमर" का बंगला में अनुवाद।

अध्याय-2

- 16.11.2021: विदेशी भाषा संकाय, वारसों विश्वविद्यालय, पोलैंड में इंटरमीडियलिटी / इंटरमीडियालिटाट पर 1-17 नवंबर 2021, अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला में आइन म्यूसिकिन्स्ट्रुमेंट अल्स स्पैनुंग्सफेल्ड डेयर इंटरमीडियालिटाट: उबर डाई पैराडॉक्सन एस्थेटिसेन फंकशनेन डेस एसराज इन डेयर म्यूसिककुल्टुर शांतिनिकेतन्स विषय पर पेपर प्रस्तुत(ऑनलाइन) किया।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियां/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियां और विभाग के शिक्षकों और छात्रों की सहभागिता:

- 25.03.2021, सीएमईएलसीएस के इटालियन अनुभाग ने पास्ता कुकिंग क्लास का आयोजन किया जिसमें बीए (ऑनर्स) सिमेस्टर IV और VI के 24 छात्रों ने भाग लिया।

प्रकाशन

इंद्राणी दास

- अन्ना नादोटी के "लेक्टियो मैजिस्ट्रालिस" का बंगला में अनुवाद किया।
<http://www.specimen.press> द बैबेल रिव्यू ऑफ ट्रांसलेशन में प्रकाशित, 11 अगस्त 2021

निपुण नूतन

- नूतन, निपुण. « ऋषभचरण जैन: Un écrivain naturaliste, un traducteur du romantisme ». *Caraivéti: Démarche de Sagesse*, Vol. 4, 2021, pp. 28 – 37. (जर्नल लेख)

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना:

नीलांजन चक्रवर्ती

- फरवरी 2022: शिक्षक और शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन के तहत स्वयं अकादमिक मंच के माध्यम से शिक्षण में वार्षिक पुनश्चर्या कार्यक्रम (एआरपीआईटी) के लिए एचआरडीसी पांडिचेरी विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय संसाधन केंद्र द्वारा फरवरी, 2022 में महसूस किए गए फ्रेंच अध्ययन पर मूक कार्यक्रम के लिए « Le Partage de L'Afrique par Les Puissances Coloniales » पर संपूर्ण मॉड्यूल तैयार किया।

भवन/सदन/विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास:

आधुनिक यूरोपीय भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन केंद्र (CMELLCS) 2014 में रवींद्रनाथ टैगोर के अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए स्थापित किया गया था : यत्र विश्वं भवत्येकनीडम (जहां दुनिया एक छोटी सी जगह में समाहित है), सीएमईएलसीएस का उद्देश्य यूरोपीय सभ्यता की समझ और दुनिया पर इसके विविध प्रभाव को अपनी भाषाओं, साहित्य और संस्कृतियों के अध्ययन और अनुवाद के माध्यम से बढ़ावा देना है। वर्तमान में सीएमईएलसीएस के तहत अध्ययन के लिए पेश की जाने वाली चार आधुनिक यूरोपीय भाषाएं फ्रेंच, जर्मन, इतालवी और रूसी हैं।

2014 तक दशकों से अंग्रेजी और अन्य आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग (DEOMEL) के अंतर्गत संबंधित भाषा इकाइयों द्वारा फ्रेंच, जर्मन, इतालवी, रूसी में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और एडवांस डिप्लोमा अंशकालिक संध्याकालीन पाठ्यक्रम के रूप में उपलब्ध था।

फ्रांस, जर्मनी, इटली और रूस के साथ-साथ अन्य यूरोपीय देशों के विद्वान विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों के लिए 1921 से नियमित रूप से विश्वभारती आए। 1921 में विश्वभारती के आधिकारिक उद्घाटन के वर्ष में फ्रेंच और जर्मन का शिक्षण शुरू हुआ। इतालवी की पढ़ाई 1979 में और रूसी की पढ़ाई 1980 में आरंभ की गई।

सीएमईएलसीएस ने 2014 में बीए (ऑनर्स) कार्यक्रम और 2017 में एमए शुरू किया है। सीबीसीएस प्रणाली 2017 से सभी अंतर स्नातक कार्यक्रमों में पहले ही लागू की जा चुकी है। वर्तमान में फ्रेंच, इतालवी और रूसी के छात्रों के लिए पीएच.डी. पाठ्यक्रम उपलब्ध है। इसके बाद निकट भविष्य में जर्मन में भी पीएच.डी. उपलब्ध होगा।

अन्य प्रासंगिक जानकारी:

- 18.06.2021: कोलकाता स्थित इटली के महामहिम कौंसल जनरल के सी.एम.ई.एल.एल.सी.एस. का भ्रमण: महामहिम कौंसल जनरल, श्री जियानलुका रुबागोटी ने 18 जून, 2021 को सीएमईएलएलसीएस का भ्रमण किया। उन्होंने सीएमईएलसीएस के संकाय और छात्रों के साथ चर्चा की और कुलपति, भाषा भवन के प्रधानाचार्य, सीएमईएलसीएस के समन्वयक और इतालवी संकाय के साथ ऑनलाइन बैठक की।
- 01.02.2022 : भारत में फ्रांस के महामहिम राजदूत का विश्वभारती भ्रमण : भारत में फ्रांस के राजदूत महामहिम, श्री इमैनुएल लेनाइन ने 1 फरवरी, 2022 को विश्वभारती का भ्रमण किया। उन्होंने और 'भारत में फ्रांसीसी संस्थान' और 'कलकत्ता में एलायंस फ्रांस' के अन्य अधिकारियों ने सीएमईएलएलसीएस का भ्रमण किया और केंद्र के संकायों और छात्रों के साथ एक संवादात्मक सत्र में भाग लिया।

छात्रों की अन्य उपलब्धियां:

- प्रीतम दत्ता, एमए सेमेस्टर-III, जर्मन ने वियना विश्वविद्यालय (वीएन), ऑस्ट्रिया में एक ऑनलाइन शीतकालीन स्कूल पाठ्यक्रम में सांस्कृतिक ऐतिहासिक अध्ययन 2022 में भाग लिया। इसके लिए उन्हें 675 यूरो छात्रवृत्ति के रूप में प्राप्त हुआ।

तुलनात्मक साहित्य केंद्र

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, तिथि):

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) और तुलनात्मक साहित्य दिनांक : 5 मार्च, 2022
समय: सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक
वक्ताओं की सूची:
- प्रोफेसर कपिल कपूर - पूर्व प्रोफेसर, भाषाविज्ञान और अंग्रेजी केंद्र, संस्कृत अध्ययन केंद्र, जेएनयू, पूर्व सम कुलपति, जेएनयू, पूर्व कुलाधिपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा और पूर्व अध्यक्ष, आईआईएस, शिमला।
- प्रोफेसर इप्सिता चंदा - तुलनात्मक साहित्य और भारत अध्ययन विभाग, ईएफएलयू, हैदराबाद
- प्रोफेसर ज़मीरपाल कौर - विभागाध्यक्ष, पंजाबी विभाग, निदेशक, अंतःविषय केंद्र, भाषा और साहित्य अध्ययन और संकाय अध्यक्ष, भाषा, साहित्य और संस्कृति स्कूल, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बथिंडा
- प्रोफेसर सुमन गुन- संस्थापक विभागाध्यक्ष, भारतीय तुलनात्मक साहित्य विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर
- डॉ. प्रसाद पन्नियन- एसोसिएट प्रोफेसर, अंग्रेजी और तुलनात्मक साहित्य विभाग, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, कासरगोड
- डॉ सायंतन दासगुप्ता - एसोसिएट प्रोफेसर, तुलनात्मक साहित्य विभाग, समन्वयक, सेंटिल, संयुक्त निदेशक, मीडिया, संचार और संस्कृति स्कूल, जादवपुर विश्वविद्यालय, सदस्य, सलाहकार समिति (अंग्रेजी), साहित्य अकादमी। डॉ० मृणमय प्रमाणिक - सहायक प्रोफेसर, तुलनात्मक भारतीय भाषा और साहित्य विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, और अध्यक्ष, कलकत्ता तुलनावादी 1919

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि:

नीलांजना भट्टाचार्य

- 08.04.2021-11.04.2021: अमेरिकन कम्पेरेटिव लिटरेचर एसोसिएशन द्वारा ऑनलाइन आयोजित एक अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: "रजनी: आधुनिक बंगाल में "अक्षम" महिला"

सोमा मुखर्जी

- 08.04.2021 – 11.04.2021: ए सी एल ए द्वारा आयोजित एक अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: "राष्ट्रवाद और बंगाली साहित्य में यात्रा कथाएँ: एक क्रॉस कल्चरल यात्रा"
- 06.12.2021: रिसर्च एक्सेलेरेशन सेंटर, ईएफएलयू, हैदराबाद द्वारा आयोजित बंगाली में पोटियम डिस्कशन के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

धीमान भट्टाचार्य

- 26.06. 2021: एनएसएस कॉलेज, पंडालम, केरल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक: "डिजिटल दुनिया में पढ़ने का महत्व"
- 22.09. 2021: आईसीएल विभाग, असम विश्वविद्यालय सिलचर द्वारा आयोजित शोध पद्धति कार्यशाला में आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक: "उपनिवेश से मुक्ति के तरीके: स्वदेशी लोगों के साथ एक शोध परियोजना तैयार करना"
- 04.12. 2021-11.12.2021— रीजेंट एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा प्रवर्तित स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित व्याख्यान शृंखला में आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक: "डिकोलोनाइजिंग स्पेस, बॉडी, रिचुअल: परफोर्मेंस स्टडीज इन इंडिया"
- 03.03.2022-04.03.2022 सेंटर फॉर कैनेडियन स्टडीज, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "महामारी के समय में स्थिरता: लचीलापन और परिवर्तन" विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक पूर्ण अधिवेशन में पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: "Lee Maracle meets Chharas"

पीएचडी अनुसंधित्सु:

आंकना बाग

- 08.04.2021-10.04.2021: एसीएलए द्वारा आयोजित अंतराष्ट्रीय एसीएलए वार्षिक सम्मेलन 2021 में पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: "20वीं सदी के आरंभ में बंगाल से पूर्वी एशिया की ओर यात्रा: एक यात्रा मार्ग का राजनीतिकरण" संगोष्ठी में 'एशिया भर में यात्रा: दस्तावेजों / कथाओं के माध्यम से एशिया की भू-राजनीतिक और सांस्कृतिक समझ का एक तुलनात्मक अध्ययन
- 15.12.2021-17.12.2021: फिलीपींस विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित जेएसए-आसियान के 7वें द्विवार्षिक अंतरराष्ट्रीय ई-सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया, प्रस्तुति का शीर्षक "बंगला यात्रा लेखन के माध्यम से जापान में परिवर्तन: महिला शिक्षा के लिए दूरदर्शिता।

इशानी दत्ता

- 08.04.2021-10.04.2021 : एसीएलए द्वारा आयोजित अंतराष्ट्रीय एसीएलए वार्षिक सम्मेलन 2021 में पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: "परफॉर्मिंग आइडेंटिटी: रिक्लेमिंग इंडियन नेपाली पोइट्री एट द टर्न ऑफ द ट्वेंटी-फर्स्ट सेंचुरी ।"

सौनक दत्ता

- 28.06.2021-23.07.2021 : तुलनात्मक साहित्य विभाग, हार्वर्ड विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विश्व साहित्य संस्थान के आभासी बोलचाल और संगोष्ठी व्याख्यान में प्रस्तुतकर्ता, प्रतिवादी और परिचारक।

अध्याय-2

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियां/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियां और विभाग के शिक्षक और छात्रों की सहभागिता।

- स्वच्छ भारत अभियान

प्रकाशन

नीलांजना भट्टाचार्य

- भट्टाचार्य, एन. (2022). मेनचू तुम, रिगोबर्टा। सी. गौचर (एड.), देयर लाइव्स, चैलेंजेस, एंड एक्लिशमेंट्स थ्रू हिस्ट्री (वॉल्यूम 3, पीपी. 797–803) में। एबीसी-सीएलआईओ आईएसबीएन: 978-1-4408-6824-5
- ओकाम्पो, वी. (2021) Tagore en las barrancas de San Isidro का व्याख्या सहित अंग्रेजी अनुवाद (एन. भट्टाचार्य, अनुवादक), कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग। आईएसबीएन: 978-1-5275-7086-3

धीमान भट्टाचार्य

- भट्टाचार्य, डी. (2022). “स्टोलेन स्टोरीज : रिविजिटिंग मिथ्स इन द कल्चरल प्रोडक्शन्स ऑफ़ द फर्स्ट नेशनल पीपल इन कनाडा ”. इबोंग आमरा में (Vol. 1, pp.249-252). ISSN: 2394-4927

संकटग्रस्त भाषा केंद्र (सीएफईएल)

परंपरागत रूप से भारत को एक बहुलवादी समाज के रूप में देखा जाता है जो बड़ी या छोटी सभी भाषाओं का समर्थन करता है। हमारा संविधान भी मातृभाषा में शिक्षा के अधिकार सहित सभी के भाषा अधिकारों के लिए प्रतिबद्ध है। अब राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 देश की सीमांत भाषाओं का समर्थन कर रही है। हालाँकि, शिक्षा प्रणाली ने प्रमुख भाषाओं के विकास को और अधिक प्रोत्साहित किया है, और व्यवहार में अधिकांश छोटी भाषाओं को शामिल नहीं किया गया है। इसके परिणामस्वरूप विविध भाषाई समुदायों को हाशिए पर रखा गया है और उनकी भाषाओं के लिए संकट की धारणाओं को उजागर किया गया है। इन भाषाओं की सुरक्षा के लिए, हमें इन भाषाओं और उनके वक्ताओं के सशक्तिकरण के लिए स्पष्ट योजनाएँ बनाने की भी आवश्यकता है, साथ ही NEP-2020 की प्रासंगिक सिफारिशों को जल्द से जल्द वास्तविक अर्थ में लागू किया जाना चाहिए। इसमें भाषाओं को साक्षरता और शिक्षा, प्रौद्योगिकी और आर्थिक अवसरों के साथ जोड़ना शामिल होगा। लुप्तप्राय भाषाओं की 'संरचना' लगभग दो दशकों से सूचित भाषाई इलाकों में गंभीर शोध के विषय के रूप में विकसित हुई है। यह निश्चित रूप से विशुद्ध रूप से भाषाई और टाइपोलॉजिकल रुचि है। लेकिन यह संकटग्रस्त भाषाओं का 'कार्य' है, और उनके 'परिणाम' ने यूनेस्को एटलस को प्राप्त मीडिया कवरेज के लिए जनता का ध्यान आकर्षित किया है जिसके तहत भारत को 197 संकटग्रस्त भाषाओं वाले देशों में शीर्ष पर पाया गया था।

केंद्र के उद्देश्य:

- संकटग्रस्त भाषाओं से संबंधित अंतर विभागीय और अंतः विषय अनुसंधान कार्य
- अत्याधुनिक बोली और भाषा संबंधी प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए छोटी स्थानीय/संकटग्रस्त भाषाओं का क्षेत्र कार्य, अनुसंधान, विश्लेषण, संग्रह और प्रलेखन ऐसे प्रारूपों में करना जो सार्वभौमिक रूप से स्वीकार्य हों, यथा डिजिटल पाठ्य, ऑडियो और वीडियो प्रारूप
- विनिबंध, व्याकरण, व्याकरण संबंधी रेखाचित्र, शब्दकोश और शब्दावली, जातीय-भाषाई और सैद्धांतिक विवरण, मौखिक और लोक साहित्य का संग्रह और लुप्तप्राय भाषाओं पर विद्वानों की पुस्तकें प्रकाशित करना
- अल्पसंख्यक और लुप्तप्राय भाषाओं के विशेष संदर्भ में भाषा और बोली एटलस तैयार करना
- लुप्तप्राय भाषाओं से संबंधित उच्च स्तरीय अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्यशालाओं और संगोष्ठियों का आयोजन करना
- अन्य विभागों/केंद्रों के शिक्षकों और छात्रों को फील्ड भाषाविज्ञान, शब्दावली और डेटा प्रबंधन और प्रलेखन के लिए तकनीकों में प्रशिक्षित करना। फील्ड भाषाविज्ञान केंद्र का एक अनिवार्य हिस्सा होना चाहिए

अध्याय-2

- केंद्र को केंद्र के अनुसंधान के उत्पादों यानी भाषाई डेटा, भाषा शिक्षण सामग्री और भाषा कलाकृतियों के डिजिटल और एनालॉग अभिलेखागार को सुलभ बनाकर स्वदेशी और लुप्तप्राय भाषा समुदायों की सेवा करनी चाहिए।
- लुप्तप्राय भाषाओं के विभिन्न क्षेत्रों को बढ़ावा देना और परश्रय देना ताकि अल्पसंख्यक/संकटापन्न भाषा समुदायों को भाषा की जीवन शक्ति को बनाए रखने और संरक्षित करने में सहायक हो जिसमें लिपियों, पत्रों की किताब जैसे शब्दावली संसाधनों का विकास शामिल है।
- केंद्र में अनुसंधान के दौरान एकत्र किए गए डेटा को डिजिटाइज़ करना और इसे सार्वजनिक इंटरनेट पर उपलब्ध कराना

केंद्र की गतिविधियां:

- 09-04-2021: विश्वविद्यालय में बहुउद्देशीय प्रयोगशाला के लिए उपयुक्त स्थान खोजने के लिए जगह (प्रयोगशाला के लिए) आवंटन समिति की बैठक
- 12-08-2021: केंद्र को अपनी प्रयोगशाला स्थापित करने और वर्तमान भौतिक बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए एक नया भवन आवंटित किया गया
- 25-08-2021: केंद्र ने दो पुस्तकों के प्रकाशन के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से ओपन एनआईटी को आमंत्रित किया और अपने तीसरे प्रयास में आवश्यक निविदाएं प्राप्त हुईं
- 20-09-2021: केंद्र ने रिक्त प्रशासनिक और शैक्षणिक पदों हेतु विज्ञापन दिया।
- 28-09-2021: भाषाविज्ञान विभाग की स्थापना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के लिए विश्वविद्यालय के सलाहकार समिति और अन्य विशेषज्ञ सहित की ऑनलाइन/ऑफलाइन बैठक
- 30-09-2021: पुस्तक प्रकाशन हेतु आमंत्रित निविदा को अंतिम रूप देने हेतु क्रय समिति की बैठक
- 06-10-2021: केंद्र ने वेबसाइट के माध्यम से मान्य भाषा डेटा पर काम करने के लिए जनजातीय विषय विशेषज्ञ व्यक्ति को आमंत्रित किया
- 06-10-2021: केंद्र ने एक पुस्तक और सचित्र शब्दकोश के प्रकाशन के लिए <https://mhrd.euniwizarde.com> और विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से खुला एनआईटी आमंत्रित किया
- 08-10-2021: पीएचडी की छूट के संबंध में यूजीसी की नवीनतम अधिसूचना के अनुपालन में केंद्र ने सहायक प्रोफेसर के पद के लिए विज्ञापित पद हेतु शुद्धिपत्र / परिशिष्ट जारी किया।
- 25-11-2021: केंद्र ने नया पैनल तैयार करने के लिए प्रगणकों का पैनल बनाने हेतु नोटिस जारी किया
- 02-12-2021: विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद में भाषाविज्ञान विभाग की स्थापना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट स्वीकृत
- 10-12-2021 : केन्द्र के शैक्षणिक एवं प्रशासनिक पद हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों की संवीक्षा हेतु संवीक्षा समिति की बैठक

- 14-12-2021: आउटसोर्स एजेंसी की स्थिति की समीक्षा के लिए कार्यक्षेत्र विशेषज्ञ सहित केंद्र के सलाहकार समिति की ऑनलाइन/ऑफलाइन बैठक
- 14-12-2021: भाषाविज्ञान विभाग की स्थापना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद में अनुमोदित किया गया
- 27-12-2021: यूजीसी की संस्तुति के अनुसार भाषा प्रलेखन संबंधी मुद्दों पर प्रशिक्षण पाने के उद्देश्य से और चर्चा के लिए केंद्र के कर्मचारी केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर गए।
- 02-03-2022: प्रगणकों के लिए प्राप्त आवेदनों की जांच के लिए संवीक्षा समिति की बैठक की गई और प्रगणकों का पैनेल तैयार किया गया

शैक्षणिक प्रगति

- नई किताब प्रकाशन, दिल्ली से 334 पृष्ठ की संपादित पुस्तक 'लिंगविस्टिक इंडेंजमेंट : लैंग्वेजेज एंड पर्सपेक्टिव्स' प्रकाशित
- केंद्र ने 'बिब्लियोग्राफी ऑफ़ इंडियन मार्जिनल लैंग्वेजेज' नामक पुस्तक के लिए पांडुलिपि तैयार की
- केंद्र ने 'लेक्सिकोन सेट फॉर डेटाकलेक्शन : एन एक्सरसाइजबुक फॉर स्टडीइंग मार्जिनल लैंग्वेजेज ऑफ़ वेस्ट बंगाल' नामक पुस्तक के लिए पांडुलिपि तैयार की
- केंद्र ने महली भाषा पर विस्तृत रिपोर्ट प्रकाशित करने के लिए काम किया
- केंद्र ने कोड़ा-बांग्ला-हिंदी-अंग्रेज़ी सचित्र शब्दकोश के प्रकाशन के लिए काम किया
- केंद्र ने बिरहोर-बांग्ला-हिंदी-अंग्रेज़ी सचित्र शब्दकोश प्रकाशित करने के लिए काम किया
- केंद्र बिरहोर भाषा पर विस्तृत रिपोर्ट प्रकाशित करने के लिए काम कर रहा है
- केंद्र अपने वेबर्टल पर डेटा अपडेशन के लिए लगातार काम कर रहा है पो- (www.cfelvb.in) & Android app
- केंद्र ने लिंक पर अब तक 815 भाषाओं में ग्रंथ सूची संबंधी आंकड़े एकत्र किए हैं link: <https://www.cfelvb.in/bibliography.php>
- केंद्र ने लिंक पर अपना लिप्यंतरण उपकरण विकसित किया है link: <https://www.cfelvb.in/transliterate.php>
- केंद्र ने नैक डेटा के लिए नियमित तरीके से काम किया और विश्वविद्यालय के बैठकों में प्रतिनिधित्व किया।
- नवंबर 2021 से मार्च 2022 के दौरान समय-समय पर शब्दावली निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया
- केंद्र ने पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में 13.02.2022 से 27.02.2022 तक बिरहोर के भाषाई और सांस्कृतिक पहलुओं को एकत्रित करने और उनका दस्तावेजीकरण करने के उद्देश्य से फील्ड वर्क किया।

अध्याय-2

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि:

अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी

- एमजीएचवी, वर्धा में अकादमिक परिषद की बैठकों में भाग लिया (ऑनलाइन)
- 27.12.2021-13.01.2022: सुश्री सुवरा मुखर्जी (क्षेत्र सहायक, सीएफईएल) के साथ केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर में देश की संकटग्रस्त भाषाओं पर प्रशिक्षण, वार्ता और अकादमिक संसाधन संग्रह कार्यक्रम में भाग लिया।
- 08.01.2022-09.01.2022: इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (आईआईआईटी) द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फॉर रेजिलिएंट हैप्पी सोसाइटी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में " डिस्कॉर्स एनालिसिस एंड मैन-मशीन इंटरफेस" (ऑनलाइन) पर पेपर प्रस्तुत किया।
- 5.12.2021: जापान फाउंडेशन द्वारा विश्वभारती में आयोजित जापानी भाषा प्रवीणता परीक्षा (जेएलपीटी) में प्रॉक्टर के रूप में काम किया

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियाँ / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ और विभाग के शिक्षक और छात्रों की सहभागिता

- 10.03.2022: गांधी पुनाय: मनाया गया

प्रकाशन:

अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी

पुस्तक और पुस्तक अध्याय:

- प्रथम लेखक: भाषाई वर्चस्व एवं व्यावहारिक पक्ष संकट (Linguistic Domination and Crisis: Theoretical and Practical Aspects) प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर से प्रकाशित। आईएसबीएन: 978-81-952891-4-1
- सह-संपादक: लिंगविस्तिक इंडेंजमेंट : लैंग्वेजेज एंड पर्सपेक्टिव्स: नई किताब प्रकाशन, दिल्ली से प्रकाशित। ISBN: 978-93-92998-01-0
- मेजरिंग लिंगविस्तिक इंडेंजमेंट इन इंडिया : ए पैरामीट्रिक अप्रोच इन लिंगविस्तिक इंडेंजमेंट : लैंग्वेजेज एंड पर्सपेक्टिव्स : (सं.) नई किताब प्रकाशन, दिल्ली। आईएसबीएन: 978-93-92998-01-0

भाषाई जागरूकता पर केंद्रित समाचार पत्र लेख:

- नाहक सीनाजोरी (Unnecessary stubbornness) जनसत्ता में, एक दैनिक हिंदी समाचार पत्र 11 जुलाई, 2021 को।

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं के संकेत के साथ संबंधित केंद्र के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास

इतिहास

संकटग्रस्त भाषा केंद्र (सीएफईएल) विश्वभारती द्वारा स्थापित एक स्वतंत्र अनुसंधान केंद्र है (आरईजी/ओ-आर/89(vi), दिनांक 26.5.2014 के माध्यम से)। यूजीसी की मंजूरी (एफ.सं. 15-6/2012/सीयू दिनांक 3 अप्रैल 2014) के आधार पर दिनांकित कार्यालय आदेश के माध्यम से विश्वभारती के सीएफईएल सहित नौ केंद्रीय विश्वविद्यालयों में नोडल केंद्र के रूप में एक प्रमुख राष्ट्रीय पहल किया गया। रवीन्द्र भवन, विश्वभारती के प्रो. उदय नारायण सिंह को विश्वविद्यालय द्वारा सीएफईएल के अध्यक्ष के रूप में यूजीसी के आदेश के अनुपालन हेतु और उपाचार्य को रिपोर्ट करने के लिए 26.5.2014 को एक अन्य कार्यालय आदेश के तहत नियुक्त किया गया था।

भविष्य के लिए योजना

- सीमांत भाषाओं और सांस्कृतिक अध्ययन के लिए एक पूर्ण अंतःविषय भाषाविज्ञान विभाग स्थापित करना
 - केंद्र की पुस्तकों और शब्दकोशों का प्रकाशन
 - पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, उड़ीसा, झारखंड और बिहार में भाषा और सांस्कृतिक प्रलेखन के लिए गहन क्षेत्र कार्य करना
 - भाषा के विवरण, मानचित्र, उपकरण, रिपोर्ट, प्राइमर और अन्य संसाधन तैयार करना
 - सीमांत भाषाओं पर केंद्रित एनएलपी का अनुसंधान और विकास
 - वीडियो प्रलेखन और वृत्तचित्र निर्माण
 - भाषा विशेषज्ञों से भाषाई डेटा सत्यापन
 - समुदाय आधारित कार्यशालाएं और सामाजिक-सांस्कृतिक रिपोर्टिंग
 - समाज और वाक् समुदायों को संवेदनशील बनाने के लिए भाषा संकट अलार्म के लिए भारतीय भाषाओं के डेटा को भरना
 - डेटा सत्यापन और भाषाई जागरूकता के लिए समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ कार्यशालाएं
 - केंद्र के शासनादेश के तहत राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की सिफारिशों को लागू करना
 - इसके लिए राष्ट्रीय लोकगीत संग्रहालय और ऑनलाइन संग्रह की स्थापना करना
 - डिजिटल माध्यमों से देश की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को संरक्षित करना
 - अपने पोर्टल के माध्यम से क्षेत्रीय भाषाओं के लिए एक ऑनलाइन भाषा सूचना केंद्र स्थापित करना
- अपने पोर्टल और मोबाइल ऐप के माध्यम से भाषा सीखने के उपकरण और भाषा के खेल को क्रॉस भाषाई समुदायों आदि के लिए विकसित और लोकप्रिय बनाना

बौद्ध अध्ययन केंद्र

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियां/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियां और विभाग के शिक्षकों और छात्रों की सहभागिता:

- 10.03.2022: केंद्र ने गांधी पुण्याह पर स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया

प्रकाशन

अरुण रंजन मिश्रा (निदेशक, प्रभारी, बौद्ध अध्ययन केंद्र)

शोध की प्रकाशित पुस्तकें

- फरवरी 2022: आईएसबीएन- 978-93-912143-4-0, टिप्पणियाँ-राधावल्लभ त्रिपाठिनः काव्यकला-परिशीलनम्, डॉ. डॉल घोष के साथ सहलेखन, शिवालिक प्रकाशन, नई दिल्ली (कुल पृष्ठ - 265)।

इंटरनेशनल पीयर-रिव्यूड रिसर्च जर्नल में प्रकाशित शोध पत्र

- 2021, आईएसएसएन: 0507-1410, "नेशन एंड नेशनलिज्म इन द वेदास", वेश्वेश्वरानंद इण्डोलोगिकल जर्नल, सं. एन.सी. पांडा एट अल, पंजाब विश्वविद्यालय, होशियारपुर-146021, पीपी. 1-5

अनुसंधान की पुस्तक का भाग

- दिसंबर 2021, ISBN: 978-93-92622-23-6, "इ रिफ्रेशिंग अप्रोच टू द सावंतस ऑफ़ संस्कृत स्टडीज" (इन द फॉर्म ऑफ़ फोरवर्ड), संस्कृत स्टडीज इन द ईस्ट, (भाग एक), सं. डॉ. सुभ्रजीत सेन, संस्कृत पुस्तक भंडार, कोलकाता, पीपी 1-22
- सितंबर 2021, आईएसबीएन: 978-81-7702-483-3, "ट्राइबलिज्म इन द वैदिक लिटरेचर", पेपर पब्लिशड इन जेम्स ऑफ़ वैदिक विस्डोम, सं. भास्करनाथ भट्टाचार्य, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली, पीपी 140-146

वर्तमान सलाहकार बोर्ड:

1. अध्यक्ष: प्रो. बिद्युत चक्रवर्ती, कुलपति, विश्व-भारती
2. प्रो. सबिता प्रधान, अध्यक्ष, भाषा-भवन
3. प्रो. अमल कुमार पाल, निदेशक, रवीन्द्र भवन
4. प्रो. रवींद्रनाथ मिश्रा, हिंदी विभाग
5. डॉ. सेडुप तेनजिंग, अध्यक्ष (प्रभारी), भारत-तिब्बत अध्ययन विभाग
6. प्रो अरुणा रंजन मिश्रा, निदेशक (प्रभारी), सीबीएस और संयोजक

अन्य प्रासंगिक जानकारी: बौद्ध अध्ययन केंद्र ने परिसर में भगवान बुद्ध और बौद्ध धर्म के आदर्शों का प्रचार प्रसार भली भांति किया है।

विद्या-भवन (मानविकी और सामाजिक विज्ञान संस्थान)

विद्या भवन गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की उच्च शिक्षा केंद्र की परिकल्पना का मूल है। यह जुलाई 1919 में उत्तर-विभाग, उच्च अध्ययन विभाग के रूप में शुरू हुआ। 1921 में विश्व-भारती औपचारिक रूप से अस्तित्व में आया। 1925 में इसका नाम बदलकर विद्या भवन- उच्च अध्ययन और अनुसंधान संस्थान कर दिया गया। महान दार्शनिक और संस्कृत विद्वान, अध्यापक विधुशेखर शास्त्री ने विश्व-भारती के आदर्श वाक्य 'यत्र विश्वं भवत्येकनीडम' का चयन किया था। वे विद्या भवन के पहले अध्यक्ष (प्रिंसिपल) थे।

विद्या भवन अब मानविकी और सामाजिक विज्ञान संस्थान है जिसके तहत कई विभाग और केंद्र कार्यरत हैं- प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति और पुरातत्व, मानव विज्ञान, पत्रकारिता और जन संचार केंद्र, अर्थशास्त्र और राजनीति, शिक्षा (सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र के रूप में), इतिहास, भूगोल, दर्शनशास्त्र और तुलनात्मक धर्म और महिला अध्ययन केंद्र।

विद्या भवन पिछले कुछ वर्षों में न केवल सार्क देशों से बल्कि पूरे एशिया, यूरोप और उसके बाहर बड़ी संख्या में विदेशी छात्रों को आकर्षित करने में सफल रहा है।

विद्या भवन के अधिकांश विभाग में स्नातक, परास्नातक, एम.फिल एवं डाक्टरल स्तर के पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। विभागों के संकाय सदस्य और शोधार्थियों के लेख बड़ी संख्या में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के पत्रिकाओं में से प्रकाशित होते हैं और भारत और विदेश के कई विश्वविद्यालयों में सम्मेलनों और कार्यशालाओं में पढ़ाते हैं और उनमें भाग लेते हैं। बड़ी संख्या में संकाय सदस्यों ने प्रतिष्ठित फेलोशिप प्राप्त की है और राष्ट्रीय और विदेशी संस्थानों द्वारा वित्त पोषित परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है। भवन के छात्रों और शोधार्थियों को देश और विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों में रखा गया है।

प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति और पुरातत्व विभाग

प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति और पुरातत्व विभाग, रवीन्द्रनाथ की पहल से शांतिनिकेतन में शुरू किए गए इंडोलॉजिकल अध्ययनों के क्रम में एक नई कड़ी है। इसे 1900 के दशक की शुरुआत में 1907 में पंडित क्षितिमोहन सेन और विधुशेखर शास्त्री द्वारा शुरू किया गया। उस समय कवि के मन में विश्वभारती का विचार नहीं था। रवीन्द्रनाथ को अपने संस्कृति केंद्र को विश्वविद्यालय के रूप में नामित करने में हिचकिचाहट थी। "दुर्भाग्य यह है कि कवि ने 1919 की शुरुआत में लिखा था, जैसे ही विश्वविद्यालय का विचार हमारे दिमाग में आता है, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और कई अन्य यूरोपीय विश्वविद्यालयों का विचार उसी समय आ जाता है और इसकी कमी को पूरा कर देता है। तब हमें लगता है कि हमारा उद्धार एक उदारपूर्ण तरीके से एक साथ पैच किए गए प्रत्येक के सर्वोत्तम बिंदुओं के चयन में निहित है।" उनकी योजना में, भारतीय शिक्षा के केंद्र की परिणामों के लिए कोई अधीर लालसा नहीं थी, नकल के लिए कोई दुर्भाग्यपूर्ण कमजोरी नहीं थी और अपने जन्म से ही एक पूर्ण विकसित विश्वविद्यालय की अप्राकृतिक इच्छा थी। विश्वभारती का विचार एक महान विचार है। यह "न केवल भारत के बौद्धिक जीवन का केंद्र होना चाहिए, बल्कि उसके आर्थिक जीवन का भी केंद्र होना चाहिए।" लेकिन हमारी विविध सांस्कृतिक विरासत और हमारी अपनी सभी सामग्रियों को आकर्षित करने और समूहबद्ध करने वाली एक केंद्रीय शक्ति उत्पन्न करने में सक्षम हुए बिना, भारतीय संस्कृति की एक पूर्ण और गतिशील पथ का निर्माण एक दूर का सपना बना रहेगा। इस प्रकार अपने प्रारंभिक चरण में भारतीय शिक्षा के केंद्र को आकार देने और बौद्धिक एकता स्थापित करने के लिए; भारत, विश्व-भारती के संस्थापक विभिन्न संस्कृतियों के समन्वित अध्ययन के लिए - वैदिक, पुराणिक, बौद्ध, जैन, इस्लामिक, सिख, पारसी और यूरोपीय, जो संस्थान को प्राचीन भारत में घोषित शाश्वत सत्य को प्रकट करने वाले अन्य लोगों के सर्वश्रेष्ठ को आत्मसात करने में सक्षम बनाएगा: आत्मवत सबभूतेसु या पश्यति सा पश्यति - वह अकेला देखता है, जो स्वयं को सभी प्राणी के रूप में देखता है। इसी में, विश्वभारती में इंडोलॉजी स्कूल की जड़ निहित है, भारतीय इतिहास जिसे रवीन्द्रनाथ ने आरंभ किया था और देश और विदेश के विद्वानों द्वारा पोषित किया गया - उनमें से सबसे प्रतिष्ठित सिल्वेन लेवी, मौरिस विंटरनिट्ज, विंसेंट लेस्नी, स्टेन कोनोव, ग्यूसेप टुकी, क्षितिमोहन सेन, विधुशेखर शास्त्री और प्रबोधचंद्र बागची थे।

रवीन्द्रनाथ की विश्वभारती को 1951 में एक केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में सीमित कर दिया गया। कवि के कई सपने केंद्रीय विश्वविद्यालय के दलदल में गुम हो गए, विचारधारा का स्कूल गायब हो गया। यह प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति, आधुनिक भारतीय इतिहास, अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन, संस्कृत, पाली और प्राकृत, चीनी भाषा और संस्कृति और भारत-तिब्बत अध्ययन विभागों में विभाजित हो गया।

प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति विभाग, जिसे 1951 में यह नाम दिया गया था, पाठ्यक्रम संरचना के एक घटक के रूप में पुरातत्व की शुरुआत के साथ, को 1977 में फिर से नाम दिया गया है जो नाम अब भी है।

विभाग सेमेस्टर सिस्टम में बी.ए. तीन वर्षीय छह सेमेस्टर के साथ स्नातक ऑनर्स स्तर पर पाठ्यक्रम और प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति और पुरातत्व में एमए में दो वर्षीय चार सेमेस्टर पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यह भारतीय सभ्यता के लोकाचार की मूल बातें जानने के इच्छुक विदेशी छात्रों को प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति और पुरातत्व में एक साल का कैजुअल कोर्स भी। उक्त पाठ्यक्रम के अलावा विभाग एम.फिल. दो वर्षीय पाठ्यक्रम और अनुप्रयुक्त और क्षेत्र अनुसंधान उन्मुख पीएच.डी. प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति और पुरातत्व में स्तरीय कार्यक्रम प्रदान करता है।

संग्रहालय और पुरातत्व प्रयोगशाला

प्राचीन इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग ने विद्या भवन के नवीन भवन (भूतल) में एक नया संग्रहालय एवं पुरातत्व प्रयोगशाला बनाया है। संग्रहालय में ज्यादातर सिरेमिक संग्रह हतिका, बालूपुर और कोटासुर जैसे पुरातात्विक स्थलों से हैं। पुरातत्व प्रयोगशाला ने हाल ही में छात्रों के शिक्षण उद्देश्य के लिए एक मानव कंकाल मॉडल (170 सेमी) और पूर्व, मध्य, उत्तर पुरापाषाण और नवपाषाण संस्कृति के 41 प्रतिकृति उपकरण (3 डी) प्राप्त किए हैं।

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

1. निबेदिता नस्कर यूजीसी नेट/जेआरएफ
2. वी.आर. गुरुप्रसाद अरविंद यूजीसी नेट/जेआरएफ
3. संदीपन गराई यूजीसी नेट/जेआरएफ
4. मनामी मंडल यूजीसी नेट
5. निकिता भक्त यूजीसी नेट
6. आफताब मंसूर यूजीसी नेट
7. पौलामी बसु सेट
8. शुभ्रादेव सरकार सेट
9. नाज़रीन खातून सेट

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजना:

- डॉ. अनिल कुमार 25 नवंबर 2017 से बिहार हेरिटेज डेवलपमेंट सोसाइटी, बिहार सरकार (2017-2022) के सहयोग से "लालपहाड़ी, लखीसराय में उत्खनन का संचालन"।
- एआईएचसीएंडए विभाग ने पांच साल के लिए लखीसराय में पुरातत्व कार्यों के लिए बिहार हेरिटेज डेवलपमेंट सोसाइटी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। एआईएचसीएंडए विभाग,

अध्याय-2

विश्वभारती के संकाय और शोध छात्रों के यात्रा व्यय को छोड़कर, बिहार सरकार द्वारा काम का सारा खर्च वहन किया जाएगा। विभाग ने डॉ. अनिल कुमार को परियोजना संयोजक नामित किया है।

- डॉ. सुचिरा रॉयचौधरी मंगलकोट के उत्खनन के बाद के विश्लेषणों पर अपने चल रहे शोध के हिस्से के रूप में मंगलकोट के पुरातात्विक सिरेमिक पर काम कर रही हैं। इसके अलावा वह कोटासुर और हटिकरा (विभागीय संग्रहालय में उपलब्ध) के स्थलों के पुरातात्विक मिट्टी के पात्र पर एक डेटाबेस तैयार करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने लालीपहारी, लखीसराय की साइट के सिरेमिक का भी प्रारंभिक अध्ययन किया है, जो बिहार सरकार के सहयोग से डॉ अनिल कुमार और डॉ बिजॉय चौधरी द्वारा निर्देशित एक विभागीय उत्खनन है। उन्होंने एनेक्सी भवन में विभाग के नए संग्रहालय और पुरातत्व प्रयोगशाला के आयोजन में भी सक्रिय रूप से भाग लिया है। उन्होंने स्नातक छात्रों के साथ मंगलकोट और पांडु राजार धीबी में उनके पाठ्यक्रम पाठ्यचर्या के हिस्से के रूप में अन्वेषण यात्रा भी की है।

अनिल कुमार

परियोजना:

- डीएसटी : “इंटीग्रेटेड नॉन इनवेसिव जियोफिजिकल, आर्कियोलोजिकल एंड बायोजियोकेमिकल कैरेक्टाइजेशन ऑफ़ इटखोरी हेरिटेज साइट्स इन द मोहाने रिवर वैली”, शीर्षक वाली अनुसंधान परियोजना, 2025-2022, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार।
- उत्खनन निदेशक के रूप में लालपहाड़ी, लखीसराय, बिहार में उत्खनन कार्य के तीसरे सत्र का सफलतापूर्वक संचालन किया और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

सुचिरा रॉयचौधरी

- पुरातात्विक मिट्टी के पात्र पर काम करना और छात्रों के साथ कोटासुर और हटिकरा (विभागीय) के स्थलों के पुरातात्विक (संग्रहालय में पहुँचासिरेमिक पर एक डेटाबेस तैयार करने का प्रयास करना।

अनुसंधान प्रकाशन और संकायों की अन्य उपलब्धियां:

प्रकाशित लेख:

अनिल कुमार

परियोजना:

- डीएसटी : “इंटीग्रेटेड नॉन इनवेसिव जियोफिजिकल, आर्कियोलोजिकल एंड बायोजियोकेमिकल कैरेक्टाइजेशन ऑफ़ इटखोरी हेरिटेज साइट्स इन द मोहाने रिवर वैली”, शीर्षक वाली अनुसंधान परियोजना, 2022-2025, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार।

- उत्खनन निदेशक के रूप में लालपहाड़ी, लखीसराय, बिहार में उत्खनन कार्य के तीसरे सत्र का सफलतापूर्वक संचालन किया और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

सरिता खेत्री

- खेत्री, एस. (2022)। (अभिलेखे दृष्टिभंगिता उत्तोर-पश्चिम भारते लौकिक बौद्ध धर्मे इतिहास (ख्रिष्टोपूर्व तृतीय शताब्दी – ख्रिष्टिया शताब्दी) (बंगला में), पश्चिम बंगाल इतिहास संसद, इतिहास अनुसन्धान, कोलकाता पृष्ठ 8-23

के. मावली राजन

- राजन, के.एम. (2021)। इतिहास विभाग, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, चिदंबरम द्वारा 31 जनवरी-2 फरवरी, 2020 तक टेम्पल एंड आर्टिसन कम्युनिटीज इन मेडिएवल तमिल कंट्री, साउथ इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस फ़ोर्टिथ एनुअल सेशन प्रोसीडिंग्स, को आयोजित किया गया 413-418 (आईएसएसएन संख्या 2229-3671)
- राजन, के.एम. (2021)। तमिलनाडु के पूर्वी तट में अर्ली बुद्धिस्ट साइट्स, हेरिटेज: जर्नल ऑफ मल्टीडिडिस्प्लिनरी स्टडीज इन आर्कियोलॉजी, 8(2), 175-192 (आईएसएसएन नंबर 2347-5463)।

सुचिरा रॉयचौधरी

- रॉयचौधरी, एस. (2022)। जलोढ़ परिदृश्य में साइट की अवधारणा को फिर से परिभाषित करना: अजय नदी घाटी का एक केस स्टडी, पुरावृता, (पुरातत्व और संग्रहालय निदेशालय, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा प्रकाशित पुरातत्व का एक जर्नल); वॉल्यूम। 3: 245-256

सबरनी प्रमाणिक नायक

- नायक, एस.पी. (2021)। श्रीकाकुलम-विशाखापत्तनम क्षेत्र (10 वीं -15 वीं शताब्दी) के एपिग्राफ से नायकों का पुनरीक्षण' (सं।) के. मावली राजन, और वी.पलानीचामी, मध्यकालीन दक्षिण भारत में भूमि और समाज सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक परंपराओं के परिप्रेक्ष्य में, कल्पाज प्रकाशन, नई दिल्ली, पीपी 73-103, आईएसबीएन-978-93-5324-316-6

पुस्तक प्रकाशित

के. मावली राजन

- राजन, के.एम. (2021)। लैंड एंड सोसाइटी इन मेडिएवल साउथ इंडिया: पर्सपेक्टिव्स ऑ सोसियो-इकोनॉमिक एंड कल्चरल ट्रेडिशनस (वी. पलानीचामी के साथ संपादित पुस्तक), कल्पाज प्रकाशन, नई दिल्ली, (आईएसबीएन नंबर 978-93-5324-316-6)
- राजन, के.एम. (2021)। कंटूर्स ऑफ़ कल्चर : इंडिया एंड बियॉन्ड एसेज ऑ कल्चर | ट्रेडिशन एंड रेलिजीयन इन साउथ एशिया एंड साउथ ईस्ट एशिया, (बिने बर्मन के साथ संपादित पुस्तक), मित्तल प्रकाशन, नई दिल्ली, (आईएसबीएन नंबर 978-93-90692-83-5)

अध्याय-2

पुस्तक में अध्याय:

के. मावली राजन

- राजन, के.एम. (2021)। रईसों को प्यार और रईसों की परवाह है। भूपेंद्र नाथ गोस्वामी (सं.) में, गन्धितोड्क्सोनार अदिचल कंडारी सिख्याबिद अध्यापक आनंद सैकिया, प्रोफेसर आनंद सैकिया का एक सम्मान खंड, जोरहाट, पीपी.261-264 (आईएसबीएन नंबर 978-93-5437-748-8)
- राजन, के.एम. (2021)। परिचय: दक्षिण भारतीय अध्ययन का ऐतिहासिक अवलोकन। के. मावली राजन और वी. पलानीचामी (सं.), लैंड एंड सोसाइटी इन मेडिएवल साउथ इंडिया: पर्सपेक्टिव्स ऑ सोसिओ-इकोनॉमिक एंड कल्चरल ट्रेडिशनस, कल्पाज प्रकाशन, नई दिल्ली, पीपी.25-41 (आईएसबीएन नंबर 978-93- 5324-316-6)
- राजन, के.एम. (2021)। पारिस्थितिकी, कृषि और सिंचाई: प्रारंभिक और मध्यकालीन तमिल देश में खेती के तौर तरीके और चलन। के. मावली राजन और वी. पलानीचामी (संस्करण), लैंड एंड सोसाइटी इन मेडिएवल साउथ इंडिया: पर्सपेक्टिव्स ऑ सोसिओ-इकोनॉमिक एंड कल्चरल ट्रेडिशनस, कल्पाज प्रकाशन, नई दिल्ली, पीपी.141-182 (आईएसबीएन नंबर 978-93-5324-316-6)
- राजन, के.एम. (2021)। दक्षिण भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया: श्रीविजय साम्राज्य के साथ चोल के राजनीतिक और सांस्कृतिक संबंध। के. मावली राजन और बिनय बर्मन (संस्करण), कंट्रर्स ऑफ़ कल्चर : इंडिया एंड बियॉन्ड एसेज ऑ कल्चर | ट्रेडिशन एंड रेलिजीयन इन साउथ एशिया एंड साउथ ईस्ट एशिया, मित्तल प्रकाशन, नई दिल्ली, पीपी.209-226 (आईएसबीएन नंबर) .978-93-90692-83-5)

संगोष्ठी/सम्मेलन/महाविद्यालय में दिया गया आमंत्रित व्याख्यान:

अनिल कुमार

5वें "गुरु दक्ष" फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम में दो व्याख्यान दिए:

- 22.01.2022: भारत-I में उच्च शिक्षा का पारिस्थितिकी तंत्र।
- 22.01.2022: भारत-II में उच्च शिक्षा का पारिस्थितिकी तंत्र।

के. मावली राजन

- 23.09.2021: यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु द्वारा आयोजित कॉलेज / विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए, (बैच-ए) अपराह्न 2.00 बजे से शाम 5.00 बजे के दोपहर सत्र में यूजीसी द्वारा प्रायोजित इतिहास और संस्कृति अध्ययन (अंतःविषय) में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (22.09.2021 से 05.10.2021 तक निर्धारित) में एक विषय विशेषज्ञ के रूप में "प्रारंभिक भारतीय समाज और संस्कृति के अध्ययन के दृष्टिकोण" विषय पर व्याख्यान दिया।

- 01.10.2021: यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु द्वारा आयोजित कॉलेज / विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए, (बैच-बी) अपराह्न 2.00 बजे से शाम 3.30 बजे के दोपहर सत्र में यूजीसी द्वारा प्रायोजित इतिहास और संस्कृति अध्ययन (अंतःविषय) में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (22.09.2021 से 05.10.2021 तक निर्धारित) में एक विषय विशेषज्ञ के रूप में "प्रारंभिक भारतीय समाज और संस्कृति के अध्ययन के दृष्टिकोण" विषय पर व्याख्यान दिया।
- 08.01.2022: वी.वी. वन्नियापेरुमल कॉलेज फॉर विमेन, विरुधुनगर, तमिलनाडु, एकेडमी फॉर लैंग्वेज एडवांसमेंट एंड प्रोग्रेसिव एटिट्यूड नर्चरिंग, हल्दिया, पश्चिम बंगाल के सहयोग से ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मलेन में बीज व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- 17.02.2022: सरकारी संग्रहालय, तिरुनेलवेली और इतिहास विभाग, मीनाक्षी गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज फॉर वुमेन, मदुरै, तमिलनाडु द्वारा संयुक्त रूप से ऑनलाइन मोड में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह के 75वें वर्ष में "सुभाष चंद्र बोस और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में उनका योगदान" विषय पर विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 27.02.2022-28.02.2022: इतिहास और पुरातत्व विभाग, कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, कालाबुरागी, द्वारा गूगल मीट के माध्यम से आयोजित 'संदर्भ में इतिहास' विषय पर दो दिवसीय सम्मेलन में "आरंभिक तमिल साहित्य के माध्यम से बौद्ध परंपराओं को पुनर्जीवित करना" विषय पर विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 22.03.2022: इतिहास विभाग, आरसू कला और विज्ञान महिला महाविद्यालय, करूर, तमिलनाडु, आरसू कॉलेज द्वारा गूगल मीट के माध्यम से आयोजित 'हेरिटेज एंड ट्रेवल:टूरिज्म इंडस्ट्री' पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "चैलेंजेज एंड ओपोर्चुनिटीज ऑफ़ टूरिज्म इंडस्ट्री" विषय पर विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 25.03.2022: नेहरू अध्ययन केंद्र, भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु द्वारा गूगल मीट के माध्यम से
- आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में 25 मार्च, 2022 को "जवाहरलाल नेहरू एंड हिज हिस्टोरिकल राईटिंग्स" विषय पर विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

बीना गांधी देउरी

- 09.03.2021-10.03.2021: आईक्यूएसी प्रकोष्ठ और इतिहास विभाग, नॉगस्टोइन कॉलेज, नॉगस्टोइन, मेघालय द्वारा महामारी और कोविड-19 के प्रभाव पर ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में "कन्ट्रोलिंग पैन्डेमिक: आ केस स्टडी ऑन इंडिजेनस नॉलेज फ्रॉम अरुणाचल प्रदेश" विषय पर विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

अध्याय-2

सुचिरा रॉयचौधरी

- 16.03. 2022: केएलई सोसाइटी के लिंगराज कॉलेज, बेलगावी द्वारा त नई पुरातत्व, पुरालेख और कला और विरासत के समकालीन तत्व पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। “रिडीफाइनिंग साइट्स इन अलुवियल लैंडस्केप्स : केस स्टडीज फ्रॉम अजय रिवर वैली: ए मल्टीडिसिप्लिनारी अप्रोच” विषय पर प्रस्तुति के साथ व्याख्यान दिया।

सुजाता रक्षित

- 22.04.2021: सोसाइटी फॉर अंडरस्टैंडिंग कल्चर एंड हिस्ट्री इन इंडिया (SUCHI) द्वारा आयोजित एक वेबिनार में “धोर्मियो पोरिसर एकामरो-खेत्रो: उदभोब ओ बिकास (सोप्टोम- त्रयोदोश शोतो) / एकमरक्सेत्र : एमरजेंस एंड डेवलपमेंट (सातवीं-तेरहवीं शताब्दी सीई)” विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।
- 22.06.2021: इतिहास विभाग, केएलई सोसाइटी के लिंगराज कॉलेज, बेलगावी, कर्नाटक द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला (“एन असथेटिक अप्रेसीएशन ऑफ़ इकोनोग्राफी ऑफ़ ईस्टर्न इंडिया”) में “टेम्पलस , टेक्स्ट्स, इमेजेज एंड इश्यूज : इ लुक एट ब्रह्मनिकल इकोनोग्राफि इन मेडिएवल ओडिशा” विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

पुरातत्व अन्वेषण और उत्खनन:

विभाग की पुरातत्व इकाई ने पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों और लखीसराय, बिहार (बिहार सरकार के सहयोग से) में उत्खनन कार्य जारी रखा।

भविष्य के लिए योजना:

विभाग द्वारा पूर्वी भारत में पुरातात्विक स्थलों के पाठ्य और दृश्य पैटर्न के लिए एक डेटाबेस स्थापित करने का प्रस्ताव है। हम विश्वभारती में एक पुरातत्व सूचना प्रणाली (एआईएस) भी विकसित करना चाहेंगे। यह पूर्वी भारत में नियमित अन्वेषण और उत्खनन कार्य का पूरक होगा जो विभाग के शैक्षणिक पाठ्यक्रम का एक हिस्सा है। यह हमारे स्नातक, स्नातकोत्तर और शोध छात्रों को पुरातात्विक विधियों और तकनीकों में प्रशिक्षित करेगा।

नृतत्व विभाग

विभागीय सेमिनार:

- 09.10.2019: प्रो. पीटर उनगर, मानव विज्ञान के प्रख्यात प्रोफेसर और निदेशक, पर्यावरण गतिशीलता पीएच.डी. प्रोग्राम यूनिवर्सिटी ऑफ अर्कांसस, यूएसए ने 'इवोल्यूशन बाइट: डेंटल एविडेंस फॉर द डाइट्स ऑफ अवर डिस्टेंट एंसेस्टर्स?' विषय पर व्याख्यान दिया।
- 21.10.2021: प्रो. माइकल हरमनुसेन, बाल रोग के प्रोफेसर, कील विश्वविद्यालय, जर्मनी और संपादक, मानव जीव विज्ञान और सार्वजनिक स्वास्थ्य ने 'स्ट्रेटेजिक ग्रोथ एडस्टमेंट्स: सोशल एफेक्ट्स ऑन द रेगुलेशंस ऑफ ह्यूमन ग्रोथ' विषय पर व्याख्यान दिया।
- 23.02.2022: प्रो. हेड्ड गोएटनर-एबेंड्रोथ, निदेशक, आधुनिक मातृसत्तात्मक अध्ययन के लिए अंतरराष्ट्रीय अकादमी हागिया ने मैट्रियार्की – मॉडर्न मैट्रियार्किअल स्टडीज : अ शॉर्ट इंट्रोडक्शन' विषय पर व्याख्यान दिया।
- 27.02.2022: प्रोफेसर असीम के दत्ताराय, चिकित्सा संकाय, ओस्लो विश्वविद्यालय, नॉर्वे और प्रधान संपादक, खाद्य और पोषण अनुसंधान ने 'ह्वाय हेरेडिटी इज नॉट डेस्टिनि' विषय पर व्याख्यान दिया।
- 05.03.2022: प्रो. लोरेना मैड्रिगल, एएएस फेलो, मानव विज्ञान विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ फ्लोरिडा, यूएसए ने 'ए टेल ऑफ थ्री कंटिनेंट्स द इंडो-कोस्टा क्रकन पोपुलेशन ऑफ लिमॉन, कोस्टा रिका' विषय पर व्याख्यान दिया।
- 12.03.2022: पद्म श्री प्रो. अनूप मिश्रा, अध्यक्ष, फोर्टिस-सीडीओसी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर डायबिटीज, मेटाबोलिक डिजीज, एंड एंडोक्रिनोलॉजी, नई दिल्ली और निदेशक, राष्ट्रीय मधुमेह, मोटापा और कोलेस्ट्रॉल फाउंडेशन ने 'इंक्रीज ऑर डिक्लीज इन अदिपोस टिसू विल हेल्प मैनेज/रिवर्स डाइबेटिज इन एशियन इंडियंस' विषय पर व्याख्यान दिया।
- 19.03.2022: प्रो. संदीप पोद्दार, उप-कुलपति (अनुसंधान और नवाचार) लिंकन यूनिवर्सिटी कॉलेज, मलेशिया ने 'इकोलॉजी अंड सस्टेनेबल ह्यूमन हेल्थ' विषय पर व्याख्यान दिया।

प्रकाशन:

अर्णब घोष

- दास, एम., और घोष, ए. (2021)। एज एंड सेक्स वेरिएशन ऑफ़ स्पैरोमेट्री बेस्ड लंग फंक्शन मेजर्स इन चिल्ड्रेन एंड अडोलसेंट्स ऑफ़ एशियन इंडियन ओरिजिन, कार्डियोवैस्कुलर रोग अनुसंधान जर्नल, 12 (6), 1158-1168। <https://doi.org/10.31838/jcdr.2021.12.06.160>

सिपोय सर्वेश्वर

- सर्वेश्वर, एस., और शाक्य, एस. (2021)। नेपाल के नेवारों के बीच स्वशासन में गुथियों की भूमिका। भारत में समाज और संस्कृति विकास, 1(1), 97-116. आईएसएसएन: 2583-0694।

अध्याय-2

संपादित पुस्तक में अध्यायः

ज्योति रतन घोष

- रॉय एस. और घोष, जे.आर. (2021)। एंथ्रोपोमेट्रिक विफलता के लिए समग्र सूचकांक द्वारा पोषण की स्थिति: शहरी बंगाली किशोर, हावड़ा जिला, पश्चिम बंगाल, भारत के परिप्रेक्ष्य में अध्ययन। मंडल, एम. और सिंह, के.एन. (सं.), मातृ स्वास्थ्य और बाल मृत्यु: स्थिति, दृष्टि और चुनौतियां। कॉन्सेप्ट प्रकाशन कंपनी प्रा. लिमिटेड भारत। पीपी 317-326 आईएसबीएन: 13:978-81-8069-864-4

सिंगलाई थौमान

- थौमान, एस. और नेली, डी. (2022)। द आइडेंटिटी कौन्ट्रम एज वी सी : द मोंगमी नागास एक्सपेरिमेंस। इन ट्राइब्स ऑफ नॉर्थ ईस्ट इंडिया : ओरलिटी माइग्रेशन एंड एपिस्टेमोलोजी (सं.), पीपी 128-138 नई दिल्ली: रावत प्रकाशन। आईएसबीएन: 978-81-316-1234-7

सिपोय सर्वेश्वर

इग्नू के लिए पाठ्यक्रम सामग्री में योगदान

- यूनिट 1: "अंडरस्टैंडिंग इंडियन सोसाइटी" इन कोर कोर्स "बी ए एन सी 114 एंथ्रोपोलॉजी ऑफ इंडिया" ऑनर्स प्रोग्राम बी.एससी, एंथ्रोपोलॉजी, डिसिप्लिन ऑफ एंथ्रोपोलॉजी, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू), नई दिल्ली में।
- यूनिट 15: "कॉन्ट्रिब्यूशन्स इन पायोनरिंग अन्थ्रोपोलोजिस्ट्स" बी एससी कोर कोर्स 'बी ए एन सी 114 प्रोग्राम के लिए भारत के मानव विज्ञान, मानव विज्ञान, सामाजिक विज्ञान स्कूल, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली में।
- यूनिट 4: बी एससी ऑनर्स प्रोग्राम कोर्स डिसिप्लिन स्पेसिफिक ऐच्छिक बेन 143 में "एंथ्रोपोलॉजी ऑफ ट्राइब्स ऑफ इंडिया" ,एंथ्रोपोलॉजी, डिसिप्लिन ऑफ एंथ्रोपोलॉजी, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) नई दिल्ली में।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि:

अर्णब घोष

आमंत्रित व्याख्यान:

- 02.03.2022-04.03.2022: मानव विज्ञान विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, राजा राममोहनपुर, दार्जिलिंग, भारत में 'समकालीन युग के मानव विज्ञान' पर राष्ट्रीय वेबिनार में "चाइल्डहुड ओबेसिटी : आर वी मिसिंग द बिग एपिडेमिक"? शीर्षक पर आमंत्रित व्याख्यान दिया ।

सिपोय सर्वेश्वर

अध्यक्ष/सह-अध्यक्ष/चर्चाकर्ता:

- 11.12.2021-12.12.2021: वीआईटी-एपी स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज, वीआईटी-एपी विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश, भारत द्वारा "रिड्मेजनिंग द पैराडीग ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल

साइंसेज इन द पोस्ट कोविड वर्ल्ड” विषय पर आयोजित सम्मेलन (वर्चुअल) एथेना 2021 के दौरान एक पूर्ण सत्र की अध्यक्षता की।।

- 15.01.2022-16.01.2022: सोसाइटी फॉर सोशल एंड इकोनॉमिक रिसर्च, नई दिल्ली द्वारा ऑनलाइन आयोजित "एक्सप्लोरिंग न्यू रिसर्च फ्रंटियर्स इन सोशल साइंसेज" विषय पर युवा विद्वानों के सत्र में चर्चाकर्ता।
- 21.02.2022-23.02.2022: मानव विज्ञान विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय एवं भारतीय राष्ट्रीय परिसंघ और मानवविज्ञानी अकादमी (आई एन सी ए ए) के सहयोग से आयोजित भारतीय मानव विज्ञान कांग्रेस-2022 “एंथ्रोपोलॉजी एंड बायो-कल्चरल डाइवर्सिटी इन इंडिया: रेट्रस्पेक्ट एंड प्रोस्पेक्ट” में “कोविड महामारी-चुनौतियाँ और प्रतिक्रियाएँ” तकनीकी सत्र की सह-अध्यक्षता।

संगोष्ठी का आयोजन :

- 21.02.2022-23.02.2022: मानव विज्ञान विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय एवं भारतीय राष्ट्रीय परिसंघ और मानवविज्ञानी अकादमी (आई एन सी ए ए) के सहयोग से आयोजित भारतीय मानव विज्ञान कांग्रेस-2022 “एंथ्रोपोलॉजी एंड बायो-कल्चरल डाइवर्सिटी इन इंडिया: रेट्रस्पेक्ट एंड प्रोस्पेक्ट” में “मिटीगेटिंग द नेचुरल हार्डशिप्स थ्रू कल्चरल इन्वेंशन्स इन द (सब) हिमालयाज” विषय पर संगोष्ठी आयोजित।
- आमंत्रित व्याख्यान:
- 06.02.2022 प्रो. नावा रिसर्च कलेक्टिव, तमिलनाडु द्वारा आयोजित ‘फील्ड वर्क अमोंग द नेवाह ऑफ़ नेपाल’ शीर्षक पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 17.02.2022: आजीविका और विकास स्कूल, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान (टीस) हैदराबाद ऑफ-कैंपस द्वारा आयोजित ‘रिसर्च इन एंथ्रोपोलॉजी : रेफ्लेक्शंस फ्रॉम द एथनोग्राफिक फील्ड वर्क अमोंग द नेवाह ऑफ़ नेपाल’ शीर्षक पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

कार्यशाला में सहभागिता :

- 13.12.2021-24.12.2021: अंग्रेजी और तकनीकी कार्यक्रम प्रकोष्ठ विभाग, पारुल विश्वविद्यालय, वडोदरा, भारत, कानून विभाग, रोपरिन विश्वविद्यालय, रान्या, इराक और एवं प्रवासी अध्ययन केंद्र, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर, भारत के संयुक्त तत्वावधान में मानविकी और सामाजिक विज्ञान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला "अनुसंधान पद्धति" में भाग लिया।
- 05.01.2022-18.01.2022: शिक्षा विभाग, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बटिंडा द्वारा दो सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम “पेडागोगी एंड असेसमेंट इन हायर एजुकेशन : एन ई पी 2020” (ऑनलाइन) आयोजित में भाग लिया।

अध्याय-2

सिंगलाई थौमन

आमंत्रित व्याख्यान

- 21-02.2022- 23.02.2022: मानव विज्ञान विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय एवं भारतीय राष्ट्रीय परिसंघ और मानवविज्ञानी अकादमी (आई एन सी ए ए) के सहयोग से आयोजित भारतीय मानव विज्ञान कांग्रेस-2022 “मोंगमी नागास नालम-शलम : आ कल्चरल फिलोसोफी फॉर कॉमन पूल्ड रेसौरसेस” विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया ।
- 27.12.2021: सैबोल यूथ, मारिंग नागा बैपटिस्ट एसोसिएशन, मणिपुर द्वारा आयोजित द्वितीय सैबोल यूथ फेस्ट, 2021 शैक्षणिक कार्यशाला में "रूट्स टू विंग यू: द टेक ऑफ" विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

मैत्रेयी मित्रा: (रिसर्च स्कॉलर)

पेपर प्रस्तुति

- 21.12.2021-23.12.2021: इंडियन एंथ्रोपोलॉजिकल सोसाइटी के 51वां वार्षिक सम्मेलन और इंडियन एंथ्रोपोलॉजिकल सोसाइटी द्वारा 'एंथ्रोपोलॉजी ऑफ हेल्थ एंड डिजीज: पास्ट, प्रेजेंट एंड फ्यूचर' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में “फैमिली हिस्ट्री ऑफ़ टाइप 2 डायबिटीज मेलिटुस एंड मैटरनल गेस्टेशनल अन्ट्रोपोमेट्रीक चंजेज : ए लॉगिचुडिनल स्टडी अमोंग एन एशियन इंडियन ओब्स्टेट्रिक पापुलेशन लिविंग इन एंड अराउंड कोलकाता, पश्चिम बंगाल, भारत” विषय पर पेपर प्रस्तुत किया ।

कार्यशाला में सहभागिता :

- 26.06.2021-27.06.2021: भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद एनआईआरटीएच और वीआईटी-एपी विश्वविद्यालय के सहयोग से कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित “मेथोड्स एंड अप्रोअचेस फॉर हेल्थ रिसर्च इन सोशल साइंसेज ” विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

अर्थशास्त्र और राजनीति विभाग

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / एसएलईटी और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम।

1. हिमाद्रिजा चक्रवर्ती नेट और आईसीएसएसआर डॉक्टरल फेलोशिप
2. प्रीति यादव यूजीसी- नेट/जेआरएफ
3. पूजा दास यूजीसी-नेट और नेशनल फेलोशिप फॉर अनुसूचित जाति के छात्र (एनएफएससी)
4. सपन कुमार प्रधान यूजीसी- नेट/जेआरएफ
5. राहुल पाल यूजीसी- नेट

प्रकाशन:

शिक्षकों द्वारा प्रकाशन

ए. एकल लेखक

पुस्तकें:

अपूर्व कुमार चट्टोपाध्याय

- चट्टोपाध्याय, ए.के. और चट्टोपाध्याय, एस. (2021)। विकास नीति निर्माण: चुनौतियां और अवसर, ज्ञान पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

सौम्यदीप चट्टोपाध्याय

- दे, आई., चट्टोपाध्याय, एस., नाथन, एच.एस.के. और सरकार, के. (2022)। भारत में COVID 19 महामारी, लोक नीति और संस्थान। रूटलेज यूके।
- चट्टोपाध्याय, ए.के. और चट्टोपाध्याय, एस. (2021)। विकास नीति निर्माण: चुनौतियां और अवसर, ज्ञान पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

पुस्तक अध्याय

अपूर्व कुमार चट्टोपाध्याय

- पाठक, ए., और चट्टोपाध्याय, ए.के. (2021)। भारत में कृषि ऋण वृद्धि और ऋण नीति। ए. के. चट्टोपाध्याय और एस. चट्टोपाध्याय (सं.), विकास नीति निर्माण: चुनौतियां और अवसर। ज्ञान पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
- कुंडू, आर.के. और चट्टोपाध्याय, ए.के. (2021)। डीवीसी सिंचाई परियोजना के विशेष संदर्भ में पश्चिम बंगाल, भारत में प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं की दक्षता और उत्पादकता के आलोक में। ए. के. चट्टोपाध्याय और एस. चट्टोपाध्याय (सं.), विकास नीति निर्माण: चुनौतियां और अवसर। ज्ञान पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

अध्याय-2

सौम्य चक्रवर्ती

- कुंदू, ए., और चक्रवर्ती, एस. (2022)। इनफॉर्मल सेक्टर इन इंडिया : ए क्रिटिक ऑफ़ इनक्लूसिव ट्रांजीशन इन परसिस्टेंट एंड इमर्जिंग चैलेंजेज टो डेवलपमेंट (पीपी। 39-58) सिंगर, सिंगापुर।
- दत्ता, पी.के., और चक्रवर्ती, एस. (2021)। द प्रॉब्लम ऑफ़ फाइनेंसिंग डेवलपमेंट मैनेजमेंट : ए क्वेस्ट फॉर ऑप्टिमम गवर्नमेंट इंटरवेंशन | इन ऑप्टिमम साइज ऑफ़ गवर्नमेंट इंटरवेंशन (पीपी. 13-29) रूटलेज इंडिया।
- कुंदू, ए., भट्टाचार्य, एम., दत्ता, पी.के., साधु, के., और चक्रवर्ती, एस. (2021)। द पैन्डेमिक एंड द इनफॉर्मल सेक्टर ऑफ़ इंडिया | इन द कोविड 19 पान्डेमिक, इंडिया एंड द वर्ल्ड : इकोनॉमिक एंड सोशल पालिसी पर्सपेक्टिव्स 289. रूटलेज यूके।

संतदास घोष

- घोष, एस., और रॉय, एस. (2022)। क्लाइमेट चेंज, इकोलोजिकल स्ट्रेस एंड लाइवलीहुड च्याईसेस इन इंडियन सुंदरबन | इन क्लाइमेट चेंज एंड कम्युनिटी रेसिलिएंस (पीपी. 399-413) सिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-16-0680-9_26

बिश्वजीत मंडल

- मंडल, बी., और प्रसाद, ए.एस. (2022)। इमिग्रेशन, इकोनॉमिक रिफार्म एंड वेज डिस्ट्रीब्यूशन इन ए स्माल इकॉनमी | इन यू. मुखोपाध्याय (सं.), इंटरनल माइग्रेशन विदिन साउथ एशिया (सं.) (पीपी. 239-256) सिंगर सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-16-6144-0_13.

सौम्यदीप चट्टोपाध्याय

- चट्टोपाध्याय, एस. (2022)। इंप्रॉस्ट्रक्चर डेफिसिट्स इन इंडियन सिटीज अमीद कोविड 19 : की ओप्पोरचुनिटिज एंड चैलेंजेज फॉर पालिसी एंड प्रैक्टिस | इन दे एस. चट्टोपाध्याय, के. सरकार एंड एच.एस.के. नाथन (सं.), कोविड 19 पान्डेमिक, पब्लिक पालिसी एंड इंस्टिट्यूशंस इन इंडिया पीपी. 131 - 147, रूटलेज यूके।
- चट्टोपाध्याय, एस. और साहू, पी.पी. (2022)। एम एस एम ई इन इंडिया ड्यूरिंग लॉक एंड अनलॉक टाइम्स : पालिसी रेस्पोंसेस एंड कोपिंग स्ट्रेटेजीज | आई. दे ., एस. चट्टोपाध्याय, के. सरकार और एच.एस.के. नाथन (सं.), कोविड 19 पान्डेमिक, पब्लिक पालिसी एंड इंस्टिट्यूशंस इन इंडिया (पीपी. 97 - 112), रूटलेज यूके।
- दे, आई., नाथन, एच.एस.के., चट्टोपाध्याय, एस. और सरकार, के. (2022)। इंटरडिक्शन द कोविड 19 पान्डेमिक चैलेंजेज एंड पालिसी | आई. दे ., एस. चट्टोपाध्याय, के. सरकार और एच.एस.के. नाथन (सं.), कोविड 19 पान्डेमिक, पब्लिक पालिसी एंड इंस्टिट्यूशंस इन इंडिया (पीपी. 3-12) , रूटलेज यूके।

- चट्टोपाध्याय, एस. और कुमार, ए. (2021)। फाइनेंसिंग एमेनिटीज फॉर इन्क्लूसिव एंड सस्टेनेबल सिटीज इन इंडिया : चैलेंजेज एंड प्रॉस्पेक्ट्स। ए. के. चट्टोपाध्याय और एस. चट्टोपाध्याय (सं.), डेवलपमेंट पालिसी मेकिंग : चैलेंजेज एंड ओप्पोरचुनिटिज (पीपी. 209-238) ज्ञान पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

माधवेंद्र सिन्हा

- सिन्हा, एम., दत्ता, ए., और मुखोपाध्याय, पी. (2021)। घरेलू मूल्य और विनिर्माण व्यापार: संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन। प्रोडक्टिविटी ग्रोथ इन द मैनुफैक्चरिंग सेक्टर (पीपी 31-42) एमराल्ड यूके।
- सिन्हा, एम., दास, आर., महापात्रा, एस.एस., दत्ता, ए., और सेनगुप्ता, पी.पी. (2021)। सुधार के बाद के भारत में वैश्वीकरण और मुद्रास्फीति की गतिशीलता। इन द रूटलेज हैंडबुक ऑफ पोस्ट-रिफॉर्म इंडियन इकोनॉमी (पीपी 259-272) रूटलेज इंडिया।

सोहिनी दत्ता (राजनीति विज्ञान में अतिथि शिक्षक)

- दत्ता, एस. (2022)। दृश्यमान और अदृश्य कार्य में दृश्यमान और अदृश्य कार्य। सुष्मिता गोंसाल्वेस और वरबी रॉय (सं।), ए बुक ऑफ वन्स ओन: डूइंग, 'अन'डूइंग एंड 'री'डूइंग जेंडर (फोर्थकमिंग प्रॉम सेज) में।

शोध पत्र

अपूर्व कुमार चट्टोपाध्याय

- पाठक, ए., और चट्टोपाध्याय, ए.के. (2021)। भारत में कृषि ऋण माफी योजनाओं पर बहस: मिथक और वास्तविकताएं। समकालीन दक्षिण एशिया, 29(4), 560-570
- पाठक, ए., और चट्टोपाध्याय, ए.के. (2021)। COVID-19 संकट और भारतीय राज्य की भूमिका। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ प्लुरालिस्म एंड इकोनॉमिक्स एजुकेशन, 12(1), 71-79.

सौम्य चक्रवर्ती

- घोष, एस., सेठ, पी., और चक्रवर्ती, एस. (2021)। इन्क्लूसिव अर्बनाइजेशन? ए स्टडी ऑफ़ इंडियन सलम्स | जर्नल ऑफ़ अर्बन एंड रीजनल एनालिसिस, 13(2), 301-322.
- घोष, एस., और चक्रवर्ती, एस. (2021)। अर्बनाइजेशन एंड एक्सक्लूशन : ए स्टडी ऑन इंडियन सलम्स | इंटरनेशनल क्रिटिकल थॉट, 11(3), 450-479.
- साधु, के., और चक्रवर्ती, एस. (2021)। नियो- डुअलिज्म: अक्कुमुलेशन, डिस्ट्रेस, एंड प्रोलिफरेशन ऑफ़ ए फिस्सरड इन्फोर्मलिटी | रिव्यू ऑफ़ रेडिकल पोलिटिकल इकोनॉमिक्स, 53(4), 694-724.

अध्याय-2

संतदास घोष

- दासगुप्ता, एस., व्हीलर, डी., बंधोपाध्याय, एस., घोष, एस., और रॉय, यू. (2022)। तटीय दुविधा: जलवायु परिवर्तन, जन सहायता और जनसंख्या विस्थापन। *वर्ल्ड डेवलपमेंट*, 150, 105707, <https://doi.org/10.1016/j.worlddev.2021.105707>.
- कवि कुमार, के.एस., भट्टा, आर.सी., मुखोपाध्याय, पी., एनेबोइना, एल.आर., नरेन, पी., नाथ, एम., शरण, ए., घोष, एस., दा कोस्टा, वी., और पेडनेकर, एस. (2022)। भारत में समुद्री और तटीय पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं का मूल्यांकन। *इकोलोजी, इकॉनमी एंड सोसाइटी — द इन्सी जर्नल*, 5(1), 109-137, <https://doi.org/10.37773/ees.v5i1.536>.
- दासगुप्ता, एस., व्हीलर, डी., और घोष, एस. (2021) फिशिंग इन सॉल्ट वाटर्स: पॉवर्टी, ऑक्यूपेशनल सेलाइन एक्सपोजर, एंड वीमेन हेल्थ इन द इंडियन सुंदरबन। *जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी*; 12(1), 1-18. <https://doi.org/10.5539/jms.v12n1p1>

बिश्वजीत मंडल

- मंडल, बी. (2022)। लोअर करप्शन वारंट्स लेस, बट हायर करप्शन रिमूव इट: ए रिकार्डियन नोट। *जर्नल ऑफ़ क्वांटिटेटिव इकोनॉमिक्स | सिंगर नेचर | आगामी*.
- मंडल, बी., और प्रसाद, ए.एस. (2021)। समय क्षेत्र के अंतर, आभासी व्यापार और अनौपचारिकता का एक सरल मॉडल। *इंडियन ग्रोथ एंड डेवलपमेंट रिव्यू*, 14(1), 81-96 <https://doi.org/10.1108/IGDR-12-2018-0128>

अमित कुमार बिश्वास

- दास, एस., और बिश्वास, ए.के. (2021)। ग्रामीण भारत में प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता और निर्धारक। *इंडियन जर्नल ऑफ़ ह्यूमन डेवलपमेंट*, 15(2), 323-333.
- बिश्वास, ए.के., फोन हेगन, जे., और सरकार, एस. (2022)। एफडीआई मिसमैच, ट्रेड मिस-रिपोर्टिंग, एंड हिडन कैपिटल मूवमेंट्स: द यूएसए-चाइना केस। *जर्नल ऑफ़ इंटरनेशनल मनी एंड फ़ाइनेंस*, 120, 102534

सौम्यदीप चट्टोपाध्याय

- दे, आई., चट्टोपाध्याय, एस., नाथन, एच.एस.के., मिश्रा, पी., पारे, ए. और दत्ता, एस. (2022)। पश्चिम बंगाल, भारत के WUAs में सामूहिक कार्यों को प्रभावित करने वाली संरचनात्मक और संस्थागत व्यवस्था। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ वाटर रेसोर्स डेवलपमेंट*. (DOI: 10.1080/07900627.2022.2041407).

अचिरांशु आचार्य

- आचार्य, ए. (2022)। एसडीजी-6 और ग्रामीण भारत में सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता : एक नीतिगत परिप्रेक्ष्य। *इंडियन ग्राउंडवाटर*, 18(1), 57-66.

- आचार्य ए. (2021) पब्लिक इन्वेस्टमेंट इन हाउसहोल्ड वाटर इंफ्रास्ट्रक्चर एंड इकनॉमिक डेवलपमेंट : एन एचिल्स हील फॉर इंडिया? इंडियन ग्राउंड वाटर , 17(2), 43-53.

प्रियव्रत दत्ता

- गुप्ता, एम. आर., और दत्ता, पी.बी. (2021)। कराधान, पूंजी संचय, पर्यावरण और बेरोजगारी में कारगर मजदूरी मॉडल। जर्नल ऑफ इकनॉमिक्स, 1-48 (<https://doi.org/10.1007/s00712-021-00754-8>)

माधवेंद्र सिन्हा

- सिन्हा, एम., और चौधरी, ए. (2021)। आर. एएससिंग द बिटवीन ग्रुप इनइक्वालिटी थ्रू अल्टरनेटिव मेजर्स ऑफ़ ग्रुपिंग : एन इंडियन एविडेंस, सोशल इंडीकेटर्स रिसर्च , 157(3), 1021-1045.
- दत्ता, ए., और सिन्हा, एम. (2022)। विभिन्न मशीन लर्निंग टूल्स का उपयोग करते हुए तुलनात्मक परिसंपत्ति मूल्य निर्धारण मॉडल। लेक्चर नोट्स इन नेटवर्क्स एंड सिस्टम्स, 317, 733-740. (DOI: https://doi.org/10.1007/978-981-16-5640-8_55).

अन्य प्रकाशन:

सौम्यदीप चट्टोपाध्याय

- चट्टोपाध्याय, एस. और कुमार ए. (2021)। आत्मनिर्भर सिटीज एंड यूनियन बजट 2021-22 — हाउ डज द इंडियन बजट फेयर इन एट्रेसिंग चैलेंजेज ऑफ़ सिटीज अमिडस्ट द पान्डेमिक एंड टुवर्ड्स ट्रांसफॉर्मिंग अर्बन इंडिया। शेल्टर , 22(1), 43-50.

अचिरांशु आचार्य

- आचार्य, ए. (2021)। कोविड-19 पोरोबोर्तिमोध्योबिटरसंकट। यहां उपलब्ध है: <https://www.4numberplatform.com/?p=28555>
- आचार्य, ए. (2021)। झोर ओ निर्माण: किचुचिंताभावना। अन्तर्जातिक पाठशाला, 10(4), 49-55
- आचार्य, ए. (2022)। शतोबोर्शे विश्व-भारतीय प्रासंगिकाता। यहां उपलब्ध है: <https://www.4numberplatform.com/?p=30063>

शोधार्थियों का प्रकाशन

जर्नल लेख :

अभिजीत पाठक

- पाठक, ए., और चट्टोपाध्याय, ए.के. (2021)। भारत में कृषि ऋण माफी योजनाओं पर बहस: मिथक और वास्तविकताएं। कंटेम्पररी साउथ एशिया, 29(4), 560-570.
- पाठक, ए., और चट्टोपाध्याय, ए.के. (2021)। कोविड -19 संकट और भारतीय राज्य की भूमिका। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ प्लूरलिज्म एंड इकनॉमिक्स एजुकेशन, 12(1), 71-79.

अध्याय-2

सोमनाथ घोष

- घोष, एस., सेठ, पी., और चक्रवर्ती, एस. (2021)। इन्क्लूसिव अर्बनाइजेशन? ए स्टडी ऑफ़ इंडियन सलम्स | जर्नल ऑफ़ अर्बन एंड रीजनल एनालिसिस, 13(2), 301-322.
- घोष, एस., और चक्रवर्ती, एस. (2021)। शहरीकरण और बहिष्करण: भारतीय मलिन बस्तियों पर एक अध्ययन। इंटरनेशनल क्रिटिकल थॉट, 11(3), 450-479

शुभजीत बनर्जी

- बनर्जी, एस. (2021) कंजुगेशन ऑफ़ बॉर्डर एंड डोमेस्टिक कार्बन एडजस्टमेंट एंड इम्प्लीकेशंस अंडर प्रोडक्शन एंड कंजम्पशन बेस्ड एकाउंटिंग ऑफ़ इंडियास नॅशनल एमिशन इन्वेंटरी : ए रिकर्सिव डायनामिक सी जी ई एनालीसिस। स्ट्रक्चरल चेंज एंड इकनोमिक डायनामिक्स, 57, 68-86.
- बनर्जी, एस., खान, एम.ए., और उल हुसैन, एम.आई. (2021) सर्चिंग अप्रोप्रिएट सिस्टम बाउंड्री फॉर एकाउंटिंग इंडियास एमिशन इन्वेंटरी फॉर द रेस्पॉसिबिलिटी टू रिड्यूस कार्बन एमिशन | जर्नल ऑफ़ एन्विरोमेंटल मैनेजमेंट, 295, 112907.
- उल हुसैन, एम.आई., नसरुल्ला, एन., खान, एम.ए., और बनर्जी, एस. (2021) स्कूटिनी ऑफ़ इनकम रिलेटेड ड्राइवर्स ऑफ़ एनर्जी पावर्टी : ए ग्लोबल पर्सपेक्टिव। एनर्जी पालिसी, 157, 112517.
- घोष, ए., और बनर्जी, एस. (2022) एक्सप्लोरिंग द रेलेवांस ऑफ़ कूड आयल प्राइसेस एंड इन्स्टाल्ड जनरेशन कापासिटी इन प्रोग्नोस्टिकेटिंग द निफ्टी एनर्जी इंडेक्स | मिल्लेनिअल एशिया, 09763996221081196.

सुस्नाता गांगुली

- गांगुली एस. (2021)। पानी बेचने वाले बनाम पानी के खरीदार : असमानता की एक अनकही कहानी। भारतीय ग्राउंड वाटर, 17(2), 88-99.
- गांगुली एस. (2021)। पानी बेचने वाले बनाम पानी के खरीदार : असमानता की एक अनकही कहानी। इंडियन ग्राउंड वाटर, 17(2), 88-99

संपादित पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय:

अभिजीत पाठक

- पाठक, ए., और चट्टोपाध्याय, ए.के. (2021)। भारत में कृषि ऋण वृद्धि और ऋण नीति। ए. के. चट्टोपाध्याय और एस. चट्टोपाध्याय (सं.), विकास नीति निर्माण: चुनौतियां और अवसर। ज्ञान पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
- पाठक, ए., और चट्टोपाध्याय, ए.के. (2021)। भारतीय कृषि पर कोविड -19 का प्रभाव। एस रे एट अल में (सं.), विश्वमारी और महामारी। लेडी ब्रेबोर्न कॉलेज, कोलकाता, आईएसबीएन: 978-81-928421-0-7

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि।

अपूर्व कुमार चट्टोपाध्याय

- 08.01.2022: द हेरिटेज कॉलेज, कोलकाता द्वारा आयोजित आमंत्रित व्याख्यान श्रृंखला के तहत "भारत में विकास और वितरण तथा नीति परिप्रेक्ष्य: एक पोस्ट-रिफॉर्म परिदृश्य" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 23.01.2022: ए ए सी यूई डी, कोलकाता द्वारा शाम 7 बजे (आईएसटी) आयोजित "शुद्ध वी रिचर्स बैंक नेशनलाइजेशन?" विषय पर अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।
- 12.03.2022-13.03.2022: 42वें वार्षिक सम्मेलन और बंगिया अर्थनीति परिषद (बंगाल इकोनॉमिक एसोसिएशन) के भारतीय अर्थव्यवस्था के परिवर्तन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार/सेमिनार में "लघु वित्त बैंक और कृषि ऋण: एक मूल्यांकन" शीर्षक से पेपर (अभिजीत पाठक के साथ संयुक्त रूप से) प्रस्तुत किया।

सौम्य चक्रवर्ती

- 21.07.2022-22.07.2022: एकेडी केंद्र, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित, 10-दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम, "डिस्कर्स ऑन मैक्रोइकॉनॉमिक्स", में आमंत्रित ऑनलाइन व्याख्यान (2) यू ट्यूबके लिए लिंक: <https://youtu.be/NNkyS4ClCH0> (भाग I) और <https://youtu.be/fPjC8vQOIpU> (भाग II)।
- 01.08.2021: "भारत में ग्रामीण विकास" पर एक आमंत्रित ऑनलाइन व्याख्यान, ग्रामीण विकास पर अंतरराष्ट्रीय वेबिनार, सप्तग्राम कॉलेज, धुबरी, असम द्वारा आयोजित, 01.08.2021 <https://www.youtube.com/watch?v=SYsM4FoBnOw>।
- 16.09.2021: भारत में अनौपचारिक क्षेत्र पर वार्ता: नव-द्वैतवाद और दोहरी नीति प्रतिक्रिया। "महामारी और पूंजीवाद का भविष्य" विषय पर सम्मेलन; 2021 आईआईपीपीई वार्षिक सम्मेलन; सत्र: नव-उदारवाद VIII: भारत में नव-उदारवाद। एस ओ ए एस, लंदन विश्वविद्यालय। 12-19 सितंबर 2021, <http://iippe.org/>।
- 28.10.2021: "कैसाब्लांका (मोरक्को) के इकोले सेंट्रल में भारत के अनौपचारिक क्षेत्र" विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान आमंत्रित। यह अध्ययन दिवस विकास के मॉडलों के आलोचनात्मक विश्लेषण के लिए समर्पित था।

अमित कुमार बिश्वास

- 04.07.2021: एके दासगुप्ता केंद्र, विश्वभारती में संकाय विकास कार्यक्रम में "फार्मेशन ऑफ़ मिक्रोएकॉनॉमिक मॉडल्स फ्रॉम एम्पिरिकल ऑब्जरवेशन्स" विषय पर विषय विशेषज्ञ के रूप में भूमिका निभायी और व्याख्यान दिया।

अध्याय-2

- 04.02.2022, 05.02.2022, 07.02.2022: एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया और भारतीय सामाजिक विज्ञान परिषद अनुसंधान (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित तीन दिवसीय "अर्थशास्त्र में समकालीन मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" (आईसीसीआईईई) में विषय विशेषज्ञ के रूप में भूमिका निभायी और अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

सौम्यदीप चट्टोपाध्याय

- 22.02.2022: यूजीसी-एचआरडीसी, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 8वें फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (एफआईपी-08) में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया और "हाउ एंड व्हाई कोविड 19 रिकूआयर्स इंडियन सिटीज टू रिथिंक अर्बन पालिसी एंड प्रैक्टिस" विषय पर व्याख्यान दिया।
- 09.02.2022: हुडको के ह्यूमन सेटलमेंट मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट, नई दिल्ली (विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित) 5-दिवसीय ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (ईआईटीईसी) (7-11 फरवरी, 2022) में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया "प्लानिंग एंड मैनेजमेंट ऑफ़ सस्टेनेबल अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विसेज" पर व्याख्यान दिया।
- 02.02.2022: यूजीसी-एचआरडीसी, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 7वें फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (एफआईपी-07) में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया और "ट्रांसफॉर्मेटिव अर्बन चेंज: ट्रिगर्स एंड रोडमैप" विषय पर व्याख्यान दिया।
- 07.01.2022: यूजीसी-एचआरडीसी, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा "आयोजित आपदा प्रबंधन और सतत विकास लक्ष्य" पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया "इंफ्रास्ट्रक्चर डेफिसिट्स इन इंडियन सिटीज एंड कोविड 19 : द इम्परेटिव ऑफ़ रिथिन्किंग अर्बन पालिसी एंड प्रैक्टिस" इन द रिफ्रेशर कोर्स ऑन डिजास्टर मैनेजमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स" विषय पर व्याख्यान दिया।
- 07.12.2021: हुडको के ह्यूमन सेटलमेंट मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट, नई दिल्ली (विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित प्रवासी पेशेवरों के लिए "फ्यूचरिस्टिक सिटीज – स्मार्ट एंड रेसिलिएंट" विषय पर आयोजित एक सप्ताह के ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम 2021-22 (6-10 दिसंबर, 2021) में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया और "प्रोविसिओ ऑफ़ अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विसेज : चैलेंजेज एंड अप्रोचेस" पर एक व्याख्यान दिया।
- 28.10.2021: समाजशास्त्र विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा "अंडरस्टैंडिंग एंड इंटरप्रिटिंग कंटेम्पररी इश्यूज एंड चैलेंजेज इन सोसाइटी" पर आयोजित व्याख्यान श्रृंखला में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया और "परटीसिपटरी अर्बन गवर्नेंस इन इंडियन सिटीज : रिट्रिक वीएस रियल्टी" पर व्याख्यान दिया (7 अक्टूबर - 30 दिसंबर 2021) 28 अक्टूबर 2021
- 07.09.2021: हुडको के ह्यूमन सेटलमेंट मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट, नई दिल्ली द्वारा "फाइनेंसियल स्ट्रेंथनिंग ऑफ़ यू एल बी एस" पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम (6-8 सितंबर 2021) में विषय

विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया और 7 सितंबर, 2021 को “टैपिंग द टैक्स एंड नॉन-टैक्स रिवेन्यू मोबिलाइजेशन पोर्टेंशियल ऑफ़ यू एल बी एस” पर दो व्याख्यान दिए।।

- 17.08.2021: एमिटी स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स, एमिटी यूनिवर्सिटी, कोलकाता द्वारा आयोजित कंटेम्पररी रिसर्च इन इकोनॉमिक्स विथ एकोनोमेट्रिक्स एंड डाटा एनालिसिस टूल्स पर पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया और “टाइम सीरीज एनालिसिस : एक्साम्पल्स एंड एप्लीकेशन्स” पर दो व्याख्यान दिए।।
- 27.07.2021: एके दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट, विश्वभारती द्वारा आयोजित आर्थिक सिद्धांत और संबंधित डेटा विश्लेषण तकनीक पर दस दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया और “टाइम सीरीज एनालिसिस युजिंग ए-ब्यूज” पर व्याख्यान दिया।।
- 03.04.2021-10.04.2021: जादवपुर एसोसिएशन ऑफ़ इंटरनेशनल रिलेशंस, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान विधियों पर सात दिवसीय कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया और “रिगेशन एनालिसिस : एक्साम्पल्स एंड एप्लीकेशन्स” पर व्याख्यान दिया।

अचिरांशु आचार्य

- 29.08.2021: दूरदर्शन पर बांग्ला में “कोरोना महामारी के दौरान भारत में आर्थिक स्थिति” (कोरोना काले देशरार्थनीती) नामक कार्यक्रम में चर्चा में भाग लिया।
- 20.09.2021-24.09.2021: पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से नेताजी सुभाष प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान, पश्चिम बंगाल द्वारा ऑनलाइन मोड में “लीडरशिप चैलेंजेज ऑफ़ फॉरेस्ट्री एडमिनिस्ट्रेशन एंड द रोल ऑफ़ मल्टी – स्टेकहोल्डर्स पार्टनरशिप” पर एक सप्ताह के प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में आमंत्रित वक्ता।
- 28.10.2021: भारतीय मानक ब्यूरो, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा “भारतीय मानक ब्यूरो में विश्व मानक दिवस” पर भाषण देने के लिए मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 29.10.2020-07.01.2021: आईक्यूएसी, विजयगढ़ ज्योतिष रे कॉलेज, कोलकाता के सहयोग से अर्थशास्त्र विभाग और वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित “उद्यमिता विकास” पर दस दिनों के ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स में वक्ता के रूप में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।
- विभाग के एम.फिल कार्यक्रम के लिए अर्थशास्त्र विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 03.02.2022: व्यवसाय प्रशासन विभाग, नरुला प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा ऑनलाइन मोड में “केंद्रीय बजट 2022: ए मैक्रो व्यू” पर भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया।

अध्याय-2

- अध्ययन बोर्ड, अर्थशास्त्र विभाग, रामकृष्ण मिशन विद्यामंदिर बेलूर मठ, हावड़ा में बाहरी विशेषज्ञ के रूप में एक आभासी बैठक में भाग लिया।

माधवेंद्र सिन्हा

- 15.02.2022-16.03.2022: "विश्वविद्यालयों / कॉलेजों / उच्च शिक्षा संस्थानों में संकाय" के लिए टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा पी एम एम एम एन एम टी टी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित 4-सप्ताह के इंडक्शन/ओरिएंटेशन प्रोग्राम में भाग लिया।
- 07.12.2021-08.12.2022: पेरिस स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, फ्रांस में वर्ल्ड इन इक्वालिटी लैब एंड डब्ल्यू आई डी.वर्ल्ड द्वारा आयोजित दूसरे विश्व असमानता सम्मेलन 2021 में "परसिस्टेंस ऑफ़ ऑक्यूपेशनल डिस्पैरिटी अमोंग सोशल ग्रुप्स : एविडेंस फ्रॉम इंडिया " पर ऑनलाइन पेपर प्रस्तुत किया।

सोहिनी दत्ता (अतिथि शिक्षक: राजनीति विज्ञान)

- 21.06.2021-25.06.2021: राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज (एनआईआरडीपी) और पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केंद्र (एनईआरसी), ग्रामीण मंत्रालय विकास, भारत सरकार संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम ग्रामीण विकास में अनुसंधान पद्धति पर संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया और सफलतापूर्वक पूरा किया।

शोधार्थियों द्वारा प्रस्तुति

अपूर्व कुमार चट्टोपाध्याय (पर्यवेक्षक)

शोधार्थी :

I. अभिजीत पाठक (पीएचडी रिसर्च स्कॉलर)

- 18.11.2021: कैम्पस लॉ सेंटर, विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "चैलेंजेज टू पीस , सिक्यूरिटी एंड इंटरनेशनल लॉ इन साउथ एशिया" पर वेबिनार में भाग लिया।
- 12.03.2022-13.03.2022: बंगिया अर्थनीति परिषद (बंगाल इकोनॉमिक एसोसिएशन) के भारतीय अर्थव्यवस्था के परिवर्तन पर 42वें वार्षिक सम्मेलन और दो-दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार/सेमिनार में "स्माल फाइनेंस बैंक्स एंड एग्रीकल्चरल क्रेडिट : एन अप्रेजल" पर पेपर प्रस्तुत किया।
- 12.03.2022: अर्थशास्त्र विभाग, महिला क्रिश्चियन कॉलेज तथा सोसाइटी फॉर इकोनॉमिक रिसर्च इन बंगाली द्वारा पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, आईसीएसएसआर के वित्तीय सहायता से महामारी युग के बाद की भारतीय अर्थव्यवस्था पर आयोजित वार्षिक अर्थबिस्लेशन ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में "भारतीय कृषि: महामारी और चुनौतियाँ" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।
- 29.03.2022: अर्थशास्त्र विभाग, हीरालाल पॉल कॉलेज द्वारा "कोविड महामारी और सामाजिक संगठन की भूमिका" पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया।

II. सरस्वती स्वैन (पीएचडी रिसर्च स्कॉलर)

- 10.01.2022-12.01.2022 & 17.01.2022-22.02.2022: फैकल्टी रिसर्च सेल — ज्ञानीधि एंड एसआरडीसी- विद्यानिधि, सीएमएस, जैन (डीम्ड विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय उद्यमिता शिखर सम्मेलन 'अवलोकन 2.0' 2022 शीर्षक "बियॉन्ड ससटनिबीलिटी — ट्रेड्स इन रिगेनेरेटिव, सोसिअल्ली रिस्पॉंसिबल, कम्युनिटी वेंचर्स" में भाग लिया।
- 20.07.2021-29.01.2021: एके दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट, विश्वभारती द्वारा आयोजित "आर्थिक सिद्धांत और संबंधित डेटा विश्लेषण तकनीक" पर 10 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

सौम्य चक्रवर्ती (मार्गदर्शक)

I. हर्ष तिवारी (पीएचडी रिसर्च स्कॉलर)

- 12.02.2022-13.02.22: उड़ीसा इकोनॉमिक्स एसोसिएशन गंगाधर मेहर विश्वविद्यालय, संबलपुर के 54वें (वर्चुअल) वार्षिक सम्मेलन में "गरीब और गैर-गरीब राज्यों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम का निष्पादन : एक महत्वपूर्ण विश्लेषण" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

II. प्रीतिकना चर (पीएचडी रिसर्च स्कॉलर)

- 11.04.2022-13.04.2022: आईआईटी रुड़की, उत्तराखंड के साथ इंडियन सोसाइटी ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स द्वारा आयोजित 62वें श्रम अर्थशास्त्र सम्मेलन में "ग्रामीण गैर-कृषि क्षेत्र में उत्पादन संगठन और बाजार संरचना: पश्चिम बंगाल के कुछ हस्तशिल्प का एक अध्ययन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

संतदास घोष (मार्गदर्शक)

I. तापस कुमार सूत्रधर (पीएचडी रिसर्च स्कॉलर)

- 7.12.2021-18.12.2021: पाटलिपुत्र स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स, आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना (बिहार) द्वारा आयोजित बिहार में कृषि उत्पादकता और किसानों की आय बढ़ाने पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया (ऑफलाइन) और "बिहार में कृषि परिवारों में वित्तीय समावेशन की स्थिति: एक तुलनात्मक अध्ययन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

बिश्वजीत मंडल (मार्गदर्शक)

I. अल्का श्री प्रसाद (पीएचडी रिसर्च स्कॉलर)

- 11.11.2021-12.11.2021: मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी द्वारा आयोजित स्नातक अनुसंधान मीट 2021 में "ओफ्सोरिंग अक्रॉस टाइम जोंस एंड डीस्सिमिलर लेबर स्किल" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 16.12.2021-17.12.2021: भारतीय विदेश व्यापार संस्थान कोलकाता परिसर में द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्त में अनुभवजन्य मुद्दों पर (ईआईआईटीएफ- 2021) में 7वें अंतरराष्ट्रीय

अध्याय-2

सम्मेलन “वेरिअशन इन लेबर स्किल्स एंड ओप्सोरिंग अक्रॉस टाइम जॉस” शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

अमित कुमार विश्वास (मार्गदर्शक)

I. सुभाशीष दास

- 2021: 7वें अंतरराष्ट्रीय शैडो सम्मेलन: द शैडो इकोनॉमी, टैक्स बिहेवियर एंड इंस्टीट्यूशंस, ब्रुनेल यूनिवर्सिटी, लंदन में "भारत और यूएसए के बीच द्विपक्षीय व्यापार डेटा मिसमैच का क्यूरियस केस: थ्योरी एंड एविडेंस" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 2021: इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड के अंतराष्ट्रीय व्यापार और वित्त में अनुभवजन्य मुद्दों पर 7वें अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में “क्यूरियस केस ऑफ बायलेटेरल ट्रेड डाटा मिसमैच बिटवीन इंडिया एंड द यू एस ए : थ्योरी एंड एविडेंस” शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।

II. समीर कुमेर दास

- 2021: बहुविषयक सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक अध्ययन (आईईआई, चंडीगढ़), इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स, सेक्टर 19ए, चंडीगढ़, भारत पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "बांग्लादेश में भारत के साथ भागीदार के रूप में व्यापार संबंधी गलत रिपोर्टिंग परिदृश्य में एक जांच" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।
- 2021: कला, सामाजिक विज्ञान और मानविकी में अनुसंधान विकास पर छठे अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में "व्यापार डेटा मिथ्याकरण और अनौपचारिक व्यक्ति आंदोलन: प्रमुख एशियाई व्यापार भागीदारों के साथ बांग्लादेश का एक अध्ययन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया, उस्मानिया यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर इंटरनेशनल प्रोग्राम, उस्मानिया विश्वविद्यालय परिसर, हैदराबाद, भारत।
- 2021: भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, अंतराष्ट्रीय व्यापार और वित्त में अनुभवजन्य मुद्दों पर 7वें अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में “ट्रेड डाटा फ्लिस्फिकेशन एंड पॉसिबल कैपिटल मूवमेंट : एविडेंस फ्रॉम बांग्लादेश विथ मेजर ओ इ सी डी पार्टनर्स” शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।

अचिरांशु आचार्य (मार्गदर्शक)

I. शुभजीत बनर्जी (पीएचडी शोधार्थी)

- एडीबीआई (एशियाई विकास बैंक संस्थान) द्वारा प्रस्तुत किए गए दो छात्र-केंद्रित एमओओसी (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स) में भाग लिया और संबंधित परीक्षणों में 75% से अधिक स्कोर करने पर दो प्रमाण पत्र अर्जित किए। विवरण इस प्रकार है:
(ए) एमओओसी-1 (मार्च 2022): हरित निवेश: अक्षय ऊर्जा। वक्ता : दीना अज़गलियेवा, रिसर्च फेलो, एडीबीआई और रंजीता मिश्रा, परियोजना सलाहकार, एडीबीआई।
(बी) एमओओसी-2 (मार्च, 2022): ऊर्जा अर्थशास्त्र, पर्यावरण और नीति। वक्ता: फरहाद तघीजादेह-हेसरी, प्रोफेसर, टोकई विश्वविद्यालय, जापान।

- भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) द्वारा नई दिल्ली और कोलकाता परिसर में अपने परास्नातक और पीएचडी छात्रों के लिए आमंत्रित और आयोजित अर्थशास्त्र अनुसंधान में इनपुट-आउटपुट विश्लेषण (आईओए) के विनियोग पर एकल विषय विशेषज्ञ के रूप में कार्यशाला का आयोजन किया। यह सितंबर 2021 में ऑनलाइन मोड में 2-सप्ताह के लिए (2 क्रेडिट या 12 घंटे) ऑनलाइन कार्यप्रणाली प्रशिक्षण कार्यशाला के रूप में आयोजित किया गया था।

II. सुस्नाता गांगुली (पीएचडी स्कॉलर)

- 25.12.2021-27.12.2021: अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन और नीति विश्लेषण संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश में इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन द्वारा आयोजित 104वें वार्षिक सम्मेलन में “सोसिओ – इकोनॉमिक इम्पैक्ट ऑफ़ एनर्जी ट्रांजीशन इन इरीगेशन ओवर द मार्जिनल बेनेफिसिएरीज” शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 30.03.2022: एशियन सोसाइटी फॉर एकेडमिक रिसर्च, कोलकाता, भारत द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान, मानविकी और व्यवसाय प्रबंधन (आई सी एस एस एच बी एम) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “ग्रामीण सिंचाई में निजी जल बाजारों का प्रभाव - असमानता की एक अनकही कहानी” शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

III. मौमिता घोष (पीएचडी स्कॉलर)

- 27.08.2021-29.08.2021: सांख्यिकी और विश्लेषणात्मक अनुसंधान संस्थान (आईएसएआर), चेन्नई, भारत द्वारा जूम ऐप के माध्यम से “मल्टीवैरिएट एनालिसिस थ्रू आर – कमांडर” पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।
- 28.01.2022-30.01.2022: सेंट थॉमस कॉलेज ऑफ़ टीचर एजुकेशन, पाला, कोट्टायम, केरल, भारत में “परिकल्पना निर्माण और परीक्षण तथा प्रश्नावली तैयारी” पर ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।

IV. पूजा दास (पीएचडी स्कॉलर)

- 05.06.2021: एआईएनए वेलफेयर फाउंडेशन, नॉर्थ लखीमपुर, असम द्वारा आयोजित इकोसिस्टम रिस्टोरेशन पर वेबिनार में “पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली, लखीमपुर, जिला, असम के बाढ़-प्रवण क्षेत्र में कृषि संभावनाएं” शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

प्रियव्रत दत्ता (मार्गदर्शक)

I. स्वराज दास

- 29.03.2022: कलकत्ता विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के असमान अवसर और वितरणात्मक प्रभावों पर वार्षिक सम्मेलन 2022 में “कुशल अकुशल मजदूरी असमानता, बेरोजगारी और पर्यटन विकास: एक सैद्धांतिक विश्लेषण” शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

अध्याय-2

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजनाएं

शिक्षक का नाम	परियोजना का नाम	प्रायोजक एजेंसियां	स्वीकृत राशि
अमित कुमार विश्वास	ट्रेड डाटा फेब्रिकेशन एंड पॉसिबल कैपिटल फ्लाइट : एक्सपीरियंस फ्रॉम इंडिया एंड अदर देवेलोपिंग कन्ट्रीज	रिसर्च ग्रुप लिंकेज प्रोग्राम प्रोजेक्ट बाय द अलेग्जांडर वोनहमबोल्ट फाउंडेशन	यूरो 55,000

शिक्षकों/विद्वानों या विभाग द्वारा समग्र रूप से प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता)

शिक्षक

1. अपूर्व कुमार चट्टोपाध्याय

- अर्थशास्त्र में पीजीबीओएस, बर्दवान विश्वविद्यालय में एक बाहरी सदस्य के रूप में मनोनीत।

2. प्रियव्रत दत्ता

- 03.09.2021-18.09.2021: यू.जी.सी.-मानव संसाधन विकास केंद्र, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा आयोजित अर्थमिति में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

3. सोहिनी दत्ता (राजनीति विज्ञान की अतिथि शिक्षक)

- उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय (एनबीयू), पश्चिम बंगाल में पीएचडी कार्यक्रम में दाखिला।
- अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता में मानव अधिकार और कर्तव्य शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (शाम) पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया।
- उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय में 70.8% अंकों (प्रथम श्रेणी प्रथम) के साथ राजनीति विज्ञान में सफलतापूर्वक पीएचडी पाठ्यक्रम पूरा किया।

शोधार्थी:

- काबेरी पाल, पीएच.डी. स्कॉलर ने प्रोफेसर ए के चट्टोपाध्याय के मार्गदर्शन में जून 2021 में "पोस्ट-रिफॉर्म पीरियड में पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में महिलाओं की बदलती स्थिति का एक सामाजिक-आर्थिक अध्ययन" शीर्षक से अपनी पीएचडी शोध प्रबंध प्रस्तुत किया है।
- अल्का श्री प्रसाद, पीएच.डी. स्कॉलर को दिसंबर 2020 और जून 2021 (विलय सत्र) राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी-नेट) में सहायक प्रोफेसर के लिए अर्हता प्राप्त करने के बाद डॉ. बिस्वजीत मंडल के मार्गदर्शन में अन्य पिछड़ा वर्ग (एनएफओबीसी) के लिए राष्ट्रीय फेलोशिप की योजना के तहत फेलोशिप के पुरस्कार के लिए चुना गया है। एनएफओबीसी के परिणाम घोषित करने की तिथि 19 फरवरी, 2022 है।

- डॉ. अमित कुमार विश्वास के मार्गदर्शन में समीर कुमार दास, पीएच.डी. स्कॉलर को अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्त में अनुभवजन्य मुद्दों पर 7वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (ईआईआईटीएफ- 2021), दिसंबर 2021 में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पेपर का शीर्षक : ट्रेड मिसरिपोर्टिंग एंड कैपिटल फ्लाइट: ए स्टडी ऑफ बांग्लादेश विद मेजर ओईसीडी एक्सपोर्ट पार्टनर कंट्रीज।
- प्रोफेसर सौम्या चक्रवर्ती के मार्गदर्शन में पीएचडी स्कॉलर हिमाद्रिजा चक्रवर्ती को आईसीएसएसआर से डॉक्टरल फेलोशिप प्रदान किया गया है।
- डॉ. सौम्यदीप चट्टोपाध्याय के मार्गदर्शन में प्रीति यादव, पीएच.डी. स्कॉलर को यूजीसी नेट-जेआरएफ प्रदान किया गया है।
- पूजा दास, पीएच.डी. स्कॉलर, डॉ. अचिरंशु आचार्य के मार्गदर्शन में, नेट उत्तीर्ण किया है और अनुसूचित जाति के छात्रों (एनएफएससी) के लिए राष्ट्रीय फेलोशिप (पुरस्कार दिनांक 19 फरवरी 2022) प्रदान किया गया है।

विभाग की मुख्य विशेषताएं (1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022)

- कई छात्र यूजीसी-नेट के लिए अर्हता प्राप्त कर चुके हैं। कई छात्रों ने जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ), अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए राष्ट्रीय फेलोशिप (एनएफएससी) और आईसीएसएसआर डॉक्टरल फेलोशिप भी प्राप्त की।
- अर्थशास्त्र के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अमित कुमार विश्वास को "ट्रेड डेटा फैब्रिकेशन एंड पॉसिबल कैपिटल फ्लाइट: एक्सपीरियंस फ्रॉम इंडिया एंड अदर डेवलपिंग कंट्रीज रिसर्च ग्रुप" नाम का प्रोजेक्ट मिला है। यह अलेक्जेंडर वॉन हंबोल्ट फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे लिंकेज प्रोग्राम प्रोजेक्ट का हिस्सा है। यूरो 55,000 की कुल राशि की यह परियोजना जारी है।
- डॉ. माधबेंद्र सिन्हा अर्थशास्त्र के सहायक प्रोफेसर के रूप में विभाग में शामिल हुए।

विभाग की भविष्य की योजनाएं:

- नीति और अनुप्रयोग उन्मुख पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम का संशोधन और आधुनिकीकरण जो छात्रों को नौकरी प्राप्त करने में मदद करेगा।

स्मार्ट क्लासरूम सहित विभाग में बुनियादी सुविधाओं में सुधार।

भूगोल विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

यूजीसी (नेट-जेआरएफ) - 04

यूजीसी-नेट - 01

डब्ल्यूबीसीएससी-सेट-03

1. गोपाल चटर्जी यूजीसी-नेट-जेआरएफ 2021
2. अजय दास यूजीसी-नेट-जेआरएफ 2021
3. सुष्मिता दास यूजीसी-नेट-जेआरएफ 2021
4. देबाशीष दास यूजीसी-नेट-जेआरएफ 2021
5. प्रियतोष लहा यूजीसी-नेट 2021
6. प्रियतोष लहा WBCSC-SET 2021
7. अजय दास डब्ल्यूबीसीएससी-सेट-2021
8. मोहोबूब एसके डब्ल्यूबीसीएससी-सेट 2021

प्रकाशन:

विभाष चंद्र झा

पत्रिकाएं:

- पॉल, के. और झा, वी.सी. (2021)। भौगोलिक अनुसंधान और भू-स्थानिक अनुप्रयोगों में अभूतपूर्व बदलाव। सोसाइटी एंड नेचरज़ा, 33. <https://doi.org/10.14393/SN-v33-2021-59651>।
- पात्रा, जी., मुखर्जी, एस. और झा, वी.सी. (2021)। भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए नंदाकिनी नदी बेसिन, गढ़वाल हिमालय, उत्तराखंड का मोर्फोमेट्रिक विश्लेषण। नेशनल ज्योग्राफिकल जर्नल ऑफ इंडिया, 67(3), 232-247 <https://doi.org/10.48008/ngji.1774>
- नसीपुरी, बी. और झा, वी.सी. (2021)। रंगित नदी बेसिन, सिक्किम-दार्जिलिंग हिमालय में जल निकासी विकास में रॉक स्ट्रक्चर की भूमिका, नेशनल ज्योग्राफिकल जर्नल ऑफ इंडिया, 67(4) 568-592

प्रेमांशु चक्रवर्ती

पुस्तक अध्याय:

- मंडल, आर. और चक्रवर्ती, पी. (2021)। जियोहेरिटेज साइट्स के रूप में जीवाश्म पार्कों की पर्यटन (संभावना :पश्चिम बंगाल, भारत के पश्चिमी और दक्षिण पश्चिमी क्षेत्र में एक अध्ययन, कृषि, पर्यटन और स्वास्थ्य के माध्यम से आजीविका संवर्धन, 247-260, डीओआई:10.1007/978-981-16-7310-8_13, लिंक-https://www.researchgate.net/publication/357916210_Tourism_Potentials_of_Fossil_Parks_as_Geoheritage_Sites_A_Study_in_Western_and_South_Western_Region_of_West_Bengal_India.

- मंडल, आर. साधुखान, एस.के., चक्रवर्ती, पी. (2021)। भू-पर्यटन के लिए परित्यक्त खानों का वैकल्पिक उपयोग: भू-सूचना विज्ञान का उपयोग करते हुए एक केस स्टडी, भूमि सुधार और सतत विकास के लिए बहाली रणनीतियाँ, 10: 191-204.DOI:10.1016/B978-0-12-823895-0.00004-X, लिंक-https://www.researchgate.net/publication/356262716_Alternative_use_of_abandoned_mines_for_geotourism_a_case_study_using_geoinformatics.

पत्रिकाएं:

- दास, एस., और चक्रवर्ती, पी. (2021)। मणिपुर के धार्मिक ढांचे में बंगाल वैष्णववाद के प्रभाव और उसमें परिवर्तन, हिल ज्योग्राफर्स, 53-64, लिंक-https://www.researchgate.net/publication/358533472_Impacts_of_Bengal_Vaishnavism_in_the_religious_set-up_of_Manipur_and_its_transformation.
- मंडल, आर. और चक्रवर्ती, पी. (2021)। पश्चिम बंगाल, भारत में गंगानी के बैडलैंड्स: जियोटूरिज्म डेवलपमेंट के कारण एक आकलन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जियोहेरिटेज एंड पार्क्स 9(1), लिंक-https://www.researchgate.net/publication/349603503_Badlands_of_Gangani_in_West_Bengal_India_An_assessment_on_account_of_geotourism_Development.
- चक्रवर्ती पी., दास एस एंड साधुखान एस (2021) | कल्चरल लैंडस्केप ऑफ चैतन्य इज्म : एन अप्रेजल ओन द स्टेटस ऑफ ए स्पिरिचुअल ट्रायंगल फॉर पिलग्रिमेज टूरिज्म ,इंडियन जर्नल ऑफ जियोग्राफी एंड एनवायरनमेंट , 17-18, Link-https://www.researchgate.net/publication/351107232_Cultural_Landscape_of_Chaitanyaism_An_Appraisal_on_the_Status_of_a_Spiritual_Triangle_for_Pilgrimage_Tourism.

जर्नल सामग्री:

मंजरी भट्टाचार्य

- घोष, एस. (2022) और भट्टाचार्य, एम। पुनर्वास की स्थिति का आकलन: रानीगंज कोल बेल्ट, पश्चिम बंगाल में सोनपुर-बाजारी ओपन कास्ट परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण का एक केस स्टडी इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स (IJCRT),10(1),1-10.

कृष्णेंद्र गुप्ता

- चटर्जी, एस. और गुप्ता, के. (2021)। भूमि परिवर्तन के संबंध में शहरी ताप द्वीप निर्माण के स्थानिक पैटर्न की खोज: पश्चिम बंगाल, भारत के एक खनन औद्योगिक क्षेत्र पर एक अध्ययन। रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सोसाइटी एंड एनवायरनमेंट। 23(3):100581.DOI: 10.1016/j.rsase.2021.100581, लिंक: https://www.researchgate.net/publication/353087329_Exploring_the_spatial_pattern_of_urban_heat_island_formation_in_relation_to_land_transformation_A_study_on_a_mining_industrial_region_of_West_Bengal_India/stats.

अध्याय-2

- अंकुर, पी., चटर्जी, एस. और गुप्ता, के. (2022)। भूमि उपयोग परिवर्तन के आधार पर झारखंड, भारत के धनबाद जिले में पारिस्थितिकी तंत्र सेवा की परिवर्तन विशेषताओं का मूल्यांकन। जियोर्नल, डीओआई: 10.1007/s10708-022-10588-6, लिंक: https://www.researchgate.net/publication/357911379_Evaluation_on_the_change_characteristics_of_ecosystem_service_in_Dhanbad_district_of_Jharkhand_India_based_on_land_use_change.

सुदीप्त सरकार

- सरकार, एस. (2021)। भारतीय निर्माण उद्योग: उत्तर दिनाजपुर, पश्चिम बंगाल के प्रवासी पुरुष श्रमिकों के रोजगार की स्थिति। द इंडियन जर्नल ऑफ़ लेबर इकोनॉमिक्स, 64(2), 461-484

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि:

प्रेमांशु चक्रवर्ती

- 18.10.2021-01.11.2021: एचआरडीसी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित भूगोल में तीसरे पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में आमंत्रित व्याख्यान दिया, व्याख्यान का शीर्षक: भारत के विरासत पर्यटन में ऐतिहासिक भूगोल का अनुप्रयोग।

कृष्णोदु गुप्ता

- 16.02.2022-02.03.2022: एचआरडीसी, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, दार्जिलिंग, भारत द्वारा आयोजित "पृथ्वी की स्थिरता: चुनौतियां और शमन रणनीतियां" नामक यूजीसी द्वारा प्रायोजित एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

भैरु लाल यादव

- 15.12.2022- 17.12.2022: गंगाधर मेहर विश्वविद्यालय के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "शिक्षण भूगोल कार्यशाला 2021" नामक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

शिक्षकों/शोधार्थियों या विभाग द्वारा समग्र रूप से प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं-

प्रो. विभाष चंद्र झा

- सदस्य, स्कूल बोर्ड ऑफ स्कूल ऑफ अर्थ साइंसेज, तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय, तिरुवरूर, जनवरी 2022 (03.01.2022 से 08.12.2024 तक)।
- सदस्य, डेटा के संकलन और सत्यापन के लिए समिति: विश्व धरोहर विश्व-भारती, जनवरी 2022
- उपाध्यक्ष, नेशनल एसोसिएशन ऑफ जियोग्राफर्स इंडिया (NAGI), अक्टूबर 2021
- अध्यक्ष, नैक, पीयर टीम का दौरा, उरण, मुंबई, 17-18 अगस्त, 2021
- अध्यक्ष, नैक, पीयर टीम का दौरा, बीकानेर, राजस्थान, मार्च 15-16, 2021।
- आरडीसी में विषय विशेषज्ञ, पं. आर एस शुक्ला विश्वविद्यालय, रायपुर 22.2.2021 से प्रभावी
- सदस्य पीजी बोर्ड ऑफ स्टडीज इन जियोलॉजी, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश।

- 40वें NAGI समापन सत्र, भूगोल विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में विशिष्ट अतिथि।
- मुख्य अतिथि भौगोलिक अनुसंधान वास्तविकता और मिथकों के राष्ट्रीय संगोष्ठी रुझान, भूगोल विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय।

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं के संकेत के साथ संबंधित विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास।

भूगोल विभाग की स्थापना साठ के दशक के अंत (1968) में केवल 3 साल के अंडर-ग्रेजुएट (यूजी) ऑनर्स कोर्स के साथ की गई थी। इसके बाद, भूगोल में दो वर्षीय स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रम 1978 में शुरू किया गया था। इसके अलावा, विभाग में 80 के दशक के उत्तरार्ध से पीएचडी के लिए शोध की सुविधा भी उपलब्ध है। डिग्री। वर्तमान में 39 शोध छात्र पीएच.डी. के लिए शोध कार्य कर रहे हैं। यूजी स्तर पर सीबीसीएस पाठ्यक्रम यूजीसी के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए शुरू किया गया था और 2017 से यूजी स्तर पर 'आपदा प्रबंधन' और 'जलवायु परिवर्तन' पाठ्यक्रमों को सामान्य ऐच्छिक विषय के रूप में शामिल किया गया है।

भूगोल में वर्तमान विकासात्मक प्रवृत्तियों को ध्यान में रखते हुए, मौजूदा पाठ्यक्रम के साथ विभाग ने हाल के वर्षों में विशेष रूप से जल संसाधन प्रबंधन, परिदृश्य पारिस्थितिकी, जनसंख्या और समाधान, बुनियादी ढांचे के विकास, शहरी और क्षेत्रीय योजना और विकास आदि जैसे विषय पर प्रमुखता से ध्यान दिया है। विभाग ने स्थानिक और गैर-स्थानिक डेटा के अध्ययन के लिए भू-स्थानिक प्रणाली ढांचे के साथ एक प्रयोगशाला स्थापित किया है। इस संदर्भ में कुशल मानव संसाधन प्रदान करने के लिए भू-सूचना विज्ञान और सतत विकास में एक अग्रिम और पीजी डिप्लोमा आरंभ किया जाना है।

इतिहास विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/एसएलईटी और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों का नाम:

1. अरुणोदय चौधरी	यूजीसी नेट/ जेआरएफ
2. पिकी घोष	यूजीसी नेट/ जेआरएफ
3. अमित गरई	पश्चिम बंगाल सेट
4. आशीष साहा	पश्चिम बंगाल सेट
5. देवप्रिया दत्ता	पश्चिम बंगाल सेट
6. दिशा खसनाबिस	पश्चिम बंगाल सेट
7. फारुक एस.के.	पश्चिम बंगाल सेट
8. जॉयदेब मंडल	पश्चिम बंगाल सेट
9. उस्मान मियां	पश्चिम बंगाल सेट
10. पिकी घोष	पश्चिम बंगाल सेट
11. शनि विश्वास	पश्चिम बंगाल सेट
12. संजीत दास	पश्चिम बंगाल सेट
13. श्रावन्ती कांजीलाल	पश्चिम बंगाल सेट
14. एसके फिरोज अली डब्ल्यूबी	पश्चिम बंगाल सेट
15. शुभजीत हाजरा	पश्चिम बंगाल सेट

प्रकाशन:

लेख प्रकाशित:

सैयद एजाज हुसैन

- हुसैन, एस ई (2021), स्मृति के रूप में इतिहास: दक्षिण एशियाई डेमोटिक साहित्य और लोकप्रिय मीडिया में अलेक्जेंडर, विश्व इतिहास की एशियाई समीक्षा, ब्रिल, खंड 9, 2021, पीपी. 157–88 (डीओआई:10.1163/22879811-12340092),

अमरेंद्र कुमार

- (2022). खंडेरी-उंडेरी के लिए लड़ाई: मराठा नौसेना के इतिहास में एक एपिसोड (1679-80 सीई) । सूर्यकांत नाथ (एड.), भारतीय पुरातत्व, इतिहास और संस्कृति के पहलू (पीपी. 175-179), पैसिफिक बुक्स इंटरनेशनल, नई दिल्ली, 2022 में. आईएसबीएन 9788194977612.

सुधी मंडलोई

- (2021). औपनिवेशिक पश्चिमी भारत में जाति और लिंग के बीच इंटरफेस को समझना, पीयर रिव्यू जर्नल महिलाओं की गरिमा. आईएसएसएन संख्या 2454-7891, 6 (4) अप्रैल-जून, (महिला प्रतिष्ठान), विशाखापत्तनम, पीपी 37-49
- (2021). नेहरू-अम्बेडकर और हिंदू कोड बिल: एक ऐतिहासिक पुनर्मूल्यांकन. पीयर-रिव्यू जर्नल ऑफ पीपुल्स हिस्ट्री एंड कल्चर, आईएसएसएन नंबर 2395-7379, 7 (1), जून, नंबर, जीएसएसएमपी कोलकाता, पीपी 22-33

पुस्तकें प्रकाशित

अरुणाभ दास

- (2021). दुजोने ओ डोंगोले पहारे ओ जोंगोले (यात्रा और पर्यटन पर) आईएसबीएन 978-93-90722-53-2, पहला संस्करण: अक्टूबर, रा प्रकाशन, कोलकाता।
- (2022). रोसोनर रूटमैप (खाद्य पर्यटन पर), पहला संस्करण: फरवरी 2022, गीतात्मक पुस्तकें, कोलकाता। आईएसबीएन 978-93-93186-06-5

पुस्तकों में अध्याय

अरुणाभ दास

- (2022), फूडपैथी 3, समरण हुडा और डमु मुखोपाध्याय (खाद्य संस्कृति पर) द्वारा संपादित आईएसबीएन 978-93-87577-55-8, पहला संस्करण: फरवरी, गीतात्मक पुस्तक, कोलकाता।
- (2022), फूडपैथी 4। समरण हुडा और डमु मुखोपाध्याय (खाद्य संस्कृति पर) द्वारा संपादित आईएसबीएन 978-93-93186-41-6, पहला संस्करण: फरवरी, गीतात्मक पुस्तक, कोलकाता।

सुधी मंडलोई

(2021) दलित पैथर आंदोलन: महाराष्ट्र में बीसवीं शताब्दी में दलित सक्रियता, सौमित्र रॉय और जयदेब सरखेल (संपादन) इंटर रिलेटिंग कल्चर सोसाइटी एण्ड पॉलिटिक्स एक्रोस एरास, आईएसबीएन- 978-93-85454-43-1, इबोंग प्रान्तिक, कोलकाता, पीपी 21-33

पुस्तक समीक्षा

सव्यसाची दासगुप्ता

- (2022). पुस्तक समीक्षा में बंगाल के एक विस्तृत इतिहास की पुस्तक समीक्षा (यूजीसी केयर सूची अनुमोदित) फरवरी अंक।
- (2022). पुस्तक समीक्षा के रूप में प्रकाशित पुस्तक: औपनिवेशिक बंगाल में इंजीनियरिंग, उद्यमिता और इंजीनियरिंग. 1880-1945 पुस्तक समीक्षा (यूजीसी केयर सूची अनुमोदित), मार्च अंक में।

अध्याय-2

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि

सैयद एजाज हुसैन

शोध पत्रों की प्रस्तुति:

- 06.07.2021-07.07.2021: मध्यकालीन भारत में आपदा प्रबंधन शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया गया: इतिहास विभाग, जेके कॉलेज, पुरुलिया द्वारा आईक्यूएसी, जे के कॉलेज, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल के सहयोग से आयोजित 'इतिहास में आपदा और इसके प्रबंधन' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में कुछ फारसी स्रोतों से प्राप्त।
- 29.08.2021: मुहम्मद शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया गया: भारत-कैरेबियन सांस्कृतिक केंद्र (आईसीसी) और अमीना गफूर इंस्टीट्यूट (एजीआई), त्रिनिदाद और टोबैगो द्वारा आयोजित 'भारत में होसी / मुहम्मद और भारतीय डायस्पोरा: भारत, त्रिनिदाद, जमैका, बेलीज और दक्षिण अफ्रीका' विषय पर मॉडरनिंग और लोकप्रिय संस्कृति संस्थान में एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजित किया गया।
- 30.09.2021: डिजिटल संग्रहालय, लंदन द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय जूम बैठक में एक विशेष व्याख्यान दिया। व्याख्यान का शीर्षक बंगाल सल्तनत: कुछ मुद्दों और प्रश्नों पर पुनर्विचार करना था।
- 14.03.2022-16.03.2022: अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के इतिहास विभाग के सेंटर ऑफ एडवांस्ड स्टडी, इतिहास विभाग द्वारा आयोजित 'मुगल टाइम्स में अंतर-विश्वास अध्ययन: अकबर से दारा शूकोह' विषय पर आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में बंगाल में सत्यनारायण और सत्यपीयर के पंथ और सांस्कृतिक रंगभेद का प्रश्न शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अर्पिता सेन

शोध पत्रों की प्रस्तुति

- 11.03.2022-13.03.2022: राजा नरेंद्र लाल खान महिला कॉलेज, गोप पैलेस, पश्चिम मेदिनीपुर में आयोजित पश्चिमबंगा इतिहास संसद के 37 वें वार्षिक सम्मेलन (अंतर्राष्ट्रीय स्तर) के आधुनिक भारत खंड में 'आयरिश सिन फेडिनिज्म, अवरोधवाद और जवाहरलाल नेहरू की धारणा में विभाजन' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया गया।
- 11.03.2022-13.03.2022: राजा नरेंद्र लाल खान महिला कॉलेज, गोप पैलेस, पश्चिम मेदिनीपुर में आयोजित पश्चिमबंगा इतिहास परिषद के 37 वें वार्षिक सम्मेलन (अंतर्राष्ट्रीय स्तर) में आधुनिक भारतीय इतिहास में एक उप-खंड की अध्यक्षता की।
- 25.03.2022-08.04.2022: इतिहास और संस्कृति (ऑनलाइन मोड) मणिपुर विश्वविद्यालय में यूजीसी-एचआरडीसी-प्रायोजित रिफ्रेशर कोर्स में संसाधन व्यक्ति के रूप में दो आमंत्रित व्याख्यान दिए। दिए गए व्याख्यानों के शीर्षक और तिथियाँ निम्नानुसार हैं:
क) 29.03.2022 को ए नेशनलिस्ट इन अ क्वैडरी: अरबिंदो घोष एंड द आयरिश मॉडल

ख) 31.03.2022 को जेंडर लेंस के माध्यम से खासी हिल्स (1889-1916) में ए ब्रह्मो मिशनरी की आत्मकथा पर व्याख्यान ।

अमरेंद्र कुमार

शोध पत्रों की प्रस्तुति

- 12.04.2021: शिवाजी को नौसेना की आवश्यकता क्यों थी, शीर्षक से विशेष व्याख्यान दिया गया? (ऑनलाइन मोड) संवाद में: विश्वभारती द्वारा आयोजित 'युवा विद्वानों' व्याख्यान शृंखला कार्यक्रम।
- 04.07.2021: कल्याणी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित पूर्व-आधुनिक भारत में प्रौद्योगिकी (ऑनलाइन मोड) नामक विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।

शुभायु चट्टोपाध्याय

संसाधन व्यक्ति

- 20.07.2021: इतिहास विभाग, रामपुरहाट कॉलेज द्वारा आयोजित इतिहास और साहित्य के प्रकाश में विभाजन पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 05.10.2021: इतिहास विभाग, कालियाचक कॉलेज, मालदा द्वारा आयोजित भारतीय इतिहास में अनसंग हीरोज पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार पर रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया गया।

सव्यसाची दासगुप्ता (शोध पत्रों की प्रस्तुति)

- 28.10.2021-30.10.2021: 1857 विजुअलाइजिंग शीर्षक पेपर: भारतीय परिप्रेक्ष्य, ओ.पी. जिंदल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित द पास्ट एज प्रेजेंट: हिस्ट्री एंड द पॉलिटिक्स ऑफ रिप्रेजेंटेशन इन इंडियन सिनेमा शीर्षक से अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में पेपर प्रस्तुत किया गया।
- 13.10.21 शीर्षक पेपर "द बंगाल सिपाही और स्कॉटिश हाइलैंडर": कॉमरेड इन आर्म्स? आईएसएसएच, एडिनबर्ग और चार्ल्स वालेस इंडिया ट्रस्ट द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में पेपर प्रस्तुत किया।

सुधी मंडलोई (शोध पत्र की प्रस्तुति)

- 28.06.2021 से 09.07.2021: सामाजिक इतिहास सोसायटी, लैंकेस्टर विश्वविद्यालय (ऑनलाइन मोड) द्वारा आयोजित वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'औपनिवेशिक पश्चिमी भारत में सामाजिक संघर्ष: नागरिकता अधिकारों के लिए दलितों का प्रतिरोध और दावा' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

अल्पकालिक पाठ्यक्रम

- 28.02.2022 से 05.03.2022: यूजीसी-एचआरडीसी, एचपी विश्वविद्यालय शिमला द्वारा आयोजित 'लिंग संवेदनशीलता' पर ऑनलाइन अल्पकालिक पाठ्यक्रम में भाग लिया।

नए पाठ्यक्रम का डिजाइन

- 2021-2022 सत्र के दौरान 'औपनिवेशिक भारत में विचारों का इतिहास' नामक एक नया स्नातकोत्तर स्तर का पाठ्यक्रम तैयार किया गया है।

अध्याय-2

अतिग घोष

शोध पत्र की प्रस्तुति

- 27.01.2022: संवाद के 11 वें व्याख्यान दिया: विश्वभारती युवा विद्वानों के व्याख्यान शृंखला में व्याख्यान का शीर्षक था 'क्यों लोग चलते हैं: मानव इतिहास में प्रवासन की तकनीकी-स्थानिकताएं'।
- 22.01.2022: शिलांग कॉमर्स कॉलेज, मेघालय के राजनीति विज्ञान विभाग के सुभाष चंद्र बोस मेमोरियल का लेक्चर ऑनलाइन दिया गया, व्याख्यान का शीर्षक: 'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम में से कौन भारत को स्वतंत्र रूप से देखने के लिए जीवित रहेगा: सुभाष चंद्र बोस का जीवन के बाद का जीवन (1897-1945) और याद रखने की राजनीति'
- 23.01.2022: विश्वभारती, शांति निकेतन का सुभाष चंद्र बोस वार्षिक स्मृति व्याख्यान, व्याख्यान का शीर्षक: नेताजी के गुरुदेव।

संकाय प्रेरण कार्यक्रम

- 23.08.2021 से 22.09.2022 तक: उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय के यूजीसी प्रायोजित मानव संसाधन विकास केंद्र के पांचवें संकाय प्रेरण कार्यक्रम में भाग लिया और ग्रेड ए + प्राप्त किया।

बहिर्मुखी शैक्षणिक उत्तरदायित्व

- झारग्राम के साधु राम चंद मुर्मू विश्वविद्यालय के इतिहास में एमए की पाठ्यक्रम समिति का सदस्य नियुक्त किया गया।

नए पाठ्यक्रम को डिजाइन करना

- 2021-2022 सत्र के दौरान 'पूर्व औपनिवेशिक और औपनिवेशिक भारत का पर्यावरणीय इतिहास' नामक एक नया स्नातकोत्तर स्तर का पाठ्यक्रम तैयार किया गया।

विपाशा राहा

पीएच.डी. से सम्मानित किया गया:

- डॉ. ऊषाशी नंदी को 27.12.2021 को पीएचडी से सम्मानित किया गया। उनकी थीसिस का शीर्षक था: विभाजन, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण: पश्चिम बंगाल में महिलाओं का जीवन, 1947-1971.
- डॉ. पियाली दान को 16.08.2021 को पीएचडी से सम्मानित किया गया। उनकी थीसिस का शीर्षक था: महिला और शिक्षा: बंगाल, 1820-1947.

बहिर्मुखी शैक्षिक जिम्मेदारियां:

- 03.02.2022 को इतिहास में शोध अध्ययन बोर्ड, बर्दवान विश्वविद्यालय के बाहरी विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया।
- 01.11.2021 को इतिहास विभाग, प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय में 4 वर्षों के लिए अध्ययन बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।

दर्शनशास्त्र और तुलनात्मक धर्म विभाग

नेट (यूजीसी / सीएसआईआर / आईसीएआर) / सेट और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों का नाम:

1. चरण भंडारी	नेट
2. देवरती मंडल	सेट
3. दीपक हाजरा	नेट एवं सेट
4. कलाचंद बाउरी	नेट
5. माधुरी रॉय	सेट
6. मनु दास	नेट-जेआरएफ

प्रकाशन:

पीयर रिव्यू जर्नल में प्रकाशित पेपर:

मंजरी चक्रवर्ती

- चक्रवर्ती, एम (2021) कार्ल पॉपर के विज्ञान और दर्शन में जेड परसुनिकोवा एवं मेररिक्त (संपादक) में चेतना के विकास पर कार्ल पॉपर, सिंगर नेचर स्विट्जरलैंड एजी. 295-315 (आईएसबीएन 978-3-030-67035-1 आईएसबीएन 978-3-030-67036-8 (ई-बुक) <https://doi.org/10.1007/978-3-030-67036-8>.

मो० सिराजुल इस्लाम

- इस्लाम, मो० एस (2021) ओइक्यो द्रास्ता सूफी संत कबीर (बांग्ला), महाविद्या में, कैतन्यमयानंद, कोलकाता द्वारा संपादित, पीपी.81-84
- इस्लाम, मो० एस (2022) गौरवशाली भारत में रवीन्द्रनाथ टैगोर का शैक्षिक दर्शन (हिन्दी), डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, नई दिल्ली द्वारा संपादित, पीपी.14-15
- इस्लाम, मो० एस (2022) बाउल में बौद्ध प्रभाव - बंगाल की फकीर परंपरा, प्रो जयिता गांगुली स्मृति खंड में प्रो सुनीति कुमार पाठक द्वारा संपादित, जयिता पब्लिशिंग हाउस, शांति निकेतन, पीपी 18-189, आईएसबीएन: 978-81-952533-0-2 .

मुरुगेसन अरुमुगम

- मुरुगेसन, ए, और क्यूम, एस (2021) शैव सिद्धांत और कश्मीर शैववाद में भगवान का दर्शन: एक तुलनात्मक दृष्टिकोण, कानपुर दार्शनिक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज, लॉ एंड सोशल साइंसेज, खंड-.VIII, अंक II, दिसंबर 2021, (पीपी 772-779) (आईएसबीएन 2348-8301)

रेखा ओझा

- ओझा, आर (2021), करवाशके समस्या बनम पीचे छुटे बाछे, यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल दृष्टिकोण, खंड. 2, (आईएसबीएन 0979-119X) में।

अध्याय-2

- ओझा, आर (2022), प्रकृति संरक्षण जैसा कि हिंदू धर्मशास्त्र और आधुनिक दिनों में इसके विचलन में परिलक्षित होता है। एएसईएन जर्नल ऑफ धार्मिक और सांस्कृतिक शोध (2022) 5 (1): 1-5.

एम.पी. टेरेस सैमुअल

- टेरेस सैमुअल, एम.पी (2022), डिजिटल युग में ज्ञान उत्पादन और सामाजिक बंधन का परिवर्तन - एक पोस्ट-स्ट्रक्चरलिस्ट समझ, एन.पी. चौबे और डी.एम. दिवाकर (संपादन) डिजिटल युग में मानव भविष्य, पीपी. 332-342, भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी, इलाहाबाद, (आईएसबीएन: 978-81-7097-318-8)

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:

मो० सिराजुल इस्लाम

- 24.03.2021: दर्शन विभाग, पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय, बारासात द्वारा आयोजित "वर्तमान विश्व परिदृश्य में नैतिकता और धर्म की आवश्यकता" विषय पर राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में एक व्याख्यान (ऑनलाइन) दिया।
- 29.04.2021: मौलाना अबुल कलाम आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज, साल्ट लेक, कोलकाता द्वारा आयोजित "समकालीन दुनिया में बौद्ध नैतिकता: बुद्ध-द एकीकृत बल पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में परसेप्ट एंड प्रॉस्पेक्ट" पर एक पेपर प्रस्तुत किया गया।
- 23.06.2021: "इस्लामी नैतिकता बनाम पश्चिमी नैतिकता" पर एक ऑनलाइन व्याख्यान (अंतर्राष्ट्रीय) दिया, जो नैतिकता केंद्र, ढाका विश्वविद्यालय, बांग्लादेश द्वारा आयोजित किया गया था।
- 29.06.2021: दर्शन विभाग, श्री रामकृष्ण शारदा विद्या महापीठ, कामरपुकुर, हुगली द्वारा आयोजित "अहिंसा के महात्मा के दृष्टिकोण को याद करना" विषय पर आईसीपीआर प्रायोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में एक व्याख्यान दिया।
- 14.08.2021: पुनर्जागरण सार्वभौमिक, आनंद मार्ग प्रचारक संघ, कोलकाता द्वारा आयोजित "श्री श्री आनंदमूर्तिजी का दर्शन और नव-मानवतावाद में योगदान" विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- 03.09.2021: कनाडा के शताब्दी कॉलेज और नवद्वीप टीवी द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में "महामारी से निपटने के लिए सूफीवाद की क्या भूमिका निभा सकती है" विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- 17.10.2021: दारुल इरफान इंस्टीट्यूट, चट्टोग्राम, बांग्लादेश द्वारा आयोजित "सूफी संगीत, परिपूर्ण मानवता और दिव्य प्रेम" पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

- 29.10.2021: वित्त और बैंकिंग विभाग, सरकारी तीतूमीर कॉलेज, ढाका, बांग्लादेश द्वारा आयोजित "शोध पद्धति" पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक ऑनलाइन व्याख्यान (अंतर्राष्ट्रीय) दिया।
- 08.11.2021: नालंदा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "छठे धर्म-धम्म में आनंदमूर्तिजी की धर्म की अवधारणा" अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ऑफ़लाइन) पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 29.11.2021: आईसीपीआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित विश्व दर्शन दिवस, 2021 के जश्न के दौरान एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया, जो विभाग द्वारा आयोजित "डॉ. बी. आर. अंबेडकर के सामाजिक-दार्शनिक पहलू: एक प्रदर्शनी" पर प्रायोजित है। दर्शन शास्त्र, महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव विश्वविद्यालय, नौगांव, असम
- 30.11.2021: भारतीय दार्शनिक शोध परिषद, लखनऊ के अकादमिक केंद्र द्वारा आयोजित "स्वतंत्रता की अवधारणा: दार्शनिक परिप्रेक्ष्य" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- 01.12.2021: मिदनापुर कॉलेज, मिदनापुर में "एमएन रॉय की मानवतावाद की अवधारणा" पर आईसीपीआर प्रायोजित राष्ट्रीय स्तर के आवधिक व्याख्यान (ऑनलाइन) में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक व्याख्यान दिया।
- 11.12.2021: बोधगया, बिहार में पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संरक्षित बौद्ध टूर ऑपरेटरों के संघ द्वारा आयोजित "बौद्ध धर्म के 2566 वर्ष और इसकी प्रासंगिकता आज" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत पत्र प्रस्तुत किया गया।
- 21.12.2021: मथुरा में आईसीपीआर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 3 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारत के सूफी परंपरा" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 27.12.2021: दर्शन विभाग, रामकृष्ण मिशन विवेकानंद शताब्दी कॉलेज, रहरा द्वारा आयोजित "सूफी परिप्रेक्ष्य में ग्रहों का संकट और मानव मुक्ति" विषय पर दो दिवसीय आईसीपीआर प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑफ़लाइन) में एक व्याख्यान दिया।
- 21.01.2022: खत्रा आदिवासी महाविद्यालय, खत्रा, बांकुड़ा में "क्रिटिकल थिंकिंग एंड फिलोसोफाइजिंग" पर आईसीपीआर प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक व्याख्यान दिया।
- 24.01.2022: आईसीपीआर प्रायोजित राष्ट्रीय आवधिक व्याख्यान (ऑनलाइन) में दर्शन विभाग द्वारा आयोजित "खेल नैतिकता" पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक व्याख्यान दिया, सिंधु महाविद्यालय, सिंधु, बांकुड़ा।
- 29.01.2022: दर्शन शास्त्र विभाग, किशोर भारती भगिनी निवेदिता कॉलेज, बेहाला द्वारा आयोजित आईसीपीआर प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में "सत्य और ज्ञान के सिद्धांत: भारतीय और पश्चिमी दृष्टिकोण" पर मुख्य अतिथि का संबोधन दिया।

अध्याय-2

- 31.01.2022: दर्शन और राजनीति विज्ञान विभाग, मार्खम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, हजारीबाग द्वारा आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान "सामाजिक जीवन की समस्या और सार्वभौमिक धर्म की प्रासंगिकता" में व्याख्यान दिया।
- 19.02.2022: आईसीपीआर प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के आवधिक व्याख्यान में "आदमी, नैतिकता और पर्यावरण में: सूफी परिप्रेक्ष्य में" पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया, जो दर्शनशास्त्र विभाग, टीएचएलएच महाविद्यालय, मल्लारपुर, बीरभूम द्वारा आयोजित किया गया था।
- 22.02.2022: आईसीपीआर में "उत्तर भारत में पर्यावरणीय समस्याएं और उनके उपचार: एक दार्शनिक प्रदर्शनी" पर एक पेपर प्रस्तुत किया गया, जिसमें 21 वीं सदी में लागू नैतिकता की समस्याओं और समाधानों पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी को विशेष रूप से प्रायोजित किया गया था; उत्तर-पूर्व का संदर्भ, दर्शन विभाग, बिलासीपारा कॉलेज, बिलासीपाड़ा, असम द्वारा आयोजित किया गया।
- 22.02.2022: आईसीपीआर प्रायोजित 3 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 21 वीं सदी में "एप्लाइड एथिक्स की समस्याएं और समाधान" पर उत्तर-पूर्व के विशेष संदर्भ के साथ, दर्शन विभाग, बिलासीपाड़ा कॉलेज, बिलासीपाड़ा, असम द्वारा आयोजित किया गया।
- 27.02.2022: मौलाना अबुल कलाम आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज, कोलकाता में "मानविकी और सामाजिक विज्ञान में शोध पद्धति पाठ्यक्रम" पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- 01.03.2022: गौड़ीय मठ और मिशन, बागबाजार, कोलकाता द्वारा आयोजित "श्रील प्रभुपाद का योगदान- विश्व हरे कृष्ण आंदोलन का एक केंद्र" पर राष्ट्रीय स्तर का व्याख्यान दिया।
- 06.03.2022: एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक व्याख्यान दिया, आईसीपीआर प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑफ़लाइन) पर "जनजातीय संस्कृति और सामाजिक गतिशीलता: एक दार्शनिक प्रतिबिंब", डीबीएमएस कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन, जमशेदपुर, झारखंड
- 14.03.2022: "विज्ञान के युग में दर्शन और धर्म की प्रासंगिकता: एक दार्शनिक प्रतिबिंब" पर एक विशेष राष्ट्रीय स्तर का व्याख्यान (ऑफ़लाइन) दिया, जो दर्शनशास्त्र विभाग, राजशाही विश्वविद्यालय, राजशाही, बांग्लादेश द्वारा आयोजित किया गया था।
- 19.03.2022: "दर्शन, मनुष्य, पर्यावरण और सतत विकास" पर एक व्याख्यान दिया, आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित दर्शन विभाग, कल्याणी विश्वविद्यालय, कल्याणी द्वारा विश्व दर्शन दिवस के सुअवसर पर आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- 26.03.2022: संस्कृत, पाली और प्राकृत, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन विभाग द्वारा आयोजित 3 दिवसीय आईसीपीआर प्रायोजित राष्ट्रीय सेमीनार में "भारतीय दर्शन और धर्म के दृष्टिकोण में सत्य और आनंद की खोज" पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

- 30.03.2022: अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के इस्लामिक अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित "इस्लामिक अध्ययन के बौद्धिक विकास में आधुनिक रुझान" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- 30.03.2022: "इस्लामिक अध्ययन, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ द्वारा इस्लाम और धार्मिक बहुलवाद पर: एक दार्शनिक औचित्य" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- 30.03.2022: अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "इस्लामिक स्टडीज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, इस्लाम और धार्मिक बहुलवाद पर अलीगढ़: एक दार्शनिक औचित्य" विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

शुभ्र ज्योति दास

- 16.06.2021: नौगाँव कॉलेज (स्वायत्त), नौगाँव, असम द्वारा आयोजित 'शंकरा में लेखकीय विवाद: एक मानदंड के रूप में भक्ति की जांच' पर राष्ट्रीय वेबिनार में 'शंकरा में लेखकीय विवाद' पर आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।
- 26.03.2022-28.03.2022: विश्व-भारती, शांति निकेतन के सहयोग से भारतीय दार्शनिक शोध परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित मानव खोज पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "आनंद और सत्य के लिए भगवद्गीता में अर्जुन के तर्क: एक परीक्षा" पर एक पेपर प्रस्तुत किया गया।

रेखा ओझा

- 26.06.2021: पुनर्जागरण यूनिवर्सल (आर.यू.) कोलकाता द्वारा आयोजित महिलाओं के जागरण पर श्री श्री आनंदमूर्ति जी के विचार पर राष्ट्रीय वेबिनार में "श्री श्री आनंदमूर्तिजी के टावर्स एम्पावरमेंट ऑफ वूमैन्स एम्पावरमेंट" विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।
- 06.07.2021: फिलीपीन इंटरनेशनल स्टडीज ऑर्गेनाइजेशन (पीएचआईएसओ 2021 सम्मेलन) द्वारा आयोजित विषय वैश्विक एंथ्रोपोसीन के साथ वर्चुअल अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "धर्म, पर्यावरण और एंथ्रोपोसीन" पर प्रस्तुत पेपर प्रस्तुत किया गया।
- 11.07.2021: पंडित पूर्णानंद तिवारी सरकारी डिग्री कॉलेज दोशापानी, नैतल द्वारा आयोजित भारत में जनजातीय और ग्रामीण महिलाओं की जीवन शैली और परंपराओं पर राष्ट्रीय वेब सम्मेलन में "पूर्वोत्तर भारत की खासी महिलाओं की जीवन शैली: एक प्रवचन" पर पेपर प्रस्तुत किया।
- 02.09.2021: डी.डब्ल्यू.टी. कॉलेज, देहरादून, उत्तराखंड द्वारा आयोजित "टैगोर के शैक्षिक विचार में महिलाओं के लिए समानता" विषय पर राष्ट्रीय स्तर का वेब व्याख्यान आमंत्रित और वितरित किया गया।
- 11.10.2021: दर्शनशास्त्र विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया द्वारा आयोजित "सार्वभौमिक धर्म की विवेकानंद अवधारणा" पर राष्ट्रीय स्तर का व्याख्यान आमंत्रित वक्ता के रूप में दिया।

अध्याय-2

- 27.11.2021: फार ईस्टर विश्वविद्यालय, मनीला द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेब सम्मेलन में वैश्विक दक्षिण की ज्ञानमीमांसा: शिक्षा पर सामाजिक मुद्दे पर "भारत में शैक्षिक अभ्यास पर समीक्षा" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 10.12.2021: बौद्ध धर्म के 2566 वर्षों पर एसोसिएशन ऑफ बुद्धिस्ट टूर ऑपरेटर, एबीटीओ, नालंदा, बिहार, भारत द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "राजगाहा की महिलाएं: बौद्ध धर्म के गहने- वर्तमान में इसकी प्रासंगिकता" पर एक पेपर प्रस्तुत किया गया।
- 25.02.2022: आईसीपीआर आवधिक व्याख्यान, अमृतसर में दर्शनशास्त्र विभाग, हिंदू कॉलेज, अमृतसर द्वारा आयोजित "पर्यावरणीय मुद्दों और रणनीतियों" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।
- 26.03.2022: संस्कृत, पाली और प्राकृत विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित मानव खोज पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "बौद्ध धर्म में आनंद की अवधारणा: एक अनुभवात्मक दृष्टिकोण", सत्य और आनंद के लिए मानव खोज: एक भारतीय दार्शनिक परिप्रेक्ष्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया गया।

एम.पी. टेरेस सैमुअल

- 07.12.2021: दर्शनशास्त्र विभाग, सूरी विद्यासागर कॉलेज, बीरभूम के सहयोग से महली आदिवासी कल्याण सोसायटी द्वारा आयोजित आदिवासी धर्मों पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में "भारत में आदिवासी धर्म: कुछ प्रारंभिक प्रतिबिंब" पर मुख्य व्याख्यान संबोधन दिया।
- 28.03.2022 से 10.4.2022: बी एस अब्दुर रहमान क्रिसेंट इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, चेन्नई द्वारा आयोजित एक्सएलवी भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस में "प्रकृति, मानव और समाज के सह-विकासवादी संबंधों की भौतिकवादी समझ" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

मौसुमी रॉय

- 26.03.2022-28.03.2022: विश्व-भारती, शांति निकेतन के सहयोग से भारतीय दार्शनिक शोध परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित मानव खोज पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "उपनिषदों के भगवान, मानव हृदय और आनंद: एक कनेक्शन" पर एक पेपर प्रस्तुत किया गया।

पत्रकारिता और जनसंचार केंद्र

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/एसएलईटी और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

1. श्रेयशी पॉल	यूजीसी-नेट
2. तपातृषा दास	यूजीसी-नेट
3. अप्रतिम भट्टाचार्य	यूजीसी-नेट

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक)

- 31.03.2022: श्रीमती शिल्पी चौहान चक्रवर्ती द्वारा आयोजित कार्यशाला, डॉ सुरभिता बसु द्वारा पीजी सेमेस्टर IV छात्रों के लिए 'टाइपोग्राफी - सत्र I' समन्वित फ्रीलांस ग्राफिक्स डिजाइनर और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एलुम्ना, संचार डिजाइन विशेष व्याख्यान दिया गया।
- 31.03.2022: डॉ कौशिक गोस्वामी, संकाय, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता द्वारा 'वेबसाइट विकास और डिजाइन - सत्र II' पर आयोजित एक कार्यशाला, जिसे डॉ मौसमी भट्टाचार्य द्वारा उन्नत साइबर संचार और पत्रकारिता विशेषज्ञता और पत्रकारिता विशेषज्ञता और संचार डिजाइन विशेषज्ञता के पीजी सेमेस्टर IV छात्रों के लिए समन्वित किया गया।
- 29.03.2022: सीजेएमसी के रिसर्च स्कॉलर श्री अप्रतिम भट्टाचार्य द्वारा आयोजित एक कार्यशाला, सीजेएमसी के सहायक प्रोफेसर डॉ अर्पण पॉल के साथ 'वीडियो एडिटिंग - सत्र I' पर डॉ अर्पण पॉल द्वारा उन्नत ऑडियो-विजुअल प्रोडक्शन विशेषज्ञता के पीजी सेमेस्टर IV छात्रों के लिए समन्वित कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- 28.03.2022: डॉ कौशिक गोस्वामी, संकाय, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता द्वारा 'वेबसाइट विकास और डिजाइन- सत्र I' पर आयोजित एक कार्यशाला, जिसे डॉ मौसमी भट्टाचार्य द्वारा उन्नत साइबर संचार और पत्रकारिता विशेषज्ञता और संचार डिजाइन विशेषज्ञता के पीजी सेमेस्टर IV छात्रों के लिए समन्वित किया गया।
- 04.02.2022: प्रो. के. वी. नागराज द्वारा पूर्व प्रो कुलपति, असम विश्वविद्यालय एम ए सेमेस्टर III छात्रों के लिए 'संचार शोध में पद्धतिगत विचार की ज्ञानमीमांसा' पर कार्यशाला
- 01.02.2022: डॉ. सीएसएचएन मूर्ति, प्रोफेसर, मीडिया और फिल्म अध्ययन में प्रतिमान: मीडिया और फिल्म अध्ययन संस्थान, सिकंदराबाद द्वारा एम.ए. सेमेस्टर III छात्रों के लिए 'संचार शोध विधियों' पर कार्यशाला।
- 21.01.2022-22.02.2022: डॉ कपिल कुमार भट्टाचार्य, संकाय, पत्रकारिता और जन संचार विभाग, भवानीपुर एजुकेशनल सोसाइटी कॉलेज, कोलकाता द्वारा पीजी सेमेस्टर I के छात्रों के लिए प्रोफेसर विप्लव लोहा चौधरी द्वारा समन्वित 'प्रिंट डिजाइन' पर एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन।

अध्याय-2

- 19.01.2022: डॉ. मौसमी भट्टाचार्य द्वारा समन्वित 'समकालीन भारत में टेलीविजन पत्रकारिता: मुद्दे और चुनौतियां' पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शुचि यादव द्वारा एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन।
- 05.01.2022-06.01.2022: सीजेएमसी पीजी सेमेस्टर III के छात्रों ने फिल्म डिजीजन इंडिया, कोलकाता, भारत सरकार के सहयोग से 'विश्वभारती और रे - ए डायलॉग के 100 साल' पर एक वेबिनार का आयोजन किया। डॉ. मौसमी भट्टाचार्य, एसोसिएट प्रोफेसर के माध्यम से सीजेएमसी, विश्वभारती वेबिनार सेमेस्टर III पाठ्यक्रम, कॉर्पोरेट संचार और घटना प्रबंधन का एक हिस्सा बना।
- 05.07.2021: श्री अर्चन मित्रा, सहायक प्रोफेसर, एमिटी विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा सेमेस्टर II के छात्रों के लिए प्रोफेसर बिप्लब लोह चौधरी द्वारा समन्वित 'एनवीवो' पर एक कार्यशाला का आयोजन।
- 03.07.2021: श्री अर्चन मित्रा, सहायक प्रोफेसर, एमिटी विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा सेमेस्टर II के छात्रों के लिए प्रोफेसर बिप्लब लोह चौधरी द्वारा समन्वित 'एसपीएसएस' पर एक कार्यशाला का आयोजन।
- 02.07.2021: श्री अर्चन मित्रा, सहायक प्रोफेसर, एमिटी विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा सेमेस्टर II के छात्रों के लिए प्रोफेसर बिप्लब लोह चौधरी द्वारा समन्वित 'रिसर्च सॉफ्टवेयर की मूल बातें' पर एक कार्यशाला का आयोजन।
- 08.05.2021 और 19.05.2021: प्रोफेसर उत्सव चटर्जी, पत्रकारिता विभाग, सेंट जेवियर्स कॉलेज (स्वायत्त), कोलकाता द्वारा सेमेस्टर IV एडवांस साइबर संचार और पत्रकारिता (एसीसीजे) विशेषज्ञता के छात्रों के लिए डॉ. मौसमी भट्टाचार्य द्वारा समन्वित "साइबर कानून और नैतिकता" पर दो विभागीय कार्यशालाएं आयोजित की गईं।
- 11.05.2021, 13.05.2021, 15.05.2021, 17.05.2021 और 18.05.2021: प्रोफेसर कौशिक गोस्वामी, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, सेंट जेवियर्स कॉलेज (स्वायत्त), कोलकाता द्वारा आयोजित पांच विभागीय कार्यशालाएं सेमेस्टर IV एडवांस साइबर संचार और पत्रकारिता (एसीसीजे) विशेषज्ञता के लिए डॉ. मौसमी भट्टाचार्य द्वारा समन्वित "वेबसाइट डिजाइन और विकास" पर आयोजित की गईं।
- 15.05.2021: सुश्री कृष्णा सरबारी दासगुप्ता, पूर्व सहायक निदेशक और प्रोग्रामिंग प्रमुख, आकाशवाणी, कोलकाता द्वारा "एआईआर एंड इट्स सर्विसेज, एआईआर कोड" पर आयोजित एक विभागीय कार्यशाला, जिसे डॉ. मौसमी भट्टाचार्य द्वारा सेमेस्टर II के छात्रों के लिए समन्वित किया गया।
- 13.05.2021: श्री अरिंदम बसु, मीडिया शिक्षाविद, प्रबंध निदेशक, कार्पे डायम, कोलकाता द्वारा सेमेस्टर II के छात्रों के लिए डॉ. मौसमी भट्टाचार्य द्वारा समन्वित "प्रिंट और साइबर मीडिया के लिए सामग्री निर्माण" पर एक विभागीय कार्यशाला आयोजित की गई।

- 13.05.2021: डॉ. तनुश्री पॉल, सहायक प्रोफेसर, महिला अध्ययन केंद्र, विश्वभारती द्वारा सेमेस्टर IV लिंग और मीडिया विशेषज्ञता छात्रों के लिए डॉ. मौसमी भट्टाचार्य द्वारा समन्वित "नारीवादी सिद्धांतों" पर आयोजित एक विभागीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रकाशन

- विभाग ने ऑनलाइन समाचार पोर्टल vbchronicle.org और विभागीय लैब जर्नल, विश्वभारती क्रॉनिकल प्रकाशित किया।

विप्लव लोहा चौधरी

आई-केयर सूचीबद्ध जर्नल:

- चौधरी, बी. एल. (2020), बीरभूम में बांग्ला दैनिक समाचार पत्रों में शिक्षा के विकास की मैपिंग रिपोर्टिंग, (के.के. भट्टाचार्य के साथ सह-लेखक), वेस्लेयन जर्नल ऑफ रिसर्च, 13 (4), 58-66.

ब्लाइंड-पीयर रिव्यू की पत्रिका:

- चौधरी, बी. एल. (2021), सतत राज्य के प्रारंभिक विचार, शांति शिक्षा और विकास के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 9 (1) डीओआई: 10.30954/2454-9525.01.2021.1, प्रिंट आईएसएसएन 2321-9807, संपादकीय ऑनलाइन आईएसएसएन 2454-9525.
- चौधरी, बी. एल. (2021) शांति शिक्षा: मन प्रशिक्षण और टैगोर के लिए चिंता, शांति शिक्षा और विकास के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 9 (2), डीओआई: 10.30954/2454-9525.02.2021.1, प्रिंट आईएसएसएन 2321-9807, संपादकीय ऑनलाइन आईएसएसएन 2454-9525.

मौसमी भट्टाचार्य

पुस्तक अध्याय

अन्तर्राष्ट्रीय:

भट्टाचार्य, एम (2021) कोविड 19 महामारी की मीडिया रिपोर्टिंग: अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संबंधों के लिए प्रभाव: मीडिया और सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तन पर पुनर्विचार: भारत और दुनिया - महामारी के समय में। एचपी हैमिल्टन लिमिटेड (यूनाइटेड किंगडम), आईएसबीएन: 978-1913936204.

राष्ट्रीय:

- भट्टाचार्य, एम. (2021) जन संचार में फिल्म अध्ययन: फिल्म निर्माण के विज्ञान और कला के लिए एक स्वदेशी दृष्टिकोण, फिल्म अध्ययन: एक शुरुआती गाइड, गहन संचार, नई दिल्ली,। आईएसबीएन: 978-81-946971-0-7.

संकलित खंड: अंतर्राष्ट्रीय

- भट्टाचार्य, एम (2021) हाइब्रिड न्यूज़रूम और बलेनडेड क्लास रूम: उद्योग अकादमिक, विश्व पत्रकारिता शिक्षकों की कांग्रेस की गोलमेज रिपोर्ट से मिलता है, यूनेस्को, आईआईएमसी, नई दिल्ली, आईएसबीएन: 978-81-953439-5-9.

अध्याय-2

- संयुक्त रूप से संकलित (निदेशक, इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल जर्नलिज्म, यूएसए के साथ) अप्रैल, 2021 में इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल जर्नलिज्म (आईआईजे), ओहियो यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा प्रकाशित 'इंटरनेशनल मीडिया एंड कोविड -19: पत्रकारों और शिक्षकों के लिए चुनौतियां' शीर्षक से तीन-भाग वेब संगोष्ठी पर एक रिपोर्ट संकलित की गई।

विद्वान: लोकेश चकमा

- (2021), फिल्म निर्माण अनिवार्य: बुनियादी कैमरा आंदोलनों, निर्देशन और संपादन, फिल्म अध्ययन: एक शुरुआती गाइड, गहन संचार, नई दिल्ली, आईएसबीएन:: 8194697107, 9788194697107.

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि

विप्लव लोहा चौधरी

- 21.02.2022: मीडिया और मनोरंजन उद्योग की बदलती गतिशीलता और ऑनलाइन ग्लोबल कम्युनिकेशन एजुकेशन काउंसिल कॉन्क्लेव में इसके प्रभाव पर विशेष रूप से आमंत्रित व्याख्यान।
- 27.12.2021: जन संचार और पत्रकारिता पर सत्र के लिए मुख्य वक्ता सामाजिक विज्ञान विभाग, सेंट पवित्र एक्स डिग्री और महिलाओं के लिए पीजी कॉलेज, हैदराबाद दो दिवसीय बहु-विषयक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
- 01.12.2021: ऑनलाइन ग्लोबल कम्युनिकेशन एजुकेशन कॉन्क्लेव (जीसीईसी) में पैनेलिस्ट सत्र के लिए एक पैनेलिस्ट के रूप में उसका व्याख्यान एवं राय को आकार देने के लिए: ग्लोबल मीडिया एजुकेशन काउंसिल द्वारा मीडिया की भूमिका पर कार्यक्रम का आयोजन।
- 01.12.2021: ग्लोबल मीडिया एजुकेशन काउंसिल द्वारा आयोजित ऑनलाइन ग्लोबल कम्युनिकेशन एजुकेशन कॉन्क्लेव (जीसीईसी) में पैनेलिस्ट सत्र के लिए एक पैनेलिस्ट के रूप में शेपिंग नैरेटिव एंड ओपिनियन : मीडिया की भूमिका पर व्याख्यान दिया
- 23.10.2021: ग्रीन यूनिवर्सिटी, ढाका, बांग्लादेश द्वारा ऑन लाईन आईटीडी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप व्याख्यान दिया।
- 13.07.2021- 17.07.2021: एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी द्वारा "एमिटी यूनिवर्सिटी कोलकाता" के फ्लैगशिप के तहत एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी द्वारा 13 जुलाई से 17 जुलाई, 2021 तक आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।
- 10.07.2021: संसाधन व्यक्ति, क्रेडल वेबिनार सीखने की शृंखला, अनलर्निंग और विकास पर कनेक्ट से संबंधित
- 09.07.2021: रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा आयोजित भारतीय शोध परंपरा पर पैनेलिस्ट

मौसमी भट्टाचार्य

इंटरनेशनल

- 21.12.2021: ग्लोबल कम्युनिकेशन एजुकेशन कॉन्क्लेव (जीसीईसी) द्वारा आयोजित 'पत्रकारिता शिक्षा में आघात साक्षरता' पर एक विशेष ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय सत्र की अध्यक्षता के लिए आमंत्रित किया गया।
- 10.08.2021: यूनेस्को-विश्व पत्रकारिता शिक्षक कांग्रेस- आईआईएमसी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'भारत में पत्रकारिता शिक्षा: मुद्दे और चुनौतियां' शीर्षक वाली अंतरराष्ट्रीय गोलमेज में 'हाइब्रिड न्यूज़रूम और मिश्रित कक्षाएं: उद्योग अकादमिक बैठक' सत्र में एक पैनेलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 01.08.2021: ओहियो विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका और अंतराष्ट्रीय पत्रकारिता संस्थान, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा आयोजित अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में 'भारत में कोविड टाइम्स में सीखना: छात्र दुविधा और चिंता' शीर्षक से एक व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

राष्ट्रीय:

- 16.12.2021: कॉलेज के शोध प्रकोष्ठ के सहयोग से मानविकी विभाग, कृपानिधि डिग्री कॉलेज, बेंगलुरु द्वारा आयोजित 'सामाजिक विज्ञान में शोध और डेटा संग्रह: स्रोत और तकनीक' शीर्षक से एक ऑनलाइन व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।
- 30.09.2021: राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली के सहयोग से महिला अध्ययन केंद्र, विश्वभारती द्वारा आयोजित एक दिवसीय क्षमता निर्माण और व्यक्तित्व विकास कार्यशाला में जेंडर लेंस से 'डिजिटल साक्षरता और सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग' सत्र में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 17.11.2021: लोरेटो कॉलेज, कोलकाता, लिबरल आर्ट्स बांग्लादेश विश्वविद्यालय, पीआर सिग्नल और टीटी एडुग्राफ के सहयोग से एनएसएचएम स्कूल ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन द्वारा आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम "टाइम" (मनोरंजन पर मीडिया का प्रभाव) में मुख्य वक्ता के रूप में "भारत के युवाओं के बीच राजनीतिक जागरूकता पर सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव" शीर्षक से एक ऑनलाइन व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।
- 13.11.2021: एक्सआईएम विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित "काउंटरिंग डिजिटल नफरत: महत्वपूर्ण साक्षरता की आवश्यकता" नामक एक पैनेल में 'जेंडर एंड ऑनलाइन दुरुपयोग: डिजिटल साक्षरता और विनियमन के रूप में एंटीडोट' पर एक वर्चुअल मीडिया कॉन्क्लेव एक्समपलीफ्री 2021 में एक विशेष व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

अध्याय-2

- 13.09.2021: यूजीसी-एचआरडीसी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में 'जेंडर और ऑनलाइन सामग्री: संवेदनशीलता से निपटने के परिप्रेक्ष्य में' पर एक विशेष व्याख्यान देने के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 21.08.2021: कलकत्ता विश्वविद्यालय के अंतर्गत विजयगढ़ ज्योतिष रॉय कॉलेज और न्यू अलीपुर कॉलेज द्वारा 'फ्यूचर ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन एंड फिल्म स्टडीज ऑफ ग्रेजुएशन' नामक विषय पर आयोजित एक छात्र मेंटरशिप कार्यक्रम के पैनल में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया।
- 07.08.2021: फ्रेडरिक एबर्ट स्ट्रुटिंग-इंडिया चैप्टर में 'भारत में असंगठित क्षेत्र के लिए ईकॉमर्स और सोशल मीडिया की क्षमता का दोहन' शीर्षक पर एक व्याख्यान देने के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया, जिसका शीर्षक कोलकाता में आयोजित सम्मेलन 'रिस्कलिंग एंड अपस्कलिंग जस्ट ट्रांजिशन' (ऑफलाइन इवेंट) है।
- 03.08.2021: सिद्धो-कान्हो-बिरसा विश्वविद्यालय, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित 'पत्रकारिता, जनसंचार और कैरियर के अवसरों का नया क्षेत्र' विषय पर एक वेबिनार सत्र में एक ऑनलाइन व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।
- 29.05.2021: बर्दवान विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा 'ग्रामीण भारत के लोगों के विकास, विशेष सुधार पर डाकूमेन्टरी (पीएआरआई)' पर आयोजित ऑनलाइन सत्र में एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।
- **24.04.2021:** आईसीएसएसआर, भारत सरकार के सहयोग से जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित दो सप्ताह के अंतरराष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम में "सामाजिक विज्ञान में शोध और डेटा संग्रह: स्रोत और तकनीक" पर एक ऑनलाइन व्याख्यान देने के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।

संगोष्ठी / वेबिनार / घटना / कार्यशाला संगठन:

अंतराष्ट्रीय सहयोग

- सामाजिक और राजनीतिक विज्ञान, एथेंस, ग्रीस के पेनटीआईऑन विश्वविद्यालय द्वारा सीजेएमसी के सहयोग से पहले प्रतिष्ठित इरास्मस द्वारा समन्वित आयोजित कार्यक्रम में व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया, विश्वभारती इरास्मस + अनुदान समझौते (छात्र और संकाय विनिमय कार्यक्रम) के तहत अकादमिक संपर्क के रूप में उनके अंतराष्ट्रीय संबंध विभाग और संचार विभाग, मीडिया और संस्कृति विभाग के बीच यूरोपीय संघ के, सामाजिक और राजनीतिक विज्ञान, एथेंस, ग्रीस के पेनटीआईऑन विश्वविद्यालय एवं अंतराष्ट्रीय संबंध विभाग और संचार विभाग, मीडिया और संस्कृति विभाग, विश्वभारती, भारत (2021 से प्रस्ताव प्रक्रियाधीन है),

- भारत और ग्रीस के छह विश्वविद्यालयों को शामिल करते हुए 'द रूम जहां यह होता है' (मार्च-नवंबर 2021) नामक ग्रीस-भारत सोशल मीडिया से संबंधित परियोजना के लिए राज्य विभाग, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा प्रतिष्ठित पूर्व छात्र संबंधों लघु अनुदान फैलोशिप में भारत से संचार समन्वयक किया सुरहिता बसु

30.03.2022: अर्नब घोषाल की एक फोटोग्राफिक प्रदर्शनी 'रीरूटिंग टू रूट्स' के लिए सेमेस्टर IV, सीजेएमसी, विश्व-भारती के संचार डिजाइन विशेषज्ञता छात्रों के लिए समन्वित क्षेत्र का दौरा किया

अर्पण पॉल

13.02.2022, 20.02.2022 और 27.02.2022: अंग्रेजी विभाग, गुरुचरण कॉलेज सिलचर द्वारा आयोजित अंग्रेजी में रचनात्मक लेखन में डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति।

शोधार्थी: श्री लोकेश चकमा

- 31.10.2021: यूनेस्को ग्लोबल मीडिया एंड इंफॉर्मेशन लिटरेसी वीक 2021 की छत्रछाया में 'द रूम जहां यह होता है' परियोजना के लिए भारत का प्रतिनिधित्व किया, जो सार्वजनिक भलाई के लिए मीडिया और सूचना साक्षरता का जश्न मना रहा है; <https://www.facebook.com/theroomwhereithappensproject/videos/2979292109004693>.

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार कार्यक्रम/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियां और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया गया।

- मई, 2021 से सितंबर, 2021 और जनवरी, 2022-फरवरी, 2022 तक प्रोफेसर बिप्लब लोहा चौधरी द्वारा बनाए गए ब्रॉडकास्ट ग्रुप के साथ कोविड आउटरीच कार्यक्रम।
- कोविड अभियान संचालन समिति के अध्यक्ष के रूप में प्रोफेसर बिप्लब लोहा चौधरी ने तीसरी लहर (दिसंबर-फरवरी, 2022) के दौरान और दूसरी लहर (मई से अगस्त, 2021) के दौरान विश्व-भारती सामुदायिक कोविड आउटरीच का आयोजन किया।
- प्रोफेसर बिप्लब लोहा चौधरी ने प्रमुख प्रशिक्षक के रूप में सप्ताह भर चलने वाले कोविड जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम, विश्व-भारती (7 जनवरी से 13 जनवरी, 2022) का आयोजन किया।
- गांधी जयंती 2022 के सुअवसर पर सीजेएमसी परिसर की सफाई अभियान।
- एम ए सेमेस्टर प्रथम के चयनित छात्रों ने 23 फरवरी, 2022 को डफोडिल इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, ढाका के सहयोग से गुरु नानक खालसा कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स, मुंबई द्वारा आयोजित भारत-बांग्लादेश छात्र विचार विनिमय कार्यक्रम, अमृत पर्व में भाग लिया।
- विभाग के संकाय सदस्यों ने विश्वभारती द्वारा आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक और संतति कार्यक्रमों में नियमित रूप से भाग लिया।

अध्याय-2

शिक्षकों / विद्वानों या विभाग द्वारा समग्र रूप से प्राप्त अकादमिक विशिष्ट्य (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता)

विप्लव लोहा चौधरी:

- ग्लोबल मीडिया एजुकेशन काउंसिल ने ग्लोबल कम्युनिकेशन एजुकेशन कॉन्फ्लेव में 21 फरवरी, 2022 को उपलब्धि का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करके 'मीडिया और संचार शिक्षा में तारकीय योगदान' को सम्मानित किया।
- वर्ष के दौरान, सिंगर कम्युनिकेशन, कल्चर और चेंज इन एशिया सीरीज में संपादकीय बोर्ड
- वर्ष के दौरान, एडिटर-इन-चीफ, आरपी के इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पीस एजुकेशन एंड डेवलपमेंट

मौसमी भट्टाचार्य:

- अंतर्राष्ट्रीय पत्रकारिता संस्थान (आईआईजे), ओहियो विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका 2021 में सलाहकार बोर्ड के सदस्य के रूप में चुना गया।
- अगस्त, 2018 से अब तक मैड्रिड, स्पेन के वैज्ञानिक एसोसिएशन आईसीओएनओ14 द्वारा प्रकाशित प्रतिष्ठित 'जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन रिसर्च एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज आईसीओएनओ14' (www.icono14.net) के सलाहकार बोर्ड के सदस्य।
- 2015 से अब तक, पीपुल्स आर्काइव ऑफ रूरल इंडिया (पीएआरआई) के पूर्वी क्षेत्रीय समन्वयक।
- प्रतिष्ठित 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन डेवलपमेंट (आईजेसीडी)', आईएसएसएन-2231-2498, नई दिल्ली के सलाहकार बोर्ड के सदस्य जनवरी, 2014 से अब तक।

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या किसी भी अन्य शिक्षण नवाचारों को डिजाइन करना।

- डॉ मौसमी भट्टाचार्य ने पेपर VI (व्यक्तित्व विकास) में समूह निर्माण अभ्यास और बातचीत कौशल अभ्यास के रूप में सेमेस्टर I के लिए "मानव अधिकारों के दुरुपयोग, स्वदेशी और अल्पसंख्यक अधिकारों के मुद्दों पर विशेष ध्यान देने के साथ मानवाधिकार रक्षकों का उत्पीड़न" शीर्षक से मॉडल संयुक्त राष्ट्र का आयोजन किया।
- डॉ. सुरभिता बसु ने नियमित क्लासवर्क्स के लिए आईटी, ई-लर्निंग और ई-रिसोर्सेज का उपयोग करते हुए अपनी ऑफ़ लाइन कक्षाओं के विस्तार के रूप में vbonlinevidyacharcha पोर्टल को एकीकृत किया।

भवन / सदन / विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास विकास के लिए भविष्य की योजनाओं के संकेत से संबंधित है:

- सीजेएमसी ने उचित प्रक्रिया के साथ एनईपी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए एक नए पाठ्यक्रम को लागू करने की योजना बनाई है।

- विभाग की योजना उचित प्रक्रिया के साथ अल्पकालिक कौशल संवर्धन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू करने की है।

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी:

क) स्टार्ट-अप मेंटरिंग:

- डॉक्सफिंड, एक स्वास्थ्य सेवा ऑनलाइन स्टार्ट-अप को प्रोफेसर बिप्लब लोहा चौधरी द्वारा सलाह दिया गया।
- डॉ मौसमी भट्टाचार्य द्वारा एक स्टार्ट-अप 'डीएचईई' संचार और प्रबंधन', कोलकाता को सलाह दिया गया।

ख) डॉक्टरेट शोध जानकारी:

(i) दो पीएचडी विद्वानों को डॉक्टरेट की डिग्री से सम्मानित किया गया है:

(क) विद्वान: **श्री महेंद्र कुमार जेना**

परिणाम प्रकाशन की तिथि: 16 दिसंबर, 2021

पंजीकरण संख्या: VB-509 of 2000-01

थीसिस का शीर्षक: बंगाली दैनिक समाचार पत्रों में ग्रामीण विकास रिपोर्टिंग: पश्चिम बंगाल में बीरभूम जिले का एक केस स्टडी

सुपरवाइजर: प्रोफेसर बिप्लब लोहा चौधरी

(ख) विद्वान: **सुश्री सुमना सान्याल**

परिणाम प्रकाशन की तिथि: 6 दिसंबर, 2021

पंजीकरण संख्या: VB-974 of 2004-05

थीसिस का शीर्षक: टैगोर और विज्ञापन की दुनिया: 1903-1941 के बीच एक केस

स्टडी पर्यवेक्षक: डॉ मौसमी भट्टाचार्य

(ii) डॉ मौसमी भट्टाचार्य की देखरेख में एक पीएचडी स्कॉलर, श्री लोकेश चक्रमा को वर्ष 2021-22 में आईसीएसएसआर केंद्रीय प्रशासित पूर्णकालिक डॉक्टरेट फैलोशिप से सम्मानित किया गया है।

ग) इंटरनशिप / क्षेत्रीय परियोजनाएं:

- डॉ. सुरभिता बसु द्वारा 30 मार्च, 2022 को एक फोटोग्राफिक प्रदर्शनी, 'रीरुटिंग द रूट्स' की यात्रा के रूप में पत्रकारिता और जन संचार में सेमेस्टर IV, एमए के संचार डिजाइन विशेषज्ञता के छात्रों के साथ आयोजित फील्ड परियोजना।
- विश्वभारती कोविड के सहयोग से सीजेएमसी कोविड जागरूकता 7 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, 7-13 जनवरी, 2022.

अध्याय-2

घ) संकाय उपलब्धियां:

- प्रो बिप्लब लौह चौधरी को रबीन्द्र भारती विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं वीडियोग्राफी विभाग के लिए उच्च डिग्री समिति में बाह्य विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया है।
- प्रो बिप्लब लोहा चौधरी और डॉ मौसमी भट्टाचार्य को सिद्धो-कान्हो-बिरसा विश्वविद्यालय, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल में पत्रकारिता और जन संचार पाठ्यक्रम में एमए के लिए पाठ्यक्रम समिति में विषय विशेषज्ञों के रूप में नामित किया गया है।
- डॉ मौसमी भट्टाचार्य को नवगठित पत्रकारिता और जनसंचार विभाग, सिद्धो कान्हो बिरसा विश्वविद्यालय, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल के पीजी बीओएस सदस्य के रूप में नामित किया गया है।
- डॉ मौसमी भट्टाचार्य रेडियो और टेलीविजन में महिलाओं के अंतर्राष्ट्रीय संघ (आईएडब्ल्यूआरटी) की सदस्य रही हैं।

महिला अध्ययन केंद्र

ग्यारहवीं योजना के दौरान यूजीसी ने जागरूकता पैदा करने और शिक्षा, शोध और लक्षित हस्तक्षेपों के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण को सुविधाजनक बनाने के लिए पूरे भारत में शैक्षणिक संस्थानों में महिला अध्ययन विभाग बनाने के लिए एक बड़ी पहल की। महिला अध्ययन केंद्र, इस पहल का एक उत्पाद, विश्वभारती में जुलाई 2009 में स्थापित किया गया था।

विश्वभारती में महिला अध्ययन केंद्र लिंग और विकास पर अंतःविषय शोध पर केंद्रित है। केंद्र महिलाओं और लिंग प्रश्नों पर विस्तार कार्यों को व्यवस्थित करने का भी प्रयास करता है, जिसका विभाग में किए गए शोध के साथ एक मजबूत संबंध है। केंद्र में शोध के कुछ प्रमुख क्षेत्र निम्नलिखित हैं: भारत में विकास के लिंग आयाम: शिक्षा और स्वास्थ्य का सवाल, महिलाओं के खिलाफ हिंसा, एजेंसी और नीतिगत मुद्दों का सवाल, भारत के व्यापक विकास लक्ष्यों के आलोक में बालिकाएं और दक्षिण एशिया, महिलाओं के श्रम बाजार के विकल्प और सीमित दृष्टतम, महिलाएं और संघर्ष और अंदर-बाहर द्वंद्ववाद और घरेलूता की अवधारणा। लिंग प्रश्न वैश्विक हैं। हम मानते हैं कि समकालीन दुनिया को समझने के लिए लिंग संबंधों की समझ आवश्यक है जो कि अतीत में निर्धारित सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक कारकों के जटिल परस्पर क्रिया पर निर्भर है। लिंग संबंध कई श्रेणियों जैसे वर्ग, जाति, धर्म और जातीयता में कटे हुए हैं। अंतःविषय दृष्टिकोण के बिना, इस प्रकार, यह विश्लेषण संभव नहीं है। इस प्रकार केंद्र विश्वविद्यालय के अंदर और बाहर शिक्षाविदों के सभी विषयों से अपनी सदस्यता प्राप्त करता है।

केंद्र का प्राथमिक उद्देश्य विकास के सवालों पर ध्यान केंद्रित करते हुए सामाजिक प्रक्रियाओं की जेंडर प्रकृति का पता लगाना है। केंद्र में शोध और शिक्षण एक अंतःविषय और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र के साथ सिद्धांत और व्यवहार को जोड़ते हैं। केंद्र का उद्देश्य विकास के संदर्भ में लिंग संबंधों में निहित शक्ति गतिकी के अध्ययन के भीतर सैद्धांतिक, पद्धतिगत और शैक्षणिक बहस में योगदान देना है। विशेष रूप से, केंद्र के उद्देश्यों को मोटे तौर पर दो प्रमुख विषयों के अंतर्गत वर्गीकृत किया जा सकता है: शैक्षणिक और अनुप्रयुक्त। केंद्र लिंग और विकास पर एक नियमित एकीकृत एमफिल/पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करता है। एम.फिल पाठ्यक्रम को इस तरह से संरचित किया गया है जो न केवल एक छात्र को अपने पीएचडी के लिए अच्छा शोध करने में सक्षम बनाता है बल्कि उन्हें विकास क्षेत्र में नौकरी करने के लिए भी सक्षम बनाता है।

अध्याय-2

सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि में शिक्षक/शोध विद्वानों ने विवरण में भाग लिया :

तनुश्री पॉल

- 15.12.2021- 17.12.2021: गंगाधर मेहर विश्वविद्यालय के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित शिक्षण भूगोल कार्यशाला 2021 नामक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- 05.01.2022-18.01.2022 ने उच्च शिक्षा में शिक्षाशास्त्र और मूल्यांकन पर एक संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया: एनईपी 2020, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया।

महिला अध्ययन केंद्र, विश्वभारती ने 30 नवंबर, 2021 को विश्वभारती की सभी छात्राओं (यूजी और पीजी) के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग के सहयोग से एक क्षमता निर्माण और व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम (पीडीपी) का आयोजन किया।

शिक्षाशास्त्र

प्रकाशन:

प्रोसेनजीत साहा

- साहा, पी. (2021) कार्यालय परियोजना कार्यालय: खोआई, खंड 43, अंक 43, आईएसएसएन: 190-199, आईएसएसएन: 2319-8389, अंक 43.
- साहा, पी. (2021) आनंद बाजार- आनंद का मेला और इसके शैक्षिक निहितार्थ। एजुकेशन इंडिया जर्नल: ए क्वार्टरली रेफरीड जर्नल ऑफ डायलॉग्स ऑन एजुकेशन, 10(03), पीपी.332-343, आईएसएसएन 2278-2435, अगस्त।

अध्याय:

- साहा, पी. (2022) समाज, शिक्षा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020: एक अध्ययन। पुस्तक शीर्षक में - ट्रान्सैडिंग द होराइजन: रिफ्लेक्टिंग एंड रिविसिटिंग सोसाइटी टुडे (पीपी.75-74), द्वारा संपादित: प्रो. बीरबल साहा और अनसूया अधोकारी, क्रिसेंट पब्लिकेशन, नई दिल्ली। आईएसबीएन: 978-93-91771-26-3, 2022.

शिल्पी घोष

- घोष, एस. और गुरुंग, के. (2021), छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि पर आत्म-सम्मान का प्रभाव: एक समीक्षा। खोआई, 47(47), पीपी. 257-264, आईएसएसएन: 2319-8389, दिसंबर।

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी, जो विभाग के प्रमुख की राय में रिपोर्ट करने योग्य है, शामिल होनी चाहिए:

डॉ. शिल्पी घोष को ब्रिटिश साइकोलॉजिकल सोसाइटी (सदस्यता संख्या 562730), यू.के. की स्नातक सदस्यता प्रदान की गई है। उन्हें चार्टर्ड सदस्यता के लिए स्नातक आधार से भी सम्मानित किया गया है।

शिक्षा-भवन (विज्ञान संस्थान)

शिक्षा-भवन (विज्ञान संस्थान) मूल रूप से मानविकी शिक्षण के लिए एक स्नातक महाविद्यालय था, जिसे 1961-1963 के दौरान अपने पाठ्यक्रम बी.एससी में शामिल करने के लिए विस्तारित किया गया था। (ऑनर्स) मैथ्स, फिजिक्स, केमिस्ट्री, जूलॉजी और बॉटनी में कोर्स, एमएससी इन विषयों में कार्यक्रम 1963-1964 के दौरान शुरू किया गया था। अंत में, अध्ययन के पाठ्यक्रमों के पुनर्गठन के कारण विज्ञान, स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों को पढ़ाने वाले सभी विभागों को शिक्षा-भवन (विज्ञान संस्थान) के तहत लाया गया।

शिक्षा-भवन (विज्ञान संस्थान) में नौ विभाग शामिल हैं, अर्थात् रसायन विज्ञान, गणित, भौतिकी, वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, सांख्यिकी, कंप्यूटर और सिस्टम विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, और पर्यावरण अध्ययन विभाग और दो केंद्र - एकीकृत विज्ञान शिक्षा और शोध केंद्र और गणित शिक्षा केंद्र हैं इनमें से अधिकांश शिक्षण और शोध दोनों कार्यक्रम चलाते हैं और बी.एससी. (ऑनर्स) सात विषयों में डिग्री, एम.एससी. दस विषयों में डिग्री के साथ-साथ पीएच.डी. उपरोक्त विषयों में डिग्री दी जाती है।

पंचवर्षीय एकीकृत एमएससी के छात्र। कार्यक्रम को नियमित विज्ञान स्ट्रीम से केवल उनके ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षाओं में जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित और भौतिकी रखने से प्रवेश दिया जाता है। पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले इकतीस (31) छात्रों में से पंद्रह (15) को (योग्यता के अनुसार) रुपये की डीएसटी इंडियायर छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। 5,000/- प्रति माह और साथ में रु. निम्नलिखित दिशानिर्देशों के अनुसार अवकाश अवधि के दौरान ग्रीष्मकालीन शोध इंटरनशिप करने के लिए 20,000/- वार्षिक। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), सरकार के अनुसार। भारत के (www.online-inspire.gov.in), आई एन एस पी आई आर ई छात्रवृत्ति एक ऐसे छात्र को प्रदान की जाती है जो किसी भी राज्य / केंद्रीय बोर्ड की बारहवीं कक्षा की परीक्षा में शीर्ष 1% या जेईई में 10,000 अखिल भारतीय रैंक (AIR) के भीतर है। मेन/जेईई (एडवांस्ड) या केवीपीवाई स्कॉलर/इंटरनेशनल ओलंपियाड मेडलिस्ट/जेबीएनएसटीएस मेडलिस्ट/एनटीएसई स्कॉलर और चालू वर्ष का पास-आउट।

दो वर्षीय एमएससी के सभी छात्र। विश्वभारती में जैव प्रौद्योगिकी में कार्यक्रम जैव प्रौद्योगिकी विभाग (जीओआई) के तहत क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, फरीदाबाद द्वारा आयोजित अखिल भारतीय जीएटी-बी (स्नातक योग्यता परीक्षा) परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है। संभावित आवेदकों को अद्यतन जानकारी के लिए अपनी वेबसाइट (<http://rcb.res.in/GATB/>) को बार-बार देखने के लिए

प्रोत्साहित किया जाता है। आरसीबी, फरीदाबाद द्वारा तैयार सफल उम्मीदवारों की सूची के आधार पर छात्रों को विभागीय मानदंडों की पूर्ति के अधीन स्वीकार किया जाता है। प्रवेशित छात्रों को रु। 5,000/- प्रति माह जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार से वजीफा के रूप में दिया जाता है।

शिक्षा-भवन ने अपने समर्पित शिक्षकों और मेधावी छात्रों के ईमानदार प्रयासों के कारण पिछले दशकों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। यूजीसी, सीएसआईआर, डीएसटी, बीएनआरएस, आईसीएआर, आईसीएमआर, डीबीटी, एमएनईएस, डीएई, डीएसटी-पर्स, और डीएसटी-स्पार्क जैसी एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित विज्ञान के अग्रणी क्षेत्रों में कई शोध परियोजनाएं शुरू की गईं।

प्राणी विज्ञान विभाग को यूजीसी के सेंटर फॉर एडवांस स्टडी प्रोग्राम और बुनियादी सुविधाओं में सुधार के लिए कोसिस्ट अनुदान से सम्मानित किया गया था। डीएसटी ने जूलॉजी, रसायन विज्ञान, गणित, भौतिकी, वनस्पति विज्ञान, पर्यावरण अध्ययन, जैव प्रौद्योगिकी और एकीकृत विज्ञान विभागों को FIST अनुदान प्रदान किया था। यूजीसी द्वारा गणित, रसायन विज्ञान और वनस्पति विज्ञान विभागों को विशेष सहायता कार्यक्रम से सम्मानित किया गया। गणित विभाग बीस वर्षों से अधिक समय से एनबीएचएम पुस्तकालय अनुदान प्राप्त कर रहा था। डीएसटी, यूजीसी, आईएनएसए, सीएसआईआर, डीएई और अन्य राष्ट्रीय एजेंसियों के समर्थन से शिक्षा-भवन के तहत विभिन्न विभागों द्वारा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से वेबिनार के रूप में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सेमिनार, संगोष्ठी और कार्यशालाओं का नियमित रूप से आयोजन किया गया।

भौतिकी विभाग

भौतिकी विभाग, विश्वभारती की स्थापना 1963 में बी.एससी में शिक्षण के प्रावधान के साथ की गई थी। (ऑनर्स) स्तर जबकि एम.एससी. कार्यक्रम 1968 में शुरू हुआ। वर्तमान में विभाग में पच्चीस (25) संकाय सदस्य और पचास (50) शोध छात्र हैं। विभाग में पीजी और यू.जी. स्तर के दोनों पाठ्यचर्या विकास में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। "कंप्यूटर अनुप्रयोग" पाठ्यक्रम यू.जी. में पेश किए गए थे। और पीजी के रूप में कंप्यूटर और कम्प्यूटेशनल भौतिकी के ज्ञान के रूप में 1987 में कक्षाएं भौतिकी में शिक्षण- अधिगम और शोध के आवश्यक तत्व हैं। विभाग ने 2017-18 में यूजी स्तर पर च्वाइस बेस्ड क्रेडिट कोर्स (सीबीसीएस) मॉड्यूल और पीजी स्तर पर लागू किया है। 2020-21 में स्तर जिसमें समकालीन और उन्नत विषयों की एक विस्तृत पसंद शामिल है। सीबीसीएस पाठ्यक्रम में कुछ संशोधन पाठ्यक्रम के व्यावहारिक / व्यावहारिक भाग में सुधार के लिए किए गए हैं। चल रहे स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए नए अतिरिक्त प्रयोग स्थापित करना प्राथमिकता सूची में उच्च है। हर साल विभाग के अच्छी संख्या में छात्र विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं (जैसे नेट, गेट, जेस्ट, आदि) के लिए अर्हता प्राप्त करते हैं। प्रारंभिक दिनों के दौरान, हालांकि बुनियादी ढांचे की कमी और अन्य बाधाओं के कारण विभाग ने सैद्धांतिक शोध पर अधिक जोर दिया, लेकिन एक बहुत ही उपयोगी एक्सपरे विवर्तन प्रयोगशाला विकसित की गई जो इस क्षेत्र में अग्रणी थी। समय के साथ, विभिन्न फंडिंग एजेंसियों के समर्थन से विभिन्न क्षेत्रों में सैद्धांतिक और प्रायोगिक दोनों तरह के शोध फले-फूले। वर्तमान में, संकाय के सदस्य संघनित पदार्थ भौतिकी, सामग्री विज्ञान, नैनोमटेरियल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार, इंस्ट्रुमेंटेशन, क्वांटम ऑप्टिक्स, लेजर भौतिकी, खगोल भौतिकी, ब्रह्मांड विज्ञान, गणितीय भौतिकी, कण भौतिकी, परमाणु भौतिकी आदि में शोध में लगे हुए हैं। वर्तमान में, विभाग को कई फंडिंग एजेंसियों, जैसे, डीएसटी-एसईआरबी, डीएई-बीआरएनएस, एईआरबी, यूजीसी, सीएसआईआर, यूजीसी-डीएई सीएसआर (कोलकाता), आईयूसी (नई दिल्ली), एमओई, आदि से सहायता प्राप्त होती है। कई प्रयोगशालाएं हैं जो विशेष विषयों के शिक्षण के साथ-साथ शोध के लिए उपयोग किया जा सकता है। विभाग में उपलब्ध उच्च स्तरीय उपकरणों की सूची नीचे दी गई है।

संकाय के सदस्य अपने शोध को पूरा करने के लिए देश के साथ-साथ विदेशों में उपलब्ध कई प्रयोगात्मक सुविधाओं का उपयोग करते हैं - एसआईएनपी (कोलकाता), एसएनबीसीबीएस (कोलकाता), वीईसीसी (कोलकाता), जादवपुर विश्वविद्यालय (कोलकाता), कलकत्ता विश्वविद्यालय, यूजीसी-डीएई-सीएसआर (कोलकाता), बोस संस्थान (कोलकाता), आईआईटी-खड़गपुर, एनआईटी (दुर्गापुर), सीएमईआरआई (दुर्गापुर), आईयूसी (नई दिल्ली), डीएई-सीएसआर (इंदौर), आईयूसीए (पुणे),

टीआईएफआर (मुंबई), BARC (मुंबई), माइक्रोट्रॉन सेंटर (मैंगलोर), NISER (भुवनेश्वर), IIT (धनबाद), NIT (राउरकेला), MG विश्वविद्यालय (कोट्टायम), NEHU (शिलांग), LHC (CERN, जिनेवा), ओसाका विश्वविद्यालय (जापान), आदि। संकाय सदस्यों के पास भारत के साथ-साथ विदेशों में संस्थानों के साथ सैद्धांतिक और प्रयोगात्मक दोनों शोध सहयोग हैं- मैक्स-प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर एस्ट्रोफिजिक्स (गार्चिंग, जर्मनी), नारेसुआन विश्वविद्यालय (थाईलैंड), फुकुशिमा विश्वविद्यालय (जापान), ओसाका विश्वविद्यालय (जापान), लाप्लाटा विश्वविद्यालय (ब्यूनस आयर्स, अर्जेंटीना), मलेशिया के अंतर्राष्ट्रीय इस्लामी विश्वविद्यालय (कुआलालम्पुर, मलेशिया), निकोलस कॉपरनिकस यूनिवर्सिटी (पोलैंड), यूनिवर्सिटी ऑफ सिलेसिया (पोलैंड), नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ उज्बेकिस्तान (ताशकंद, उजबेकिस्तान), योग्याकार्टा यूनिवर्सिटी (इंडोनेशिया), वर्जीनिया कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी (यूएसए), आदि। विभाग आयुष्य दवाओं के प्रयोगों में भी सक्रिय रूप से भाग ले रहा है। विभाग सैद्धांतिक भौतिकी संगोष्ठी सर्किट (टीपीएससी) का एक सहयोगी केंद्र और एक नियमित संगोष्ठी कार्यक्रम है। विभाग नियमित रूप से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर समसामयिक विषयों पर संगोष्ठियों, सम्मेलनों और कार्यशालाओं का आयोजन करता है। स्कूली छात्रों के बीच भौतिकी को लोकप्रिय बनाना और अन्य आउटरीच कार्यक्रम भी नियमित रूप से किए जाते हैं।

विभाग में उपलब्ध उच्च स्तरीय उपकरणों की सूची:

1. टीजी-डीएससी सेट-अप (नेटZsch, जर्मनी)-एक डीएसटी-एफआईएसटी सुविधा
2. ढांकता हुआ संपत्ति मापने का सेट-अप (100-5 मेगाहर्ट्ज, 30-400 डिग्री, हियोकी, जापान)
3. विद्युत चालकता मापने वाला सेट-अप (~ पीए, ~ 1000 वी, 0—100 डिग्री-सी, कीथली)
4. दो डीएसपी आधारित गामा-स्पेक्ट्रोमीटर सिस्टम (कैन और कैनबरा)
5. अल्फा स्पेक्ट्रोमीटर
6. सी-स्ट्रिप डिटेक्टरों (मेसीटेक) के लिए वीएमई-आधारित डाटा अधिग्रहण प्रणाली
7. एक्स-रे पाउडर डिफ्रेक्टोमीटर (डी/मैक्स अल्टिमा IV स्वचालित उच्च समाधान प्रकार, रिगाकू, जापान) - एक डीएसटी-फिस्ट सुविधा
8. I-V/C-V स्पेक्ट्रम विश्लेषक (कीथली, 4200SCS) - एक डीएसटी-एफआईएसटी सुविधा
9. बाहरी गुहा डायोड लेजर स्पेक्ट्रोमीटर (852 एनएम, मोड हॉप फ्री ट्यूनिंग रेंज 10 गीगाहर्ट्ज),
10. बाहरी कैविटी डायोड लेजर स्पेक्ट्रोमीटर (890nm-920nm, मोड हॉप फ्री ट्यूनिंग रेंज 10 GHz@920nm)
11. डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप (200 मेगाहर्ट्ज)
12. बिजली मीटर

अध्याय-2

13. बफर गैस के साथ और बिना सीज़ियम वाष्प सेल
14. लगातार तापमान हीटर
15. हाई एंड कंप्यूटिंग सुविधा-एक डीएसटी-फिस्ट सुविधा
16. डीएससी (मॉडल 200F3 एमएआईए, नेटज़श, जर्मनी)
17. पोर्टेबल रमन स्पेक्ट्रोमीटर (R3000-785NM)
18. XP2020Q . के साथ पीएलएस के लिए फास्ट-फास्ट संयोग प्रणाली
19. टर्बो मॉलिक्यूलर पंप के साथ उच्च तापमान एनीलिंग फर्नेस।

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / सेट / जेस्ट / गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

सीएसआईआर-यूजीसी नेट 2021

1. अविनन्द साहा (यूजीसी-नेट),
2. जेस्ट 2021
3. संदीप भट्टाचार्य (रैंक 458)
4. इंद्रजीत नंदी (रैंक 211),

गेट 2021

1. समर्पण दत्ता
 2. हर्षव चौधरी
 3. अर्चिता साहू
 4. अरुणाभा दास
 5. नीलाद्रि गराई
 6. अरण्य घोष
 7. पृथ्वी मित्र
 8. सौरभ बर्मन
- श्रेयसी मुखर्जी (M. Sc. पास आउट 2021) ने इटली में Ph. D. पद प्राप्त किया।
 - अभिषेक घोष (एम.एससी. पास आउट 2021) ने इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स, निकोलस कोपरनिकस यूनिवर्सिटी, पोलैंड में पीएच.डी. का पद प्राप्त किया।
 - अविनन्द साहा ने भौतिकी विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय में शोधार्थी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।
 - शैली कुमारी केशरी अगस्त में भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (IIA बेंगलुरु) में शामिल हुईं
 - अमृता गुप्ता (एम.एससी. पास आउट 2021) ने पीएच.डी. Technische Universitat Darmstadt, जर्मनी में विद्वान पद

- प्रलय विश्वास (एमएससी पास आउट 2021) ने एन सीआरए, टीआईएफआर, पुणे में पीएचडी की स्थिति प्राप्त की।
- सुमित आचार (एमएससी पास आउट 2021) ने आईआईटी, तिरुपति में पीएच.डी की स्थिति प्राप्त की।

राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि में अध्यापकों/शोध विद्वानों ने भाग लिया

स्वपन मंडल

- 20.09.2021: रामपुरहाट कॉलेज द्वारा आयोजित एक दिवसीय राज्य स्तरीय वेबिनार, वार्ता का शीर्षक: "हार्मोनिक ऑसिलेटर एंड बियॉन्ड"

अस्मिता सेनगुप्ता

- 19.12.2021-20.12.2021: भौतिक विज्ञान में हालिया प्रगति पर तीसरा राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीआरएपीएस-2021), एनआईटी उत्तराखंड, उत्तराखंड, भारत
- लघु व्याख्यान: ABS/PA6 पॉलिमर ब्लेंड की गलतफहमी का DSC और PALS का उपयोग करके अध्ययन किया गया

आशीष भट्टाचार्य

- 06.12.2021-07.12.2021: श्री चित्रा तिरुनल इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी और इंडियन जेएसपीएस एलुमनाई एसोसिएशन (आईजेए) द्वारा आयोजित 'नोबेल पुरस्कार विजेता एस एंड टी संगोष्ठी शृंखला और भारत-जापान विज्ञान और प्रौद्योगिकी संगोष्ठी'

बुद्धदेब मुखर्जी

- 28.06.2021-29.06.2021: आमंत्रित वार्ता (ऑनलाइन) "66Zn और 66Ga की स्पेक्ट्रोस्कोपी" कार्यशाला "इंडियन नेशनल गामा एरे (INGA): हाल के परिणाम और भविष्य के परिप्रेक्ष्य", नई दिल्ली, भारत
- 01.02.2022-03.02.2022: वीईसीसी, कोलकाता द्वारा आयोजित "न्यूक्लियर लाइफटाइम्स, ट्रांजिशन एंड मोमेंट्स (एनएलटीएम2022) पर थीम मीटिंग" में भाग लिया (ऑनलाइन)
- 24.02.2022-25.02.2022: कार्यशाला में भाग लिया (ऑनलाइन) "रीकोइल सेपरेटर्स के साथ भौतिकी", आईयूएसी, नई दिल्ली, भारत

अनघा चक्रवर्ती

- 01.12.2021-05.12.2021: परमाणु भौतिकी पर 65वें डीएई-बीआरएनएस संगोष्ठी के उन्मुखीकरण कार्यक्रम में डीएई कन्वेंशन सेंटर, अणुशक्तिनगर, मुंबई में आयोजित एक आमंत्रित वार्ता "आईयूएसी में रिकॉइल स्पेक्ट्रोमीटर के साथ आइसोमर्स" वितरित (ऑनलाइन मोड के माध्यम से)

अध्याय-2

- 28.06.2021-29.06.2021: आईयूएसी, नई दिल्ली में आयोजित "इंडियन नेशनल गामा एरे: हाल के परिणाम और भविष्य के दृष्टिकोण" नामक ऑनलाइन कार्यशाला में एक आमंत्रित वार्ता (ऑनलाइन मोड के माध्यम से) वितरित की गई।
- 02.06.2021-04.06.2021: "XIV" पर "न्यूट्रॉन समृद्ध 78As में विभिन्न उत्तेजना मोड की शुरुआत" एक वार्ता (ऑनलाइन मोड के माध्यम से) वितरित की गई। सेल्कुक विश्वविद्यालय, कोन्या तुर्की द्वारा आयोजित परमाणु संरचना गुणों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एनएसपी2021"
- 24.02.2022-25.02.2022: इंटर-यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर (आईयूएसी), नई दिल्ली द्वारा आयोजित दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला "फिजिक्स विद रिक्वर्ड सेपरेटर्स" में एक आमंत्रित वार्ता (ऑनलाइन मोड के माध्यम से) वितरित की गई।
- 10.03.2022-11.03.2022: "डिजिटल INGA@VECC: द माइलस्टोन्स अचीव्ड एंड द माइल्स अहेड" पर कार्यशाला में एक आमंत्रित वार्ता (ऑनलाइन मोड के माध्यम से) वितरित की गई। कार्यशाला का आयोजन ऑनलाइन मोड में भौतिकी और आईयूएसी विभाग, विक्टोरिया इंस्टीट्यूशन (कॉलेज), कोलकाता और यूजीसी-डीएई कंसोर्टियम फॉर साइंटिफिक रिसर्च, कोलकाता सेंटर द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था।
- 15.01.2022: प्रॉक्टर कार्यालय, विश्वभारती द्वारा आयोजित "यूजीसी: राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता वेबिनार" में भाग लिया
- 20.09.2021-24.09.2021: भाग लिया (ऑनलाइन मोड के माध्यम से) और ऑनलाइन आयोजित दूसरे अफ्रीकी परमाणु भौतिकी सम्मेलन में एक पोस्टर प्रस्तुत किया

सुदीप्ता दास

- 16.12.2021-19.12.2021: गणित विभाग, प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय, कोलकाता, भारत द्वारा आयोजित "गुरुत्वाकर्षण और ब्रह्मांड विज्ञान में उभरते रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला" में भाग लिया (ऑनलाइन मोड में)

शोध विद्वान:

मनीषा चक्रवर्ती

- 01.06.2021-09.06.2021: एमएचआरडी-एसपीएआरसी प्रायोजित इंडो-यूएस वेबिनार और अक्षय ऊर्जा अनुप्रयोग के लिए उन्नत कार्यात्मक सामग्री पर व्याख्यान शृंखला

शनि कुंडू

- 10.12.2021-12.12.2022: झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय, रांची में आयोजित संघनित पदार्थ भौतिकी (सीएमडीएवाईएस 2021) पर 29 वां राष्ट्रीय (आभासी) सम्मेलन (ई-पोस्टर)

- 06.12.2021-07.12.2021: श्री चित्रा तिरुनल इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी और इंडियन जेएसपीएस एलुमनाई एसोसिएशन (आईजेएए) द्वारा आयोजित 'नोबेल पुरस्कार विजेता एस एंड टी संगोष्ठी शृंखला और भारत-जापान विज्ञान और प्रौद्योगिकी संगोष्ठी'।
- 03.02.2022: भारतीय विज्ञान प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग सुविधाओं के मानचित्र (आई-एसटीईएम), भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु द्वारा आयोजित 'आधुनिक स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप की मूल बातें' पर वेबिनार
- 20.01.2022: इंडियन एसोसिएशन फॉर कल्टीवेशन ऑफ साइंस (आईएसीएस), कोलकाता में "इलेक्ट्रॉन बीम लिथोग्राफी में अग्रिम: अनुप्रयोगों के लिए बुनियादी बातों" विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला
- 13.01.2022: भारतीय विज्ञान प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग सुविधाओं के मानचित्र (आई-एसटीईएम), भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु द्वारा आयोजित "आई-एसटीईएम के माध्यम से वित्त पोषण के अवसर और प्रस्ताव" पर वेबिनार
- 16.12.2021: भारतीय विज्ञान प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग सुविधाओं के मानचित्र (आई-एसटीईएम), भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु द्वारा आयोजित 'ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी (टीईएम)' पर वेबिनार
- 01.06.2021-09.06.2021: शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की SPARC योजना के तत्वावधान में भारत-अमेरिका वेबिनार और व्याख्यान शृंखला। भारत के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली

टोटन सरकार

- 06.12.2021-07.12.2021: श्री चित्रा तिरुनल इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी और इंडियन जेएसपीएस एलुमनी एसोसिएशन (आईजेएए) द्वारा आयोजित 'नोबेल पुरस्कार विजेता एस एंड टी संगोष्ठी शृंखला और भारत-जापान विज्ञान और प्रौद्योगिकी संगोष्ठी'।
- 03.02.2022: भारतीय विज्ञान प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग सुविधाओं के मानचित्र (आई-एसटीईएम), भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु द्वारा आयोजित 'आधुनिक स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप की मूल बातें' पर वेबिनार
- 20.01.2022: इंडियन एसोसिएशन फॉर कल्टीवेशन ऑफ साइंस (आईएसीएस), कोलकाता में "इलेक्ट्रॉन बीम लिथोग्राफी में अग्रिम: अनुप्रयोगों के लिए बुनियादी बातों" विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला
- 13.01.2022: भारतीय विज्ञान प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग सुविधाओं के मानचित्र (आई-एसटीईएम), भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु द्वारा आयोजित "आई-एसटीईएम के माध्यम से वित्त पोषण के अवसर और प्रस्ताव" पर वेबिनार

अध्याय-2

- 16.12.2021: भारतीय विज्ञान प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग सुविधाओं के मानचित्र (आई-एसटीईएम), भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु द्वारा आयोजित 'ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी (टीईएम)' पर वेबिनार
- 01.06.2021-09.06.2021: शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की SPARC योजना के तत्वावधान में भारत-अमेरिका वेबिनार और व्याख्यान शृंखला। भारत के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली

मनीषा बनर्जी

- 03.01.2022-12.01.2022: इंटरनेशनल सेंटर फॉर थियोरिटिकल साइंसेज- टीआईएफआर (आईसीटीएस-टीआईएफआर), बेंगलुरु द्वारा आयोजित प्रारंभिक ब्रह्मांड (हाइब्रिड) के भौतिकी पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया

प्रियंका अधिकारी

- 19.12.2021: गणित विभाग, प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय, कोलकाता, भारत द्वारा आयोजित "गुरुत्वाकर्षण और ब्रह्मांड विज्ञान में उभरते रुझानों पर अंतराष्ट्रीय कार्यशाला" (ऑनलाइन मोड में)
- 03.01.2022-12.01.2022: अंतराष्ट्रीय सैद्धांतिक विज्ञान केंद्र- टीआईएफआर (आईसीटीएस-टीआईएफआर), बेंगलुरु द्वारा आयोजित प्रारंभिक ब्रह्मांड (हाइब्रिड) के भौतिकी पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया

अपशांका दास

- 17.06.2021-21.06.2021: इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमिकल यूनियन (आईएयू) द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन अंतराष्ट्रीय सम्मेलन 'कम्प्यूटेशनल एस्ट्रोफिजिक्स-III में चुनौतियां और नवाचार' में एक भाषण दिया। रिकॉर्ड की गई प्रस्तुति का लिंक निम्न लिंक पर उपलब्ध है:
http://www.icehap.chibau.jp/IAU_B1/chaica2021/session1.html

अनिंदिता नंदी

निम्नलिखित कार्यशालाओं और स्कूलों में भाग लिया:

- 14.06.2021-25.06.2021: 21-सेमी ब्रह्मांड विज्ञान और पुनर्आयनीकरण पर स्कूल
- 20.09.2021-23.09.2021: खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी के लिए उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग पर ऑनलाइन कार्यशाला
- 08.11.2021-18.12.2021: पायथन का उपयोग करते हुए खगोलीय डेटा विश्लेषण

विभाग में चल रही शोध परियोजनाएं

प्रमुख परियोजना:

- परियोजना शीर्षक: संतुलित हानि और लाभ के साथ हैमिल्टनियन प्रणालियों पर जांच

प्रधान अन्वेषक: प्रो. पीयूष के. घोष

कुल स्वीकृत अनुदान (रु. में): 6,60,000/- (रु. 2,20,000/वर्ष)

फंडिंग एजेंसी: एसईआरबी, सरकार। भारत के (मैट्रिक्स योजना के तहत वित्त पोषित)

फाइल संख्या: एमटीआर/2018/001036 दिनांक फरवरी 27, 2019

अवधि: मार्च, 2019 - मार्च, 2022

- परियोजना का शीर्षक: कोणीय गति, तापमान और सामूहिकता और शेल संरचना की भूमिका का अनावरण के एक समारोह के रूप में परमाणु स्तर घनत्व का अध्ययन
प्रधान अन्वेषक: डॉ अनघा चक्रवर्ती
कुल स्वीकृत अनुदान (रुपये में): तीन साल के लिए एक जेआरएफ की फेलोशिप का अनुदान + 1,35,000/- रुपये आकस्मिकताओं और उपभोग्य सामग्रियों के तहत अनुदान के रूप में (यूजीसी-डीएई सीएसआर, कोलकाता की सीआरएस योजना के तहत)
फंडिंग एजेंसी: यूजीसी-डीएई सीएसआर, कोलकाता
अवधि: जून, 2019 - मई, 2022
- परियोजना का शीर्षक: दुर्लभ पृथ्वी के नाभिक से जुड़ी परमाणु प्रतिक्रियाओं में आइसोस्पिन और जमीनी स्थिति विरूपण प्रभावों की जांच
प्रधान अन्वेषक: डॉ अनघा चक्रवर्ती
कुल स्वीकृत अनुदान (रुपये में): 25,60,107/-
फंडिंग एजेंसी: डीएसटी-एसईआरबी (फाइल नंबर: सीआरजी/2021/004680)
अवधि: मार्च, 2022 - फरवरी, 2025
- परियोजना का शीर्षक: संक्रमणकालीन नाभिक में विभिन्न आकृतियों और उत्तेजना तंत्रों के सह-अस्तित्व की खोज
प्रधान अन्वेषक: डॉ अनघा चक्रवर्ती
कुल स्वीकृत अनुदान (रुपये में): तीन साल के लिए एक जेआरएफ की फेलोशिप का अनुदान + 75,000/- रुपये आकस्मिकताओं के तहत अनुदान के रूप में (आईयूएसी, नई दिल्ली की यूएफआर योजना के तहत) (परियोजना कोड संख्या यूएफआर-71344)
फंडिंग एजेंसी: आईयूएसी, नई दिल्ली
अवधि: मार्च, 2022 - फरवरी, 2025

अध्याय-2

- परियोजना शीर्षक: “लाईफटाईम मेजरमेंट ऑफ़ एक्साईटेड स्टेट इन 66 Zn एंड 66Ga”
प्रधान अन्वेषक: डॉ बुद्धदेव मुखर्जी
कुल स्वीकृत अनुदान (रुपये में): तीन साल के लिए एक जेआरएफ की फेलोशिप का अनुदान + 75,000/- रुपये आकस्मिकताओं के तहत अनुदान के रूप में (आईयूएसी, नई दिल्ली की यूएफआर योजना के तहत)
फंडिंग एजेंसी: आईयूएसी, नई दिल्ली
अवधि: दिसंबर, 2020 - नवंबर, 2023
- परियोजना का शीर्षक: “लाईफटाईम मेजरमेंट ऑफ़ एक्साईटेड स्टेट इन 66 Zn एंड 66Ga”
प्रधान अन्वेषक: डॉ बुद्धदेव मुखर्जी
कुल स्वीकृत अनुदान (रुपये में): 20,87,272/-
वित्त पोषण एजेंसी: विज्ञान और इंजीनियरिंग शोध बोर्ड (एसईआरबी),
अवधि: 16 मार्च, 2021 - 15 मार्च, 2024
- परियोजना शीर्षक: α - प्रेरित माप के माध्यम से 62,64,66Zn में ऑक्टोपोल सामूहिकता की खोज,
(यूजीसी-डीएई सीएसआर, कोलकाता केंद्र),
प्रधान अन्वेषक: डॉ बुद्धदेव मुखर्जी
कुल लागत: 3 साल के लिए एक शोध छात्र प्लस रु 45 हजार प्रति वर्ष रेफरी। सीआरएस/2021-22/02/468
अवधि: 30 मार्च, 2022 - 29 मार्च, 2025
- परियोजना का शीर्षक: लैंथेनाइड आधारित मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क सामग्री से सिंगल मॉलिक्यूल मैग्नेट और मॉलिक्यूलर मैग्नेटिक कूलर
प्रधान अन्वेषक: प्रो. आशीष भट्टाचार्य
कुल स्वीकृत अनुदान (रुपये में): 49.58 लाख
वित्त पोषण एजेंसी: शिक्षा मंत्रालय, सरकार के SPARC के तहत भारत-जापान सहयोगात्मक परियोजना, भारत
- परियोजना का शीर्षक: स्लोअन डिजिटल स्काई सर्वे में आकाशगंगा के गुणों की बड़े पैमाने पर पर्यावरणीय निर्भरता का एक सूचना सिद्धांत-आधारित अध्ययन
प्रधान अन्वेषक: डॉ विश्वजीत पाण्डेय

अनुदान एजेंसी: विज्ञान और इंजीनियरिंग शोध बोर्ड (एसईआरबी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग,
भारत सरकार परियोजना कोड: ईएमआर/2019/001110 अनुदान स्वीकृत: INR19,71,332
अवधि: फरवरी, 2020-जनवरी, 2023

शिक्षकों/विद्वानों या विभाग द्वारा समग्र रूप से प्राप्त शैक्षणिक भेद (जैसे डी.एस.ए या सी.ए.एस. आदि
के रूप में मान्यता)

अस्मिता सेनगुप्ता

- आजीवन सदस्य, भारतीय महिला वैज्ञानिक (एसोसिएशन, मुंबई, जुलाई, 2018)

एस. चक्रवर्ती

समीक्षक:

- प्रमाण
- फिजिक्स लेटर्स ए
- ईपीजेडी
- ईपीजे प्लस
- फिजिकल रिव्यू ए

एस. मंडल

पत्रिकाओं के समीक्षक:

- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ थ्योरिटिकल फिजिक्स
- मॉडर्न फिजिक्स बी
- फिजिक्स लेटर्स ए
- नैनो कनवर्जेंस

ए. भट्टाचार्य

- अनुभाग संपादक: वर्तमान भारतीय विज्ञान (बेन्थम साइंस पब्लिशर्स), 2022
- संपादकीय बोर्ड सदस्य: वर्तमान सामग्री विज्ञान (बेन्थम विज्ञान प्रकाशक), 2022~
- अध्यक्ष, भारतीय जेएसपीएस पूर्व छात्र संघ (पूर्वी अध्याय), 2022~2025

आजीवन सदस्यता:

- इंडियन थर्मल एनालिसिस सोसाइटी
- भारतीय जेएसपीएस पूर्व छात्र संघ
- इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस, कोलकाता

पत्रिकाओं के समीक्षक:

- क्रिस्ट इंजी. कॉम (आरएससी)

अध्याय-2

- डाल्टन ट्रांजेक्शन्स (आरएससी)
- जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस
- इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए सामग्री विज्ञान जर्नल
- जर्नल ऑफ फिजिक्स एंड केमिस्ट्री ऑफ सॉलिड्स
- सामग्री रसायन विज्ञान और भौतिकी
- अनुप्रयुक्त भौतिकी के जर्नल
- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ केमिकल काइनेटिक्स
- जर्नल ऑफ अलॉयज एंड कंपाउंड्स

संपादकीय बोर्ड के सदस्य, वर्तमान स्मार्ट सामग्री।

- नैनोफिलर्स में एक पुस्तक अध्याय में योगदान करने का निमंत्रण मिला: सीआरसी प्रेस/टेलर और फ्रांसिस समूह द्वारा प्रकाशित किए जाने वाले अकार्बनिक नैनोफिलर्स का निर्माण, विशेषता और अनुप्रयोग।
- नोवा साइंस पब्लिशर्स, यूएसए द्वारा प्रकाशित किए जाने वाले फेरोसीन: इट्स फंक्शन एंड इम्पोर्टेंस में एक पुस्तक अध्याय में योगदान करने का निमंत्रण मिला।

पी. के. घोष

समीक्षक:

- गणितीय समीक्षाएं, अमेरिकन गणितीय सोसायटी
- प्रमाण-जर्नल ऑफ फिजिक्स, इंडियन साइंस एकेडमी

बी.सी. गुप्ता

पत्रिकाओं के समीक्षक:

- शारीरिक रिव्यू बी
- सॉलिड स्टेट फिजिक्स
- भौतिकी पत्र ए
- भौतिक स्थिति Silidi B

मान्यता:

- शासी निकाय के सदस्य, अकुई कमलाबाला महिला कॉलेज (पश्चिम बंगाल राज्य उच्च शिक्षा परिषद के अनुमोदित नामांकित व्यक्ति)

एस. के. मंडल

- अमेरिकन केमिकल सोसाइटी (एसीएस) और अन्य अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक।

आर के सिंघा

जर्नल के समीक्षक:

- "जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस: मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स", सिंगर।

एस. दास

- 1 अगस्त, 2020 से 3 साल की अवधि के लिए इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स (IUCAA) के विजिटिंग एसोसिएट के रूप में चयनित,
- वर्तमान भारतीय विज्ञान (क्षेत्र: खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी) पत्रिका के संपादकीय बोर्ड सदस्य के रूप में चयनित

पत्रिकाओं के समीक्षक:

- जर्नल ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स एंड एस्ट्रोनॉमी, इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसेज
- प्रमाण - जर्नल ऑफ फिजिक्स, इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसेज
- डार्क यूनिवर्स फिजिक्स, एल्सेवियर

बी पांडे

पत्रिकाओं के समीक्षक:

- रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी (एमएनआरएस) के मासिक नोटिस
- 2021 में इंटरनेशनल एस्ट्रोस्टैटिस्टिक्स एसोसिएशन (IAA) के सदस्य के रूप में चुना गया।
- अगस्त, 2021 से जुलाई, 2024 की अवधि के लिए IUCAA, पुणे द्वारा विजिटिंग रिसर्च एसोसिएटशिप से सम्मानित किया गया।

ए. शॉ मंडल

- सत्र 2019-2022 के दौरान इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स (IUCAA) में विजिटिंग एसोसिएट पद से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन:

पुस्तकें:

अस्मिता सेनगुप्ता

- "पीएस-एमडब्ल्यूसीएनटी कम्पोजिट में फिजिकल एजिंग: एन एन्थैल्पी रिलैक्सेशन स्टडी", एमडी आमिर सोहेल, अभिजीत मंडल, अस्मिता सेन गुप्ता। इन: नैनोस्ट्रक्चर्ड स्मार्ट मैटेरियल्स सिंथेसिस, कैरेक्टराइजेशन, एंड पोर्टेबिल एप्लिकेशन, एड। वी.आर. रेम्या, एच. अखिना, ओ.एस. ओलुवाफेमी, एन कलारिक्कल, एस.थॉमस। फ्लोरिडा, यूएसए: एप्पल एकेडमिक प्रेस इंक.; पृ-223-232 (2021)

एस रॉय

अध्याय-2

- "टेरा-बिट प्रति सेकेंड क्यूडीएसओए आधारित ऑल-ऑप्टिकल नॉट एंड नंद गेट्स", एस. दत्ता, के। मुखर्जी, एस रॉय। टेराहर्ट्ज़ टेक्नोलॉजी में एडवांस में अध्याय और इसके अनुप्रयोग (सिंगर) पृ-73-94 (2021)

रेफरीड पत्रिकाओं में प्रकाशन:

1. सोहेल, एम.ए., मंडल, ए., आरिफ, पी.एम., थॉमस, एस., और सेन गुप्ता, ए. (2021) थर्मल गुणों पर ग्राफीन का प्रभाव और पॉली कार्बोनेट / ग्राफीन नैनोकम्पोजिट की थर्मल स्थिरता। जर्नल ऑफ़ थर्मोप्लास्टिक कम्पोजिट मैटेरियल्स, 0892705721997887.
2. मंडल, एस., आलम, एम., कोरा, एम., और वहीदीन, एम.आर. (2021) घूर्णन तरंग सन्निकटन से परे एक गैर-अपक्षयी पैरामीट्रिक थरथरानवाला के साथ मिलकर एक सुसंगत विकिरण क्षेत्र में फोटॉनों का एंटीबिचिंग। प्रमना, 95(2), 1-12.
3. मुखोपाध्याय, ए., आलम, एम., सेन, बी., और मंडल, एस. (2021) प्रत्यक्ष बैंड-गैप सेमीकंडक्टर के साथ सुसंगत प्रकाश के क्वांटम चरण में उतार-चढ़ाव। प्रमाण, 95(3), 1-9.
4. मंडल, एस., कोरा, एम., बायन, डी.के., और साहा, के.सी. (2021) क्लासिकल और क्वांटम ऑसिलेटर्स ऑफ़ टाइम डिपेंडेंट कॉम्प्लेक्स फ्रीक्वेंसीज़ का सटीक सॉल्व करने योग्य मॉडल: कोहेरेंट फील्ड के स्क्वीज़िंग गुण। ब्राजीलियाई जर्नल ऑफ़ फिजिक्स, 51(4), 954-957.
5. बायन, डी.के., और मंडल, एस. (2021) समय-समय पर संचालित एनामॉनिक ऑसिलेटर के साथ युग्मित सुसंगत प्रकाश के फोटॉन एंटीबिचिंग और आयाम वर्ग निचोड़ पर। एप्लाइड फिजिक्स बी, 127(12), 1-16.
6. कोरा, एम., और मंडल, एस. (2022) डोप्लर-मुक्त स्थिति के तहत एक डबल-लैम्ब्डा-प्रकार चार-स्तरीय प्रणाली में फैलाव रहित अवशोषण, फैलाव रहित उत्सर्जन और दो-फोटॉन फैलाव। द यूरोपियन फिजिकल जर्नल प्लस, 137(1), 1-17.
7. बायन, डी.के., और मंडल, एस. (2022) सुसंगत प्रकाश के क्वांटम चरण में उतार-चढ़ाव के पैरामीटर एक हार्मोनिक रूप से संचालित क्वार्टिक एनहार्मोनिक ऑसिलेटर से जुड़े होते हैं। द यूरोपियन फिजिकल जर्नल प्लस, 137(3), 1-14।
8. मंडल, एस., कोरा, एम., बायन, डी.के., और साहा, के.सी. (2021) क्लासिकल और क्वांटम ऑसिलेटर्स ऑफ़ टाइम डिपेंडेंट कॉम्प्लेक्स फ्रीक्वेंसीज़ का सटीक सॉल्व करने योग्य मॉडल: कोहेरेंट फील्ड के स्क्वीज़िंग गुण। ब्राजीलियाई जर्नल ऑफ़ फिजिक्स, 51(4), 954-957.
9. टुडू, एस.सी., जुबको, एम., कुज़, जे., और भट्टाचार्य, ए. (2021) वर्टिजल-टाइप सीडीएस क्वांटम डॉट्स ग्रीन का स्ट्रक्चरल, ऑप्टिकल और डाइइलेक्ट्रिक स्टडीज, ओसिमम सेंकटम (तुलसी) लीफ एक्सट्रैक्ट का उपयोग करके संश्लेषित किया जाता है। प्राकृतिक विज्ञान में प्रगति: नैनो विज्ञान और नैनो प्रौद्योगिकी, 12(3), 035010।

10. मुखर्जी, ए., नंदी, ए., सिल, एस., और चक्रवर्ती, ए. (2022) एक मल्टीस्ट्रैंड Creutz नेटवर्क में फ्लैट बैंड और टोपोलॉजिकल चरणों की सिलाई। शारीरिक समीक्षा बी, 105(3), 035428।
11. लाबर, आर., और कुंडू, टी.के. (2022) Ni/ZnO/Ag नैनोजंक्शन में बैक-टू-बैक Schottky डायोड का निर्माण और विशेषता। जर्नल ऑफ़ इलेक्ट्रॉनिक मेटेरियल्स, 51(1), 223-231.
12. चंद्रा, पी., और मंडल, एस.के. (2022) आकृति विज्ञान नियंत्रित (CH₃NH₃)₃Bi₂Cl₉ पतली फिल्म सीसा मुक्त पेरोसाइट सौर सेल के लिए। फिजिका बी: कंडेंस मैटर, 625, 413536.
13. रहमान, एम., ठाकुर, ए., मैती, एम., रॉय, एस., और कुंडू, टी.के. (2021) उच्च खंड वाले फास्ट डिटेक्टर के लिए कम वोल्टेज बिजली की आपूर्ति का अध्ययन। जर्नल ऑफ़ इंस्ट्रुमेंटेशन, 16(10), P10026.
14. कल्ला, एम., कुमार, डी.एस., सिल, एस., और चटर्जी, ए. (2021) राशबा और ड्रेसलहॉस स्पिन-ऑर्बिट इंटरैक्शन के साथ मेटल-सेमीकंडक्टर जंक्शन पर इलेक्ट्रॉन स्पिन का दोहरा अपवर्तन: एक मजबूत स्पिन-फिल्टरिंग प्रभाव। सुपरलैटिस और माइक्रोस्ट्रक्चर, 156, 106951.
15. मुखर्जी, ए., नंदी, ए., सिल, एस., और चक्रवर्ती, ए. (2020) इंजीनियरिंग टोपोलॉजिकल फेज ट्रांजिशन और अहरोनोव-बोहम केजिंग इन ए फ्लक्स-स्टेगर्ड लैटिस। जर्नल ऑफ़ फिजिक्स: कंडेंस मैटर, 33(3), 035502.
16. गांगुली, एस., मैती, एस.के., और सिल, एस. (2021) रशबा स्पिन-ऑर्बिट युग्मित एसी-चालित ग्राफीन नैनोरिबोन में अनुकूल थर्मोइलेक्ट्रिक प्रदर्शन। कार्बन, 172, 302-307.
17. सरकार, एस, पांडे, बी, और दास, ए (2022) लाल सर्पिलों की उत्पत्ति पर: क्या विधानसभा पूर्वाग्रह एक भूमिका निभाते हैं? जर्नल ऑफ़ कॉस्मोलॉजी एंड एस्ट्रोपार्टिकल फिजिक्स, 2022(03), 024।
18. दास, ए., पांडे, बी., और सरकार, एस. (2021) कॉस्मिक वेब में ग्रीन वैली आकाशगंगाएँ: आंतरिक बनाम पर्यावरण शमन। जर्नल ऑफ़ कॉस्मोलॉजी एंड एस्ट्रोपार्टिकल फिजिक्स, 2021 (06), 045.
19. पांडे, बी., और सरकार, एस. (2021) रेनी एन्ट्रॉपी का उपयोग करके एसडीएसएस में आकाशगंगा वितरण की एकरूपता का परीक्षण करना। जर्नल ऑफ़ कॉस्मोलॉजी एंड एस्ट्रोपार्टिकल फिजिक्स, 2021 (07), 019.
20. बनर्जी, एम, दास, एस, अल मैमोन, ए, साहा, एस, और बंबा, के (2021) राज्य के लैम्बर्ट डब्ल्यू समीकरण का उपयोग करते हुए गड़बड़ी की वृद्धि। आधुनिक भौतिकी में ज्यामितीय विधियों का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 18(09), 2150139.
21. अधिकारी, पी., दास, एस., बेसिलकोस, एस., और सरिदाकिस, ई.एन. (2021) एक समतल ब्रह्मांड में बैरो होलोग्राफिक डार्क एनर्जी। शारीरिक समीक्षा डी, 104(12), 123519.

अध्याय-2

22. मंडल, के., चक्रवर्ती, ए., मंडल, ए.के., घोष, यू.एस., डे, ए., विश्वास, एस., मुखर्जी, बी., ... और कुमार, ए. (2022) से 78 के मध्यम-स्पिन स्तर की संरचना में संरक्षण प्रभाव। शारीरिक समीक्षा सी, 105(3), 034328।
23. राय, एन.के., गांधी, ए., कन्नन, एम.एस., रॉय, एस.के., सनेश, एन., कुमार, एम., ... चक्रवर्ती, ए., ... और कुमार, ए. (2022) 180+184W में न्यूट्रॉन बहुलता मापन से विखंडन समयमान पर निष्कर्ष। जर्नल ऑफ फिजिक्स जी: न्यूक्लियर एंड पार्टिकल फिजिक्स, 49 (3), 035103.
24. डे, ए., विश्वास, डी.सी., चक्रवर्ती, ए., मुखोपाध्याय, एस., मंडल, ए.के., मंडल, के., मुखर्जी, बी. और गोस्वामी, ए. (2022) 232Th (α , f) प्रतिक्रिया में प्रतिस्पर्धी द्वि-आयामी यौगिक नाभिक विखंडन मोड के लिए साक्ष्य। भौतिकी पत्र बी, 825, 136848।
25. डे, ए., विश्वास, डी.सी., चक्रवर्ती, ए., मुखोपाध्याय, एस., मंडल, ए.के., दानू, एल.एस., मुखर्जी, बी., ... और अर्बन, डब्ल्यू. (2021) -रे स्पेक्ट्रोस्कोपी के बाद यू 235 (एन वें, एफ) से सम-सम विखंडन अंशों के सापेक्ष समस्थानिक उपज वितरण का मापन। शारीरिक समीक्षा सी, 103(4), 044322.
26. मुखर्जी, के., दत्ता, एस., रॉय, एस., मांडूरी, के., और राजा, ए. (2021) क्वांटम डॉट सेमीकंडक्टर ऑप्टिकल एम्पलीफायर पर आधारित टेरा हर्ट्ज़ ऑप्टिकल एसिमेट्रिक डेमल्टीप्लेक्सर का उपयोग करते हुए ऑल-ऑप्टिकल डिजिटल से एनालॉग कनवर्टर। ऑप्टिकल और क्वांटम इलेक्ट्रॉनिक्स, 53(5), 1-13.
27. नूरुद्दीन, एम.ए., रॉय, एस., और भंडारी, एन. (2021) जेनेटिक एल्गोरिथम का उपयोग करके वोल्टेज मापने वाले स्टेशन के प्रदर्शन का अनुकूलन। वैज्ञानिक उपकरणों की समीक्षा, 92(6), 064704।
28. मंडल, ए.एस., रायचौधुरी, बी., और देवांगन, जी.सी. (2021) न्यूट्रॉन स्टार लो-मास एक्स-रे बाइनरी 4U 1636-536 के एक्स-रे स्पेक्ट्रम में डिस्क परावर्तन का साक्ष्य। रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी की मासिक नोटिस, 504(1), 1331-1339.
29. महतो, जे.सी., दास, डी., पाल, ए., पाल, पी., और देव, बी.एन. (2022) Si (1 1 1)-7×7 सतहों पर स्व-संगठित एपिटैक्सियल FeSi₂ और CoSi₂ नैनोस्ट्रक्चर की क्रमिक वृद्धि। अनुप्रयुक्त भूतल विज्ञान, 572, 151397.

सम्मेलन प्रस्तुति और प्रकाशन:

शोध विद्वानों द्वारा सम्मेलनों में भागीदारी:

- शीर्षक: "स्टडी ऑफ़ फिशन डायनामिक फोल्लोविंग प्रांट गामा-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी"
लेखक सूची: अनिरुद्ध डे, डी.सी. विश्वास, ए. चक्रवर्ती, एस. मुखोपाध्याय।
स्थान: युवा वैज्ञानिक CGS-2022 कार्यशाला, इंस्टीट्यूट लाउ-लैंगविन (ILL), 38042 ग्रेनोबल, फ्रांस (ऑनलाइन-मोड),
दिनांक: 24 मार्च से 26 मार्च 2022

प्रकाशित: सम्मेलन की कार्यवाही सार पुस्तक

वेब लिंक: <https://workshops.ill.fr/event/296/contributions/798/>

[मौखिक प्रस्तुति के लिए संक्षिप्त सूची]

- शीर्षक: " देल्विंग डीप इंटू द मल्टी फसतेद फिशन मोड्स थ्रू फिशन फ्रेगमेंट स्पेक्ट्रोस्कोपी"

लेखक सूची: अनिरुद्ध डे, डीसी विश्वास, ए चक्रवर्ती, एस मुखोपाध्याय, ए के मंडल, के मंडल, बी मुखर्जी, आर चक्रवर्ती, बी एन जोशी, एल ए किनेज, एस चटर्जी, एस सामंत, एस दास, सौमिक भट्टाचार्य, आर. बानिक, एस. नंदी, आर. राउत, जी. मुखर्जी, एस. भट्टाचार्य, एस.एस. घुगरे, और ए. गोस्वामी। स्थान: 65 वां परमाणु भौतिकी संगोष्ठी, भाभा परमाणु शोध केंद्र, मुंबई - 400085, भारत (ऑफ़लाइन और ऑनलाइन-मोड दोनों),

दिनांक: 1 दिसंबर से 5 दिसंबर 2021

प्रकाशित: सम्मेलन की कार्यवाही सार पुस्तक

वेब लिंक: <http://www.sympnp.org/proceedings/32/>

[मौखिक प्रस्तुति के लिए संक्षिप्त सूची]

- शीर्षक: "गामा-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके परमाणु विखंडन गतिकी का अध्ययन"

लेखक सूची: अनिरुद्ध डे

स्थान: अफ्रीकी परमाणु भौतिकी स्कूल (एएनपीएस 2021), आई थेम्बा प्रयोगशाला, दक्षिण अफ्रीका (ऑनलाइन-मोड), दिनांक: 8 नवंबर से 12 नवंबर 2021

वेबलिंक: <https://indico.tlabs.ac.za/event/105/overview>

[मौखिक प्रस्तुति के लिए संक्षिप्त सूची]

- शीर्षक: "शीघ्र γ -रे स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके $^{236}\text{U}^*$ से विखंडन उपज माप का विश्लेषण: चुनौतियाँ, विसंगतियाँ और समाधान"

लेखक सूची: अनिरुद्ध डे, डी.सी. विश्वास, ए. चक्रवर्ती, एस. मुखोपाध्याय।

स्थान: अफ्रीकी परमाणु भौतिकी सम्मेलन (ANPC 2021), iThemba प्रयोगशाला, दक्षिण अफ्रीका (ऑफ़लाइन और ऑनलाइन-मोड दोनों),

दिनांक: 20 सितंबर से 24 सितंबर 2021

प्रकाशित: सम्मेलन की कार्यवाही सार पुस्तक

वेबलिंक: <https://indico.tlabs.ac.za/event/101/contributions/1847/>

[मौखिक प्रस्तुति के लिए संक्षिप्त सूची]

अध्याय-2

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना:

- एस्ट्रोफिजिक्स एंड कॉस्मोलॉजी लैबोरेटरी की स्थापना डॉ. बिप्लब रायचौधुरी, डॉ. सुदीप्त दास, डॉ. बिस्वजीत पांडे और डॉ. आदित्य सो मंडल ने की है। यह कोर्स वर्तमान में एमएससी के लिए पेश किया जा रहा है। सेम IV के छात्र वैकल्पिक पेपर के रूप में।

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी:

अस्मिता सेन गुप्ता

- हमारे वर्तमान शोध समूह ने विली प्रकाशकों को "एजिंग इन पॉलीमर नैनोकम्पोजिट" नामक पुस्तक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। इसके अलावा, हमारे शोध समूह से "एबीएस / पीए 6 पॉलिमर ब्लेंड स्टडीज डीएससी और पीएएलएस का उपयोग करके अध्ययन की गई एक शोध पांडुलिपि" प्रकाशन के लिए एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही पत्रिका को प्रस्तुत की गई है।

रसायनशास्त्र विभाग

रसायन विज्ञान विभाग ने अपना स्नातक कार्यक्रम 1962 में और स्नातकोत्तर कार्यक्रम 1969 में शुरू किया था। समय के साथ, विभाग हमारे देश में रसायन विज्ञान शिक्षण और शोध के प्रमुख केंद्रों में से एक बन गया है। छात्र राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं जैसे नेट, गेट, जेम, आदि में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। विभाग सक्रिय रूप से प्राकृतिक उत्पादों, सिंथेटिक कार्बनिक रसायन विज्ञान, हरित रसायन विज्ञान, सुपरमॉलेक्यूलर रसायन विज्ञान, समन्वय रसायन विज्ञान, समाधान रसायन विज्ञान के क्षेत्र में शोध में लगा हुआ है। जैव रासायनिक ऊष्मप्रवैगिकी, गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत, विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान, सैद्धांतिक और कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान, और गैर-संतुलन सांख्यिकीय यांत्रिकी। इस शैक्षणिक सत्र में विभाग ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति की पत्रिकाओं में लगभग 110 पत्र प्रकाशित किए हैं।

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

1. अर्नब रॉय (सीएसआईआर नेट, गेट)
2. अनोग घोष (यूजीसी नेट, गेट)
3. अरित्री साहा (सीएसआईआर नेट)
4. सौम्या कोनार (यूजीसी नेट, गेट)
5. राजकोमोल साहू (सीएसआईआर नेट, गेट)
6. संपदा श्यामल (सीएसआईआर नेट)
7. देवव्रत मंडल (सीएसआईआर नेट, गेट)
8. सायन गोस्वामी (सीएसआईआर नेट, गेट)
9. आदर्श साहा (सीएसआईआर नेट)
10. सौम्या कोनार (सीएसआईआर नेट, गेट)
11. महादेव रॉय (सीएसआईआर नेट)
12. अंकिता विश्वास (सीएसआईआर नेट, गेट)
13. पूजा गराई (सीएसआईआर नेट)
14. सौगत साहा (सीएसआईआर नेट, गेट, सेट)
15. पौलामी चक्रवर्ती (सीएसआईआर नेट, गेट, टीआईएफआर)
16. भास्कर भक्ति (नेट एलएस)
17. प्रिया दास (नेट एलएस)
18. अमित मंडल (नेट एलएस)
19. संचारी सरकार (नेट एलएस)

अध्याय-2

20. कौशिक मंडल (नेट एलएस)
21. राज सरकार (गेट)
22. मम्पी माजी (गेट)
23. बापन मल (यूजीसी नेट)
24. प्रांजल पाइन (नेट एलएस)
25. अविषेक मंडल (सीएसआईआर नेट)
26. सुषमा मुर्मू (सीएसआईआर नेट)

जैम 2022

1. ज्योतिर्शिखा दलाल
2. प्रवा विश्वास
3. सायन गोस्वामी
4. पौलामी घोष
5. ऋतुबंधु घोष
6. राजीव हजरा
7. राज सरकार
8. श्रेनवंती सह:
9. कल्याणी बागड़ी
10. उदिता दासी
11. राहुल नायक
12. नीलग्रिबा दास:
13. मीरू मुर्मू
14. तुहिन मंडल

छात्रों का उल्लेखनीय प्लेसमेंट:

क्रमांक सं.	नाम	जॉइनिंग इंस्टिट्यूट
1.	सुश्री श्रेयशी सेन	जेएनसीएसआर, बेंगलोर एकीकृत पीएच.डी.
2.	श्री गर्ग मंडल	आईआईएससी, बेंगलोर एकीकृत पीएच.डी.
3.	श्री सुभदीप घोष	आईआईटी कानपुर पीएच.डी.
4.	सुश्री सुदेशना मंडल	आईआईटी चेन्नई पीएच.डी.
5.	श्री शौविक मजूमदार	आईआईएससी, बेंगलोर पीएच.डी.
6.	श्री अनोग घोष	सीबीएमआर, लखनऊ पीएच.डी.
7.	सुश्री जैत्री दास	सीबीएमआर लखनऊ पीएच.डी.

8.	श्री अयान चटर्जी	सीबीएमआर लखनऊ पीएच.डी.
9.	सुश्री देबलीना मंडल	क्वीन यूनिवर्सिटी, कनाडा पीएचडी के लिए.
10.	श्री अमित मंडल	आईएसीएस, जादवपुर पीएच.डी.
11.	डॉ. मौमिता कर	एक्स-मार्सिले विश्वविद्यालय, फ्रांस पोस्ट डॉक के लिए
12.	डॉ. साधनेंदु सामंत	इंस्टीट्यूट ऑफ माइक्रोबियल केमिस्ट्री, जापान पोस्ट-डॉक

विभागीय सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं:

- 04.07.2021: डॉ. इंद्रनील भट्टाचार्य, इंजीनियरिंग विज्ञान विभाग, इलेक्ट्रो-संचार विश्वविद्यालय, जापान ने "कुशल उच्च-रिज़ॉल्यूशन आफ्टरग्लो इमेजिंग के लिए स्थायी कमरे के तापमान फॉस्फोरेसेंस" पर Google मीट के माध्यम से एक संगोष्ठी व्याख्यान दिया।
- 25.07.2021: डॉ. सुदीप्त राहा रॉय, आईआईटी दिल्ली, नई दिल्ली ने "मूल्य वर्धित यौगिकों के संश्लेषण के लिए सी (एसपी2)-एच बांड को कार्यात्मक बनाने के लिए नई तरकीबें" पर एक गूगल मीट के माध्यम से एक संगोष्ठी व्याख्यान दिया।
- 9.10.2021: डॉ. मनब चक्रवर्ती, बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी-हैदराबाद कैम्पस, हैदराबाद ने गूगल मीट के माध्यम से "मूल्य के संश्लेषण के लिए सी (एसपी2)-एच बॉन्ड को क्रियाशील करने के लिए नई तरकीबें" पर एक संगोष्ठी व्याख्यान दिया। जोड़ा गया यौगिक "उत्तेजना-उत्तरदायी सामग्री के रूप में छोटे कार्बनिक अणुओं को अनुरूप रूप से मोड़ दिया: एक सुरक्षित स्याही मुक्त पुनर्लेखन मंच"
- 13.12.2021: प्रो. स्वपन पति, जेएनसीएसआर, बेंगलुरु ने "ऊर्जा के लिए उत्प्रेरक और थर्मोइलेक्ट्रिक सामग्री मॉडलिंग: कुछ उदाहरण" पर गूगल मीट के माध्यम से एक संगोष्ठी व्याख्यान दिया।
- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि।
- शिक्षकों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया और कागजात प्रस्तुत किए
- 23.09.2021—24.09.2021: डॉ. अलकनंदा हाजरा ने एचआरडीसी, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा आयोजित एक संसाधन व्यक्ति के रूप में रसायन विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में फोटो, संश्लेषण और रसायन विज्ञान पर एक आमंत्रित वार्ता दी।
- 20.09.2021 - 24.09.2021: डॉ. अलकनंदा हाजरा ने रसायन विज्ञान विभाग द्वारा "रासायनिक और सामग्री विज्ञान में आधुनिक रुझान (एमटीसीएमएस-2021)" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में फोटो, संश्लेषण और रसायन विज्ञान पर वार्ता पर एक आमंत्रित वार्ता दी। आईसीएफएआई विश्वविद्यालय त्रिपुरा

अध्याय-2

- 8.11.2021-12.11.2021: डॉ. अलकनंदा हाजरा ने येकातेरिनबर्ग, रूस में "ड्रग्स एंड फंक्शनल मैटेरियल्स (MOSM2021) बनाने के लिए आधुनिक सिंथेटिक तरीके" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में फोटो, संश्लेषण और रसायन विज्ञान पर वार्ता पर एक आमंत्रित वार्ता दी।
- 23.09.2021 -25.09.2021: डॉ. बिधान चंद्र बाग ने रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित ऑनलाइन मोड के माध्यम से "सैद्धांतिक रसायन विज्ञान में वर्तमान रुझान (सीटीटीसी-2020)" नामक संगोष्ठी में स्टोकेस्टिक थर्मोडायनामिक्स के लिए एकीकृत दृष्टिकोण पर एक आमंत्रित वार्ता दी। सोसाइटी ऑफ मैटेरियल्स केमिस्ट्री के सहयोग से भाभा परमाणु शोध केंद्र, मुंबई
- 11.12.2021-14.12.2021: प्रो. प्रणब सरकार ने आईआईएसईआर कोलकाता द्वारा आयोजित सैद्धांतिक रसायन विज्ञान संगोष्ठी में फोटोवोल्टिक और फोटोकैटलिटिक अनुप्रयोग के लिए कार्यात्मक सामग्री के इन-सिलिको डिजाइनिंग पर एक आमंत्रित वार्ता (ऑनलाइन) दी।
- 28.02.2022-01.03.2022: प्रो. भाबातोष मंडल ने रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में होमो-फंक्शनल डायजो-एक्टिवेटेड सिलिका जेल: ए वे ऑफ रिस्टोरिंग कैटेलिटिक सस्टेनेबिलिटी पर एंजाइमों के बहु-बिंदु स्थिरीकरण पर एक आमंत्रित वार्ता दी।, टी.एम.बी.यू., भागलपुर, बिहार
- 30.03.2022-05.04.2022: प्रो. प्रणेश चौधरी ने रसायन विज्ञान विभाग, वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान, वेल्लोर द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में "फोटोक्रोमिज्म ऑफ डाई युक्त शिफ बेस-मेटल कॉम्प्लेक्स: हालिया प्रगति" पर एक आमंत्रित वार्ता दी।
- 28.02.2022- 01.03.2022: प्रो. प्रणेश चौधरी ने रसायन विज्ञान विभाग, टी.एम.बी.यू. द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "शिफ बेस-मेटल कॉम्प्लेक्स: स्पेक्ट्रो-काइनेटिक, थर्मोडायनामिक और सैद्धांतिक विश्लेषण" पर एक आमंत्रित वार्ता दी।, भागलपुर, बिहार
- 26.09.2021-30.09.2021: प्रो. गौतम ब्रह्मचारी ने भारतीय द्वारा आयोजित 27वें रसायन विज्ञान में राष्ट्रीय संगोष्ठी (सीआरएसआई एनएससी 27) में Coumarins के साथ ग्रीन-प्रेरित सिंथेटिक ड्राइव पर एक आमंत्रित पुरस्कार व्याख्यान दिया: हमारे ईमानदार प्रयासों का एक पूर्वव्यापीकरण। केमिकल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीआरएसआई), बेंगलोर के तत्वावधान में इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च कोलकाता (आईआईएसईआर कोलकाता)
- 26.10.2021-28.10.2021: प्रो. गौतम ब्रह्मचारी ने रसायन विज्ञान में हालिया प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय भौतिक विज्ञान अकादमी के 27वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में हरित रसायन विज्ञान के अभ्यास पर एक आमंत्रित वार्ता दी: Coumarin-आधारित छोटे अणुओं पर हमारे ईमानदार प्रयास भौतिक विज्ञान स्कूल, जेएनयू और रसायन विज्ञान विभाग, बीएचयू द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित विज्ञान
- 27.01.2022 -31.01.2022: प्रो. गौतम ब्रह्मचारी ने विभाग द्वारा आयोजित द प्रैक्टिस ऑफ ग्रीन केमिस्ट्री: अवर एंडेवर इन कीपिंग स्पेस विद इमर्जिंग टेक्निक्स, इमर्जिंग ट्रेंड्स इन सिंथेसिस ऑफ

केमिकल स्कैफोल्ड्स (ETSCS-2022) पर एक आमंत्रित भाषण दिया। रसायन विज्ञान, एस.वी. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सूरत

- 26.09.2021-30.09.2021: प्रो. आदिनाथ माजी ने रसायन विज्ञान में 27वें राष्ट्रीय संगोष्ठी (सीआरएसआई एनएससी 27) में एज़िरिडीन, 2एच-एज़िरिन और 4-हाइड्रॉक्सीकौमरीन की कुछ प्रतिक्रियाओं का अन्वेषण करने के लिए हमारे प्रयास पर एक आमंत्रित पुरस्कार व्याख्यान दिया। केमिकल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीआरएसआई), बेंगलोर के तत्वावधान में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च कोलकाता (आईआईएसईआर कोलकाता)
- 08.11.2021-12.11.2021: डॉ. आदिनाथ माजी ने येकातेरिनबर्ग में "ड्रग्स एंड फंक्शनल मैटेरियल्स (MOSM2021) बनाने के लिए आधुनिक सिंथेटिक तरीके" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में कुछ कार्बनिक परिवर्तनों के लिए हाइपरवैलेंट आयोडीन के साथ हमारे प्रयासों पर बातचीत पर एक आमंत्रित वार्ता दी। रूस
- 18.12.2021: डॉ. पृथ्वीदीपा साहू ने जीवित प्रणाली और पर्यावरण में कुछ खतरनाक प्रजातियों की निगरानी पर एक आमंत्रित पुरस्कार व्याख्यान दिया: विज्ञान से परे सीमा: आविष्कार, खोज, नवाचार और समाज शीर्षक वाली एक दिवसीय वेबिनार शृंखला में फ्लोरोसेंट केमोसेंसर की स्थापना "रसायन" "चिरंतन रसायन संस्था द्वारा CRS® . के प्रतिष्ठित कांस्य पदक की पेशकश करते हुए
- 24.09. 2021: डॉ. पृथ्वीदीप साहू ने जहरीले तत्वों का आसान पता लगाने पर एक आमंत्रित वार्ता दी: जगदीश बोस द्वारा एक दिवसीय वेबिनार शृंखला में फ्लोरोसेंट केमोसेंसर का परिचय राष्ट्रीय विज्ञान प्रतिभा खोज (जेबीएनएसटी)

विभाग में चल रही शोध परियोजनाएं:

- शिक्षक का नाम: प्रो. प्रणेश चौधरी
परियोजना का शीर्षक: वर्णमिति, फ्लोरोसेंट और फोटोकैमिकल जांच के लिए पानी में घुलनशील संयुग्म बहुलक का डिजाइन और संश्लेषण
प्रायोजक एजेंसियां: सीएसआईआर, नई दिल्ली
स्वीकृत राशि: रु। 18.38 लाख
परियोजना की अवधि: 2017-2021
- शिक्षक का नाम: प्रो. स्वपन के. चंद्रा
परियोजना का नाम: "मल्टीमेटेलिक यौगिकों के लिए प्लेटफॉर्म के रूप में लचीले चलेट्स की खोज: उनके संश्लेषण, विशेषता और अनुप्रयोगों के रूप में कीमो- और बायो-सेंसर पर एक विस्तृत जांच"।
प्रायोजक एजेंसियां: सीएसआईआर, नई दिल्ली

अध्याय-2

स्वीकृत राशि: लगभग। रु. 6 लाख

परियोजना की अवधि: 3 वर्ष (2019-2022)

- शिक्षक का नाम: प्रो. प्रणब सरकार
परियोजना का नाम: विद्युत रासायनिक ऊर्जा भंडारण अनुप्रयोगों के लिए सहसंयोजक कार्बनिक ढांचे (सीओएफ) की कम्प्यूटेशनल जांच
प्रायोजक एजेंसियां: सीएसआईआर, नई दिल्ली
स्वीकृत राशि: रु। 24 लाख
परियोजना की अवधि: 3 वर्ष (2021-2024)
- शिक्षक का नाम: नाज़नीन आरा बेगम
प्रोजेक्ट का नाम: अनफोल्टिंग द रोल ऑफ़ स्मॉल मॉलिक्यूल बेस्ड फ़्लोरोसेंट एंटीऑक्सिडेंट्स, मिस्फोल्टिंग ऑफ़ अमाइलॉइड प्रोटीन्स: ए स्टडी टू डिटेक्ट एंड इनहिबिट अमाइलॉइड एग्रीगेशन्स
प्रायोजक एजेंसियां: विज्ञान और प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, सरकार। पश्चिम बंगाल के
स्वीकृत राशि: रु। 4.3 लाख
परियोजना की अवधि: 3 वर्ष (2021-2024)
- शिक्षक का नाम: प्रो. आदिनाथ मजी
परियोजना का नाम: "इमिडाज़ोलियम आधारित ज़्विटेरियन और आयनिक तरल पदार्थ की तैयारी और अनुप्रयोग कार्बनिक संश्लेषण में कार्बनिक संश्लेषण में एपॉक्साइड और एज़िरिडीन रसायन विज्ञान पर हरित पहलुओं पर विशेष जोर के साथ"
प्रायोजित एजेंसी: सीएसआईआर, सरकार। भारत के रेफरी संख्या 02(0383)/19/ईएमआर-II
दिनांक 20-05-2019
स्वीकृत राशि: रु। 26 लाख
परियोजना की अवधि: 3 वर्ष (2019-2022)
- शिक्षक का नाम: डॉ अलकनंदा हाजरा
परियोजना का नाम: डाइऑक्सिन-ट्रिगर रेडिकल-आधारित ऑक्सीडेटिव डिफंक्शनलाइज़ेशन एजेंसियां: एसईआरबी, डीएसटी
स्वीकृत राशि: रु। 46 लाख
परियोजना की अवधि: 3 वर्ष (2020-23)

- शिक्षक का नाम: डॉ अलकनंदा हाजरा
परियोजना का नाम: विद्युत रासायनिक उत्पादन और ऑक्सीजन-केंद्रित रेडिकल का उपयोग
प्रायोजक एजेंसियां: सीएसआईआर, नई दिल्ली।
स्वीकृत राशि: रु। 26 लाख
परियोजना की अवधि: 2021-2024
- शिक्षक का नाम: डॉ. मो. मोतिन शेखो
परियोजना का नाम: उच्च एन्ट्रापी स्थिर कार्यात्मक ऑक्साइड का विकास: संश्लेषण, विशेषता, चुंबकीय गुण और सुपरकैपेसिटर अनुप्रयोग
प्रायोजक एजेंसियां: एसईआरबी, सरकार। भारत की।
स्वीकृत राशि: रु। 35.9 लाख
परियोजना की अवधि: 2021-2024
- शिक्षक का नाम: डॉ बुला सिंह
परियोजना का नाम: धातु-औषधि परिसर: संश्लेषण, लक्षण वर्णन और अनुप्रयोग, एक अभिन्न दृष्टिकोण
प्रायोजक एजेंसी: डीएसटी, नई दिल्ली
स्वीकृत राशि : रु. 18 ली
परियोजना की अवधि: 3 वर्ष (2018-2021)
- शिक्षक का नाम: डॉ. सुदीप कुमार मंडल
परियोजना का नाम: न्यू लैंथेनाइड युक्त फोटोफिजिक्स और कुछ अन्य धातु कार्बनिक यौगिक और ऑप्टिकल उपकरणों के लिए इसका अनुप्रयोग
प्रायोजक एजेंसियां: सीएसआईआर, भारत।
स्वीकृत राशि: रु। 20 ली
परियोजना की अवधि: 2021-2024
- शिक्षक का नाम: डॉ विश्वजीत डे
परियोजना का नाम: कार्यात्मक सुपरमॉलेक्यूलर धातु-कार्बनिक क्रिस्टल और जेल सामग्री के विभिन्न अनुप्रयोगों की खोज
प्रायोजक एजेंसियां: डीएसटी, डब्ल्यूबी
स्वीकृत राशि: रु। 3.9 लाख
परियोजना की अवधि: 3 वर्ष (2020-2023)

अध्याय-2

- शिक्षक का नाम: डॉ पृथ्वीदीप साहू
परियोजना का नाम: पानी में घुलनशील फ्लोरोसेंट केमोसेंसर: प्यूरीन, पाइरीडीन डेरिवेटिव और न्यूक्लियोटाइड के साथ विशिष्ट मान्यता के लिए उनके जैविक अनुप्रयोग का डिजाइन, संश्लेषण और अन्वेषण
प्रायोजक एजेंसियां: सीएसआईआर, भारत।
स्वीकृत राशि: रु। 22 लाख
परियोजना की अवधि: 2019-2022
- शिक्षक का नाम: डॉ पृथ्वीदीप साहू
परियोजना का नाम: चिकित्सीय रुचि के महत्वपूर्ण प्रोटीन को लक्षित और/या लेबल करने के लिए उपन्यास फ्लोरोसेंट केमोसेंसर का डिजाइन और संश्लेषण
प्रायोजक एजेंसियां: एसईआरबी, भारत।
स्वीकृत राशि: रु। 51.5 लाख
परियोजना की अवधि: 2021-2024

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया।

- कोविड की स्थिति के कारण, कोई विभागीय विस्तार गतिविधियाँ नहीं थीं।

शिक्षकों/विद्वानों या विभाग द्वारा समग्र रूप से प्राप्त शैक्षणिक उत्कृष्टता (जैसे डी.एस.ए या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता)

- डॉ. अलकनंदा हाजरा को ऑर्गेनिक केमिस्ट्री सेक्शन - 2021 में "भारत के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की विश्व रैंकिंग में विशेष रूप से प्रदर्शित" किया गया है।
- डॉ. अलकनंदा हाजरा "रसायन विज्ञान के क्षेत्र में शीर्ष 1000 वैज्ञानिक" रहे हैं <https://research.com/scientists-rankings/chemistry>। रैंकिंग में 6 दिसंबर, 2021 को एकत्र किए गए एच-इंडेक्स, प्रकाशन और उद्धरण मूल्य शामिल हैं। वर्ड रैंकिंग: 11134; राष्ट्रीय रैंकिंग: 177; एच-इंडेक्स: 44; उद्धरण: 7514. (Google विद्वान में वर्तमान एच-इंडेक्स: 49, उद्धरण: 8215; <https://scholar.google.co.in/citations?user=INjINy4AAAAJ&hl=hi>)
- डॉ. अलकनंदा हाजरा को विश्वविद्यालय में सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक के रूप में "विज्ञापन वैज्ञानिक सूचकांक 2022 विश्व रैंकिंग में वैज्ञानिकों" में शामिल किया गया है <https://www.adscientificindex.com/scientist.php?id=4324436>
- प्रो. प्रणेश चौधरी संपादकीय सलाहकार बोर्ड, जर्नल ऑफ पॉलिमर मैटेरियल्स (2016 से अब तक) के सदस्य के रूप में कार्यरत रहे हैं।

- प्रो. गौतम ब्रह्मचारी को सीआरएसआई (केमिकल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया) कांस्य पदक 2021 (बैंगलोर, भारत) से सम्मानित किया गया है।
- प्रो. गौतम ब्रह्मचारी को स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए के विशेषज्ञों द्वारा बनाए गए 2021 डेटाबेस (प्रकाशित: 19 अक्टूबर 2021) में "शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की विश्व रैंकिंग की सूची में विशेष रूप से प्रदर्शित" किया गया है (दोनों सूचियों में: संपूर्ण कैरियर, और एकल नवीनतम वर्ष) – 2021
- प्रो. गौतम ब्रह्मचारी को "एडी साइंटिफिक इंडेक्स 2022 में चित्रित किया गया" वैज्ञानिकों की विश्व रैंकिंग-2021
- प्रो. गौतम ब्रह्मचारी, एल्सेवियर बुक सीरीज़ (प्राकृतिक उत्पाद ड्रग डिस्कवरी) में एक संपादक के रूप में कार्यरत रहे हैं।
- प्रो. गौतम ब्रह्मचारी वर्तमान हरित रसायन विज्ञान के लिए एक सहयोगी संपादक के रूप में कार्यरत रहे हैं

प्रकाशन/ पुस्तकें:

- जी ब्रह्मचारी, (2021) प्राकृतिक उत्पादों से स्तन कैंसर रोधी एजेंटों की खोज और विकास (प्राकृतिक उत्पाद ड्रग डिस्कवरी सीरीज़ - वॉल्यूम 5), एल्सेवियर, मई 2021, आईएसबीएन: 9780128212776
- सरकार, पी. और ए.पी. भट्टाचार्य, (2022), "परमाणुओं, अणुओं और सामग्री के गुणों को समझना", आईएसबीएन: 9781000504439, 1000504433, सीआरएस प्रेस, टेलर और फ्रांसिस।
- दास, असीम के , (2021), "फंडामेंटल कॉन्सेप्ट्स ऑफ़ इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री", आईएसबीएन: 978-93-89688-02-3, सीबीएस पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा। लिमिटेड, वॉल्यूम 2, तीसरा एड।
- दास, असीम के , (2022), "फंडामेंटल कॉन्सेप्ट्स ऑफ़ इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री", आईएसबीएन: 978-93-90709-11-3, सीबीएस पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा। लिमिटेड, वॉल्यूम 3ए, तीसरा एड।
- दास, असीम के , (2021), "फंडामेंटल कॉन्सेप्ट्स ऑफ़ इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री", आईएसबीएन: 978-93-90709-12-0, सीबीएस पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा। लिमिटेड, वॉल्यूम 3बी, तीसरा एड।
- पुस्तक अध्याय: • गौतम ब्रह्मचारी (2021), ऑर्गनोफॉस्फोरस रसायन विज्ञान में ग्रीन सिंथेटिक दृष्टिकोण: हाल के विकास, में। आरएससी विशेषज्ञ आवधिक रिपोर्ट - ऑर्गनोफॉस्फोरस केमिस्ट्री - वॉल्यूम। 50, संपादक: डेविड डब्ल्यू एलन, डेविड लोक्स, जॉन टेबी, पीपी। 469-483. डीओआई: 10.1039/9781839163814-00467
- जी. ब्रह्मचारी (2021), एपोथिलोन ए और बी: 16-सदस्यीय प्राकृतिक मैक्रोलाइड्स एंटीब्रेस्ट कैंसर ड्रग डिस्कवरी के लिए एक आकर्षक टेम्पलेट के रूप में। में। प्राकृतिक उत्पाद ड्रग डिस्कवरी सीरीज़- वॉल्यूम। 5: प्राकृतिक उत्पादों से स्तन कैंसर रोधी एजेंटों की खोज और विकास। शृंखला और खंड संपादक: गौतम ब्रह्मचारी, एल्सेवियर इंक., एल्सेवियर इंक., एमस्टर्डम, नीदरलैंड, 2021

अध्याय-2

(आईएसबीएन: 978-0-12-821277-6), पीपी. 7-28। डीओआई: <https://doi.org/10.1016/B978-0-12-821277-6.00002-7>

- जी. ब्रह्मचारी (2021), प्राकृतिक उत्पादों से स्तन कैंसर रोधी एजेंटों की खोज और विकास: एक सिंहावलोकन। में। प्राकृतिक उत्पाद ड्रग डिस्कवरी सीरीज-वॉल्यूम। 5: प्राकृतिक उत्पादों से स्तन कैंसर रोधी एजेंटों की खोज और विकास। शृंखला और खंड संपादक: गौतम ब्रह्मचारी, एल्सेवियर इंक., एल्सेवियर इंक., एम्स्टर्डम, नीदरलैंड, 2021 (आईएसबीएन: 978-0-12-821277-6), पीपी. 1-6. डीओआई: <https://doi.org/10.1016/B978-0-12-821277-6.00001-5>
- जी. ब्रह्मचारी (2021), जलीय मीडिया में जैविक रूप से प्रासंगिक 2-एमिनो-4एच-पाइरान और 2-एमिनो-4एच-पाइरान-एन्युलेटेड हेट्रोसायकल के लिए ग्रीन सिंथेटिक दृष्टिकोण, सी-11 इन: जैविक रूप से प्रासंगिक हेट्रोसायकल के लिए ग्रीन सिंथेटिक दृष्टिकोण, वॉल्यूम। 2: ग्रीन कैटेलिटिक सिस्टम्स एंड सॉल्वेंट्स, गौतम ब्रह्मचारी (संपादक), एल्सेवियर इंक, एल्सेवियर इंक, एम्स्टर्डम, नीदरलैंड्स, 2021 (आईएसबीएन: 978-0-12-820792-5), पीपी। 471-504। डीओआई: <https://doi.org/10.1016/B978-0-12-820792-5.00016-0>
- जी. ब्रह्मचारी (2021), जैविक रूप से प्रासंगिक हेट्रोसायकल के लिए ग्रीन सिंथेटिक दृष्टिकोण: ग्रीन कैटेलिटिक सिस्टम और सॉल्वेंट्स - एक अवलोकन, Ch-1 इन: जैविक रूप से प्रासंगिक हेट्रोसायकल के लिए ग्रीन सिंथेटिक दृष्टिकोण, वॉल्यूम। 2: ग्रीन कैटेलिटिक सिस्टम्स एंड सॉल्वेंट्स, गौतम ब्रह्मचारी (संपादक), एल्सेवियर इंक, एल्सेवियर इंक, एम्स्टर्डम, नीदरलैंड्स, 2021 (आईएसबीएन: 978-0-12-820792-5), पीपी.1-9. डीओआई: <https://doi.org/10.1016/B978-0-12-820792-5.00001-9>
- जी. ब्रह्मचारी (2021), कमरे के तापमान पर जैविक रूप से प्रासंगिक हेट्रोसायकलिक मचानों के संश्लेषण के लिए स्व-उत्प्रेरक तकनीक: हाल ही में अद्यतन, Ch-16 इन: जैविक रूप से प्रासंगिक हेट्रोसायकल के लिए ग्रीन सिंथेटिक दृष्टिकोण, वॉल्यूम। 1: उन्नत सिंथेटिक तकनीक, गौतम ब्रह्मचारी (संपादक), एल्सेवियर इंक, एम्स्टर्डम, नीदरलैंड, 2021 (आईएसबीएन: 978-0-12-820586-0), पीपी। 563-587. डीओआई: <https://doi.org/10.1016/B978-0-12-820586-0.00001-7>
- जी. ब्रह्मचारी (2021), जैविक रूप से प्रासंगिक हेट्रोसायकल के लिए ग्रीन सिंथेटिक दृष्टिकोण: उन्नत सिंथेटिक तकनीक - एक अवलोकन, अध्याय -1 इन: जैविक रूप से प्रासंगिक हेट्रोसायकल के लिए ग्रीन सिंथेटिक दृष्टिकोण, वॉल्यूम। 1: उन्नत सिंथेटिक तकनीक, गौतम ब्रह्मचारी (संपादक), एल्सेवियर इंक, वाल्थम, एमए, यूएसए, 2014 (आईएसबीएन: 978-0-12-820586-0), पीपी.1-8। डीओआई: <https://doi.org/10.1016/B978-0-12-820586-0.00011-X>
- प्रमाणिक, एस. घोषाल, और सरकार, पी. (2022), "छोटे अणुओं के उत्प्रेरक सक्रियण के लिए नैनोक्लस्टर डिजाइन करना: एक सैद्धांतिक प्रयास" ने "असामान्य संरचना, बंधन और

प्रतिक्रियाशीलता के साथ परमाणु क्लस्टर: सैद्धांतिक दृष्टिकोण, कम्प्यूटेशनल आकलन" में पुस्तक अध्याय में योगदान दिया। और अनुप्रयोग", एल्सेवियर साइंस पब्लिशिंग इंक।

- अलकनंदा हाजरा (2021), आयरन-उत्प्रेरित सी-एच फंक्शनलाइजेशन टू फॉर्म सी-सी और हेटेरोटॉम बॉन्ड्स (हैंडबुक ऑफ सीएच-फंक्शनलाइजेशन: सीएचएफ; विली-वीसीएच, 2021)
- एस. कुंडू, एस. साहा और पी. साहू, (2022) "समुद्र के पानी और मिट्टी में डीसीएनपी (नर्व गैस मिमिक) को पहचानने के लिए एक आसान जांच उपकरण: एक बेहतर पर्यावरण बनाने के लिए जागरूकता" (आईएसबीएन: 978-93- 5547-477-3) (रसायन विज्ञान और जैव रसायन में नए नवाचार खंड 7), बीपी इंटरनेशनल।

सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं में शोध पत्र (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय):

- भट्टाचार्य, एस., लारु, एस., और हाजरा, ए. (2022), कोसर के अभिकर्मकों का उपयोग करके 2H-indazoles का दूरस्थ विवर्तन। रासायनिक संचार, 58(7), 981-984।
- घोष, डी., घोष, एस., घोष, ए., पाइन, पी., मजूमदार, पी., और हाजरा, ए. (2022), इंडाज़ोल और पायराज़ोल का दृश्यमान प्रकाश प्रेरित क्रियाशीलता: एक हालिया अपडेट। रासायनिक संचार, 58(28), 4435-4455.
- घोष, ए., पाइन, पी., घोष, एस., घोष, डी., मजूमदार, एस., और हाजरा, ए. (2022), दृश्यमान-प्रकाश-प्रेरित धातु-मुक्त युग्मन C(sp³)-H स्रोतों के साथ Heteroarenes। ग्रीन केमिस्ट्री, 24(8), 3056-3080।
- लारु, एस., भट्टाचार्य, एस., और हाजरा, ए. (2021), रूथेनियम-उत्प्रेरित ऑर्थो सी-एच बॉन्ड के माध्यम से इंडोलो [2,3-बी] क्विनॉक्सालाइन का एक-पॉट निर्माण सल्फोनील एज़ाइड्स के साथ 2-आरिलक्विनॉक्सालाइन का कार्यात्मककरण। कार्बनिक पत्र, 23(19), 7624-7629.
- नियोगी, एस., घोष, ए.के., मंडल, एस., घोष, एस., घोष, डी., और हाजरा, ए. (2021), आयरन और विज़िबल-लाइट फोटोकैटलिसिस को मिला कर एल्केन्स का श्री-कंपोनेंट कार्बोसिलिलेशन। कार्बनिक पत्र, 23(16), 6510-6514।
- घोष, पी., और हाजरा, ए. (2021), एन-फ्लोरोबेंजिनसल्फोनीमाइड का उपयोग करके 2H-Indazoles का फ्लोरिनेशन। द जर्नल ऑफ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, 86(15), 10883-10888।
- भट्टाचार्य, एस., लारु, एस., घोष, पी., और हाजरा, ए. (2021), पोटेशियम पर्सल्फेट मध्यस्थता केमोडायवर्जेंट सी -3 डीएमएसओ के साथ 2 एच-इंडाज़ोल का कार्यात्मककरण सी 1 स्रोत के रूप में। द जर्नल ऑफ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, 86(15), 10866-10873.
- घोष, ए.के., दास, के., और हाजरा, ए. (2021), मैंगनीज-उत्प्रेरित सी-एच बांड सक्रियण के माध्यम से विनील चक्रीय कार्बोनेट और डायलील कार्बोनेट के साथ 2-आरिलिंडाज़ोल का ऑर्थो-एलिलेशन। उन्नत संश्लेषण और कटैलिसिस, 363(21), 4974-4981.

अध्याय-2

- घोष, डी., घोष, एस., और हाजरा, ए. (2021), इमिडाज़ोपाइरीडीन और इंडाज़ोल का इलेक्ट्रोकेमिकल फंक्शनलाइज़ेशन: एक सिंहावलोकन। उन्नत संश्लेषण और कटैलिसिस, 363(22), 5047-5071.
- लाई, डी., घोष, एस., और हाजरा, ए. (2021), प्रकाश-प्रेरित बोरिलेशन: विकास और यंत्रवत अंतर्दृष्टि। कार्बनिक और जैव-आणविक रसायन विज्ञान, 19(20), 4397-4428।
- मल्लिक, टी., कर्मकार, ए., कर, एम., दत्ता, एस., मंडल, एस.के., मंडल, डी., प्रमाणिक, ए., और बेगम, एन.ए. (2022), कार्बाज़ोल से सजाए गए फ्लोरोसेंट सीडीएस क्वांटम डॉट्स: एक संभावित प्रकाश-कटाई सामग्री। जर्नल ऑफ फिजिक्स एंड केमिस्ट्री ऑफ सॉलिड्स, 164, 110603.
- कर्मकार, ए., मल्लिक, टी., फ़ौज़डर, सी., मुखुटी, ए., मंडल, एस., कुंडू, आर., और बेगम, एन.ए. (2022), ऑन्कोजेनिक प्रोटीन-प्रोटीन इंटरैक्शन को संशोधित करने में फ्लेवोनोइड आधारित छोटे अणुओं की भूमिका को समझना: चिकित्सीय शस्त्रागार के लिए एक खोज। जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1248, 131511.
- मल्लिक, टी., कर्मकार, ए., मुखुटी, ए., फ़ौज़डर, सी., मंडल, जे., मंडल, एस., प्रमाणिक, ए., कुंडू, आर., और बेगम, एन.ए. (2021), टाइप 2 मधुमेह में अमाइलॉइड एकत्रीकरण के निषेध की ओर फ्लोरोसेंट कार्बाज़ोल एनालॉग्स की प्रवृत्ति: एक प्रायोगिक और सैद्धांतिक प्रयास। द जर्नल ऑफ फिजिकल केमिस्ट्री बी, 125 (37), 10481-10493.
- कर्मकार, ए., मल्लिक, टी., प्रमाणिक, ए., मंडल, डी., और बेगम, एन.ए. (2021), चिकित्सीय क्षमता वाले एंटीऑक्सिडेंट-लिपटे ग्राफीन-आधारित फ्लोरोसेंट नैनोमैटिरियल्स के विकास की ओर: एक संयुक्त प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक अध्ययन। कार्बन ट्रेण्ड्स, 4, 100042.
- मंडल, एस., कर्मकार, ए., मल्लिक, टी., और बेगम, एन.ए. (2021), SARS-CoV-2 स्पाइक ग्लाइकोप्रोटीन मध्यस्थता झिल्ली संलयन के निषेध की दिशा में प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले बाइफ्लेवोन आधारित एंटीऑक्सिडेंट की प्रभावकारिता की खोज करना। वायरोलॉजी, 556, 133-139.
- ऑर्टेमेव, जी.ए., रुसिनोव, वी.एल., कोपचुक, डी.एस., सवचुक, एम.आई., संतरा, एस., उलोम्स्की, ई., ज़ायर्यानोव, जी.वी., माजी, ए., डू, डब्ल्यू., चारुशिन, वी., और चुपखिन, ओ.एन. (2022), 1, 2, 4-ट्रायज़ोलो [5, 1-सी] [1, 2, 4] ट्रायज़िन-7-वन्स के लिए सिंथेटिक दृष्टिकोण, सार्स-सीओवी 2 के खिलाफ सक्रिय एंटीवायरल ड्रग रियामिलोविर ("ट्रायज़विरिन®") के मूल हेट्रोसायक्लिक संरचनाओं के रूप में (COVID-19), कार्बनिक और जैव-आणविक रसायन विज्ञान, 20 (9), 1828-1837.
- डी, ए, और माजी, ए (2022), विभिन्न कार्यात्मक 2H-azirines का संश्लेषण: एक अद्यतन पुस्तकालय, हेट्रोसायक्लिक रसायन विज्ञान की पत्रिका, 59 (3), 422-448।

- पाल, एस., चटर्जी, आर., संतरा, एस., ज़ायर्यानोव, जी.वी., और माजी, ए. (2021), मेटल-फ्री, PhI (OAc) 2-प्रमोटेड ऑक्सीडेटिव C (sp²)-H डिफंक्शनलाइज़ेशन: थायोमिनेटेड नेफथोक्विनोन का संश्लेषण। उन्नत संश्लेषण और कटैलिसिस, 363(23), 5300-5309.
- चक्रवर्ती, डी., डैम, टी., मोदक, ए., पंत, के.के., चंद्रा, बी.के., माजी, ए., घोष, ए., और भौमिक, ए. (2021), लिथियम आयन बैटरी के लिए एक कुशल एनोड सामग्री के रूप में उपन्यास क्रिस्टलीय नैनोपोरस आयरन फॉस्फोनेट आधारित धातु-कार्बनिक ढांचा। न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 45, 15458-15468।
- तानिया, ओ.एस., कोपचुक, डी.एस., खासनोव, ए.एफ., कोवालेव, आई.एस., संतरा, एस., ज़ायर्यानोव, जी.वी., माजी, ए., चारुशिन, वी.एन., और चुपखिन, ओ.एन. (2021), 2, 2': n', m - terpyridine डोमेन (n = 3, 4, 5, 6; m = 2, 3, 4) के सिंथेटिक दृष्टिकोण और सुपरमॉलेक्यूलर गुण 2, 2'-bipyridine कोर पर लिगेंड के रूप में आधारित हैं। k₂N-bidentate समन्वय मोड के साथ। समन्वय रसायन विज्ञान समीक्षा, 442, 213980।
- सरकार, एस., चटर्जी, आर., पाल, एस., और माजी, ए. (2021), विभिन्न आयोडीन स्रोतों का उपयोग करके α , β -असंतृप्त केटोन्स के प्रत्यक्ष डायमिनेशन के लिए हल्के, कुशल और धातु-मुक्त रणनीतियाँ। रसायन विज्ञान चयन, 6, 6484-6488।
- डी, ए., सरकार, एस. और माजी, ए. (2021), एंटीवायरल गुणों के साथ हेट्रोसायक्लिक यौगिकों पर हालिया प्रगति। विषमचक्रीय यौगिकों का रसायन, 57, 410-416.
- सरकार, एस., चटर्जी, आर., मुखर्जी, ए., मुखर्जी, डी., मंडल, एन.सी., महतो, एस., संतरा, एस., ज़ायर्यानोव, जी.वी., और माजी, ए. (2021), 4-हाइड्रॉक्सी-3-थियोमिथाइलकौमरिन का यांत्रिक रासायनिक संश्लेषण और रोगाणुरोधी अध्ययन, इमिडाज़ोलियम ज़िचटरियोनिक पिघला हुआ नमक का उपयोग ऑर्गनोकैटलिस्ट के रूप में। एसीएस सस्टेनेबल केमिस्ट्री एंड इंजीनियरिंग। 9, 5567-5569.
- दास, जे., और बैग, बी.सी. (2021), एक चुंबकीय क्षेत्र और समय पर निर्भर बल क्षेत्रों में गैर-मार्कोवियन हार्मोनिक ऑसीलेटर पर टिप्पणी करें। शारीरिक समीक्षा ई, 10(4), 046101.
- फ्रिक, सी।, राजबंशी, बी।, वॉकर, ई। ए., तेरेजानू, जी।, और हेडन, ए. (2022), प्लेटिनम उत्प्रेरकों पर प्रोपेन डिहाइड्रोजनीकरण: बायसियन विश्लेषण के माध्यम से सक्रिय साइटों की पहचान करना। एसीएस कटैलिसिस, 12(4), 2487-2498।
- राजबंशी, बी।, यांग, डब्ल्यू।, योंग, ए., कुंडू, एस.के., फ्रिक, सी।, और हेडन, ए. (2021), एक घन (111) सतह पर प्रोपेनोइक एसिड के उत्प्रेरक हाइड्रोडीऑक्सीजनेशन की कम्प्यूटेशनल जांच। द जर्नल ऑफ फिजिकल केमिस्ट्री सी, 125(35), 19276-19293.

अध्याय-2

- घोष, ए., पाल, एस., और सरकार, पी. (2022), ली और ना आयन बैटरी के लिए कुशल कैथोड सामग्री के रूप में द्वि-आयामी झरझरा बोरॉन फॉस्फाइड का तर्कसंगत डिजाइन: एक प्रथम-सिद्धांत अध्ययन। *द जर्नल ऑफ़ फिजिकल केमिस्ट्री सी*, 126(11), 5092-5100।
- रॉय, पी., प्रमाणिक, ए., और सरकार, पी. (2022), संयुग्मित ओलिगोफेनिलीन में पोलरोन प्रेरित चालन स्विचिंग: एक प्रथम-सिद्धांत विश्लेषण। *द जर्नल ऑफ़ फिजिकल केमिस्ट्री ए*, 126(2), 318-324।
- बॉल, बी., दास, पी., और सरकार, पी. (2021), मोलिब्डेनम परमाणु-मध्यस्थ सैल्फेन-आधारित सहसंयोजक कार्बनिक ढांचा नाइट्रोजन कमी प्रतिक्रिया के लिए एक आशाजनक इलेक्ट्रोकेटलिस्ट के रूप में: एक प्रथम-सिद्धांत अध्ययन। *द जर्नल ऑफ़ फिजिकल केमिस्ट्री सी*, 125(47), 26061-26072.
- रॉय, पी., प्रमाणिक, ए., और सरकार, पी. (2021), डुअल-सिलिकॉन-डॉप्ड ग्रेफाइटिक कार्बन नाइट्राइड शीट: यूरिया संश्लेषण के लिए एक कुशल धातु-मुक्त इलेक्ट्रोकेटलिस्ट। *द जर्नल ऑफ़ फिजिकल केमिस्ट्री लेटर*, 12(44), 10837-10844।
- कर, एम., घोष, ए. सरकार, आर., पाल, एस., और सरकार, पी. (2021), फोटोवोल्टिक अनुप्रयोगों के लिए एरीन और फंक्शनलाइज्ड एरीन आधारित दो आयामी कार्बनिक-अकार्बनिक हाइब्रिड पेरॉक्साइड्स। *कम्यूटेशनल केमिस्ट्री जर्नल*, 42(27), 1982-1990।
- घोष, ए., कर, एम., मजूमदार, सी., और सरकार, पी. (2021), सीआरसी मोनोलेयर्स की इलेक्ट्रॉनिक संरचना और परिवहन गुणों की जांच के लिए प्रथम-सिद्धांत गणना: स्पिट्रॉनिक अनुप्रयोग के लिए एक नया क्षितिज। *सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग बी*, 272, 115379.
- मुखोपाध्याय, एस., सरकार, ए., घोषाल, एस., सरकार, पी., धारा, के., और चट्टोपाध्याय, पी. (2021), ब्लू बॉक्स के अंदर पानी में डोनर-स्वीकर्ता स्टेनहाउस एडक्ट आइसोमर का एनकैप्सुलेशन और स्थिरीकरण: एक संयुक्त प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक दृष्टिकोण। *द जर्नल ऑफ़ फिजिकल केमिस्ट्री बी*, 125(26), 7222-7230।
- बॉल, बी., और सरकार, पी. (2021) Zn-आयन बैटरी के लिए कैथोड सामग्री के रूप में बेहतर विद्युत रासायनिक प्रदर्शन के लिए फेनेथ्रोलाइन-आधारित सहसंयोजक कार्बनिक ढांचे के संरचनात्मक कंकाल को ट्यून करना: एक सैद्धांतिक अन्वेषण। *भौतिक रसायन विज्ञान रासायनिक भौतिकी*, 23(22), 12644-12653.
- सरकार, आर., कर, एम., हबीब, एम., झाउ, जी., फ्रौएनहाइम, थ।, सरकार, पी., पाल, एस., और प्रेज़्डो, ओ. वी. (2021). सामान्य दोष चार्ज पृथक्करण को तेज करते हैं और सीएनटी/अणु कंपोजिट में पुनर्संयोजन को कम करते हैं: परमाणु क्वांटम गतिकी। *द जर्नल ऑफ़ द अमेरिकन केमिकल सोसाइटी*, 143(17), 6649-6656.

- चौधरी, ए., विश्वास, एस., घोषाल, एस., प्रमाणिक, ए., और सरकार, पी. (2021), एरिल कार्बोनिट्स के कुशल डीकार्बोनाइलेशन के लिए फोटो-रेडॉक्स युग्मित सह-पिनसर कॉम्प्लेक्स: एक क्वांटम रासायनिक जांच। *आणविक कटैलिसिस*, 507, 111553.
- हुई, एस., माजी, पी., सिंघा, डी.के., डागा, पी., मंडल, एस.के., और महता, पी. (2021), हाइड्रॉक्सिल-फंक्शनल ल्यूमिनसेंट मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क आधारित फॉस्फोर की पीएच प्रतिक्रिया। *न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री*, 45(21) 9394।
- डागा, पी., मन्ना, पी., माजी, पी., सिंघा, डी.के., हुई, एस., घोष, ए.के., महता, पी., और मंडल, एस.के. (2021), एक Zn (ii) आधारित धातु-कार्बनिक समन्वय बहुलक की प्रतिक्रिया त्रिसंयोजक धातु आयनों (Al^{3+} , Fe^{3+} और Cr^{3+}) की ओर स्पेक्ट्रोस्कोपिक विधियों द्वारा जांच की जाती है। *डाल्टन लेनदेन*, 50(21) 7388।
- माजी, पी., सिंघा, डी.के., डागा, पी., हुई, एस., महता, पी., और मंडल, एस.के. (2021), कमरे के तापमान फॉस्फोरसेंट सीडी (ii) आधारित एमओएफ का फोटोफिजिकल अध्ययन और पानी में एचजी 2^{+} आयनों के अनुपातमितीय पता लगाने की दिशा में इसका अनुप्रयोग। *क्रिस्टल इंजीनियरिंग कम्युनिकेशन*, 23(23), 4160-4168।
- डागा, पी., हुई, एस., सरकार, एस., माजी, पी., सिंघा, डी.के., महता, पी., और मंडल, एस.के. (2022), (4966)2 (4462)3 टोपोलॉजी के साथ हाइड्रोजन बंधुआ त्रि-आयामी धातु-कार्बनिक यौगिक में यूरोपियम का पीएच निर्भर संवेदीकरण: ल्यूमिनेसिसेंस अनुमापन और समय-समाधान अध्ययन। *सामग्री अग्रिम*, 3(2), 1182-1190।
- सिंह, बी, और दास, आर.एस. (2021), जलीय-एसिड मीडिया में एनएडीएच और एनएडीएचएक्स द्वारा बाध्य-सुपरऑक्साइड के लिए पीसीईटी: एक गतिज निरीक्षण। *जर्नल ऑफ केमिकल साइंसेज*, 133(4), 1-9.
- सिंह, बी., और दास, आर.एस. (2021), एमएन (IV) 3 कॉम्प्लेक्स द्वारा एसिटामिनोफेन और कैफीन के ऑक्सीकरण पर काइनेटिक अंतर्दृष्टि। *संक्रमण धातु रसायन विज्ञान*, 46(7), 565-573.
- मुखर्जी, ए., घोष, एस., घोष, एस., महतो, एस., पाल, एम., सेन, एस.के., माजी, ए., और सिंह, बी. (2022), मल्टीस्पेक्ट्रोस्कोपिक अध्ययनों के माध्यम से बछड़ा थाइमस डीएनए द्वारा संश्लेषित हैलोजेनेटेड चेलकोन की आणविक पहचान और यौगिकों की कैंसर-विरोधी, जीवाणु-विरोधी गतिविधि का विश्लेषण। *जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स*, 337, 116504.
- रॉय, डी., आरिफ, एस.के. एमडी, और घोष, एम।, (2021), एडियाबेटिक स्विचिंग अमंग क्वांटम डॉट आइजेनस्टेट्स: रोल ऑफ़ एनहार्मोनिकिटी एंड गॉसियन व्हाइट नॉइज़। *फिजिका स्टेटस सॉलिडी बी - बेसिक सॉलिड स्टेट फिजिक्स*, 258 (11), 2100295, पीएसएस 60 वीं वर्षगांठ विशेष अंक।

अध्याय-2

- आरिफ, एस.के. एमडी, रॉय, डी।, और घोष, एम। (2022), डोपेड क्वांटम डॉट्स में अशुद्धता-संग्राहक राज्यों के बीच क्वांटम एडियाबेटिक स्विचिंग की खोज: गाऊसी सफेद शोर की भूमिका। फिजिका बी: कंडेंस्ड मैटर, 625, 413477.
- आरिफ, एस.के. एमडी, बेरा, ए., रॉय, डी।, और घोष, एम। (2022), गॉसियन व्हाइट नॉइज़ के अधीक्षण के तहत अशुद्धता डोपेड क्वांटम डॉट्स के समूह सूचकांक का विश्लेषण। यूरोपीय भौतिक जर्नल बी, 95, 21.
- आरिफ, एस.के. एमडी, रॉय, डी।, और घोष, एम। (2022), क्वांटम डॉट के कुछ भौतिक गुणों पर शोर-एहामॉनिकिटी इंटरप्ले का प्रभाव। फिजिका स्टेटस सोलिडी बी - बेसिक सोलिड स्टेट फिजिक्स, 259 (2), 2100497.
- कर्मकार, आई।, और ब्रह्मचारी, जी। (2022), डायहाइड्रोफ्यूरो का इलेक्ट्रोकेमिकल और मैकेनोकेमिकल संश्लेषण [3,2-सी] क्रोमोनोन इंद्रामोल्युलर सीएसपी3-एच क्रॉस-डिहाइड्रोजनेटिव ऑक्सीजनेशन वार्फरिन फ्रेमवर्क के भीतर: एक कुशल और सीधा दोहरा दृष्टिकोण। ग्रीन केमिस्ट्री, 24(7), 2825-2838। (ग्रीन केमिस्ट्री में 2022 हॉट आर्टिकल के रूप में चयनित)
- मंडल, एम., और ब्रह्मचारी, जी. (2022), Csp3-H क्रियाशीलता के माध्यम से दृश्यमान प्रकाश-प्रचारित इंद्रामोल्युलर सीओ बांड गठन: बायोरेलेवेंट डायहाइड्रोफ्यूरो [3,2-सी] क्रोमोनोन डेरिवेटिव के लिए एक सीधा सिंथेटिक मार्ग। द जर्नल ऑफ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, 87(7), 4777-4787.
- ब्रह्मचारी, जी., और कर्मकार, आई. (2022), 2-हाइड्रॉक्सीफेनिलटेड- α -ketoamides के दृश्यमान प्रकाश-चालित और सिंगलेट ऑक्सीजन-मध्यस्थता संश्लेषण 4-हाइड्रॉक्सीकौमरिन के डीकार्बोक्साइलेटिव संशोधन के माध्यम से। एशियन जर्नल ऑफ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, 11(3), e202100800।
- ब्रह्मचारी, जी., मंडल, एम., और कर्मकार, आई. (2022), प्रतिस्थापित 3-[3-(2-हाइड्रॉक्सीफेनिल)-3-ऑक्सो-1-एरिलप्रोपाइल]-4-हाइड्रॉक्सीकाउमरिन के रेसमिक संस्करण का सरल और सीधा संश्लेषण: बायोरेलेवेंट वार्फरिन एनालॉग्स की एक शृंखला के लिए आसान पहुंच। संश्लेषण, 54(2), 451-464।
- 52. हुबा, एम।, नूरजामल, के।, काराज़ो, ए., नायक, एन।, कार्लिकोवा, जे।, अप्लोवा, एल।, कर्माकर, आई।, परवीन, एस., फादरेरसादा, जे।, मैककोवा, के।।, म्लादिन्का, पी।, और ब्रह्मचारी, जी। (2022), एंटीप्लेटलेट दवाओं के रूप में सिंथेटिक हेट्रोसायक्लिक यौगिकों की स्क्रीनिंग। औषधीय रसायन विज्ञान, 18(5), 536-543.
- एलेक्सोपोलोस, एस., गकोस्कौ, ए., स्ट्रावोडिमोस, जी।, त्सगकाराकौ, ए.एस., त्सियाल्ट्स, आई।, कटौनीस, डी।, साररा, ए. -एम। जी।, लियोनिडास, डी।, ब्रह्मचारी, जी।, हेस, जे।, और स्कमनाकी, वी.

- (2022), Coumarin एनालॉग्स द्वारा जांच की गई ग्लाइकोजन फॉस्फोरिलेज़ किनसे की एटीपी बाइंडिंग साइट की ड्रगैबिलिटी। रासायनिक जीव विज्ञान में वर्तमान शोध, 2, 100022.
- मंडल, एम., कर्मकार, आई., चक्रवर्ती, के., दास, जी.के., और ब्रह्मचारी, जी. (2022), धातु-मुक्त अनुक्रमिक संशोधन और इंट्रामोल्युलर सीएसपी2-एच के तहत Coumarin-3-कार्बोक्जिलिक एसिड का प्रत्यक्ष संशोधन परिवेश की स्थिति: गुंजाइश और यंत्रवत अंतर्दृष्टि। रसायन विज्ञान चयन, 7, e202103929.
 - ब्रह्मचारी, जी., मंडल, बी., पलाफॉक्स, एम.ए., चंद्रा, एस.के., फेरर, सी., अरवल्लो, पी. और कर्मकार, आई. (2022), पेट्रोकारोनोल की आणविक संरचना पर अध्ययन: पेल्टोफोरम पेट्रोकार्पम (फैबेसी) से एक नया जैविक रूप से प्रासंगिक नॉर-ट्राइटरपेनोइड। जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1254, 132390।
 - ब्रागा, टी.सी., सिल्वा, एम.एम., नैसिमेटो, ई.ओ.ओ., दा सिल्वा, ई.सी.डी., फ्रीटास रेगो, वाई. डी, मंडल, एम., डी सूज़ा, जेडए, रुइज़, ए.एल.टी.जी., डी कार्वाल्हो, जे.ई., मार्टिस, फ़िरडो, आई.एम., डी एक्विनो, टी.एम., डा सिल्वा, सी.एम., मंडल, बी., ब्रह्मचारी, जी., सैंटोस, जे.सी.सी., और डी फातिमा, (2022), 2-एमिनो-4-फिनाइल-4एच-बेंजो[एच]क्रोमीन-3-कार्बोनिट्राइल का संश्लेषण, कैंसर विरोधी गतिविधियां और प्रायोगिक-सैद्धांतिक डीएनए इंटरैक्शन अध्ययन। औषधीय रसायन विज्ञान रिपोर्ट के यूरोपीय जर्नल, 4, 100030।
 - शर्मा, वी., कर्मकार आई., ब्रह्मचारी, जी., और गुप्ता, वी.के. (2022), संश्लेषण, स्पेक्ट्रोस्कोपिक लक्षण वर्णन, क्रिस्टल संरचना, सैद्धांतिक (डीएफटी) अध्ययन और जैविक रूप से शक्तिशाली आइसोप्रोपिल 5-क्लोरो-2 के आणविक डॉकिंग विश्लेषण -हाइड्रॉक्सी-3-ऑक्सो-2,3-डायहाइड्रोबेंजोफुरन-2-कार्बोक्सिलेट। आण्विक क्रिस्टल और तरल क्रिस्टल, डीओआई: 10.1080/15421406.2021.2024041.
 - ब्रह्मचारी, जी., भौमिक, ए., और कर्मकार, आई. (2021), दृश्यमान प्रकाश-चालित और सिंगलेट ऑक्सीजन-मध्यस्थता वाले फोटोकैमिकल क्रॉस-डीहाइड्रोजनेटिव C3-H सल्फेनाइलेशन ऑफ़ 4-हाइड्रॉक्सीकौमरिन थियोल्स के साथ गुलाब बंगाल का उपयोग एक फोटोसेंसिटाइज़र के रूप में करते हैं। द जर्नल ऑफ़ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, 86(14), 9658-9669.
 - ब्रह्मचारी, जी., कर्मकार, आई., और कर्मकर, पी. (2021), उत्प्रेरक- और सॉल्वेंट-मुक्त Csp2-H बॉल-मिलिंग के तहत C-3 डिहाइड्रोजनेटिव एज़ा-कपलिंग के माध्यम से 4-हाइड्रॉक्सीकौमरिन का कार्यात्मककरण। ग्रीन केमिस्ट्री, 23(13), 4762-4770।
 - ब्रह्मचारी, जी., बेगम, एस., कर्मकार, आई., गुप्ता, वी.के. (2021), उत्प्रेरक-मुक्त स्थिति के तहत प्रतिस्थापित अल्फा-एमिनोएलीफ़ॉस्फ़ोनेट्स के एक-पॉट मल्टीकंपोनेंट संश्लेषण के लिए एक सीधा

अध्याय-2

और कुशल प्रोटोकॉल का विकास। फास्फोरस, सल्फर, सिलिकॉन और संबंधित तत्व, 196(8), 769-779.

- यादव, टी., ब्रह्मचारी, जी., कर्मकार, आई., साहा, एस., चौधरी जे., पाठक, ए., कुमार, आर., शर्मा, आर., बेंटो, आर.आर.एफ., और यादव एन.पी. (2021), एन-आइसो-ब्यूटाइल, एस-2-नाइट्रो-1-फेनिलएथिल डाइथियोकार्बामेट - एक डीएफटी दृष्टिकोण, पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक कंपाउंड्स, डीओआई: 10.1080/10406638.2021.1993940 द्वारा प्रतिस्थापित इलेक्ट्रॉन-विमोचन कार्यात्मक समूहों की स्पेक्ट्रोस्कोपिक जांच।
- शर्मा, वी., भौमिक, ए., कर्मकार, आई., ब्रह्मचारी, जी., और गुप्ता, वी.के. (2021), क्रिस्टल संरचना, हिर्शफिल्ड सतह विश्लेषण और आणविक डॉकिंग अध्ययन 3-(सेक-ब्यूटिलथियो) -4-हाइड्रॉक्सी-2 एच-क्रोमेन-2-एक। आणविक क्रिस्टल और तरल क्रिस्टल, 732(1), 50-63.
- शर्मा, वी., बेगम, एस., कर्मकर, आई., ब्रह्मचारी, जी., और गुप्ता, वी.के. (2021), क्रिस्टल संरचना, हिर्शफिल्ड सतह विश्लेषण, और 3,3'-((4-(ट्राइफ्लोरोमेथिल) फिनाइल) मेथिलीन) बीआईएस (1-मिथाइल -1 एच-इंडोल) के आणविक डॉकिंग अध्ययन। आणविक क्रिस्टल और तरल क्रिस्टल, 714(1), 67-79.
- कुंडू, एम., साधुखान, पी., घोष, एन., घोष, एस., चटर्जी, एस., दास, जे., ब्रह्मचारी, जी., और सिल, पी.सी. (2021), मेसोपोरस सिलिका नैनोपार्टिकल-आधारित रेडॉक्स-रेस्पॉन्सिव ड्रग डिलीवरी सिस्टम का उपयोग करके डिलीवरी के बाद ट्यूमर के खिलाफ एक उपन्यास बीआईएस-लॉसोन व्युत्पन्न के विवो चिकित्सीय मूल्यांकन में। सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग सी, 126, 112142.
- टी., यादव, ब्रह्मचारी, जी., कर्मकार, आई. यादव, पी., प्रसाद, ए.के., पाठक, ए., अग्रवाल, ए., कुमार, आर., मुखर्जी, वी., पांडे, जी.एन., बेंटो, आर.आर.एफ. और यादव, एन.पी. (2021), एन-एन-ब्यूटाइल, एस-2-नाइट्रो-1- (पी-टॉलील) एथिल डाइथियोकार्बामेट-एक जैव-प्रासंगिक सल्फर अणु की संरचना और कंपन स्पेक्ट्रोस्कोपिक जांच। जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1238, 130450।
- शर्मा, वी., ब्रह्मचारी, जी., और गुप्ता, वी.के. (2021), क्रिस्टलोग्राफिक संरचना, गतिविधि भविष्यवाणी, और कुछ सीएसडी-आधारित 3, 3'-बीआईएस-इंडोल डेरिवेटिव्स का हाइड्रोजन बॉन्डिंग विश्लेषण: एक समीक्षा। रसायन विज्ञान के यूरोपीय जर्नल। 12(4), 493-501.
- ब्रह्मचारी, जी., नायक, एन., मंडल, एम., भौमिक, ए., और कर्मकार, आई. (2021), अल्ट्रासाउंड-प्रमोटेड ऑर्गेनिक सिंथेसिस - एक हालिया अपडेट। वर्तमान कार्बनिक रसायन, 25(13), 1539-1565.
- साहा, एस., और साहू, पी. (2021), ल्यूमिनेसेंस टर्न-ऑन रिस्पॉन्स ऑफ नेफ्रथलीन डायमाइड आधारित केमोसेंसर विद फॉर्मलाडिहाइड: स्टोरेज फिश सैंपल में फॉर्मलाडिहाइड के आकलन के लिए एक उपन्यास स्ट्रैटेजम। बायोऑर्गेनिक एंड मेडिसिनल केमिस्ट्री लेटर्स, 49, 128287.

- साहा, एस., घोष, पी., मंडल, पी., चट्टोपाध्याय, ए., और साहू, पी. (2021), आम जल जलकुंभी में हानिकारक साइनाइड के चयनात्मक आकलन में एक अद्वितीय केमोडोसमीटर का समावेश (इचोर्निया क्रैसिप्स): एक पर्यावरण शोधन। पर्यावरण विज्ञान प्रक्रियाएं और प्रभाव, 23(9), 1308-1315.
- राउत, जे., और साहू, पी. (2021), डिटेक्शन ऑफ बायोथिओल्स यूजिंग सम नोवेल केमोसेंसर्स: एन ओवरव्यू, ऑर्गेनिक केमिस्ट्री में मिनी-रिव्यू, 18(7), 1-18।
- कुंडू, एस., इस्लाम, एमडी। एम।, मंडल, एस., और साहू, पी। (2021), प्रतिदीप्ति 'ऑफ-ऑन-ऑफ' जस्ता पहनावा के साथ संकेत: यकृत कैंसर कोशिकाओं में एटीपी की व्यापकता की जांच का एक नया सरणी। न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 45(6), 3188-3192.
- साहा, एस., दास, एस., सरकार, ओ., चट्टोपाध्याय, ए., रुसेनन, के., और साहू, पी. (2021), इंट्रोडक्शन ऑफ ए ल्यूमिनसेंट सेंसर फॉर ट्रैकिंग ट्रेस लेवल ऑफ हाइड्राज़िन इन कीट परागित फसल के फूल। न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 45 (37), 17095- 17100।
- साहा, एस., कामिला, एस., चट्टोपाध्याय, ए., और साहू, पी. (2022), शैवाल में संचित टिन की पहचान के लिए आसान और तीव्र रसायन विज्ञान विधि: एक समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा के लिए एक रणनीति। न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 46(9), 4233-4238।
- मंडल, एस., प्रमाणिक, के., दास, एस., इस्लाम, एमडी। एम., मंडल, एस., और साहू, पी. (2022), स्पेक्ट्रोस्कोपिक और कम्प्यूटेशनल स्टडीज़ ऑन ए डैनसिल बेस्ड ल्यूमिनसेंट प्रोब: डिटेक्शन हाइड्रोस्कोपिक ड्यूटेरेटेड सॉल्वेंट्स में जल संदूषक, कार्बनिक रसायन विज्ञान में पत्र, 19 (1), 71-82.
- कुंडू, एस., टूओंग, के., साहा, एस., रुसेनन, के., और साहू, पी. (2022), टूथपेस्ट में एसएन (II) की पहचान के लिए एक आसान और सुलभ उपकरण, साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 12, 2305.
- कुंडू, एस., विश्वास, एस., घोष, एस., कर्मकार, आई., ब्रह्मचारी, जी., मैत्रा, एस., और साहू, पी. (2022), सेलुलर एटीपी की निगरानी के लिए एक चयनात्मक ल्यूमिनसेंट जांच: जेब्राफिश भ्रूण में विवो इमेजिंग के लिए संभावित अनुप्रयोग। जर्नल ऑफ फोटोकैमिस्ट्री एंड फोटोबायोलॉजी ए, 428, 113895.
- पाल, पी., मंडल, एस., चटर्जी, ए., साहा, आर., चक्रवर्ती, के., दास, जी.के. (2021), एरेन्स और हेटेरो एरेन्स के कोबाल्ट (III) उत्प्रेरित साइनेशन के तंत्र पर दोबारा गौर किया: एक डीएफटी अध्ययन, कम्प्यूटेशनल और सैद्धांतिक रसायन विज्ञान, 1201, 113289.
- पाल, पी., मंडल, एस., चटर्जी, ए., साहा, आर., चक्रवर्ती, के., और दास, जी.के. (2021), आरएच (III) का यंत्रवत अन्वेषण - एलिल ब्रोमाइड के साथ बेंजामाइड्स का उत्प्रेरित सी-एच एलाइलेशन। जर्नल ऑफ ऑर्गेनोमेटेलिक केमिस्ट्री, 949, 121888।

अध्याय-2

- पाल, पी., और दास, जी.के. (2021), आरएच (III) में यंत्रवत अंतर्दृष्टि - अल्कीनीलोक्सिरेन्स के साथ एन-आरिलोक्सीसेटामाइड्स के उत्प्रेरित सीएच सक्रियण / उद्घोषणा। आण्विक कटैलिसीस, 516, 111971.
- मुखर्जी, ए., सिंह, आर., माने, के.डी., और दास, जी.के. (2022), मेटालोराडिकल उत्प्रेरित सीएच बांड सक्रियण में रेजियोसेलेक्टिविटी: एक सैद्धांतिक अध्ययन। जर्नल ऑफ ऑर्गेनोमेटेलिक केमिस्ट्री, 957, 122179.
- माने, के.डी., मुखर्जी, ए., दास, जी.के., और सूर्यवंशी, जी. (2022), एसिटिक एसिड-उत्प्रेरित रेजियोसेलेक्टिव सी (एसपी 2)-एच बॉन्ड फंक्शनलाइज़ेशन ऑफ़ इंडोलिज़िन: सिंथेटिक और सैद्धांतिक अध्ययन का सहवर्ती भागीदारी। जर्नल ऑफ़ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, 87(8), 5097-5112.
- मंडल, एस., साहा, एस., मिश्रा, एस., सरकार, आर., रॉय, डी., और मंडल बी. (2021), फ्लोरेसेंस को नियोजित करने वाले थियोउरिया-ग्लूकोज जोड़ी की संवेदन के लिए यूरेज इमोबिलाइज्ड सिंगल-किट 'टर्न ऑफ-टर्न ऑन' और थियोरिया के चयनात्मक नमूना सफाई के लिए एक कुशल सॉर्बेंट के रूप में। विश्लेषणात्मक चिमिया एक्टा, 1141, 180-193.
- सरकार, आर., मंडल, एस., हांसदा, बी., चटर्जी, एम., और मंडल बी. (2021), एक डाइथिज़ोन-एंक्रेड सिलिका जेल सह, $\{\text{SiO}_2\}@DZ$, Fe (iii), Th (iv), और Ce (iv) के बीच आयन जोड़ी परिसर को नियोजित करने वाले Gd (iii) के चयनात्मक नमूना सफाई के लिए. न्यू जर्नल ऑफ़ केमिस्ट्री, 45(26), 11672-11688।
- हक, ए., भट्टाचार्य, एस., दास, आर., हुसैन, ए., गायन, ए., कुंडू, ए.के., वसुंधरा, एम., और शेख, एमडी. एम. (2022), कोबाल्ट फेराइट पेरोसाइट ऑक्साइड $\text{LaCo}_{0.5}\text{Fe}_{0.5}\text{O}_3$ के संरचनात्मक और चुंबकीय गुणों पर द्वि डोपिंग के प्रभाव। सिलिकॉन इंटरनेशनल, 48(11), 16348-16356.
- पेरेज़, ओ., कैग्नार्ट, वी., सकली, एन।, शेख, एमडी। एम।, बोउले, पी।, हार्डी, वी., और रावो, बी। (2022), डिमेरिक और ट्राइमेरिक पॉलीहेड्रल इकाइयों से निर्मित समग्र स्पिन शृंखला संरचनाएं: ऑक्साइड $A_{1+y}[(\text{Mn}_{1-x}\text{Co}_x)_{1-z}\text{Z}]O_3$ (A = Ca, Sr; x = 3/8), सामग्री का रसायन, 34(5), 2361-2375.
- घोष, एम., सेपे, एन., शोलमेयर, डी., साकियामा, एच., मिकुरिया, एम., मल, डी., गेयन, ए., शेख, एमडी. एम., और साहा, एस. (2022), स्पेसर्स ने हेटेरोबिमेटेलिक कॉपर (II) -लैंथेनाइड (III) $[\text{Ln} = \text{Nd और Gd}]$ मौएट्स: सिंथेसिस, स्ट्रक्चरल डायवर्सिटी और मैग्नेटिक प्रॉपर्टीज की सेल्फ-असेंबली को निर्देशित किया। पॉलीहेड्रॉन, 216, 115718।
- घोरई, के., पांडा, ए., हुसैन, ए., भट्टाचार्य, एम., चक्रवर्ती, एम., भट्टाचार्य, एस.के., बेरा, पी., किम, एच., शेख, एमडी. एम., और गायन, ए. (2022), नैनोसाइज्ड LaNiO_3 के साथ युग्मन द्वारा एक्सफ़ोलीएटेड g-C₃N₄ नैनोशीट का संश्लेषण: प्राकृतिक सूर्य के प्रकाश के तहत प्रतिक्रियाशील

- ब्लैक 5 और मेथिलीन ब्लू 363 गिरावट के लिए एक कुशल Z-स्कीम प्रकार का फोटोकैटलिस्ट। दुर्लभ पृथ्वी का जर्नल, 40(5), 725-736.
- पेरेज़, ओ., कैग्नार्त, वी., रवेउ, बी।, हार्डी, वी., सकली, एन।, और शेख, एमडी। एम। (2021), डिमेरिक और ट्राइमेरिक पॉलीहेड्रल इकाइयों से निर्मित मिश्रित स्पिन शृंखला संरचनाओं को डिजाइन करना: ऑक्साइड $A1+y[(Mn1-xCox)1-zO3]$ ($A = Ca, Sr; x = 3/8$), एक्टा क्रिस्टलोग्राफिका सेक्शन ए, 77, सी547.
 - घोरई, के., पांडा, ए., हुसैन, ए., भट्टाचार्य, एम., चक्रवर्ती, एम., भट्टाचार्य, एस.के., बेरा, पी., किम, एच., शेख, एमडी. एम., और गायेन, ए. (2021), Anatase TiO_2 सजाया $CuCr_2O_4$ नैनोकम्पोजिट: घरेलू एलईडी प्रकाश विकिरण के तहत एक बहुमुखी फोटोकैटलिस्ट। अनुप्रयुक्त भूतल विज्ञान, 568, 150838।
 - दास, आर., भट्टाचार्य, एस., हक, ए., घोष, डी।, लेबेदेव, ओ।आई।, गेयन, ए., और शेख, एमडी। एम। (2021), पारंपरिक और उच्च का एक तुलनात्मक चुंबकीय व्यवहार एन्ट्रापी डबल पेरोक्साइट्स: La_2MnCoO_6 और $(La_{0.4}Y_{0.4}Ca_{0.4}Sr_{0.4}Ba_{0.4})MnCoO_6$, जर्नल ऑफ मैग्नेटिज्म एंड मैग्नेटिक मैटेरियल्स, 538, 168267.
 - हक, ए., दास, आर., वसुंधरा, एम., घोष, डी., गायेन, ए., महता, पी., कुंडू, ए.के., और शेख, एमडी. एम. (2021), एम्बिएंट प्रेशर सिंथेसिस और ला के चुंबकीय गुण $[Cu_{3-x}Mn_x][Mn_{4-y}Ti_y]O_{12}$ ($x = 0 \& 1; y = 0.5 \& 1$) चौगुनी पेरोक्साइट। मिश्र और यौगिकों का जर्नल, 875, 159984।
 - चटर्जी, ए., शेख, एमडी. एम., एस., चौधरी, और घोष, आर. (2021), कैटेकोलेज़ और कैटेचोल क्लीवेज एक्टिविटीज़ ऑफ़ ए डाइन्यूक्लियर फ़िनॉक्सोब्रिज्ड सीयू (II) कॉम्प्लेक्स: सिंथेसिस, स्ट्रक्चर एंड मैग्नेटोस्ट्रक्चरल स्टडीज़। अकार्बनिक चिमिका एक्टा, 521, 120345.
 - पाल, के., मुखर्जी, ए., शेख, एमडी. एम., बेरा, पी., और गेयन, ए. (2021), $CaCu_3xMnxTi_{4-x}Mn_xO_{12}$ ($x = 0, 0.5$, और 1.0) का संश्लेषण, संरचना, CO ऑक्सीकरण और H_2 उत्पादन गतिविधियाँ। सिरेमिक्स इंटरनेशनल, 47(10), 14798-14808।
 - हक, ए., दास, आर., घोष, डी., वसुंधरा, एम., गायेन, ए., कुंडू, ए.के., और शेख, एमडी. एम. (2021), Cu-Doped La_2MnCoO_6 में चुंबकीय कुंठा पर काबू पाने के द्वारा प्रमुख लंबी दूरी के आदेश का अवलोकन। जर्नल ऑफ फिजिकल केमिस्ट्री सी, 125(5), 3088-3101.
 - घोष, डी., दास, आर., हक, ए., घोरई, के., गायेन, ए., महता, पी., कुंडू, ए.के., और शेख, एमडी. एम. (2021), $La_{1-x}Ln_xCr_{0.5}Co_{0.5}O_3$ ($x = 0$ और 0.2 और $Ln = पीआर, एसएम और जीडी$) पेरोक्साइट्स का संश्लेषण, संरचना और चुंबकीय गुण। जर्नल ऑफ मैग्नेटिज्म एंड मैग्नेटिक मैटेरियल्स, 523, 167621.

अध्याय-2

- घोरई, के., पांडा, ए., भट्टाचार्य, एम., मंडल, डी., हुसैन, ए., बेरा, पी., शेख, एमडी. एम., और गेयन, ए. (2021), CuCr2O4/CeO2 नैनोकम्पोजिट का सरल संश्लेषण: घरेलू एलईडी लाइट के साथ एक नया फेंटन जैसा उत्प्रेरक, RhB, MB और MO रंगों के क्षरण के लिए बेहतर फोटोकैटलिटिक गतिविधि में सहायता करता है। अनुप्रयुक्त भूतल विज्ञान, 536, 147604।
- घोरई, के., भट्टाचार्य, एम., मंडल, डी., हुसैन, ए., भुनिया, टी., बेरा, पी., मंडल, टी.के., और शेख, एमडी. एम., ए गेयन, (2021) . घरेलू दृश्य एलईडी प्रकाश विकिरण के तहत CuCr2O4/BiOBr कम्पोजिट और इसकी बेहतर Rh-B गिरावट गतिविधि का आसान संश्लेषण। मिश्र और यौगिकों का जर्नल, 867, 157947.
- रक्षित, टी., मंडल, बी., हलदर, ए., मंडल, डी., मंडल, डी., और गांगुली, आर. (2022), एन, एन, ओ डोनर साइट्स के साथ फिनोल-आधारित चलेटिंग एजेंट के साथ मोनो न्यूक्लियर सीयू (II) कॉम्प्लेक्स की संश्लेषण, संरचना और कैटेकोल ऑक्सीडेज गतिविधि। क्रिस्टल, 12(4), 511.
- राँय, डी., मुखुटी, ए., फौजदार, सी., बार एन., चौधरी, एस., कुंडू, आर., और चौधरी, पी. (2021), बहु-उत्सर्जक जैव-संगत सिलिकॉन क्वांटम डॉट्स: संश्लेषण, लक्षण वर्णन, अंतरकोशिकीय इमेजिंग और दो गुना दवा प्रभावकारिता में सुधार। रंग और रंगद्रव्य, 186, 109004।
- भट्टाचार्य, आर., और चौधरी, पी. (2021), हाइड्रोजेल ऑफ एक्रिलॉयल ग्वार गम-जी-(ऐक्रेलिक एसिड-को-3 सल्फोप्रोपाइलक्रिलेट) उच्च प्रदर्शन सोखना और जेंटामाइसिन सल्फेट की रिहाई के लिए. जर्नल ऑफ पॉलिमर रिसर्च, 28, 286.
- बार, एन., चौधरी, पी., राँय, डी., अधिकारी, एस., मंडल, एस., दास, जी.के., और चंद्रा, एस.के. (2021), शिफ बेस-मेटल कॉम्प्लेक्स युक्त डाई का फोटोक्रोमिज्म: आणविक लॉजिक गेट के डिजाइन के लिए स्पेक्ट्रो-कैनेटीक्स, थर्मोडायनामिक और सैद्धांतिक विश्लेषण के माध्यम से एक पुनरीक्षण। जर्नल ऑफ फोटोकैमिस्ट्री एंड फोटोबायोलॉजी, ए: केमिस्ट्री, 420, 113505.
- विश्वास, डी., बार, एन., पाल, एस., मजूमदार, एस.के., रे, ए., चौधरी, एस., दास, जी.के., और चौधरी, पी. (2022), पॉलिमर आधारित ऑन-ऑफ-ऑन फ्लोरोसेंट लॉजिक गेट: संश्लेषण, लक्षण वर्णन और समझ। जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1252, 132166.
- बार, एन., चौधरी, पी., विश्वास, डी., रे, ए., और दास, जी.के. (2022), आणविक कीपैड लॉक के लिए एक उन्नत धातु-निर्देशित फोटोक्रोमिक सिस्टम का संश्लेषण: विस्तृत प्रयोगात्मक निष्कर्ष और सैद्धांतिक समझ। रसायन विज्ञान का नया जर्नल, 46(17), 8284-8302.
- मजूमदार, एस., रे, पी.पी., साहू, आर., डे, ए., और डे बी. (2022), बोवाइन सीरम एल्बुमिन प्रोटीन-आधारित Cu (II)-मेटालोहाइड्रोजेल स्कैफोल्ड्स द्वारा कुशल फोटो-उत्तरदायी अर्धचालक इलेक्ट्रॉनिक डायोड-उपकरणों का रणनीतिक निर्माण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स, 195, 287-293.

- डे, ए., सिल, एस., मजूमदार, एस., साहू, आर., घोष, एम., लेप्चा, जी., रे, पी.पी., और डे बी. (2022), एरोमैटिक एसिड आधारित Co (II)-मेटालोगेल स्कैफोल्ड फेब्रिकेटेड Schottky डिवाइस के चार्ज ट्रांसपोर्टेशन का अध्ययन। जर्नल ऑफ फिजिक्स एंड केमिस्ट्री ऑफ सॉलिड्स, 160, 110300।
- मजूमदार, एस., घोष, एम., मुखर्जी, एस., सतपति, बी., और डे, बी. (2021), डीएनए मध्यस्थ ग्रेफीन ऑक्साइड (जीओ)-नैनोशीट्स फैलाव सुपरमॉलेक्यूलर गो-डीएनए हाइड्रोजेल: एजी-एनपीएस@जीओ-डीएनए और ग्राम + वी/-वे बैक्टीरिया-आधारित एजी-एनपी@जीओ-डीएनए-के सरलीकृत संश्लेषण के लिए एक कुशल सॉफ्ट-मिलियू- बैक्टीरिया नैनो-बायो कंपोजिट। जर्नल ऑफ मॉलेक्यूलर लिक्विड्स, 342, 117482.
- मजूमदार, एस., सिल, एस., साहू, आर., घोष, एम., लेप्चा, जी., डे, ए., मंडल, एस., रे, पी.पी., और डे, बी. (2021), इलेक्ट्रॉनिक चार्ज ट्रांसपोर्ट घटना ने सुपरमॉलेक्यूलर Mn (II) -Metallogel द्वारा मेटल-सेमीकंडक्टर आधारित इलेक्ट्रॉनिक जंक्शन डिवाइस के स्मार्ट फेब्रिकेशन को निर्देशित किया। जर्नल ऑफ मॉलेक्यूलर लिक्विड्स, 338, 116769.
- दास, पी., मजूमदार, एस., डे, ए., मंडल, एस., मंडल, ए., चक्रवर्ती, एस., रे, पी.पी., और डे, बी. (2021), 4, 4'-बिपिरिडीन-आधारित Ni (II)-मेटालोगेल एक फोटो-उत्तरदायी Schottky बाधा डायोड डिवाइस के निर्माण के लिए. न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 45(35), 15920-15927.
- घोष, पी., प्रमाणिक, के., पॉल, एस., डे, डी., चंद्रा, एस.के., मुखोपाध्याय, एस.के., मुर्मू, एन.सी., और बनर्जी, पी. (2021), Zn²⁺ एक ल्यूमिनसेंट टेस्ट किट के माध्यम से पिक रोग के रोगजनन के लिए मान्यता। रसायन विज्ञान चयन, 6(26), 6733-6739.

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना:

- यूजी और पीजी- मुख्य रूप से हमने आणविक मॉडल के साथ सामान्य चॉकबोर्ड पद्धति को प्राथमिकता दी। लेकिन ऐसे कई विषय हैं जिन्हें हमने स्लाइड शो के माध्यम से पेश किया है।
- पीएच.डी. पाठ्यक्रम कार्य- मुख्य रूप से स्लाइड शो प्रस्तुति के माध्यम से।

अध्याय-2

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं के संकेत के साथ संबंधित भवन / सदन / विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास:

रसायन विज्ञान विभाग अपनी स्थापना के समय से ही विभाग को देश में रसायन विज्ञान शिक्षण और शोध का एक प्रमुख केंद्र बनाने की दृष्टि रखता है। विभाग को यूजीसी से यूजीसी एसएपी के माध्यम से और डीएसटी से डीएसटी-एफआईएसटी कार्यक्रम के माध्यम से उदार समर्थन मिला है। हमने FIST स्तर 0 और स्तर 1 कार्यक्रम समाप्त कर लिया है और FIST स्तर 2 पर समर्थन प्राप्त किया है। संकाय सदस्यों की विशेषज्ञता को ध्यान में रखते हुए विभाग ने "पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए नैनो सामग्री" पर जोर दिया है। वर्षों के बाद। इसके अलावा, हम कार्यात्मक कार्बनिक अणुओं, पॉलिमर आदि के लिए सिंथेटिक पद्धतियों के विकास में सक्रिय रूप से शामिल होंगे। गैर-संतुलन सांख्यिकीय यांत्रिकी और क्वांटम रसायन विज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर भी शोध है।

गणित विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/SLET और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम।
नेट क्वालिफाइड:

- बिक्रम पाल
- मृण्मय पाखीरा
- मौसमी मंडल
- अबुल कलामी
- एस.के. सुलेमान
- परवेज अख्तर
- बिक्रम दास
- सोमनाथ मंडल
- तापस पाल
- मिथुन अधिकारी
- मोनिरुल इस्लाम
- अतसी दास
- गौरी सरकार
- सौभिक पांडा
- अपूर्व सरकार
- पायल चंद्र
- सुकन्या दास
- कुंतल मंडल
- संजय घोष

गेट उत्तीर्ण

- ऋत्विक् साहा
- मौसमी मंडल
- अबुल कलाम
- राजेश दास
- शर्मिष्ठा कर
- अतासी दास
- जहीर खान

अध्याय-2

- सुचरिता बारीकी
- सुपोन मजूमदार
- देवव्रत मंडल
- बिक्रम पाल
- अदिति दत्ता
- सोमनाथ मंडल
- चंद्रप्रभा सरकार
- सोमनाथ घोष

विभागीय संगोष्ठी:

1. 22.12.2021: राष्ट्रीय गणित दिवस मनाने के लिए एक दिवसीय वेबिनार। वक्ता: प्रो. प्रशांत चटर्जी, विश्व-भारती, डॉ. सत्या बागची, एनआईटी दुर्गापुर, डॉ. अमर प्रसाद मिश्रा, विश्व-भारती, डॉ. पिनाकीनाथ साहा, पोस्ट-डॉक्टर फेलो, टीआईएफआर
2. 15.02.2022: एक दिवसीय संगोष्ठी, अध्यक्ष: प्रो जितेन चंद्र कलिता, आईआईटी गुवाहाटी। वार्ता का शीर्षक: उत्साही मीडिया में सर्पिल लहरें: कुछ दिलचस्प सिमुलेशन

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / वेबिनार / कार्यशाला / प्रदर्शनी:

- 05.07.2021: एस. विश्वास ने केपीआर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित "इमर्जिंग फील्ड (ऑनलाइन मोड) में गणित और सांख्यिकी पर अंतर्राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम" में "अंतर समीकरणों की विमान स्वायत्त प्रणाली की स्थिरता" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।, कोयंबटूर-641407, भारत
- 10.07.2021: एस. विश्वास एक संसाधन व्यक्ति थे और उन्होंने "एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार और शुद्ध विज्ञान (ऑनलाइन मोड) में स्नातक के बाद शैक्षणिक और व्यावसायिक कैरियर उन्नति के अवसरों पर पैनल चर्चा" में "गणित में कैरियर के अवसर" पर एक व्याख्यान दिया। रसायन विज्ञान, गणित और भौतिकी विभाग, गोखले मेमोरियल गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता-700020, भारत द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित
- 26.7.2021-30.7.2021: पी के मंडल ने एमिटी यूनिवर्सिटी, कोलकाता, भारत द्वारा आयोजित फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑन मैथमैटिकल बायोलॉजी एंड बायोस्टैटिस्टिक्स में "एथेरोस्क्लेरोटिक आर्टरी में मॉडलिंग फार्माकोकाइनेटिक्स" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 20.08.2021--02.09.2021: पी के मंडल ने अकादमिक स्टाफ कॉलेज, बर्दवान विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा आयोजित विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हालिया प्रगति पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "धमनी फार्माकोकाइनेटिक्स का अध्ययन करने के लिए गणितीय मॉडलिंग की भूमिका" नामक एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।, भारत

- 23.08.2021: एस. विश्वास एक सत्र अध्यक्ष थे और उन्होंने "गणितीय मॉडलिंग और इसके अनुप्रयोगों में हालिया रुझानों में ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीआरटीएमएमए-2021) में" संचालित गुहा में प्रवाह संरचनाएं: एक गतिशील प्रणाली दृष्टिकोण "पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।)" गणित विभाग द्वारा आयोजित, आईसीएफएआई विश्वविद्यालय त्रिपुरा, अगरतला-799210, भारत
- 23.08.2021--27.08.2021: एल.एन. गिनी ने "पारिस्थितिकी में गणितीय मॉडलिंग की नींव" शीर्षक से एक आमंत्रित वार्ता दी और "गणितीय मॉडलिंग और इसके अनुप्रयोगों में हालिया रुझान (एनसीआरटीएमएमए-2021)" पर ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।, गणित विभाग, आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, त्रिपुरा द्वारा आयोजित
- 26.09.2021—1.10.2021: ए.पी. मिश्रा ने डिवीजन द्वारा आयोजित प्लाज़्मा भौतिकी पर 5वें एशिया-प्रशांत सम्मेलन (सम्मेलन, एएपीपीएस-डीपीपी2021) में "धातु-क्रिस्टल इंटरफेस में ऑप्टिकल डायकोनोव सतह प्लास्मों" शीर्षक से एक आमंत्रित वार्ता दी। प्लाज़्मा भौतिकी (DPP), एसोसिएशन ऑफ एशिया-पैसिफिक फिजिकल सोसाइटीज (AAPPS)
- 6.10.2021—10.10.2021: पी. चटर्जी ने वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के लिए गणितीय उपकरण और तकनीकों (एमटीटीएसई 2021) पर एक सप्ताह के ऑनलाइन अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में "नॉनलाइनियर आंशिक विभेदक समीकरण" शीर्षक से एक आमंत्रित वार्ता दी। गणित और मानविकी विभाग, सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सूरत, ऑनलाइन मोड के माध्यम से
- 22.12.2021: ए.पी. मिश्रा ने गणित विभाग, विश्वभारती, भारत द्वारा आयोजित श्रीनिवास रामानुजन अयंगर (राष्ट्रीय गणित दिवस) की 134वीं जयंती पर "अरेखीय विज्ञान में गणित का महत्व और अनुप्रयोग" शीर्षक से एक आमंत्रित वार्ता दी।
- 4.1.2022: पी. चटर्जी ने सपतग्राम कॉलेज के आईक्यूएसी द्वारा आयोजित सपतग्राम कॉलेज के स्मार्ट क्लासरूम में गणित और शिक्षा विभाग के सहयोग से शिक्षा में गणित के अनुप्रयोग पर एक विशेष व्याख्यान दिया।
- 9.3.2022—11.3.2022: ए.पी. मिश्रा ने "पृथ्वी के आयनमंडल में गुरुत्वाकर्षण तरंगों की अरेखीय गतिकी" शीर्षक से एक आमंत्रित वार्ता दी और गणित विभाग, सिक्किम मणिपाल प्रौद्योगिकी संस्थान, भारत द्वारा आयोजित गैर-रेखीय गतिकी और अनुप्रयोगों (आईसीएनडीए) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- 9.3.2022—11.3.2022: पी. चटर्जी ने एक सत्र की अध्यक्षता की और गणित विभाग, सिक्किम मणिपाल प्रौद्योगिकी संस्थान, भारत द्वारा आयोजित गैर-रेखीय गतिकी और अनुप्रयोगों (आईसीएनडीए) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "प्लाज़्मा में सॉलिटॉन और सॉलिटॉन-इंटरैक्शन" शीर्षक से एक मुख्य भाषण दिया।

अध्याय-2

- 14.03.2022: एस. विश्वास अतिथि वक्ता थे और उन्होंने गणित विभाग, प्रौद्योगिकी संस्थान (बीबीआईटी), बज बज, कोलकाता-700137, भारत बज बज के द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर "वास्तविक दुनिया की समस्याओं के लिए अंतर समीकरणों के विमान स्वायत्त प्रणाली के अनुप्रयोग" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

विभाग में चल रही शोध परियोजनाएं

- शिक्षक का नाम: अमर प्रसाद मिश्रा
परियोजना का नाम: इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सॉलिटॉन और नॉनलाइनियर लैंडौ प्लाज़्मा में डंपिंग
प्रायोजक एजेंसियां: विज्ञान और इंजीनियरिंग शोध बोर्ड (एसईआरबी)
स्वीकृत राशि: रु। 1914948/- (उन्नीस लाख चौदह हजार नौ सौ अड़तालीस रुपये मात्र)

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया।

- शिक्षक दिवस 5 सितंबर 2021 को ऑनलाइन मोड के माध्यम से मनाया गया

प्रकाशन:

पीयर-समीक्षा/संदर्भित/यूजीसी-केयर/आईसीएआर-एनएएस सूचीबद्ध पत्रिकाओं में शोध पत्र:

विभागीय प्रकाशन:

- चटर्जी, डी. और मिश्रा, ए.पी. (2021), वायुमंडल में ध्वनिक-गुरुत्वाकर्षण तरंगों के गैर-रेखीय अंतःक्रियाओं पर कोरिओलिस बल का प्रभाव। जर्नल ऑफ एटमोस्फेरिक एंड सोलर-टेरेस्ट्रियल फिजिक्स, 222, 105722 [5 पेज]। <https://doi.org/10.1016/j.jastp.2021.105722>.
- मिश्रा, ए.पी., चटर्जी, डी. और ब्रोडिन जी. (2021), मल्टी-प्लास्मोन प्रतिध्वनि के कारण इलेक्ट्रॉन-ध्वनिक तरंगों का लैंडौ डंपिंग। प्लाज़्मा की भौतिकी, 28(11), 112102 [11 पृष्ठ]। <https://doi.org/10.1063/5.0061716>.
- अब्दिकियन, ए., एग्बली, एम। और मिश्रा, ए.पी. (2021), दो-तापमान सुपरथर्मल इलेक्ट्रॉनों के साथ एक गैर-समान घूर्णन मैग्नेटोप्लाज़्मा में बहाव आयन-ध्वनिक तरंगें। फिजिका स्क्रिप्टा, 97(4), 045603 [10 पृष्ठ]। <https://doi.org/10.1088/1402-4896/ac57df>
- कलाडज़े, टी.डी., मिश्रा, ए.पी., रॉय, ए. और चटर्जी, डी. (2022), पृथ्वी के आयनोस्फीयर में आंतरिक गुरुत्वाकर्षण तरंगों का गैर-रेखीय विकास: विश्लेषणात्मक और संख्यात्मक दृष्टिकोण। अंतरिक्ष शोध में अग्रिम, 69(9), 3374-3385. <https://doi.org/10.1016/j.asr.2022.02.014>.
- मिश्रा, ए.पी. और ब्रोडिन, जी. (2022), क्वांटम प्लाज़्मा में वेव-पार्टिकल इंटरैक्शन। आधुनिक प्लाज़्मा भौतिकी की समीक्षा, 6, 5 [60 पृष्ठ]। <https://doi.org/10.1007/s41614-022-00063-7>.
- राउत, एस., रॉय, ए., मंडल, के.के. और चटर्जी, पी. (2021), क्यू-नॉनएक्सटेन्सिव वेलोसिटी डिस्ट्रिब्यूटेड इलेक्ट्रॉन, इंटर के साथ मैग्नेटाइज्ड डस्टी प्लाज़्मा में डंड फोर्स्ड कदोमत्सेव-पेटविशविली

- इक्वेशन के लिए नॉन-स्टेशनरी सॉलिटरी वेव सॉल्यूशन। जे. एपल. संगणना। गणित 7, 223. <https://doi.org/10.1007/s40819-021-01168-2>.
- पॉल, एन., अली, आर., मंडल, के.के. और चटर्जी, पी. (2021), केर्न्स-गुरेविच के इलेक्ट्रॉनों के वितरण के साथ कमजोर आयनित प्लाज्मा में एकान्त तरंगों पर आयन-तटस्थ टकराव प्रभाव। इंटर. जे. एपल. संगणना। गणित 7, 172. <https://doi.org/10.1007/s40819-021-01113-3>.
 - घोष, यू.एन., चटर्जी, पी. और कौर, बी. (2021), आवक और जावक धूल ध्वनिक बेलनाकार और गोलाकार तरंगों गैर-तापीय आयनों के साथ चार-घटक धूल भरे प्लाज्मा में परस्पर क्रिया करती हैं। Zeitschrift für Naturforschung A 77 (1), 1-12. <https://doi.org/10.1515/zna-2021-0137>.
 - मंडी, एल., अली, आर. और चटर्जी, पी. (2021), चुंबकीय धूल भरे प्लाज्मा में धूल आयन ध्वनिक तरंगों के लिए अराजकता के लिए अर्ध-आवधिक मार्ग। प्लाज्मा भौतिकी रिपोर्ट 47 (5), 419-426 डीओआई: 10.1134/एस1063780एक्स2105007एक्स।
 - रॉय, ए., मंडल, के.के., चटर्जी, पी. एट अल। (2022), मजबूर केपी समीकरण और संशोधित मजबूर केपी समीकरण के माध्यम से एक चुंबकीय धूलदार प्लाज्मा में आयन ध्वनिक तरंगों पर बाहरी आवधिक बल का प्रभाव। ब्रेज़ जे फिज 52, 65. <https://doi.org/10.1007/s13538-021-01038-8>।
 - राउत, एस., मंडल, के.के., चटर्जी, पी. एट अल। (2021), धूल-आयन-ध्वनिक एकान्त तरंगों का प्रसार के लिए नम संशोधित कदोमत्सेव-पेटविशविली-बर्गर समीकरण के साथ धूल भरे प्लाज्मा में एक q-nonextensive nonthermal इलेक्ट्रॉन वेग वितरण, SeMA 78, 571–593. <https://doi.org/10.1007/s40324-021-00242-5>.
 - राउत, एस., रॉय, एस., कैरी, आर.आर., चटर्जी, पी., एट अल. (2021), सामान्यीकृत ज़खारोव-कुज़नेत्सोव और सामान्यीकृत संशोधित ज़खारोव-कुज़नेत्सोव समीकरणों के अनुमानित विश्लेषणात्मक समाधान, इंटर. जे. एपल. संगणना। गणित 7, 157 (2021), <https://doi.org/10.1007/s40819-021-01034-1>
 - राउत, एस., मंडल, के.के., रॉय, ए. और चटर्जी, पी. (2021), द्वि-आयामी आयन-ध्वनिक एकान्त तरंगों बाह्य आवर्त बल की उपस्थिति में एक सापेक्षिक घूर्णन चुम्बकित इलेक्ट्रॉन-पॉज़िट्रॉन-आयन प्लाज्मा में परोक्ष रूप से फैलती हैं, प्रमाण - जे। भौतिक। 95, 73 <https://doi.org/10.1007/s12043-021-02104-1>.
 - मंडल, ए.पी., और मंडल, पी.के. (2022), स्टैंड इम्प्लान्टेशन के बाद तीन-परत धमनी की दीवार में दवा का दो-चरण बंधन। फिजिका स्क्रिप्टा, 97(4), 045004, <https://doi.org/10.1088/1402-4896/ac58cc>

अध्याय-2

- विश्वास, एस., सरिफुद्दीन और मंडल, पी.के. (2021), एक असममित स्टेनोज्ड पोत में दवा के दो-चरण बंधन का एक अस्थिर विश्लेषण। बायोमेडिकल फिजिक्स एंड इंजीनियरिंग एक्सप्रेस, 8(1), 015014, <https://doi.org/10.1088/2057-1976/ac3d9b>
- मंडल, ए.पी., और मंडल, पी.के. (2021), एथेरोस्क्लेरोटिक प्लाक की उपस्थिति में अर्ध-एम्बेडेड स्टेंट से निकलने वाली दवा का विशिष्ट और गैर-विशिष्ट बंधन। बायोमैकेनिक्स और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में कंप्यूटर मेथड्स, 1-14, <https://doi.org/10.1080/10255842.2021.1986813>
- विश्वास, एस., सरिफुद्दीन और मंडल, पी.के. (2021), एक रोगी-विशिष्ट एथेरोस्क्लेरोटिक धमनी में धमनी फार्माकोकाइनेटिक्स-एक सिमुलेशन अध्ययन। GANIT: जर्नल ऑफ बांग्लादेश मैथमैटिकल सोसाइटी, 41(1), 62-77, <https://doi.org/10.3329/ganit.v41i1.55027>.
- दास, पी., सरिफुद्दीन, राणा, जे., और मंडल, पी.के. (2021), चरणों के बीच विनिमय के साथ स्टेनोटिक ट्यूब के माध्यम से क्षणिक कैसन द्रव प्रवाह में विलेय फैलाव। द्रव भौतिकी, 33(6), 061907, <https://doi.org/10.1063/5.0052770>
- अलसेमरी, आर.डी., मंडल, पी.के., सैयद, एच.एम., और अमीन, एन. (2021), अंतःशिरा दवा वितरण और ऊतक में इसके उत्थान पर अस्थिर विश्लेषण। एप्लाइड नॉनलाइनियर डायनेमिक्स जर्नल, 10(03), 531-546, <https://doi.org/10.5890/JAND.2021.09.012>.
- सरिफुद्दीन, अलसेमरी, आर.डी., और मंडल, पी.के. (2021), एक एम्बेडेड ड्रग-एल्यूटिंग स्टेंट से नियंत्रित डिलीवरी पर कोटिंग गुणों के प्रभाव: एक सिमुलेशन अध्ययन। जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल सिस्टम्स, 29(03), 687-717. <https://doi.org/10.1142/S0218339021500145>
- गिनी, एल.एन., पाल, एस., चक्रवर्ती, एस. और जिलाली, एस. (2021), रिफ्यूज और हार्वेस्टिंग दोनों के साथ रिएक्शन-डिफ्यूजन प्रीडेटर-प्री सिस्टम का पैटर्न डायनेमिक्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोमैथमैटिक्स, वर्ल्ड साइंटिफिक, 14(1), 2050084। <https://doi.org/10.1142/S1793524520500849>.
- बेंटआउट, एस., घनबारी, बी., जिलाली, एस. और गिनी, एल.एन. (2021), समय के भिन्नात्मक व्युत्पन्न और सामाजिक व्यवहार के साथ एक संक्रामक रोग के प्रसार में भविष्यवाणी का प्रभाव, मॉडलिंग, सिमुलेशन और वैज्ञानिक कंप्यूटिंग के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, विश्व वैज्ञानिक, 12(04), 2150023. <https://doi.org/10.1142/S1793962321500239>.
- हान, आर., गिनी, एल.एन. और दाई, बी। (2021), स्पैटिओटेम्पोरल प्रीडेटर-प्री मॉडल में रिफ्यूज एंड डिफ्यूजन के परिणाम, नॉनलाइनियर एनालिसिस: रियल वर्ल्ड एप्लीकेशन, एल्सेवियर, 60, 103311. <https://doi.org/10.1016/j.nonrwa.2021.103311>.

- जिलाली, एस., कट्टानी, सी. और गिनी, एल.एन. (2021), डिफेड प्रीडेटर-प्री मॉडल विथ प्री सोशल बिहेवियर, द यूरोपियन फिजिकल जर्नल प्लस, सिंगर, 136(940), 1-20। <https://doi.org/10.1140/epjp/s13360-021-01940-9>.
- गिनी, एल.एन., जिलाली, एस. और चक्रवर्ती, एस. (2021), शिकार शरण, कैओस, सॉलिटॉन और फ्रैक्टल्स, एल्सेवियर, 153(1), 111501 के साथ एक इंटरैक्टिंग प्रजाति मॉडल में क्रॉस-डिफ्यूजन-संचालित अस्थिरता। <https://doi.org/10.1016/j.chaos.2021.111501>.
- हान, आर., गिनी, एल.एन. और आचार्य, एस. (2022), प्रीडेटर-शिकार मुठभेड़ों के आधार पर रिएक्शन-क्रॉस-डिफ्यूजन मॉडल में कॉम्प्लेक्स डायनामिक्स, द यूरोपियन फिजिकल जर्नल प्लस, सिंगर, 137 (134), 1-27. <https://doi.org/10.1016/j.chaos.2021.111501>.
- हुसैन, एम., पाल, एस., तिवारी, पी.के., और पाल, एन. (2021), भय कैओस के साथ एक गैर-स्वायत्त शिकारी-शिकार मॉडल में द्विभाजन, अराजकता और बहुस्थिरता: नॉनलाइनियर साइंस का एक अंतःविषय जर्नल, 31, 123134। <https://doi.org/10.1063/5.0067046>.
- पांडे, पी., पाल, एन., सामंत, एस., ट्रिजानोव्स्की, पी., और चट्टोपाध्याय। जे। (2021), चरण-संरचित शिकारी-शिकार मॉडल की गतिशीलता: भय-प्रेरित समूह रक्षा की लागत और लाभ। जर्नल ऑफ थियोरिटिकल बायोलॉजी, 528, 110846. <https://doi.org/10.1016/j.jtbi.2021.110846>.
- वर्मा, एच., अंत्वी-फोर्डजौर, के., हुसैन, एम., पाल, एन., प्रसाद, डी.आर., और माथुर, पी. (2021), त्रि-पोषी खाद्य शृंखला मॉडल में "डबल" भय प्रभाव। द यूरोपियन फिजिकल जर्नल प्लस, 136, 905. <https://doi.org/10.1140/epjp/s13360-021-01900-3>.
- हुसैन, एम., पति, एन.सी., पाल, एस., राणा, एस., पाल, एन., और लाएक, जी.सी. (2021), नैनोकणों के साथ खाद्य शृंखला मॉडल में द्विभाजन और बहु-स्थिरता। सिमुलेशन में गणित और कंप्यूटर, 190, 808-825. <https://doi.org/10.1016/j.matcom.2021.06.017>.
- पति, एन.सी., गरई, एस., हुसैन, एम., लिएक, जी.सी., और पाल, एन. (2021), एक शिकारी-शिकार मॉडल में भय प्रेरित बहु-स्थिरता। द्विभाजन और अराजकता के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 31(10), 2150150. <https://doi.org/10.1142/S0218127421501509>.
- परवीन, आर., महापात्रा, टी.आर. और साहा, बी.सी. (2021), एन्ट्रापी जनरेशन और मैग्नेटोहाइड्रोडायनामिक (एमएचडी) प्राकृतिक संवहन का अध्ययन एक घुमावदार बाड़े में विभिन्न आयाम वाले और Cu-TiO₂ / वाटर हाइब्रिड नैनोफ्लुइड से भरा हुआ है। जर्नल ऑफ नैनोफ्लुइड्स, 10(3) 339-354। डीओआई: 10.1166/jon.2021.1794।
- मंडल, पी. और महापात्रा, टी.आर. (2021), एमएचडी डबल-डिफ्यूसिव मिश्रित संवहन और एक ट्रेपोजॉइडल गुहा में नैनोफ्लुइड की एन्ट्रापी पीढ़ी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैकेनिकल साइंसेज, 208, 106665. <https://doi.org/10.1016/j.ijmecsci.2021.106665>.

अध्याय-2

- परवीन, आर., मंडल, पी. और महापात्रा, टी.आर. (2021), डबल डिफ्यूसिव मैग्नेटोहाइड्रोडायनामिक (एमएचडी) प्राकृतिक संवहन और एन्ट्रापी जेनरेशन एक पृथक् रूप से गर्म झुके हुए गुंबद के आकार के संलग्नक में घन-पानी नैनोफ्लुइड से भरा हुआ है। जर्नल ऑफ़ नैनोफ्लुइड्स, 10 (4) 564-579. डीओआई: 10.1166/जॉन.2021.1799.
- ओयलकिन, आई.एस., मंडल, पी., मंडल, एस., महापात्रा, टी.आर., सिबांडा, पी. (2021), वाल्टर्स बी द्रव में निलंबित एकल-दीवार वाले कार्बन नैनोट्यूब का रियोलॉजिकल विश्लेषण। नैनोसाइंस और नैनोटेक्नोलॉजी-एशिया, 11(6)87-95. <https://doi.org/10.2174/2210681210999200819160223>.
- परवीन, आर. और महापात्रा, टी.आर. (2022), नैनोफ्लुइड से भरे घुमावदार बाड़े में एमएचडी डबल-डिफ्यूसिव मिश्रित संवहन और एन्ट्रापी पीढ़ी पर गर्मी और द्रव्यमान स्रोत प्रभाव। अरेखीय विश्लेषण: मॉडलिंग और नियंत्रण, 27 (2) 308-330। <https://doi.org/10.15388/namc.2022.27.25338>.
- साहा, एम.के., बनिक, एस., सिंह, डी. पांजा एम.एम. (2021), आर. यूरो में क्वांटम मैकेनिकल मॉडल के लिए कुशल इंटरपोलिंग वेवलेट कोलोकेशन स्कीम। भौतिक. जे. प्लस 136, 487. <https://doi.org/10.1140/epjp/s13360-021-01484-y>.
- चटर्जी, ए., पांजा, एम.एम., बसु, यू., दत्ता डी, मंडल बी.एन. (2021) सीडीवी वेवलेट आधार का उपयोग करके एक-आयामी एडवेक्शन डिफ्यूजन ट्रांसपोर्ट समीकरण को हल करना। इंडियन जे प्योर एप्ल मैथ 52, 872-896. <https://doi.org/10.1007/s13226-021-00092-x>।
- मौले, जे., पांजा, एम.एम. और मंडल, बी.एन., (2021), Daubechies तरंगिका आधार में हाबिल अभिन्न समीकरण का अनुमानित समाधान। क्यूबो (टेमुको), 23(2), 245-264। <https://doi.org/10.4067/S0719-06462021000200245>.
- सिंह, डी., साहा, एम.के., बनिक, एस. और पांजा, एम.एम., 2022. + में अर्ध-बिल्कुल हल करने योग्य स्टर्म-लिउविल समस्याओं के लिए एक कुशल इंटरपोलिंग वेवलेट कोलोकेशन स्कीम। अनुप्रयुक्त विज्ञान में गणितीय विधियाँ, 45(7), 4002-4023. <https://doi.org/10.1002/mma.8028>।
- दास पी.के., पांजा एम.एम., नॉनलाइनियर ऑटोनॉमस और नॉन-ऑटोनॉमस वेव-लाइक इक्वेशन के लिए एक रैपिड कन्वर्जेंट एप्रोक्सिमेशन स्कीम, फिलोमैट 35, 10, 3501–3520 <https://doi.org/10.2298/FIL2110501D>।
- बनर्जी, डी। और अधिकारी, एम। (2021), परिमित पुनरावृत्त क्रम के साथ तीन संपूर्ण कार्यों की संरचना। गणित के कोनुरलप जर्नल, 9(1), 10-18।
- बनर्जी, डी. और घोष, एस. (2021), कक्षा II के k-पुनरावृत्त कार्यों के सामान्यीकृत सापेक्ष निर्धारण बिंदु। दक्षिण पूर्व एशियाई गणित और गणितीय विज्ञान जर्नल, 17(1), 17-30।

- बनर्जी, डी. और घोष, एस. (2021), सामान्यीकृत के-पुनरावृत्त संपूर्ण कार्यों का विकास, गणित और उसके अनुप्रयोगों के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 9(2), 145-154।
- बनर्जी, डी। और अधिकारी, एम। (2021), संपूर्ण और मेरोमॉर्फिक कार्यों के पुनरावृत्त कार्यों के संबंध में पुनरावृत्त कार्यों के सापेक्ष क्रम पर, गणित और अनुप्रयोगों के एशियाई जर्नल, 2021, 1-14।
- बनर्जी, डी. और घोष, एस. (2021), पुनरावृत्त संपूर्ण कार्यों के विकास पर एक अध्ययन, गणित के फिलिस्तीन जर्नल, 10(2), 647-655.
- बनर्जी, डी. और सरकार, एस. (2021), (p,q) th -order and (p,q) th -type of Entire and Meromorphic Functions and कुछ अनुमान, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स एंड इट्स एप्लीकेशन्स, 9(3), 19-31.
- बनर्जी, डी. और घोष, एस. (2021), सामान्यीकृत पुनरावृत्त इंटीग्रल फ़ंक्शंस के विकास गुणों पर एक अध्ययन। गणित और गणितीय विज्ञान के रामानुजन सोसायटी के जे, 9(1), 29-46.
- चटर्जी, एस, बैग, टी. और सामंत, एस.के., (2021), सामान्यीकृत फ़्रज़ी नॉर्म्ड लीनियर स्पेस में यूनिफ़ॉर्म बाउंडेडनेस सिद्धांत। अफ्रीका मटेमेटिका, 32(1), 167-184. <https://doi.org/10.1007/s13370-020-00818-w>
- कुंडू, ए. बैग, टी. और नजमुल, एस.के. (2021), क्षेत्र और लंबाई को शामिल करते हुए ऑर्थोगोनैलिटी की एक नई धारणा, गणित स्लोवाका, 71(3), 781-748। <https://doi.org/10.1515/ms-2021-0016>.
- तमांग, पी।, और बैग, टी। (2021), कमजोर संगत मैपिंग, गणित और अनुप्रयोगों में संचार, 12(3), 417-443. <https://doi.org/10.26713/cma.v12i3.1480> के लिए फ़्रज़ी कोन नॉर्म्ड लीनियर स्पेस और कुछ निश्चित बिंदु परिणाम।
- महंत, एस और रे, एस (2021), लैपलेस इंटीग्रेबल फ़ंक्शन्स पर बाउंडेड लीनियर ऑपरेटरों का प्रतिनिधित्व। विश्लेषण और अनुप्रयोगों के पॉइन्केयर जर्नल। वॉल्यूम 8, नंबर 1 (द्वितीय) 91-99. 10.33786/pjaa.2021.v08i01(ii).007.
- गोल्डर, एस. और रे एस. (2022), नरम उपाय सिद्धांत। न्यू मैथमेटिक्स एंड नेचुरल कंप्यूटेशन 1-13, वर्ल्ड साइंटिफिक पब्लिशिंग कंपनी। <https://doi.org/10.1142/S1793005721500174>।
- गोल्डर, एस और रे, एस (2022), शास्त्रीय दृष्टिकोण से सॉफ्ट टोपोलॉजिकल ग्रुप और सॉफ्ट बोरेल माप। न्यू मैथमेटिक्स एंड नेचुरल कंप्यूटेशन 1-12, वर्ल्ड साइंटिफिक पब्लिशिंग कंपनी। डीओआई: 10.1142/एस1793005722500259.
- मैती, एस. और भुनिया, ए.के. (2021), एडिटिवली-इडमपोटेंट मल्टीप्लिकेटिवली-कैसलेटिव सेमिरिंग्स पर मैट्रिसेस के फैक्टर रैंक प्रिजर्वर्स, एशियन-यूरोपियन जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स, 14(5), 2150072, <https://doi.org/10.1142/S1793557121500728>।

अध्याय-2

- कुंभकर, एम. और भुनिया, ए.के. (2021), ली-मॉड्यूल के प्रमुख स्पेक्ट्रम पर, बीजगणित की पत्रिका और इसके अनुप्रयोग, 20(12), 2150220, <https://doi.org/10.1142/S0219498821502200>।

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं के संकेत के साथ संबंधित भवन / सदन / विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास:

गणित विभाग शिक्षा-भवन (विज्ञान संस्थान) के तहत सबसे पुराना विभाग है। इसकी स्थापना 1961 में B. A./B की शुरुआत के साथ हुई थी। अनुसूचित जाति। (ऑनर्स) गणित में। इसके बाद 1963 में दो वर्षीय एम.ए./एम. अनुसूचित जाति। विभाग में नियमित पीएचडी कार्यक्रम के साथ गणित में पाठ्यक्रम शुरू किया गया था।

वर्तमान में, संकाय सदस्य शोध के निम्नलिखित क्षेत्रों में लगे हुए हैं (सीमित नहीं): (ए) वास्तविक विश्लेषण, (बी) जटिल विश्लेषण, (सी) कार्यात्मक विश्लेषण, (डी) अस्पष्ट टोपोलॉजी, (ई) अस्पष्ट कार्यात्मक विश्लेषण, (एफ) सार बीजगणित, (जी) द्रव यांत्रिकी, (एच) कम्प्यूटेशनल तरल गतिशीलता, (i) वायुमंडलय विज्ञान, (जे) बायोमैकेनिक्स, (के) प्लाज्मा भौतिकी (एल) नॉनलाइनियर डायनेमिक्स (एम) कैओस-आधारित क्रिप्टोग्राफी और नेटवर्किंग (एन)) विभेदक समीकरणों का समरूपता और दर्दनाशक विश्लेषण, (ओ) कृत्रिम बुद्धिमत्ता, (पी) क्वांटम स्कैटरिंग थ्योरी, (क्यू) वेवलेट-आधारित संख्यात्मक विश्लेषण (आर) नॉनलाइनियर डिफरेंशियल इक्वेशन।

1961 में अपनी स्थापना के बाद से, विभाग के पास तीन हजार से अधिक पूर्व छात्र हैं। वे विभाग के विकास और विकास में एक प्रमुख हितधारक हैं। हम उन सभी छात्रों के साथ आजीवन भागीदारी शुरू करने की योजना बना रहे हैं जो स्नातक होने के बाद भी विश्व-भारती समुदाय का हिस्सा बने रहेंगे। दूसरी ओर, विभाग अपने विभाग में पूर्व छात्रों के दौरे, छात्रों और संकाय के साथ बातचीत, और विभाग की शैक्षणिक और शोध गतिविधियों में संभावित भागीदारी का स्वागत करता है।

प्राणिविज्ञान विभाग

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / एसएलईटी और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम
नेट उत्तीर्ण: 06

1. वितान रक्षित (जेआरएफ और एलएस)
2. माउ सिंगला रॉय (जेआरएफ और एलएस)
3. कपिल मंडल (एलएस)
4. ऋतब्रत रॉय (एलएस)
5. शौमी गुनिन (एलएस)
6. सोमृता मुखर्जी (एलएस)

सेट :02

1. पार्थ चक्रवर्ती (WB-SET)
2. सुलोगना बनर्जी (WB-SET)

गेट उत्तीर्ण: 15

1. वितान रक्षित (गेट-एक्सएल)
2. देबस्मिता सील (गेट-एक्सएल)
3. मौलीना चटर्जी (गेट-एक्सएल)
4. परना चक्रवर्ती (गेट-एक्सएल)
5. पूरबा नसीपुरी (गेट-एक्सएल; गेट-ईवाई)
6. रिया मंडल (गेट-एक्सएल)
7. ऋतब्रत रॉय (गेट-एक्सएल)
8. सैनिक बोस (गेट-एक्सएल)
9. सयानी चंद्रा (गेट-एक्सएल)
10. शमाङ्गता बेरा (गेट-एक्सएल)
11. शौमी गुनिन (गेट-एक्सएल)
12. स्नेहासिस सेनगुप्ता (गेट-एक्सएल)
13. सोमृता मुखर्जी (गेट-एक्सएल)
14. सुलग्ना बनर्जी (गेट-एक्सएल; गेट-बीटी)
15. स्वर्णाभ दत्ता (गेट-एक्सएल)

अध्याय-2

विभागीय संगोष्ठी (वक्ताओं, संगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक): 03

1. वेबिनार का शीर्षक: "न्यूट्रोफिल इन द पथोगेनेसिस ऑफ एज रिलेटेड मसकुलर डेजेनेरेशन"

दिनांक: 31.07.2021; मोड: जूम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ऑनलाइन

अध्यक्ष का नाम: डॉ देबाशीष सिन्हा, पीएच.डी. जेनिफर साल्विटी डेविस, एम.डी. चेयर इन ऑपथोलॉजी प्रोफेसर ऑफ ऑपथोलॉजी, सेल बायोलॉजी, और डेवलपमेंटल बायोलॉजी यूनिवर्सिटी ऑफ पिट्सबर्ग स्कूल ऑफ मेडिसिन, यूनाइटेड स्टेट्स।

थीम: इस व्याख्यान में, वक्ता ने उम्र से संबंधित (एएमडी) से दृष्टि हानि पर ध्यान केंद्रित किया, जो दुनिया भर में बढ़ती आबादी के कारण एक बड़ी समस्या है। स्पीकर ने विस्तार से बताया कि अवरोधक न्यूट्रोफिल घुसपैठ पैरा-सूजन को बनाए रखेगा और पुरानी सूजन में रूपांतरण को रोकता है जिससे एएमडी की प्रगति में देरी होती है। व्याख्यान में विभाग के शिक्षकों, शोधार्थियों और छात्रों ने भाग लिया। व्याख्यान के बाद प्रतिभागियों ने स्पीकर के साथ लंबी बातचीत की।

2. वेबिनार शृंखला का शीर्षक: "परजीवी - जीवन का एक तरीका"

दिनांक: 25.02.2022, मोड: जूम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ऑनलाइन

वक्ताओं के नाम:

- पद्म श्री प्रो. वीणा टंडन, एनएसआई वरिष्ठ वैज्ञानिक बायोटेक पार्क, लखनऊ; जूलॉजी के पूर्व प्रोफेसर, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग, मेघालय (मुख्य व्याख्यान),
- प्रो. एन.सी. सुकुल, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, प्राणी विज्ञान विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन (आमंत्रित व्याख्यान)
- प्रो. एस.एल. होती, एमेरिटस प्रोफेसर, आईसीएमआर-वेक्टर कंट्रोल रिसर्च सेंटर, पुडुचेरी (आमंत्रित व्याख्यान)
- एस.पी. सिन्हा बाबू, प्रोफेसर, प्राणीशास्त्र विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन (आमंत्रित व्याख्यान)
- प्रो. प्रदीप दास, वैज्ञानिक, आईसीएमआर-राजेंद्र मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, पटना, बिहार (आमंत्रित व्याख्यान),
- डॉ. प्रशांत सैनी, वैज्ञानिक, आईसीएमआर-वेक्टर कंट्रोल रिसर्च सेंटर फील्ड स्टेशन, केरल (आमंत्रित व्याख्यान),
- डॉ. निखिलेश जोर्डर, पोस्ट-डॉक्टोरल शोधकर्ता, वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सेंट लुइस, यूएसए (आमंत्रित व्याख्यान),

थीम: प्रो. एस.पी. सिन्हा बाबू, प्राणीशास्त्र विभाग, विश्वभारती की सेवानिवृत्ति का सम्मान करने के लिए ऑनलाइन वेबिनार शृंखला आयोजित की गई थी। वेबिनार का उद्देश्य जटिल आणविक तंत्र से शुरू

होने वाले परजीवी विज्ञान के विभिन्न पहलुओं को शामिल करना था, परजीवी संक्रमण के लिए व्यक्तिगत मेजबान स्तर की प्रतिक्रियाएं, और मेजबान-परजीवी बातचीत के पर्यावरण-विकासवादी गतिशीलता। प्रख्यात वक्ताओं ने परजीवी विज्ञान शोध के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की, जैसे कि भारत में कृमि मूल के उभरते हुए जूनोज, प्रमुख लसीका फाइलेरिया परजीवी वुचेरेरिया बैनक्रॉफ्टी में प्रमुख जीन की बहुरूपता, पश्चिमी घाट में लीशमैनियासिस का उभरता हुआ स्थानिक फोकस और फाइलेरिया थियोल-एंटीऑक्सीडेंट फाइलेरिया प्रबंधन को देखने के लिए एक प्रशंसनीय खिड़की को कम करें। भारत भर के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों / विश्वविद्यालयों और कॉलेजों से वर्चुअल मोड के माध्यम से कुल एक सौ इकतीस प्रतिभागियों ने वेबिनार में भाग लिया।

3. वेबिनार शृंखला का शीर्षक: "आधुनिक शोध के माध्यम से पारिस्थितिकी तंत्र के लिए जीन को समझना"

दिनांक: 25.03.2022; मोड: जूम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ऑनलाइन

वक्ताओं का नाम:

- प्रो. बर्नार्ड सी. पैटन, रीजेंट्स प्रोफेसर एमेरिटस, ओडुम्स स्कूल ऑफ इकोलॉजी, जॉर्जिया विश्वविद्यालय, यूएसए (मुख्य व्याख्यान),
- प्रो. ब्रायन फथ, टौसन यूनिवर्सिटी, यूएसए (आमंत्रित व्याख्यान),
- प्रो. फ्रेडरिक रेकनगेल, एडिलेड विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया (आमंत्रित व्याख्यान),
- प्रो. जॉर्ज अरहॉडित्सिस, प्रोफेसर और चेयर, यूनिवर्सिटी ऑफ टोरंटो स्कारबोरो, कनाडा (आमंत्रित व्याख्यान),
- प्रो. स्टुअर्ट बोरेट, उत्तरी कैरोलिना विश्वविद्यालय, यूएसए (आमंत्रित व्याख्यान),
- प्रो. अतनु दत्ताराय, हावर्ड विश्वविद्यालय, यूएसए (आमंत्रित व्याख्यान),
- प्रो. पुण्यस्तोके भादुरी, जैविक विज्ञान विभाग, भारतीय विज्ञान शिक्षा और शोध संस्थान (आईआईएसईआर)-कोलकाता, भारत (आमंत्रित व्याख्यान),
- प्रो. सब्यसाची भट्टाचार्य, कृषि और पारिस्थितिकी शोध इकाई, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता, भारत (आमंत्रित व्याख्यान),
- डॉ. संदीप मंडल, वैज्ञानिक, भारतीय आयुर्विज्ञान शोध परिषद, नई दिल्ली, भारत (आमंत्रित व्याख्यान),

थीम: ऑनलाइन वेबिनार शृंखला का आयोजन विश्वभारती के प्राणीशास्त्र विभाग के प्रोफेसर शांतनु रे की सेवानिवृत्ति के सम्मान में किया गया था। वेबिनार ने प्रायोगिक और सैद्धांतिक दोनों तरीकों का उपयोग करते हुए जीन से लेकर पारिस्थितिकी तंत्र की गतिशीलता तक विभिन्न स्तरों पर जीव विज्ञान में आधुनिक चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित किया। भारत और विदेशों के विभिन्न संस्थानों / विश्वविद्यालयों के

अध्याय-2

प्रसिद्ध वक्ताओं द्वारा दिए गए व्याख्यानो में प्रायोगिक और सैद्धांतिक दोनों दृष्टिकोणों का उपयोग करते हुए क्वांटम भौतिकी, आणविक आनुवंशिकी से लेकर पारिस्थितिकी तंत्र की गतिशीलता तक विभिन्न विषयों को शामिल किया गया। क्षेत्र पारिस्थितिकी वातावरण पर विशेष जोर दिया गया था: लापता लिंक (क्षेत्र को क्षेत्र पारिस्थितिकी में डालना); सिस्टम पारिस्थितिकी और पारिस्थितिक जटिलता; साइबर इन्फ्रास्ट्रक्चर द्वारा लागू पारिस्थितिक संश्लेषण; द बे ऑफ द क्विंट की आकर्षक पारिस्थितिक कहानी: वर्तमान स्थिति और भविष्य के दृष्टिकोण का मूल्यांकन; PGC-1, एक नया ट्रांसक्रिप्शन सह-सक्रियकर्ता, जो महिला जर्मलाइन विकास में भाग ले रहा है और जनसंख्या गतिशीलता और पारिस्थितिकी और इसकी भविष्य की संभावनाओं में सांख्यिकी की बढ़ती भूमिका है। कुल मिलाकर, एक सौ अट्हाईस प्रतिभागियों ने वर्चुअल मोड के माध्यम से वेबिनार में भाग लिया। प्रतिभागी दुनिया भर के प्रतिष्ठित संस्थानों/विश्वविद्यालयों और कॉलेजों से संबंधित थे। व्याख्यान के बाद व्यापक चर्चा हुई।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि:

समर कुमार साह, पीएच.डी. द्वारा प्रस्तुतियाँ

- 06.12.2021—08.12.2021: ऋत्विक् रॉय पीएच.डी. प्रो. समर कुमार साहा की देखरेख में, "मानव और पशु स्वास्थ्य में यांत्रिकी और चिकित्सीय दृष्टिकोण" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "अर्गुलस बेंगालेंसिस और उसके बाद के हेमेटोलॉजिकल और जैव रासायनिक प्रोफाइलिंग ऑफ इट्स होस्ट लेबियो रोहिता" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। "जूलोजी विभाग, कूच बिहार पंचानन बरमा विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित"

सुदीप्त मैत्रा

- 01.07.2021—03.07.2021: "समय से पहले डिम्बग्रंथि विफलता में चयापचय विकृति का अनुवाद: 4-नोनिलफेनॉल से इलाज वयस्क महिला जेब्राफिश (डैनियो रेरियो) से सबक" नामक एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, "तुलनात्मक एंडोक्रिनोलॉजी और व्यवहारिक पारिस्थितिकी में प्रगति" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "जूलोजी विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित"

राकेश कुंडू

- 21.03.2022: सीएसआईआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल बायोलॉजी, कोलकाता, भारत द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "मेटाफ्लेमेशन पर इंडो-फ्रांसीसी संगोष्ठी" में "घायल बीटा कोशिकाओं के किस्से: भ्रूण-ए की भूमिका का खुलासा" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया गया। और बोर्डो विश्वविद्यालय, फ्रांस ऑनलाइन मोड के माध्यम से

सुतापा मुखर्जी

- 20.11.2021—21.11.2021: राष्ट्रीय संगोष्ठी में "चुनौतियों पर काबू पाने: विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "फथलेट एस्टर के लंबे समय तक आहार प्रशासन के बाद वयस्क चूहों में इंसुलिन प्रतिरोध की शुरुआत" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया गया। 22वीं ओडिशा बिगयान 'ओ' परिवेश कांग्रेस का आयोजन ओडिशा पर्यावरण सोसायटी, भुवनेश्वर और रेनशॉ विश्वविद्यालय, कटक, ओडिशा द्वारा संयुक्त रूप से हाइब्रिड मोड के माध्यम से किया गया।
- 11.02.2022-13.02.2022: इंडियन सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ रिप्रोडक्शन द्वारा आयोजित "इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिप्रोडक्टिव हेल्थकेयर (ISSRF-2022)" में "म्यूरिन टेस्टिकुलर फंक्शन पर डाइटरी फैटी एसिड का डिफरेंशियल इफेक्ट" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। ऑनलाइन मोड के माध्यम से प्रजनन क्षमता
- 07.03.2022—08.03.2022: जेनवियो कॉन्फ्रेंस, यू.एस. द्वारा आयोजित "द्वितीय विश्व कांग्रेस ऑन डायबिटीज एंड एंडोक्रिनोलॉजी (WCDE'2022)" में "लक्ष्य ऊतकों में मोटापा-मध्यस्थता इंसुलिन प्रतिरोध: एडिपोकाइन्स की भूमिका" नामक मुख्य व्याख्यान दिया गया। ऑनलाइन मोड से

ऋतिक देव

- 21.06.2021—25.06.2021: सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ इवोल्यूशन द्वारा आयोजित "वर्चुअल इवोल्यूशन 2021" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "डाइटरी आला शिफ्ट्स के दौरान प्रजनन अलगाव का तेजी से, समानांतर विकास" नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

विभाग में चल रही शोध परियोजनाएं

- शिक्षक का नाम: प्रो. सुदीप्त मैत्रा (पीआई); प्रो. अंशुमान चट्टोपाध्याय (सह-पीआई), डॉ. सुतापा मुखर्जी (सह-पीआई) ने सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फ्रेशवाटर एक्वाकल्चर (आईसीएआर-सीफा), भुवनेश्वर और सेंट्रल इनलैंड फिशरीज रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईसीएआर-सीआईएफआरआई), बैरकपुर के सहयोग से, पश्चिम बंगाल
परियोजना का नाम: 'मछली प्रजनन में अंतःस्त्रावी व्यवधान का आकलन'
प्रायोजक एजेंसियां: जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), सरकार। भारत का
(BT/PR28560/AAQ/3/919/2018)
स्वीकृत राशि: विश्वभारती घटक: रुपये 1,01,60,640/-
- शिक्षक का नाम: प्रो. अंशुमान चट्टोपाध्याय (पीआई); यूजीसी-डीएई सीएसआर से प्रधान सहयोगी: डॉ अनिदिता चक्रवर्ती।
परियोजना का नाम: 'इंट्रासेल्युलर एनआरएफ 2 स्तर को कम करके कैंसर कोशिकाओं में रेडियो संवेदनशीलता में वृद्धि'

अध्याय-2

प्रायोजक एजेंसियां: वैज्ञानिक शोध के लिए यूजीसी-डीएई कंसोर्टियम (स्वीकृति संख्या सीआरएस/2021-22/02/520 दिनांक 31.03.2022)

स्वीकृत राशि: 2,58,360/- रुपये (शुरुआती)

- शिक्षक का नाम: सूर्य कुमार सैकिया (पीआई)
परियोजना का नाम: 'यह स्पष्ट करने के लिए कि क्या कीमोअट्रेक्टेंट्स भारतीय प्रमुख कार्पो में उनके विकास में तेजी लाने के लिए भोजन को प्रोत्साहित करते हैं'
प्रायोजक एजेंसियां: विज्ञान और इंजीनियरिंग शोध बोर्ड (एसईआरबी), भारत सरकार (स्वीकृति संख्या सीआरजी/2018/002360)
स्वीकृत राशि: रुपये 32,07,120/-
- शिक्षक का नाम: राकेश कुंडू (पीआई)
परियोजना का नाम: 'लिपोटॉक्सिसिटी प्रेरित बीटा-सेल डिसफंक्शन और अग्नाशयी आइलेट्स में सूजन की चोट में भ्रूण-ए की भूमिका की जांच करने के लिए'
प्रायोजक एजेंसियां: विज्ञान और इंजीनियरिंग शोध बोर्ड (एसईआरबी), सरकार। भारत की (स्वीकृति संख्या ईसीआर/2017/001028)
स्वीकृत राशि: रुपये 42,10,186/-
- शिक्षक का नाम: डॉ सुतापा मुखर्जी (पीआई)
परियोजना का नाम: 'उच्च वसा वाले आहार प्रेरित मोटापे में वृषण जर्म सेल एपोप्टोसिस को विनियमित करने वाले तंत्र को स्पष्ट करने के लिए जिससे इंसुलिन प्रतिरोध होता है'
प्रायोजक एजेंसियां: विज्ञान और इंजीनियरिंग शोध बोर्ड (एसईआरबी), सरकार। भारत की (स्वीकृति संख्या ईसीआर/2017/002470)
स्वीकृत राशि: रुपये 39,32,439/-
- शिक्षक का नाम: डॉ विनोद कुमार चौहान (पीआई)
परियोजना का नाम: "बॉम्बेक्स मोरी में पेब्राइन रोग का शीघ्र पता लगाने के लिए आणविक मार्करों की पहचान और लक्षण वर्णन"
प्रायोजक एजेंसियां: विज्ञान और इंजीनियरिंग शोध बोर्ड (एसईआरबी), सरकार। भारत की (स्वीकृति संख्या: SRG/2021/000936)
स्वीकृत राशि: रुपये 28,71,000/-

- शिक्षक का नाम: डॉ. ऋतिक देब (पीआई)
परियोजना का नाम: 'क्या आंत के रोगाणु मेजबान यौन चयन और प्रजातियों को प्रभावित कर सकते हैं: कृषि कीट ट्रिबोलियम कैस्टेनम का उपयोग कर एक अध्ययन।'
प्रायोजक एजेंसियां: विज्ञान और इंजीनियरिंग शोध बोर्ड (एसईआरबी), सरकार। भारत की (स्वीकृति संख्या एसआरजी/2021/001604)
स्वीकृत राशि: रुपये 28,71,000/-

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया:

- विभाग ने सभी शिक्षकों और छात्रों की सक्रिय भागीदारी के साथ गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की 160वीं जयंती मनाने के लिए एक ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया।
- विभाग ने 10.03.2022 को सच्ची भावना से 'गांधी पुण्य' मनाया।

शिक्षकों/विद्वानों या विभाग द्वारा समग्र रूप से प्राप्त शैक्षणिक उत्कृष्टता (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता)

अंशुमान चट्टोपाध्याय

- प्रो. अंशुमान चट्टोपाध्याय पत्रिका "द न्यूक्लियस" स्प्रिंगर-नेचर पब्लिकेशन्स (भारत और जर्मनी) में एसोसिएट एडिटर के रूप में शामिल हुए हैं।
- श्री अर्पण डे भौमिक, पीएच.डी. प्रो. अंशुमान चट्टोपाध्याय की देखरेख में, "क्रोनिक एक्सपोजर टू एनवायरनमेंटल रिलेवेंट कंसंट्रेशन ऑफ फ्लोराइड अल्टर्स ओग1 और रेड51 एक्सप्रेसन्स, एपिजेनेटिक रेगुलेशन की भागीदारी और कैल्शियम और विटामिन डी के पूरकता प्रभावी रूप से दंत और कंकाल को कम करता है" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत करने के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रेजेंटेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया। 06-08 दिसंबर 2021 के दौरान जूलॉजी विभाग, कूच बिहार पंचानन बरमा विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा आयोजित "मानव और पशु स्वास्थ्य में यांत्रिकी और चिकित्सीय दृष्टिकोण" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में फ्लोरोसिस और चूहों में मौलिक होमोस्टेसिस बनाए रखें।
- डॉ. पल्लव शॉ, जिन्होंने पीएच.डी. प्रो. अंशुमान चट्टोपाध्याय की देखरेख में, स्कूल ऑफ एप्लाइड एंड इंटरडिसिप्लिनरी साइंसेज, इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस, कोलकाता, भारत में प्रो. सुरजीत सिन्हा की सलाह के तहत एक शोध सहयोगी के रूप में शामिल हुए हैं।
- सुश्री सुनंदा मुखर्जी, पीएच.डी. प्रो. अंशुमान चट्टोपाध्याय की देखरेख में छात्र को प्रतिष्ठित डीएसटी इंस्पायर फेलोशिप (13वां विज्ञापन) से सम्मानित किया गया है।

अध्याय-2

दीपक कुमार मंडल

- प्रोफेसर दीपक कुमार मंडल को जूलॉजी विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान, पश्चिम बंगाल में डॉक्टरेट समिति के बाहरी सदस्य के रूप में चुना गया है।
- प्रो. दीपक कुमार मंडल को जूलॉजी, बांकुरा विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल के यूजी बीओएस के बाहरी सदस्य के रूप में चुना गया है।

लारिशा एम. लिंडेम

- प्रो. लारिशा एम. लिंडेम 27 जुलाई 2021 से मेघालय सरकार के मेघालय जैव विविधता बोर्ड (एक सांविधिक निकाय) के सदस्य हैं।

सुदीप्त मैत्रा

- प्रो. सुदीप्त मैत्रा को इंडियन सोसाइटी फॉर कम्परेटिव एंडोक्रिनोलॉजी (ISCE) के महासचिव के रूप में फिर से चुना गया है।
- प्रो. सुदीप्त मैत्रा को संपादकीय बोर्ड ऑफ फ्रंटियर्स इन इम्यूनोलॉजी (तुलनात्मक इम्यूनोलॉजी) में समीक्षा संपादक के रूप में मान्यता दी गई है।
- प्रो. सुदीप्त मैत्रा के साथ पीआई के रूप में डीबीटी परियोजना (बीटी/पीआर28560/एएक्यू/3/919/2018, दिनांक 27.12.2019) में जेआरएफ के रूप में कार्यरत सुश्री संपूर्ण कर्माकर ने वर्ष के दौरान डीबीटी-जेआरएफ नेट उत्तीर्ण किया है।

राकेश कुंडू

- डॉ. राकेश कुंडू को सीएसआईआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल बायोलॉजी, कोलकाता में केवल 1 महीने के लिए शोध कार्य/सहयोग करने के लिए इंडा विजिटिंग साइंटिस्ट, इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी, सत्र 2021-22 के लिए एक पुरस्कार पत्र मिला।
- डॉ. राकेश कुंडू की देखरेख में कार्यरत डॉ. चंद्रानी फौजदार को पीएच.डी. की उपाधि से सम्मानित किया गया। 25.01.2022 को 'गैर-छोटे सेल फेफड़ों के कैंसर में एनआरएफ 2 सिग्नलिंग' नामक थीसिस के लिए।
- डॉ. अल्पना मुखुटी, जिन्होंने पीएच.डी. डॉ. राकेश कुंडू की देखरेख में, जूलॉजी विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान, भारत में डीबीटी रिसर्च एसोसिएट के रूप में शामिल हुए हैं।

सुतापा मुखर्जी

- श्री सौम्यदीप बसु, पीएच.डी. डॉ. सुतापा मुखर्जी की देखरेख में, "चुनौतियों पर काबू पाने: भूमिका की भूमिका" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "ऑलिव ऑयल-आधारित आहार द्वारा मोटापे से ग्रस्त चूहों में टेस्टिकुलर डिसफंक्शन का सुधार" नामक पेपर प्रस्तुत करने के लिए जैविक खंड में सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 20-21 नवंबर 2021 के दौरान हाइब्रिड मोड के माध्यम से

ओडिशा पर्यावरण सोसायटी, भुवनेश्वर और रेनशॉ विश्वविद्यालय, कटक, ओडिशा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 22वीं ओडिशा विज्ञान 'ओ' परिवेश कांग्रेस के अवसर पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी"।

- डॉ. शीर्षा मंडल, जिन्होंने अपनी पीएच.डी. डॉ. सुतापा मुखर्जी की देखरेख में, भारतीय द्वारा आयोजित "इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिप्रोडक्टिव हेल्थकेयर (ISSRF-2022)" में "लो-डोज़ डाइटरी डायथाइल फ़ेथलेट चैलेंज म्यूरिन मेल रिप्रोडक्शन" शीर्षक वाला पोस्टर प्रस्तुत करने के लिए बेस्ट पोस्टर प्रेजेंटेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया। सोसायटी फॉर द स्टडी ऑफ रिप्रोडक्शन एंड फर्टिलिटी थ्रू
- डॉ. सुतापा मुखर्जी की देखरेख में कार्यरत डॉ. स्नेहासिस दास को पीएच.डी. की उपाधि से सम्मानित किया गया। 18.02.2022 को 'इंसुलिन प्रतिरोध के दौरान चूहों के कंकाल की मांसपेशी और वसा ऊतक में ऊर्जा होमोस्टेसिस की लिपिड प्रेरित हानि' शीर्षक वाली थीसिस के लिए.
- डॉ स्नेहाशीष दास, जिन्होंने पीएच.डी. डॉ सुतापा मुखर्जी की देखरेख में, हेरोल्ड हैम डायबिटीज रिसर्च सेंटर, ओक्लाहोमा विश्वविद्यालय, यू.एस. में पोस्ट डॉक्टरल फेलो के रूप में शामिल हुई हैं।
- डॉ. संगीता घोष, जिन्होंने पीएच.डी. डॉ सुतापा मुखर्जी की देखरेख में, फिजियोलॉजी विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, भारत में डी.एस. कोठारी पोस्ट डॉक्टरल फेलो के रूप में शामिल हुए हैं।
- श्री दीपंजन चट्टोपाध्याय, एक पीएच.डी. डॉ. सुतापा मुखर्जी की देखरेख में छात्र, सन फार्मा एडवांस्ड रिसर्च सेंटर, बड़ौदा, गुजरात, भारत में प्रबंधक - इन विट्रो बायोलॉजी के रूप में नौकरी में शामिल हुए हैं।

प्रकाशन:

पाठ्य पुस्तकें:

1. ऑर्गेनिक इवोल्यूशन, सिस्टमैटिक्स और टैक्सोनॉमी पर छात्र की किताब। एस.के. सैकिया, जया पब्लिशिंग हाउस, रोहिणी, दिल्ली, 2021, आईएसबीएन 978-93-90611-04-1.
2. फंडामेंटल ऑफ रिसर्च मेथडोलॉजी। एस.के. सैकिया और एस.आई मैती, अकिनिक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2021, आईएसबीएन 978-93-91216-25-2.

शोध पत्र:

लेखक:

1. जोर्डर, एन., सेन, ए., रथ, जे., और बाबू, एस.पी.एस. (2021), थिओरेटिकल रिडक्टेस (TrxR) का निषेध फाइलेरिया सूत्रकृमि में ऑक्सीडेटिव तनाव-प्रेरित एपोप्टोसिस को ट्रिगर करता है। आण्विक और जैव रासायनिक परजीवी विज्ञान, 242, 111364. आईएसएसएन: 0166-6851
3. , एन., शिट, पी., हलदर, एस., देबनाथ, यू., साहा, एस., मिश्रा, ए.के., और बाबू, एस.पी.एस. (2021) एपोप्टोसिस के सिंक्रनाइज़ सक्रियण के साथ रेडॉक्स होमोस्टेसिस का विघटन उपन्यास

अध्याय-2

- पिपेरिन डेरिवेटिव की एंटीफिलेरियल प्रभावकारिता पर प्रकाश डालता है: इन विट्रो मैकेनिस्टिक दृष्टिकोण। फ्री रेडिकल बायोलॉजी एंड मेडिसिन, 169, 343-360। आईएसएसएन: 0891-5849
4. घोष, एस., अल बसीर, एफ., चौधरी, जी., भट्टाचार्य, एस., और रे, एस. (2021), क्या प्राथमिक सहायक हमेशा सहकारी पक्षियों की गतिशीलता के लिए एक प्रमुख समूह होता है? सहकारी प्रजनन पक्षियों पर एक गणितीय अध्ययन। पारिस्थितिक मॉडलिंग, 459, 109728। आईएसएसएन: 1872-7026, <https://doi.org/10.1016/j.ecolmodel.2021.109728>।
 5. अधुर्या, एस., दास, एस., और रे, एस. (2022) एक उथले यूट्रोफिक मीठे पानी की झील में जलीय एविफौना द्वारा नाइट्रोजन और फॉस्फोरस लोडिंग। ऊर्जा, पारिस्थितिकी और पर्यावरण, 7(2), 111-129. आईएसएसएन: 2363-7692, <https://doi.org/10.1007/s40974-021-00228-z>
 6. कुंडू, एस., दासगुप्ता, एन., चक्रवर्ती, बी., पॉल, ए., रे, एस., और भट्टाचार्य, एस. (2021) आर्टेमिया एसपी के सबसे अनुकूल खाद्य एकाग्रता की पहचान करने के लिए विकास त्वरण महत्वपूर्ण है। पारिस्थितिक मॉडलिंग, 455, 109639, आईएसएसएन: 1872-7026, <https://doi.org/10.1016/j.ecolmodel.2021.109639>.
 7. अल बसीर, एफ., चौधरी, जे., दास, एस., और रे, एस. (2022) कीट आबादी पर शिकारी कीटों और जैव-कीटनाशक का संयुक्त प्रभाव: आवेगी मॉडल-आधारित अध्ययन। ऊर्जा, पारिस्थितिकी और पर्यावरण, 7(2), 173-185. आईएसएसएन: 2363-7692 <https://doi.org/10.1007/s40974-021-00226-1>
 7. अल बसिर, एफ., किरीचको, वार्ड। एन।, ब्लियस, केबी, और रे, एस. (2021) कसावा मोजेक रोग की गतिशीलता पर वेक्टर परिपक्वता समय का प्रभाव। गणितीय जीव विज्ञान का बुलेटिन, 83(8), 1-21. आईएसएसएन: 0092-8240, <https://doi.org/10.1007/s11538-021-00921-4>
 8. अधुर्या, एस., दास, एस., और रे, एस. (2021) जलीय प्रणालियों के फास्फोरस गतिकी पर जलीय एविफौना के प्रभावों का अनुकरण। पारिस्थितिक मॉडलिंग, 445, 109495. आईएसएसएन: 1872-7026, <https://doi.org/10.1016/j.ecolmodel.2021.109495>
 9. सिन्हा, एस., बनर्जी, ए., रक्षित, एन., रमन, ए.वी., भादुरी, पी., और रे, एस. (2021) काकीनाडा खाड़ी के फूड-वेब इंटरैक्शन में बैटिक-पेलाजिक कपलिंग का महत्व। पारिस्थितिक सूचना विज्ञान, 61:101208। आईएसएसएन: 1574-9541, <https://doi.org/10.1016/j.ecoinf.2020.101208>।
 10. घोष, एस., अल बसीर, एफ., चौधरी, जी., भट्टाचार्य, एस., और रे, एस. (2021) क्या प्राथमिक सहायक हमेशा सहकारी पक्षियों की गतिशीलता के लिए एक प्रमुख समूह होता है? सहकारी प्रजनन पक्षियों पर एक गणितीय अध्ययन। पारिस्थितिक मॉडलिंग, 459, 109728. आईएसएसएन: 2693-5015, डीओआई: 10.21203/rs.3.rs-240111/v1

11. अल बसिर, एफ।, टेकुची, वाई।, और रे, एस. (2021) बेडिंगटन-डीएंगेलिस रोग संचरण के साथ विलंबित पादप रोग मॉडल की गतिशीलता। गणितीय बायोसाइंसेज एंड इंजीनियरिंग, 18(1), 583-599. आईएसएसएन: 1547-1063. डीओआई:10.3934/एमबीई.2021032. पीएमआईडी: 33525109.
12. बंधोपाध्याय, ए., गरई, एस., बनर्जी, पी.पी., भट्टाचार्य, एस., और चट्टोपाध्याय, ए. (2021) इन विट्रो में मानव स्तन कैंसर कोशिकाओं के खिलाफ साइटोटोक्सिक गतिविधि के साथ बैकोपासापोनिन। आणविक जीव विज्ञान रिपोर्ट, 48(3), 2497-2505. <https://doi.org/10.1007/s11033-021-06284-2>. आईएसएसएन: 0301-4851
13. साहा, एस., घोष, पी., मंडल, पी., चट्टोपाध्याय, ए., और साहू, पी. (2021) आम जल जलकुंभी में हानिकारक साइनाइड के चयनात्मक आकलन में एक अद्वितीय केमोडोसमीटर का समावेश (इचोर्निया क्रैसिप्स): एक पर्यावरण शोधन। पर्यावरण विज्ञान। प्रक्रियाएं और प्रभाव, 23(9), 1308-1315. <https://doi.org/10.1039/d1em00172h>। आईएसएसएन: 2050-7895.
14. साहा, एस., दास, एस., सरकार, ओ., चट्टोपाध्याय, ए., रिसानेन, के., और साहू, पी. (2021) कीट परागित क्रॉपलैंड फूलों में हाइड्राज़िन के ट्रेस स्तरों को ट्रैक करने के लिए एक ल्यूमिनसेंट सेंसर का परिचय। न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 45 (37), 17095-17100। आईएसएसएन: 1144-0546. <https://doi.org/10.1039/D1NJ02661E>
15. बनर्जी, एस., इस्लाम, एस., चट्टोपाध्याय, ए., सेन, ए., और कर, पी. (2021) चांदी के नैनोकणों का संश्लेषण, कम उपयोग किए गए फल बैकाउरिया रेमीफ्लोरा (लटका) के रस का उपयोग कर रहा है और एमसीएफ -7 और एमडीए-एमबी 231 कैंसर सेल लाइनों के खिलाफ इसकी जैविक और साइटोटोक्सिक प्रभावकारिता है। वनस्पति विज्ञान के दक्षिण अफ्रीकी जर्नल। आईएसएसएन: 0254-6299. <https://doi.org/10.1016/j.sajb.2021.09.016>
16. शॉ, पी., मंडल, पी., डे भौमिक, ए., बंधोपाध्याय, ए., सुदर्शन, एम., चक्रवर्ती, ए., और चट्टोपाध्याय, ए. (2022) पर्यावरणीय रूप से प्रासंगिक हेक्सावैलेंट क्रोमियम मौलिक होमोस्टैसिस को बाधित करता है और ज़ेब्राफिश लीवर में एपोप्टोसिस को प्रेरित करता है। पर्यावरण प्रदूषण और विष विज्ञान का बुलेटिन, 108(4), 716-724। <https://doi.org/10.1007/s00128-021-03427-w>। आईएसएसएन: 00074861
17. शब्बीर, एम., सिंह, एम., मैती, एस., और साहा, एस.के. (2021) ऑर्गनोफॉस्फेट कीटनाशक (क्लोरोपाइरीफोस): पर्यावरण के लिए खतरा; अध्ययन से पौधे और पशु कोशिकाओं पर जीनोटॉक्सिसिटी का पता चलता है। पर्यावरणीय चुनौतियां, 5, 100313. आईएसएसएन: 2667-0100। डीओआई: 10.1016/j.envc.2021.100313

अध्याय-2

18. कुंडू, एस., मंडल, एस., मंडल, सी., और लिंडेम, एल.एम., (2021) सेना एसपीपी द्वारा हाइमेनोलेपिस डिमिनुटा के टेगुमेंटल एंजाइमों में परिवर्तन। एक्टा साइंटिफिक माइक्रोबायोलॉजी, 4(11): 39-45. आईएसएसएन: 2581-3226. <https://actascientific.comASMI-04-0949>
19. विश्वास, एस., और मैत्रा, एस. (2021) स्टेरॉयड-रहित फॉलिकल्स में परिवर्तित रेडॉक्स होमियोस्टेसिस कूपिक घटनाओं के एचसीजी विनियमन को दर्शाता है: परिपक्व oocytes में अंतःस्त्रावी और आईजीएफ अक्ष के बीच क्रॉस-टॉक। फ्री रेडिकल बायोलॉजी एंड मेडिसिन, 172, 675-687. <https://doi.org/10.1016/j.freeradbiomed.2021.07.023>. आईएसएसएन: 0891-5849
20. विश्वास, एस., घोष, एस., दास, एस., और मैत्रा, एस. (2021, नवंबर) महिला प्रजनन: अंतःस्त्रावी व्यवधान और एपिजेनेटिक्स के चौराहे पर। जूलॉजिकल सोसायटी की कार्यवाही में (पृ-1-14) सिंगर इंडिया। आईएसएसएन: 0974-6919, प्रिंट आईएसएसएन: 0373-5893 <https://doi.org/10.1007/s12595-021-00403-4>
21. देबनाथ, एस., और सैकिया, एस.के. (2020) विभिन्न खिला आदतों के साथ दो टेलोस्ट (लैबियो रोहिता और अनाबास टेस्टुडीनस) के पाचन तंत्र में एमाइलेज और प्रोटीज गतिविधि की विशेषता। एक्टा बायोलॉजिका स्ज़ेगेडिंसीस, 64(2), 173-179. .ISSN: 1588-4082, <https://doi.org/10.14232/abs.2020.2.173-179>
22. मुखुटी, ए., फ़ौज़दर, सी., और कुंडू, आर. (2021) TLR4-NF- κ B मार्ग को अवरुद्ध करना माउस आइलेट्स को उच्च वसा और भ्रूण-ए की मध्यस्थता के प्रभाव से बचाता है और इंसुलिन स्राव की क्षमता को पुनर्स्थापित करता है। आणविक और सेलुलर एंडोक्रिनोलॉजी, 532, 111314। <https://doi.org/10.1016/j.mce.2021.111314>. आईएसएसएन: 0303-7207
23. मल्लिक, टी., कर्मकार, ए., मुखुटी, ए., फ़ौज़दर, सी., मंडल, जे., मंडल, एस., प्रमाणिक, ए., कुंडू, आर., और बेगम, एन.ए. (2021) टाइप 2 मधुमेह में अमाइलॉइड एकत्रीकरण के निषेध की ओर फ्लोरोसेंट कार्बाज़ोल एनालॉग्स की प्रवृत्तियों की खोज: एक प्रायोगिक और सैद्धांतिक प्रयास। भौतिक रसायन विज्ञान की पत्रिका। बी, 125(37), 10481-10493. <https://doi.org/10.1021/acs.jpcc.1c06161>. आईएसएसएन: 1520-5207
24. मुखुटी, ए., फ़ौज़दर, सी., और कुंडू, आर. (2021) Fetuin-A β -कोशिकाओं से स्रावित होने से आइलेट्स में मैक्रोफेज का संचय होता है, सूजन बढ़ जाती है और इंसुलिन स्राव बाधित हो जाता है। जर्नल ऑफ़ सेल साइंस, 134(21), jcs258507. <https://doi.org/10.1242/jcs.258507>. आईएसएसएन: 1477-9137
25. चट्टोपाध्याय, डी., दास, एस., गुरिया, एस., बसु, एस., और मुखर्जी, एस. (2021) Fetuin-A MCP-1 और iNOS के माध्यम से वसा ऊतक मैक्रोफेज सामग्री और इंसुलिन प्रतिरोधी चूहों में सक्रियण को

- नियंत्रित करता है: IFN γ -JAK2-STAT1 मार्ग की भागीदारी। बायोकेमिकल जर्नल, 478(22), 4027-4043. <https://doi.org/10.1042/BCJ20210442>. आईएसएसएन:0264-6021
26. धनिया, एन.के., चौहान, वी.के., अभिलाष, डी., ठाकुर, वी., चैतन्य, आर.के., दत्ता-गुप्ता, एस., और दत्ता-गुप्ता, ए (2021) आंत-विशिष्ट एरिलफोरिन अचिया जनता में क्राय-प्रेरित क्षति के खिलाफ मिडगुट पुनर्योजी प्रतिक्रिया की मध्यस्थता करता है। तुलनात्मक जैव रसायन और शरीर विज्ञान। भाग बी, जैव रसायन और आणविक जीव विज्ञान, 255, 110600। <https://doi.org/10.1016/j.cbpb.2021.110600>। आईएसएसएन: 1096-4959
 27. साहा, एस., कामिला, एस., चट्टोपाध्याय, ए., और साहू, पी. (2022) शैवाल में संचित टिन की पहचान के लिए आसान और तीव्र रसायन विज्ञान विधि: एक समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा के लिए एक रणनीति। न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 46(9), 4233-4238। आईएसएसएन: 1144-0546. <https://doi.org/10.1039/D1NJ05680H>
 28. साहा, बी., और साहा, एस.के. (2022), बबूल औरिकुलफॉर्मिस पेरिकारप- प्री-स्टॉकिंग तालाब की तैयारी में मोहुआ तेल केक का एक विकल्प। एक्वाकल्चर, 548, 737586. आईएसएसएन: 0044-8486. डीओआई:10.1016/जे.एक्वाकल्चर.2021.737586
 29. दत्ता, एन., कर, पी.के., और साहा, एस.के. (2022) मीठे पानी की मछली लेबियो रोहिता में सर्कुलेटरी फिजियोलॉजी और एरिथ्रोपोएसिस प्रयोगात्मक रूप से अर्गुलस बेंगालेंसिस द्वारा परजीवित। एप्लाइड इंचिथोलॉजी के जर्नल। आईएसएसएन:1439-0426. डीओआई: 10.1111/जय.14287
 30. दत्ता, एन., कर, पी.के., और साहा, एस.के. (2022) लेबियो रोहिता (हैमिल्टन, 1822) की प्राथमिक तनाव प्रतिक्रिया और जैव रासायनिक प्रोफाइल, अर्गुलस बेंगालेंसिस (रामकृष्ण, 1951) के साथ प्रयोगात्मक रूप से परजीवित। जर्नल ऑफ फिश बायोलॉजी। आईएसएसएन:1095-8649. डीओआई: 10.1111/जेएफबी.15048
 31. मुखर्जी, यू., सामंत, ए., विश्वास, एस., घोष, एस., दास, एस., बनर्जी, एस., और मैत्रा, एस. (2022), नोनीलफेनोल के लिए क्रोनिक एक्सपोजर पुरुष जेब्राफिश (डैनियो रेरियो) में ऑक्सीडेटिव तनाव और जिगर की क्षति को प्रेरित करता है: सेलुलर ऊर्जा सेंसर, लिपिड संचय और प्रतिरक्षा मॉड्यूलेशन में यंत्रवत अंतर्दृष्टि। केमिको-बायोलॉजिकल इंटरैक्शन, 351, 109762. <https://doi.org/10.1016/j.cbi.2021.109762>. आईएसएसएन: 0009-2797
 32. कुंडू, एस., विश्वास, एस., घोष, एस., कर्मकार, आई., ब्रह्मचारी, जी., मैत्रा, एस., और साहू, पी. (2022) सेलुलर एटीपी की निगरानी के लिए एक चयनात्मक ल्यूमिनसेंट जांच: जेब्राफिश भ्रूण में विवो इमेजिंग के लिए संभावित अनुप्रयोग। जर्नल ऑफ फोटोकैमिस्ट्री एंड फोटोबायोलॉजी ए: केमिस्ट्री, 428, 113895. आईएसएसएन: 1010-6030 <https://doi.org/10.1016/j.jphotochem.2022.113895>

अध्याय-2

33. घोष, एस., विश्वास, एस., और मैत्रा, एस. (2022) ओव्यूलेशन के दौरान अंडे की रिहाई को नियंत्रित करने वाले आणविक निर्धारक: पिसिन मॉडल में परिप्रेक्ष्य। जलीय कृषि और मत्स्य पालन। आईएसएसएन: 2468-550X <https://doi.org/10.1016/j.aaf.2022.03.009>
34. मुखुटी, ए., फ़ौज़दार, सी., और कुंडू, आर. (2022) Fetuin-A अतिरिक्त अभिव्यक्ति लिपिड प्रेरित एपोप्टोसिस और β -कोशिका क्षति को बढ़ाती है। जर्नल ऑफ़ सेल्युलर फिजियोलॉजी, 237(1), 532-550. आईएसएसएन: 1097-4652. <https://doi.org/10.1002/jcp.30499>
35. कर्मकार, ए., मल्लिक, टी., फ़ौज़दार, सी., मुखुटी, ए., मंडल, एस., कुंडू, आर., और बेगम, एन.ए. (2022) ऑन्कोजेनिक प्रोटीन-प्रोटीन इंटरैक्शन को संशोधित करने में फ्लेवोनोइड आधारित छोटे अणुओं की भूमिका को समझना: चिकित्सीय शस्त्रागार के लिए एक खोज। जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1248, 131511. आईएसएसएन: 0022-2860, <https://doi.org/10.1016/j.molstruc.2021.131511>
36. एजेलोनू, ओ.सी., एलेकोफेहिंटी, ओ.ओ., अदनलावो, आई.जी., और कुंडू, आर. (2022) TGR5 डायबिटिक मॉडल चूहों में टिथोनिया डायवर्सिफोलिया सैपोनिन-समृद्ध अर्क के जवाब में GLP-1 स्त्राव को प्रबल करता है और अग्नाशयी आइलेट पुनर्जनन का कारण बनता है। आईएसएसएन: 2667-0313, <https://doi.org/10.1016/j.phyplu.2021.100203>
37. चौधरी, एस., और सैकिया, एस.के. (2021) अमोनिया एंबियंस एशियन स्टिंगिंग कैटफिश में ईजीएफ-एकेटी-एमटीओआर अक्ष की एसआईआरटी5 विनियमित अभिव्यक्ति को प्रेरित करता है हेटेरोपनेस्टेस फॉसिलिस (ब्लोच) 1974। एक्टा बायोलॉजिका स्ज़ेगेडिएंसिस, 2 (65), 263-270। आईएसएसएन: 1588-4082

एक ही विभाग के संयुक्त लेखक:

- 1) उकिल, बी., जोर्डर, एन., बाबू, एस.पी.एस., और लिंडेम, एल.एम. (2022) हाइमेनोलेपिस डिमिनुटा की माइटोकॉन्ड्रियल गतिविधि पर सेना के पौधे का प्रभाव। परजीवी रोगों के जर्नल, 46(1), 139-151. <https://doi.org/10.1007/s12639-021-01415-9>
- 2) चौधरी, एस., चटर्जी, एस.के., भट्टाचार्य, एस., मैत्रा, एस., और सैकिया, एस.के. (2020) अम्लीय माहौल प्रेरित पोस्ट-ऑक्सीडेटिव तनाव ज़ेब्राश के कंकाल की मांसपेशियों में एएमपीके-पीजीसी1 α -एसआईआरटी1 अक्ष को प्रभावित करता है, डैनियो रेरियो हैमिल्टन, 1822. एक्टा बायोलॉजिका स्ज़ेगेडिएंसिस, 64(2), 191-198। आईएसएसएन: 1588-4082, <https://doi.org/10.14232/abs.2020.2.191-198>
- 3) के. चटर्जी एट अल, एस (2021) क्या हाइड्रो-बायोलॉजिकल कारक स्पॉनिंग माइग्रेशन को प्रभावित करते हैं: भारत के गंगा नदी में हिल्सा (तेनुलोसा इलिशा) के प्रजनन आवास का एक केस स्टडी।

इंजिप्शियन जर्नल ऑफ एक्वाटिक बायोलॉजी एंड फिशरीज, 25(3), 187-199. आईएसएसएन: 2536-9814

पीयर/समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्रों की संख्या: 40, पुस्तक अध्याय:

1. जोदार, एन., मुखर्जी, एन., सिन्हा बाबू एस.पी. (2021) नैनोफार्मास्युटिकल्स टू टारगेट एंटीफिलेरियल्स: एक नए तरीके से वृद्धावस्था दवाओं का प्रशासन। 'उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों के लिए नैनोबायोटेक्नोलॉजी के अनुप्रयोग' में। अकादमिक प्रेस एल्सेवियर अध्याय 15, पृष्ठ 329-356
2. जोदार, एन, मुखर्जी, एन, हलदर, एस, जाना, के, सिन्हा बाबू, एस.पी. (2021) मानव परजीवी जीवों के अंदर डाउनस्ट्रीम एपोप्टोटिक संकेत को ट्रिगर करना परजीवी दवा विकास के लिए एक आशाजनक दृष्टिकोण को प्रदर्शित करता है: एक यंत्रवत परिप्रेक्ष्य। विषयगत खंड में 'स्वास्थ्य और रोगों में एपोप्टोसिस'। अध्याय 7, पृष्ठ 193-213, प्रोटीन रसायन विज्ञान और संरचनात्मक जीव विज्ञान में प्रगति।
3. रॉय, एस., देबनाथ, एस., और सैकिया, एस.के. (2021) मीठे पानी की मछलियों को खतरा और संरक्षण में सामुदायिक पारिस्थितिकी अध्ययन का अनुप्रयोग। विज्ञान और प्रौद्योगिकी शोध में वर्तमान दृष्टिकोण वॉल्यूम। 6, 69-76, आईएसबीएन 978-93-91312-29-9 (प्रिंट), 978-93-91312-30-5 (ऑनलाइन), डीओआई: 10.9734/बीपीआई/कास्टर/वी6/2462एफ
4. देबनाथ, एस., रॉय, एस., और सैकिया, एस.के. (2021) टेलोस्ट में मैक्रोन्यूट्रिएंट्स का अवशोषण। विज्ञान और प्रौद्योगिकी शोध में वर्तमान दृष्टिकोण वॉल्यूम। 6, 62-68, आईएसबीएन 978-93-91312-29-9 (प्रिंट), 978-93-91312-30-5 (ऑनलाइन), डीओआई: 10.9734/बीपीआई/कास्टर/वी6/2461एफ
5. सिन्हा, आर. (2022), मैक्रोफेज: टेलोस्ट इम्यून सिस्टम का एक प्रमुख खिलाड़ी। मैक्रोफेज में - उनकी खोज के 140 वर्ष। IntechOpen, DOI:10.5772/intechopen.103804.

वनस्पति विज्ञान विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट/गेट में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

नेट क्वालिफाई किया

1. अत्रि मुखोपाध्याय
2. अनेशा रॉय
3. देबमाल्या पाठक
4. मौली भट्टाचार्य
5. प्रियव्रत मंडल
6. ऊषा दास

छात्रों ने गेट क्वालिफाई किया,

गेट (जीवनविज्ञान)

1. अमित करमाकर
2. अत्रि मुखोपाध्याय
3. देबज्योति साहा
4. मौली भट्टाचार्य
5. प्रोसेनजीत मंडल
6. नेहाश्री लाहा
7. सैकत मंडल
8. शोचन बिसाख
9. तोटन दास
10. ऊषा दास

छात्रों ने सेट क्वालिफाई किया

1. अमीरुल इस्लाम
2. अत्री मुखोपाध्याय
3. मौली भट्टाचार्य
4. प्रलय शंकर गोराई
5. समिक हाजरा
6. सीतांशु दास

गेट (जैव प्रौद्योगिकी)

1. अमित करमाकर
2. अत्रि मुखोपाध्याय
3. प्रोसेनजीत मंडल
4. सौभिक पॉल

गेट (पारिस्थितिकी और विकास)

1. देबज्योति साहा

छात्रों ने जेम क्वालिफाई किया

1. श्रेया पाल

छात्रों JGEEBILS क्वालिफाई किया

1. देवलिना चक्रवर्ती

डीएसटी इंस्पायर जेआरएफ

1. कुणाल कुमार साह

डीएसटी इंस्पायर एसआरएफ

1. सुवर्ण मंडल

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी:

नारायण चंद्र मंडल

- 10.07.2021: बिधान चंद्र कॉलेज, आसनसोल, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित 'पौध बायोलॉजी में वर्तमान प्रगति: फसल सुधार की दिशा में प्रभाव' पर एक राष्ट्रीय वेबिनार में 'पौधे रोगजनकों का जैविक नियंत्रण' नामक एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया गया।
- 28.08.2021: फकीर मोहन विश्वविद्यालय, ओडिशा द्वारा आयोजित 'सूक्ष्मजीवों के जैव पूर्वोक्षण' पर एक राष्ट्रीय वेबिनार में 'पौधे के रोगजनकों को नियंत्रित करने के लिए चिटिनोलिटिक बैक्टीरिया का शोषण' नामक एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया गया।
- 30.09.2021: 'जीवन विज्ञान उद्योग में रुझान' विषय पर बर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यूजीसी-एचआरडीसी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'मायकोसेस के उपचार के लिए एंटीफंगल एजेंट' पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया गया।
- 22.01.2022 - 23.01.2022: दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑनलाइन) में लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. गौरी सक्सेना के मुख्य भाषण में "साइटोजेनेटिक्स, इन-विट्रो कल्चर और पौधों और रोगाणुओं की फाइटोकेमिस्ट्री" पर एक सत्र की अध्यक्षता की। सतत उपयोग" का आयोजन वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्वभारती और वनस्पति विज्ञान विभाग, रायदिघी कॉलेज द्वारा संयुक्त रूप से वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्वभारती में आयोजित किया गया।

स्वदेश रंजन विश्वास

- 22.01.2022 - 23.01.2022: सिद्धू कानो बिरसा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर दीपक के कर के मुख्य भाषण में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑनलाइन) में "साइटोजेनेटिक्स, इन विट्रो कल्चर और पौधों और सूक्ष्मजीवों की फाइटोकेमिस्ट्री" पर एक सत्र की अध्यक्षता की। सतत उपयोग के लिए "वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्वभारती और वनस्पति विज्ञान विभाग, रायदिघी कॉलेज द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया

सुब्रत मंडल

- 22.01.2022 - 23.01.2022: प्रो. अनीता मुखर्जी, कलकत्ता विश्वविद्यालय के पूर्ण व्याख्यान सत्र में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑनलाइन), "साइटोजेनेटिक्स, इन-विट्रो कल्चर और पौधों और रोगाणुओं की फाइटोकेमिस्ट्री" पर एक सत्र की अध्यक्षता की। सतत उपयोग" का आयोजन वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्वभारती और वनस्पति विज्ञान विभाग, रायदिघी कॉलेज द्वारा संयुक्त रूप से वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्वभारती में आयोजित किया गया।

चौधरी हबीबुर रहमान

- 22.01.2022 - 23.01.2022: "साइटोजेनेटिक्स, इन विट्रो कल्चर एंड फाइटोकेमिस्ट्री ऑफ प्लांट्स एंड माइक्रोब्स" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑनलाइन) के दौरान एक पूर्ण व्याख्यान सत्र (प्रो.

अध्याय-2

टी.के.मैती, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया) में अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। सतत उपयोग के लिए "वनस्पतिविज्ञानविभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिमबंगाल और वनस्पतिविज्ञान विभाग, रायदिघी कॉलेज, 24 परगना (एस), पश्चिम बंगाल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया

सोमा सुकुल

- 17.03.2022 - 19.03.2022: एक सत्र की अध्यक्षता की और "प्रो. एस एस बीर स्वर्ण पदक पुरस्कार" प्रतियोगिता में प्रस्तुति दी जिसका शीर्षक था "पश्चिम बंगाल के रारह क्षेत्र में टेरेडोफाइट्स के जातीय उपयोग पर एक तुलनात्मक सांख्यिकीय मूल्यांकन"। इंडियन फ़र्न सोसाइटी और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, संयुक्त रूप से वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, केरल और इंडियन फ़र्न सोसाइटी, चंडीगढ़ द्वारा कालीकट विश्वविद्यालय, केरल में आयोजित की जाती है।
- 22.01.2022 - 23.01.2022: विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑनलाइन) में "साइटोजेनेटिक्स, इन विट्रो कल्चर एंड फाइटोकेमिस्ट्री ऑफ प्लांट्स एंड माइक्रोब्स फॉर सस्टेनेबल यूज" पर एक मौखिक प्रस्तुति सत्र (ग्रुप ए) की अध्यक्षता की। वनस्पति विज्ञान, विश्वभारती और वनस्पति विज्ञान विभाग, रैदिघी कॉलेज

ज्ञानेंद्र रथ

- 02.09.2021: यूजीसी एचआरडीसी, रांची विश्वविद्यालय, रांची द्वारा आयोजित प्रायोगिक वनस्पति विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "अल्गल संस्कृति: एक सतत शैवाल-आधारित जैव-अर्थव्यवस्था की स्थापना की ओर" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।
- 09.09.2021: यूजीसी एचआरडीसी, रांची विश्वविद्यालय, रांची द्वारा आयोजित प्रायोगिक वनस्पति विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "शैवाल के चयापचय प्रोफाइलिंग में उपकरण और तकनीक" नामक एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 22.01.2022 - 23.01.2022: बर्दवान विश्वविद्यालय के प्रो. तुषार कांति मैती के पूर्ण व्याख्यान में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑनलाइन) में "साइटोजेनेटिक्स, इन विट्रो कल्चर एंड फाइटोकेमिस्ट्री ऑफ प्लांट्स एंड माइक्रोब्स फॉर सस्टेनेबल" पर एक सत्र की अध्यक्षता की। यूज़ का आयोजन संयुक्त रूप से वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्वभारती और वनस्पति विज्ञान विभाग, रैदिघी कॉलेज द्वारा किया गया। 22.01.2022 से 23.01.2022
- 10.02.2022: डीबीटी स्टार्ट कॉलेज कार्यक्रम के तहत "अल्गल बायोटेक्नोलॉजी: सालीपुर ऑटोनॉमस कॉलेज, सालीपुर, कटक, ओडिशा में हालिया प्रगति और अवसर" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

अंजलिका रॉय

- 15.12.2021 - 17.12.2021: सुरक्षित भोजन, पोषण और पर्यावरण के सतत प्रबंधन के लिए एकीकृत दृष्टिकोण पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में इपोमिया बटाटा (एल।) लैम के ईएमएस प्रेरित रूपों में कुल पॉलीफेनिल विटामिन ए और एंटीऑक्सिडेंट का आकलन शीर्षक वाला एक पेपर प्रस्तुत किया। कल्याणी विश्वविद्यालय, कोच्चि विश्वविद्यालय (जापान), यूक्रेन के एनएस के हाइड्रोबायोलॉजी संस्थान, और यूनिवर्सिटी सेन्स मलेशिया (मलेशिया) और हनोई विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से बेहतर स्वास्थ्य का आयोजन
- 22.01.2022 - 23.01.2022: वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्व द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "साइटोजेनेटिक्स, इन विट्रो कल्चर एंड फाइटोकेमिस्ट्री ऑफ प्लांट्स एंड माइक्रोब्स फॉर सस्टेनेबल यूज" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑनलाइन) में मौखिक प्रस्तुति सत्र की अध्यक्षता की।-भारती और वनस्पति विज्ञान विभाग, रैदिघी कॉलेज

हेमा गुप्ता जोशी

- 22.01.2022 - 23.01.2022: कलकत्ता विश्वविद्यालय के प्रो. रीता कुंडू के पूर्ण व्याख्यान में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑनलाइन) में "साइटोजेनेटिक्स, इन विट्रो कल्चर एंड फाइटोकेमिस्ट्री ऑफ प्लांट्स एंड माइक्रोब्स फॉर सस्टेनेबल" पर एक सत्र की अध्यक्षता की। यूज" का आयोजन संयुक्त रूप से वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्वभारती और वनस्पति विज्ञान विभाग, रैदिघी कॉलेज द्वारा किया गया।

बॉम्बा दाम

- 11.07.2021 - 12.07.2021: सेठ आनंदराम जयपुरिया कॉलेज, कोलकाता द्वारा आयोजित "हाल ही में वैश्विक महामारी में एक अंतर्दृष्टि: रासायनिक और जैविक दृष्टिकोण" पर दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय वेबिनार में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक "कैसे गट माइक्रोब्स COVID-19 और अन्य बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं"

नंदलाल मंडल

- 22.01.2022 - 23.01.2022: वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल-731235 और वनस्पति विज्ञान विभाग, रायदिघी कॉलेज द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑनलाइन), 2022 में एक पोस्टर प्रस्तुति सत्र (ग्रुप सी) की अध्यक्षता साइटोजेनेटिक्स, इन विट्रो कल्चर और पौधों और सूक्ष्म जीवों के सतत उपयोग के लिए फोटोकेमिस्ट्री पर।

अनिंद विश्वास

- 22.01.2022 - 23.01.2022: वनस्पति विज्ञान, विश्वभारती और वनस्पति विज्ञान विभाग, रैदिघी कॉलेज विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "साइटोजेनेटिक्स, इन विट्रो कल्चर एंड

अध्याय-2

फाइटोकेमिस्ट्री ऑफ प्लांट्स एंड माइक्रोब्स फॉर सस्टेनेबल यूज" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑनलाइन) में मौखिक प्रस्तुति सत्र (ग्रुप बी) की अध्यक्षता की।

शोध विद्वान:

अमित रक्षित

- 17.03.2022 - 19.03.2022: "यंग टेरेडोलोजिस्ट अवार्ड" प्रतियोगिता में प्रस्तुत प्रस्तुति "इंडोल एसिटिक एसिड द्वारा पौधों की वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए मार्सिलिया मिनुटा एल से पृथक एंडोफाइटिक बैक्टीरिया का उत्पादन करती है।" इंडियन फ़र्न सोसाइटी और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के XVI सम्मेलन में, संयुक्त रूप से वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, केरल और इंडियन फ़र्न सोसाइटी, चंडीगढ़ द्वारा कालीकट विश्वविद्यालय, केरल में आयोजित किया गया।

देवारती प्रमाणिक

- 22.01.2022 - 23.01.2022: त्रिपुरा से "साइटोजेनेटिक्स, इन विट्रो कल्चर" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑनलाइन) में "एक्विलारिया मैलाकेंसिस के अगरवुड तेल (अगरू/गहारू) की फाइटोकेमिकल विश्लेषण और जीवाणुरोधी स्क्रीनिंग" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। और सतत उपयोग के लिए पौधों और सूक्ष्म जीवों की फाइटोकेमिस्ट्री "वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्व-भारती और वनस्पति विज्ञान विभाग, रैदिघी कॉलेज द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

कृष्णेंद्र प्रमाणिक

- 10.07.2021: बिधान चंद्र कॉलेज, दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "पौधे जीव विज्ञान में वर्तमान प्रगति: फसल सुधार के लिए प्रभाव" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में अध्यक्ष के रूप में भाग लिया।

नंदिता पाल

- 17.03.2022 - 19.03.2022: इंडियन फ़र्न सोसाइटी और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के XVI सम्मेलन में "यंग टेरेडोलोजिस्ट अवार्ड" प्रतियोगिता में "अज़ोला माइक्रोफिला की आकृति विज्ञान और सीसा और तांबे के उपचार में इसकी क्षमता" नामक एक पेपर प्रस्तुत किया गया, जिसे संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, केरल और इंडियन फ़र्न सोसाइटी, चंडीगढ़, कालीकट विश्वविद्यालय, केरल

राजर्षि भट्टाचार्य

- 22.01.2022 - 23.01.2022: दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पालतू पशुओं में सार्स-सीओवी-2 संचरण की आणविक भविष्यवाणी" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया गया, "साइटोजेनेटिक्स, इन विट्रो कल्चर और पौधों और सूक्ष्मजीवों की फाइटोकेमिस्ट्री में"। सतत उपयोग के लिए "वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्वभारती और वनस्पति विज्ञान विभाग, रायदिघी कॉलेज द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया

रजत कांति सरकार

- 22.01.2022 - 23.01.2022: एक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑनलाइन) में 'एक उपन्यास Cu, Zn- सुपरऑक्साइड डिसम्यूटेज से एक भारतीय मैंग्रोव, एविसेनिया मरीना के नमक सहिष्णुता में व्यापक लक्षण वर्णन और आणविक अंतर्दृष्टि' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्व-भारती और वनस्पति विज्ञान विभाग, रैदिघी कॉलेज द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "साइटोजेनेटिक्स, इन विट्रो कल्चर और पौधों और सूक्ष्मजीवों के सतत उपयोग" पर

राजू विश्वास

- 22.01.2022 - 23.01.2022: "साइटोजेनेटिक्स, इन विट्रो कल्चर और फाइटोकेमिस्ट्री में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑनलाइन) में 'सुंदरबन के न्यूमेटोफोर से पृथक एंडोफाइट्स द्वारा एक्सोपॉलीसेकेराइड उत्पादन को प्रेरित करने के लिए कोल्ड-शॉक ट्रीटमेंट' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। सतत उपयोग के लिए पौधे और सूक्ष्म जीव "वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्वभारती और वनस्पति विज्ञान विभाग, रैदिघी कॉलेज द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित

रिया चक्रवर्ती

- 22.01.2022 से 23.01.2022: "साइटोजेनेटिक्स, इन विट्रो कल्चर और फाइटोकेमिस्ट्री" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑनलाइन) में "फाइटोरेमेडिएशन- भारी धातु प्रदूषण के गंभीर पर्यावरणीय खतरे को कम करने के लिए एक लागत प्रभावी उपकरण" नामक एक पोस्टर प्रस्तुत किया। वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्वभारती और वनस्पति विज्ञान विभाग, रैदिघी कॉलेज द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "सस्टेनेबल यूज के लिए पौधों और सूक्ष्मजीवों का"

समिक हाज़रा

- 22.01.2022 से 23.01.2022: दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑनलाइन) में "साइटोजेनेटिक्स, इन विट्रो कल्चर एंड फाइटोकेमिस्ट्री ऑफ प्लांट्स एंड माइक्रोब्स फॉर सस्टेनेबल यूज" का आयोजन संयुक्त रूप से वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्व-भारती और वनस्पति विज्ञान विभाग, रैदिघी कॉलेज द्वारा किया गया है और अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए 'सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार' प्राप्त किया है।

सत्यजीत उरांव

- 22.01.2022 से 23.01.2022: दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑनलाइन) में "साइटोजेनेटिक्स, इन-विट्रो संस्कृति और वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्वभारती और वनस्पति विज्ञान विभाग, रैदिघी कॉलेज द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "स्थायी उपयोग के लिए पौधों और रोगाणुओं की फाइटोकेमिस्ट्री"

अध्याय-2

सैयदा नुरुन्नेसा बेगम

- 22.01.2022 से 23.01.2022: दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑनलाइन) में "साइटोजेनेटिक्स, इन विट्रो कल्चर एंड फाइटोकेमिस्ट्री ऑफ प्लांट्स एंड सस्टेनेबल यूज के लिए माइक्रोब्स" का आयोजन संयुक्त रूप से वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्वभारती और वनस्पति विज्ञान विभाग, रैदिघी कॉलेज द्वारा किया गया।

यशोदा सुब्बा

- 22.01.2022 से 23.01.2022: "साइटोजेनेटिक्स, इन विट्रो कल्चर एंड फाइटोकेमिस्ट्री ऑफ प्लांट्स" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑनलाइन) में "पश्चिम बंगाल भारत के दार्जिलिंग जिले की तीस्ता घाटी में औषधीय पौधों का एक नृवंशविज्ञान अध्ययन" शीर्षक से प्रस्तुत किया गया। एंड माइक्रोब्स फॉर सस्टेनेबल यूज" का आयोजन संयुक्त रूप से वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्वभारती और वनस्पति विज्ञान विभाग, रैदिघी कॉलेज द्वारा किया गया।

ज़िन्निया सुल्ताना

- 22.01.2022 से 23.01.2022: "एक्सप्लोरेशन ऑफ फार्माकोग्नोस्टिक कैरेक्टर्स एंड फाइटोकेमिकल प्रोफाइल्स ऑफ तबेबुडियाउरिया (सिल्वा मानसो) बेंथ" शीर्षक से प्रस्तुत पेपर। &अंकुश। एफ। पूर्व एस मूर, एक महत्वपूर्ण नृवंशविज्ञान वृक्ष" दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑनलाइन) में "साइटोजेनेटिक्स, इन विट्रो कल्चर एंड फाइटोकेमिस्ट्री ऑफ प्लांट्स एंड माइक्रोब्स फॉर सस्टेनेबल यूज" पर संयुक्त रूप से वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्व-भारती और वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित किया गया।, रायदिघी कॉलेज

कार्यशाला में विद्यार्थियों की भागीदारी :

देबोस्मिता मुखर्जी

- 10.08.2021 - 19.08.2021: सी जी भक्त जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, उका तरसाडिया विश्वविद्यालय, बारडोली, गुजरात द्वारा आयोजित "जीनोमिक्स और प्रोटीओमिक्स में मूल बातें में ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स" में 30 घंटे में भाग लिया।

कृष्णेंद्र प्रमाणिक

- 18.11.2021-27.11.2021: "उन्नत जैव-सूचना विज्ञान (अंतःविषय)" पर 40 घंटे के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), वारंगल और यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (बीआईटी कैम्पस) द्वारा आयोजित, अन्ना विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु
- 13.03.2022 - 31.03.2022: नेक्स्टजेनहेल्पर प्रा. लिमिटेड, नई दिल्ली

- 10.07.2021: बिधान चंद्र कॉलेज, दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "पौध बायोलॉजी में वर्तमान प्रगति: फसल सुधार के लिए प्रभाव" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में अध्यक्ष के रूप में भाग लिया

संदीपन बनर्जी

- 18.11.2021-27.11.2021: "उन्नत जैव-सूचना विज्ञान (अंतःविषय)" पर 40 घंटे के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), वारंगल और यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (बीआईटी कैम्पस) द्वारा आयोजित, अन्ना विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु

चल रही शोध परियोजनाएं:

नाम	परियोजना का नाम	प्रायोजक एजेंसियां	स्वीकृत राशि (रुपये में)
नारायण चंद्र मंडल	दूषित मिट्टी में केंचुआ आंत के रोगाणुओं ने कार्सिनोजेनिक पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन (CPAHs) की मध्यस्थता की	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारतसरकार	6,93,702
स्वदेश रंजन विश्वास	लैक्टोबैसिलस फेरमेंटम M1 के CRISPR-Cas9 का उपयोग करके लैक्टिक एसिड बैक्टीरिया के लिए एक कुशल खाद्य-ग्रेड जीनोम इंजीनियरिंग प्लेटफॉर्म का विकास	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार	64,58,160
ज्ञानेंद्र रथ	पश्चिम बंगाल के छोटे बच्चों के मातृ पूरक और न्यूरोडेवलपमेंट के लिए पश्चिम बंगाल की आर्द्रभूमि से शैवाल पैदा करने वाले डीएचए (डोकोसाहेक्सैनोइक एसिड) की खोज	डी.एस.टी. बंगाल सरकार	10,80,000
ज्ञानेंद्र रथ	रोगाणुरोधी प्रतिरोध के खिलाफ उपन्यास एंटीबायोटिक दवाओं की तलाश में तनावग्रस्त आवासों से सायनोबैक्टीरिया के गुप्त और कोरम-विरोधी संवेदन प्राकृतिक उत्पादों को अनलॉक करना	एस.ई.आर.बी. भारत सरकार	46,71,370

अध्याय-2

नाम	परियोजना का नाम	प्रायोजक एजेंसियां	स्वीकृत राशि (रुपये में)
बोम्बा दम	मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र में समुद्री जल घुसपैठ के कारण माइक्रोबियल जनसंख्या गतिशीलता और कार्बन साइकलिंग पर सल्फेट का प्रभाव: एक भविष्य ग्लोबल वार्मिंग परिदृश्य	डी.एस.टी. बंगाल सरकार	11,99,000
बोम्बा दम	कंपोजिट कल्चर सिस्टम के तहत इंडियन मेजर कार्प्स, लेबियो रोहिता, सिरिनस मृगला और कैटला कैटला के विकास में सुधार के लिए प्रीबायोटिक फीड सप्लीमेंट: ए गट माइक्रोबायोम और न्यूट्रीजेनोमिक्स आधारित दृष्टिकोण	डीबीटी, भारत सरकार, [बर्धमान विश्वविद्यालय के साथ नेटवर्क परियोजना]	55,17,000 विश्वभारती संघटक

शिक्षकों/विद्वानों या विभाग द्वारा समग्र रूप से प्राप्त शैक्षणिक भेद (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता)

नारायण चंद्र मंडल

- बाहरी विशेषज्ञ बी.ओ.एस. आलिया विश्वविद्यालय के जैविक विज्ञान में
- वनस्पति विज्ञान और पर्यावरण विज्ञान विभागों के बीआरएस के बाहरी विशेषज्ञ, बर्दवान विश्वविद्यालय
- माइक्रोबायोलॉजी विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय के विभागीय शोध अध्ययन के बाहरी विशेषज्ञ सदस्य
- संस्थागत जैव सुरक्षा समिति, एनआईटी, दुर्गापुर के बाहरी विशेषज्ञ सदस्य

सुब्रत मंडल

- विशेषज्ञ पीएच.डी. समिति: वनस्पति विज्ञान विभाग, विद्यासागर विश्वविद्यालय, मिदनापुर
- चौधरी हबीबुर रहमानी
- पश्चिम बंगाल औषधीय पादप बोर्ड, सरकार की शोध सलाहकार समिति के विशेषज्ञ सदस्य। पश्चिम बंगाल का।

सुब्रत मंडल

- विशेषज्ञ पीएच.डी. समिति: वनस्पति विज्ञान विभाग, विद्यासागर विश्वविद्यालय, मिदनापुर
- सोमा सुकुल
- इंडियन फ़र्न सोसाइटी के बोर्ड सदस्य (पंजाब संशोधन अधिनियम 1957 द्वारा संशोधित सोसायटी पंजीकरण अधिनियम XXI 1860 के तहत पंजीकृत)

- बेस्ट पेपर प्रेजेंटेशन के लिए टेरिडोलॉजी (इंडियन फ़र्न सोसाइटी द्वारा) में प्रोफेसर एस एस बीर गोल्ड मेडल प्राप्त किया

अदानी लोखो

- सेंट एंथोनी कॉलेज, शिलांग के लिए ग्रीन ऑडिट सदस्य।

प्रकाशन:/ अन्य पुस्तकें (पुस्तक अध्याय):

नारायण चंद्र मंडल

- प्रमाणिक के, बनर्जीएस, मुखर्जी डी, साहा केके, मैती टीके, मंडल एनसी (2021), "भारी धातु (लॉड्ड) -संदूषित कृषि क्षेत्रों के बायोरेमेडिएशन में पौध ग्रोथ-प्रमोशन राइजोबैक्टीरिया की लाभकारी भूमिका"। इन: हर्स्ट क्रिस्टन जे. (सं.), माइक्रोब्स: द फाउंडेशन स्टोन ऑफ द बायोस्फीयर। स्प्रिंगर, चाम, पीपी. 441-495. आईएसबीएन: 978-3-030-63511-4, डीओआई: https://doi.org/10.1007/978-3-030-63512-1_22
- बर्मन एस, गोरार्ड पी, मंडल एनसी (2021), ट्राइकोडर्मा एसपीपी। कृषि उद्योग में अनुप्रयोग और भविष्य की संभावनाएं। इन: डी मंडल एस और पासारी एके (संस्करण), माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजी में हालिया प्रगति। (एकेडमिक प्रेस, एल्सेवियर), पीपी 49-70, आईएसबीएन 978-0-12-822098-6, <https://doi.org/10.1016/B978-0-12-822098-6.00008-2>
- गोस्वामी एल, गोरार्ड पीएस और मंडल एनसी (2021), वर्मीकम्पोस्टिंग के दौरान माइक्रोबियल फोर्टीफिकेशन: एक संक्षिप्त समीक्षा। इन: डी मंडल एस और पासारी एके (संस्करण), माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजी में हालिया प्रगति। (एकेडमिक प्रेस, एल्सेवियर), पीपी 99-122, आईएसबीएन 978-0-12-822098-6, <https://doi.org/10.1016/B978-0-12-822098-6.00011-2>
- प्रमाणिक के, मैती टीके, मंडल एनसी (2021), "भारी धातु प्रतिरोधी पौधों की संभावित भूमिका-संदूषित क्षेत्रों के बायोरेमेडिएशन में राइजोबैक्टीरिया को बढ़ावा देना और स्थायी कृषि के लिए आवश्यक पौधों की वृद्धि में वृद्धि"। इन: डी मंडल, पासारी ए.के. (संस्करण) माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजी में हालिया प्रगति, पीपी। 357-385. अकादमिक प्रेस, एल्सेवियर। [ईबुक आईएसबीएन: 9780128232613] <https://doi.org/10.1016/B978-0-12-822098-6.00014-8>
- घोष आर, मंडल नेकां (2022), राइजोस्फीयर इंजीनियरिंग में कोरम सेंसिंग। इन: दुबे आरसी, कुमार पी, (संपा.) राइजोस्फीयर इंजीनियरिंग (अकादमिक प्रेस, एल्सेवियर), आईएसबीएन: 978-0-323-89973-4। पीपी. 355-381, डीओआई नंबर: <https://doi.org/10.1016/B978-0-323-89973-4.00011-9>

अध्याय-2

अंजलिका राय

- राय ए, घोष एस (2021), स्थायी प्रजनन दृष्टिकोणों को हल करने के लिए कलंक ग्रहणशीलता के आकलन के लिए प्रोटोकॉल। इन: ए सिन्हा और डॉ के मजूमदार कृपद्रष्टि, (संस्करण)शोध पद्धति (विद्वानों के लिएगाइड) आईएसबीएन: 978-93-90847-39-6 पीपी 94-102
- राय ए, सरकार ए (2022) एस्टिमेशन ऑफ टॉक्सिसिटी इन प्लांट्स ऑफ सिसर एरियंटम टेस्टेड विद लिक्विड डिश वॉश इन: ए चटर्जी, एस मंडल, (संस्करण), पौध साइंस टुडे एंड टुमॉरो, इंस्टा पब्लिशिंग। आईएसबीएन 978-93-90719-89-1 पीपी 31-41

व्यक्तिगत प्रकाशन:

नारायण चंद्र मंडल

1. प्रमाणिक के, मंडल एस, बनर्जी एस, घोष ए, मैती टीके, मंडल एनसी। (2021): "स्यूडोमोनास एसपी के भारी धातु प्रतिरोध और जैव नियंत्रण क्षमता को उजागर करना। K32 स्ट्रेन सीडी स्ट्रेस के तहत चावल के अंकुर विकास को सुविधाजनक बनाता है। केमोस्फीयर। वॉल्यूम। 274, पीपी 129819, आईएसएसएन: 1432-072एक्स। डीओआई: <https://doi.org/10.1016/j.chemosphere.2021.129819>
2. प्रमाणिक के और मंडल एनसी (2022): "फंगल 1-एमिनोसाइक्लोप्रोपेन-1-कार्बोक्सिलिक एसिड (एसीसी) डेमिनेज के आइसोफॉर्म के बीच संरचनात्मक विषमता मूल्यांकन: सिलिको परिप्रेक्ष्य में एक तुलनात्मक"। जर्नल ऑफ जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी, वॉल्यूम। 20, पीपी 1-14, आईएसएसएन: 2090-5920। डीओआई: <https://doi.org/10.1186/s43141-021-00294-0>
3. गोराई, पी.एस., घोष, आर., कोनरा, एस., मंडल, एन.सी. (2021): "आल्टरनेरिया अल्टरनेटा ईबीपी3 द्वारा एंडोफाइटिक बैक्टीरियल स्ट्रेन बैसिलस वेलेर्जेसिस एसईबी1 के कारण आलू के अर्ली ब्लाइट डिजीज का जैविक नियंत्रण" जैविक नियंत्रण, वॉल्यूम। 156, पृ.104551. डीओआई: <https://doi.org/10.1016/j.biocontrol.2021.104551>
4. गोराई, पी.एस., घोष, आर., मंडल, एस., घोष, एस., चटर्जी, एस., गोंड, एस.के. और मंडल, नेकां, (2021): "बैसिलस सियामेंसिस सीएनई6-एक बहुआयामी पौधे की वृद्धि जो सिसर एरीटिनम एल के एंडोफाइट को बढ़ावा देती है। जिसमें व्यापक स्पेक्ट्रम एंटीफंगल गतिविधियाँ होती हैं और मेजबान उपनिवेश क्षमता होती है"। माइक्रोबायोलॉजिकल रिसर्च, 252, पृष्ठ.126859. डीओआई: <https://doi.org/10.1016/j.micres.2021.126859>
5. बंधोपाध्याय, बी., दास, एस., मित्रा, पी.के., कुंडू, ए., मंडल, वी., अधिकारी, आर., और मंडल, एन.सी. (2022): "उनके प्रोबायोटिक के लिए लैक्टोकोकसलैक्टिस के दो नए उपभेदों की विशेषता कमर्शियल सिनबायोटिक्स कंसोर्टिया पर प्रभावोत्पादकता"। ब्राजीलियाई जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, पीपी 1-18, डीओआई: <https://doi.org/10.1007/s42770-022-00685-6>

6. मंडल एस., और मंडल, एन.सी. (2021): "लिमोसिलेक्टोबैसिलसफेरमेंटमएलएबी212 पेनिसिलियमरुबेन्सवीबीसीए11 द्वारा उत्पादित एफ्लाटॉक्सिन बी1 का मध्यस्थता जैव नियंत्रण"। जे माइक्रोपैथोल। रेस. वॉल्यूम। 59(3) : 249-254। आईएसएसएन: 0971-3719.
7. सरकार, एस., चटर्जी, आर., मुखर्जी, ए., मुखर्जी, डी., चंद्र मंडल, एन., महतो, एस., संतरा, एस., ज़िर्यानोव, जी.वी. और माजी, ए. (2021): "इमिडाज़ोलियम ज़िचटरियोनिक पिघला हुआ नमक एक ऑर्गेनोकैटलिस्ट के रूप में उपयोग करते हुए 4-हाइड्रॉक्सी-3-थियोमिथाइलकौमरिन के यांत्रिक रासायनिक संश्लेषण और रोगाणुरोधी अध्ययन"। एसीएस सस्टेनेबल केमिस्ट्री एंड इंजीनियरिंग, वॉल्यूम। 9(16), पीपी. 5557-5569. डीओआई: 10.1021/acssuschemeng.0c08975
8. सिन्हा डी, बनर्जी एस, मंडल एस, बसु ए, बनर्जी ए, बालचंद्रन एस, मंडल एनसी, चौधरी एस (2021): "सेल्युलोलिटिक बैक्टीरिया के बायोऑगमेंटेशन के माध्यम से लैंटाना कैमरा से बढ़ाया बायोगैस उत्पादन"। बायोरिसोर्स प्रौद्योगिकी। वॉल्यूम। 340, पीपी 125652, आईएसएसएन: 0960-8524। डीओआई: <https://doi.org/10.1016/j.biortech.2021.125652>
9. शो बीके, बनर्जी एस, बनर्जी ए, घोष ठाकुर आर, हाजरा एके, मंडल एनसी, रॉस एबी, बालचंद्रन एस, चौधरी एस (2022): "कीट गट बैक्टीरिया: एन्हांस्ड बायोगैस उत्पादन के लिए एक आशाजनक उपकरण"। पर्यावरण विज्ञान और जैवप्रौद्योगिकी में समीक्षाएं। खंड 21, पीपी 1-25. आईएसएसएन: 1572-9826. डीओआई: <https://doi.org/10.1007/s11157-021-09607-8>
10. मंडल, एस., साहा, के.के. और मंडल, नेकां (2021): "बायोरेमेडिएटिंग और पौध-ग्रोथ-प्रमोटिंग बैक्टीरिया में प्रमुख इको-फिजियोलॉजिकल प्रक्रिया में आणविक अंतर्दृष्टि"। एग्रोनॉमी में फ्रंटियर्स, वॉल्यूम। 3. पीपी. 664126. डीओआई: 10.3389/fagro.2021.664126
11. घोष एस, दत्ता एन, बनर्जी पी, गजभिये आरएल, सारंग एचआर, काप्से पी, पाल एस, बर्डेल्या एल, मंडल एनसी, रविचंद्रन वी, भट्टाचार्य ए, कुंडू जीसी, गुडकोव एवी, और पाल, एम. (2021): "इंडक्शन ऑफ मोनोमाइन ऑक्सीडेज ए-मध्यस्थता ऑक्सीडेटिव तनाव और एनआरएफएक्सएनएक्स-एंटीऑक्सिडेंट रक्षा प्रतिक्रिया की हानि बर्गनियालिगुलाटस के पॉलीफेनोल-समृद्ध अंश द्वारा इन विट्रो और विवो में प्रोस्टेट कैंसर कोशिकाओं को संवेदनशील बनाती है"। मुक्त मूलक जीवविज्ञान तथा चिकित्साशास्त्र। वॉल्यूम। 172: 136-151, (आईएफ: 6.17) डीओआई: <https://doi.org/10.1016/j.freeradbiomed.2021.05.037>
12. बंधोपाध्याय बी, मंडल वी, और मंडल, एन.सी. (2021): "नवेल इनुलिन का आंशिक लक्षण वर्णन जैसे प्रीबायोटिक फ्रुक्टुलिगोसेकेराइड्स ऑफ सेचियमड्यूले (जैक।) स्व। (कुकुर्बिटेसी) कंद मूल"। जर्नल ऑफ़ फ़ूड बायोकेमिस्ट्री (विली) 13764, डीओआई: <https://doi.org/10.1111/jfbc.13764>

अध्याय-2

13. बंधोपाध्याय बी, मित्र पीके, मंडल वी और मंडल एनसी (2021): "नोवेल फ्रक्टो-ऑलिगोसेकेराइड्स ऑफ डायोस्कोरियालाटा एल। कंद में प्रीबायोटिक क्षमताएं हैं" यूरोपीय खाद्य शोध और प्रौद्योगिकी (स्प्रिंगर नेचर), 247: 1-14। डीओआई: 10.1007/एस00217-021-03872-1

स्वदेश रंजन विश्वास

14. जोर्डर एन, भट्टाचार्य आर, हलदर एस, विश्वास एसआर एट अल (2021): "फाइलेरियल थिओरेडॉक्सिन रिडक्टेस मैक्रोफेज में लिपोपॉलीसेकेराइड-प्रेरित सूजन पर विरोधी भड़काऊ प्रभाव डालता है"। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स। डीओआई: 10.1016/j.ijbiomac.2021.10.200। पीएमआईडी: 34774593.
15. भट्टाचार्य, आर, गुप्ता, एएम, मंडल, एस, विश्वास, एसआर. (2021): "पालतू पशुओं में SARS-Cov-2 संचरण की आणविक भविष्यवाणी"। फॉर्च्यून जर्नल ऑफ हेल्थ साइंसेज वॉल्यूम। 4: 500-506.
16. स्लैम, एम.एम., भट्टाचार्य, आर., सरकार, बी। विश्वास एसआर, एट अल। (2022): "अलग-अलग मिट्टी की लवणता चावल और मूंगफली में राइजोस्फेरिक जीवाणु समुदाय की गतिशीलता में स्पष्ट परिवर्तन प्रदान करती है"। आर्क माइक्रोबायोल, वॉल्यूम, 204, 36. डीओआई: <https://doi.org/10.1007/s00203-021-02695-8>
17. गुप्ता, आर., काजी, टी.ए., विश्वास एसआर, डे, डी. एट अल। (2021) "CRISPR जासूस SARS-CoV-2 के खिलाफ: COVID-19 विस्फोट के खिलाफ एक बड़ा झटका"। एपल माइक्रोबायोल बायोटेक्नॉल। डीओआई: <https://doi.org/10.1007/s00253-021-11583-6>

सुब्रत मंडल

18. उरांव, एस. और मंडल, एस. (2021) "बीज के अंकुरण और सुगंधित चावल के प्रारंभिक विकास पर लैमियासियसवीड्स का एलेलोपैथिक प्रभाव (ओरिज़ा सैटिवा 'गोबिंदभोग')"। एक्टा एग्रो बोटानिका। वॉल्यूम। 74: 741. डीओआई: <http://dx.doi.org/10.5586/aa.741>
19. उरांव, एस. और मंडल, एस. (2021): "चने के बीज अंकुरण और अंकुर वृद्धि पर एग्रोफोरेस्ट्री ट्री प्रजाति (स्ट्रेब्लस एस्पेर लौर।) के एलेलोपैथिक प्रभाव"। फलियां शोध। डीओआई: <http://dx.doi.org/10.18805/LR-4679>
20. दत्ता मुंडी, एम. और मंडल, एस. (2021): "फूल-आगंतुकों की बातचीत, पराग फैलाव और गेलोनियम मल्टीफ्लोरम का परागण ए. जूस। (यूफोरबियासी)"। इंडियन जर्नल ऑफ एरोबायोलॉजी, वॉल्यूम। 34(2): 21-29. आईएसएसएन: 0971-1546.

सी एच रहमानी

21. कर्मकार, एस. और रहमान, सी.एच. (2022): "भारत के पश्चिम बंगाल के बांकुरा जिले में बिहारीनाथ पहाड़ी के आसपास रहने वाली संताल जनजाति की नृवंशविज्ञान संबंधी प्रथाएं"। कृषि विज्ञान के शोध जर्नल। वॉल्यूम 13(01): 28-36.

22. कर्मकार, एस. और रहमान, सी.एच. (2022): "हैबनेरियागिब्सोनी संस्करण का विस्तारित वितरण। फोएटिडा ब्लाट। और दक्षिण पश्चिम बंगाल, भारत से मैककैन (ऑर्किडेसी), कृषि विज्ञान के शोध जर्नल। वॉल्यूम। 13(02): 412–414.

सोमा सुकुल

23. पाल, एन., और सोमा, एस. (2021): "कॉपर और लेड स्ट्रेस ऑन बायोकेमिकल प्रॉपर्टीज एंड माइटोटिक क्रोमोसोमल बिहेवियर ऑफ टू थेलिप्टरॉइड फर्न और उन धातुओं की सहनशीलता में उनकी क्षमता"। बॉटनी के दक्षिण अफ्रीकी जर्नल। वॉल्यूम। 147: 53-62.
24. रक्षित, ए. और सोमा। एस. (2021): "थीप्टेरिसइंटरप्टा (जंगली) से एंडोफाइटिक बैक्टीरिया पैदा करने वाले दो इंडोल एसिटिक एसिड (आईएए) पर अध्ययन। के। इवत्स और बीज अंकुरण पर उनका प्रभाव"। कृषि विज्ञान के शोध जर्नल। वॉल्यूम 12: 2037-2043. ई-आईएसएसएन: 2249-4538।
25. रक्षित, ए. और सोमा। एस. (2021): "इंडोल एसिटिक एसिड (आईएए) की रिपोर्ट खाद्य फर्न एम्पेलोप्टेरिसप्रोलिफेरा (रेट्ज़) कोपेल से एंडोफाइटिक बैक्टीरिया का उत्पादन करती है। वनस्पति अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 6(6): 314-321. आईएसएस

ज्ञानेंद्र रथ

26. मंडल, ए., मंडल, एस., और रथ, जे (2022) "साइनोबैक्टीरिया की मौसमी विविधता और ब्रासीलोनेमा एसपी की नई रिपोर्ट। शांतिनिकेतन और विष्णुपुर (भारत) के स्मारकों का औपनिवेशीकरण"। अंतर्राष्ट्रीय जैवविघटन और जैव निम्नीकरण। वॉल्यूम। 167, 105350. डीओआई: <https://doi.org/10.1016/j.ibiod.2021.105350> (प्रभाव कारक: 4.320)
27. साहा, एस., सेन, ए., मंडल, एस., अधिकारी, एस.पी., और रथ, जे. (2021): "माइकोस्पोरिन-अलैनिन, एक ऑक्सो-माइकोस्पोरिन, हाई यूवी और सौर विकिरण से हस्सालियाबिस्सोइडिया की रक्षा करते हैं। कोणार्क का पत्थर स्मारक "। जर्नल ऑफ फोटोकैमिस्ट्री एंड फोटोबायोलॉजी बी: बायोलॉजी, वॉल्यूम। 224, 112302. डीओआई: <https://doi.org/10.1016/j.jphotobiol.2021.112302> (प्रभाव कारक: 6.252)

अदानी लोख्रो

28. शमीन, ए. और लोख्रो, ए. (2021): "कैसिया रॉक्सबर्गी डीसी। (Fabaceae; उपपरिवार: Caesal (iniodeae); पश्चिम बंगाल के वनस्पतियों के लिए एक अतिरिक्त। फाइटोटैक्सोनॉमी। वॉल्यूम 19: 113-116.
29. योनज़ोन, आर. और लोख्रो, ए. (2021): "एरिया पुसिला (ग्रिफ।) लिंडल, (ऑर्किडेसी): राज्य पश्चिम बंगाल, भारत के लिए एक नया एंजियोस्पर्मिक रिकॉर्ड"। फाइटोटैक्सोनॉमी। वॉल्यूम। 19: 126-129.

अध्याय-2

30. प्रसाद, जी. सील, टी. माओ, ए.ए. विजयन, डी. और लोखो, ए. (2021): "बुल्बोफिलम गंधक के सूक्ष्म प्रचारित पौधों में क्लोनल निष्ठा और फाइटोमेडिसिनल क्षमता का आकलन - इंडो बर्मा मेगाबायोडायवर्सिटी हॉटस्पॉट का एक लुप्तप्राय औषधीय आर्किड " अफ्रीकी। जे बॉट। वॉल्यूम। 141: 487-497.

हेमा गुप्ता जोशी

31. कुमार एम.एल. और गुप्ता (जोशी) एच. (2021): "डायवर्सिटी पैटर्न्स एंड कम्युनिटी स्ट्रक्चर ऑफ देउलघाट सेक्रेड फॉरेस्ट, वेस्ट बंगाल, इंडिया", एशियन जर्नल ऑफ कंजर्वेशन बायोलॉजी, 10(2), पीपी 297-307. आईएसएसएन: 2278-7666, <https://doi.org/10.53562/ajcb.66182>

नंदलाल मंडल

32. दलाल, डी. और मंडल, एन (2021): "अलगाव और बीरभूम, पश्चिम बंगाल के गेहूं के राइजोस्फीयर से एप्लाटॉक्सिजेनिक एस्पेरगिलस फ्लेवस की स्क्रीनिंग और औषधीय पौधों के विलायक निकालने के माध्यम से इसकी वृद्धि अवरोध।" जर्नल ऑफ माइक्रोपैथोलॉजिकल रिसर्च वॉल्यूम। 59(3):285-290, आईएसएसएन 0971-3719.
33. दलाल डी. और मंडल एन. (2022): "एप्लैटॉक्सिन विस्तार के संबंध में स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी के माध्यम से कृत्रिम रूप से संक्रमित गेहूं अनाज के टॉक्सिजेनिक एस्पेरगिलस फ्लेवस उपनिवेश के पोषण सामग्री और विश्लेषण के विभिन्न प्रकार"। जर्नल ऑफ माइक्रोपैथोलॉजिकल रिसर्च। 60(1): 75-80, आईएसएसएन 0971-3719.

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी:

विभाग ने इस अवधि के दौरान कोविड शोध शुरू किया है जिसकी नैक सहकर्मी टीम ने काफी सराहना की है।

सांख्यिकी विभाग

चल रही शोध परियोजनाएं:

- शिक्षक का नाम: सरन इशिका मैती
परियोजना का नाम: गैर-पैरामीट्रिक प्रतिगमन सिद्धांत-एक डेटा संचालित दृष्टिकोण
प्रायोजक एजेंसियां: एसईआरबी (डीएसटी), भारत सरकार
स्वीकृत राशि (लाख में): 14.98
परियोजना की अवधि: 2018-2021

सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि:

सुधांशु एस मैती

- 11.06.2021, 18.06.2021, 25.06.2021: जेआईएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, कल्याणी द्वारा आयोजित "जोखिम और विश्वसनीयता आधारित संपत्ति प्रबंधन" पर एआईसीटीई प्रायोजित ऑनलाइन अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में "विश्वसनीयता प्रबंधन: कुछ सांख्यिकीय पहलू" नामक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया गया।
- 18.06.2021: आसनसोल इंजीनियरिंग कॉलेज द्वारा आयोजित गणितीय और सांख्यिकीय संगणना पर वेबिनार में "सामान्यीकृत प्रक्रिया क्षमता सूचकांक और गुणवत्ता प्रबंधन में उनकी भूमिका" नामक एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 07.09.2021-10.09.2021: इंडियन सोसाइटी फॉर प्रोबेबिलिटी और सांख्यिकी, तिरुपति द्वारा आयोजित सांख्यिकी और डेटा विज्ञान में उभरते रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "जीवन परीक्षण प्रयोगों में प्रयुक्त संभाव्यता घनत्व / द्रव्यमान और संचयी वितरण कार्यों का अनुमान" नामक एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 15.12.2021-17.12. 2021: सांख्यिकी विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सांख्यिकीय तकनीकों और विश्लेषण के हालिया अनुप्रयोग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "गुणवत्ता प्रबंधन में सामान्यीकृत प्रक्रिया क्षमता सूचकांक की भूमिका" नामक एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

अरिंदम चक्रवर्ती

- 29.06.2021: सांख्यिकी विभाग, केरल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सांख्यिकीय सिद्धांत और अनुप्रयोगों में हाल के रुझानों पर पांचवें अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में नवीकरण सिद्धांत का उपयोग करके कोविड 19 प्रसार को रोकने में गैर-फार्मास्युटिकल हस्तक्षेप (एनपीआई) के प्रभावों के आकलन पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया गया -2021 [Wsta-2021]

अध्याय-2

तीर्थकर घोष

- 27.02.2022: बर्दवान राज कॉलेज, बर्दवान, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित भारत सरकार द्वारा प्रायोजित 'विज्ञान सर्वत्र पूज्यते-विज्ञान सप्ताह महोत्सव 2022' कार्यक्रम में "मौसम पूर्वानुमान में सांख्यिकी के अनुप्रयोग" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।
- 21.03.2022: नेशनल सेंटर फॉर मीडियम रेंज वेदर फोरकास्टिंग (एनसीएमआरडब्ल्यूएफ), नई दिल्ली में आयोजित 'हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी' में "मौसम और जलवायु पूर्वानुमान में एआई और एमएल के अनुप्रयोग" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।
- 22.03.2022-23.03.2022: एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया और सामाजिक विज्ञान, मानव संसाधन विकास में शोध पद्धति पर अंतःविषय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "सॉफ्टवेयर का उपयोग करके मात्रात्मक तरीके" और "ओपन-सोर्स टूल्स का उपयोग करके ऑनलाइन शिक्षण" पर दो व्याख्यान दिए. केंद्र, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल।

सौरभ राणा

- 9.03.2022-10.03.2022: एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया और कृषि सांख्यिकी विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल में आयोजित 10 दिवसीय कार्यशाला "वैज्ञानिक शोध में एसपीएसएस और आर का उपयोग करें: सांख्यिकीय उपकरण और तकनीकों पर विशेष जोर" में व्याख्यान दिया।

शैक्षणिक

सुधांशु एस मैती

- निर्वाचित सदस्य, निदेशक परिषद, कलकत्ता सांख्यिकी संघ, कोलकाता 2022 के लिए.
- आजीवन सदस्य, इंडियन सोसाइटी फॉर प्रोबेबिलिटी एंड स्टैटिस्टिक्स

अरिंदम चक्रवर्ती

- मेडिकल वायरोलॉजी जर्नल, हैसेटेपे जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स, बीएमसी रिसर्च नोट्स के लिए समीक्षक के रूप में कार्य किया।

तीर्थकर घोष

- गुणवत्ता और विश्वसनीयता प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, एमराल्ड के लिए समीक्षक के रूप में कार्य किया।

सौरभ राणा

- संक्रामक रोगों के लिए खुला मंच, एसएन कंप्यूटर विज्ञान के लिए समीक्षक के रूप में कार्य किया।

प्रकाशन:

शोध पत्र:

सुधांशु एस मैती

- यादव, ए.एस., मैती, एस.एस. और साहा, एम. (2021): व्युत्क्रम $x\gamma$ वितरण: सांख्यिकीय गुण और आकलन के विभिन्न तरीके, डेटा विज्ञान के इतिहास, 8(2), 275-293.
- मुखर्जी, आई., मैती, एस.एस. और शंकर, आर. (2021): ऑन एस्टीमेशन ऑफ़ द प्रोबेबिलिटी मास फंक्शन एंड द संचयी डिस्ट्रीब्यूशन फंक्शन ऑफ़ ए नेचुरल डिस्क्रीट वन पैरामीटर पॉलीनोमियल एक्सपोनेंशियल डिस्ट्रीब्यूशन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एप्लाइड मैथमेटिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स, 60(3), 49-61.
- चौधरी, एम.एम., भट्टाचार्य, आर. और मैती, एस.एस. (2021): पावर सीरीज़ डिस्ट्रीब्यूशन के परिवार के लिए विश्वसनीयता फंक्शन का अनुमान लगाने पर, सांख्यिकी-सिद्धांत और विधियों में संचार, 50(12), 2801-2830।
- सेन, एस., अल-मोफ्लेह, एच और मैती, एस.एस. (2021): लिंडले और एक्सगामा डिस्ट्रीब्यूशन के बीच भेदभाव पर, एनल्स ऑफ़ डेटा साइंस, 8(3), 559-575.

अरिंदम चक्रवर्ती

- मैती, एस.आई., राणा, एस., चक्रवर्ती, ए. (2022): शिफ्ट किए गए लिंडले वितरण पर। सांख्यिकी और अनुप्रयोग, 20 (1), 1-17.
- चटर्जी, के., ..., चक्रवर्ती, ए., एट अल। (2021): BAX -248 G>A और BCL2 -938 C>एक संस्करण नासोफिरिन्जियल कार्सिनोमा वाले रोगियों में जीवन रक्षा को कम करता है और ऊतक-विशिष्ट विकृतियों के साथ संबद्ध किया जा सकता है: एक बहु-विधि दृष्टिकोण। एशियन पैसिफिक जर्नल ऑफ़ कैंसर प्रिवेंशन, 22(4), 1171-1181. डोई: 10.31557/एपीजेसीपी.2021.22.4.1171

तीर्थकर घोष

- साहनी, एन. और घोष, टी. (2021): लॉजिस्टिक रिग्रेशन, डिसीजन ट्री और रैंडम फॉरेस्ट मॉडल, इकोलॉजिकल इंफॉर्मेटिक्स, वॉल्यूम: 64, 101352 का उपयोग करते हुए सिक्किम हिमालय के संरक्षित क्षेत्र में जीआईएस-आधारित स्थानिक भविष्यवाणी। <https://doi.org/10.1016/j.ecoinf.2021.101352>

सरन इशिका मैती

- मैती, एस.आई. (2021): इक्वि-कोवेरिएबल कम्पोजिट-ए कनेक्शन टू इक्वल-रो-सम कॉन्वर्सिस मैट्रिक्स। थाईलैंड सांख्यिकीविद्, 19(4), 721-733.
- बर्मा, बी. और मैती, एस.आई. (2022): फिशर के आइरिस डेटा पर सांख्यिकीय वर्गीकरण तकनीकों का एक तुलनात्मक पूर्वव्यापीकरण। गणितीय विज्ञान में अग्रिम और अनुप्रयोग, 21(5), 2437-2457.

अध्याय-2

सौरभ राणा

- सेनापति, ए.राणा, एस., दास, टी., और चट्टोपाध्याय, जे. (2021): भारत में कोविड-19 के प्रसार पर हस्तक्षेप का प्रभाव: एक मॉडल आधारित अध्ययन। जर्नल ऑफ़ थियोरिटिकल बायोलॉजी, 523, 110711.
- राणा, एस., भौमिक ए.आर., सरदार, टी. (2021): हुसैन, एम., पति, एन.सी., पाल, एस., राणा, एस., पाल, एन., और लाएक, जी.सी. नैनोकणों के साथ खाद्य शृंखला मॉडल में द्विभाजन और बहु-स्थिरता। सिमुलेशन में गणित और कंप्यूटर, 190, 808-825.
- सरदार, टी. और राणा, एस. प्रभावी लॉकडाउन और कुछ भारतीय राज्यों में अस्पताल-आधारित COVID-19 संचरण की भूमिका: एक कठिन विश्लेषण। जोखिम विश्लेषण: एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 42(1), 126-142.

पुस्तकें/अध्याय:

- सैकिया, एस.के. और मैती, एस.आई. (2021): फंडामेंटल्स ऑफ़ रिसर्च मेथडोलॉजी। अकिनिक प्रकाशन, नई दिल्ली। आईएसबीएन: 978-93-91216-25-2. बुक डीओआई: <https://doi.org/10.22271/ed.book.1332>

कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:
नेट:

1. चिरंजीत मुरा (WB07001128)
2. सायन चक्रवर्ती (WB07001109)
3. देबाशीष माजी (WB02001670)

विभागीय संगोष्ठी (वक्ताओं, संगोष्ठी का शीर्षक, तिथि):

1.16.9.2021 - 18.9.2021: आईईईई सीआईएस फ्लैगशिप समर स्कूल जिसका शीर्षक "कंटेम्पररी एडवांसमेंट इन मल्टी ऑब्जेक्टिव ऑप्टिमाइजेशन (CAMOO)" है।

विषय विशेषज्ञ :

- प्रो. चिया-फेंग जुआंग, राष्ट्रीय चुंग सिंग विश्वविद्यालय
- प्रो. कल्याणमय देब, मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी
- प्रो. सनाज मोस्तघिम, यूनिवर्सिटी मैगडेबर्ग
- प्रो. एलिस स्मिथ, ऑबर्न विश्वविद्यालय
- प्रो. तपब्रत रे, न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय
- प्रो. कार्लोस ए कोएलोकोएलो, CINVESTAV-IPN

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी:

मधुसूदन पॉल

- 26.11.2021 - 09.12.2021: यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र, बर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "नैनो-विज्ञान और नैनो-प्रौद्योगिकी में प्रगति" पर ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया
- 07.03.2022 - 19.03.2022: यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "सूचना और संचार प्रौद्योगिकी" पर ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया

देवादित्य बर्मन

- 1.17.12.2021 - 18.12.2021: बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, यूपी द्वारा आयोजित उन्नत नेटवर्क टेक्नोलॉजीज और इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एंटिक 2021) में "हस्तलिखित ओल चिकी चरित्र पहचान के लिए एक गहन शिक्षण ढांचा" नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 15.02.2022 - 28.02.2022: यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हालिया प्रगति" पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया

अध्याय-2

शोध विद्वानः

प्रभाष कुमार सिंह:

- 1.11.02.2022 - 12.02.2022: आरवीएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जमशेदपुर, झारखंड द्वारा आयोजित कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हालिया रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "रोटेशन इनवेरिएंट के साथ एसआईएफटी कीपॉइंट्स डेटा छिपाने की योजना" नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 2. 06.01.2022 - 08.01.2022: वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर द्वारा आयोजित गणित और कंप्यूटिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "रोटेशन इनवेरिएंट डेटा हिडिंग स्कीम यूजिंग एसआईएफटी कीपॉइंट्स" नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 17.12.2021 - 18.12.2021: बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, यूपी द्वारा आयोजित उन्नत नेटवर्क टेक्नोलॉजीज और इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एंटीक 2021) में "मल्टीमीडिया डेटा संरक्षण के लिए वीरोनोई आरेख आधारित डिजिटल टैटू" नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

प्रकाशन:

एकल लेखक (विभाग से):

जर्नल:

1. चौधरी, ए.आर., हाजरा, जे., दासगुप्ता, के., और दत्ता, पी. (2022), चींटी कॉलोनी अनुकूलन के साथ फजी नियम-आधारित हाइपरस्पेक्ट्रल बैंड चयन एल्गोरिथ्म। सिस्टम और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में नवाचार, 1-14।
2. बसाक, आर.के., चटर्जी, आर., दत्ता, पी., और दासगुप्ता, के. (2022), सुरक्षित हैश एल्गोरिथम का उपयोग करके गुप्त डेटा साझा करने के लिए रंगीन एनिमेटेड छवि अनुक्रम में स्टेगोग्राफी। वायरलेस पर्सनल कम्युनिकेशंस, 122(2), 1891-1920।
3. रॉय, एस., सिन्हा, डी., और रॉय, यू. (2022), टचस्क्रीन पर गतिविधियों के आधार पर आयु वर्ग और लिंग की पहचान करना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोमेट्रिक्स, 14(1), 61-82.
4. बनर्जी, एस. (2021), वायरलेस नेटवर्क पर संशोधित टीसीपी का उपयोग करके विश्वसनीय संचार। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च, आइडियाज एंड इनोवेशन इन टेक्नोलॉजी, 8 (2), 64-66.
5. पॉल, एम., और आनंद, ए. (2021) समानता का एक नया परिवार जीन ओन्टोलॉजी का उपयोग करके प्रोटीन इंटरैक्शन के विश्वास को स्कोर करने के लिए उपाय करता है। कम्यूटेशनल जीव विज्ञान और जैव सूचना विज्ञान पर आईईईई/एसीएम लेनदेन, 19(1), 19-30
6. बर्मन, डी., कायल, सी., और चौधरी, एन. (2022), आगामी फिल्मों की रेटिंग और बॉक्स ऑफिस की सफलता की भविष्यवाणी के लिए माइनिंग ट्रेलर समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस इंटेलिजेंस एंड डेटा माइनिंग, 20(1), 1-34.

पुस्तक (संपादित):

1. भट्टाचार्य, एस, दत्ता, पी, सामंत, डी, मुखर्जी, ए, और पैन, आई (2021), कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस सक्षम शोध में हालिया रुझान। एल्सेवियर।
2. मैनुअल, जे., तवारेस, आर.एस., दत्ता, पी., दत्ता, एस., और सामंत, डी. (2021) साइबर इंटेलिजेंस और सूचना पुनर्प्राप्ति। स्प्रिंगर।

पुस्तक अध्याय:

1. मोहिंद्र, जी., मंडल, के., दत्ता, पी., और बांका, एच. (2022) बड़े पैमाने पर IoT डेटा ढांचे में खनन की चुनौतियाँ-एक मशीन सीखने का दृष्टिकोण। इन एडवांस्ड डाटा माइनिंग टूल्स एंड मेथड्स फॉर सोशल कंप्यूटिंग (पृ.- 239-259), अकादमिक प्रेस।
2. कयाल, ए. (2021) वाणिज्य, अर्थशास्त्र, सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन में उभरते मुद्दे। एक स्मार्ट दृष्टिकोण में: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पृ-205-214 रेड शाइन पब्लिकेशन प्रा लिमिटेड
3. कयाल, ए. (2021) व्यापार, अर्थशास्त्र और समाज स्थानांतरण प्रतिमान (खंड- I), फ़ज़ी लॉजिक के परिचय में पृ.- 252-266. रेड शाइन पब्लिकेशन प्रा लिमिटेड

संयुक्त लेखक:

जर्नल:

1. नासिर, एम, दत्ता, पी, और नंदी, ए (2021) फेस वीडियो इमेज सीक्वेंस से मानवीय भावनाओं में बदलाव का पता लगाने के लिए फजी ट्राइएंगुलेशन सिग्नेचर। मल्टीमीडिया उपकरण और अनुप्रयोग, 80(21), 31993-32022.
2. नंदी, ए., दत्ता, पी., और नासिर, एम. (2022), स्वचालित चेहरे की अभिव्यक्ति पहचान-एक परिधि-इनसेंटर-सेंट्रोइड (सीआईसी) तिकड़ी फ्रीचर-प्रेरित दृष्टिकोण। एसएन कंप्यूटर साइंस, 3(1), 1-10.
3. नासिर, एम, दत्ता, पी, और नंदी, ए. (2021), फेस इमेज सीक्वेंस से ह्यूमन इमोशन के चेंज डिटेक्शन के लिए लैंडमार्क ट्राइएंगुलेशन-इंड्यूस्ड एल्टीट्यूड सिग्नेचर। सिस्टम और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में नवाचार, 1-13.
4. मुखर्जी, जे., परुई, एस.के., और रॉय, यू. (2021) हस्तलिखित और अवक्रमित मुद्रित दस्तावेज़ के लिए एक अनियंत्रित और मजबूत रेखा और शब्द विभाजन विधि। एशियाई और निम्न-संसाधन भाषा सूचना प्रसंस्करण पर लेनदेन, 21(2), 1-31.

सम्मेलन:

1. मुखर्जी, जे., और रॉय, यू. (2021, मार्च) हाईब्रिड डीप न्यूरल नेटवर्क मॉडल का उपयोग करते हुए डिग्रेडेड बांग्ला दस्तावेज़ों की मान्यता। 2021 में इंजीनियरिंग में एडवांस कंप्यूटिंग और इनोवेटिव टेक्नोलॉजीज पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसीआईटीई) (पृ-254-259), आईईईई।

अध्याय-2

2. सिंह, पी.के., जाना, बी., दत्ता, के. (2021,)SIFT Keypoints डेटा छिपाने की योजना रोटेशन इनवेरिएंट के साथ विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर हालिया रुझान पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में (आईसीआरटीएसटी-2021)

पुस्तक अध्याय:

1. सूफियान, ए., आलम, ई., घोष, ए., सुल्ताना, एफ., डी, डी., और डोंग, एम. (2021), आईओटी के लिए मोबाइल एज कंप्यूटिंग के माध्यम से कंप्यूटर विज्ञान में डीप लर्निंग। मोबाइल एज कंप्यूटिंग में (पृ-443-471), सिंगर, चाम।
3. सिंह, पी.के., जाना, बी., दत्ता, के., मुरा, पी., पाल, पी., चौधरी, पी. (2022), सुरक्षित डेटा छिपाने के लिए सुपरपिक्सेल आधारित ब्लॉक समानता उपायों के साथ फ़ज़ी लॉजिक, इन लेक्चर नोट्स इन नेटवर्क्स एंड सिस्टम्स, सिंगर।

पर्यावरण अध्ययन विभाग

नेट (यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर)/सेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम।

नेट/सेट क्वालिफाई:

- अरिजीत राउत
- बुद्धदेव घोष
- पारुल कुड़री
- बुद्धदेव घोष
- मिस कनिका महतो
- अमीना खातून
- राइमा दत्ता

गेट उत्तर्ण:

- श्री सुमित खान
- मिस श्रीजया नंदी
- श्री अरिजीत राउत

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, तिथि):

- 28.02.2022: डीपीआईआईटी, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, सरकार द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन (एनआईपीएम)" भारत
वक्ता: डॉ. सुशोभन वकिली

विभाग में चल रही शोध परियोजनाएं:

- शिक्षक का नाम: प्रो. प्रताप कुमार पाढ़ी और डॉ. पुलक कुमार पात्रा
परियोजना का नाम: शैक्षणिक और शोध सहयोग को बढ़ावा देने के लिए योजना (एसपीएआरसी)
शीर्षक "फाइंडिंग पार्टिकुलर मैटर्स इन द एयर एनवायरनमेंट एंड देयर कैंसर रिस्क इन हुय्मेन बींग्स"।
प्रायोजक एजेंसियां: एमएचआरडी, भारत सरकार
स्वीकृत राशि: रु। 70,77,190/-
- शिक्षक का नाम: प्रो. शिवानी चौधरी
प्रोजेक्ट का नाम: टीचर्स एसोसिएटशिप फॉर रिसर्च एक्सीलेंस (टीएआरई) से डॉ. एम सेंथिल, कुमार, सेंट जेवियर्स कॉलेज, सेंट जेवियर्स रोड, पो. श्रीपल्ली, बर्दवान, पश्चिम बंगाल - विश्वभारती, शांतिनिकेतन में प्रो. शिवानी चौधरी के मार्गदर्शन में। बोलपुर —731235
प्रायोजक एजेंसियां: डीएसटी-एसईआरबी
स्वीकृत राशि: रु। 18,30,000/-

अध्याय-2

- शिक्षक का नाम: प्रो. शिबानी चौधरी और एस बालचंद्रन
परियोजना का नाम: BEFWAM- बायोएनेर्जी, उर्वरक और जलीय से स्वच्छ पानी, मैक्रोफाइट
प्रायोजक एजेंसियां: बीबीएसआरसी, यूके
स्वीकृत राशि: यूके £.1,262,595.28/-
- शिक्षक का नाम: प्रो. शिबानी चौधरी और एस बालचंद्रन
परियोजना का नाम: सौर-हाइड्रो पंप का विकास, शोध और पायलट पैमाने पर स्थापना
24x7 बिजली सुनिश्चित करने के लिए मणिपुर के एक सुदूर गांव में भंडारण योजना
प्रायोजक एजेंसियां: डीएसटी
स्वीकृत राशि: रु.2,60,67,500
- शिक्षक का नाम: एस बालचंद्रन
परियोजना का नाम: "केंचुआ आंत रोगाणुओं की मध्यस्थता कार्सिनोजेनिक पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक"
दूषित मिट्टी में हाइड्रोकार्बन (सीपीएएच) का उपचार
प्रायोजक एजेंसियां: डीबीटी
स्वीकृत राशि: रु.22,54,600/-
- शिक्षक का नाम: एस बालचंद्रन
परियोजना का नाम: एकीकृत वर्षा जल संचयन पर आधारित सामुदायिक जल आपूर्ति योजना
और सौर पीवी जल पम्पिंग प्रणाली
प्रायोजक एजेंसियां: डीएसटी
स्वीकृत राशि: रु.1,39,22,880/-

विभाग द्वारा आयोजित गतिविधियों/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया:

प्रताप कुमार पाढ़ी

1. 29.01.2022: परिवेश विभाग, आश्रम सम्मिलानी, पाठ भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन संगोष्ठी में "कोविड -19 के कारण वर्तमान पर्यावरणीय स्थिति" पर आमंत्रित अध्यक्ष

पुलक कुमार पात्रा

1. 25.07.2021: सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती विश्वविद्यालय के छात्रों के सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा शुरू किए गए एक डिबेट क्लब, चर्चाचेंज में एक आभासी बहस के लिए अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित।
2. 22.01.2022: उद्यमिता और करियर हब, कल्याणी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्राकृतिक संसाधन और पर्यावरण प्रबंधन में रिमोट सेंसिंग और जीआईएस के अनुप्रयोग पर सर्टिफिकेट कोर्स में रिसोर्स पर्सन
3. 21.03.2022 :विश्व जल दिवस के अवसर पर आश्रम सम्मिलानी, पाठ भवन में आमंत्रित वक्ता

एस. बालचंद्रन

1. 04.10.2021-06.10.2021: सेहलाई गांव, पश्चिम बंगाल की महिलाओं के लिए जलकुंभी उत्पादों पर क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम, 30 स्वयं सहायता समूह महिलाओं के साथ सेहलाई में आयोजित किया गया था। प्रो. शिबानी चौधरी, डॉ. एस. बालचंद्रन, और पीएच.डी. ने भाग लिया। विद्वान- श्री अपूर्वा कोले, श्री अनुदेव घोष, श्री बिनॉय कुमार शो
2. 09.02.2022-10.02.2022: पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के सहलाई गांव में "बायोगैस उत्पादन के लिए जलकुंभी के उपयोग के लिए जागरूकता शिविर सह कार्यशाला"। डॉ. एस. बालचंद्रन और पीएच.डी. शोधार्थी ने भाग लिया। विद्वान- श्री अपूर्वा कोले, श्री अनुदेव घोष, श्री बिनॉय कुमार शो
3. 24.02.2022-25.02.2022: सेहलाई गांव, बीरभूम जिला, पश्चिम बंगाल में "बायोगैस घोल के साथ वर्मी कम्पोस्टिंग पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम"। डॉ. एस. बालचंद्रन और पीएच.डी. शोधार्थी ने भाग लिया। विद्वान- श्री अपूर्वा कोले, श्री अनुदेव घोष, श्री बिनॉय कुमार शो
4. 24.03.2022-25.03.2022: सेहलाई, बीरभूम जिले में नई बायोगैस प्रदर्शन इकाई का उपयोग करते हुए एसएचजी महिलाओं के उद्यमशीलता के अवसर पैदा करने के लिए दो दिवसीय चिकित्सा शिविर सह जागरूकता शिविर। डॉ. एस. बालचंद्रन और पीएच.डी. शोधार्थी ने भाग लिया। विद्वान- श्री अपूर्वा कोले, श्री अनुदेव घोष, श्री बिनॉय कुमार शो

शिक्षकों/विद्वानों या समग्र रूप से विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक भेद (जैसे विशेष सहायता विभाग (डी.एस.ए.) या उन्नत अध्ययन केंद्र (सी.ए.एस.), आदि के रूप में मान्यता:

- डॉ. पी.के. पात्रा ने वर्ष 2021 के लिए कृषि मौसम विज्ञान में (एग्रोमेटियोलॉजिस्ट एसोसिएशन द्वारा) प्रो. बी.वी. रमन राव को सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्राप्त किया।
- डॉ. सुशील कुमार ने ऑनलाइन मोड के माध्यम से एचआरडीसी, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम VIII (31 जनवरी 2022 से 26 फरवरी 2022 तक) को सफलतापूर्वक पूरा किया।

अध्याय-2

प्रकाशन:

पीयर-रिव्यू/रेफरी/यूजीसी-केयर/आई सीएआर-एनएएएस सूचीबद्ध जर्नल में शोध पत्र:

शिवानी चौधरी

- बसु, ए., हाज़रा, ए.के., चौधरी, एस., रॉस, ए.बी., और बालचंद्रन, एस. (2021, जून), जलकुंभी के सतत उपयोग पर अत्याधुनिक शोध: एक ग्रंथ सूची और पाठ खनन विश्लेषण। सूचना विज्ञान में (खंड 8, संख्या 2, पृष्ठ 38), बहुआयामी डिजिटल प्रकाशन संस्थान।
- सिन्हा, डी., बनर्जी, एस., मंडल, एस., बसु, ए., बनर्जी, ए., बालचंद्रन, एस., मंडल, एन.सी., और चौधरी, एस. (2021), सेल्युलोलिटिक बैक्टीरिया के बायोऑगमेंटेशन के माध्यम से लैंटाना कैमरा से बायोगैस उत्पादन में वृद्धि। जैव संसाधन प्रौद्योगिकी, 340, 125652.
- शो, बी.के., बनर्जी, एस., बनर्जी, ए., घोषटाकुर, आर., हाज़रा, ए.के., मंडल, एन.सी., रॉस, ए.बी., बालचंद्रन, एस., और चौधरी, एस. (2022), कीट आंत बैक्टीरिया: बायोगैस उत्पादन बढ़ाने के लिए एक आशाजनक उपकरण। पर्यावरण विज्ञान और जैव/प्रौद्योगिकी में समीक्षा, 1-25.
- पाल, एस., बसु, ए., ठाकुर, आर.जी., बालचंद्रन, एस., और चौधरी, एस. (2022), ऑर्गनोफॉस्फेट एप्लाइड धान के खेतों से एकत्रित पिला ग्लोबोसा (स्वेन्सन) का उपभोग: मानव स्वास्थ्य जोखिम। पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण शोध, 1-14।

पुस्तक अध्याय:

- बनर्जी, ए., शो, बी.के. चौधरी, एस., और बालचंद्रन, एस. (2022) बायोगैस उत्पादन में वृद्धि के लिए जैविक पूर्व उपचार, ठोस अपशिष्ट और अपशिष्ट जल उपचार के लिए लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों में, एड काठी एस, देवीप्रिया एस और थमराइसेल्वी के, एल्सेवियर प्रकाशन

पी.के. पाढ़ी

- चौधरी, एम., घोष, एस. और पाढ़ी, पी.के. (2022) ग्रामीण भारत में आदिवासी समुदाय पर इनडोर वायु प्रदूषण के प्रभाव और घरेलू बायोमास जलने के कारण स्वास्थ्य मूल्यांकन: फेफड़े के जमाव मॉडल, पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण शोध का उपयोग करते हुए एक यथार्थवादी दृष्टिकोण।
- भक्त, एस., राउत, टी.के., कर्मकार, डी., पवार, सी. और पाढ़ी, पी.के. (2022) लारसेमैन हिल्स, पूर्वी अंटार्कटिका, ध्रुवीय विज्ञान, 31, 100788 के ध्रुवीय पारिस्थितिकी तंत्र पर तत्वों और उनके संभावित जोखिम मूल्यांकन का पता लगाएं।

पुस्तक अध्याय:

- चौधरी, एम., घोष, एस. और पाढ़ी, पी.के. (2022) कालीगंज गांव, शांतिनिकेतन में ग्रामीण आदिवासी महिलाओं में फेफड़ों के कार्यों पर बायोमास जलने के प्रभाव: भारत के स्वास्थ्य और आर्थिक मुद्दों पर कोविड -19 का प्रभाव। भट्टाचार्य, डी. और कुशवाहा, डी.एस. (संस्करण), नई दिल्ली प्रकाशक, नई दिल्ली (आईएसबीएन: 978-93-93878-53-3), पृ- 1-15

पीके पात्रा

- बोस, पी., रॉय एम. और पात्रा, पी.के. (2021) चावल में फसल उत्पादकता और मिट्टी की गुणवत्ता पर दीर्घकालिक विभिन्न पोषक तत्व प्रबंधन प्रथाओं का मूल्यांकन (ओरिज़ा सैटिवा) -आलू (सोलनम ट्यूबरोसम) -मूंगफली (अरचिस हाइपोगिया) फसल प्रणाली पश्चिम बंगाल, भारत के नए जलोढ़ मिट्टी क्षेत्र में। संयंत्र अभिलेखागार, वॉल्यूम। 21, अनुपूरक 1, 2383-2392. डीओआई लिंक: <https://doi.org/10.51470/PLANTARCHIVES.2021.v21.S1.390>
- हुसैन, एम. पात्रा, पी.के., घोष, बी., खातून, ए. और नायक, एस., (2021) पश्चिम बंगाल, भारत के फ्लोराइड-समृद्ध क्षेत्र में भूजल से जुड़े, बहु-एक्सपोजर स्वास्थ्य खतरों का संवेदनशील मूल्यांकन . पर्यावरण जियोकेम हेल्थ, 43, 4515-4532 <https://doi.org/10.1007/s10653-021-00942-x>
- सामंत, एस., बनर्जी, एस., पात्रा, पी.के., सहगल, वी.के., चौधरी, ए., कुमार, बी. और मुखर्जी, ए., (2021) चार आरसीपी परिदृश्यों के तहत भविष्य के दैनिक वैश्विक क्षैतिज विकिरण का प्रक्षेपण: एक नए विकसित तापमान और वर्षा आधारित अनुभवजन्य मॉडल के माध्यम से मूल्यांकन। सौर ऊर्जा 227, 23-43. <https://doi.org/10.1016/j.solener.2021.08.049>

एस. बालचंद्रन

- बसु, ए., हाज़रा, ए.के., चौधरी, एस., रॉस, ए.बी., और बालचंद्रन, एस. (2021, जून) जलकुंभी के सतत उपयोग पर अत्याधुनिक शोध: एक ग्रंथ सूची और पाठ खनन विश्लेषण। सूचना विज्ञान में (खंड 8, संख्या 2, पृष्ठ 38), बहुआयामी डिजिटल प्रकाशन संस्थान।
- सिन्हा, डी., बनर्जी, एस., मंडल, एस., बसु, ए., बनर्जी, ए., बालचंद्रन, एस., मंडल, एन.सी., और चौधरी, एस. (2021), सेल्युलोलिटिक बैक्टीरिया के बायोऑगमेंटेशन के माध्यम से लैंटाना कैमरा से बायोगैस उत्पादन में वृद्धि। जैव संसाधन प्रौद्योगिकी, 340, 125652.
- गोगोई, डी., साजिद, ए., बोरा, जे., डेका, पी., बालचंद्रन, एस., और होक, आर.आर. (2021), ब्रह्मपुत्र घाटी के विभिन्न समुदायों के बायोमास जलाने वाले घरों में पार्टिकुलेट मैटर एक्सपोजर। पर्यावरण निगरानी और मूल्यांकन, 193(12), 1-17.
- शो, बी.के., बनर्जी, एस., बनर्जी, ए., घोषठाकुर, आर., हाज़रा, ए.के., मंडल, एन.सी., रॉस, ए.बी., बालचंद्रन, एस., और चौधरी, एस. (2022), कीट आंत बैक्टीरिया: बायोगैस उत्पादन बढ़ाने के लिए एक आशाजनक उपकरण। पर्यावरण विज्ञान और जैव/प्रौद्योगिकी में समीक्षा, 1-25.
- पाल, एस., बसु, ए., ठाकुर, आर.जी., बालचंद्रन, एस., और चौधरी, एस. (2022), ऑर्गनोफॉस्फेट एप्लाइड धान के खेतों से एकत्रित पिला ग्लोबोसा (स्वेन्सन) की खपत: मानव स्वास्थ्य जोखिम। पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण शोध, 1-14।

अध्याय-2

- डेका, पी., मेधी, सी., भुइयां, पी., गोप, एम., बालचंद्रन, एस., और होक, आर.आर. (2022), ब्रह्मपुत्र घाटी के घरों का उपयोग करके बायोमास में पीएच के लिए महिलाओं और बच्चों के जोखिम जोखिम को समझना। वायु प्रदूषण और स्वास्थ्य जर्नल, 7(1), 33-50.

पुस्तक अध्याय:

- बनर्जी, ए., शो, बी.के. चौधरी, एस., और बालचंद्रन, एस. (2022) बायोगैस उत्पादन में वृद्धि के लिए जैविक पूर्व उपचार, ठोस अपशिष्ट और अपशिष्ट जल उपचार के लिए लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों में, एड काठी एस, देवीप्रिया एस और थमराइसेल्वी के, एल्सेवियर प्रकाशन

जैव प्रौद्योगिकी विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

1. शुभजीत भौमिक: गेट-2022 (बायोटेक्नोलॉजी)
2. सायन विश्वास: गेट-2022 (बायोटेक्नोलॉजी)
3. सजल कुमार बर्मन: गेट-2022 (जैव प्रौद्योगिकी और जीवन विज्ञान, दोनों)
5. शुभम सरस्वती ज्योतिर्मय: सीएसआईआर नेट-एलएस, गेट 2022 एक्सएल और बीटी, डीबीटी 2021
6. जेसिका बा: आईसीएआर 2021, गेट-2022 (जैव प्रौद्योगिकी और जीवन विज्ञान, दोनों)
7. अनुप्रिया चट्टोपाध्याय: गेट-2022 (जीवन विज्ञान)
8. गार्गी महंती: गेट-2022 (जीवन विज्ञान)
9. अग्नि शोम: गेट-2022 (जीवन विज्ञान)
10. सोहम बनर्जी: TIFR/JGEEBILS परीक्षा 2021-22, लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण।
11. कौशिक चक्रवर्ती: सीएसआईआर/यूजीसी नेट लेक्चरशिप 2021
12. देबजीत मैती: गेट-2022 (बायोटेक्नोलॉजी)
13. शुभजीत भौमिक: गेट-2022 (बायोटेक्नोलॉजी)
14. दिव्य जायसवाल गेट-2022 (जीवन विज्ञान)

डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी डिग्री के लिए योग्य विभागीय छात्र:

- प्रो. अमित रॉय की देखरेख में कार्यरत मौमिता चौधरी ने पीएच.डी. 16 अगस्त 2021 को विश्वभारती से डिग्री
- प्रो. तथागत चौधरी की देखरेख में कार्यरत कौस्तव चटर्जी ने पीएच.डी. 15.09 2021 को विश्वभारती से डिग्री।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि:

नरोत्तम डे

- 27.10.2021- 30.10.2021: बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा, रांची, झारखंड, भारत द्वारा आयोजित कृषि-खाद्य उद्योग में सुधार की दिशा में पौध बायोटेक्नोलॉजी पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "एसके लोकस इट्स जीनोमिक डायवर्सिटी, रेगुलेशन एंड रोल इन सबमर्ज टॉलरेंस ऑफ राइस ओरीज़ा सैटिवा एल) पर एक वार्ता (ऑनलाइन मोड), हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स (ISPB-2021),
- 14.03.2021 - 16-03-2021: पोस्ट जीनोमिक युग में पादप विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जीवन विज्ञान संस्थान (ILS), भुवनेश्वर, ओडिशा, भारत एग्री-विजन-2021 में "कम ग्लाइसेमिक लोड वाले

अध्याय-2

उच्च एंटीऑक्सीडेंट चावल के विकास के लिए आणविक प्रजनन" पर एक वार्ता (ऑनलाइन मोड) दिया।

विभाग में चल रही शोध परियोजनाएं:

- शिक्षक का नाम: डॉ तथागत चौधरी (पीआई)
परियोजना का नाम: " थेराप्यूटिक इन्वेंसन एगेंस्ट प्राईमरी इन्फुसन लिम्फोमा टार्गेटिंग, Wnt सिग्नलिंग पाथवे" 2021-2024।
प्रायोजक एजेंसियां: डीएचआर (आईसीएमआर)
राशि स्वीकृति : रु. 48 लाख
- शिक्षक का नाम: डॉ. जॉली बसाक (पीआई)
परियोजना का नाम: परियोजना का शीर्षक: MYMIV सहिष्णुता विकसित करने के लिए मूंगबीन येलो मोज़ेक इंडिया वायरस अतिसंवेदनशील फेजोलस वल्गरिस में विशिष्ट माइक्रोआरएनए की सीआरआईएसपीआर/कैस9 मध्यस्थता
फंडिंग एजेंसी: डीएसटी-एसईआरबी
अवधि: 01.09.2021-31.08.2024
राशि : रु. 38 लाख
- शिक्षक का नाम: डॉ नरोत्तम डे (पीआई)
परियोजना का नाम: बाढ़ के बाद बाढ़ को सहन करने के लिए तराई स्वदेशी चावल लाइनों में एसयूबी1ए और एसके लोकी के संयोजन प्रभाव का आकलन, एसईआरबी, भारतसरकार , चलने की अवधि: मार्च, 2021-मार्च, 2024
प्रायोजक एजेंसी: SERB, भारत सरकार
स्वीकृत राशि : रु. 42 लाख
- शिक्षक का नाम: डॉ नरोत्तम डे (पीआई)
परियोजना का नाम: चयनित पश्चिम बंगाल चावल भूमि नस्लों के बीच अजैविक तनाव (सूखा लवणता और जलमग्नता) सहिष्णुता के लिए एसएनपी और miRNA आधारित कार्यात्मक मार्करों का विकास। जुलाई 2018 से जुलाई 2021 तक।
प्रायोजक एजेंसी: विज्ञान और प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार।
स्वीकृत राशि : रु. 12 लाख

- शिक्षक का नाम: डॉ समीरन साहा (पीआई)
परियोजना का नाम: थिएफ्लेविन्स के साथ उपचार पर ईएसी कोशिकाओं में ऑटोफैगी के प्रेरण और तंत्र का अध्ययन
प्रायोजक एजेंसी: डीबीटी (ट्विनिंग प्रोजेक्ट)
स्वीकृत राशि : विश्वभारती के लिए राशि : रु. 21.25 लाख। कुल राशि: रु. 70.9712 लाख
(सहयोगी: प्रो. देबाशीष मैती, त्रिपुरा विश्वविद्यालय), (2019-2022)

प्रकाशन:

तथागत चौधरी

- दास, पी., चटर्जी, के., और चौधरी, टी. (2021), कैंसर कोशिकाओं में ऑटोफैगी और एकेटी/एमटीओआर सिग्नलिंग के साथ आरओएस प्रेरित नियामक क्रॉसस्टॉक: कैंसर में एमटीओआर सिग्नलिंग। कैंसर में ऑक्सीडेटिव तनाव की पुस्तिका में: यांत्रिक पहलू (पृ-1-14) सिंगापुर: स्प्रिंगर सिंगापुर.
- रॉय चट्टोपाध्याय, एन., दास, एन., और चौधरी, टी. (2021) SARS-CoV-2 नोवेल कोरोना (COVID-19) वायरस संक्रमण में आणविक और सेलुलर तंत्र को लक्षित करना। फेफड़ों के रोगों में सेलुलर सिग्नलिंग मार्ग को लक्षित करने में (पृ-559-581) स्प्रिंगर, सिंगापुर।

शोध पत्र:

अमित रॉय

- डे, पी., और रॉय, ए. (2021), कवक टर्मिटोमाइसेस क्लाइपीटस से जीन एन्कोडिंग एंडो-1, 4-β-ज़ाइलानेज़ का क्लोनिंग, लक्षण वर्णन और अभिव्यक्ति। कार्बोहाइड्रेट शोध, 505, 108333.

तथागत चौधरी:

- चटर्जी, के., डी, एस., रॉय, एस.डी., साहू, एस.के., चक्रवर्ती, ए., घटक, एस., ... और चौधरी, टी. (2021), BAX-248 GA और BCL2-938 CA वेरिएंट नासोफिरिन्जियल कार्सिनोमा वाले मरीजों में जीवन रक्षा को कम करता है और इसे ऊतक-विशिष्ट विकृतियों के साथ जोड़ा जा सकता है: एक बहु-विधि दृष्टिकोण। एशियन पैसिफिक जर्नल ऑफ कैंसर प्रिवेंशन: एपीजेसीपी, 22(4), 1171.

नरोत्तम डे

- सामंत, पी., चक्रवर्ती, ए., और डे, एन. (2021), प्रेरित बाढ़ के तहत विभिन्न विकासात्मक चरणों में चावल के पौधों में विभिन्न प्ररोह वृद्धि। पौध साइंस टुडे, 8(3), 704-711.
- ग्यूगोस, एम., अहरेस, एम., गुल्यास, जेड., सज़ालाई, जी., डार्को, ., मेदन्यान्स्की, जेड., डे, एन., कार, आरके, सरकाडी एंड एस., कोसी, जी. (2021), लाइट स्पेक्ट्रम गेहूं में ग्लूटाथियोन और मुक्त अमीनो एसिड के स्तर में सूखा-प्रेरित परिवर्तनों को संशोधित करता है। एक्टा फिजियोलॉजी प्लांटारम, 43(6), 1-14।

अध्याय-2

- चटर्जी, ए., डे, टी., गालिबा, जी., कोसी, जी.के., डे, एन., और कर, आर.के. (2021), चावल के पौधों के शरीर क्रिया विज्ञान और ऑक्सीडेटिव चयापचय पर प्रकाश और सूखे के तनाव के संयोजन का प्रभाव। पौध साइंस टुडे, 8(4), 762-777.

जॉली बसाक

- रॉय चौधरी एम, बहादुर आरपी और। बसाक जे, (2021), फूलगोभी miRNAs और lncRNAs की जीनोम-व्यापी भविष्यवाणी और पोस्ट-ट्रांसक्रिप्शनल जीन विनियमन में उनकी भूमिका। प्लांटा। 254(4):72. अगर - 4.116
- बेसरा, ए., और बसाक, जे. (2021), इष्टतम विकास स्थितियों के तहत रेकैल्सीट्रेंट फेजोलस वल्गरिस एल एक्सप्लान्ट्स से कैलस और शूट इंडक्शन के लिए कुशल पुनर्जनन प्रोटोकॉल। पौध साइंस टुडे, 8(4), 786-794।

सहकर्म-समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्रों की संख्या:

अंतर्राष्ट्रीय: 7; कुल = 7

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम / पाठ्यचर्या या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना:

- पीएच.डी. पाठ्यक्रम में संशोधन को मंजूरी के लिए एकेडमिक काउंसिल को भेजा गया।

एकीकृत विज्ञान शिक्षा और शोध केंद्र

नेट (यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर)/सेट और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

गेट :

1. ज्योति रंजन सेठी
2. श्रीमन औरोमाहिमा
3. अपूर्व शरद

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी / वेबिनार:

शोध विद्वान:

- 07.10.2021-09.10.2021: प्रदीप दास, गणितीय विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICMS-2021) गणित और मानविकी विभाग, सरदार वल्लभभाई एनआईटी, सूरत
- 03.12.2021-05.12.2021: रूपचंद मालो, इंडियन सोसाइटी ऑफ थियोरेटिकल एंड एप्लाइड मैकेनिक्स (आईएसटीएम-2021) वीआईटी, एपी यूनिवर्सिटी और आईआईटी खड़गपुर की 66वीं कांग्रेस

विभाग में चल रही शोध परियोजनाएं:

- शिक्षक का नाम: डॉ. महाश्वेता नंदी (प्रधान अन्वेषक)
परियोजना का नाम: हेटेरोटॉम ने कार्बन आधारित झुरझुरा सामग्री और उनके विद्युत रासायनिक गुणों को शामिल किया (स्वीकृति संख्या: 01(3088)/21/EMR-II, दिनांक 13.08.2021) (2021-2024)
प्रायोजक एजेंसी: वैज्ञानिक और औद्योगिक शोध परिषद
स्वीकृत राशि: ₹4,33,000/- (2021-2022)
- शिक्षक का नाम: डॉ. महाश्वेता नंदी
परियोजना का नाम: मेसोपोरस सिलिका और उनके संभावित अनुप्रयोगों पर आधारित कार्यात्मक नैनोमैटेरियल्स। (स्वीकृति संख्या: एसटी/पी/एस एंड टी/15जी-20/2018, दिनांक: 01/02/2019) (2019-2022)
प्रायोजक एजेंसी: पश्चिम बंगाल- विज्ञान और प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी विभाग
स्वीकृत राशि: ₹15,00,000/- (2019-2022)

अध्याय-2

प्रकाशन:

सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र:

- सिंघा, डी., पाल, ए., रॉय, पी., और नंदी, एम. (2022) जलीय माध्यम में धातु आयनों की ओर क्रियात्मक मेसोपोरस सिलिका के संवेदन व्यवहार को संशोधित करना। अकार्बनिक रसायन विज्ञान के यूरोपीय जर्नल, 2022(10), e202101103.
- पाल, ए., घोष, एस., सिंघा, डी., और नंदी, एम. (2021) उच्च धारा घनत्व पर उच्च विशिष्ट समार्ष बनाए रखने वाले हेटेरोएटम-डोपेड गोलाकार छिद्रपूर्ण कार्बन कणों का आकारिकी नियंत्रित संश्लेषण। एसीएस एप्लाइड एनर्जी मैटेरियल्स, 4(10), 10810-10825.
- सिंघा, डी., पाल, ए., उयामा, एच., रॉय, पी., और नंदी, एम. (2021) एक रोडामाइन 6G सजाए गए मेसोपोरस सिलिका आधारित मल्टीपल केशन सेंसर का भेदभावपूर्ण व्यवहार Cu^{2+} और Hg^{2+} की तुलना में Al^{3+} , Cr^{3+} और Fe^{3+} की ओर: जलीय से Cu^{2+} और Hg^{2+} का चयनात्मक निष्कासन मीडिया। डाल्टन लेनदेन, 50(36), 12478-12494।
- चाशिरो, के., इवासाकी, एस., हसेगावा, टी., मारुयामा, जे., मारुयामा, एस., पाल, ए., नंदी, एम. और उयामा, एच. (2021), विद्युत डबल-लेयर कैपेसिटर के लिए सक्रिय कार्बन इलेक्ट्रोड का उत्पादन करने के लिए झरझरा बैक्टीरियल सेल्युलोज हाइड्रोजेल के साथ पॉलीएक्रिलोनिट्राइल (पैन) नैनोकणों को एकीकृत करना। सूक्ष्म और मेसोपोरस सामग्री, 323, 111209.
- रॉय, ए., रे, ए., साहा, एस., घोष, एम., दास, टी., नंदी, एम., लाल, जी. और दास, एस. (2021) MnO_2 -मल्टीवॉल कार्बन नैनोट्यूब कम्पोजिट के ऑक्सीजन विकास प्रतिक्रिया और ऊर्जा भंडारण प्रदर्शन पर विद्युत रासायनिक सक्रिय सतह क्षेत्र का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनर्जी रिसर्च, 45(11), 16908-16921.
- सिंह, आर.के., घोष, एस., सुकुल, एन.सी., नंदी, एम., पाल, ए. और पाल, एम. (2021) इलेक्ट्रॉनिक और वाइब्रेशनल स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा प्रकट किए गए कोविड -19 मूल की एक दवा के उच्च डाइल्यूशंस रेंज में अंतर दिखाते हैं। हाई डाइल्यूशन रिसर्च के इंटरनेशनल जर्नल, 20(4),
- बोंधोपाध्याय, एन।, और रॉय, डी। (2020) टोपोलॉजिकल सुपरकंडक्टर्स, सेमीकंडक्टर्स और मेटल्स के ओपन क्वांटम सिस्टम में नोडविब्रियम इलेक्ट्रिकल, थर्मल और स्पिन ट्रांसपोर्ट। arXiv प्रीप्रिंट arXiv: 2010.08336.
- शर्मा, एस., सान्याल, एस.के., सुष्मिता, के., चौहान, एम., शर्मा, ए., अनिरुधन, जी., ... और कटेरिया, एस. (2021) कृत्रिम रोशनी के साथ फोटोट्रोपिन सिग्नलोसोम का मॉड्यूलेशन जलवायु-स्मार्ट फसलों के विकास में काफी संभावनाएं रखता है। वर्तमान जीनोमिक्स, 22(3), 181-213.

- गोस्वामी, के.डी., चट्टोपाध्याय, ए., पंडित, एस.के., और शेरमेत, एम.ए. (2022) कई इज़ोटेर्मल स्रोत-सिंक जोड़े के साथ एक गहरी गुहा में मैग्नेटो हाइब्रिड नैनोफ्लुइड के लिए क्षणिक थर्मो गुरुत्वाकर्षण संवहन। थर्मल साइंसेज के इंटरनेशनल जर्नल, 173, 107376.
- चट्टोपाध्याय, ए., कर्माकर, एच., पंडित, एस.के., और चमखा, ए.जे. (2022) एक लहराती कक्ष में संयुक्त संवहन प्रवाह और थर्मल प्रदर्शन पर चलती दीवारों का प्रभाव। जर्नल ऑफ़ थर्मल एनालिसिस एंड कैलोरीमेट्री, 147(5), 3731-3752.
- पंडित, एस.के., और हांसदा, एस. (2022) दो तरफा ढक्कन-संचालित गहरी गुहा में सोरेट और ड्यूफोर प्रभावों के साथ थर्मोसोल्यूटल मिश्रित संवहन के विश्लेषण पर। एप्लाइड और कम्प्यूटेशनल गणित के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 8(1), 1-35.
- चट्टोपाध्याय, ए., गोस्वामी, के.डी., पंडित, एस.के., और शेरमेत, एम.ए. (2021) विभिन्न ताप प्रभावों के साथ नैनोफ्लुइड के क्षणिक एमएचडी थर्मोग्रैविटेशनल संवहन में थर्मल प्रदर्शन। जर्नल ऑफ़ थर्मल एनालिसिस एंड कैलोरीमेट्री, 146(3), 1255-1281.
- गोस्वामी, के.डी., चट्टोपाध्याय, ए., पंडित, एस.के., और शेरमेत, एम.ए. (2021) एक आंशिक रूप से गर्म बाड़े में मैग्नेटोनोफ्लुइड प्रवाह की ब्राउनियन गति। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मैकेनिकल साइंसेज, 198, 106346.
- पंडित, एस.के., गोस्वामी, के.डी., चट्टोपाध्याय, ए., और ztop, एच.एफ. (2021) घुमावदार दीवारों के साथ एक बाड़े में हाइब्रिड नैनोफ्लुइड के थर्मोग्रैविटेशनल संवहन पर मैग्नेटोहाइड्रोडायनामिक्स और चुंबकीय क्षेत्र-निर्भर चिपचिपाहट प्रभावों के विश्लेषण पर। द्रव भौतिकी, 33(10), 102010।
- हांसदा, एस., पंडित, एस.के., और शू, टी.डब्ल्यू. (2021) लहरदार कक्ष में नैनोकणों की ब्राउनियन गति के साथ डबल डिफ्यूजन मिश्रित संवहन प्रवाह का थर्मोसोल्यूटल डिस्चार्ज। जर्नल ऑफ़ थर्मल एनालिसिस एंड कैलोरीमेट्री, 1-23.

प्रासंगिक जानकारी:

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अपनी ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना में एक पंचवर्षीय एकीकृत कार्यक्रम शुरू करने के लिए विश्वभारती, भारत के माननीय राष्ट्रपति के परिदरसक (आगंतुक) द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति (एचएलसी) की सिफारिश को स्वीकार किया। शिक्षा भवन (विज्ञान संस्थान), विश्वभारती के तहत भौतिक विज्ञान में। तदनुसार, एकीकृत विज्ञान शिक्षा और शोध केंद्र (आईएसईआरसी) की स्थापना 2008 में हुई थी और शैक्षणिक कार्यक्रम 2009 में शुरू किया गया था। पाठ्यक्रम का उद्देश्य अत्यधिक प्रेरित छात्रों को बुनियादी विज्ञान में शोध और शिक्षा के लिए आकर्षित करना है। वर्तमान में, पाठ्यक्रम के सफल समापन के बाद, पंचवर्षीय एकीकृत एम.एससी. उम्मीदवारों को भौतिकी / रसायन विज्ञान / गणित / जीवन विज्ञान / पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान प्रमुख के साथ डिग्री प्रदान की जाती है।

गणितीय शिक्षा केंद्र (सीएमई)

विभागीय संगोष्ठी:

- 28.03.2022 (10:30 पूर्वाह्न से 11:30 पूर्वाह्न): गणितीय जीवविज्ञान का परिचय
अध्यक्ष: प्रो. जॉयदेव चट्टोपाध्याय, आईएसआई, कोलकाता।
- 28.03.2022 (12:30 अपराह्न से 1:30 अपराह्न): इको-महामारी विज्ञान का परिचय I
अध्यक्ष: प्रो. जॉयदेव चट्टोपाध्याय, आईएसआई, कोलकाता।
- 28.03.2022 (दोपहर 2:30 बजे से अपराह्न 3:30 बजे): पारिस्थितिकी-महामारी विज्ञान II का परिचय
अध्यक्ष: प्रो. जॉयदेव चट्टोपाध्याय, आईएसआई, कोलकाता।
- 02.03.2022 (10:30 पूर्वाह्न से 11:30 पूर्वाह्न): "अनस्टडी फ्लो सेपरेशन इन अ लामिनर शियर फ्लो पास्ट ब्लफ बॉडीज"
अध्यक्ष: डॉ राजेंद्र कुमार रॉय, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईटी, मंडी।
- 02.03.2022 (12:30 अपराह्न से 1:30 अपराह्न): परवल्यिक-हाइपरबोलिक पीडीई-आधारित छवि बहाली मॉडल और चिकित्सा और एसएआर छवियों के लिए इसका अनुप्रयोग I.
अध्यक्ष: डॉ राजेंद्र कुमार रॉय, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईटी, मंडी।
- 02.03.2022 (दोपहर 2:30 अपराह्न से 3:30 अपराह्न): परवल्यिक-हाइपरबोलिक पीडीई-आधारित छवि बहाली मॉडल और चिकित्सा और एसएआर छवियों के लिए इसका अनुप्रयोग II।
अध्यक्ष: डॉ राजेंद्र कुमार रॉय, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईटी, मंडी।
- 25.03.2022 (10:30 पूर्वाह्न से 11:30 पूर्वाह्न): गणितीय शिक्षा I.
अध्यक्ष: डॉ सुबीर सेन, एसोसिएट प्रोफेसर और एचओडी, एसकेबी विश्वविद्यालय, पुरुलिया।
- 25.03.2022 (दोपहर 12:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक): गणितीय शिक्षा II।
अध्यक्ष: डॉ सुबीर सेन, एसोसिएट प्रोफेसर और एचओडी, एसकेबी विश्वविद्यालय, पुरुलिया।
- 25.03.2022 (दोपहर 2:30 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक): गणितीय शिक्षा III।
अध्यक्ष: डॉ सुबीर सेन, एसोसिएट प्रोफेसर और एचओडी, एसकेबी विश्वविद्यालय, पुरुलिया।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / वेबिनार / कार्यशाला / प्रदर्शनी:

प्रोफेसर प्रशांत चटर्जी

- 04.01.2022: प्रोफेसर प्रशांत चटर्जी, गणित विभाग, शिक्षा-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन, भारत ने गणित और शिक्षा विभाग के सहयोग से "शिक्षा पर गणित के अनुप्रयोग" पर एक विशेष

व्याख्यान दिया है। सपतग्राम कॉलेज के आईक्यूएसी द्वारा आयोजित सुबह 11 बजे सपतग्राम कॉलेज की स्मार्ट क्लासरूम

प्रकाशन:

पीयर-समीक्षा/संदर्भित/यूजीसी-केयर/आईसीएआर-एनएएएस सूचीबद्ध पत्रिकाओं में शोध पत्र:

- अहमद, ई.ए., करीम, एम.आर., बनर्जी, एम., सेन, एस., चटर्जी, पी., और मंडल, जी. (2022), महालनोबिस दूरी का उपयोग करते हुए असम, भारत के बीटीआर में माध्यमिक स्तर के अन्य विषयों के साथ गणित और अंग्रेजी की अकादमिक उपलब्धि पर एक तुलनात्मक अध्ययन। एजुकेशन रिसर्च इंटरनेशनल, 2022.

कला-भवन (ललित कला संस्थान)

कला भवन, विश्वभारती में ललित कला के संकाय, की परिकल्पना रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा पूर्ण शिक्षा के एक अनिवार्य हिस्से के रूप में दृश्य संवेदनशीलता और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के लिए की गई थी। 1919 में इसकी स्थापना के साथ ही इसका गठन विश्वविद्यालय की औपचारिक स्थापना से पहले का है।

हालांकि इसे भारतीय दृश्य अभ्यास में आधुनिक को परिभाषित करने के प्रयासों की निरंतरता के रूप में माना जा सकता है, जो कोलकाता में अबनिंद्रनाथ टैगोर और उनके छात्रों/अनुयायियों के प्रयासों से शुरू हुआ, शांतिनिकेतन आंदोलन ने अपनी विशिष्ट विशेषता, लक्ष्य और दिशाएं प्राप्त की। नंदलाल बोस, अबनिंद्रनाथ के योग्य छात्र थे। एक उल्लेखनीय उदाहरण के रूप में दृश्य अभ्यास के प्रति रवींद्रनाथ टैगोर के कैथोलिक दृष्टिकोण और एक मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में उनके पंथवादी दर्शन के साथ, कला-भवन ने शांतिनिकेतन में और उसके आसपास प्रकृति और जीवन का जवाब दिया, जो अभिव्यक्ति के राष्ट्रवादी / 'पुनरुत्थानवादी' तरीकों से परे था, प्रासंगिक रूप से दृश्य अभ्यास का पता लगाने के भीतर आधुनिक भारतीय परिदृश्य। यह तब से लेकर आज तक इसका विशिष्ट चिह्नक रहा है।

कला-भवन में पांच विभाग हैं - पेंटिंग, डिजाइन, मूर्तिकला, ग्राफिक्स (प्रिंटमेकिंग) और कला का इतिहास। डिजाइन विभाग दो प्रमुख दिशाओं में अपने अभ्यास का पता लगाता है - एक तरफ कपड़ा डिजाइन, दूसरी तरफ चीनी मिट्टी की चीजें और कांच। इनमें से प्रत्येक विभाग स्नातक से लेकर डॉक्टरेट शोध तक विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों की पूरी शृंखला चलाता है।

रवींद्रनाथ टैगोर और नंदलाल बोस दोनों की एक उल्लेखनीय दृष्टि एक संग्रहालय और पुस्तकालय को कला-भवन में शैक्षणिक संरचना के अभिन्न - और अनिवार्य रूप से आवश्यक - भाग के रूप में कल्पना करना था। कवि द्वारा एकत्र किए गए दृश्य अभ्यास से संबंधित पुस्तकें पुस्तकालय के प्रारंभिक केंद्र का गठन करती हैं, और नंदलाल और रवींद्रनाथ द्वारा संचित पारंपरिक कलाकृतियों - शायद 1915 की शुरुआत में - एक अकादमिक निकाय के रूप में "नंदन" संग्रहालय की शुरुआत की, जिसका संग्रह प्रेरक के रूप में काम करना था। और भावना के छात्रों और शिक्षकों दोनों द्वारा समकालीन अभ्यास के लिए रोशन उदाहरण। संस्थान में हाल की प्रथाओं ने अभिव्यक्ति के अपेक्षाकृत वर्तमान तरीकों की ओर ध्यान केंद्रित किया हो सकता है, लेकिन पुस्तकालय और संग्रहालय दृश्य अभ्यास के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण और महत्वपूर्ण समर्थन प्रणाली के रूप में बने हुए हैं। संग्रहालय का वर्तमान संग्रह 24971 वस्तुओं से अधिक है, और एक पैन-एशियाई में नंदलाल बोस के विश्वास को ध्यान में रखते हुए, नए कला आंदोलन के साथ-साथ दुनिया भर में कला वस्तुओं के महान अग्रदूतों के काम का एक मामूली क्रॉस-

सेक्शन है। आत्मा। इसी तरह, पुस्तकालय में ऐसी किताबें हैं जो विश्व कला में लगभग सभी दिशाओं को कवर करती हैं।

हाल ही में, सेंटर फॉर इंटरडिसिप्लिनरी प्रैक्टिस के अलावा, एक स्टूडियो-आधारित अवसर जो कला-भवन के सभी छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए खुला है, चाहे उनकी विशेषज्ञता के विभाग कुछ भी हों, ने एक अंतःविषय से नए-मीडिया प्रयोगों की दिशा में सकारात्मक प्रोत्साहन प्रदान किया है। परिप्रेक्ष्य। यह उस प्रारंभिक विश्वास को बहाल करने का एक प्रयास है जो कला-भवन में एक सर्वांगीण रचनात्मक भावना थी जो अनुशासनात्मक और मध्यम विशेषज्ञता से बंधी नहीं है। केंद्र ने प्रभावी ढंग से कार्यशालाओं और निवासों की शुरुआत की है, जिसने कला-भवन समुदाय और आने वाले विशेषज्ञों और कलाकारों के बीच प्रतिस्पर्धा की संभावना है।

डिजाइन विभाग (वस्त्र और सिरेमिक और ग्लास)

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / एसएलईटी और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम।

1. संस्कार वर्मा ने विजुअल आर्ट्स में दिसंबर 2020 और जून 2021 (मर्ज किए गए सत्र) के लिए यूजीसी-नेट (व्याख्यान) उत्तीर्ण किया।
2. विजुअल आर्ट्स में उज्ज्वल डे दिसंबर 2020 और जून 2021 (मर्ज किए गए सत्र) के लिए यूजीसी-नेट (व्याख्यान) उत्तीर्ण।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि।

- 26 मार्च 2022: समूह प्रदर्शनी-100 युवा संभव-रजा फाउंडेशन अखिलेश और मनीष पुष्कले द्वारा क्यूरेट किए गए भारत के 100 युवा कलाकारों का एक शो, जो जेसल ठाकर, उष्मिता साहू, मीरा मेनेजेस और गीता हडसन की आलोचनात्मक सलाह के माध्यम से बीकानेर में एक साथ खुल रहा है। हाउस, त्रिवेणी कला संगम, विजुअल आर्ट गैलरी आईएचसी, किंग्स प्लाजा आईआईसी, रोमेन रोलैंड आर्ट गैलरी एलायंस फ्रेंकेज।
- 2022: मास्टर ट्रेनर सुमन हलदर और प्रशिक्षण सहायक उज्ज्वल डे और पूजा मुखर्जी ने मैसर्स छोटो सिमुलिया टैगोर तंतुबे समबाय समिति लिमिटेड बोलपुर, शांतिनिकेतन, बीरभूम में 30 प्रशिक्षण दिनों के लिए 30 प्रशिक्षुओं के एक बैच को समर्थ के तहत डिजाइन में कौशल उन्नयन प्रशिक्षण का आयोजन किया। . भारत सरकार, कपड़ा मंत्रालय, हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय, बुनकर सेवा केंद्र, कोलकाता।
- 2019—वर्तमान तक: उज्ज्वल डे, इमामी आर्ट की निदेशक, उष्मिता साहू के लिए आधुनिकतावादी डिजाइनर और कलाकार रिटेन मोजुमदार (1927-2006) के जीवन और कार्यों पर अपनी व्यक्तिगत अभिलेखीय परियोजना के लिए अंशकालिक शोध सहायक के रूप में काम कर रही हैं। इस परियोजना को इंडिया फाउंडेशन फॉर द आर्ट्स द्वारा उनके शोध अनुदान के एक हिस्से के रूप में वित्त पोषित किया गया है।

गौतम कुमार दास (सिरेमिक और ग्लास)

एक कार्यशाला

1. 5 से 8 सितंबर 2021: कला-भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित लिनोकट कार्यशाला में भाग लिया।
3. फरवरी 2022: शांतिनिकेतन सोसाइटी ऑफ विजुअल आर्ट एंड डिजाइन (SSVAD), सोनाझुरीपल्ली, शांतिनिकेतन में सिरेमिक, टेराकोटा टाइलें और सारा पेंटिंग कार्यशालाओं में भाग लिया

शिशिर सहाना (सिरेमिक और ग्लास)

क) कार्यशाला

1. 5 से 8 सितंबर 2021: कला-भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित लिनो-कट कार्यशाला में भाग लिया।

ख) प्रदर्शनी

1. 3 से 6 दिसंबर 2021: डीएलएफ मूर्तिकला प्रदर्शनी (ऑनलाइन),
2. दिसंबर 2021: के-आर्ट इंटरनेशनल एक्सचेंज एसोसिएशन, बुसान, कोरिया, इनको सेंटर, चेन्नई में
3. 21 जनवरी से 31 मार्च 2022: मानव आत्मा: इन अनियमित समय में लचीलापन पर प्रस्ताव, एक इंडो-कोरियाई (INKO) सिरेमिक और ग्लास अंतर्राष्ट्रीय आभासी प्रदर्शनी

ग) ऑनलाइन बातचीत:

- a) 29 जनवरी, 2022: कोरियाई और भारतीय कलाकारों के साथ ऑनलाइन बातचीत
- b) 5 फरवरी, 2022: राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद के छात्रों और शिक्षकों के साथ भारत-कोरियाई कलाकारों द्वारा ऑनलाइन बातचीत; 12 फरवरी, 2022: कला भवन, शांतिनिकेतन के छात्रों और शिक्षकों के साथ; 17 मार्च, 2022: होंगिक विश्वविद्यालय और आवा विश्वविद्यालय, कोरिया के छात्रों और संकायों के साथ; 18 मार्च, 2022: सियोल नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कोरिया के छात्रों और शिक्षकों के साथ

साक्षी गोपाल दास (वस्त्र)

कार्यशाला

1. उपासना मंदिर 2021 में अल्पना में भाग लिया
2. गणतंत्र दिवस अल्पना 2021 में भाग लिया

बनतनवी दासमहापात्र (वस्त्र)

क) कार्यशाला

1. मार्च 2022: डीवीआईटीए आई केयर, दुर्गापुर एण्ड एग्रा एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी, सरपुकुरडांगा, शांतिनिकेतन के सहयोग से शांतिनिकेतन कला भवन प्राक्टोनी (एसकेबीपी) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की पेंटिंग कार्यशाला में भाग लिया।
2. फरवरी 2022: शांतिनिकेतन सोसाइटी ऑफ विजुअल आर्ट एंड डिज़ाइन (SSVAD), सोनाझुरीपल्ली, शांतिनिकेतन में सिरेमिक, टेराकोटा टाइलें और सारा पेंटिंग कार्यशालाओं में भाग लिया
3. सितंबर 2021: सोमनाथ होरे जन्म शताब्दी के अवसर पर लिनोकट कार्यशाला में भाग लिया

अध्याय-2

4. जून 2021: "तीसरी अंतर्राष्ट्रीय कला और डिजाइन: सहयोगात्मक प्रदर्शनी 2021, कला, दूरी और टोगेदरनेस की बहुलता पर", ललित और अनुप्रयुक्त कला संकाय, बुराफा विश्वविद्यालय, थाईलैंड में भाग लिया <http://online.anyflip.com/znjcu/zfwc/mobile/index.html>

ख) प्रदर्शनी/प्रस्तुति

- फरवरी 2022: बनतनवी दशमहापात्र, "प्रेरणा, कल्पना और कार्य: पुनः निर्माण की एक सीमा के रूप में डिजाइन", संवाद, विश्व-भारती युवा विद्वानों की व्याख्यान शृंखला, विश्व-भारती

ग) संगोष्ठी / प्रस्तुति / वेबिनार / लेख / सम्मेलन

- जुलाई 2021: ESCOM के 11वें त्रैवार्षिक सम्मेलन के साथ संयुक्त रूप से आयोजित संगीत धारणा और अनुभूति (ICMPC) पर 16वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया [यह ऑनलाइन आयोजित किया गया था]

मैडी लिंडा (सिरेमिक और ग्लास)

- प्रदर्शनी: भारतीय कलाकार समूह "आर्ट ब्रिज" - 2021 की प्रदर्शनी का क्यूरेटर (ऑनलाइन कला प्रदर्शनी, लिंक <https://www.indianartistgroup.com/ARTBridge.aspx>)

भावना खजूरिया बसुमतारी (सिरेमिक और ग्लास)

क) कार्यशाला

- 5 से 8 सितंबर 2021: कला-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित लिनो-कट कार्यशाला में भाग लिया

ख)) अन्य गतिविधियां सदस्य / प्रभारी:

- 2021: मेयो कॉलेज गर्ल्स स्कूल, अजमेर, राजस्थान द्वारा आयोजित कला प्रतियोगिता के लिए जूरी सदस्य

देवाशीष दास (सिरेमिक और ग्लास)

क) कार्यशाला

- 5 से 8 सितंबर 2021: कला-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित लिनो-कट कार्यशाला में भाग लिया

ख) प्रदर्शनी

- 2021 ऑनलाइन कला प्रदर्शनी भारतीय कलाकार समूह "आर्ट ब्रिज" (लिंक - <https://www.indianartistgroup.com/ARTBridge.aspx>)

ग) अन्य गतिविधियां सदस्य/प्रभारी

- व्याख्यान प्रस्तुति: ऑनलाइन कला ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम नैमिशा- 2021 कार्यशाला, एनजीएमए नई दिल्ली

अर्चना दास (सिरेमिक और ग्लास)

क) कार्यशाला

- 5 से 8 सितंबर 2021: कला-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित लिनो-कट कार्यशाला में भाग लिया

अनुपम चौधरी (सिरेमिक और ग्लास)

क) कार्यशाला

- 5 से 8 सितंबर 2021: कला-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित लिनो-कट कार्यशाला में भाग लिया

ख) प्रदर्शनी

- 2022: मूर्तिकला की श्रेणी में बिड़ला अकादमी, कोलकाता की 55वीं वार्षिक प्रदर्शनी।
- 2021: भारतीय कलाकार समूह "आर्ट ब्रिज" - ऑनलाइन कला प्रदर्शनी। (लिंक - <https://www.indianartistgroup.com/ARTBridge.aspx>)
- 2022: बुराफा विश्वविद्यालय, थाईलैंड में सिरेमिक प्रदर्शनी

पिनाकी गायन (वस्त्र)

क) प्रदर्शनी

- 2021: भारतीय कलाकार समूह "आर्ट ब्रिज" - ऑनलाइन कला प्रदर्शनी। (लिंक - <https://www.indianartistgroup.com/ARTBridge.aspx>)

ख) सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

- 23 अगस्त, 2021: दिल्लीवर किए गए व्याख्यान शीर्षक: 1) सबसे ज्यादा क्या मायने रखता है - रेखाएं या रंग? गैर-आलंकारिक चित्रों में भावनाओं की धारणा पर एक प्रयोगात्मक अध्ययन। लेखक: पिनाकी गायन, अर्ची बनर्जी, गोबिंद बानिक, राजू मलिक और प्रियदर्शी पटनायक। 2) क्या संगीत हमारी दृश्य धारणा को प्रभावित कर सकता है? मध्यस्थता की खोज में एक मनोवैज्ञानिक और तंत्रिका-संज्ञानात्मक अध्ययन। लेखक: अर्ची बनर्जी, पिनाकी गायन, शंख सान्याल, जुनमोनी बोरगोहेन, सौपर्णो रॉय, सयान नाग, प्रियदर्शी पटनायक, दीपक घोष। 3) कलाकारों और गैर-कलाकारों द्वारा बनाए गए अमूर्त रंग और रेखा चित्रों से भावनाओं का अनुमान लगाया जा सकता है। लेखक: विजुअल परसेप्शन (ईसीवीपी) वेबसाइट पर 43 वें यूरोपीय सम्मेलन में क्लाउडिया डेमियानो, पिनाकी गायन, अर्ची बनर्जी, गोबिंद बानिक, प्रियदर्शी पटनायक, डिक बी वाल्थर, जोहान वेजमैन: <https://ecvp2021.org/>

ग) अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में सार प्रकाशन

- "सबसे ज्यादा क्या मायने रखता है-पंक्तियाँ या रंग? गैर-आलंकारिक चित्रों में भावनाओं की धारणा पर एक प्रायोगिक अध्ययन", गायन, पी।, बनर्जी, ए., बानिक, जी।, मलिक, आर., और पटनायक, पी,

अध्याय-2

इन परसेप्शन, वॉल्यूम। 50, नंबर 1 SUPPL, पीपी 68-69, सेज पब्लिकेशंस लिमिटेड, लंदन। दिसंबर 2021.

- "क्या संगीत हमारी दृश्य धारणा को प्रभावित कर सकता है? इंटरमीडियलिटी की खोज में एक मनोवैज्ञानिक और तंत्रिका-संज्ञानात्मक अध्ययन", बनर्जी, ए., गेयन, पी।, सान्याल, एस., बोरगोहेन, जे।, रॉय, एस., नाग, एस., ... और घोष, डी धारणा में, वॉल्यूम। 50, नंबर 1 एसयूपीएल, पी। 68, सेज पब्लिकेशंस लिमिटेड, लंदन। दिसंबर 2021.
- "कलाकारों और गैर-कलाकारों द्वारा बनाए गए अमूर्त रंग और रेखा चित्रों से भावनाओं का अनुमान लगाया जा सकता है", डेमियानो, सी।, गेयन, पी।, बनर्जी, ए., बनिक, जी।, पटनायक, पी।, वाल्थर, डीबी, और Wagemans, J., PERCEPTION में, 50 (1_SUPPL), पीपी 57-58, सेज पब्लिकेशंस लिमिटेड, लंदन। दिसंबर 2021.

घ) सम्मेलन सलाहकार सदस्य और समीक्षक

- 10-12 दिसंबर 2021: खुशी की लय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सह कार्यशाला। (ऑनलाइन मोड) वेबसाइट: <https://sites.google.com/view/rhythm2021>
- खुशी के विज्ञान के लिए रेखी उत्कृष्टता केंद्र, भा.प्रौ.सं. खड़गपुर स्कूल ऑफ लैंग्वेज एंड लिंग्विस्टिक्स और सर सी.वी. रमन सेंटर फॉर फिजिक्स एंड म्यूजिक, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता के सहयोग से

ङ) अन्य गतिविधियां सदस्य / प्रभारी

- 24.02.2022-29.03.2022: यूजीसी-एचआरडीसी कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल (ऑनलाइन मोड) द्वारा संचालित फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (एफआईपी -10) पूरा किया और कार्यक्रम में ए + ग्रेड प्राप्त किया

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया।

- शिक्षकों की 7वें पौष पर वृक्षरोपण, छातिमतला, 25 दिसंबर को उपासना गृह, गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस की सजावट में भागीदारी।
- विश्वविद्यालय द्वारा संचालित स्वच्छ भारत कार्यक्रम में शिक्षक भाग लेते हैं।
- 2020-2021, एनएसएस कार्यक्रम में विश्व-भारती विश्वविद्यालय द्वारा डिजाइन यूनिट कला-भवन विभाग के शिक्षकों ने भाग लिया।

शिक्षकों/विद्वानों या विभाग द्वारा समग्र रूप से प्राप्त शैक्षणिक उत्कृष्टता (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता)

अनुपम चौधरी (सिरेमिक और ग्लास)

- राष्ट्रीय और पुरस्कार, बिरला अकादमी की 55वीं वार्षिक प्रदर्शनी ने आपको मूर्तिकला की श्रेणी में पुरस्कार प्राप्त करने के लिए नामांकित किया

प्रकाशन:

शिशिर सहाना (सिरेमिक और ग्लास)

- "शिक्षार संस्कारे विश्वभारती" (बंगाली में), कोरस शिल्प साहित्यो पोत्रिका, बोड़मेला 2022 (कोलकाता पुस्तक मेला) विशेष अंक, कोलकाता: फरवरी 2022, पृ-451 - 456

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी:

छात्र:-प्रदर्शनी (राष्ट्रीय)/पुरस्कार)

क. अजितेश मित्रा (बीएफए चौथा सेमेस्टर)

- कैमल आर्ट फाउंडेशन के वार्षिक कला एवं डिजाइन प्रतियोगिता 2021 में भाग लिया
- राकू सिरेमिक वर्कशॉप, दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल में भाग लिया। 2022

ख. निर्मल मंडल: (बीएफए 8वें सेमेस्टर)

- बॉन कला परियोजना। तीसरी अंतर्राष्ट्रीय सिरेमिक कला प्रदर्शनी, ईरान, विषय: परिवर्तन 2021
- कलात्मक भारत कला प्रदर्शनी 2021
- राकू सिरेमिक वर्कशॉप, दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल में भाग लिया। 2022

ग. रंजना साधुखना (बीएफए चौथा सेमेस्टर)

- प्रदर्शनी में तृतीय पुरस्कार के विजेता; रेटिनोब्लास्टोमा - एक कलात्मक अभिव्यक्ति। एल वी प्रसाद नेत्र संस्थान, विजयवाड़ा, तेलंगाना द्वारा संचालित
- एक प्रदर्शनी में भाग लिया - रेटिनोब्लास्टोमा - एक कलात्मक अभिव्यक्ति। एल वी प्रसाद नेत्र संस्थान, विजयवाड़ा, तेलंगाना द्वारा संचालित
- हिमाबिन्दु यालामंचिली: रेटिनोब्लास्टोमा - एक कलात्मक अभिव्यक्ति आभासी प्रदर्शनी 12 नवंबर - 2021

घ. ऋतु झा: राकू सिरेमिक वर्कशॉप, दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल में भाग लिया। 2022

ड. संस्कार वर्मा: विजुअलआर्ट्स में दिसंबर 2020 और जून 2021 (विलय सत्र) के लिए यूजीसी-नेट (सहायक प्रोफेसर)

च. शिल्पी शर्मा (एमएफए चौथा सेमेस्टर)

- फाल्गुनी भट्ट, इमामी आर्ट सेंटर ऑफ क्रिएटिविटी 13 नवंबर - 12 दिसंबर, 2021 के सहयोग से "बीएचयू" - इमामी कला, सिरेमिक प्रदर्शनी में प्रदर्शित।

अध्याय-2

2. छात्र: अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी।

घ. श्रावण चक्रवर्ती :1. मेरिट रैंक सर्टिफिकेट 2021 विश्व-भारती

ज. सुमना मंडल :1. रवींद्रनाथ टैगोर रजत पुरस्कार-2021, आभासी प्रदर्शनी।

1. स्वीटी रानी :1. राकू सिरेमिक वर्कशॉप, दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल, 2022 में भाग लिया

जे. उत्कर्ष महतो (बीएफए चौथा सेमेस्टर)

1. कैमल आर्ट फाउंडेशन के वार्षिक कला एवं डिजाइन प्रतियोगिता 2021 में भाग लिया

2. राकू सिरेमिक वर्कशॉप, दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल में भाग लिया।

3. हस्तशिल्प विकास कार्यशाला, वस्त्र, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार में भाग लिया। 2021

विभाग की अन्य प्रासंगिक जानकारी:

मैडी लिंडा (सिरेमिक और ग्लास)

- अध्ययन बोर्ड, मूर्तिकला विभाग, राजा मानसिंह तोमर संगीत और कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश: 2021- 2022
- कला-भवन, विश्व-भारती, 2021 की नैक तैयारी
- कला-भवन विभाग, विश्व-भारती, 2021 में डीक्यूएसी
- कला-भवन की आईसीसीआर समिति, विश्व-भारती, 2022
- कला-भवन की समिति, एनईपी (राष्ट्रीय शैक्षिक नीति)
- एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी 2020- 2021, यूनिट कला-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन राजभाषा प्रोकोस्ट, (हिंदी) कला-भवन के संयुक्त समन्वयक, विश्व-भारती: 2021- 2022
- डिजाइन विभाग (सिरेमिक्स और ग्लास) कला-भवन, विश्व-भारती 2021 - 22 के एमएफए छात्र के लिए शिक्षक सलाहकार
- आरईटी परीक्षा 2020-21, शोध समिति (पीएचडी) डिजाइन विभाग, कला-भवन, विश्वभारती
- कला-भवन बीएफए/डीएफए प्रवेश परीक्षा प्रबंधन दल: 2021- 2022
- बीएफए/डीएफए प्रवेश समिति, कला-भवन, शैक्षणिक सत्र 2020-21
- कला-भवन के परीक्षा समन्वयक: 2021- 2022

भावना खजूरिया बसुमतारी (सिरेमिक और ग्लास)

- 2022: प्रवेश समन्वय प्रकोष्ठ, विश्वभारती, शांतिनिकेतन के सदस्य नियुक्त
- 2022: आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, विश्वभारती, शांतिनिकेतन के सदस्य नियुक्त।
- 2022: कला भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन के वाइस प्रिंसिपल (कैंपस) के रूप में नियुक्त

देबाशीष दास (सिरेमिक और ग्लास)

- कला-संगीत बालक छात्रावास शिक्षक वार्डन 2021- 2022, कला-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन।

- क्रय समिति सदस्य, डिजाइन विभाग (सिरेमिक और ग्लास) कला-भवन, विश्व-भारती 2021 - 22
- एमएफए के लिए शिक्षक सलाहकार (प्रथम वर्ष) डिजाइन विभाग (सिरेमिक और ग्लास) के छात्र कला-भवन, विश्व-भारती 2021 - 22,

अर्चना दास (सिरेमिक और ग्लास)

- 2021- नैक के लिए सदस्य आतिथ्य दल, कला-भवन में दौरा

पिनाकी गायेन (वस्त्र)

- कला-भवन विभाग, विश्व-भारती, 2021 में डीक्यूएसी
- 2021- नैक के लिए सदस्य आतिथ्य दल, कला-भवन में दौरा

24.02.2022-29.03.2022: यूजीसी-एचआरडीसी कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल (ऑनलाइन मोड) द्वारा संचालित फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (एफआईपी -10) पूरा किया और कार्यक्रम में ए + ग्रेड प्राप्त किया।

भवन/सदन/विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास:

एक सिंहावलोकन:

कला भवन में डिजाइन विभाग इतिहास और प्रगतिशील दृष्टि की बहुत महिमा के साथ कला भवन (1919 में स्थापित) के शताब्दी वर्ष के बाद खड़ा है। यह मानव के सर्वांगीण विकास में रवींद्रनाथ टैगोर के शैक्षणिक आयाम की दृष्टि को दर्शाता है। हालांकि, कपड़ा और सिरेमिक के साथ डिजाइन विभाग में विशेषज्ञता सीमित बुनियादी ढांचे के साथ 1980 में शुरू हुई, कपड़ा डिजाइन और सिरेमिक में कला और शिल्प के व्यापक अभ्यास ने अपनी स्थापना के बाद से कला-भवन में एक महत्वपूर्ण आंदोलन पर ध्यान केंद्रित किया था। एक बार, कला भवन ने वैश्विक स्वीकृति के साथ राष्ट्रीय कला आंदोलन का मार्ग दिखाया। अब टेक्सटाइल और सिरेमिक और ग्लास कला अभ्यास देश में संस्थान के दो प्रमुख वर्ग हैं। दोनों ऐसे दुर्लभ माध्यमों को अभिव्यक्ति के माध्यम के रूप में पेश करते हैं जो कलात्मक अभिव्यक्ति को फिर से जीवंत करते हैं और स्थायित्व के लिए कमाई के संसाधन भी उत्पन्न करते हैं। यह अभ्यास के तरीके के संदर्भ में व्यावसायिक और रचनात्मक दोनों हैं। हालांकि, माध्यम उतने ही पुराने हैं जितने पुराने समय को ध्यान में रखते हुए अभ्यास के नवीन तरीके के संबंध में समकालीन हैं। हाल के समय में, 2014 में, विभाग में कांच के माध्यम को पेश किया गया था। ऐसे माध्यमों की मदद से विभाग में कला और शिल्प अभ्यास ने छात्रों के बीच अभिव्यक्ति का एक उल्लेखनीय आयाम जोड़ा है।

मार्च 2020 से कोविड महामारी के कारण छात्रों के लिए संस्थान नहीं खुला था, इसलिए, उन्हें स्टूडियो की सुविधा उतनी नहीं मिल सकी, जितनी शारीरिक, व्यावहारिक रूप से अभ्यास करने के लिए आवश्यक थी। लेकिन, साथ ही, विभाग ने कोविड संकट की अवधि में शिक्षण के डिजिटल मोड को

अध्याय-2

विकल्प के रूप में विकसित किया है। बदलते समय को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन क्लासेस बहुत व्यवहार में आती हैं।

हमारा उद्देश्य विभाग को देश में सिरेमिक एवं ग्लास और टेक्सटाइल में अग्रणी संस्थान बनाना है और अंतरराष्ट्रीय स्तर के समान सुविधाओं का विकास करना ताकि दुनिया भर के छात्रों को आकर्षित किया जा सके।

भविष्य योजना:

डिजाइन विभाग में तीन प्रमुख खंड होते हैं जैसे कि डिजाइन, सिरेमिक एवं ग्लास और टेक्सटाइल में दो साल का सर्टिफिकेट कोर्स।

पिछले कुछ वर्षों में, डिजाइन विभाग ने एक प्रमुख ढांचागत विकास कार्यक्रम शुरू किया है। हमने छात्रों के लिए कक्षाओं और तकनीकी कार्यशालाओं की सुविधाओं का विस्तार किया है। शुभचिंतकों द्वारा हमें नए उपकरण दान में दिए गए हैं, कई उपकरण, फर्नीचर खरीदे गए हैं। बुनियादी ढांचे को विकसित करने और सिरेमिक एवं ग्लास अनुभाग और टेक्सटाइल अनुभाग में कई भट्टों और भट्टियों को स्थापित करने के लिए निजी ट्रस्ट / संगठनों से मदद मांगना, इसके अलावा कुछ करघे और टेक्सटाइल प्रिंटिंग सुविधाएं भी स्थापित की जाने की योजना है। विभाग ने एचईएफए परियोजना के तहत सिरेमिक और ग्लास के लिए नई विशेष कार्यशाला का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। इसे मंजूरी मिल गई है और काम चल रहा है।

विभाग विद्यार्थियों के शैक्षणिक पाठ्यक्रम के लिए संबंधित विषय से संबंधित औद्योगिक भ्रमण एवं क्षेत्र भ्रमण की पहल कर रहा है। मौजूदा छात्र विनिमय कार्यक्रम के अलावा, विभाग ने विनिमय कार्यक्रम के लिए और अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से संपर्क किया है। शिक्षक विभिन्न शिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से खुद को उन्नत कर रहे हैं, समकालीन कला अभ्यास में विभागीय छात्रों के उत्थान के लिए अपनी प्रथाओं को अपना रहे हैं। हमने विभाग के साथ और अधिक अंतरराष्ट्रीय सहयोग की योजना बनाई है।

हमने विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदन के लिए 3 नए पाठ्यक्रम प्रोग्राम किए हैं यानी 2 प्रकार के इंटरनशिप कार्यक्रम और व्यावसायिक पाठ्यक्रम। व्यावसायिक पाठ्यक्रम का तात्पर्य है कि जहां छात्र विश्वविद्यालय को विशेषज्ञ पाठ्यक्रमों में भाग लेने के लिए भुगतान करेंगे, इससे विश्वविद्यालय को आर्थिक मदद मिलेगी। इंटरनशिप कार्यक्रम का तात्पर्य है जहां कला-भवन और अन्य संस्थानों के छात्र अल्पकालिक पाठ्यक्रमों के आदान-प्रदान कार्यक्रम कर सकते हैं। इंटरनशिप और व्यावसायिक पाठ्यक्रम तकनीकी और सौंदर्य कौशल विकसित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं जो छात्रों के लिए स्थायी भविष्य के रास्ते खोलेंगे।

मूर्तिकला विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट एवं गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:
नेट :

1. अर्पिता दास - नेट, 2021
2. पंकज बसाक - नेट, 2021

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी:

पंकज पंवार

ए) प्रदर्शनियां:

- अक्टूबर, 2021: जामिया मिलिया विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन दृश्य कला प्रदर्शनी। (अस्थायी शो, यूआरएल उपलब्ध नहीं है),
- नवंबर 2021: सोसाइटी ऑफ कंटेम्प러리 आर्टिस्ट्स की वार्षिक प्रदर्शनी, बिरला अकादमी, कोलकाता।

बी) कार्यशालाएं:

- अप्रैल 2021: श्रीनिकेतन में शांतिनिकेतन कला भवन प्रक्टोनी द्वारा आयोजित सिरेमिक कार्यशाला
- अप्रैल, 2021: सिरेमिक वर्कशॉप, एसएसवीएडी, शांतिनिकेतन।
- मार्च, 2022: शांतिनिकेतन कला भवन प्रक्टोनी द्वारा शांतिनिकेतन में आयोजित चित्रकला कार्यशाला
- 2021, 5 सितंबर: सोमनाथ होरे जन्म शताब्दी, लालबंघ, शांतिनिकेतन के अवसर पर लिनोकट कार्यशाला

सुतनु चटर्जी

प्रदर्शनियां:

- जून, 2021: ललित और अनुप्रयुक्त कला संकाय, बुराफा विश्वविद्यालय, थाईलैंड द्वारा आयोजित तीसरी अंतर्राष्ट्रीय कला एवं डिजाइन, सहयोगात्मक ऑनलाइन प्रदर्शनी।
- 8 से 18 दिसंबर, 2021: डाइजॉन को दुनिया के रंगों से रंगना। डीआईएडूए 2021"- कोरिया के डेजॉन में जंग-गु कल्चरल सेंटर द्वारा आयोजित पेंटिंग और मूर्तिकला की एक अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी। यूआरएल: https://youtu.be/2oCKQgL_-z4
- 1 अक्टूबर से 31 दिसंबर, 2021: "अवतल एवं उत्तल" - पूजा सरकार द्वारा क्यूरेट किया गया एक अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन मूर्तिकला शो। "एसएमएस" द्वारा आयोजित - कलाकारों का एक समूह। यूआरएल www.smsgroupartist.com/international/स्कल्पचर/शो

अध्याय-2

- 8 से 13 मार्च, 2022: 'एसएमएस'- राज्य चारुकला परिषद, सूचना और सांस्कृतिक मामलों, सरकार द्वारा आयोजित "चारुकला उत्सव 2022" में कलाकारों का एक समूह पेंटिंग और मूर्तियों का प्रदर्शन करता है। पश्चिम बंगाल के रवींद्र सदन और नंदन सांस्कृतिक केंद्र, कोलकाता में।

ए) कार्यशालाएं:

- अप्रैल 2021: श्रीनिकेतन में शांतिनिकेतन कला भवन प्रक्टोनी द्वारा आयोजित सिरेमिक कार्यशाला
- 5 सितंबर, 2021: "सोमनाथ होरे जन्म शताब्दी" के अवसर पर लिनोकट कार्यशाला एवं शिक्षक दिवस भी मनाए गए.
- मार्च 2022: शांतिनिकेतन कला भवन प्रक्टोनी द्वारा शांतिनिकेतन में आयोजित चित्रकला कार्यशाला

बी) रेडियो साक्षात्कार:

- 30 अगस्त, 2021: "भास्करज्ये आलो-छाया" - आकाशवाणी शांतिनिकेतन (एफएम 10.3 मेगाहर्ट्ज) में एक रेडियो साक्षात्कार।

मति लाल कलाई

कार्यशालाएं:

- अप्रैल 2021: श्रीनिकेतन में शांतिनिकेतन कला भवन प्रक्टोनी द्वारा आयोजित सिरेमिक कार्यशाला
- 5 सितंबर, 2021: "सोमनाथ होरे जन्म शताब्दी" के अवसर पर लिनोकट कार्यशाला एवं शिक्षक दिवस, कला भवन भी मनाए गए.
- मार्च 2022: शांतिनिकेतन कला भवन प्रक्टोनी द्वारा शांतिनिकेतन में आयोजित चित्रकला कार्यशाला

ऋषि बरुआ

कार्यशालाएं:

- अप्रैल 2021: श्रीनिकेतन में शांतिनिकेतन कला भवन प्रक्टोनी द्वारा आयोजित सिरेमिक कार्यशाला
- अगस्त 2021: ड्राइंग, सेरामिक्स एवं टेराकोट्टा पर बहु-विषयक कार्यशाला एसएसवीएडी, शांतिनिकेतन।
- 5 सितंबर, 2021: "सोमनाथ होरे जन्म शताब्दी" के अवसर पर लिनोकट कार्यशाला एवं शिक्षक दिवस, कला भवन भी मनाए गए.
- मार्च 2022: शांतिनिकेतन कला भवन प्रक्टोनी द्वारा शांतिनिकेतन में आयोजित चित्रकला कार्यशाला

अमित कुमार धारा

प्रदर्शनियां:

- 15 अगस्त, 2021: सुसोवन आर्ट फाउंडेशन, कोलकाता द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्रदर्शनी "स्वतंत्र विचार - 2021"। यूआरएल <http://www.susovanartfoundation.com/inनिर्भर-विचार-21/>

क) शिविर/कार्यशालाएं:

- अप्रैल 2021: श्रीनिकेतन में शांतिनिकेतन कला भवन प्रक्टोनी द्वारा आयोजित सिरेमिक कार्यशाला
- 5 सितंबर, 2021: "सोमनाथ होरे जन्म शताब्दी" के अवसर पर लिनोकट कार्यशाला एवं शिक्षक दिवस, कला भवन भी मनाए गए।
- मार्च 2022: शांतिनिकेतन कला भवन प्रक्टोनी द्वारा शांतिनिकेतन में आयोजित चित्रकला कार्यशाला

लवंशैभा खरमावलोग

ए) प्रदर्शनियां

- 8 से 18 दिसंबर, 2021: "2021 डेजॉन को दुनिया के रंगों से रंगना। डीआईएईए 2021"- दक्षिण कोरिया के डेजॉन में जंग-गु कल्चरल सेंटर द्वारा आयोजित पेंटिंग और मूर्तिकला की एक अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी

बी) पैनलिस्ट

- 2021: नॉर्थ ईस्ट आर्ट्स इनिशिएटिव द्वारा आयोजित 'पूर्वोत्तर भारत में दृश्य कला प्रथाओं का एक महत्वपूर्ण आत्मनिरीक्षण' पर पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित

सज्जाद हुसैन हमदानी

ए) वेबिनार

- फरवरी 2022: श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) द्वारा (जम्मू-कश्मीर के कलाकारों की शाश्वत छाप) विषय पर एक वेबिनार के लिए आमंत्रित किया गया।

शिक्षकों/विद्वानों या समग्र रूप से विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता)

पंकज पंवार

- एनईपी के अनुरूप पाठ्यक्रम विकसित करने के लिए सलाहकार समिति एनसीईआरटी "डीएबी" के बाहरी विशेषज्ञ। भारत सरकार।
- कोलकाता आधुनिक कला संग्रहालय (केएमओएमए) के लिए न्यासी मंडल के सदस्य। पश्चिम बंगाल

अध्याय-2

- राज्य चारुकला परिषद (ललित कला विभाग), पश्चिम बंगाल सरकार के सलाहकार बोर्ड के सदस्य।
- सीआईएमए, युवा कलाकार पुरस्कार और प्रदर्शनी के लिए सलाहकार समिति के सदस्य।
- बर्जर पेंट के जूरी सदस्य युवा कलाकार/डिजाइनर पुरस्कार। - अक्टूबर 2021.
- बाहरी विशेषज्ञ बीएचयू, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, रवींद्र भारती विश्वविद्यालय, सिस्टर निवेदिता विश्वविद्यालय की बी.ओ.एस. समितियां।

सुतनु चटर्जी

- ललित कला अकादमी, कोलकाता के सदस्य।
- भारतीय राष्ट्रीय कला एवं संस्कृति मंच (आई.एन.ए.सी), कोलकाता के सलाहकार सदस्य।
- संपादकीय बोर्ड सदस्य - विजडम स्पीक्स (एक त्रिभाषी बहु-विषयक पीयर-रिव्यूड पत्रिका),
- एसएमएस-ए ग्रुप ऑफ आर्टिस्ट्स, कोलकाता के सलाहकार सदस्य।

मतीलाल कलई

- नैक समिति कला भवन सदस्य, 2021-22
- राष्ट्रीय स्तर की सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति (सीटीएसएस) योजना, दृश्य कला, सीसीआरटी, नई दिल्ली, फरवरी, 2022 के लिए चयन समिति सदस्य।
- बी.ओ.एस. सदस्य, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता।

कमल धर

जूरी सदस्य एवं प्रदर्शनी:

- 2001: ललित कला केंद्र, गुवाहाटी, असम, सरकार के "राजा रवि वर्मा अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार, 2021" के एक ऑनलाइन प्रदर्शनी और पुरस्कार कार्यक्रम के जूरी सदस्य एवं अतिथि कलाकार के रूप भाग लिया।

ऋषि बरुआ

- सदस्य, नैक समिति कला भवन, 2021-22
- सदस्य: एनईपी समिति, कला भवन 2022
- सदस्य: सोमनाथ होरे शताब्दी समारोह समिति, 2021
- सदस्य: छात्र शिकायत समिति, विभाग, मूर्तिकला, कला भवन, 2021-22
- मुंबई मांडी मेट्रो परियोजना, नवंबर 2021 के लिए जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित।

अमित कुमार धारा

- कला भवन छात्रों का फाउंडेशन मेंटर, 2021-22
- सदस्य: कला भवन की कैपस रखरखाव समन्वय समिति, 2021
- सदस्य: परीक्षा अधीक्षक (बी.एफ.ए, प्रैक्टिकल) कला भवन, 2021-22

- सदस्य: सोमनाथ होरे जन्म शताब्दी समारोह समिति, 2022
- सदस्य: डीक्यूएसी समिति, कला भवन विभाग, 2021

लवंशैभा खरमावलॉग

- नैक प्रतिनिधि, मूर्तिकला विभाग, कला-भवन, 2021 – 2022 .
- सदस्य, नैक समिति, कला भवन, 2021-22
- सदस्य: राष्ट्रीय शिक्षा नीति, (एनईपी) कला भवन समिति, 2022
- सदस्य: आईक्यूएसी, विश्वभारती, 2022
- सदस्य: डीक्यूएसी, मूर्तिकला विभाग, कला भवन, 2021-22

प्रकाशन:

सुतनु चटर्जी

- "शतोर्षो सोमनाथ होरे" (बांग्ला में), आजकल, पूजा इशू, कोलकाता 2021
- "आमार शिल्प-शिककार" (बांग्ला में), शरत चंद्र दास में (सं.) श्रीचरणेसु मास्टरमोसाई, कोलकाता: रितोभाष प्रकाशन, सितंबर 2021, पृ. 164 - 175, आईएसबीएन: 978-81-948074-5-2
- "अबनिंद्रनाथ-एर मुखोष चित्रमाला - एक नोतुन दिगंता" (बांग्ला में), श्रुतिबक, उत्सव ओ बसंता सोनखा, बर्दवान: मार्च 2022, प्रकाशक मोनामी घोष, पृ. 7 – 10
- "रॉबिन मंडल-एर कैनवास" (बांग्ला में), कोरस शिल्प साहित्य पत्रिका, बोड़मेला 2022 (कोलकाता पुस्तक मेला) विशेष अंक, कोलकाता: फरवरी 2022, पृ. 98 - 101

भविष्य योजनाओं को ध्यान में रखते हुए संबंधित भवन / सदन / विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास:

कला भवन की शुरुआत से मूर्तिकला विभाग ने वैकल्पिक कला अभ्यास केंद्र के रूप में संस्थान के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई एवं आधुनिक भारतीय कला के संदर्भ में एक नया मंच स्थापित किया। बीसवीं शताब्दी की शुरुआत में महान विचारक रवींद्रनाथ टैगोर की विचारधारा और अबनिंद्रनाथ टैगोर के शिष्य नंदलाल बोस ने शांतिनिकेतन स्कूल के विकास में योगदान दिया। 1932 में रामकिंकर वैज के मार्गदर्शन में अनौपचारिक रूप से विभाग की शुरुआत हुई। प्रारंभ में, रामकिंकर बैज के तहत, तथा उनके उपरांत सरबरी रॉयचौधरी, अजीत चक्रवर्ती, बिपिन गोस्वामी, विकाश देबनाथ, सुशेन घोष एवं सुरेन दे ने विभाग के असंख्य छात्रों को प्रशिक्षण दिया, जिन्होंने बाद में भारत के प्रख्यात मूर्तिकारों के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई।

विभाग ने देश-विदेश के विभिन्न हिस्सों से छात्रों को आकर्षित किया, जैसे कि जापान, कोरिया, थाईलैंड, यूके, फ्रांस, यू.एस.ए., बांग्लादेश, मॉरीशस, यूएसएसआर, श्रीलंका आदि।

अध्याय-2

विभाग से प्रशिक्षित कई महत्वपूर्ण मूर्तिकार समकालीन मूर्तिकला में नई शब्दावली के विकास में योगदान दिया है, उनमें से कुछ के नाम विभिन्न पीढ़ियों से हैं: शंखो चौधरी, प्रभास सेन, जितेंद्र कुमार, अवतार सिंह पंवार, एम. धर्मानि, मदन वटनागर, सुरेन पांडे, बलबीर सिंह कट आदि।

अन्य संबंधित जानकारी:

छात्रों की उपलब्धि :

1. एनजामुल इस्लाम - 41वीं डी गु अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन मूर्तिकला प्रदर्शनी, दक्षिण कोरिया, 23 जून - 2021
2. अभिषेक चक्रवर्ती - 41वीं डी गु अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन मूर्तिकला प्रदर्शनी, दक्षिण कोरिया, 23 जून - 2021
3. रिमी पॉल - 41वीं डी गु अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन मूर्तिकला प्रदर्शनी, दक्षिण कोरिया, 23 जून - 2021
4. अभिषेक चक्रवर्ती - "कला सकाही" कला छात्रवृत्ति से सम्मानित- 2021-2022
5. हिमांशु शर्मा - 30 नवंबर - 30 दिसंबर 2021 तक आयोजित ऑनलाइन कला प्रदर्शनी फाउंडेशन ऑफ आर्ट एंड कल्चर, भोपाल में भाग लिया।
6. बिभु पाल - 14-15 मार्च, 2022 तक इंस्टैंक संरक्षण संस्थान, कोलकाता द्वारा समर्थित कला-भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन में आयोजित कपड़ा संरक्षण एवं पुनः उपयोग कार्यशाला में भाग लिया।
7. स्टैनज़िन सेपेल - 14-15 मार्च, 2022 तक इंस्टैंक संरक्षण संस्थान, कोलकाता द्वारा समर्थित कला-भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन में आयोजित कपड़ा संरक्षण एवं पुनः उपयोग कार्यशाला में भाग लिया।
8. दामुदर राभा - सांस्कृतिक संसाधन एवं प्रशिक्षण केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, सरकार द्वारा जूनियर फेलोशिप प्राप्त किया। फरवरी 2022
9. सुकन्या - सांस्कृतिक संसाधन और प्रशिक्षण केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, सरकार द्वारा जूनियर फेलोशिप प्राप्त की। भारत का, फरवरी 2022
10. म्हासीसेलू विये - सांस्कृतिक संसाधन और प्रशिक्षण केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, सरकार द्वारा जूनियर फेलोशिप प्राप्त की। फरवरी 2022

नियुक्ति:

1. जयदेब पाल, 9 सितंबर, 2021 को बाल भारती पब्लिक स्कूल, ओडिशा में कला एवं शिल्प शिक्षक (सहायक शिक्षक) के रूप में नियुक्त।

चित्रकला विभाग

विभागीय संगोष्ठी/कार्यशाला (वक्ता, संगोष्ठी शीर्षक, दिनांक)

- ए) मार्च 2022 के बाद: नैन्सी पॉप, कैलिफोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका के दृश्य कलाकार, 22.03.2022 को पेंटिंग विभाग, कला भवन में 9 महीने की अवधि के लिए फुलब्राइट नेहरू वरिष्ठ विद्वान के रूप में शामिल हुए और विभिन्न सेमेस्टर के छात्रों बीएफए एवं एमएफए के साथ कार्यशालाओं और स्टूडियो का दौरा किया।
- बी) 20 दिसंबर 2021: ऑनलाइन टॉक "मिल द आर्टिस्ट": आमंत्रित प्रोफेसर ध्रुव मिस्त्री, वडोदरा, गुजरात के वरिष्ठ और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाने-माने कलाकार; कुमार जसाकिया द्वारा समन्वित।

राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि। अध्यक्षों/शोधार्थी द्वारा की गई अध्यक्षता/मूल्यांकन/प्रस्तुतिकरण का विवरण।

दिलीप मित्रा

- अगस्त 2021: टाटा स्टील, इमामी फाउंडेशन एवं कोलकाता विभाजन संग्रहालय द्वारा समर्थित "द लिगेसी ऑफ लॉस: पर्सपेक्टिव ऑन द पार्टिशन ऑफ बंगाल" नामक एक क्यूरेटेड प्रदर्शनी में भाग लिया।
- सितंबर 2021: कला भवन, विश्वभारती में लिनो कट पर शिक्षकों की कार्यशाला।
- मार्च 2022: एसएसवीएडी, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित सिरेमिक कार्यशाला में भाग लिया।

अर्घ्य प्रिया मजूमदार

- सितंबर 2021: कला भवन, विश्वभारती में लिनो कट पर शिक्षकों की कार्यशाला।
- मार्च 2022: एसएसवीएडी, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित सिरेमिक कार्यशाला में भाग लिया।

संचयन घोष

प्रदर्शनी परियोजनाएं:

- 13.04.21: गोएथे संस्थान, कोलकाता और भारतीय संग्रहालय, कोलकाता के सहयोग से प्रदर्शित "रिस्पॉन्डिंग टू बॉहॉस इमेजिनिस्टा: कलेक्टेड रिसर्च एट द इंडियन म्यूजियम, कोलकाता" को क्यूरेट और डिजाइन करने के लिए आमंत्रित किया गया। निर्मित इंस्टालेशन शीर्षक 'ट्रेसिंग एन इंट्रा-टेरेस्ट्रियल लैंडस्केप - सह-निवास बहुल दुनिया की समानताएं एवं मतभेद'।
- 01.05.21: ललित एवं अनुप्रयुक्त कला संकाय, बुराफा विश्वविद्यालय, थाईलैंड द्वारा आयोजित तीसरा अंतरराष्ट्रीय कला एवं डिजाइन सहयोगात्मक प्रदर्शनी में भाग लिया
- 23.06.21: 41वें डेड गू अंतरराष्ट्रीय भव्य प्रदर्शनी, डेड गू, कोरिया में भाग लिया।

अध्याय-2

- 11.12.2021: चेन्नई फोटो बिएननेल III भूमा पद्मनवनन द्वारा प्रदर्शित "डिस्कवेट मानचित्र" में आमंत्रित। चेन्नई के विभिन्न क्षेत्रों में चिकित्सकों के साथ "उपस्थिति के रूप में उपस्थिति" शीर्षक पर एक कार्यशाला और मल्टीमीडिया इंस्टॉलेशन का आयोजन किया।
- 27.02.22: ओर्सन वेल्स द्वारा लिखित "1984" नामक नाटक की दृश्यता को डिजाइन किया गया एवं देवेश चटर्जी, संस्कृति, 2022 द्वारा अपनाया एवं निर्देशित किया गया।
- 23.01.22: किशोर सेनगुप्ता, कल्याणी नाट्यचर्चा, कल्याणी के सहयोग से एरियल डॉर्फमैन द्वारा "नादित" नामक नाटक की दृश्यता तैयार की गई।

संगोष्ठी/वेबिनार

- 30.05.21: वेबिनार विचारधारा और कलाकार के पैनेल चर्चा में भाग लिया: नबन्ना अर्थ वीकेंड 2021 : कला और विचारों का उत्सव द्वारा आयोजित सोमनाथ होरे की स्मृति में।
- 22.05.2021: पीपुल्स हिस्ट्री एंड रिसर्च सेंटर, बांग्लादेश और भारत द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार "जनगोष्ठिर शिल्प कलाय कौम छतनार धारा" में वक्ता और चर्चाकर्ता के रूप में भाग लिया।
- 6.11.21: डेरिंग टू अवज्ञा की लाइव पुस्तक लॉन्च में पैनेलिस्ट: *गांधी इन द गैलेरी : आर्ट ऑफ़ डिऑबेडिएन्स* लतिका गुप्ता और संचयन घोष के साथ बातचीत, लेखिका सुमति रामास्वामी, संचालन प्रतीक राजा ने किया।
- 19.11.21 एवं 20.11.21: एफआईसीए, नई दिल्ली द्वारा एक प्लेटफॉर्म एग्रीफॉर्म के ऑनलाइन जूम माध्यम से इंटरैक्शन में "टूल्स ऑफ साइट-स्पेसिफिक डायलॉग" पर प्रस्तुत किया गया।

जूरी/संरक्षक

- 6.09.21: कला शोध परियोजना इंडियन फाउंडेशन फॉर आर्ट्स, बेंगलोर, जूरी पैनेलिस्ट।
- 11.06.21: सुनापरंत गोवा कला केंद्र, गोवा द्वारा आयोजित सुनापरंत कला पहल प्रयोगशाला (सेल) के जूरी सदस्य।

राजर्षि बिश्वास

- सितंबर 2021: कला भवन, विश्वभारती में लिनो कट पर शिक्षक कार्यशाला।
- अगस्त 2021: 5वीं ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी, डूअर्स एनुअल। डीएजी द्वारा आयोजित, चरण- II, वरिष्ठ श्रेणी, यूआरएल: <https://m.facebook.com/story.php?storyfbid=839906613348756&id=100019882740486>

प्रशांत साहू

- 12.02.2022-29.03.2022: इमामी कला, कोलकाता में एक समूह शो "द पॉलिटिक्स ऑफ पेपर", उष्मिता साहू द्वारा क्यूरेट किया गया।

- 05.11.2021-07.11.2021: "हब इंडिया-मैक्सिमम मिनिमम" आर्टिसिमा इंटरनेशनल फेयर ऑफ़ कंटेम्पररी आर्ट 2021, इटली में संयुक्त रूप से डेविड क्वाड्रिओ और मैना मुखर्जी द्वारा टोरिनो इटली में आयोजित किया गया।
- 05.11.2021-05.12.2021: "विघटनकारी संगम" भारत के तेरह कलाकारों के साथ एक संग्रहालय शो, पलाज्जो मदामा, म्यूजियो सिविको डी'आर्टे एंटिका, टोरिनो, इटली में "क्लासिकल रेडिकल" नामक तीन-भाग संग्रहालय शो का हिस्सा है। डेविड क्वाड्रिओ और मैना मुखर्जी द्वारा संयुक्त रूप से क्यूरेट किया गया।
- 05.11.2021-31.01.2022: भारत के कलाकारों के एक समूह के साथ एक संग्रहालय शो "मल्टीट्यूड एंड असेंबलेज", एकेडेमिया अल्बर्टिना डी बेले आरती डी टोरिनो, इटली द्वारा संयुक्त रूप से "क्लासिकल रेडिकल" नामक तीन-भाग संग्रहालय शो का हिस्सा तथा डेविड क्वाड्रिओ और मैना मुखर्जी द्वारा क्यूरेट किया गया।

शेखर शाहजहां:

- सितंबर 2021: कला भवन, विश्वभारती में लिनो कट पर शिक्षकों की कार्यशाला।
- अगस्त 2021: 5वीं ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी, डूअर्स एनुअल। डीएजी द्वारा आयोजित, चरण- II, वरिष्ठ श्रेणी, यूआरएल: https://m.facebook.com/story.php?story_fbid=839906613348756&id=100019882740486

धरित्री बोरो

- सितंबर 2021: कला भवन, विश्वभारती में लिनो कट पर शिक्षकों की कार्यशाला।

कुमार जसाकिया

- 14 से 20 मार्च, 2022: बेंगलुरु स्कूल ऑफ विजुअल आर्ट्स, कर्नाटक चित्रकला परिषद, बेंगलोर, कर्नाटक में ऑनलाइन संगोष्ठी सह व्याख्यान-कार्यशाला। यूआरएल: <https://us04web.zoom.us/j/79079038977?pwd=kAZ9LRtUIMCwUFJiQmUxzkWw107elh.1>
- सितंबर 2021: कला भवन, विश्वभारती में लिनो कट पर शिक्षकों की कार्यशाला

शिक्षकों/शोधार्थियों अथवा समग्र विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता)

संचयन घोष

- 2021-2022: राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश के अध्ययन बोर्ड के बाहरी सदस्य।
- 2019-2023: बोर्ड ऑफ स्टडीज सरकार के बाहरी सदस्य, कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स, कोलकाता

अध्याय-2

- 2019-2023: कला एवं डिजाइन कॉलेज, बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान के अध्ययन बोर्ड के बाहरी सदस्य

प्रशांत साहू

- 31.10. 2017 से सी.ए.एस के माध्यम से सहायक प्रोफेसर, स्तर III से एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत।

धरित्री बोरो

- 2021-22: सलाहकार समिति / पाठ्यक्रम समिति, एमएसएसवी विश्वविद्यालय, असम के सदस्य।
- 2021: कला एवं डिजाइन विभाग, शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा के बाहरी अध्ययन बोर्ड के सदस्य

प्रकाशन:

संचयन घोष (एसोसिएट प्रोफेसर)

- "विकोरिया मेमोरियल हॉल में जलियांवाला बाग को फिर से प्रासंगिक बनाना"। घोष, संचयन, दत्ता-गुप्ता शर्मिष्ठा, एवं गांधी विधु। 750 डीकोलोनाइजेशन पर्सपेक्टिव्स में, फरवरी 2022: <https://www.india-seminar.com/2022/750/750-The%20problem.htm>

विभाग द्वारा शुरू नए पाठ्यक्रम / पाठ्यचर्या अथवा अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना:

चित्रकारी विभाग शिक्षण नवाचार के एक भाग के रूप में परिचय

ए. वेब आधारित मीडिया अभ्यास पर बुनियादी ज्ञान

बी. वीडियो कला परिचय (साउंडस्केप एवं लाइटिंग विचारों के साथ वृत्तचित्र आधारित डिजिटल संपादन)

नए पाठ्यचर्या के रूप में, इसे परियोजना आधारित पाठ्यक्रम शुरू किया जहां छात्रों को संस्थापन कला, समुदाय आधारित कला जुड़ाव और अंतःविषय शोध विधियों के विभिन्न उपकरण से परिचय कराया जाता है।

विकास हेतु भविष्य की योजनाओं से साथ संबंधित भवन / सदन / विभाग पर एक संक्षिप्त इतिहास।

विगत एक साल से चित्रकला विभाग, कला भवन ने अपने सीबीसीएस कार्यक्रम में विविधता लाई है और कला शिक्षण के नए तरीकों को लागू किया है जिसमें बहु-विषयक पर ध्यान केंद्रित किया गया है। आधार एवं विचार के महत्वपूर्ण दृष्टिकोण के संदर्भ में नारी कला गतिविधि, वैश्वीकरण के युग में नई संचार प्रणालियों के उद्भव के साथ कला की दुनिया में काफी बदलाव आया है साथ ही समकालीन कला अभ्यास ने समकालीन दृश्य संस्कृति से नए नवाचारों के सुधार सहित साइन मेकिंग की नई प्रणाली भी विकसित की है। नवीन माध्यम एवं सामग्री जैसे न्यू मीडिया का परिचय, पाठ्यक्रम में स्थापना ने विभाग में एक नया वातावरण तैयार किया है जो गतिशील प्रयोग और नवीन प्रथाओं का निर्माण कर रहा है।

विभाग नियमित रूप से विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को प्रस्तुतीकरण और व्याख्यान प्रदर्शन देने के लिए आमंत्रित करके दुनिया भर के अभ्यास करने वाले कलाकारों, कला इतिहासकारों और कला समीक्षकों के साथ बातचीत करने के अवसर पैदा कर रहा है। विभाग का वर्तमान फोकस दृश्य अनुप्रयोगों के कई रूपों के लिए एक ओपन-एंडेड दृष्टिकोण उत्पन्न करना है ताकि छात्रों को कलात्मक अभिव्यक्ति के नए क्षेत्रों को प्रतिबिंबित करने के लिए नवीन प्रयोगों में संलग्न होने के अवसर प्रदान कर सके।

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी, जो विभाग के प्रमुख की राय में रिपोर्टिंग योग्य है, को शामिल किया जाना चाहिए।

छात्रों की उपलब्धियां:

श्रीलक्ष्मी के एस:

- 2021: केरल ललितकला अकादमी के करुणाकरण छात्रवृत्ति

पूजा दास:

- राष्ट्रीय रक्षा कोष के तहत शैक्षणिक वर्ष 2018-22 हेतु प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना

मेघा पॉल:

- अक्टूबर 2021: नीति आयोग एवं एमएसएमई (भारत सरकार) द्वारा पंजीकृत एसएन दास आर्ट एंड कल्चर ट्रस्ट द्वारा भारतीय समकालीन कला एवं संस्कृति ई समाचार पत्र में प्रकाशित कार्य।
- सितंबर 2021: 22वीं ग्रेनचेन त्रैवार्षिक मिनी प्रिंट प्रतियोगिता प्रदर्शनी, स्विट्ज़रलैंड

विधि जांगड़ा:

- 2021-2022: कलानंद प्रफुल्ल दहानुकर आर्ट फाउंडेशन ग्रांट, 2021-22 के लिए चयनित। अनुदान प्राप्त 20,000 रुपये। उक्त हेतु जहांगीर आर्ट गैलरी में प्रदर्शनी
- 2022: एफआईसीए भारत द्वारा आयोजित कलाकार रेणुका राजीव के साथ जाइन मेकिंग वर्कशॉप में चयनित और शामिल हुए। इंडिया आर्ट फेयर, 2022 दिल्ली में प्रदर्शित कार्यशाला।

ग्राफिक कला विभाग

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि।

विभागीय:

- 5 सितंबर 2021: कला भवन ने लिनोकट प्रिंटमेकिंग वर्कशॉप का आयोजन किया जिसमें सभी शिक्षकों ने भाग लिया। इस कार्यशाला का संचालन ग्राफिक कला विभाग, कला भवन द्वारा किया गया।

व्यक्तिगत:

अर्पण मुखर्जी

कार्यशाला

- 21 अगस्त, 2021: म्यूज़ियम ऑफ़ आर्ट एंड फ़ोटोग्राफी, बेंगलोर द्वारा आयोजित 'कैप्चरिंग विद क्लोरोफिल 2' शीर्षक पर राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रदर्शनी

- जून 2021: थाईलैंड के बर्मा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तीसरी अंतर्राष्ट्रीय कला एवं डिजाइन सहयोगी प्रदर्शनी, बैंकॉक, थाईलैंड में भाग लिया। यूआरएल: <https://anyflip.com/znjcu/hxki>
- अक्टूबर 2021: चार कलाकारों का एक समूह शो शीर्षक 'अनसील्ड चेंबर: द ट्रांजिएंट इमेज' गैलेरी रोमेन रोलैंड, एलायंस फ्रांसेइस और अल्काज़ी फाउंडेशन, दिल्ली द्वारा आयोजित, राहाब अल्लाना द्वारा क्यूरेट, <https://www.youtube.com/watch?v=d09UOF9Q2n0>

अध्यक्षता मूल्यांकन/शिक्षक द्वारा प्रस्तुतिकरण का विवरण

- 30 अक्टूबर 2021: ताकाशी अराई, टोक्यो, जापान द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक: आईओ -2 ऑनलाइन समकालीन डागुएरियोटाइप्स अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में डागुएरियोटाइप्स के भारतीय इतिहास पर एक सचित्र भाषण में प्रस्तुति एवं भाग लिए. (<https://cdags.jp/symposium/>)
- 11 जून 2021: एक कलाकार वार्ता ऑनलाइन शीर्षक 'विज़न विद ए वॉयस', प्रस्तुत किया।
- 7 अगस्त 2021: मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय के स्पिक मैके चैप्टर द्वारा आयोजित वैकल्पिक फोटोग्राफी पर एक सचित्र व्याख्यान प्रस्तुत किया, <https://www.youtube.com/watch?v=kRh2uoX6BHw&t=20s>
- 28 सितंबर 2021: कॉलेज ऑफ़ आर्ट एंड डिज़ाइन, बर्दवान द्वारा आयोजित "बोस्तूर निर्माण ओ निर्माणेर रूपकल्प" (बांग्ला में: তুর নক্সাৰ নক্সাৰ নক্সাৰ) शीर्षक पर ऑनलाइन कलाकार वार्ता एवं प्रस्तुति।

सलिल साहनी

कार्यशालाएं

- 25 फरवरी से 30 फरवरी 2022: श्री अरबिंदो सोसाइटी, पांडिचेरी द्वारा आयोजित अभिनव विचारों और योगदान पर कार्यशाला

प्रशांत फिरंगी

प्रदर्शनी

- 1) 3 सितंबर 2021: अल्टरनेटिवफोटोग्राफी.ओआरजी द्वारा आयोजित ऑनलाइन विश्व साइनोटाइप दिवस प्रदर्शनी; यूआरएल: <https://www.alternativephotography.com/gallery-byprocess/world-cyanotype-day-2021>
- 2) 25 अक्टूबर 2021: ट्रैक्या यूनिवर्सिटी-इंटरनेशनल, एडिरने, तुर्की द्वारा आयोजित तीसरी अंतर्राष्ट्रीय प्रिंट कला प्रतियोगिता
- 3) 5 से 13 दिसंबर 2021 एवं 2 से 15 फरवरी 2022: जहांगीर आर्ट गैलरी, मुंबई में ललित कला अकादमी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित मुंबई और बैंगलोर के प्रिंट का दूसरा अंतर्राष्ट्रीय द्विवार्षिक।
- 4) 19 मार्च 2022: गैलरी चित्रक, ललित कला केंद्र, चटगांव, बांग्लादेश द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय कला उत्सव, चटगांव आर्ट क्लब, बांग्लादेश में भाग लिया।

कलाकार वार्ता एवं प्रस्तुति/संसाधन व्यक्ति/पैनलिस्ट

- 8 अप्रैल 2021: दिल्ली पब्लिक स्कूल नचाराम, हैदराबाद द्वारा आयोजित 'समकालीन कला-डिजिटल लहर' पर व्याख्यान प्रस्तुति; यूआरएल: <https://coronetsoftwareprivatelimited.my.webex.com/meet/ronak>
- 24 मई 2021: दृश्य कला विभाग द्वारा आयोजित 'डिजिटल कला' पर व्याख्यान, एनटी, कन्नड़ विश्वविद्यालय हम्पी, कर्नाटक; Google मीट के माध्यम से, लिंक: <https://meet.google.com/boi-sayf-urm>

विभाग में चल रही शोध परियोजनाएं:

शोध परियोजना	अवधि	शिक्षक के नाम	प्रायोजक एजेंसियां	राशि	परियोजना को जारी रखने के लिए प्रस्तावित राशि
कोलोटाइप/ग्लास प्लेट फोटो लिथोग्राफी - एक प्राचीन यांत्रिक प्रिंटमेकिंग प्रक्रिया का	2020 से जारी	अर्पण मुखर्जी	स्व वित्त पोषित	लागू नहीं	लागू नहीं

अध्याय-2

विकास एवं खोज। तत्पश्चात इस प्रक्रिया को प्रिंटमेकिंग अनुशासन में शामिल किया जाएगा।					

प्रकाशन:

उत्तम कुमार बसाक

- "द प्रैक्टिस ऑफ प्रिंटमेकिंग इन कला भवन (शांतिनिकेतन) एंड इट्स इंस्टीट्यूशनल अप्रोच", इंडियन जर्नल्स.कॉम/ एकेडमिक डिस्कॉर्स (इंटरनेशनल रेफरीड रिसर्च जर्नल), वॉल्यूम.10, नंबर 1, जून 2021 [इम्पैक्ट फैक्टर:7.302; आईएसएसएन: 2278-3296; पृ. 14 से 20, ऑनलाइन, आईएसएसएन: 2349-4441, आरएनआई नंबर हरबिल/2012/45761

प्रशांत फिरंगी

- "अर्बनाइजेशन इन विजुअल परसेप्शन", जेईटीआईआर (जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च), गुजरात, भारत, 2021, पृ. 144 से 147, आईएसएसएन: 2349-5162, https://www.jetir.org/confirmationlettermanager.php?a_rid=305535
- "रबिंग्स: एन आर्ट ऑफ डॉक्यूमेंटेशन", ओंगशुमाली-मैगज़ीन (इंटरनेशनल लिटरेरी मंथली), हाइडेब्रिंकर स्ट्रेक, 13357, बर्लिन जर्मनी, 2021, पृ. 2-4, आईएसएसएन नंबर 2629-1452, <https://ongshumali.com/en/writers/prashant-phirangi/>
- "कला: संचार माध्यम के रूप में", कामगार टाइम्स कला पत्रिका, ब्राह्मणी फाट, नागपुर 441501, 2020, पृ. 5 एवं 6

विभाग द्वारा शुरू नए पाठ्यक्रम / पाठ्यचर्या अथवा अन्य शिक्षण नवाचार का डिजाइन :

- I. विभाग ने ऑनलाइन माध्यम से प्रिंटमेकिंग शिक्षण की नई पद्धति को डिजाइन और पेश किया है। प्रिंटमेकिंग एक अभ्यास-आधारित अनुशासन है और इसके लिए स्टूडियो के बुनियादी ढांचे की आवश्यकता होती है। कोविड के समय में यह विभाग के लिए एक चुनौती थी क्योंकि हमें स्टूडियो के समर्थन के बिना अपने शिक्षण को ऑनलाइन जारी रखना था।

इन परिस्थितियों में हमने विभिन्न नवोन्मेषी तरीकों को तैयार किया और घरेलू स्तर पर उपलब्ध सामग्री और बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित करते हुए अभ्यास की नई संरचना की शुरुआत की ताकि छात्र अपना अभ्यास जारी रख सकें।

इस नवीन शिक्षण विधि से, हम छात्रों को प्रिंटमेकिंग संभावनाओं को समझने के विभिन्न तरीकों से परिचित करा सकते हैं।

- II. छात्रों के निबंध संदर्भ के लिए शिक्षकों द्वारा हैंड्स-ऑन लिथोग्राफी और प्लेट लिथोग्राफी प्रदर्शन की रिकोडेड वीडियो सामग्री। वीडियो सामग्री बहुत जल्द विभागीय यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध होगी।

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी:

छात्रों की उपलब्धि :

साग्निक सामंत - एमएफए IV सेमेस्टर

- मनोरमा यंग प्रिंटमेकर अवार्ड दिसंबर 2021 के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया
- 'द इमेज मल्टीप्लाईड' समूह प्रदर्शनी, कला विरासत, नई दिल्ली। 27 नवंबर 2021 - 17 जनवरी 2022
- राष्ट्रीय स्तर की प्रिंटमेकिंग प्रदर्शनी हेतु चयनित, 'लिविंग ए डार्क नाइट, जिसे पाउला सेन गुप्ता, कला चौपाल द्वारा क्यूरेट किया गया। 2021.

अरण्या सेनगुप्ता- एमएफए IV सेमेस्टर:

- कला अभ्यास, 2021-2022 के तहत 'द इंडिया फाउंडेशन फॉर आर्ट्स' बैंगलोर से अनुदान प्राप्त: <https://indiaifa.org/grants-projects/aranya-senगुप्ता.html>

सोहम चक्रवर्ती: एमएफए II सेमेस्टर

- मनोरमा यंग प्रिंटमेकर अवार्ड विजेता दिसंबर 2021 इंडियन प्रिंटमेकर हाउस, दिल्ली, भारत
- बिरला अकादमी 55वीं वार्षिक प्रदर्शनी (09/01/2022 - 09/02/2022) 'जूरी के विशेष उल्लेख' के रूप में चयनित कोलकाता, पश्चिम बंगाल, भारत

स्पृहा मौर्य- एमएफए II सेमेस्टर

- 2021 द आर्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा प्रिंट मेकिंग के लिए छात्र वर्ग स्वर्गीय श्री दुलाल चंद्र बोरगोहेन मेमोरियल अवार्ड ।
- आईपीसी (इंटरनेशनल प्रिंट सेंटर) न्यूयॉर्क, यूएसए द्वारा न्यू प्रिंट विंटर 2021 अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी।

कला इतिहास विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट एवं गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम।

1. अगोमोनी सेन (जेआरएफ)
2. बिलाश सरदार (जेआरएफ)
3. अबंतिका चौधुरी (जेआरएफ)
4. सुपर्णा नस्कर (नेट)
5. डायना एलंगबाम (नेट)
6. पौलामी पाल (जेआरएफ)

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि। अध्यक्षों/शोधार्थियों द्वारा की गई अध्यक्षता/मूल्यांकन/प्रस्तुतिकरण का विवरण।

आर. शिव कुमार

ऑनलाइन वेबिनार:

- 17 जनवरी 2021: केसर आर्ट डायलॉग्स ऑन आर्ट प्रोग्राम <https://vimeo.com/501739955> के तहत 'राइम्स ऑफ रिकॉल: द लाइफ एंड आर्ट ऑफ केजी सुब्रमण्यन' शीर्षक पर ऑनलाइन पैनल चर्चा।
- 2 फरवरी, 2021: साहित्य, संस्कृति एवं दर्शन पर अपने टैगोर कार्यक्रम के तहत कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले द्वारा आयोजित 'द लॉन्ग वे टू सेल्फ-डिस्कवरी एज़ ए आर्टिस्ट' शीर्षक पर ऑनलाइन व्याख्यान
- <https://www.youtube.com/watch?v=T5Bcp5yOhBs>
- 18 फरवरी, 2021: अनन्या द्रशिया के सहयोग से नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट, बेंगलुरु द्वारा आयोजित 'भारत में कला शिक्षा का पुनःआकार' शीर्षक पर ऑनलाइन पैनल चर्चा <https://m.facebook.com/ngmabl/videos/4099872143377943/>
- 13 मार्च 2021: जेडी सेंटर ऑफ आर्ट्स मीट द आर्टिस्ट प्रोग्राम के तहत ए रामचंद्रन के साथ ऑनलाइन बातचीत
- <https://www.facebook.com/jdcentreofart/photos/gm.449632792949488/4059261244104399/>
- 30 मई, 2021: 'आइडियोलॉजी एंड द आर्टिस्ट: इन मेमोरी ऑफ सोमनाथ होरे', ऑनलाइन चर्चा, नबाना अर्थ वीकेंड
- 18 जून, 2021: ललित कला अकादमी, दिल्ली द्वारा आयोजित कला भवन शताब्दी पर वेबिनार

- <https://mobile.twitter.com/LalitKalaLKA/status/1405049166800113665/photo/1>
- 24 जुलाई, 2021: 'कोविड से परे भारत की कलात्मक प्रेरणा को बढ़ावा देना' होरासिस इंडिया ऑनलाइन पैनल चर्चा <https://horasis.org/wp-content/uploads/2021/07/Horasis-India-Meeting-2021-programme-1.pdf>. पीडीएफ
- अगस्त 8, 2021: 'कला और संविधान,' ऑनलाइन बातचीत, आर्ट एंड चार्ली द इक्वल प्रोजेक्ट <https://artandcharlie.com>
- 11 सितंबर, 2021: विनोद बिहारी मुखर्जी पर पॉडकास्ट, एनजीएमए पॉडकास्ट एपिसोड 1 <https://www.facebook.com/RSivaKumarArtHistorian/posts/230140942459019>

अंशुमान दासगुप्ता

- अप्रैल से सितंबर, 2022: कोरियाई पेंविलियन - वेनिस द्विवार्षिक - जूम द्वारा निरंतर प्रकार का व्याख्यान। पेंविलियन में प्रदर्शित एवं वेनिस में ऑनलाइन द्विवार्षिक प्रमाण: पृष्ठ 8 कैटलॉग में प्लस आमंत्रण पत्र। यूआरएल: <https://www.labiennale.org/en/architecture/2021/korea-republic>
- 27 अप्रैल, 2021: अविजित मुकुल किशोर (प्रसिद्ध फिल्म निर्माता और कलाकार) के साथ उनकी फिल्म "द गार्डन ऑफ फॉरगॉटन स्नो" (कलाकार नीलिमा शेख पर एक फिल्म) पर क्यूरेटेड-टॉक-कम-मॉडरेशन। होस्ट वीकेपी, चेन्नई जूम लिंक: <https://zoom.us/j/92672860376?pwd=eGNCOelqVFphOEJWMTF6ekVPQzAxUT09>
- 2 जुलाई 2021 (शाम 6:00): देबाशीष देब (एबीपी, कोलकाता और प्रख्यात कलाकार) द्वारा "सत्यजीत रे के चित्र" पर सत्यजीत रे शताब्दी वार्ता का क्यूरेशन / मॉडरेशन <https://zoom.us/j/98197342895?pwd=bXZQRTBDZXRGOGN3dXBtUmI2Y2d4QT09>
- 29 जुलाई, 2021 (शाम 5:00): सत्यजीत रे शताब्दी वार्ता का आयोजन/संचालन मुंबई, कोलकाता, नई दिल्ली विषय: सत्यजीत रे शताब्दी समारोह वार्ता "लाइट्स ऑफ रे: सिनेमैटोग्राफी" पर समीरन दत्ता (एसआरएफटीआई, कोलकाता) द्वारा। सत्यजीत रे का" जूम प्लेटफॉर्म के माध्यम से <https://zoom.us/j/98197342895?pwd=bXZQRTBDZXRGOGN3dXBtUmI2Y2d4QT09> समय: 29 जुलाई, 2021 05:00 अपराह्न मुंबई, कोलकाता, नई दिल्ली
- 31 जुलाई 2021: शिल्प समन्वय, चट्टाग्राम, बांग्लादेश द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में "सोमनाथ होरे: फिर देखा 100 वर्ष" [सोमनाथ होरे: लुकिंग बैक एट द 100 इयर्स] शीर्षक पर प्रस्तुति: यू ट्यूब लिंक: <https://youtu.be/x4ii9awOONE>
- 6 अगस्त, 2021 (शाम 5:00 बजे) सुमन घोष (बाथ यूनिवर्सिटी, यूके) द्वारा सत्यजीत रे शताब्दी वार्ता का क्यूरेशन / मॉडरेशन "सत्यजीत रे का संगीत" पर वीकेपी द्वारा जूम प्लेटफॉर्म लिंक के माध्यम से आयोजित किया गया: <https://zoom.us/j/96480803612?pwd=VldSR1Z3Tnk2SkhxZkZtV05DUzhZz09>

अध्याय-2

- 7 सितंबर 2021: "रिस्पॉन्डिंग टू बॉहॉस इमेजिनिस्टा - कलेक्टेड रिसर्च एट द इंडियन म्यूजियम: एक सिंहावलोकन", मैक्स म्यूएलर भवन/गोएथे इंस्टीट्यूट, कोलकाता और बर्लिन द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में ऑनलाइन चर्चा। <https://www.youtube.com/watch?v=L3Ne6gf0Yro>
- 24 सितंबर 2021: "बॉहॉस एंड पेडागॉजी: टुवर्ड्स ए टैंगिबल पेडागॉजी ऑफ बॉहॉस एंड शांतिनिकेतन", मैक्स मुलर भवन / गोएथे इंस्टीट्यूट, कोलकाता और बर्लिन द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में चर्चा, यूआरएल: <https://www.youtube.com/watch?v=pHEiFpzTnMU&t=37s>
- 5 मार्च, 2022: सिरैक्यूज़ यूनिवर्सिटी, न्यूयॉर्क, यूएसए, वीएमएच, कोलकाता द्वारा आयोजित "सिचुएटिंग विक्टोरिया मेमोरियल: ए स्पैटियल टेक": (4 महाद्वीपों के प्रतिभागी शोध और सेमिनार में भाग लेना, परियोजना शीर्षक ताज ऑफ द राज, ऑनलाइन सेमिनार: <https://syracuseuniversity.zoom.us/j/96786714900?pwd=YldZODZJa2JRaUQrR0E4WHJYV3dOUT09>
- 28 अक्टूबर 2021: "द कलर कर्टन: लेसन्स ऑफ बांडुंग", सुमन गोपीनाथ और ग्रांट वॉटसन के सहयोग से इंटरनेशनल कोलैबोरेटिव रिसर्च बर्कले, यूएसए और जर्मनी में शोध सेमिनार पेपर; फिलिप पिरोटे, जर्मनी द्वारा तैयार सहयोगी शोध, ऑनलाइन यूआरएल: <https://colorcurtain.org/program/2>
- 26 नवंबर 2021: पैनलिस्ट, भारत के संविधान के कलात्मक पहलू, एनजीएमए, नई दिल्ली, जूम द्वारा, लिंक: <https://us02web.zoom.us/j/8061785559?pwd=S2lzOTNING9TdkVaenBDZjdxMkpUdz09>
- एल) 22 जनवरी, 2022: गुलाम मोहम्मद शेख के साथ चर्चा में पैनलिस्ट शीर्षक: हाइलाइट्स और हिडन जेम्स, यूआरएल: <https://bit.ly/3FKRzk1>

सौमिक नंदी मजूमदार

ऑनलाइन व्याख्यान:

- 07.07.2021: "लुकिंग एट इंडियन आर्ट: द जॉय एंड मिस्ट्री", दिल्ली पब्लिक स्कूल सोसाइटी - एचआरडीसी, नई दिल्ली।, <http://www.dpsshrdc.org/workshops.html#>
- 06.08.2021: "चित्रकार रवींद्रनाथ: तार सृष्टि ओ दरशोकेर सोनकोट", जातियो कबी काजी नजरूल इस्लाम विश्वविद्यालय, मायमेनसिंह, बांग्लादेश, यूआरएल: www.jkknui.edu.bd
- 19.08.2021: "कला प्रशंसा एवं इसके सांस्कृतिक निहितार्थ", संकाय विकास कार्यक्रम (ऑनलाइन), एमिटी स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन, एमिटी यूनिवर्सिटी, कोलकाता, यूआरएल: <https://www.amity.edu/about-faculty.aspx>

- 05.10.2021: "भारतीय स्वदेशी शिल्प और कला के सौंदर्यवादी मूल्य", फैशन संचार कार्यक्रम, फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, परिवार एवं सामुदायिक विज्ञान संकाय, एमएस विश्वविद्यालय, बड़ौदा, यूआरएल: <https://www.msubaroda.ac.in/academics/FFCS>
- 20.10.2021 - 21.10.2021: "पारंपरिक एवं समकालीन कला सार", वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान, यूआरएल: www.banasthali.org

मेघाली गोस्वामी

- 14 सितंबर 2020: विजुअल आर्ट में करियर के अवसर पर ऑनलाइन इंटरैक्टिव सत्र, विजुअल आर्ट ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी विभाग, शीर्षक "कोर्स सम्पत्ति के उपरांत नौकरी के अवसर"; यूआरएल: https://www.google.com/url?q=https://teams.microsoft.com/l/meetup-join/19%253ameeting_Y2Y2YWM0YWIhZTg2My00YjM0LTlhMjMtZjNlMmRjMzZiNTI1%2540thread.v2/0?context%22Tid%2522%253a%25221490b17d-5dc9-4cbf-ae8a-a2e854f521b8%2522%252c%2522Oid%2522%253a%2522296582f5-1583-4f7a-a479-818eb9e17961%vVaw1Ibf-ae8a-a2e854f521b8%2522%252c%2522296582f5-1583-4f7a-a479-818eb9e17961%vVaw1I
- 17 सितंबर 2021: ट्रेवेलोग -I "ट्रेवेलोग -I, कला, कलाकार एवं कला वार्ता" अजीत सील के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र: यूआरएल <https://us05web.zoom.us/j/81415811090?pwd=K1I5cjdMSGJ5NklyTGsrNzZrbHBCUT09>
- 30 अक्टूबर 2021: नॉर्थ ईस्ट आर्ट्स इनिशिएटिव ने "पूर्वोत्तर भारत में दृश्य कला अभ्यास के महत्वपूर्ण आत्मनिरीक्षण" पर एक अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित ऑनलाइन व्याख्यान दिया; यूआरएल: <https://zoom.us/j/7454294294?pwd=dnJ6bWxGZC9MZWRtTEFKWmJWZWNPUT09>
- शील्ड आर्ट इनिशिएटिव, नई दिल्ली द्वारा आयोजित, आर्टेक्सपोर XIII, आर्ट टॉक अर्पण मुखर्जी द्वारा संचालित, मेघाली गोस्वामी द्वारा संचालित, सीधी वार्ता; यूआरएल: https://www.youtube.com/watch?v=daK9Z_fJa2U
- 4-5 सितंबर, 2021: सिलपांगन एवं संस्कार भारती पूर्वोत्तर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार बराक घाटी की कला एवं संस्कृति में वक्ता के रूप में आमंत्रित। शीर्षक "बराक घाटी की कला एवं संस्कृति"; यूआरएल: <https://meet.google.com/zic-bpmc-tog>
- 2-4 दिसंबर, 2021: तकनीकी सत्र 1 में सत्र अध्यक्षता: "विजुअल आर्ट एंड सस्टेनेबिलिटी" (11:00-01:10 बजे) वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस "क्रॉस-कल्चरल डाइमेंशन्स के माध्यम से सतत विकास", अंग्रेजी एवं दृश्य कला विभाग, ग्राफिक एरा हिल विश्वविद्यालय, देहरादून; यूआरएल: https://teams.microsoft.com/l/meetup-join/19%3ameeting_MDdiM2IyNzgtYWQzMS00MzYyLWI0YzQtNTIyMmRkZTk1NjBm%40thread.v2/0?context=%7b%22Tid%2522%253a%25221490b17d-5dc9-4cbf-ae8a-a2e854f521b8%2522%252c%2522Oid%2522%253a%2522296582f5-1583-4f7a-a479-818eb9e17961%vVaw1Ibf-ae8a-a2e854f521b8%2522%252c%2522296582f5-1583-4f7a-a479-818eb9e17961%vVaw1I

अध्याय-2

9042%b22deb-5cb-22%2c%22Oid%22%3a%22273df8aa-0df1-4769-bfca-5d08c8b110
cc%22%7d

संतोष सखिनाला

- 4 से 6 मार्च 2022: "ऑनलाइन मोड (गूगल मीट) के माध्यम से कला संसाधन और शिक्षण" पर सह-क्यूरेटेड संगोष्ठी (सरोवर जैदी के साथ),
- 9 फरवरी, 2022: "20वीं सदी के हैदराबाद में आधुनिकता एवं संस्थान", दृश्य कला विभाग, अशोका विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, यूआरएल: <https://www.ashoka.edu.in/event/visual-art-colloquium-संतोष-के-सखिनाला->

प्रकाशन:

आर. शिव कुमार

- "सोमनाथ होरे" (मालविका बनर्जी द्वारा साक्षात्कार), डाकबंगला (ऑनलाइन पत्रिका), 10 अप्रैल, 2021 <https://daakbangla.com/magazine/>
- "रामकिंकर पर", (मालविका बनर्जी द्वारा साक्षात्कार), डाकबंगला (ऑनलाइन पत्रिका), 5 जून, 2021, <https://daakbangla.com/magazine/>
- "कला भवन नंदालेर शिक्षा परिकल्पना", बाहा, (शांतिनिकेतन कला भवन - आदि पर्व), खंड 12-14, अगस्त 2021, पृ. 33-37, आईएसबीएन 2350-0832
- "रवींद्रनाथ के पत्र जापान से उनके भारतीय कला पर दृष्टिकोण", रतन दीपा: भारतीय कला इतिहास और सिद्धांत के नए आयाम (प्रो. रतन परिमू के सम्मान में निबंध), सं. गौरी परिमू कृष्णन और डॉ. राघवेंद्र राव एच. कुलकर्णी, दिल्ली: अगम कला प्रकाशन, 2021, पृ. 193-198, आईएसबीएन: 978-81-950098-4-8

संजय कुमार मलिक

- परितोष सेन: अंतरराष्ट्रीय सार्वभौमिकता", सिंह किशोर (सं.), भारतीय आधुनिक कला की प्रतिष्ठित कृति, खंड II, नई दिल्ली: डीएजी, 2021, पृ. 271-274, आईएसबीएन: 978-93-81217-85-7
- "सोमनाथ होरे द्वारा तेभागर डायरी", मुखोपाध्याय अमित (सं.), आर्ट एंड डील, सोमनाथ होरे पर विशेष अंक, अंक 153-154, खंड 18, संख्या 120-121, नई दिल्ली, जनवरी-फरवरी 2022, पृ. 60-66, आईएसएसएन 0258-2074 (970258207100)
- "द 1940: द कलकत्ता ग्रुप एंड द बंगाल फैमिन", मित्र पार्थ, दवे मुखर्जी पारुल और बलराम राखी (संस्करण), 20वीं सेंचुरी इंडियन आर्ट / मॉडर्न, पोस्ट-इंडिपेंडेंस, कंटेम्परेरी, लंदन और न्यूयॉर्क: टेम्स एंड हडसन, 2022, पी. 112-123, आईएसबीएन 978-0-500-02332-7

अंशुमान दासगुप्ता

- "रीटेक ऐज़ फ़ार्स", के.जी. II, नई दिल्ली: डीएजी, 2021, पृ. 1 619-633, आईएसबीएन: 978-93-81217-85-7

सौमिक नंदी मजूमदार

- "रीटेक ऐज़ फ़ार्स", के.जी. सुब्रमण्यन की कालीघाट अल्टारपिस, सिंह किशोर (सं.), भारतीय आधुनिक कला की प्रतिष्ठित कृति, वॉल्यूम II, नई दिल्ली: डीएजी, 2021, पीपी. 619-633, आईएसबीएन: 978-93-81217-85-7बी) "प्रशांत रॉय: फ़िरदेहा", बहा (शांतिनिकेतन कला भवन - आदि पर्व), खंड 12-14, संख्या 12-14, अगस्त 2021, पृ. 43-46. आईएसएसएन 2350-08352

संतोष सखिनाला

- "बीकमिंग ए डेक्कनी आर्टिस्ट: ट्रेसिंग द हिस्ट्री ऑफ़ हैदराबाद स्कूल ऑफ़ आर्ट एंड क्राफ़्ट्स", www.thenewsminute.com, 24 सितंबर, 2021 में।

भाग में चल रही शोध परियोजनाएं:

शिक्षक के नाम	परियोजना का नाम	प्रायोजक एजेंसियां	अनुमोदित राशि
अंशुमान दासगुप्ता	शांतिनिकेतन मास्टर्स (पुस्तक)	लागू नहीं	लागू नहीं
अंशुमान दासगुप्ता	कलकत्ता मॉडर्न पर क्यूरेटेड प्रदर्शनी	डीएजी (दिल्ली आर्ट गैलरी)	प्रायोजक एजेंसी द्वारा वहन की गई परियोजना राशि (अघोषित राशि)
अंशुमान दासगुप्ता	परियोजना शीर्षक: राज का ताज	सिरैक्यूज़ यूनिवर्सिटी, न्यूयॉर्क, यूएसए, वीएमएच, कोलकाता (4 महाद्वीपों के प्रतिभागियों के साथ)	प्रायोजक एजेंसी द्वारा वहन की गई परियोजना राशि (अघोषित राशि)

अध्याय-2

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी:

अंशुमान दासगुप्ता

- पीएचडी, शोध सलाहकार समिति (आरएसी), मूर्तिकला विभाग, रवींद्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता: 4 छात्रों का शोध सलाहकार, रवींद्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता; 2021 से (जारी)
- सलाहकार उत्तर पूर्व अध्याय, एसआरएफटीआई, कोलकाता और उत्तर पूर्व; सदस्य, उत्तर पूर्व में नई शाखा के लिए सलाहकार बोर्ड, (अरुणाचल प्रदेश), 2021 से आगे
- पीएचडी जूरी, फिल्म अध्ययन विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता; शहर की कल्पना पर पीएचडी थीसिस के लिए पीएचडी परीक्षक (बाहरी): फोटोग्राफी, आधुनिकता, कलकत्ता, मार्च 2022

कला भवन नंदन संग्रहालय

कला वस्तुओं का दस्तावेजीकरण:

- स्ट्रांग रूम - I का कलाकार और वस्तुवार अनुभागीय सूची संख्या
- स्ट्रांग रूम नंबर- II की वस्तु और सामग्री के अनुसार अनुभागीय सूची
- संग्रहालय की कला कृतियों के अभिलेखों को डिजिटाइज करने की पहल की गई

संग्रहालय के कला कार्यों का निवारक और उपचारात्मक संरक्षण

- यांत्रिक सफाई : 76
- टिका लगाना, फ्रेम करना और लगाना : 66
- एकीकृत कीट प्रबंधन : 09 बार

नंदन संग्रहालय के अलावा अन्य किए गए संरक्षण एवं संरक्षण संबंधी कार्य

- वित्तीय वर्ष 2021 - 2022 के दौरान, अमूल्य कुमार जेना, अधीक्षक (संरक्षण), कला-भवन संग्रहालय ने निम्नलिखित संरक्षण और संरक्षण संबंधी कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल और सहायता की, जैसा कि नीचे सूचीबद्ध है:
 - ब्लैक हाउस की एक शर्त रिपोर्ट तैयार की गई और 21 मई, 2021 को इसके संरक्षण के लिए प्राधिकरण को प्रस्तुत की गई
 - 5 जुलाई 2021 और 3 नवंबर 2021 को कला-भवन के ब्लैक हाउस के साथ सभी बाहरी मूर्तियों को कीटनाशक और कवकनाशी उपचार दिया गया।
 - रामकिंकर बैज की खुली हवा की मूर्ति "सुजाता", "हार्वेस्टर", "मिल कॉल" और "संताल परिवार" की ड्राई ब्रशिंग और सामान्य सफाई का काम जुलाई - 2021, सितंबर - 2021 और नवंबर - 2021 के महीने के दौरान किया गया था।
 - 9 जुलाई 2021, 10 सितंबर 2021, 25 अक्टूबर 2021 को ब्लैक हाउस के अंदर दीमक को नियंत्रित करने के लिए दिया गया विशेष कीटनाशक उपचार
 - 22-23 सितंबर, 2021 को कला-भवन ब्लैक हाउस की छत के टूटे हुए हिस्से पर छत की सफाई और त्रिपाल कवरिंग कार्य के दौरान सहायता प्रदान की
 - गणित विभाग, शिक्षा-भवन के सम्मेलन कक्ष में भित्ति चित्र "टैगोर और आइंस्टीन" का संरक्षण कार्य 9 से 18 नवंबर, 2021 के तहत रंगों को ठीक करने के साथ-साथ यांत्रिक और विलायक सफाई विधि लागू करके का कार्य किया।

अध्याय-2

- 11 नवंबर, 2021 को रामकिंकर बैज की खुली हवा की मूर्ति "मिल कॉल" से वैज्ञानिक रूप से एक बड़े हॉर्नेट घोंसले को हटा दिया गया था।

संरक्षण कार्यशाला

- सुरेश अमिया मेमोरियल ट्रस्ट और INTACH संरक्षण संस्थान कोलकाता के सहयोग से कला-भवन नंदन संग्रहालय, विश्व-भारती में "कपड़ा वस्तुओं के संरक्षण और बहाली" पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। 14 से 15 मार्च, 2022 के दौरान कला-भवन के कर्मचारियों और छात्रों ने भाग लिया

दी गई विशेष सेवाएं

- निदेशक, एनजीएमए के अनुरोध के अनुसार रामकिंकर बैज द्वारा खुली हवा में मूर्तिकला की फोटोग्राफिक छवियां ई-मेल के माध्यम से एनजीएमए, नई दिल्ली को भेजी गईं
- कला-भवन परिसर में बाहरी कला कार्यों की फोटोग्राफिक छवियां और अन्य संबंधित जानकारी ललित कला अकादमी, कोलकाता को ललित कला गतिविधि रिपोर्ट 2018 - 2021 के प्रकाशन के लिए प्रदान की जाती है।

नंदन गैलरी, कला भवन संग्रहालय में विशेष प्रदर्शनी और अन्य गतिविधियाँ

- 26 अक्टूबर, 2021: यूनेस्को प्रतिनिधिमंडल टीम और विरासत समिति के कला-भवन, विश्व-भारती के दौरे के लिए एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था।
- 13-17 नवंबर, 2021: नैक मॉक टीम के कला-भवन, विश्व-भारती के दौरे के लिए एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- 23 से 26 नवंबर, 2021: कला-भवन, विश्व-भारती के नैक पीयर टीम के दौरे के लिए एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

संगीत भवन (संगीत, नृत्य और नाटक संस्थान)

1919 में कला भवन की छत्रछाया में संगीत की शिक्षा शुरू हुई। उस समय संस्था का नाम "कला और संगीत विद्यालय" था। विश्वभारती विश्वविद्यालय के संस्थापक और भारत के पुनर्जागरण के बाद के महान विचारकों में से एक गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर को संगीत के अध्ययन के लिए विशेष रूप से भारतीय और प्राच्य शास्त्रीय (मुखर, वाद्य) और नृत्य परंपरा के विभिन्न रूपों से गहरा लगाव था। उनकी, शास्त्रीय प्रदर्शन कला परंपरा के सभी रूपों को इकट्ठा करने की इच्छा थी और पूरे को एक नया आकार दिया, जिसकी अभिव्यक्ति विभिन्न रवींद्र गीतों, नृत्य रूपों, नृत्य नाटकों आदि में हुई है। उनके इन प्रयासों में उनके साथ विभिन्न प्रसिद्ध व्यक्तित्व जैसे दिनेंद्रनाथ टैगोर, भीमराव शास्त्री, हेममद्रलाल रॉय, प्रतिमा देवी, उस्ताद अलाउद्दीन खान, शांतिदेव घोष, शैलजा रंजन मजूमदार, आशीष चंद्र बंधोपाध्याय, बुद्धिमंत सिंह, नवकुमार सिंह आदि थे।

कलाकारों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया जिसने कई छात्रों और प्रशंसकों को गहराई से अध्ययन करने के लिए शांतिनिकेतन में इकट्ठा होने के लिए आकर्षित किया। धीरे-धीरे शांतिनिकेतन को राष्ट्र के सांस्कृतिक राजदूत की मान्यता प्रदान की गई। इसके कई छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रशंसा और पुरस्कार प्राप्त किए।

1933 में शांतिनिकेतन में संगीत का अध्ययन संगीत भवन में शुरू हुआ, जो विशेष रूप से प्राच्य संगीत और नृत्य के विभिन्न रूपों के अध्ययन और प्रदर्शन के लिए समर्पित था। संस्था की शुरुआत दो विभागों यानी रवींद्र संगीत नृत्य और नाटक और हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत से हुई। संस्थान ने हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग के तहत रवींद्र संगीत नृत्य और नाटक विभाग के तहत टैगोर गीतों, टैगोर नृत्य नाटक, मणिपुरी और कथकली नृत्य रूपों के साथ-साथ भारतीय शास्त्रीय गायन, सितार, इसराज, तबला, पखावज आदि जैसे वाद्य पाठ्यक्रम शुरू किए।

महान कलाकार जैसे कनिका बंधोपाध्याय, रवींद्रलाल रॉय, वी.वी. वजलवार, सुशील कुमार भांजा, डी.टी. जोशी, निमाई चंद बोराल, इंद्रनील भट्टाचार्य, सुरेश मिश्रा, रणधीर रॉय, यूनुस हुसैन खान, अमुबी सिंह आदि इस संस्थान के शिक्षक थे।

संगीत के क्षेत्र में कुछ महान हस्तियां जैसे अलाउद्दीन खान, निखिल बनर्जी, बुद्धदेव दासगुप्ता, और फैमुद्दीन खान डागर अलग-अलग समय पर संगीत भवन में अतिथि प्रोफेसर के रूप में आए।

संगीत भवन देश-विदेश के शांतिनिकेतन और विभिन्न सांस्कृतिक केंद्रों में नियमित रूप से साल भर विभिन्न समारोहों और त्योहारों जैसे वसंतोत्सव, वर्षाभंगल, वृक्षरोपण, पौस-उत्सव, क्रिसमस आदि का आयोजन करता है।

तब से यह परंपरा जारी है। यह यात्रा अब सौ गौरवशाली वर्षों तक पहुँच गई है।

रवींद्र संगीत, नृत्य और नाटक विभाग

सप्तर्षि राय

- 18.12.2021: मंदिर, विश्वभारती, शांतिनिकेतन में दिनेंद्र स्मरण का प्रदर्शन किया; कर्मी मंडल द्वारा आयोजित।
- 23.12.2021: छातिमतला, विश्वभारती, शांतिनिकेतन में 7वां पौषउपासना किया; कर्मी मंडल द्वारा आयोजित।
- 25.12.2021: मंदिर, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन में ख्रिस्तोत्सव किया गया; कर्मी मंडल द्वारा आयोजित।

श्रीमती अर्पिता दत्ता दास

- 30.06.2021: विश्वभारती द्वारा आयोजित ऑनलाइन संगीत चिकित्सा में एकल प्रदर्शन
- 08.08.2021: केंद्रीय पुस्तकालय में विश्वभारती द्वारा आयोजित "स्मरण - 22 से श्रावण" के एक विशेष ऑनलाइन कार्यक्रम में भाग लिया
- 09.08.2021: विश्वभारती द्वारा आयोजित ऑनलाइन म्यूजिक थेरेपी में एकल परफॉर्मेंस
- 15.08.2021: केंद्रीय पुस्तकालय में विश्वभारती द्वारा आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह पर एक विशेष ऑनलाइन कार्यक्रम में भाग लिया
- 25.10.2021: यूनेस्को की टीम के दौरे के दौरान आयोजित विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया
- 26.11.2021: संविधान दिवस पर विश्वभारती द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया
- 23.12.2021: विश्वभारती द्वारा आयोजित '7वीं पौष उपासना' के कार्यक्रम में भाग लिया
- 25.12.2021: विश्वभारती द्वारा आयोजित 'क्रिस्तोत्सव' के कार्यक्रम में भाग लिया
- महर्षि स्मरण, मघोत्सव, दिनेंद्र नाथ ठाकुर के जन्मदिन पर विशेष उपासना, बसंतोत्सव आदि के रूप में सूचीबद्ध कार्यक्रमों में भी भाग लिया।

पी. मुकुंद कुमार

- 16.07.2021: विश्वभारती (पुथानमोक्षम) में संगीत चिकित्सा में पारंपरिक कथकली प्रदर्शन
- 24.11.2021: लिपिका सभागार (बाली वधाम) में नैक के दौरे में पारंपरिक कथकली प्रदर्शन
- 25.01.2022: विश्वभारती (कर्ण शापधाम) में संगीत चिकित्सा में पारंपरिक कथकली प्रदर्शन
- 02.02.2022: छात्रों द्वारा विश्वभारती में संगीत चिकित्सा में पारंपरिक कथकली प्रदर्शन

सुमित बसु

- 23.06.2021: विश्वभारती संगीत चिकित्सा में मणिपुरी नृत्य माईबी जगोई
- 05.08.2021: एमफिल और पीएचडी छात्रों के साथ विश्व-भारती संगीत चिकित्सा कार्यक्रम सुरलोय रवींद्रनाथ, मणिपुरी और टैगोर का नृत्य प्रदर्शन

- 05.12.2021: अग्निबीणा नृत्य महोत्सव, तारापीठ का उद्घाटन अतिथि
- 20.12.2021: बर्दवान पर नृत्य निर्णय

मोहन कुमारन पी

- 16.07.2021: विश्वभारती (पुथानमोक्षम) में संगीत चिकित्सा में पारंपरिक कथकली प्रदर्शन
- 24.11.2021: लिपिका सभागार (बालिवधम) में नैक के दौरे में पारंपरिक कथकली प्रदर्शन
- 25.01.2022: विश्वभारती (कर्ण शापधम) में संगीत चिकित्सा में पारंपरिक कथकली प्रदर्शन
- 02.02.2022: छात्रों द्वारा विश्वभारती में संगीत चिकित्सा में पारंपरिक कथकली प्रदर्शन

अमर्त्य मुखर्जी

- 27.07.2021: विश्वभारती द्वारा आयोजित ऑनलाइन संगीत चिकित्सा में प्रस्तुत किया गया 'रवीन्द्रनाटक गान' (लिंक- <https://youtu.be/AJYdF8gAZSs>),
- 25-26.10.2021: विश्व-भारती का दौरा करने वाली यूनेस्को की टीम के सामने 'रवीन्द्रनाटकेर गान' प्रस्तुत किया।
- 24.11.2021: नैक टीम के दौरे में 'रवीन्द्रनाटकेर गान' प्रस्तुत किया
- 27.12.2021: विश्वभारती के सांस्कृतिक कार्यक्रम में 'रवीन्द्रनाटकेर गान' प्रस्तुत किया (<https://youtu.be/HrVrFgKNsPY>)
- 07.01.2022: विश्व-भारती द्वारा आयोजित ऑनलाइन संगीत चिकित्सा में 'रवीन्द्रनाथके मुक्ति: गान' प्रस्तुत किया (लिंक- <https://youtu.be/IrYtI0H-Jt8>),
- 21.01.2022: आईसीसीआर के अध्यक्ष (डॉ. विनय सहस्रबुद्धे) और भारत के संसद सदस्य के सामने 'रवीन्द्रनाटकेर गान' प्रस्तुत किया, (लिंक- <https://youtu.be/ZYscWKWznWk>)

राजेश मेनन. एन

- 18.06.2021: कथकली कल्याणसौगंधिकम- (भीम और पांचाली), संगीत चिकित्सा, विभागीय कार्यक्रम, रवींद्र संगीत विभाग, नृत्य और नाटक, संगीत-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन, प्रस्तुत किया
- 09.07.2021: कर्नाटक गायन संगीत कार्यक्रम, संगीत चिकित्सा, विभागीय कार्यक्रम, रवीन्द्र संगीत विभाग, नृत्य और नाटक, संगीत-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन
- 16.07.2021: कथकली पूतनामोक्षम, संगीत चिकित्सा, विभागीय कार्यक्रम, रवीन्द्र संगीत विभाग, नृत्य और नाटक, संगीत-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन
- 21.07.2021: कथकली वक वधम- भीमन, संगीत चिकित्सा, विभागीय कार्यक्रम, रवींद्र संगीत विभाग, नृत्य और नाटक, संगीत-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन

अध्याय-2

- 24.11.2021: कथकली बालिवधम् (श्री-राम और सीता), नैक पियर टीम के लिए आयोजित कार्यक्रम, विभागीय कार्यक्रम, रवीन्द्र संगीत विभाग, नृत्य और नाटक, संगीत-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन
- 25.01.2022: कथकली कर्णशापतम्, संगीत चिकित्सा, विभागीय कार्यक्रम, रवीन्द्र संगीत विभाग, नृत्य और नाटक, संगीत-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन
- 02.02.2022: कथकली छात्र कार्यक्रम, संगीत चिकित्सा, विभागीय कार्यक्रम, रवीन्द्र संगीत विभाग, नृत्य और नाटक, संगीत-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन
- 16.03.2022: कर्नाटक गायन संगीत कार्यक्रम, संगीत चिकित्सा, विभागीय कार्यक्रम, रवीन्द्र संगीत विभाग, नृत्य और नाटक, संगीत-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन

सुचिंद्रनाथन. पी.के.

- 18.06.2021: कथकली कल्याणसौगंधिकम्- (भीम और पांचाली), संगीत चिकित्सा, विभागीय कार्यक्रम, रवीन्द्र संगीत विभाग, नृत्य और नाटक, संगीत-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन
- 16.07.2021: कथकली पूतनमोक्षम्, संगीत चिकित्सा, विभागीय कार्यक्रम, रवीन्द्र संगीत विभाग, नृत्य और नाटक, संगीत-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन
- 21.07.2021: कथकली बकावधाम- भीमन, संगीत चिकित्सा, विभागीय कार्यक्रम, रवीन्द्र संगीत विभाग, नृत्य और नाटक, संगीत-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन
- 24.11.2021: कथकली बालीवधाम (श्री-राम और सीता), नैक पियर टीम के लिए आयोजित कार्यक्रम, विभागीय कार्यक्रम, रवीन्द्र संगीत विभाग, नृत्य और नाटक, संगीत-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन
- 25.01.2022: कथकली कर्णशापतम्, संगीत चिकित्सा, विभागीय कार्यक्रम, रवीन्द्र संगीत विभाग, नृत्य और नाटक, संगीत-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन
- 02.02.2022: कथकली छात्र कार्यक्रम, संगीत चिकित्सा, विभागीय कार्यक्रम, रवीन्द्र संगीत विभाग, नृत्य और नाटक, संगीत-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन

एन.पी. शंकरनारायणन

- 02.07.2021 और 19.01.2022: विश्वभारती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सोलो चेंडा और एडेक्का संगीत चिकित्सा का प्रदर्शन
- 16.07.2021, 21.07.2021, 24.11.2021 और 25.01.2022: विश्वभारती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संगीत चिकित्सा में पारंपरिक कथकली कार्यक्रम में कथकली चेंडा और एडेक्का का प्रदर्शन किया।
- 24.11.2021: विश्वभारती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित लिपिका में एनएएसी कार्यक्रम में पारंपरिक कथकली कार्यक्रम में कथकली चेंडा और एडेक्का का प्रदर्शन किया;

- विश्वभारती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आईसीसीआर कार्यक्रम में 2022 में सोलो चेंडा और एडेक्का का प्रदर्शन किया गया
- 02.02.2022: विश्वभारती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संगीत चिकित्सा में छात्रों द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक कथकली कार्यक्रम में कथकली चेंडा और एडेक्का किया गया।

सुरजीत राँय

- 25.06.2021: विश्वभारती ऑनलाइन संगीत चिकित्सा सत्र में एकल प्रदर्शन
- 22.07.2021: विश्वभारती ऑनलाइन संगीत चिकित्सा सत्र में एकल प्रदर्शन
- 04.03.2022: विश्वभारती ऑनलाइन संगीत चिकित्सा अठारहवें सत्र में एकल प्रदर्शन
- 08.08.2021: 22 वाँ श्रावण उपासना (मंदिर) और "स्मरण" शाम को ऑनलाइन मोड से उसी दिन
- 18.12.2021: उपासना मंदिर में दिनेंद्र स्मरण

शकौस्तव कर्मकार

- 22.06.2021: विश्वभारती ऑनलाइन संगीत चिकित्सा सत्र में एकल प्रदर्शन
- 23.07.2021: विश्वभारती ऑनलाइन संगीत चिकित्सा सत्र में एकल प्रदर्शन
- 04.03.2022: विश्वभारती ऑनलाइन संगीत चिकित्सा अठारहवें सत्र में एकल प्रदर्शन

प्रशांत कुमार घोष

- 14.06.2021: विश्वभारती द्वारा आयोजित 21वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विश्वभारती ऑनलाइन संगीत चिकित्सा सत्र में एकल प्रदर्शन
- 28.06.2021: विश्वभारती ऑनलाइन संगीत चिकित्सा सत्र में एकल प्रदर्शन
- 23.07.2021: विश्वभारती ऑनलाइन संगीत चिकित्सा सत्र में एकल प्रदर्शन
- 08.08.2021: 22वाँ श्रावण उपासना (मंदिर) और "स्मरण" शाम को ऑनलाइन माध्यम से उसी दिन
- 18.12.2021: उपासना मंदिर में दिनेंद्र स्मरण

मानिनी मुखोपाध्याय

- 24.06.2021: विश्वभारती ऑनलाइन संगीत चिकित्सा सत्र में एकल प्रदर्शन
- 03.07.2021: विश्वभारती ऑनलाइन संगीत चिकित्सा सत्र में एकल प्रदर्शन
- 04.03.2022: विश्वभारती ऑनलाइन संगीत चिकित्सा अठारहवें सत्र में एकल प्रदर्शन
- 08.08.2021: बैसे श्रावण उपासना (मंदिर) और "स्मरण" शाम को ऑनलाइन माध्यम द्वारा उसी दिन
- 18.12.2021: उपासना मंदिर में दिनेंद्र स्मरण

अध्याय-2

ताखेल्लंबम ज्ञानपति देवी

- 26.06.2021: रवींद्र संगीत नृत्य और नाटक, विश्वभारती द्वारा आयोजित संगीत चिकित्सा में एक प्रदर्शन "कृष्ण विसार और कृष्ण बंदना" प्रस्तुत किया।
- 08.10.2021: रवींद्र संगीत नृत्य और नाटक, विश्वभारती द्वारा आयोजित संगीत चिकित्सा में एक प्रदर्शन "कृष्ण रूप और मणिपुरी लोक" प्रस्तुत किया।
- 13.03.2022: रवींद्र संगीत नृत्य और नाटक, विश्वभारती द्वारा आयोजित बसंत उत्सव में एक प्रदर्शन और कोरियोग्राफ किया

सुमन भट्टाचार्य

- 25.01.2022: विश्वभारती केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान शृंखला में संगीत प्रदर्शन, 'माघोत्सव' दिवस पर, ऑनलाइन सुबह योग कक्षाओं में और विश्व-भारती 'उपासना मंदिर' में साप्ताहिक सुबह की प्रार्थना में भाग लिया

इंद्राणी मुखोपाध्याय

- 09.05.2021: जन्मदिन में एकल प्रदर्शन (दूरदर्शन, विश्वभारती)
- 05.10.2021: विश्वभारती ऑनलाइन संगीत चिकित्सा सत्र में एकल गायन प्रदर्शन
- 09.12.2021: निर्देशन, दिनेंद्र स्मरण उपासना में आचार्य के रूप में किया गया)

शुभंकर मंडल

- 14.04.2021: वर्षशेष उपासना (मंदिर) में एकल प्रदर्शन
- 17.06.2021: विश्वभारती ऑनलाइन संगीत चिकित्सा सत्र में एकल प्रदर्शन
- 20.07.2021: विश्वभारती ऑनलाइन संगीत चिकित्सा सत्र में एकल प्रदर्शन
- 14.01.2022: विश्वभारती ऑनलाइन संगीत चिकित्सा चौदहवें सत्र में एकल प्रदर्शन

रिसर्च स्कॉलर्स

ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम में पीएच. डी. शोधकर्ताओं
द्वारा प्रस्तुति

दिनांक	नाम	विभाग
03.02.2022	श्रीमती श्रेयसी दास	रवींद्र संगीत
18.08.2021	श्रीमती रीमा दासगुप्ता	रवींद्र संगीत
19.08.2021	श्रीमती अनुभा सेन	रवींद्र संगीत
23.08.202	श्रीमती सुनेत्रा मजूमदार	रवींद्र संगीत
23.08.2021	श्रीमती तानिया चक्रवर्ती	रवींद्र संगीत
24.08.2021	श्रीमती रिकी महतो	मणिपुरी नृत्य
25.08.2021	श्रीमती झिनुक तालपात्र	रवींद्र संगीत

दिनांक	नाम	विभाग
25.08.2021	श्रीमती एम. चांदनी कस्तूरी अरछ	श्रीलंका का अरच्छ कांडयान नृत्य
27.08.2021	श्रीमती शर्मिष्ठा मुखोपाध्याय	रवीन्द्र नृत्य
01.09.2021	श्री अविक बनर्जी	रवींद्र संगीत
01.09.2021	श्री सिनम बसु सिंह	मणिपुरी नृत्य
02.09.2021	श्रीमती श्रेयसी दास	रवींद्र संगीत
02.09.2021	श्रीमती मेहेली सैन	मणिपुरी नृत्य
03.09.2021	श्रीमती हिमिका बर्मन	भरत नाट्यम
27.09.2021	श्रीमती मेहेली सैन	मणिपुरी नृत्य
28.09.2021	श्रीमती हिमिका बर्मन	भरत नाट्यम
11.01.2022	श्रीमती सोमृता चक्रवर्ती	रवींद्र नृत्य और मणिपुरी नृत्य

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों में विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया

छात्रों द्वारा ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम की अनुसूची

दिनांक	नाम	विभाग
01.02.2022	श्रीमती बसुमित्र चक्रवर्ती	रवींद्र संगीत
02.02.2022	पल्लबी रुज, बनश्री सिल, राया डे, मनीषा गरई	कथकली नृत्य
01.02.2022	श्रीमती बसुमित्र चक्रवर्ती	रवींद्र संगीत
20.08.2021	श्रीमती स्वागत चक्रवर्ती	रवींद्र संगीत
24.08.2021	श्रीमती शैली मुखर्जी	रवीन्द्र संगीत
26.08.2021	श्री प्रीतम चक्रवर्ती	रवींद्र संगीत
03.09.2021	श्रीमती शबनम मेघाली	रवींद्र संगीत
29.09.2021	श्रीमती श्रीदात्री महापात्र	रवींद्र संगीत
30.09.2021	श्रीमती बसुमित्र चक्रवर्ती	रवींद्र संगीत
01.10.2021	श्रीमती शबनम मेघाली	रवींद्र संगीत
04.10.2021	श्रीमती शिल्पा मंडल	रवींद्र संगीत
07.10.2021	श्री सुजान घोष, श्री रिपन सरकार	नाटकीय प्रदर्शन
08.10.2021	श्रीमती अर्पिता मैती	रवींद्र संगीत
20.01.2022	श्रीमती अहाना चक्रवर्ती	मणिपुरी नृत्य और रवीन्द्र नृत्य
28.01.2022	श्रीमती सौमली दास	रवींद्र नृत्य

अध्याय-2

दिनांक	नाम	विभाग
09.03.2022	श्रीमती मेघा मुखर्जी	रवींद्र संगीत
29.09.2021	श्रीमती श्रीदात्री महापात्र	रवींद्र संगीत
30.09.2021	श्रीमती बसुमित्र चक्रवर्ती	रवींद्र संगीत
07.10.2021	श्री सुजान घोष, श्री रिपन सरकार	नाटकीय प्रदर्शन
09.03.2022	श्री तन्मय पाल, श्री बादशा स्की श्रीमती तनीषा सिंघा, पं. सुरभि धीबर, श्रीमती दिव्या दास, श्रीमती. रात्रीमाणिक	मणिपुरी नृत्य
25.03.2022	श्रीमती श्रीमोई मजूमदार	रवीन्द्र संगीत

शिक्षकों/विद्वानों या समग्र रूप से विभाग द्वारा प्राप्त अकादमिक विशिष्टताएं (जैसे विशेष सहायता विभाग (डी.एस.ए.) या उन्नत अध्ययन केंद्र (सी.ए.एस.), आदि के रूप में मान्यता कौस्तव कर्मकार

- आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के सदस्य

शुभंकर मंडल

- विभागीय गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के सदस्य

विप्लव विश्वास

- विभागीय गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के सदस्य

अमर्त्य मुखर्जी

- नैक में समन्वयक, आरएसडीडी
- समन्वयक, डीक्यूएसी, आरएसडीडी
- बांग्लादेश भवन सुविधा प्रबंधन समिति

सुचिंद्रनाथन पी के

- विभागीय गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के सदस्य

प्रकाशन:

सुरोजीत राँय

- राँय, एस., (2021), "सहजिया रबी"। बटायन। वॉल्यूम। 25, (आईएसबीएन: 978-0-6487688-5-2),

श्री कौस्तव कर्मकार

- कर्मकार, के., (2021), "डिजिटल ओ ऑनलाइन दुनियाय रवींद्र गणेर प्रचार ओ प्रोसार अबोंग कोरोना अबोहे तर इतिबाचोक ओ नेतिबचोक संभावित- एकती समीक्षा भितिक मुल्यों"। खोआई। 44(44), पीपी. 243-254 (आईएसएसएन: 2319-8389)

सुमित बसु

- बसु, एस., (2021), "अमर नृत्य गुरु पद्मश्री थिंगबैजोम बाबू सिंह"। लोकगंधर। (आईएसएसएन संख्या 2582 2705)

मृत्युंजय कुमार प्रभाकर

- प्रभाकर, एम.के., (2022), "नाटककार राजेश जोशी" बनास, जन, 1, पीपी. 14-19. (आईएसएसएन 2231-6558)
- प्रभाकर, एम.के., (2021), "इन द परस्यूट ऑफ ऑनलाइन थिएटर एंड थिएटर ट्रेनिंग" रंगवाचा। पीपी 62-63.
- प्रभाकर एम.के., (2021), मैकबेथ मिरर: एन एक्जिबिट ऑफ़ ए 'नियो-परफॉर्मेंस', शांतनु दास मैकबेथ मैकबेथ मिरर के रूप में। पश्चिम बंगाल: कल्याणीकलामंडलम, कल्याणी। पीपी 10-18। (आईएसबीएन नंबर - 978-81-954805-0-0)

नंदिता बसु सर्वाधिकारी

- सर्वाधिकारी, एन.बी., (2021), लोक गीत और सांप्रदायिक समझौता। पीपुल्स हिस्ट्री एंड कल्चर जर्नल। 7(1), पीपी. 34-49 (आईएसएसएन: 2395-7379)
- सर्वाधिकारी, एन.बी., (2021), पंडित रविशंकर. कृष्णानगर विज्ञान केंद्र का पश्चिम बंगा विज्ञान मंच। पीपी. 34-40

कोई प्रासंगिक जानकारी:

रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाट्य विभाग द्वारा वर्ष 2021-2022 के दौरान बड़ी संख्या में कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया। जैसा कि हम जानते हैं कि संगीत भवन विश्वभारती की सांस्कृतिक गतिविधियों का स्तंभ है। विश्व-भारती कर्मी मंडल ने समय-समय पर पारंपरिक समारोहों और त्योहारों जैसे वृक्षारोपण, स्वाधिनता दिवस, पौष उत्सव, माघोत्सव, स्वतंत्रता दिवस, बसंत उत्सव आदि का आयोजन किया, जहां आरएसडीडी (संकायों और छात्रों) ने अपनी उत्कृष्ट भागीदारी के उच्चतम स्तर को व्यक्त किया। COVID-19 महामारी की स्थिति के दौरान, हमने प्रत्येक सप्ताह (बुधवार) अपनी पारंपरिक उपासना जारी रखी। आरएसडीडी विभाग ने संगीत, नृत्य और रंगमंच प्रदर्शन किया और नए विचारशील कार्यक्रमों में भी भाग लिया और, जहां आवश्यक हो, विश्वभारती व्याख्यान श्रृंखला कार्यक्रमों में वैदिक भजनों का प्रदर्शन किया। RSDD विभाग ने NAAC, UNESCO, ICCR के अध्यक्ष (डॉ विनय सहस्रबुद्धे) और भारत की संसद के सदस्य, आदि के दौरे के समय कई विशेष कार्यक्रमों सहित ऑनलाइन और लाइव कार्यक्रम किए तथा RSDD, संगीत भवन ने सभी में भाग संगत, सलाह और भावपूर्ण उपस्थिति के साथ ईमानदारी से कार्यक्रमों का निष्पादन किया।

हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग

नेट (यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर)/सेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम

- नेट (यूजीसी)-2021: पल्लबी पटनायक
- सेट (WBCSE)-2022: पल्लबी पटनायक

राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि शिक्षकों/शोधकर्ताओं द्वारा की गई अध्यक्षता/मूल्यांकन/प्रस्तुति का विवरण

स्वपन कुमार घोष

- 07.07.2021: संगीत भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित 'ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम' में एकल सितार वादन

बुद्धदेव दास

- 18.06.2021: संगीत भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में एकल इसराज वादन
- 01.07.2021: संगीत भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में एकल इसराज वादन
- 31.01.2022: विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में एकल इसराज वादन

संदीप घोष

- 28.06.2021: संगीत भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में एकल तबला वादन
- 04.08.2021: विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में एकल पखावज वादन

अनिमेष चंदा

- 06.07.2021: संगीत भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में एकल इसराज वादन

सब्यसाची सरखेल

- 13.07.2021: संगीत भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित 'ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम' में एकल सितार वादन

आलोक बंधोपाध्याय

- 29.06.2021: संगीत भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में एकल इसराज वादन

बासवी मुखर्जी

- 23.06.2021: संगीत भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में हिंदुस्तानी एकल गायन

पंडित मनोजित मल्लिक

- 26.06.2021: संगीत भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में हिंदुस्तानी एकल गायन

तापस चटर्जी

- 25.06.2021: संगीत भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में एकल इसराज वादन
- 11.08.2021: विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में एकल इसराज वादन

सीताराम दास

- 18.06.2021: संगीत भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में एकल तबला गायन
- 04.08.2021: विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में एकल तबला वादन

छाया रानी मंडल

- 21.06.2021: संगीत भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में हिंदुस्तानी एकल गायन
- 09-08-2021: विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में हिंदुस्तानी एकल गायन

इशिता चक्रवर्ती

- 24-06-2022: संगीत भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में हिंदुस्तानी गायन एकल गायन
- 10-08-2022: विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में हिंदुस्तानी एकल गायन

रणजीत दास

- 30.06.2021: संगीत भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में हिंदुस्तानी एकल गायन
- 11.08.2021: विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में हिंदुस्तानी एकल गायन

अध्याय-2

अमित कुमार वर्मा

- 03.07.2021: संगीत भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा" नामक एक आमंत्रित कार्यक्रम में तबला एकल प्रस्तुत किया

शुभायु सेन मजूमदार

- 16.06.2021: संगीत भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में एकल एसराज गायन
- 14.07.2021: संगीत भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में एसराज पर रवींद्र संगीत की धुनों का प्रदर्शन किया

अबीर सिंह खंगुरा

- 22.06.2021: संगीत भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में एकल एसराज गायन

मनोज कुमार शर्मा

- 17.06.2021: संगीत भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित 'ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम' में एकल सितार वादन
- 03.08.2021: संगीत भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित 'ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम' में एकल सितार वादन
- 27.01.2022: संगीत भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित 'ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम' में एकल सितार वादन

रंजनी रामचंद्रन

- 18.04.2021: INTACH वाराणसी चैप्टर और कला प्रकाश, वाराणसी द्वारा आयोजित एक आमंत्रित ऑनलाइन संगीत कार्यक्रम में हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन (एकल) का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शीर्षक "विश्व विरासत दिवस पर धरोहर"
- 19.06.2021: विश्वभारती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक आमंत्रित ऑनलाइन संगीत कार्यक्रम में हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन (एकल) का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शीर्षक "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा"
- 06.08.2021: विश्वभारती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक आमंत्रित ऑनलाइन संगीत कार्यक्रम में हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन (एकल) का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शीर्षक "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा"
- 16.09.2021: एक डिजिटल प्रकाशन, NEWS9 लाइव द्वारा आयोजित MS Subbalakshmi की 105वीं जयंती पर एक विशेष ऑडियो असेंबल में एक हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत गायक के रूप में भाग लिया और योगदान दिया। कार्यक्रम का शीर्षक "द एम एस सुब्बुलक्ष्मी ट्रिब्यूट NEWS9 लाइव"

- 23.09.2021: एक आमंत्रित ऑनलाइन संगीत कार्यक्रम में हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन (एकल) का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शीर्षक "भावरंग के शताब्दी वर्ष का अंतर्राष्ट्रीय संगीत समारोह"
- 10.10.2021-14.10.2021: स्पिक मैके (युवाओं के बीच भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सोसायटी) द्वारा आयोजित हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन संगीत (एकल) की ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन। कार्यक्रम का शीर्षक "स्पिक मैके अनुभव 3 हिंदुस्तानी संगीत गहन"
- 05.11.2021: संगीत 4 क्लाइमेट जस्टिस (M4CJ) द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन वैश्विक कार्यक्रम में हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत गायक के रूप में भाग लिया और योगदान दिया, स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (CPO-26) के दौरान लाइव स्ट्रीम किया गया। कार्यक्रम का शीर्षक "अंतरिक्ष और समय में दुनिया भर की यात्रा। शाम का प्रदर्शन। संगीत 4 जलवायु जस्टिस"
- 01.01.2022: एक डिजिटल प्रकाशन NEWS9 लाइव द्वारा आयोजित पॉडकास्ट में एक हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत गायक के रूप में भाग लिया और योगदान दिया। कार्यक्रम का शीर्षक "बंदिश: भीमसेन जोशी के 100 साल पूरे होने का जश्न, रंजनी रामचंद्रन, NEWS9 लाइव"
- 24.01.2022: विश्वभारती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक आमंत्रित ऑनलाइन संगीत कार्यक्रम में हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन (एकल) का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शीर्षक "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा"
- 19.03.2022: SSVAD और परम्परा द्वारा आयोजित शांतिनिकेतन में एक आमंत्रित संगीत कार्यक्रम में हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन (एकल) का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शीर्षक "SSVAD-परम्परिक वार्षिक संगीत सम्मेलन"
- 25.03.2022: कलकत्ता परफॉर्मिंग आर्ट्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित कोलकाता में एक आमंत्रित संगीत कार्यक्रम में हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन (एकल) का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शीर्षक "भारत रत्न पंडित भीमसेन जोशी की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में चौधरी हाउस संगीत सम्मेलन"

शोधार्थी:

- 01.07.2021: संगीत भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में एच एम गायन चाणक बांदारा द्वारा एकल इसराज वादन
- 02.08.2021: विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में श्री संजय मंडल द्वारा लोक गीतों (एकल) का प्रदर्शन

अध्याय-2

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियां/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियां और विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया।

रंजनी रामचंद्रन

- 13.11.2021: आईक्यूएसी, विश्वभारती द्वारा आयोजित विश्वभारती परिसर में स्वच्छ भारत अभियान में भाग लिया।
- 02.03.2022: साप्ताहिक उपासना गृह (मंदिर), विश्वभारती, शान्तिनिकेतन में आचार्य के रूप में अध्यक्षता की।

छात्रों का प्रदर्शन

- 04.08.2021: विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में श्रीमती निवेदिता श्याम द्वारा हिंदुस्तानी एकल गायन
- 05.08.2021: विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में श्री कौस्तव चंदा द्वारा एकल तबला वादन
- 05.08.2021: संगीत भावना, विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में मोहम्मद आशिकुल इस्लाम द्वारा एकल इंसाराज वादन
- 10.08.2021: विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में श्री देवज्योति मुखर्जी द्वारा हिंदुस्तानी एकल गायन
- 12.08.2021: श्रीमती द्वारा हिंदुस्तानी गायन एकल गायन। विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में कनिशा रॉय चौधरी
- 23.08.2021: विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में श्री सायंतन बनर्जी द्वारा एकल सितार वादन
- 24.08.2021 विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में श्रीमती नबनिता पांडे द्वारा हिंदुस्तानी एकल गायन
- 26.08.2021: संगीत भावना, विश्वभारती द्वारा आयोजित "ऑनलाइन संगीत चिकित्सा कार्यक्रम" में श्री द्वैपायन सरकार द्वारा एकल इंसाराज वादन

शिक्षकों/विद्वानों या समग्र रूप से विभाग द्वारा प्राप्त अकादमिक विशिष्टताएं (जैसे विशेष सहायता विभाग (डी.एस.ए.) या उन्नत अध्ययन केंद्र (सी.ए.एस.), आदि के रूप में मान्यता

इशिता चक्रवर्ती

- शैक्षणिक कार्यों के लिए पांडिचेरी विश्वविद्यालय, सिद्धू कान्हो बिरशा विश्वविद्यालय और रवींद्र भारती विश्वविद्यालय से संबद्ध

रणजीत दास

- समन्वयक-डीक्यूएसी (विभागीय गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ), एच.सी.एम. विभाग, संगीत भवन

अमित कुमार वर्मा

- डीक्यूएसी (विभागीय गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ) के सदस्य
- विश्वविद्यालय केंद्रीय प्रवेश समिति के सदस्य (CUET-2022)
- विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट समिति के सदस्य
- विभागीय नैक समिति के सदस्य
- कक्षा 12वीं के लिए एनसीईआरटी (राष्ट्रीय शैक्षिक शोध और प्रशिक्षण परिषद, भारत सरकार) की पाठ्यक्रम समिति और पाठ्य पुस्तक लेखन समिति के सदस्य

मनोज कुमार शर्मा

- जोधपुर विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय और वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कार्यों से संबद्ध
- कार्यक्रम अधिकारी-एनएसएस- संगीत भवन, विश्वभारती
- वार्षिक रिपोर्ट समिति के सदस्य, विश्वभारती

रंजनी रामचंद्रन

- शैक्षणिक कार्यों के लिए पांडिचेरी विश्वविद्यालय से संबद्ध
- नैक कोर कमेटी विश्वभारती, की सदस्या

प्रकाशन

सब्यसाची सरखेल

- सरखेल, सब्यसाची (2021), "प्रोशोंगो रविशंकर" सुरशृंगार, सदरंग उच्चंगा संगीत परिषद, बांग्लादेश। (आईएसबीएन-978-984-96006-0-2)

बासवी मुखर्जी

- मुखर्जी, बासवी (2021), "हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में सुधार" सुरशृंगार, सदरंग उच्चंगा संगीत परिषद, बांग्लादेश (आईएसबीएन-978-984-96006-0-2)
- मुखर्जी, बासवी (2021), "संगीत के रूप में कला" सुरशृंगार, सदरंग उच्चंगा संगीत परिषद, बांग्लादेश (आईएसबीएन-978-984-96006-0-2)

अमित कुमार वर्मा

- वर्मा, ए.के. (2022), उत्तर प्रदेश में तबला वदान की संस्थागत शिक्षा का विकास: एक अवलोकन (1906 से 2020 तक), अनहद लोक, 7(14), 63-70।
- वर्मा, ए.के. (2021), संगीत में बौद्धिक संपदा अधिकार: एक विवेचन। एस कुमार में, भारतीय कला संवर्धनम (पीपी। 28-35), कनाडा: पुस्तक भारती।

अध्याय-2

- वर्मा, ए.के. (2021), लखनऊ घराने की वदन शैली और रचनाएं: एक अध्याय। स्वर सिंधु। 9 (2), 22-29.
- वर्मा, ए.के. (2021), भारतीय संगीत और साहित्य पर दर्शन का प्रभाव (गयान, वदन और नृत्य के परिप्रेक्ष्य में)। संगीत गैलेक्सी। 10(2), 50-54।

मनोज कुमार शर्मा

- शर्मा, एम.के. (2021), बनारस घराने का लोकप्रिय वाद्य- सारंगी, अनुकृति, 11(7), 21-23.
- शर्मा, एम.के. (2021), सांस्कृतिक विरासत की राजधानी काशी और संगीत, वेदान्तजलि, 15(3), 125-129

रंजनी रामचंद्रन

- NEWS9 लाइव। (2021, 16 सितंबर), एमएस सुब्बुलक्ष्मी श्रद्धांजलि रंजनी रामचंद्रन (वीडियो), यूट्यूब। <https://youtu.be/Ky3YLikqmVs>
- NEWS9 लाइव। (2022, 1 जनवरी), बंदिश: भीमसेन जोशी के 100 साल पूरे होने का जश्न, रंजनी रामचंद्रन (पॉडकास्ट), स्पोर्टिफाई करें। <https://open.spotify.com/episode/2jIChFEpQItWpzOKG3ekeG>
- म्यूजिक4 क्लाइमेट जस्टिस । (2021, 5 नवंबर), जर्नी अराउंड द वर्ल्ड इन स्पेस एंड टाइम, इवनिंग परफॉर्मेंस, म्यूजिक4 क्लाइमेट जस्टिस (वीडियो), यूट्यूब। <https://youtu.be/DTQa4GMU4-c>

कोई प्रासंगिक जानकारी

हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग ख्याल और ध्रुपद और वाद्य और ताल संगीत में विशेष प्रशिक्षण के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित हुआ है। विभाग के कई संकाय सदस्य संगीत कार्यक्रम के कलाकार हैं और ऑल इंडिया रेडियो के श्रेणीबद्ध कलाकार हैं, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के पैनलबद्ध कलाकार हैं, और विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत हैं। वे दृश्य कला, नृवंशविज्ञान-संगीत, रंगमंच और फिल्मों जैसे अन्य विषयों के साथ कई शोध सहयोग में भी लगे हुए हैं। विभाग के छात्रों ने रेडियो और टेलीविजन पर स्वतंत्र अभ्यासकर्ता और नियमित कलाकारों के रूप में पहचान हासिल की है। विभाग में पीएचडी उम्मीदवारों के रूप में नामांकित कई विद्वान, प्रदर्शन कला में शोध की दिशा में नवीन दृष्टिकोणों में लगे हुए हैं। भविष्य की योजनाओं के हिस्से के रूप में, विभाग अन्य संस्थानों के सहयोग से दुर्लभ रिकॉर्डिंग के संरक्षण और प्रसार के लिए एक समर्पित अभिलेखीय अनुभाग विकसित करना चाहता है। शिक्षाशास्त्र और सार्वजनिक प्रदर्शन के बीच संवाद स्थापित करने के लिए हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन और वाद्य संगीत पर कार्यशालाओं का आयोजन करने के लिए संगीतकार विद्वानों और विशेषज्ञों को आमंत्रित करने का भी प्रयास किया जाएगा।

रवीन्द्र संगीत गवेषणा केंद्र

प्रस्तावना:

रवीन्द्र संगीत गवेषणा केन्द्र ने 26.12.2014 को अपनी यात्रा शुरू की। टैगोर का संगीत, जिसे लोकप्रिय रूप से रवीन्द्रसंगीत के नाम से जाना जाता है, उनकी कविताओं, उपन्यासों, नाटकों और विभिन्न विषयों पर निबंधों के अलावा उनकी सबसे शक्तिशाली और समय-परीक्षित रचना है।

शैक्षणिक गतिविधियां:

1. संगीत नाटक का एक महत्वपूर्ण संस्करण, 'कालमृगया', जिसमें इसके पथ (पढ़ने) और अंकन का एक कालक्रम शामिल है, इस शैक्षणिक वर्ष में पूरा किया गया था, जिस पर कुछ साल पहले काम शुरू हुआ था।
2. प्रोफेसर इंद्राणी मुखोपाध्याय और अन्य द्वारा संकलित टैगोर के 13 गीतों के अप्रकाशित नोटेशन ग्रंथ विभाग से "स्वरवितान 67" के रूप में प्रकाशन के लिए तैयार किए गए हैं।
3. रवीन्द्रसंगीत के कालानुक्रमिक अनुक्रमण के प्रलेखन पर कार्य प्रगति पर है।

'कालमृगया' पर काम सहित विभिन्न शोध कार्यक्रमों में शामिल संगीत भवन के संकाय सदस्य:

1. प्रो. इंद्राणी मुखोपाध्याय
2. डॉ. अमर्त्य मुखोपाध्याय
3. श्री प्रशांत कुमार घोष

'कालमृगया' के कार्य में शामिल संगीत भवन के शोधार्थी:

1. देवश्री दास
2. अभिक सरकार
3. पल्लवी सरकार

सुविधाएँ:

1. लाइब्रेरी आर्काइव - लगभग 1800 पुस्तकों और "मायार खेला" की पांडुलिपि (डिजिटल कॉपी) के साथ।
2. प्रदर्शनी गैलरी - रवीन्द्र संगीत के विकास पर, संगीत भवन के विकास पर और एक, श्री दिनेंद्रनाथ टैगोर को समर्पित।
3. श्रव्य-दृश्य इकाई - विश्व-भारती के सांस्कृतिक कार्यक्रमों को दर्शाने वाली लगभग 100 सीडी और "बाल्मीकि प्रतिभा" पर एक एल्बम के साथ।

विनय-भवन

शिक्षा विभाग

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / स्लेट / सीटीईटी और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

क्रमांक	छात्र का नाम	कार्यक्रम	यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट/सीटीईटी
01.	यास्मीन सुल्ताना	बी.एड.-IV	सीटीईटी
02.	स्वागता मंडल	बी.एड.-IV	सीटीईटी
03.	सुष्मिता मंडल	बी.एड.-IV	सीटीईटी
04.	पायल गड़ाई	बी.एड.-IV	सीटीईटी
05.	वैशाली भौमिक	बी.एड.-IV	सीटीईटी
06.	प्रवीण सुल्ताना	बी.एड.-IV	सीटीईटी (पेपर- II)
07.	मानोशी बाउड़ी	बी.एड.-IV	सीटीईटी (पेपर- I)
08.	प्रगति हाजरा	बी.एड.-IV	सीटीईटी
09.	अत्रे सेन गुप्ता	बी.एड.-IV	सीटीईटी (पेपर- I)
10.	बापी सोरेन	बी.एड.-IV	सीटीईटी
11.	अमृता चट्टोपाध्याय	बी.एड.-IV	सीटीईटी
12.	भास्कर कर्मकार	बी.एड.-IV	सीटीईटी (पेपर- I)
13.	पायल माङ्गी	बी.एड.-IV	सीटीईटी (पेपर- I)
14.	संतोष मोहालिक	बी.एड.-IV	बी.एड.-IV सीटीईटी, नेट (शिक्षा)
15.	लक्ष्मी सरकार	बी.एड.-IV	नेट (शिक्षा)
16.	चरण भंडारी	बी.एड.-IV	नेट (दर्शनशास्त्र)
17.	रुमा मुखर्जी	बी.एड.-IV	नेट (संस्कृत)
18.	विश्वजीत सारेन	बी.एड.-IV	नेट (संताली)
19.	रिंकू नाथ	बी.एड.-IV	नेट (शिक्षा)
20.	पूर्णमा दाँ	बी.एड.-I	नेट (भूगोल)
21.	रीता मंडल	बी.एड.-I	नेट (भूगोल)
22.	मोऊ दत्ता	बी.एड.-I	नेट (संस्कृत)
23.	रमेश बास्के	बी.एड.-I	नेट (संताली)
24.	मलय मंडल	बी.एड.-I	नेट (दर्शनशास्त्र)

क्रमांक	छात्र का नाम	कार्यक्रम	यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट/सीटीईटी
25.	चैताली गोड़ाई	बी.एड.-I	जेआरएफ (बंगाली)
26.	विप्लव सरकार	बी.एड.-I	टीसीएस में चयनित (सहायक सिस्टम इंजीनियर)
27.	सुष्मिता मंडल	एम.एड.-I	सीटीईटी
28.	आकांक्षा शत	एम.एड.-I	सीटीईटी
29.	अबीर मंडल	एम.एड.-I	सीटीईटी
30.	कौशिक दास	एम.एड.-I	सीटीईटी (पेपर- I)
31.	सुहिता बसु	एम.एड.-I	सीटीईटी (पेपर- I)
32.	इंद्र घोष	एम.एड.-I	सीटीईटी
33.	रेहाना सुल्ताना	एम.एड.-I	सीटीईटी और नेट (संस्कृत)
34.	सार्थक आचार्य	एम.एड.-I	सीटीईटी
35.	मनीषा नंदी	एम.एड.-I	सीटीईटी
36.	रेशमी पंडित	एम.एड.-I	सीटीईटी
37.	काजी रेशमा खातून	एम.एड.-I	सीटीईटी
38.	अद्विजा दत्ता	एम.एड.-I	सीटीईटी (पेपर- II)
39.	संपदा रॉय चौधरी	एम.एड.-IV	सीटीईटी
40.	सोना बस्की	एम.एड.-IV	टीईटी (पश्चिम बंगाल)
41.	शिल्पी मुर्मू	एम.एड.-IV	सीटीईटी
42.	अमन गुप्ता	एम.एड.-IV	नेट (इतिहास)
43.	प्रतिमा सुंदर	एम.एड.-IV	जेआरएफ (शिक्षा)
44.	जागृति सिंघा	एम.एड.-IV	जेआरएफ (शिक्षा)
45.	विकास शर्मा	एम.एड.-IV	नेट (शिक्षा)
46.	सुदीप बारिक	एम.एड.-IV	नेट (शिक्षा)
47.	मौमिता विश्वास	एम.एड.-IV	नेट (शिक्षा)
48.	श्रीकांत कुमार जेना	एम.एड.-IV	नेट (शिक्षा)
49.	पियाली साहा	एम.एड.-IV	नेट (शिक्षा)
50.	प्रीति सांगरी	एम.एड.	पीएच.डी.प्रवेश (सिक्किम केंद्रीय विश्वविद्यालय), सेट (शिक्षा)
51.	लाल्टू हलदर	एम.एड.	पीएच.डी. प्रवेश (कलकत्ता विश्वविद्यालय)
52.	नरगिस सुल्ताना	एम.एड.	जेआरएफ (शिक्षा)

अध्याय-2

क्रमांक	छात्र का नाम	कार्यक्रम	यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट/सीटीईटी
53.	सुवर्णा कर्मकार	एम.एड.	जेआरएफ (शिक्षा)
54.	एथेना लेप्चा	एम.एड.	नेट (शिक्षा)
55.	काशीनाथ बोराल	एम.एड.	नेट (शिक्षा), सीटीईटी
56.	पापिया मंडी	एम.एड.	नेट (शिक्षा)
57.	तानिया सरकार	एम.एड.	नेट (शिक्षा)
58.	रुबीना खातून	एम.एड.	नेट (शिक्षा), सीटीईटी
59.	पद्मावती मांडी	एम.एड.	सीटीईटी
60.	श्यामली मंडल	एमए (शिक्षा)	यूजीसी एनटीए-नेट (जेआरएफ) फरवरी 2022
61.	सुप्रिया खान	एमए (शिक्षा)	यूजीसी एनटीए-नेट फरवरी 2022
62.	इंद्रजीत महतो	एमए (शिक्षा)	यूजीसी एनटीए-नेट फरवरी 2022
63.	हिंडोला सिंघा	एमए (शिक्षा)	यूजीसी एनटीए-नेट (जेआरएफ) फरवरी 2022
64.	तुहिना खातून	एमए (शिक्षा)	यूजीसी एनटीए-नेट फरवरी 2022
65.	शिप्रा साहा	एमए (शिक्षा)	यूजीसी एनटीए-नेट फरवरी 2022
66.	सौभिक पाल	एमए (शिक्षा)	यूजीसी एनटीए-नेट फरवरी 2022
67.	कनक देबनाथ	एमए (शिक्षा)	यूजीसी एनटीए-नेट फरवरी 2022
68.	मिलन दास	एमए (शिक्षा)	यूजीसी एनटीए-नेट फरवरी 2022
69.	अमित कुमार महतो	एमए (शिक्षा)	यूजीसी एनटीए-नेट फरवरी 2022
70.	मधुसूदन मन्ना	एमए (शिक्षा)	पश्चिम बंगाल टीईटी (कक्षा I से V के लिए) जनवरी 2022
71.	मानसी दास	एमए (शिक्षा)	पश्चिम बंगाल टीईटी (कक्षा I से V के लिए) जनवरी 2022
72.	कालीपद मुर्मू	एमएड (शिक्षा)	नेट (संताली)

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि।

वेणुधर चिनारा

- 14.06.2021-18.06.2021: राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (एनआईईपी), नई दिल्ली द्वारा आयोजित "डिजाइन, विकास और ऑनलाइन पाठ्यक्रम वितरित" पर पूरा संकाय विकास कार्यक्रम।

राजर्षि राँय

- 02.02.2022: संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया और 'पूर्वोत्तर भारत में एनईपी 2022 का कार्यान्वयन: अवसर और चुनौतियां' पर राष्ट्रीय वेबिनार में 'उच्च शिक्षा के विशेष संदर्भ के साथ

एनईपी 2022 के कार्यान्वयन की दिशा में भारतीय दृष्टिकोण' पर एक व्याख्यान दिया। एनईसी द्वारा वित्त पोषित और अंबेडकर कॉलेज, फातिमगोय, त्रिपुरा द्वारा आयोजित।

प्रह्लाद राय

- 07.07.2021: मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में मटुआ की शिक्षा, सामाजिक सुधार और उत्थान" पर पहली ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- 10.07.2021: मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "मटुआ अवधारणा में महिला सशक्तिकरण" पर दूसरे ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में एक व्याख्यान दिया।
- 17.07.2021: मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "गुरुचंद ठाकुर के राजनीतिक आंदोलन" पर तीसरे ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में एक व्याख्यान दिया।
- 24.07.2021: मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "मटुआ के धर्म और संस्कृति: संदर्भ और विश्वास" पर चौथे ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में एक व्याख्यान दिया गया।
- 25.07.2021. श्री अग्रसेन महाविद्यालय, डालखोला, उत्तर दिनाजपुर, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "आधुनिक भारत में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर का सामाजिक-आर्थिक योगदान" शीर्षक से एक राष्ट्रीय वेबिनार में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक व्याख्यान दिया गया।
- 31.07.2021: मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "मानवतावाद की स्थापना और अस्पृश्यता के उन्मूलन में हरिचंद ठाकुर और गुरुचंद ठाकुर की भूमिका" पर 5वें ऑनलाइन अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- 07.08.2021: मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "भारत के संविधान में हरिचंद ठाकुर और गुरुचंद ठाकुर की प्रासंगिकता" पर छठे ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- 14.08.2021: मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "बांग्लादेश में मटुआवाद का विस्तार करने के लिए हरिचंद गुरुचंद ठाकुर की भूमिका: ओरकंडी का संदर्भ" पर 7वें ऑनलाइन अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में एक व्याख्यान दिया।
- 2021: मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "भारत की स्वतंत्रता: मटुआ और अन्य प्रवचन का संदर्भ" पर 8वें ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

अध्याय-2

- 21.08.2021: मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "पिछड़े समुदाय के लिए शिक्षा और व्यावसायिक अधिकारों को प्राप्त करने के लिए गुरुचंद ठाकुर का योगदान" पर 9वीं ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में एक व्याख्यान दिया।
- 28.08.2021: सेंटर फॉर मटुआ स्टडीज, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "आधुनिक भारत में लोगों के सामाजिक अधिकारों की स्थापना के लिए गुरुचंद ठाकुर और डॉ बीआर अंबेडकर की भूमिका" पर 10वीं ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में एक व्याख्यान दिया।
- 04.09.2021: मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "बांग्लादेश के सामाजिक विकास के लिए मटुआ की भूमिका" पर 11वीं ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- 11.09.2021: मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "श्री श्री हरिलिलामृत ग्रंथ पर महत्वपूर्ण चर्चा" पर 12वीं ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- 13.09.2021: शिक्षा विभाग, काजी नजरूल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "नजरूल इस्लाम के विचार और समकालीन समाज में इसकी प्रासंगिकता" पर एक ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।
- 25.09.2021: मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा आयोजित "भारत में हरिचंद ठाकुर और गुरुचंद ठाकुर की विचारधारा का प्रवर्धन" पर 13वीं ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- 13.11.2021: मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा आयोजित "मटुआ आंदोलन और उनके गौरवशाली साहित्य" पर 14वीं ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- 20.11.2021: मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा आयोजित "अविभाजित बंगाल के सुधार आंदोलन में हरिचंद और गुरुचंद की भूमिका" पर 15वीं ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- 27.11.2021: मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा आयोजित "बैक-रिटेन्ड सोसाइटी के विकास के लिए गुरुचंद ठाकुर की गतिविधियाँ" पर 16वीं ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

- 04.12.2021: मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा आयोजित "जीवन शैली, स्वास्थ्य, परिवार नियोजन और आनुवंशिकता के लिए मटुआ शिक्षा" पर 17वें ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- 18.12.2021: मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा आयोजित "मटुआ दर्शन और इसके भौगोलिक प्रवर्धन के चिंतन" पर 18वें ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- 05.02.2021: भूगोल विभाग, चैतन्य कॉलेज पामागढ़, छत्तीसगढ़, भारत द्वारा आयोजित "छत्तीसगढ़ राज्य के पर्यावरण और सामाजिक-आर्थिक विकास पर प्रवासन का प्रभाव" पर एक ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।
- 04.03.2022: शिक्षा विभाग, गोविंद प्रसाद महाविद्यालय, बांकुरा, पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा आयोजित "वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य में आईसीटी का महत्व" पर एक ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक व्याख्यान दिया।
- 20.03.2022: मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा आयोजित "मटुआ धर्म और लोकतांत्रिक आंदोलन" पर 19वें ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- 26.03.2022: मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "देश के विकास के लिए कानून और कानून पर मटुआ का विश्वास" विषय पर 20वीं ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

चित्रलेखा माइती

- 21.09.2021-05.10.2021: टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय (पीएमएमएमएनएमटीटी), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार तथा निर्मला कॉलेज, मुवाट्टुपुड़ा, केरल के सहयोग से "रिसर्च मेथडोलॉजी" पर दो सप्ताह का इंटरडिसिप्लिनरी रिक्रेशर कोर्स / फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम पूर्ण किया।

सरिता आनंद

- 19.07.2021: एशिया में उच्च शिक्षा और भागीदारी शोध (पीआरआईए) में समुदाय आधारित शोध और सामाजिक उत्तरदायित्व में यूनेस्को चेयर द्वारा यूनेस्को, नई दिल्ली के साथ साझेदारी में आयोजित ज्ञान लोकतंत्र और विविध ज्ञानमीमांसा पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में "सामाजिक उत्तरदायित्व पर टैगोर की दृष्टि" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 14.06.2021: एशिया में उच्च शिक्षा और सहभागी शोध में समुदाय आधारित शोध और सामाजिक उत्तरदायित्व में यूनेस्को चेयर द्वारा यूनेस्को, नई दिल्ली के साथ साझेदारी में आयोजित वेबिनार सह

अध्याय-2

पुस्तक लॉन्च में "भारत में टैगोर, सामाजिक उत्तरदायित्व और उच्च शिक्षा" पर लेखक अवलोकन के रूप में ऑनलाइन आमंत्रित व्याख्यान दिया।

व्यावसायिक विकास कार्यक्रम पूर्ण

- 12.09.2021-20.02.2022: इग्नू, स्वयं (SWAYAM), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित "बीएलआई-225 संचार कौशल (पुस्तकालय और सूचना विज्ञान)" शीर्षक से 12 सप्ताह का ऑनलाइन पीजी कोर्स पूर्ण किया।
- 11.09.2021-20.02.2022: इग्नू, स्वयं (SWAYAM), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित "सीखने के लिए आकलन" नामक 16 सप्ताह का ऑनलाइन यूजी कोर्स पूर्ण किया।
- 07.02.2022-21.02.2022: पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार), के तत्वावधान में प्रायोजित, टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "ऑनलाइन कक्षाओं का प्रबंधन और सह-निर्माण एमओओसी 11.0" पर ऑनलाइन इंटर-डिसिप्लिनरी दो सप्ताह का पुनश्चर्या पाठ्यक्रम पूर्ण किया।
- 14.12.2021-23.12.2021: पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार), के तत्वावधान में प्रायोजित, टीचिंग लर्निंग सेंटर, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल विकास" पर दो सप्ताह के ऑनलाइन एफडीपी कार्यक्रम को पूर्ण किया।
- 08.12.2021-13.12.2021: पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी), के तत्वावधान में प्रायोजित, फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक (हरियाणा) द्वारा आयोजित "लैंगिक संवेदीकरण और महिला अधिकारिता (केवल ऑनलाइन मोड)" पर एक सप्ताह का एफडीपी कार्यक्रम पूर्ण किया।

शर्मिला यादव

- 28.03.2022-29.03.2022: बीपीएस इंस्टीट्यूट ऑफ टीचर ट्रेनिंग एंड रिसर्च, बीपीएस महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां, सोनितपुर (हरियाणा) द्वारा आयोजित "शिक्षाविदों और विचारकों के विचार दिवालियापन" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "इनोवेटिव क्लासरूम प्रैक्टिस एंड रिफ्लेक्शंस" नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 14.06.2021-18.06.2021: पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार), के तत्वावधान में प्रायोजित, टीचिंग लर्निंग सेंटर, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "मुक्त शैक्षिक संसाधनों के विकास और अनुप्रयोग (ओईआर)" पर 05 दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला पूर्ण किया।

व्यावसायिक विकास कार्यक्रम पूर्ण-

- 09.08.2021-13.08.2021: पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार), के तत्वावधान में टीचिंग लर्निंग सेंटर, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "गूगल टूल्स के उपयोग और अनुप्रयोग" पर एक सप्ताह का ऑनलाइन राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) पूर्ण किया।
- 13.09.2021-19.09.2021: पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार), के तत्वावधान में टीचिंग लर्निंग सेंटर द्वारा आयोजित "उन्नत शैक्षणिक तकनीक" पर एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) पूर्ण किया।
- 13.11.2021-19.11.2021: पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार), के तत्वावधान में टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "अकादमिक शोध लेखन" पर एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) पूर्ण किया।
- 01.12.2020- 31.03.2021: एआरपीआईटी (स्वयं के माध्यम से), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में शिक्षा के लिए राष्ट्रीय संसाधन केंद्र, दक्षिण बिहार के केंद्रीय विश्वविद्यालय, गया द्वारा आयोजित शिक्षा में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (शैक्षिक शोध और मूल्यांकन में चिंताएं), कार्यक्रम पूर्ण किया।
- 24.11.2021-30.11.2021: पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार), के तत्वावधान में प्रायोजित, टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "स्कूल शिक्षकों के लिए आईसीटी सक्षम शिक्षण और सीखने" पर एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) पूर्ण किया।
- 22.12.2021-05.01.2022: पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार), के तत्वावधान में प्रायोजित, टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "रिसर्च मेथडोलॉजी" पर ऑनलाइन दो सप्ताह का इंटरडिसिप्लिनरी रिक्रेशर कोर्स पूर्ण किया।
- 06.01.2022-12.01.2022: पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार), के तत्वावधान में प्रायोजित, टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "प्रभावी शिक्षण और सीखने के लिए मनोवैज्ञानिक कौशल" पर एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) पूर्ण किया।

अध्याय-2

उमाकांत प्रसाद

व्यावसायिक विकास कार्यक्रम पूर्ण-

- 06.10.2021-20.10.2021: पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार), के तत्वावधान में प्रायोजित, दावणगेरे विश्वविद्यालय, कर्नाटक के सहयोग से टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "एमओओसी विकसित करने में उन्नत अवधारणाओं" में ऑनलाइन दो सप्ताह का अंतःविषय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम पूर्ण किया।
- 25.10.2021-31.10.2021: स्कूल ऑफ एजुकेशन, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: भविष्य भारत के लिए एक रोड मैप" पर एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम पूर्ण किया।

सौमी मंडल

- 02.01.2022: आईक्यूएसी, चंद्रनगर कॉलेज, चंद्रनगर, पश्चिम बंगाल के सहयोग से भूगोल विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय व्याख्यान शृंखला में "गुणात्मक शोध एक व्यापक क्षेत्र की जांच" नामक एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियां/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियां और विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया।

क) आस-पास के गांवों में सामुदायिक जुड़ाव और सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधि संचालित की जा रही है।

ख) एनएसएस गतिविधियां

प्रकाशन:

श्यामसुंदर बैराग्य

पुस्तक अध्याय:

- मंजीरा बागची और श्यामसुंदर बैराग्य (2021). भौतिक विज्ञान सीखने के एक महत्वपूर्ण एजेंट के रूप में आईसीटी। प्रणब बर्मन और स्वपन कुमार मैती (सं।) आधुनिक प्रौद्योगिकी और शिक्षा (141-153) में, नए अकादमिक प्रकाशक। आईएसबीएन 978-81-945869-0-6.
2. सोहिनी घोष और श्यामसुंदर बैराग्य (2021). शिक्षक शिक्षा की एजेंसियां, बनर्जी, एन और दास, ए (संस्करण), शिक्षक शिक्षा समकालीन मुद्दे, व्यवहार और संभावनाएं (376-395) रेडशाइन प्रकाशन। आईएसबीएन: 978-1-304-49009-4।
3. मंजीरा बागची और श्यामसुंदर बैराग्य (2021). शिक्षक शिक्षा की अवधारणा और संदर्भ। डॉ. नंदिनी बनर्जी और अमरनाथ दास (सं.) में। शिक्षक शिक्षा समकालीन मुद्दे, व्यवहार और संभावनाएं (01-34), रेडशाइन प्रकाशन.आईएसबीएन: 978-1-304-49009-4।

प्रह्लाद रॉय

पुस्तक

1. रॉय, पी (2021). भारत में शिक्षा और संस्कृति के विकास में माइकल मधुसूदन दत्त का योगदान। लैप लैम्बर्ट अकादमिक प्रकाशन। आईएसबीएन-978-620-4-204284।
2. रॉय, पी (2021). काजी नजरूल इस्लाम के गीत में शैक्षिक विचार और दर्शन। लैप लैम्बर्ट अकादमिक प्रकाशन। आईएसबीएन-978-620-4-20338-6.
3. रॉय, पी (2021). नीलाचार्य के शैक्षिक विचार और कार्य: एक अध्ययन। लैप लैम्बर्ट अकादमिक प्रकाशन। आईएसबीएन 978-620-4-20314-0।
4. रॉय, पी (2021). अंग्रेजी माध्यम संस्थान की शैक्षिक विशेषता। लैप लैम्बर्ट अकादमिक प्रकाशन। आईएसबीएन-978-620-4-20190-0।

चित्रलेखा मैती

पुस्तक अध्याय-

1. मैती, सी. और पॉल, ए. (2021). एक शोध पत्र तैयार करना। एस.एस. बैराग्य और जे. मेटे (संस्करण), शैक्षिक शोध की एक रूपरेखा (पीपी. 560-577), रेड शाइन प्रकाशन।
2. मैती, सी. (2021), महिला सशक्तीकरण: अवधारणा, पहलू और एजेंसियां। बी. घोष, एस. बैराग्य और जे. मेटे (संस्करण), महिला शिक्षा और अधिकारिता: भारतीय परिप्रेक्ष्य (पीपी। 172-184), आईएनएससी इंटरनेशनल पब्लिशर्स, कर्नाटक। आईएसबीएन: 978-1-956102-95-6.

सरिता आनंद

पुस्तक:

1. आनंद, एस. और कर्माकर, आर. (2021). कक्षा में परिवर्तनकारी शिक्षाशास्त्र। नोशन प्रेस, आईएसबीएन: 9781685630652. एचटीटीपीएस://नोशन प्रेस डॉट कॉम/ रीड/ ट्रांसफॉर्मेटिव-पेडागोजी-इन-क्लासरूम
(<https://notionpress.com/read/transformational-pedagogy-in-classroom>)

पुस्तक अध्याय:

1. आनंद, एस. (2021). उच्च शिक्षा में एक आवश्यक शिक्षाशास्त्र के रूप में सोशल मीडिया। डी. जोशी और ए. शौकीन (संस्करण), आई.सी.टी. शिक्षण शिक्षण में अभ्यास। (पीपी। 56-72), राइटर्स चॉइस पब्लिकेशन। आईएसबीएन: 978-93-90965-11-3.
2. आनंद, एस. (2021). टैगोर, सामाजिक उत्तरदायित्व और भारत में उच्च शिक्षा। हॉल और टंडन (संस्करण), में सामाजिक रूप से जिम्मेदार उच्च शिक्षा: ज्ञान लोकतंत्र पर अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य। (पीपी. 203-215), ब्रिल, आईएसबीएन: 978-90-04-43575-9. ई-आईएसबीएन: 978-90-04-45907-6. डीओआई: डीओआई डॉट ओआरजी/10.1163/9789004459076_017 (<https://doi.org/>)

अध्याय-2

10.1163/9789004459076_017) <https://brill.com/view/book/edcoll/9789004459076/BP000029.xml?body=pdf-43180>

शर्मिला यादव

पुस्तक अध्याय:

1. यादव, एस. और सिंह, जी. (2021), एस.एस. बैराग्य और जे. मेटे (एड्स), शैक्षिक शोध की एक रूपरेखा (पीपी.299-309) में एक परीक्षण का निर्माण। रेड शाइन प्रकाशन. 10.25215/1257005057.
2. यादव, एस. और सिंह, जी. (2021). डी. जोशी और ए.शोकेन (एड्स) में ई-लर्निंग और ई-असेसमेंट, टीचिंग लर्निंग में आईसीटी प्रैक्टिस (पीपी.152-165), राइटर्स च्वाइस। आईएसबीएन: 978-93-90965-11-3.

शोध पत्र:

श्यामसुंदर बैराग्य

1. बिवास, पी. और बैराग्य, एस. (2021). स्नातक छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण और मोबाइल फोन की लत का प्रभाव, खोआई, 44(44), 373-379. आईएसएसएन 2319-8389.
2. बैराग्य, एस. (2021). माध्यमिक स्तर पर अंग्रेजी भाषा सीखने को प्रभावित करने वाले कारकों पर एक अध्ययन, शोध संचार बुलेटिन, 11, 235-243, आईएसएसएन 2229-3620।
3. घोष, डी. और बैराग्य, एस. (2022). कोविड -19 महामारी के दौरान बोलपुर उपखंड में माध्यमिक स्तर पर ऑनलाइन शिक्षण और सीखने पर छात्रों और शिक्षकों की धारणा। हिमालयन जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड लिटरेचर, 3(2), 185-190।
4. बागची, एम., बागची, एस. और बैराग्य, एस. (2022). महामारी में रामबाण के रूप में ऑनलाइन सीखना: छात्र-शिक्षकों की धारणा। दूरस्थ शिक्षा और ई-लर्निंग के ऑनलाइन जर्नल, 10(1), 99-111. आईएसएसएन 2147-6454।

प्रह्लाद रॉय

5. रॉय, पी (2021). गुरुचंदर जिबोन गढ़स्थ धर्म शिक्षा। खोआई, 47(47), 207-224, आईएसएसएन-2319-8389.
6. रॉय, पी (2021). योगिक चिकित्सा के माध्यम से चिंता और मोटापे में कमी: एक अध्ययन। खोआई, 47(47), 290-296, आईएसएसएन-2319-8389.
7. रॉय, पी (2021). दारा शिकोर जिबोन आध्यात्मिक सिखर उन्मेश। खोआई, 45(45), 22-24, आईएसएसएन-2319-8389.

8. रॉय, पी (2021). क्यूबा में शैक्षिक प्रणाली में फिदेल एलेजांद्रो कास्त्रो रुज का योगदान: एक अध्ययन, जीएचजी जर्नल ऑफ सिक्स्थ थॉट ए पीयर रिब्यूड एंड रेफरेड जर्नल, वॉल्यूम 8, नंबर 1 और 2, 53-57, आईएसएसएन-2348-9936.
9. रॉय, पी (2021). दारा शिकोहर दर्शनिक ओ आध्यात्मिक निकातबोर्तिता, खोआई, 43(43), 36-40। आईएसएसएन-2319-8389.

चित्रलेखा माइती

10. भंडारी, टी. और मैती, सी. (2021). भाषा स्थिरता के आलोक में संताल समुदाय की शिक्षा। अंतर्दृष्टि: कला और मानविकी के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय बहुभाषी जर्नल, 1(8), 100-108, आईएसएसएन: 2582-8002.
11. नस्कर, जी., मैती, सी. और बैराग्य, एस. (2021). गणित की चिंता पर सहकारी शिक्षा का प्रभाव। खोआई, 47(47), 337-343. आईएसएसएन: 2319-8389.
12. भंडारी, टी. और मैती, सी. (2021). नरिर अधिकार ओ शिक्षार मनोनयन: डॉ. बी. आर. अम्बेडकर। खोआई, 206-211. आईएसएसएन: 2319-8389.
13. मैती, सी. और पॉल, ए. (2021). इवोल्यूशन एंड ग्रोथ ऑफ मार्केट सिस्टम इकोनॉमी इन कोलकाता, खोआई, 144(44), 299-406, आईएसएसएन: 2319-8389.

शर्मिला यादव

14. सिंह, जी. और यादव, एस. (2021). समावेशी कक्षाओं में विकलांग बच्चों के लिए शिक्षण-सीखने की रणनीतियाँ। खोआई, 44 (44), 304-308।

उमाकांत प्रसाद

15. मुखर्जी, एस. और प्रसाद, यू.के. (2021). शिखर एनजाइना सरबा लिंग समने: लिंगसमाताय एक जोड़, खोआई, 43 (43), 124-133.
16. पाइन, पी. और प्रसाद, यू.के. (2021). बाल श्रम को रोकने के लिए नेतृत्व को एक रणनीतिक बदलाव की आवश्यकता है: COVID-19 महामारी का एक चरण। खोआई, 44(44), 366-372.
17. मुखर्जी, एस. और प्रसाद, यू.के. (2021). थ्योरी टू प्रैक्सिस: सह-शैक्षिक संस्थानों में हाशिए के लिंगों का प्रभावी समावेश। एजुकेशन इंडिया जर्नल: ए त्रैमासिक रेफरीड जर्नल ऑफ डायलॉग्स ऑन एजुकेशन। 10(3), 497-506.

सौमी मंडल

18. मंडल, एस. (दिसंबर 2021). लोकप्रिय बाल साहित्य को द्वितीय भाषा कक्षा में पुनः उन्मुख करना। शिक्षा पर शोध और विचार। एक यूजीसी केयर सूची जर्नल, 19(4), 15-18। आईएसएसएन: 0974-648X।

अध्याय-2

19. मंडल, एस. (मई 2021), सामाजिक न्याय के लिए शैक्षिक शोध परिप्रेक्ष्य के रूप में केस स्टडी। एजुकेशन इंडिया जर्नल: ए क्वार्टरली रेफरीड जर्नल ऑफ डायलॉग्स ऑन एजुकेशन, ए यूजीसी केयर लिस्ट जर्नल, 10(3), 65-77. आईएसएसएन: 2278-2435. <https://educationindiajournal.org/journal/Volume%2010%20issue3%20aug%202021.pdf>

पीयर समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्रों की संख्या: 19

व्यक्तिगत प्रकाशन:

ए) एकल लेखक: 08

बी) संयुक्त लेखक: 11

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना:

विभाग ने ई-इंटर्नशिप, गूगल फॉर्म के माध्यम से ई-मूल्यांकन और वर्चुअल वर्क एजुकेशन एक्सपीरियंस किया।

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी:

चार वर्षीय एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम शुरू करने की पहल की जाएगी।

शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / एसएलईटी और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम।

क्रमांक	उत्तीर्ण करने की तिथि	छात्र नाम	परीक्षा	पंजीकरण संख्या / रोल नंबर
1.	19.02.2022	सेबब्रत माजी	यूजीसी - नेट	WB02000791
2.	19.02.2022	सीमा खातून	यूजीसी - नेट	डब्ल्यूबी 02000876
3.	19.02.2022	शेउली घोष	यूजीसी - नेट	डब्ल्यूबी 02000630
4.	19.02.2022	पथिक कबीराज	यूजीसी - नेट	डब्ल्यूबी 04000340

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि:

सुमंत कुमार मंडल

- 22.05.2021: भारतीय खेल प्राधिकरण, नेताजी सुभाष पूर्वी केंद्र, कोलकाता द्वारा आयोजित एक कोच शिक्षा विकास कार्यक्रम में "फुटबॉल में जैव-यांत्रिक अनुप्रयोग" पर व्याख्यान दिया।
- 08.08.2021: राजकीय महिला शारीरिक शिक्षा कॉलेज, हुगली, कोलकाता के स्थापना दिवस में "महान एथलीट मिल्खा सिंह के संदर्भ में खेल प्रशिक्षण की आधुनिक अवधारणा" पर व्याख्यान दिया।

गोपाल चंद्र साहा

- 19-22 फरवरी 2022: इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स (आईएपीईएस), फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया और लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन, ग्वालियर के सहयोग से द्वारा आयोजित फुटबॉल में कोचिंग के विज्ञान पर इंटरनेशनल सर्टिफिकेट कोर्स में "खेल प्रशिक्षण विधियों की उन्नति में एक नया परिप्रेक्ष्य" शीर्षक से संसाधन अध्यक्ष के रूप में एक पेपर प्रस्तुत किया।

सुदर्शन विश्वास

- 25.06.2021-27.06.2021: इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स (आईएपीईएस) के सहयोग से फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीईएफआई) युवा मामले और खेल मंत्रालय (भारत सरकार) के तत्वावधान में आयोजित नवाचार और आधुनिक खेल विज्ञान और पारंपरिक योग के अभ्यास पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।
- 16.12.2021-18.12.2021: भारतीय खेल प्राधिकरण, लक्ष्मीबाई नेशनल कॉलेज ऑफ इंडिया, शारीरिक शिक्षा, त्रिवेंद्रम द्वारा आयोजित इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कम्परेटिव फिजिकल

अध्याय-2

एजुकेशन एंड स्पोर्ट (2021) के 21वें द्विवार्षिक सम्मेलन में एक वैज्ञानिक सत्र में लीड स्पीकर के रूप में कार्य किया।

- 19.02.2022-22.02.2022: पीईएफआई और लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन के सहयोग से इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स इनकॉर्पोरेटेड द्वारा कोविड-19 महामारी के कारण शारीरिक शिक्षा और खेल के क्षेत्र में चुनौतियाँ और रुझान या विकास पर अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन संगोष्ठी के संसाधन अध्यक्ष के रूप में "फुटबॉल में कोचिंग का विज्ञान" पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम पर कार्य किया।

कल्लोल चटर्जी

- 21.06.2021: एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया, भारतीय शारीरिक शिक्षा फाउंडेशन (पीईएफआई) के सहयोग से राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों, सेवा भारती महाविद्यालय द्वारा आयोजित "स्वास्थ्य पर योग के प्रभाव" पर एक व्याख्यान दिया।
- 10.07.2021: कवि जयदेव महाविद्यालय द्वारा आयोजित "एक तनाव प्रबंधन के रूप में योग" पर आईसीपीआर प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया

असित महारा, रिसर्च स्कॉलर

- 29.10.2021-30.10.2021: शारीरिक शिक्षा और खेल विभाग यशवंतराव चव्हाण विज्ञान संस्थान, सतारा, महाराष्ट्र, भारत और इंटरनेशनल फेडरेशन फॉर फिटनेस, हेल्थ, फिजिकल एजुकेशन एंड आयरन गेम्स, सऊदी अरब द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "फिटनेस एंड हेल्थ में हालिया रुझान (आईसीआरटीएफएच -2021)" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "गतिहीन महिलाओं की गतिज धारणा पर आसनों का प्रभाव" नामक एक पत्र प्रस्तुत किया।
- 16.12.2021-18.12.2021: भारतीय खेल प्राधिकरण, लक्ष्मीबाई नेशनल कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन, त्रिवेंद्रम द्वारा आयोजित इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कम्परेटिव फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट (2021) के 21वें द्विवार्षिक सम्मेलन में "गतिहीन महिलाओं के स्थिर संतुलन पर आसनों का प्रभाव" नामक एक पत्र प्रस्तुत किया।

आदित्य महतो, रिसर्च स्कॉलर

- 29.10.2021-30.10.2021: शारीरिक शिक्षा और खेल विभाग, यशवंतराव चव्हाण विज्ञान संस्थान, सतारा, महाराष्ट्र, भारत और इंटरनेशनल फेडरेशन फॉर फिटनेस, हेल्थ, फिजिकल एजुकेशन एंड आयरन गेम्स, सऊदी अरब द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "हाल ही में फिटनेस और स्वास्थ्य में रुझान (आईसीआरटीएफएच - 2021)" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "छऊ नर्तकियों के लचीलेपन पर तुलनात्मक अध्ययन" नामक एक पत्र प्रस्तुत किया।
- 16.12.2021-18.12.2021: भारतीय खेल प्राधिकरण, लक्ष्मीबाई नेशनल कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन, त्रिवेंद्रम, द्वारा आयोजित इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कम्परेटिव फिजिकल एजुकेशन एंड

स्पोर्ट (2021) के 21वें द्विवार्षिक सम्मेलन में "छाऊ नर्तकियों की चपलता पर तुलनात्मक अध्ययन" नामक एक पत्र प्रस्तुत किया।

बापी दास, शोधार्थी

- 16.12.2021-18.12.2021: "स्कूल जाने वाले छात्रों के चयनित शारीरिक स्वास्थ्य घटक का एक अध्ययन जो पैदल, साइकिल और मोटर वाहनों द्वारा स्कूलों में आते हैं" पर मौखिक संचार प्रस्तुत किया।
- 29.03.2022-30.03.2022: 29-30.3.2022 को "अगले सामान्य दिनों में शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान की चुनौतियां और अवसर" पर महिसदल स्विमिंग क्लब द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विषय "तीन अलग-अलग यात्रा मोड का उपयोग करने के लिए स्कूल आने वाले छात्रों के बीएमआई और शरीर में वसा प्रतिशत पर एक जांच" संसाधन अध्यक्ष / अध्यक्ष / सह- अध्यक्ष / प्रतिभागी के रूप में एक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रकाशन:

पुस्तक:

- मित्रा, एस., बंधोपाध्याय, एन., और दास पी.के. (2022). बास्केटबॉल की मूल बातें- शिक्षण और कोचिंग पाठ्यक्रमों के लिए. आकांक्षा पब्लिशिंग हाउस। नई दिल्ली। आईएसबीएन: 9788183706315

पीयर-समीक्षा/संदर्भित/यूजीसी-केयर/आईसीएआर-एनएएएस सूचीबद्ध पत्रिकाओं में शोध पत्र:

समीरन मंडल

- भट्टाचार्य पी., चटर्जी एस. और मंडल, एस. (2022). न्यूरोकॉग्निटिव फिजियोलॉजी पर कराटे का प्रभाव: एक केंद्रित समीक्षा। न्यूरो इंडिया। 70(1):11-18. एचटीटीपीएस://डब्ल्यू डब्ल्यूडब्ल्यू डॉट न्यूरोलॉजीइंडिया डॉटकॉम/टेक्स्ट डॉट एसपी?2022/70/1/11/338688 (<https://www.neurologyindia.com/text.asp?2022/70/1/11/338688>)
- डे, ए., मंडल, एस. और घोष, एस.एन. (2021). "योगिक पोस्चर्स एंड ब्रेन वेव एक्टिवेशन: एन एक्सपेरिमेंटल अप्रोच", योग मीमांसा, 53(2), 91-99. एचटीटीपीएस://डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट वाईएम-कधाम डॉट इन (<http://www.ym-kdham.in>) आईपी: 103.218.237.48
- मंडल, एस. (2021) "योगासन के शारीरिक वर्गीकरण और सैद्धांतिक तंत्र की प्रस्तावित पहचान", आयुर्वेद और एकीकृत चिकित्सा जर्नल। 13(2):100484 एचटीटीपीएस://डी ओ आई डॉट ओ आर जी/10.1016/जे.जैम डॉट 2021 डॉट 06 डॉट 024. (<https://doi.org/10.1016/j.jaim.2021.06.024>)
- भट्टाचार्य, पी, चटर्जी, एस. और मंडल, एस. (2021). "न्यूरोट्रॉफिक तंत्र और मार्शल आर्ट प्रैक्टिशनर्स के दिमाग सेट में तनाव प्रेरित परिवर्तन: एक व्यवस्थित समीक्षा", संस्कृति के लिए इंडो आंदोलन:

अध्याय-2

मार्शल आर्ट्स एंथ्रोपोलॉजी जर्नल", 21(4), 64-74. एचटीटीपीएस://डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट रिसर्चगेट डॉट नेट/ प्रकाशन/354639428 (<https://www.researchगेट.नेट/publication/354639428>)

- मांझी, एम., मंडल, एस., और चटर्जी, एस. (2021) "ब्रेन पर प्रायोगिक अध्ययन के माध्यम से प्रोप्रियोसेप्टिव न्यूरोमस्कूलर फैसिलिटेशन के पीछे सैद्धांतिक तंत्र को समझना", इंडियन जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च, 11 (3), 89-94।
- चटर्जी, एस., मंडल, एस., और सिंह, डी. (मार्च 2021). "न्यूरोकॉग्निटिव वेरिबल्स पर 12 सप्ताह के योगिक प्रशिक्षण का प्रभाव: एक अर्ध-प्रयोगात्मक अध्ययन", इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन। 46(1):112-116. एचटीटीपीएस://डी ओ आई डॉट ओ आर जी 10.4103/आईजेसीएमडॉटआईजेसीएम_325_20. (10.4103/ijcm.IJCM_325_20)
- मांझी, एम., मंडल, एस. और चटर्जी, एस. (जनवरी 2021). "शारीरिक स्वास्थ्य पर शारीरिक सुविधा पर प्रोप्रियोसेप्टिव न्यूरोमस्कूलर सुविधा का महत्व फिजियोलॉजिकल फंक्शन एंड रिहैबिलिटेशन: ए नैरेटिव रिव्यू", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, 10(1), 11-14।
- मांझी, एम., और मंडल., एस. (2021) "शारीरिक फिटनेस पर प्रोप्रियोसेप्टिव न्यूरोमस्कूलर फैसिलिटेशन स्ट्रेचिंग का प्रभाव: ए क्रिटिकल एनालिसिस", जीएससी एडवांस्ड रिसर्च एंड रिव्यू, 6(01), 071—075. एचटीटीपीएस://डी ओ आई डॉट ओ आर जी/ एचटीटीपीएस://डी ओ आई डॉट ओ आर जी/ /10.30574/जीएससीएआरआर डॉट 2021 डॉट6 डॉट1 डॉट0010, (<https://doi.org/10.30574/gscarr.2021.6.1.0010>),

गोपाल चंद्र साहा

- गांगुली, एस., साहा, जी.सी., कर आर. और कर्मकार डी. (2021). "Vo2 मैक्स पर एलिवेशन ट्रेनिंग मास्क के साथ हाइपोक्सिक ट्रेनिंग का प्रभाव", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन, स्पोर्ट्स एंड हेल्थ, 9(1); 294-297, <https://doi.org/10.22271/kheljournal.2022.v9.i1e.2386>.
- हलदर, एस., और साहा, जी.सी. (2021). "भारतीय और विदेशी सॉकर खिलाड़ियों के बीच शारीरिक और मानसिक कौशल की एक पूछताछ", खेल और शारीरिक शिक्षा में प्रगति के जर्नल, 4(9), 202-207. <https://doi.org/10.36348/jaspe.2021.v04i09.002>.
- मंडल, एस., साहा, जी.सी., और मुर्मू, एम.के. (2021). "सॉकर प्लेयर्स की कोऑर्डिनेटिव एबिलिटीज: ए कम्परेटिव एनालिसिस", एशियन जर्नल ऑफ मेडिसिन एंड हेल्थ, 19(10): 16-23, <https://doi.org/10.9734/ajmah/2021/v19i10303781>
- मुर्मू, एम.के., और साहा जी.सी. (2021). "बुजुर्ग वयस्क जनजातियों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में मनोरंजक खेलों का प्रभाव", सऊदी जर्नल ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन, 21 (2) 59-63. https://doi.org/10.4103/sjms.sjms_17_21.

- घोष, डी. और साहा, जी.सी. (2022). "यो-यो इंटरमिटेंट एंडोरेस पर तुलनात्मक अध्ययन और तीन अलग-अलग बॉल गेम प्लेयर्स की बार-बार स्पिंट क्षमता", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन हेल्थ एंड स्पोर्ट्स साइंसेज, 11 (विशेष अंक), 74-85।

सुदर्शन विश्वास

- घोष, के., चटर्जी, के., और विश्वास, एस. (2021). "संशोधित बास टेस्ट और वाई बैलेंस टेस्ट के बीच संबंध: विश्वविद्यालय वॉलीबॉल खिलाड़ियों पर एक प्रयोग"। जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन रिसर्च, 8(3).20-24।
- घोष, के., विश्वास, एस., और चटर्जी, के. (मई-अगस्त 2021). "वॉलीबॉल खिलाड़ियों के गतिशील संतुलन और चयनित मानवशास्त्रीय चर: एक संबंध अध्ययन"। सरुदी जर्नल ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन, 21(2), 21:64-8।

महेश सावता खेतमालिश

- विश्वास, ए.के., और खेतमालिश, एम.एस. (2021). 'महामारी के दौरान स्कूली बच्चों की शैक्षणिक चिंता और मनोवैज्ञानिक समस्याओं पर एक अध्ययन: कोविड 19 खेल गतिविधियों में भागीदारी के संदर्भ में', शारीरिक शिक्षा, खेल और स्वास्थ्य के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल 9 (1), 96-98।
- प्रसाद, आर. और खेतमालिश, एम.एस. (2021). 'रिलेशनशिप विद फुटबॉल स्किल टेस्ट विद यो-यो इंटरमिटेंट रिकवरी टेस्ट', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी, न्यूट्रिशन एंड फिजिकल एजुकेशन, 6 (2): 14-16.
- दुबे, बी.के. और खेतमालिश, एम.एस. (2021). 'महिला खेल भागीदारी के निर्धारक: एक कारक विश्लेषण', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन, स्पोर्ट्स एंड हेल्थ 8(4), 136-139.
- दुबे, बी.के. और खेतमालिश, एम.एस. (2021). 'महिलाओं की खेल भागीदारी पर कारकों का प्रभाव: एक क्रॉस सेक्शनल स्टडी', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी, न्यूट्रिशन एंड फिजिकल एजुकेशन 6 (2): 01-04।
- प्रसाद, आर. और खेतमालिश, एम.एस. (2021). 'भारत के पूर्व और उत्तर क्षेत्र के यो-यो इंटरमिटेंट रिकवरी टेस्ट के प्रदर्शन के साथ हॉकी कौशल परीक्षण पर एक सहसंबंध अध्ययन', जर्नल ऑफ स्पोर्ट्स साइंसेज एंड न्यूट्रिशन 2(1), 104-105.
- विश्वास, ए.के. और खेतमालिश, एम.एस. (2021). 'स्कूली राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भाग लेने वाले क्रिकेटरों और शटलरों के बीच खेल प्रतिस्पर्धात्मक चिंता का एक अध्ययन' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी, न्यूट्रिशन एंड फिजिकल एजुकेशन, 7 (1): 92-94।

अध्याय-2

कल्लोल चटर्जी

- चटर्जी, के., एस. समहर और दास, एम. (2021). "सरकारी और गैर-सरकारी बी.पी.एड के बीच सामान्य मोटर क्षमता पर एक तुलनात्मक अध्ययन। कॉलेज स्टूडेंट्स", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट रिसर्च.13(7),18326-18328
- घोष, के., चटर्जी, के., विश्वास, एस. (2021), 'रिलेशन बिटवीन मॉडिफाइड बास टेस्ट एंड वाई बैलेंस टेस्ट: एन एक्सपेरिमेंट ऑन यूनिवर्सिटी वॉलीबॉल प्लेयर्स', जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन रिसर्च। 8(3), 20-24।
- घोष, के., विश्वास, एस. और चटर्जी, के. (2021). 'डायनेमिक बैलेंस एंड सेलेक्टेड एंथ्रोपोमेट्रिक वेरिएबल्स ऑफ वॉलीबॉल प्लेयर्स: ए रिलेशनशिप स्टडी', सऊदी जर्नल ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन 21 (2) 64-68।

सेंतु मित्र

- महारा, ए., और मित्रा, एस. (2022). गतिहीन महिलाओं की आँख-हाथ समन्वय क्षमता पर आसनों का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी, न्यूट्रिशन एंड फिजिकल एजुकेशन। 7(1), 21-23. <https://doi.org/10.22271/journalofsport.2022.v7.i1a.2417>
- महारा, ए., मित्रा, एस., और बंधोपाध्याय, एस. (जनवरी-जून 2022), गतिहीन महिलाओं के गतिशील संतुलन पर आसनों का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन, स्पोर्ट्स एंड हेल्थ। 9(1), 32-34. <https://doi.org/10.22271/kheljournal.2022.v9.i1a.2336>

अभिजीत थंडर

- मन्ना, सी., थंडर, ए. (2021). "मोटे पुरुषों के बॉडी मास इंडेक्स पर सूर्यनमस्कार और ब्रिस्क वॉकिंग प्रैक्टिस का अनुकूलन", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स 9(8),775-781. <http://www.ijcrt.org/papers/IJCRT2108095.pdf>
- मन्ना, सी. और थंडर, ए. (2021). "सूर्यनमस्कार का एक तुलनात्मक अध्ययन और क्रिकेट में तेज गेंदबाजी प्रदर्शन पर गतिशील खिंचाव"। एप्लाइड रिसर्च के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 7(5):20-23. 10.22271/allresearch.2021.v7.i5a.8538, 2394-5869
- मन्ना, सी. और थंडर, ए. (मई-2021). "सूर्यनमस्कार के तुलनात्मक प्रभाव और तेज गेंदबाजी में क्रिकेट विशिष्ट मोटर प्रदर्शन पर गतिशील खिंचाव", उभरती प्रौद्योगिकियों और अभिनव शोध के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 8(5), ए241-ए245. <http://www.jetir.org/papers/JETIR2105028.pdf>

अवशेष सुब्बा

- सुब्बा, ए. (2021). खेल में महिलाओं की भागीदारी को कम करने वाली पितृसत्ता: महिला छात्र एथलीटों की अभिव्यक्तियाँ। खेल, स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 3(2), 5-9.

- सुब्बा, ए. और राय, एस. (2022). उत्तर बंगाल, भारत के विभिन्न जातीय समूहों से संबंधित फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच खेल-पोषण ज्ञान के बारे में जागरूकता के स्तर की खोज करना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी। 7(3) 41-46.

अशोक मुखर्जी

- मुखर्जी, ए., गायन, एन., और दास, डी. (2021). मध्यम आयु वर्ग के लोगों के स्वास्थ्य संबंधी शारीरिक स्वास्थ्य पर चलने के हस्तक्षेप के विभिन्न मॉड्यूल का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स (आईजेसीआरटी), 9(8): e235-e246. <https://ijcrt.org/papers/IJCRT2108475.pdf>
- मुखर्जी, ए. और विश्वास, आर.ए. (2021). विभिन्न खिलाड़ियों के बीच माइंडफुलनेस पर एक तुलनात्मक अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ फिजिकल एजुकेशन, स्पोर्ट्स एंड हेल्थ 8(5): 01-04 <https://www.kheljournal.com/archives/2021/vol8issue5/PartA/8-4-91-974.pdf>
- मुखर्जी, ए., और शेख, एस.ए. (2022). खेल में अंधविश्वासी अनुष्ठान व्यवहार: विभिन्न एथलीटों के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन। जर्नल ऑफ़ स्पोर्ट्स रिसर्च, 9(1): 36-48. <https://doi.org/10.18488/90.v9i1.2912>

पीयर समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्रों की संख्या: 34

व्यक्तिगत प्रकाशन:

ए) एकल लेखक : 01

बी) संयुक्त लेखक: 33

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियां/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियां और विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया।

- 18.05.2021-30.06.2021: ऑनलाइन मोड के माध्यम से शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग के संकायों द्वारा COVID-19 महामारी की स्थिति के दौरान विश्वभारती स्कूलों के सभी बच्चों और विश्वभारती परिवार के कर्मचारियों के लिए किड्स फिटनेस प्रोग्राम।

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी:

इस अवधि के दौरान पीएच.डी. डिग्री पुरस्कार:

क्रमांक सं.	पीएच.डी.विद्वान का नाम	पर्यवेक्षक	पुरस्कार की तिथि
1.	मेरिलिन गोगोई	डॉ कल्लोल चटर्जी	02.08.2021
2.	लैशराम बिक्रम सिंह	डॉ. सेंटु मित्रा	16/08/2021
3.	राजकुमार माजी	डॉ. सुदर्शन विश्वास	02/02/2022

योग कला और विज्ञान विभाग

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / एसएलईटी और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम।

क्रमांक	परीक्षा उत्तीर्ण करने की तिथि	छात्र नाम	परीक्षा	पंजीकरण संख्या / रोल नंबर
1.	19.02.2022	सुशील प्रसाद महतो	यूजीसी - नेट	डब्ल्यूबी 02001181
2.	19.02.2022	मनोज प्रसाद सिंह	यूजीसी - नेट	डब्ल्यूबी 02001083
3.	19.02.2022	एसा चौधरी	यूजीसी - नेट	डब्ल्यूबी 02001131

विभागीय संगोष्ठी (वक्ताओं, संगोष्ठी का शीर्षक, तिथि):

- 19.06.2021: विभाग और इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योगिक साइंसेज (आईयूसी-वाईएस), यूजीसी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने संयुक्त रूप से "कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई: योग के माध्यम से रोकथाम, देखभाल और पुनर्वास" पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।
- 20.06.2021: विभाग और इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योगिक साइंसेज (आईयूसी-वाईएस), यूजीसी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने संयुक्त रूप से "कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई: योग के माध्यम से रोकथाम, देखभाल और पुनर्वास" पर ऑनलाइन मोड में राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।
- 07.03.2022-08.03.2022: भारतीय ज्ञान प्रणाली विभाग और उत्कृष्टता केंद्र, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, भारत ने संयुक्त रूप से ऑनलाइन मोड में "भारतीय ज्ञान प्रणाली पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला" पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि।

परिचिति साहा

- 21.09.2021: छत्तीसगढ़ में रॉयल कॉलेज, लालबाग राजनांदगा द्वारा आयोजित सभी संकाय के लिए 7 दिनों में "समाज की वर्तमान आवश्यकता को पूरा करने के लिए शिक्षण शिक्षण को समृद्ध करना" पर व्याख्यान दिया गया।
- 01.12.2021: जगदीश बोस नेशनल साइंस टैलेंट सर्च (जेबीएनएसटीएस), उच्च शिक्षा विभाग, जी ओ डब्ल्यू बी और विज्ञान प्रसार (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार) द्वारा आयोजित "योगिक प्रथाओं के साइकोफिजियोलॉजी" पर एक व्याख्यान दिया।
- 26.02.2022: नंदनपुर शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान द्वारा आयोजित सभी शिक्षकों के लिए 7 दिनों में "योग शिक्षा पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार: आत्मबोध और विकास" पर व्याख्यान दिया।

रूपेश कुमार

- 16.06.2021: गृह विज्ञान विभाग, विवेकानंद पी.जी. कॉलेज, कोरिया, छत्तीसगढ़, राष्ट्रीय सेवा योजना और आईक्यूएसी, सरकार द्वारा आयोजित 7 दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रदर्शन के साथ "स्वस्थ जीवन शैली: योग और बुनियादी नियमों का परिचय" पर व्याख्यान दिया।
- 20.06.2021: शारीरिक शिक्षा विभाग, दयानंद कॉलेज, हिसार, हरियाणा द्वारा आयोजित योग कार्यशाला में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक संभाषण और व्यावहारिक योगासन सत्र दिया।
- 26.11.2021: स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय, उत्तराखंड में अतिथि व्याख्यान दिया
- 22.06.2021: योग विज्ञान विभाग, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित "व्यक्तित्व विकाससेवा जीवन प्रबंधन हेतु योगिक उपाय" पर 7 दिवसीय कार्यशाला में "कल्याण के लिए योग" पर एक संभाषण और व्यावहारिक योगासन सत्र दिया गया।

विभाग में चल रही शोध परियोजनाएं:

शिक्षक का नाम- प्रो. समीरन मंडल

परियोजना का नाम: ए. "बंगाल में कपिल मुनि की योग विरासत," बी. "योगिक-वैज्ञानिक महान योगी स्वामी विवेकानंद के वैज्ञानिक योगदान का अध्ययन करने के लिए."

प्रायोजक एजेंसियां: कैवल्यधाम योग संस्थान, लोनावला, महाराष्ट्र नॉलेज पार्टनर के रूप में।

शिक्षक का नाम: सुश्री परिचित साहा

परियोजना का नाम: अनाथ घरों में रहने वाले अनाथों पर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर योगाभ्यास का प्रभाव।

शिक्षक का नाम: श्री रूपेश कुमार

परियोजना का नाम: छात्रों के बीच कुछ शारीरिक और मनोवैज्ञानिक चर पर 'ओम्' जप का तत्काल प्रभाव

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियां/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियां और विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया।

- 15.05.2021: महर्षि देवेन्द्रनाथ टैगोर का 204वां जन्मदिन और योग कला और विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित योगिक कला और विज्ञान विभाग का 5वां स्थापना दिवस (ऑनलाइन मोड के माध्यम से),
- 18.05.2021-30.06.2021: योगिक कला और विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर सुश्री परिचित साहा द्वारा सभी संकायों, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए योग अभ्यास।
- 18.05.2021-30.06.2021: श्री रूपेश कुमार, सहायक प्रोफेसर, योगिक कला और विज्ञान विभाग द्वारा सभी छात्रों के लिए योग अभ्यास।

अध्याय-2

- 18.05.2021-30.06.2021: सुश्री परिचिति साहा, सहायक प्रोफेसर, योगिक कला और विज्ञान विभाग द्वारा कोविड होम क्वारंटाइन के लिए योग अभ्यास।
- 18.05.2021-30.06.2021: सुश्री परिचिति साहा, सहायक प्रोफेसर, योगिक कला और विज्ञान विभाग द्वारा कोविड से ठीक हुए रोगियों के लिए योग अभ्यास।
- 14.05.2021-18.06.2021: योग कला और विज्ञान विभाग, विनय भवन, विश्व-भारती और इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योगिक साइंसेज (आईयूसी-वाईएस), यूजीसी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से योग और भारतीय संगीत (संगीत चिकित्सा) का आयोजन किया गया।
- 20.05.2021-06.10.2021: कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई: योग कला और विज्ञान विभाग, विनय भवन, विश्वभारती और इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर (आईयूसी-वाईएस), यूजीसी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'योग' इंटर यूनिवर्सिटी लयबद्ध योग प्रतियोगिता के माध्यम से रोकथाम, देखभाल और पुनर्वास योग विज्ञान का आयोजन किया गया।
- 21.06.2021: योग कला और विज्ञान विभाग, विनय भवन, विश्व-भारती और इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योगिक साइंसेज (आईयूसी-वाईएस), यूजीसी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 7वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया।
- 20.05.2021-06.10.2021: श्री सुमन भट्टाचार्य, संगीत भवन द्वारा "भक्ति योग: रवींद्र संगीत और कीर्तन", योग कला और विज्ञान विभाग, विनय भवन, विश्व-भारती और इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योगिक साइंसेज (आईयूसी-वाईएस), यूजीसी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार। द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।
- 29.08.2021: "आपदा प्रबंधन जागरूकता" पर ऑनलाइन व्याख्यान के साथ राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह

प्रकाशन:

रूपेश कुमार

पुस्तक अध्याय

- योगेवं विश्वशांति पुस्तक, "व्यक्ति के दृष्टिकोण को बदलकर एक शांतिपूर्ण दुनिया की ओर योग" प्राच्यविद्या एवं जैन संस्कृति संरक्षण संस्थान द्वारा प्रकाशित। लेखक: रूपेश कुमार, डॉ. सुनील कुमार। आईएसबीएन: 978-81-952985-9-5

पत्रिका

- दुआ आर, मलिक एस, भदौरिया एस, कुमार आर चेर योग (सितंबर 2021), जर्नल ऑफ मेडिकल एविडेंस। 2(3):262. ISSN-2667-0720

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना।

- i. शिक्षण उद्देश्यों के लिए गूगलकक्षा और मूडल जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग।
- ii. छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों द्वारा पीपीटी प्रस्तुतियाँ।
- iii. शैक्षिक उद्देश्यों के लिए छात्रों को मॉडल तैयार करना।
- iv. छात्रों को असाइनमेंट प्रदान करना।

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी:

क. एमएससी योग दिसंबर 2020 से शुरू हुआ।

ख. शोध प्रयोगशाला सितंबर 2020 से खुली।

ग. योग और प्राकृतिक चिकित्सा क्लिनिक जनवरी 2021 से खोला गया।

योगिक कला और विज्ञान विभाग पारंपरिक प्राचीन भारतीय संस्कृति को ध्यान में रखते हुए एक ओपन एयर स्कूल है। "योग ग्राम (योग ग्राम)" जोरों पर है। आसन, प्राणायाम, क्रिया, मुद्रा और ध्यान की कुटिया कदम दर कदम विकसित की जाएँगी। दीनबंधु एंड्रयूज मेमोरियल अस्पताल, विश्वभारती में यूजी और पीजी पाठ्यक्रमों के इंटरनशिप कार्यक्रम के तहत आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा उपचार की पेशकश की जा चुकी है। विभाग के पास ही आयुर्वेदिक उद्यान विकसित होगा, जिसमें विलुप्त और लुप्तप्राय भारतीय औषधीय पौधों और जड़ी-बूटियों को संरक्षित करने के लिए व्यावहारिक कक्षाओं और इच्छुक आगंतुकों के लिए एक भूनिर्माण उद्यान होगा।

पल्ली संगठन विभाग (ग्रामीण पुनर्निर्माण संस्थान)

टैगोर ने 1922 में ग्रामीण पुनर्निर्माण संस्थान की स्थापना के माध्यम से "श्रीनिकेतन प्रयोग" की शुरुआत की। बाद में इसे एक प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में बाहरी दुनिया द्वारा भी स्वीकार किया गया और प्रशंसित किया गया। टैगोर के शब्दों में, उनके कार्यक्रम का उद्देश्य था "गांवों में जीवन को उसकी पूर्णता में वापस लाना, उन्हें आत्मनिर्भर और स्वाभिमानी बनाना, अपने देश की सांस्कृतिक परंपरा से परिचित होना और इसका कुशल उपयोग करने के लिए सक्षम बनाना। उनकी भौतिक, बौद्धिक और आर्थिक स्थितियों में सुधार के लिए आधुनिक संसाधन"। टैगोर का ग्रामीण पुनर्निर्माण का मिशन चार सिद्धांतों पर आधारित था - स्वार्थ, स्वाभिमान, आत्मनिर्भर और काम में आनंद। अब, ग्रामीण पुनर्निर्माण संस्थान (यानी पल्ली संगठन विभाग) सक्रिय रूप से आसपास के गांवों की स्थिति में सुधार करने में लगा हुआ है और इसमें चार शैक्षणिक विभाग भी हैं जो शोध सुविधाओं के साथ बहुत ही संरचित तरीके से शिक्षा प्रदान करते हैं। चार विभागों में सामाजिक कार्य विभाग, शिल्पा-सदना विभाग, ग्रामीण अध्ययन विभाग (पल्ली चर्चा केंद्र), और आजीवन शिक्षा और विस्तार विभाग (ग्रामीण विस्तार केंद्र) शामिल हैं। ग्रामीण पुनर्निर्माण के एक सामान्य लक्ष्य के साथ प्रत्येक विभाग के अपने उद्देश्य और कार्य होते हैं।

सामाजिक कार्य विभाग सामाजिक कार्य में तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जो सम्मान के साथ सामाजिक कार्य में स्नातक (बीएसडब्ल्यू ऑनर्स) की डिग्री प्रदान करता है। और सामाजिक कार्य में दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम जो सामाजिक कार्य में परास्नातक (एमएसडब्ल्यू) की डिग्री प्रदान करता है। विभाग के पास सामाजिक कार्य में पीएचडी कार्यक्रम भी है। शिल्पा-सदना विभाग 1922 में अपनी स्थापना के बाद से कुटीर उद्योग और शिल्प में दिए गए तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए अच्छी तरह से परिचित है। इसकी कलात्मक और अभिनव शिल्प उत्पादों के माध्यम से लोगों के स्वाद को समृद्ध करने की एक लंबी परंपरा भी है। इसने एक बार भारत के पतनशील ग्रामीण उद्योगों और शिल्प क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में नेतृत्व की भूमिका निभाई थी। विभाग पीएचडी कार्यक्रम, 2-वर्षीय मास्टर ऑफ डिज़ाइन प्रोग्राम, 4-वर्षीय बैचलर ऑफ डिज़ाइन, और 2-वर्षीय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रदान करता है: i) हाथ से बने कागज बनाना, ii) कलात्मक चमड़े का काम, iii) लकड़ी का काम, iv) मिट्टी के बर्तन, और v) हथकरघा बुनाई। ग्रामीण अध्ययन विभाग (पल्ली चर्चा केंद्र) एक स्नातक पाठ्यक्रम (ग्रामीण अध्ययन स्नातक, बीआरएस) और ग्रामीण अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (ग्रामीण अध्ययन के परास्नातक, एमआरएस) में पूरे जोरों पर चल रहा है और पीएच.डी. सामाजिक विज्ञान में पाठ्यक्रम।

आजीवन शिक्षा और विस्तार विभाग (आरईसी) ने तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में काम करने के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण अपनाया है। शिक्षण, शोध और विस्तार और फील्ड आउटरीच कार्यक्रम। शिक्षण और शोध कार्यक्रम I. ग्रामीण प्रबंधन में दो वर्षीय मास्टर डिग्री II। नियमित पीएच.डी. कार्यक्रम। III. विभिन्न वित्त पोषण एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित नियमित शोध कार्यक्रम।

पल्ली संगठन विभाग (पीएसवी) के तहत चार विभागों के अस्तित्व के अलावा, इसकी एक संगीत इकाई है जो मुख्य रूप से विश्व-भारती द्वारा अपनाए गए आसपास के गांवों के रवींद्र संगीत और नृत्य पर लड़कों और लड़कियों के प्रशिक्षण के लिए काम कर रही है। केंद्रीय पुस्तकालय, शांतिनिकेतन के प्रशासनिक नियंत्रण में भवन के परिसर में एक पुस्तकालय भी है। पुस्तकालय में संबंधित विभागों के संबंधित शैक्षणिक कार्यक्रमों की पुस्तकों के अलावा महत्वपूर्ण पत्रिकाओं, पत्रिकाओं, दैनिक समाचार पत्रों आदि तक पहुंचने के लिए पर्याप्त सुविधाएं हैं।

अंतिम लेकिन कम से कम, श्रीनिकेतन एक ऐसा स्थान है जो टैगोरियन काल से सांस्कृतिक आदान-प्रदान में उत्कृष्टता प्राप्त करता है। यह समारोहों/त्योहारों के आयोजन के माध्यम से होता है और पीएसवी इस संदर्भ में सक्रिय रूप से भाग लेता है। आम त्योहारों में हलकारसन उत्सव, सिलपोत्सव, श्रीनिकेतन वार्षिक उत्सव और माघ मेला शामिल हैं। त्यौहार स्थानीय ग्रामीणों के बीच बातचीत के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करते हैं और उनकी रचनाओं पर विशिष्टता प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं।

आजीवन शिक्षा और विस्तार विभाग (ग्रामीण विस्तार केंद्र)

नेट (यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर)/सेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

1. अर्पिता हाजरा
2. स्वागत चक्रवर्ती
3. कृष्णेंदु शॉ

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनीआदि/अध्यक्षता/मूल्यांकन/प्रस्तुति शिक्षक/शोध विद्वानों द्वारा की गई।

- 23.9.2021- 25.9.2021: "भारत में महिला परिवार आधारित उद्यमिता: कलाकारों, कारीगरों, उद्यमियों के साथ सीधे बातचीत का अवसर" पर अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन का आयोजन सितंबर के दौरान विश्वभारती में क्लैफ्लिन विश्वविद्यालय, दक्षिण कैरोलिना, अमेरिका के सहयोग से आयोजित किया गया।।

सुजीत कुमार पॉल

- 25.03.2021— 26.03.2021: एनआईआरडीपीआर-एनईआरसी, गुवाहाटी द्वारा आयोजित "पूर्वोत्तर राज्यों में जनजातीय स्थानीय स्वशासन प्रणाली: मुद्दे, चुनौतियां और आगे का रास्ता" पर वेबिनार के दौरान "भौतिक संस्कृति और जनसंचार माध्यम: संतालों के बीच बदलती स्थिति पर एक अध्ययन" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 25.03.2021- 26.03.2021: एनआईआरडीपीआर-एनईआरसी, गुवाहाटी द्वारा आयोजित "पूर्वोत्तर राज्यों में जनजातीय स्थानीय स्वशासन प्रणाली: मुद्दे, चुनौतियां" पर वेबिनार के दौरान "पारंपरिक ग्राम परिषद के बदलते रुझान: बीरभूम, पश्चिम बंगाल के संतों के बीच एक अध्ययन" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 15.06.2021: ग्रामीण विकास विभाग, यूएसटीएम, मेघालय द्वारा आयोजित 15-20 जून, 2020 के दौरान ऑनलाइन व्याख्यान शृंखला के दौरान "शिक्षा और समाज: महामारी के बाद की चुनौतियां" पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया।
- 23.07.2021: विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित "भारत में महिला परिवार आधारित उद्यमिता" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "परिवार आधारित उद्यमिता: संताल महिलाओं के बीच एक अध्ययन" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 10.12.2021-12.12.2021: ग्लोबल एनर्जी पार्लियामेंट, तिरुवनंतपुरम, केरल। द्वारा आयोजित 11वीं ग्लोबल एनर्जी पार्लियामेंट में "वैश्विक शिक्षा नीति के लिए संपूर्ण चेतना की कल्पना" विषय पर आयोजित "सामाजिक उत्तरदायित्व हासिल करने में शैक्षिक संस्थान" पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

- 08.01.2022: निस्तारिणी कॉलेज, पुरुलिया और खेजुरी कॉलेज, पूर्वी मेदिनीपुर द्वारा आयोजित "महामारी और मानव इतिहास का आकार" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के वेबिनार के दौरान "विकास एजेंसियों और COVID-19" पर एक विशेष व्याख्यान दिया।
- 14.03.2022: सामाजिक इंजीनियरिंग विभाग, समाजशास्त्र विभाग, राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, चेन्नई द्वारा आयोजित "युवा उद्यमियों द्वारा डिजिटल लेनदेन के उपयोग का अध्ययन और पश्चिम बंगाल के बीरभूम और नदिया जिले में उद्यम चलाने के लिए ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास (केएपी) पर इसके प्रभाव" पर शोध परियोजना के विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।
- 26.03.2022: जेवियर बिजनेस स्कूल (एसएक्सयूके), जेवियर विश्वविद्यालय, कोलकाता। द्वारा आयोजित 25 और 27 मार्च 2022 के दौरान "सामाजिक परिवर्तन के लिए नेताओं" विषय पर "टैगोर के दृष्टिकोण से गांवों का पुनर्निर्माण" (ग्रामीण पुनर्निर्माण का टैगोरियन मॉडल) विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

रफीकुल इस्लाम

- 23.09.2021 - 25.09.2021: इस दौरान "बंगाल डूअर्स, पश्चिम बंगाल के चाय बागानों में आजीविका विविधीकरण और निर्वाह चुनौतियों" पर एक पेपर प्रस्तुत किया, जिसका आयोजन डिपार्टमेंट ऑफ लाइफ्लॉन्ग लर्निंग एंड एक्सटेंशन क्लैफ्लिन यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा किया गया था।

शुभ्रांशु सांतरा

- 21.06.2021—25.06.2021: एनआईआरडीपीआर-एनईआरसी, ग्रामीण विकास मंत्रालय, गुवाहाटी, भारत द्वारा आयोजित ग्रामीण विकास में शोध पद्धति पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति।

विभाग में चल रही शोध परियोजनाएं

अमित कुमार हाजरा

1. परियोजना का नाम - 24x7 बिजली सुनिश्चित करने के लिए असम के एक सुदूर गांव में सौर-हाइड्रो पंप भंडारण योजना का विकास, शोध और पायलट पैमाने पर स्थापना
प्रायोजन एजेंसी - विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार
स्वीकृत राशि - रु. 2,60,06,500/-
2. परियोजना का नाम - जैव-ऊर्जा, उर्वरक और आक्रामक मैक्रोफाइट्स से स्वच्छ पानी:
BEFWAM
प्रायोजक एजेंसी - बीबीएसआरसी, यूके
स्वीकृत राशि - GBP262595/-

अध्याय-2

3. परियोजना का नाम - यूएसए-इंडिया पार्टनरशिप 2020: पश्चिम बंगाल में महिला परिवार आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देना.
प्रायोजन एजेंसी - क्लैफ्लिन विश्वविद्यालय, दक्षिण कैरोलिना, यूएसए के माध्यम से यूएसए संघीय सरकार
स्वीकृत राशि - यूएसडी 29,027/-
4. परियोजना का नाम - एकीकृत वर्षा जल संचयन और सौर पीवी जल पम्पिंग प्रणाली पर आधारित सामुदायिक जल आपूर्ति योजना।
प्रायोजन एजेंसी - विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार
स्वीकृत राशि - रु. 1,39,22,880/-

शुभ्रांशु सांतरा:

- परियोजना का नाम - सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम - 2013, चरण - II के कार्यान्वयन का समवर्ती मूल्यांकन।
प्रायोजक एजेंसी - उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग, नई दिल्ली।
स्वीकृत राशि - 4.84 लाख प्रति वर्ष

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया।

शिक्षा और विस्तार विभाग (ग्रामीण विस्तार केंद्र) विश्वभारती के सबसे पुराने विभागों में से एक है। एक महान पुरस्कार विजेता और विश्वविद्यालय के संस्थापक गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा शुरू किए गए श्रीनिकेतन प्रयोग (1922) की शुरुआत के बाद से विभाग आसपास के ग्रामीणों की स्थिति में सुधार के लिए विस्तार गतिविधियों में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। समाज की बढ़ती मांगों को ध्यान में रखते हुए, आजीवन शिक्षा और विस्तार विभाग (आरईसी) ने भी अपने कार्यक्षेत्र का विस्तार किया। वर्तमान में, विभाग श्रीनिकेतन के आसपास के 55 गांवों में विस्तार और फील्ड आउटरीच सेवाएं प्रदान कर रहा है। वर्तमान में, विभाग ने 56 और गांवों की पहचान की है और कुल 106 गांवों में काम करने की पहल की गई है।

विभाग के विस्तार कार्यक्रमों का परिचालन क्षेत्र:

कवर किए गए ब्लॉक: 02 1) बोलपुर-श्रीनिकेतन 2) इलामबाजार
ग्राम पंचायत: 08

पंचायतों के नाम: बोलपुर-श्रीनिकेतन ब्लॉक के तहत: 1) रायपुर-सुपुर 2) कोंकली 3) सत्तोर 4) कोस्बा 5) सैन-मुलुक 6) रूपपुर 7) अलबंदा-सोरपलेहना

इलामबाजार ब्लॉक के तहत: 8) इलामबाजार।

कुल कवर किए गए गांव: मौजूदा 55 (पचास) गांवों को धीरे-धीरे शामिल करने की पहल की गई है।

मौजूदा 56 गांवों में जाति वर्चस्व के मामले में गांवों की प्रकृति:

क) अनुसूचित जनजाति बहुल गांवों की संख्या: 09

ख) अनुसूचित जाति बहुल गांवों की संख्या: 04

ग) अल्पसंख्यक बहुल गांवों की संख्या: 06

घ) मिश्रित जाति के गांवों की संख्या: 36

आरईसी की विविध और बहुआयामी गतिविधियों में निम्नलिखित सबसे महत्वपूर्ण हैं:-

I) ग्राम विकास समितियाँ (वीडीएस)

गांवों में स्थित ग्राम विकास समितियों (वीडीएस) के माध्यम से किए गए और कार्यान्वित गांवों में ग्रामीण पुनर्निर्माण कार्य विभाग के साथ निकटता और सक्रिय रूप से जुड़े थे। ग्राम विकास समितियाँ विभाग की विभिन्न विस्तार गतिविधियों को लागू करने के साथ-साथ तैयार करने के लिए जमीनी स्तर पर काम कर रही हैं।

ग्राम विकास समितियाँ आजीवन शिक्षा और विस्तार विभाग (आरईसी) की सेवाओं का केंद्र बिंदु हैं। इसके अलावा, सभी कमांड क्षेत्र के गांवों को पांच समूहों के तहत समूहीकृत किया गया था। पांच समूहों के नाम रथींद्र, कविगुरु, प्रतिमादेवी, एल्महर्स्ट, कालीमोहन हैं और इन सभी समूहों ने अपने-अपने गांवों में विकास गतिविधियों के लिए नियमित अंतराल पर अपनी बैठकें आयोजित की हैं।

ग्राम विकास समितियाँ एक नजर में

ग्राम विकास समितियों के प्रकार (वर्तमान में कार्यरत)	संख्या	शामिल गांवों की संख्या	पंजीकरण अधिनियम के अंतर्गत
युवा समाज	44	55	43
महिला समितियाँ	12	12	10
स्वास्थ्य समाज	1	1	1

इस वर्ष के दौरान, वीडीएस को निर्माण कार्यों, विद्युतीकरण, सोसायटी भवनों की मरम्मत, आवश्यक सामग्री की खरीद आदि के लिए आंशिक वित्तीय सहायता दी गई थी। ग्राम विकास समितियों को सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, वृक्षारोपण के संचालन के लिए आंशिक वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाती है। स्थानीय लोगों, संसाधनों और संस्थानों को शामिल करके अपने-अपने गांवों में खेल और अन्य विस्तार कार्यक्रम। विभाग द्वारा विस्तार कार्यक्रमों के लिए विभाग के परिचालन

अध्याय-2

क्षेत्र में अधिक ग्राम विकास समितियों (वीडीएस) को शामिल करने और संगठित करने की पहल भी की गई है।

इस वर्ष ग्राम विकास समितियों के सचिवों के साथ एक बैठक हुई। श्रीनिकेतन के शताब्दी समारोह के अवसर पर "विस्तार कार्यक्रम: योजना, निष्पादन और आगे का रास्ता" पर ग्राम विकास समितियों के सचिवों के साथ एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कोविड-19 महामारी के दौरान ग्राम विकास समितियों की पहल:

इस वर्ष ग्राम विकास समिति ने अपने गांवों में महामारी कोविड 19 की रोकथाम के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाई है। ग्राम विकास समितियों के युवा सदस्य लोगों को मास्क पहनने और सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए जागरूक करने के लिए आगे आते हैं।

II. महिला समितियां (महिला मंच):

महिला सशक्तिकरण अपने शुरुआती दिनों से ही विभाग के हस्तक्षेप क्षेत्रों में से एक है। महिला सशक्तिकरण के लिए विभाग की स्थापना के समय से ही गांवों में महिला समितियों के गठन की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। महिलाओं से संबंधित सामाजिक मुद्दों को संबोधित करना महिला समितियों का मुख्य कार्य है। वर्तमान में, विभाग के परिचालन क्षेत्र में 12 महिला समितियां हैं और विभाग के तहत सुरुल स्वास्थ्य समिति द्वारा एक और महिला समिति बनाने की पहल की गई है जिसमें 100 महिलाएं शामिल हैं। महिला सशक्तिकरण के संबंध में महिला समितियों के सक्रिय सहयोग से विभिन्न प्रकार की जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। श्रीचंद्रपुर महिला समितियों ने इस वर्ष 20 नवंबर 2021 को अपने गांव में स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया है।

महिला समितियां एक नजर में

महिला समितियों की संख्या	शामिल किए गए गांवों की संख्या	पंजीकृत सोसायटियों की संख्या
12	12	10

III. ब्रती संगठन:

9 से 14 वर्ष की आयु के ग्रामीण लड़कों और लड़कियों को समूहों में लामबंद किया जाता है और गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के आदर्शों के आधार पर अपने स्वयं के प्रयासों से अपने-अपने गांवों में कल्याण और विभिन्न नवीन गतिविधियों के लिए प्रेरित किया जाता है। कार्यक्रम के उद्देश्य हैं:

- ब्रती संस्था के माध्यम से बच्चों में सामुदायिक सेवा की भावना का विकास करना

- गांवों में समूह में शारीरिक व्यायाम करना और ब्राटी संगठन के माध्यम से बच्चों के स्वस्थ दिमाग से स्वस्थ शरीर बनाना
 - बच्चों और समाज के बीच प्राकृतिक संतुलन और पर्यावरण शिक्षा के बारे में जागरूकता विकसित करने के लिए
 - समूह गतिशीलता के माध्यम से ब्राटी संगठन के बच्चों में नेतृत्व गुणों का विकास करना
- पिछले वर्ष के दौरान, महामारी की स्थिति और लॉकडाउन के कारण ब्रोटी बालक संगठन कार्यक्रम आयोजित करना संभव नहीं था, इस वर्ष के दौरान केवल दो ब्रोटी दल ने नैक (द्वितीय चक्र) टीम के सदस्यों को उनके पारंपरिक तरीके से गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

IV. स्वयं सहायता समूह (एसएचजी):

महिला सशक्तिकरण के लिए विभाग का एक और विशेष कार्यक्रम स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) का संगठन और पर्यवेक्षण और विकास करना है। कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य हैं-

- एसएचजी हस्तक्षेप के माध्यम से ग्रामीण लोगों विशेषकर ग्रामीण महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करना।
- ग्रामीण महिलाओं में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भरता और आत्मनिर्भरता की भावना का विकास करना।
- ग्रामीण महिलाओं में बचत की आदत विकसित करना।
- महिलाओं को अपने स्वयं के संसाधनों को जमा करने और अपनी आय सृजन के लिए इसका उपयोग करने में सक्षम बनाना।
- ग्रामीण समुदाय में सहयोग और स्वयं सहायता की भावना का विकास करना।

स्वयं सहायता समूह एक नजर में

विभाग के अंतर्गत कार्यरत स्वयं सहायता समूहों की संख्या	समूह (लिंग के अनुसार)	
	पुरुष	महिला
100	9	91

एसएचजी के साथ आयोजित गतिविधियां:

हमारे कमांड एरिया के गांवों में एसएचजी अपनी नियमित बैठकों, बचत, बैंकों के साथ जुड़ाव आदि के अलावा अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए विभिन्न उद्यमशीलता की पहल भी कर रहे हैं। जिसमें से मछली पालन, लघु व्यवसाय, कृषि और पशुधन गतिविधियाँ महत्वपूर्ण हैं। इस वर्ष के दौरान विभाग द्वारा कमरपारा गांव में "महामारी के समय में मातृत्व स्वास्थ्य देखभाल" पर जागरूकता

अध्याय-2

कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूहों की 69 महिलाओं और 29 छात्रों ने भाग लिया। डॉ. प्रियंका दास, एमबीबीएस, अविनाशपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बिरहम मुख्य संसाधन व्यक्ति थे। उन्होंने व्याख्यान दिया और कार्यक्रम में कुछ महिलाओं का मुफ्त इलाज भी किया।

V. ग्रामीण पुस्तकालय सेवाएं:

ग्रामीण पुस्तकालय सेवाएं आजीवन शिक्षा और विस्तार विभाग (ग्रामीण विस्तार केंद्र) की महत्वपूर्ण सेवाओं में से एक हैं, जिसके माध्यम से गांवों में साक्षरता और शिक्षा आंदोलन चलाया जाता है। इसके अलावा इस कार्यक्रम का एक अन्य उद्देश्य संबंधित गांवों में ग्रामीण पुस्तकालय को सूचना एवं सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित करना है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह कार्यक्रम राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन (आरआरआरएलएफ), कोलकाता के सक्रिय और वित्तीय सहयोग से 38 ग्रामीण पुस्तकालयों के नेटवर्क के माध्यम से चलाया गया है। ग्रामीण पुस्तकालयों के पुस्तकालयाध्यक्ष और सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष कार्यक्रम की शुरुआत से ही स्वेच्छा से काम कर रहे हैं।

कार्यक्रम के उद्देश्य हैं:

- गांव के पाठकों में नियमित रूप से पढ़ने की आदत विकसित करना।
- ग्रामीण पुस्तकालय को सांस्कृतिक संचार और सतत शिक्षा केंद्र के रूप में विकसित करना।
- ग्रामीण युवाओं और छात्रों में आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का विकास करना।
- ग्रामीण पुस्तकालय के पाठकों के बीच आधुनिक और उन्नत विज्ञान और प्रौद्योगिकी के संबंध में सभी अद्यतन जानकारी प्रदान करना।
- नव-साक्षरों के लिए अर्जित साक्षरता कौशल को बनाए रखना।
- सामान्य रूप से लोगों और विशेष रूप से छात्रों के ज्ञान के आधार को साझा करने, बनाए रखने और मजबूत करने के लिए ग्रामीण पुस्तकालय को केंद्र के रूप में विकसित करना।

ग्रामीण पुस्तकालय सेवाओं की झलक:

ब्लॉकों की संख्या	: 02 (बोलपुर-श्रीनिकेतन इलमबाजार)
ग्राम पंचायतों की संख्या	: 08
कवर किए गए गांवों की संख्या	: 40
ग्राम विकास समितियों की संख्या	: 38
कार्यात्मक पुस्तकालयों की संख्या	: 37
पुस्तकालय विशेष रूप से स्वास्थ्य उद्देश्य के लिए	: 01 (सुरुल हेल्थ सोसाइटी)
बाल पुस्तकालयों की संख्या	: 12

बच्चों के कॉर्नर की संख्या	: 08
वरिष्ठ नागरिक कॉर्नर की संख्या	: 01
कंप्यूटरों की संख्या	: 16
पुस्तकालय में इंटरनेट की सुविधा	: 02

पुस्तकों की स्थिति:

ग्रामीण पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या	: 1,47,457
वर्ष के दौरान खरीदी गई पुस्तकों की संख्या	: 3145

इस वर्ष के दौरान पुस्तकालय की गतिविधियाँ:

पुस्तकालय दिवस अवलोकन	: 08 पुस्तकालय
वॉल पत्रिका द्वारा प्रकाशित	: 02 पुस्तकालय
सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ	: 07 पुस्तकालय
केंद्रीय रूप से आयोजित कुल संगोष्ठी	: 08 नग।

ग्रामीण पुस्तकालय सेवाओं की अन्य गतिविधियाँ:

- 85 नग का वितरण। इस वर्ष प्रत्येक ग्रामीण पुस्तकालय में पुस्तकों (शीर्षक) की।
- 35 ग्रामीण पुस्तकालयों को 35 शीशे के दरवाजे वाली स्टील की अलमारी और 4 अलमारियों के साथ 5 डिब्बों का वितरण।
- 619 नग का संग्रह। वर्ष 2021-2022 के लिए पुस्तकों की नमूना प्रति।
- पुस्तकालय पाठकों को शामिल करते हुए अपने संबंधित पुस्तकालयों में विभिन्न अवसरों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए 15 पुस्तकालयों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।
- ग्रामीण पुस्तकालय सेवाओं की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए दो स्टैंडी फ्लेक्स तैयार करना।

विशेष पहल:

- 1) तीन नए गांवों में ग्रामीण पुस्तकालय सेवा नेटवर्क में 03 नए ग्रामीण पुस्तकालय शामिल हैं: सुंदीपुर, भीमपुर और देबग्राम। उन ग्रामीण पुस्तकालयों को भी वित्तीय वर्ष 2021-2022 से पुस्तकें व अन्य सुविधाएं मिल रही हैं।
- 2) आदित्यपुर प्रगति संघ पुस्तकालय ने अपने ग्रामीण पुस्तकालय के पाठकों को शामिल करते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों और अन्य गतिविधियों के साथ अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया।
- 3) नैक टीम ने नूरपुर अंबागन पल्ली उन्नयन समिति के तहत नूरपुर नेताजी ग्रंथागार का दौरा किया जहां वे पाठकों के साथ बातचीत करते हैं। नैक टीम द्वारा पाठकों और सोसाइटी की महिला समिति सदस्यों के साथ "संविधान दिवस" भी मनाया गया।

अध्याय-2

VI. कृषि विस्तार गतिविधियाँ:

यह विभाग आम तौर पर कृषि से संबंधित जागरूकता को बढ़ावा देता है और गांवों में कृषि विस्तार कार्य के विस्तार में वीडिएस की सहायता करता है। गांवों में बागवानी और जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए 13 चयनित ग्राम विकास समितियों (वीडीएस) के बीच आम और नींबू के पौधे वितरित किए गए। प्रत्येक वीडिएस को किसानों के बीच वितरण के लिए 7 आम और 7 नींबू के पौधे मिले। इस वर्ष विभाग द्वारा 11 फरवरी 2022 को श्रीचंद्रपुर चंद्राई गांव में "स्वास्थ्य शिक्षा और जैविक खेती" पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था। डॉ. सरोज रॉय, एक वयोवृद्ध चिकित्सक, कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति थे और उन्होंने स्वस्थ जीवन के लिए खाद्य मूल्य के साथ विभिन्न जैविक सब्जियों के प्रदर्शन के साथ अपना बहुमूल्य व्याख्यान दिया। जागरूकता कार्यक्रम में एमआरएम के 126 किसानों और 23 छात्रों ने भाग लिया।

VII. शिल्प संवर्धन कार्यक्रम:

गांवों के पारंपरिक शिल्प का प्रचार और पुनरुद्धार इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। विभाग केंद्र ने 2001 से ग्रामीण कारीगरों के बीच उद्यमिता विकास के एक भाग के रूप में शिल्प प्रोत्साहन कार्यक्रम शुरू किया है। शिल्पकार विभिन्न शिल्पों जैसे बांस का काम, लाख आधारित हस्तशिल्प, तार, मिट्टी, जूट का काम, कागज का गूदा, सोला पीठ, चमड़े का काम, कांथा सिलाई, घास का काम, तालियां आदि में लगे हुए हैं। विभाग द्वारा दो विशेष चर्चा कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। विभाग में गांवों के कारीगरों के विभिन्न मुद्दे। इस वर्ष केन्द्रीय पुस्तकालय में शिल्प प्रदर्शनी का आयोजन केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार में राज्य मंत्री डॉ. सुभाष सरकार के आगमन के अवसर पर किया गया था। भारत की। माननीय मंत्री जी ने विभाग के अंतर्गत विभिन्न गांवों से चयनित 15 शिल्पकारों को भी सम्मानित किया। इस वर्ष के दौरान, 23 अगस्त 2021 को विभाग द्वारा आयोजित "अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन महिला परिवार आधारित उद्यमिता" में 15 कारीगरों और महिला उद्यमियों ने अपने शिल्प का प्रदर्शन किया। विभाग द्वारा 24 फरवरी 2022 को हैंड बाटिक पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था और इसका दौरा उनके द्वारा किया गया था। इंडोनेशिया गणराज्य में भारत के महामहिम राजदूत, श्री मोनोज कुमार भारती। उनके साथ कारीगरों और छात्रों और संकायों और कर्मचारियों के सदस्यों के साथ बातचीत की गई। उन्होंने उस दिन विभाग के अंतर्गत आने वाले गांव लोहागढ़ के एक कारीगर की कार्यशाला का अवलोकन करने का भी दौरा किया।

VIII. खेल और खेलों को बढ़ावा देना:

इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य गांवों के कमान क्षेत्र के अंतर्गत ग्रामीण युवाओं में खेलकूद को बढ़ावा देना है। इस वर्ष के दौरान, ग्रामीण युवाओं को उनके गांवों में फुटबॉल और वॉलीबॉल खेलों के लिए

प्रोत्साहित करने के लिए 26 चयनित ग्राम विकास समितियों के बीच 40 फुटबॉल, 40 वॉलीबॉल और 40 वॉलीबॉल नेट वितरित किए गए.

IX. लोक सांस्कृतिक गतिविधियाँ:

पारंपरिक लोक संस्कृति को पुनर्जीवित करना और ग्रामीण क्षेत्रों में इस पारंपरिक संपत्ति के माध्यम से रचनात्मक क्षमता को प्रोत्साहित करना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। ग्राम विकास समितियों के सदस्यों द्वारा विभिन्न प्रकार के लोक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

X. व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम:

इस वर्ष के दौरान विभाग ने कमरपारा गांव की 15 महिलाओं के लिए अमरपारा गांव में मोनीपुरी हैंडलूम पर 15 दिनों का व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया है. मोनीपुरी हथकरघा पारंपरिक शिल्पों में से एक है और भारत में शांतिनिकेतन और बाहरी हस्तशिल्प बाजार में इसकी बहुत अधिक मांग है। व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान, प्रशिक्षुओं ने मोनीपुरी हथकरघा के विभिन्न उत्पादों जैसे फर्श और टेबल मैट, विभिन्न प्रकार के हैंडबैग आदि बनाने के बारे में सीखा।

XI. श्रव्य-दृश्य इकाई की गतिविधियाँ:

विभाग के पास एक अलग ऑडियो-विजुअल यूनिट है। यह इकाई सभी कार्यक्रमों और वार्षिक प्रदर्शनी के दस्तावेजीकरण के लिए स्थिर और वीडियो तस्वीरें प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है।

XII महत्वपूर्ण घटनाओं/दिनों का उत्सव:

- क. अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता उत्सव : अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर 8 सितम्बर को ग्राम आदित्यपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- ख. बाल दिवस समारोह : विभाग के अंतर्गत मोहिदापुर एवं श्रीचंद्रपुर गांव में 14 नवंबर 2021 को बच्चों के बीच चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. गांव के संबंधित वीडियो के वार्षिक उत्सव के दौरान बच्चों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

XIII विनिमय और यात्रा कार्यक्रम:

- यूनेस्को टीम के सदस्यों ने विश्व धरोहर स्थल में शामिल करने के लिए 25 अक्टूबर 2021 को कुठीबाड़ी, श्रीनिकेतन का दौरा किया।
- नैक (द्वितीय चक्र) टीम के सदस्यों ने 24 नवंबर 2021 को विभिन्न शैक्षणिक, शोध और विस्तार कार्यक्रमों का निरीक्षण करने के लिए विभाग का दौरा किया। विभाग द्वारा फ्रेस्को में विस्तार और

अध्याय-2

शोध परियोजनाओं का लाइव प्रदर्शन आयोजित किया गया था। विभाग द्वारा साल लीफ मेकिंग, अप्लीक और लाख पर लाइव प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विभाग के तहत 11 स्थानीय कारीगरों ने अपने हस्तशिल्प उत्पादों का प्रदर्शन किया, दो ब्रोटीडल ने नैक टीम के समक्ष अपनी शारीरिक गतिविधियों का प्रदर्शन किया। पुस्तकालयाध्यक्ष, वीडोएस के प्रतिनिधि, छात्रों और संकायों सहित कुल 75 प्रतिभागियों ने एनएएसी यात्रा कार्यक्रम में भाग लिया।

- नैक टीम ने विश्वविद्यालय के सर्वोत्तम अभ्यासों में से एक के रूप में नूरपुर ग्रामीण पुस्तकालय का भी दौरा किया। टीम के सदस्यों ने पाठकों, मोहिला समिति के सदस्यों और इस ग्रामीण पुस्तकालय से जुड़े छात्रों से बातचीत की। नैक टीम के सदस्यों ने भारत के संविधान दिवस पर संविधान की प्रस्तावना की शपथ में भी भाग लिया।

XIV. अन्य एजेंसियों के साथ जुड़ाव विकास:

आजीवन शिक्षा और विस्तार विभाग (ग्रामीण विस्तार केंद्र) विश्वभारती निम्नलिखित संस्थानों के साथ संबंध विकसित कर रहा है:

01. राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन, कोलकाता, संस्कृति मंत्रालय, सरकार। भारत की
02. ऑल इंडिया रेडियो, शांतिनिकेतन
03. प्रखंड विकास कार्यालय, बोलपुर- श्रीनिकेतन एवं इलामबाजार प्रखंड
04. प्रखंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बोलपुर एवं इलामबाजार प्रखंड
05. डीआईसी, सूरी, बीरभूमि
06. विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन

प्रकाशन:

अमित कुमार हाजरा

- हाजरा, ए.के., बनर्जी, एस., शो, बी., और बालचंद्रन, एस. (2022), कीट गट बैक्टीरिया: उन्नत बायोगैस उत्पादन के लिए एक आशाजनक उपकरण। पर्यावरण विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी में समीक्षा, 21:1-25.
- हाजरा, ए.के., घोष, एस., सरकार, ए., और बगड़ी, टी. (2021), भारत में सतत कृषि के लिए जैविक खेती और डाइजेस्टेड बायोगैस घोल: एक समीक्षा। जर्नल ऑफ सोशल वर्क एंड सोशल डेवलपमेंट, 12(2),
- हाजरा, ए.के., और सिन्हा, ए. (2021), संतालों के बीच सतत विकास की दिशा में सशक्तिकरण में सूचना संचार में मास मीडिया की भूमिका, इंडियन जर्नल ऑफ एडल्ट एजुकेशन, 82(2), 86-101.

- हाजरा, ए.के., और सिन्हा, ए. (2021) पश्चिम बंगाल के बीरभूम में कोविड-19 महामारी के दौरान कृषि मजदूरों के बीच जागरूकता पैदा करने में मास मीडिया। इंडियन जर्नल ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन, 57(1), 84-88.

सुजीत कुमार पॉल

- पॉल, एस.के. (2021), जर्नल ऑफ वर्ल्ड एजुकेशन, 43(1). (अंक संपादक),
- पॉल, एस.के. (2021), भारत में वित्तीय समावेशन की दिशा में महत्वपूर्ण दृष्टिकोणों पर एक अध्ययन। द जर्नल ऑफ ओरिएंटल रिसर्च, कुप्पुस्वामी शास्त्री रिसर्च इंस्टीट्यूट (KSRI), XCII-XXXV, 73-87.
- पॉल, एस.के. (2021), भारत में बढ़ती बंधक धोखाधड़ी - मौजूदा उधार प्रथाओं में खामियों का केस स्टडी आधारित विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑन इंडियन कल्चर एंड बिजनेस मैनेजमेंट, 23(4), 474-489. <https://www.inderscience.com/info/inarticletoc.php?jcode=ijicbm&year=2021&vo=से लिया गया>
- पॉल, एस.के. (2021), ग्रामीण भारत के विशेष संदर्भ में एसडीजी। जर्नल ऑफ वर्ल्ड एजुकेशन, 43(1).
- पॉल, एस.के. (2022), साताल सोमाजर उत्सोबर एटिब्रिटो। प्रतिध्वनि द इको, एक्स (द्वितीय), 64-67.

रफीकुल इस्लाम

- दास, यू., और इस्लाम, आर. (2021), आजीविका यथार्थवाद: डूआर्स, पश्चिम बंगाल के बंद चाय बागानों पर एक समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च, ग्रंथालयाह, 9(2), 72-80। <https://doi.org/10.29121/granthaalayah.v9.i2.2021.3355>
- दास, यू., इस्लाम, आर. (2021), वॉश एंड हाउसिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर: COVID-19 महामारी के दौरान ग्रामीण भारत में चुनौतियाँ। एम. कर्मकार (संस्करण) में, द कोविड 19 महामारी सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय मुद्दों/चुनौतियों की एक समीक्षा, पहला संस्करण, 213-220। ब्लूरोज पब्लिशर्स। <https://play.google.com/store/books/detailsid=fWwjEAAAQBAJ>

शुभ्रांशु सांतरा

- संतरा, एस., (2021), देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता वाले बच्चों में भेद्यता का कारण बनने वाले कारक: पश्चिम बंगाल में एक हालिया रुझान। ए. मार्टिन एंड एन. बस्थ (सं.), जेंडर सिक्योरिटी एंड इंटरनेशनल पॉलिटिक्स, इंटरडिसिप्लिनरी इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन सिक्योरिटी एंड गवर्नेंस, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 110017, 286-298।
- पाल, टी.के., खातून, एम., मंडल, बी., और संतरा, एस. (2021), ग्रामीण क्षेत्रों में मासिक धर्म अपशिष्ट प्रबंधन की चुनौतियाँ: पश्चिम बंगाल में एक सूक्ष्म स्तर का अध्ययन। एस. मजूमदार, एस.

अध्याय-2

बालचंद्रन, एस. संतरा, और बी. मंडल (सं.) में, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन: मुद्दे, चिंताएं और समाधान पश्चिम बंगाल: अक्षर प्रकाशी, 153-164।

- हाजरा, ए.के., और संतरा, एस. (2021), चावल आपूर्ति शृंखला और चावल मिलों के प्रासंगिक मुद्दे: पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले और बर्दवान जिले में एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन, मॉडर्न मैनेजमेंट, एप्लाइड साइंस एंड सोशल साइंस 03 (II), 98-110।
- पाल, टी.के., और संतरा, एस. (2021), बंगाली मुस्लिम माता-पिता के बीच बच्चों की शिक्षा के बारे में सेक्स-विशिष्ट आकांक्षाओं का सामाजिक अनुभव और गठन। शिक्षा भारत: शिक्षा पर संवाद का एक त्रैमासिक रेफरीड जर्नल, 10 (2), 177-193.
- भंडारी, डी., और संतरा, एस. (2021), पश्चिम बंगाल के चयनित जिलों में लॉकडाउन से पहले और बाद की अवधि के दौरान COVID-19 निवारक व्यवहारों का ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन, मॉडर्न मैनेजमेंट, एप्लाइड साइंस एंड सोशल साइंस), 03 (III), 98-110।
- पांडे, जे., और संतरा, एस., (2021), पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में समुदाय के सदस्य और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के बीच एचआईवी संबंधित कलंक और भेदभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, 210, 821-830।
- मजूमदार, एस., बालचंद्रन, एस., संतरा, एस., और मंडल, बी. (सं.), ठोस अपशिष्ट प्रबंधन: मुद्दे, चिंताएं और समाधान पश्चिम बंगाल: अक्षर प्रकाशनी।

ग्रामीण अध्ययन विभाग (पल्ली चर्चा केंद्र)

यूजीसी/नेट/सीएसआईआर/एसएलईटी और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम

- अनिवार्य साहा --- यूजीसी-जेआरएफ (एमआरएस -4 वें सेमेस्टर) - महिला अध्ययन I-2021-22

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि में शिक्षक / शोध विद्वानों ने भाग लिया।

रथींद्र नाथ प्रमाणिक

- **14.12.2021 - 16.12.2021:** इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चर (आईएसएएम) और अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित 35 वें राष्ट्रीय कृषि विपणन सम्मेलन में 'पश्चिम बंगाल में किसान उत्पादक कंपनियों (एफपीसी) की प्रकृति' नामक पेपर में भाग लिया और प्रस्तुत किया। , उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय।

विभाग में चल रही शोध परियोजनाएं

- शिक्षक का नाम:- कुमुद चंद्र पाणिग्रही
परियोजना का नाम:-कोविड-19 के दौरान विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूह के बीच प्राकृतिक और बाल स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और उपयोग- कालाहांडी जिले में कुटिया और डोगरिया कोंड का एक अध्ययन।
प्रायोजक एजेंसियां- आईसीएसएसआर लघु शोध परियोजना
स्वीकृत राशि-3 लाख

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियाँ / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ और विभाग के शिक्षक और छात्रों द्वारा भाग लिया।

विभाग द्वारा आयोजित हमारे समवर्ती फील्ड वर्क पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में हमने श्रीनिकेतन-बोलपुर ब्लॉक के रजतपुर गांव में अपनी ज्ञान आधारित सेवा का विस्तार किया है। शैक्षिक क्षेत्र में सर्वेक्षण आधारित गतिविधियों का संचालन करने के लिए शिक्षकों द्वारा छात्रों की देखरेख की गई।

प्रकाशन:

रथींद्र नाथ प्रमाणिक

- प्रमाणिक, आर.एन. (2021), पश्चिम बंगाल के ग्रामीण श्रम बाजार में रोजगार की स्थिति में बदलाव। द इंडियन जर्नल ऑफ़ लेबर इकोनॉमिक्स, 64(3): 825-841.

अध्याय-2

एम.ए. मासिलामणि

- मासिलामणि, एम.ए. और मल्लिक, एस., (2021), बंगाली डायलेक्ट विद एडवांस्ड टेक्नोलॉजी: एम्पावरिंग वुमन आर्टिस्ट्स इन कुमारटुली, कोलकाता, जर्नल ऑफ कोलकाता सोसाइटी फॉर एशियन स्टडीज (JKSAS), स्पेशल इश्यू- वीमेन्स डायलेक्ट जर्नल्स, एन इंटरनेशनल बाइलिंगुअल जर्नल ऑफ सोशल साइंस, 7 (2),
- मासिलामणि, एम.ए. और मलिक, एस., वॉयस ऑफ आर्टिस्ट्स ड्यूरिंग कोविड-19 पीरियड: इम्पैक्ट ऑन आर्टिस्ट सेक्टर ऑफ कुमारटुली, कोलकाता आर्टिस्ट्स", जर्नल ऑफ कला सरोवर।

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम / या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना:

विभाग ने एक नया मास्टर्स इन रूरल स्टडीज (एमआरएस) पाठ्यक्रम तैयार किया है जिसे जुलाई 2017 से पहले ही लागू कर दिया गया है। विश्वभारती द्वारा शुरू किए गए नए सीबीसीएस पाठ्यक्रम के अनुरूप ग्रामीण अध्ययन में स्नातक (बीआरएस) भी 2017 जुलाई में शुरू किया गया है।

शिल्प सदन विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट/गेट और सीईईडी परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम।

1. सौभिक दास ने सीईईडी परीक्षा उत्तीर्ण की अखिल भारतीय रैंक 09
2. स्वागत चक्रवर्ती ने सीईईडी परीक्षा उत्तीर्ण की।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि:

विशाल सी. भांडो

- एनसीईआरटी, दिल्ली द्वारा इंटरनेशनल वेबिनार टॉय एंड गेम्स टू प्ले, मेक एंड लर्न में टॉय डिजाइन एजुकेशन पर पैनल डिस्कशन में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

प्रदर्शनी

- 04.09.2021 - 11.10.2021: सीआईएमए गैलरी, कोलकाता में आमंत्रित शो

आशीष घोष

प्रदर्शनी

- 06.07.2021: इको अवेयर आर्ट गैलरी द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्रकृति कला प्रदर्शनी "पिक अप द लीफ" कला प्रदर्शनी.

राष्ट्रीय कार्यशाला

- 19.06.2021: राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और शोध संस्थान (एनआईटीटीटीआर) कोलकाता द्वारा आयोजित "लोकविद्या" पर राष्ट्रीय कार्यशाला (वेब)
- 16.12.2021-17.12.2021: कपड़ा मंत्रालय भारत सरकार हस्तशिल्प सेवा केंद्र, बर्दवान द्वारा आयोजित सयारबिथी सांस्कृतिक पार्क में शिल्प जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया

शंकर रॉय मौलिक

- 20.08.2021: यूपी टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (पूर्व में जीसीटीआई) द्वारा आयोजित 'टेक्सटाइल्स में सस्टेनेबल ग्रोथ' (एसजीटी-2021) पर जूम इन इंटरनेशनल ई-कॉन्फ्रेंस के माध्यम से ऑनलाइन मोड में 'टेक्सटाइल एंड इट्स इको-फ्रेंडली प्रोसेसिंग' पर आमंत्रित वार्ता। कानपुर।
- 11.08.2021: राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना में 'शैक्षणिक पेपर लेखन पर प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण' में ऑनलाइन मोड के माध्यम से एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

अध्याय-2

- 20.08.2021: यूपी टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (पूर्व में जीसीटीआई) कानपुर द्वारा आयोजित 'टेक्सटाइल्स में सस्टेनेबल ग्रोथ' (एसजीटी-2021) पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में ऑनलाइन मोड के माध्यम से सत्र अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

तनिमा भट्टाचार्य

- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2022 के 100 दिनों से पहले अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में संगठित और बौद्धिक रूप से योगदान "भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस)" पर संयुक्त रूप से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर इंडियन नॉलेज सिस्टम, आईआईटी खड़गपुर, भारत योगिक कला और विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित किया गया।, विश्वभारती, भारत।

प्रदर्शनी

- 10.12.2021-12.12.2021: एक आभासी मंच पर "खुशी की लय" पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सह कार्यशाला में भाग लिया।

विभाग में चल रही शोध परियोजनाओं पर

▪ वीआईटी बीज अनुदान

प्रलेखन और पुनरुद्धार परियोजना शीर्षक 'स्वदेशी शैली का पुनरुद्धार और करिगिरी मिट्टी के बर्तनों की प्रक्रिया, वेल्लोर जिला, तमिलनाडु' स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर को सम्मानित किया गया
प्रधान अन्वेषक: डॉ जाफर ए.ए. खान (वास्तुकला के प्रोफेसर) और डॉ तनिमा भट्टाचार्य (सहायक प्रोफेसर, ग्रेड II)

परियोजना मूल्य: 3,00,000 INR

▪ सहयोगात्मक शोध अनुदान

शोध का शीर्षक: वेल्लोर, भारत और कोटा टिंगगी, मलेशिया में व्यक्तिगत कथाओं के माध्यम से सांस्कृतिक कलाकृतियों का संरक्षण।

संस्थान का नाम — वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान (VIT)

सिद्धांत शोधकर्ता का नाम: डॉ तनिमा भट्टाचार्य

सहयोगी हितधारक: डॉ. ऐमान मोहम्मद राशिद, वास्तुकला विभाग, निर्मित पर्यावरण और सर्वेक्षण संकाय, प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मलेशिया (UTM)

शिक्षकों/विद्वानों या विभाग द्वारा समग्र रूप से प्राप्त शैक्षणिक उत्कृष्टता (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता)

शंकर राय मौलिक

- 'चावल की भूमी से माइक्रोक्रीस्टलाइन सेलुलोज का संश्लेषण और लक्षण वर्णन' शीर्षक वाले पेपर के लिए 2021 में डॉ. त्रिगुण चरण सेन पुरस्कार।

तनिमा भट्टाचार्य

- शहरी कायाकल्प के लिए डिजाइन के कला और तकनीकी तत्वों को एकीकृत करने के लिए उपयोगकर्ता की वरीयता-आधारित दृष्टिकोण पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर से डॉक्टरेट की डिग्री का पुरस्कार: कोलकाता का एक मामला, दिनांक: 26 नवंबर, 2021.

प्रकाशन:

आशीष मित्र

- मित्रा, ए. (2021), "इंटरक्रिटेरिया सहसंबंध (CRITIC) के माध्यम से मानदंड महत्व का उपयोग करते हुए कच्चे जूट फाइबर की ग्रेडिंग और मूल्य की सीमा (ROV) बहु-मानदंड निर्णय लेने का दृष्टिकोण", प्राकृतिक फाइबर का जर्नल, <https://doi.org/10.1080/15440478.2021.1951422>.
- मित्रा, ए. (2022), "इष्टतम थर्मल आराम के लिए सूती कपड़ों के चयन के लिए अनुपात विश्लेषण (MOORA) के आधार पर बहु-उद्देश्य अनुकूलन का अनुप्रयोग", वस्त्र और परिधान के शोध जर्नल, 26(2), 187-203. <https://doi.org/10.1108/RJTA-02-2021-0021>.
- मित्रा, ए. और नसीरुद्दीन, के. एमडी (2022), "अल्पोना मोटिफ्स के तत्वों को निकालने और संश्लेषित करके जैक्वार्ड बुना साड़ी डिजाइन करना", टेक्सटाइल एसोसिएशन के जर्नल, 82(5), 287-293.
- मित्रा, ए. (2022), "बहु-मानदंड निर्णय लेने की तकनीक का उपयोग करते हुए इष्टतम आराम गुणों के लिए खादी के कपड़े का चयन", वस्त्र और परिधान के शोध जर्नल, वॉल्यूम। प्रिंट से आगे। <https://doi.org/10.1108/RJTA-08-2021-0108>

तनिमा भट्टाचार्य

- भट्टाचार्य टी., और सेन जे. (2021) बैलेंस्ड अर्बन स्पेस की डिजाइनिंग में पूरकता के सिद्धांत: कोलकाता के सामाजिक-सांस्कृतिक स्थानों के मामले। डिजाइन में शोध, सिंगर सिंगापुर, doi.org/10.1007/978-981-16-0041-8
- भट्टाचार्य, टी., और सेन, जे. (2021), सार्वजनिक स्थानों के संतुलित कायाकल्प के लिए शहरी डिजाइन में कला का एकीकरण। चंडीगढ़ की एक केस स्टडी। आर्किटेक्चर, 3(67)), [Doi.org/10.37190/arc210306](https://doi.org/10.37190/arc210306), 55-69.

शंकर रॉय मौलिक

- रॉय मौलिक, एस., बनर्जी, ए.एन., प्रिया, एम., और नसीरुद्दीन, के.एम. (2021), बाटिक - वस्त्रों के लिए एक पारंपरिक सतह अलंकरण तकनीक। एशियन डायर, 18(3), 56-60।
- दत्ता, ए., और रॉय मौलिक, एस. (2021), उत्पाद विविधीकरण और प्राकृतिक रंगों के साथ छपाई के माध्यम से कोटपाड़ वस्त्रों का संवर्धन। टेक्सटाइल एसोसिएशन के जर्नल, 82 (2), 96-105.
- रॉय मौलिक, एस. (2021), हथकरघा - चुनौतियां और अवसर। एमए में। गार्डटी, और एस.एस. मुथु (सं.), हैंडलूम सस्टेनेबिलिटी एंड कल्चर, पार्ट ऑफ़ द सस्टेनेबल टेक्सटाइल्स: प्रोडक्शन, प्रोसेसिंग,

अध्याय-2

मैन्युफैक्चरिंग एंड केमिस्ट्री बुक सीरीज़ (पीपी। 97-117), सिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-16-5665-1_5

- मैती, एस., मैती, एस., पंडित, पी., रॉय मौलिक, एस., और कुणाल सिंघा, के. (2021), बुनाई प्रक्रिया और उत्पादों के लिए स्थिरता विश्लेषण। एस मैती, राणा में। एस, पंडित। पी, और सिंघा। के (एड्स।), एडवांस्ड निटिंग टेक्नोलॉजी, द टेक्सटाइल इंस्टीट्यूट बुक सीरीज़, 657-671. एल्सेवियर),
- रॉय मौलिक, एस., देबनाथ, सी., और पंडित, पी. (2021), प्राकृतिक रंगों से बुने हुए कपड़े की सतत रंगाई और छपाई। एस मैती, राणा में। एस, पंडित। पी, और सिंघा। के (एड्स।), एडवांस्ड निटिंग टेक्नोलॉजी, द टेक्सटाइल इंस्टीट्यूट बुक सीरीज़, 537-565. एल्सेवियर।
- दास, एस., और रॉय मौलिक, एस. (2022), वस्त्रों पर प्राकृतिक रंगों से चित्रकारी। एन. गुप्ता, वी.आर. संपत, टी. के. सिन्हा, एस. पात्रा, और एस. मैती (संस्करण), चिकित्सा और परिधान वस्त्रों में चुनौतियाँ और अवसर, 161-166. एलाइड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड।
- देबनाथ, एस. और रॉय मौलिक, एस. (2022), सस्टेनेबिलिटी, निट, और फैशन- बुनाई उद्योग और फैशन में सतत विकास के लिए एक दृष्टिकोण, एन. गुप्ता में, वी.आर. संपत, टी. के. सिन्हा, एस. पात्रा, और एस. मैती (संस्करण), चिकित्सा और परिधान वस्त्रों में चुनौतियाँ और अवसर, 187-194। एलाइड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड।

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी:

छात्र की उपलब्धियाँ

सौभिक दास, छात्र (डिजाइन में स्नातक - फर्नीचर और इंटीरियर)

- अखिल भारतीय रैंक के साथ सीईईडी 2022 परीक्षा में उत्तीर्ण: 09

शिल्पिन्विता दास, रिसर्च स्कॉलर

- 22.02.2022-23.02.2022: सिलपिनविता दास और शंकर रॉय मौलिक द्वारा लिखित 'पेंटिंग विद नेचुरल डाईज़ ऑन टेक्सटाइल्स' पर एक पेपर प्रस्तुत किया, "चिकित्सा और परिधान वस्त्र में चुनौतियाँ और अवसर" (टेक्सकॉन 2022) पर 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन में। श्री वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी, इंदौर द्वारा आयोजित।

सायंतिका देबनाथ, छात्र (डिजाइन में स्नातक - वस्त्र)

- 22.02.2022-23.02.2022: "चुनौतियों और अवसरों पर 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन में सायंतिका देबनाथ और शंकर रॉय मौलिक द्वारा लिखित 'सस्टेनेबिलिटी, निट्स एंड फैशन - एन एप्रोच टू सस्टेनेबल डेवलपमेंट इन निटिंग इंडस्ट्री एंड फैशन' पर एक पेपर प्रस्तुत किया। श्री वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी, इंदौर द्वारा आयोजित मेडिकल एंड अपैरल टेक्सटाइल" (टेक्सकॉन 2022) में।

- 19.08.2021-21.08.2021: "सस्टेनेबल ग्रोथ" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सयंतिका देबनाथ और डॉ. शंकर रॉय मौलिक द्वारा लिखित "जैव-मोर्टेस का उपयोग करके प्राकृतिक रंगों के साथ कपास की बुनाई और छपाई" पर एक पोस्टर और विस्तारित सार प्रस्तुत किया। इन टेक्सटाइल" (SGT-2021) उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, कानपुर द्वारा आयोजित किया गया।

ऋचा कुमारी: स्टूडेंट (मास्टर ऑफ डिजाइन - टेक्सटाइल्स)

- 04.10.2021-05.10.2021: फैशन प्रौद्योगिकी विभाग, सोना कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर के आभासी तकनीकी संगोष्ठी (SARTORIA- 2K21) में प्रस्तुत पोस्टर प्रस्तुति में दूसरा पुरस्कार- शीर्षक 'फाइबोनैचि सीरीज एंड इट्स एप्लीकेशन इन टेक्सटाइल्स' , सलेम. पेपर प्रस्तुत
- 24.09.2021 - 25.09.2021: वोक्सन विश्वविद्यालय और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित "भारतीय कला शिल्प और विरासत" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'संतिपुर, पश्चिम बंगाल की पारंपरिक हाथ से बुनी साड़ी' शीर्षक वाला पेपर प्रस्तुत किया गया।
- 04.10.2021-05.10.2021: फैशन टेक्नोलॉजी विभाग, सोना कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, सलेम द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर के वर्चुअल टेक्निकल सिम्पोजियम (SARTORIA-2K21) में 'रिंकल रेसिस्टेंट फिनिश ऑफ टेक्सटाइल्स' शीर्षक वाला पेपर प्रस्तुत किया गया।
- 17.11.2021-19.11.2021: "टेक्सटाइल सामग्री और प्रक्रियाओं में प्रगति" (एटीएमपी- 2021) पर आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एक्सप्लोरेशन ऑफ फिबोनाची सीरीज टू मोटिफ एंड पैटर्न क्रिएशन उपयुक्त टेक्सटाइल एप्लीकेशन' शीर्षक वाला पेपर प्रस्तुत किया गया। उत्तर प्रदेश वस्त्र प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर।

पोस्टर पेपर प्रस्तुत

- 19.08.2021-21.08.2021: उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, कानपुर द्वारा आयोजित "टेक्सटाइल में सस्टेनेबल ग्रोथ" (एसजीटी- 2021) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'शांतिपुरी साड़ी- बंगाल का एक पारंपरिक शिल्प' शीर्षक वाला पोस्टर प्रस्तुत किया गया।
- 04.10.2021-05.10.2021: फैशन प्रौद्योगिकी विभाग, सोना कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, सलेम द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर के आभासी तकनीकी संगोष्ठी (SARTORIA- 2K21) में 'फिबोनाची शृंखला और वस्त्रों में इसके अनुप्रयोग' नामक पोस्टर प्रस्तुत किया गया था।

तिथि मित्रा: छात्र (डिजाइन के मास्टर - वस्त्र)

- 19.08.2021-21.08.2021: उत्तर प्रदेश वस्त्र प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर द्वारा आयोजित सतत विकास-2021 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "तलाई - एक पारंपरिक शिल्प" पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

अध्याय-2

- 24.09.2021 - 25.09.2021: वोक्सन विश्वविद्यालय और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित भारतीय कला शिल्प और विरासत पर अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में "खजूर के पत्ते से एक पारंपरिक शिल्प - महिला कारीगर की सफलता की कहानियां" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

अर्चिस्मिता पाल, छात्र (डिजाइन में स्नातक - वस्त्र)

- 19.08.2021-21.08.2021: उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, कानपुर द्वारा आयोजित 'टेक्सटाइल में सतत विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' (एसजीटी-2021) में 'मोदीश बैग - टिकाऊ जूट पैकेजिंग' पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

सामाजिक कार्य विभाग

नेट (यूजीसी / सीएसआईआर / आईसीएआर) / सेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

1. सुश्री ख्याली रॉय - आईसीएसएसआर, डॉक्टरेट फैलोशिप
2. सुश्री रिया घोष — यूजीसी — जेआरएफ
3. श्री शौर्य प्रकाश — यूजीसी — जेआरएफ
4. श्री सुदीप्त मंडल — यूजीसी — जेआरएफ
5. सुश्री बैसाखी सोमोदल — यूजीसी — नेट
6. सुश्री चयनिका दास — यूजीसी — नेट

विभागीय सेमिनार:

- 18.05.2021-02.08.2021: सामाजिक कार्य विभाग ने विभिन्न क्षेत्रों से एक व्याख्यान शृंखला सामाजिक कार्य चिकित्सकों का आयोजन किया “सामाजिक कार्य में फील्ड वर्क प्रैक्टिस” शीर्षक पर भारत में नागरिक समाज संगठन।
- 18.05.2021: श्री अम्लान मजूमदार, सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप
- 29.05.2021: श्री संजीव कुंडू, बाल अधिकार
- 02.06.2021: श्रीमती गोमती शंकरकृष्णन, जोखिम और अधिकार किशोरों का एक अच्छा संतुलन
- 16.06.2021: श्री। प्रोसेनजीत प्रमाणिक, COVID-19 ग्रामीण बिहार में प्रबंधन
- 23.06.2021: डॉ. प्रोसेनजीत मजूमदार, भारतीय परिदृश्य में विकलांग व्यक्ति
- 26.06.2021: डॉ अनुपम गांगुली, आयुर्वेद जीवन शैली अभ्यास के रूप में
- 28.06.2021: श्री हेमंत कुमार शर्मा, आपराधिक न्याय का रहस्योद्घाटन
- 01.07.2021: श्रीमान डोलमणि महापात्रा, राइज़ अगेंस्ट हंगर — इसका कार्यक्रम और गतिविधियों के मद्देनजर COVID-19
- 03.07.2021: श्री अनिमेष मंडल, आजीविका मुद्दे
- 05.07.2021: श्री राणा रॉय, ग्रामीण ओडिशा में समुदाय आधारित वन प्रबंधन
- 06.07.2021: डॉ। सुकुमार पाल, सुंदरबन के विशेष संदर्भ में आइला, अम्फान और कोविड-19 के मद्देनजर आपदा प्रबंधन में एनजीओ की भूमिका
- 09.07.2021: श्री सुब्रत डे, असुरक्षित संदर्भ में फील्ड वर्क, सशस्त्र संघर्ष से चुनौती।
- 11.07.2021: श्री विभूति भूषण गडनायक, आपदा के बाद की स्थिति में सामाजिक कार्य अभ्यास: पोस्ट में पीडीएनए के विशेष संदर्भ के साथ - पूर्वी अफ्रीका में ज्वालामुखी विस्फोट।

अध्याय-2

- 14.07.2021 : डॉ. समीर नारायण चौधरी, चाइल्ड इन नीड इंस्टीट्यूट के राहत और पुनर्वास कार्य – सीआईएनआई
- 17.07.2021: श्रीमान। रबी लोचन मंडल, पश्चिम बंगाल में पंचायती राज संस्था
- 22.07.2021 : श्रीमती. मनीषा मजूमदार, लैंगिक समानता और सामाजिक समावेश
- 27.07.2021 : श्री. विवेकानंद विश्वास, रिस्क कम्युनिकेशन एंड कम्युनिटी एंगेजमेंट (आरसीसीई) नियमित टीकाकरण के संदर्भ में
- 29.07.2021 : श्री. संतनु चक्रवर्ती, भारत में बाल रोग स्वास्थ्य सेवा
- 02.08.2021: मो. मोसरफ हुसैन, उत्तर और दक्षिण दिनाजपुर जिला, पश्चिम बंगाल में साप्ताहिक आयरन फोलिक एसिड सप्लीमेंटेशन (डब्ल्यूआईएफएस) कार्यक्रम का कार्यान्वयन
- 16.07.2021-31.07.2021 : सामाजिक कार्य विभाग ने सामाजिक कार्य के विभिन्न स्कूलों के सामाजिक कार्य संकाय सदस्यों द्वारा एक व्याख्यान शृंखला का आयोजन किया। “सामाजिक कार्य के स्कूलों में फील्ड वर्क प्रैक्टिस: भारत में COVID-19 के दौरान अनुभव” शीर्षक से भारत में काम करते हैं।
- 16.07.2021: प्रो. संजय रॉय, सामाजिक कार्य के स्कूलों में फील्ड वर्क प्रैक्टिस: भारत में COVID-19 के दौरान अनुभव
- 16.07.2021: डॉ। जी. लक्ष्मण, सामाजिक कार्य के स्कूलों में फील्ड वर्क प्रैक्टिस: भारत में COVID-19 के दौरान अनुभव
- 19.07.2021: डॉ। अनीश के.आर., सामाजिक कार्य के स्कूलों में फील्ड वर्क प्रैक्टिस: भारत में COVID-19 के दौरान अनुभव
- 19.07.2021: प्रो. फादर ग्लैडस्टोन जेवियर, सामाजिक कार्य के स्कूलों में फील्ड वर्क प्रैक्टिस: भारत में COVID-19 के दौरान अनुभव
- 22.07.2021: डॉ. पुना गुलिया, सामाजिक कार्य के स्कूलों में फील्ड वर्क प्रैक्टिस: भारत में COVID-19 के दौरान अनुभव
- 22.07.2021: प्रो. लवलीना, सामाजिक कार्य के स्कूलों में फील्ड वर्क प्रैक्टिस: भारत में COVID-19 के दौरान अनुभव
- 25.07.2021: डॉ। सुचेता पॉल, सोशल वर्क के स्कूलों में फील्ड वर्क प्रैक्टिस: भारत में COVID-19 के दौरान अनुभव
- 25.07.2021: प्रो. ए.के. भारती, सामाजिक कार्य के स्कूलों में फील्ड वर्क प्रैक्टिस: भारत में COVID-19 के दौरान अनुभव
- 26.07.2021: डॉ। एस. हरनाथ, सामाजिक कार्य स्कूलों में फील्ड वर्क प्रैक्टिस: भारत में कोविड-19 के दौरान अनुभव

- 26.07.21 : डॉ. अपूर्वा साहा, सामाजिक कार्य के स्कूलों में फील्डवर्क प्रैक्टिस: भारत में कोविड-19 के दौरान अनुभव 28.07.2021 : प्रो. सिगमनी पनीर, सामाजिक कार्य के स्कूलों में फील्ड वर्क प्रैक्टिस: भारत में COVID-19 के दौरान अनुभव
- 28.07.2021: प्रो० भावना मेहता, सामाजिक कार्य के स्कूलों में फील्ड वर्क प्रैक्टिस: भारत में COVID-19 के दौरान अनुभव
- 30.07.2021: प्रो० सी. देवेन्द्रम, सामाजिक कार्य के स्कूलों में फील्ड वर्क प्रैक्टिस: भारत में कोविड-19 के दौरान अनुभव
- 30.07.2021: प्रो. यू. पोपली, सामाजिक कार्य के स्कूलों में फील्ड वर्क प्रैक्टिस: भारत में COVID-19 के दौरान अनुभव
- 31.07.2021: डॉ. तरुण बिकाश सुकाई, सोशल वर्क के स्कूलों में फील्ड वर्क प्रैक्टिस: भारत में COVID-19 के दौरान अनुभव
- 31.07.2021: प्रो कल्पना सारथी, सामाजिक कार्य स्कूलों में फील्ड वर्क प्रैक्टिस: भारत में COVID-19 के दौरान अनुभव अपूर्वा साहा, सामाजिक कार्य स्कूलों में फील्ड वर्क प्रैक्टिस: भारत में COVID-19 के दौरान अनुभव
- 18.12.2021-19.01.2022: सामाजिक कार्य विभाग ने सामाजिक कार्य संकाय सदस्यों और विभाग के फील्ड वर्क स्टाफ द्वारा विभिन्न विषयों पर एक फील्ड वर्क वर्कशॉप का आयोजन किया। फील्डवर्क कार्यक्रम के विषय।
- 18.12.2021: प्रोफेसर प्रशांत कुमार घोष, सामाजिक कार्य पेशे में फील्ड वर्क प्रैक्टिस का उद्देश्य
- 18.12.2021: प्रोफेसर अशोक कुमार सरकार, महामारी के दौरान फील्ड वर्क प्रैक्टिस, COVID-19
- 22.12.2021 पर विशेष ध्यान देने के साथ: श्री। मनोज कुमार विश्वास, ट्रांसेक्ट वॉक इन ए कम्युनिटी
- 22.12.2021 : डॉ. मौमिता लाहा, घर का दौरा : उद्देश्य और तरीके
- 05.01.2022 : डॉ. सुकुमार पाल, सोशल एंड रिसोर्स मैपिंग का उपयोग
- 05.01.2022 : डॉ. सुकुमार पाल, ग्राम रूपरेखा तैयार करना
- 08.01.2022 : प्रोफेसर देबोतोष सिन्हा, बच्चों का प्रोफाइल तैयार करना
- 08.01.2022 : श्री. मनोज कुमार विश्वास, पीआरए और आरआरए
- 12.01.2022 : डॉ. सुभाश्री सान्याल, संस्थान के प्रकार और संस्थान की प्रक्रिया
- 12.01.2022 पर जाएँ : डॉ. नीलमणि जायसवाल, पंचायती राज व्यवस्था : इतिहास और क्रियान्वयन
- 15.01.2022 : डॉ. सस्मिता पटेल, शहरी स्थानीय निकाय: प्रकार और शासन
- 15.01.2022: डॉ नीलमणि जायसवाल, विकास में गैर सरकारी संगठन की भूमिका

अध्याय-2

- 19.01.2022: डॉ. परमिता रॉय, ग्राम अर्थव्यवस्था

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि:

परमिता रॉय

- 13.07.2021-16.07.2021: 'विश्वविद्यालय — सामुदायिक भागीदारी और सामाजिक विकास में भविष्य की दिशाएँ: आज के संदर्भ में टैगोर के श्रीनिकेतन प्रयोग' पर एक पेपर प्रस्तुत किया। जोहान्सबर्ग विश्वविद्यालय (ऑनलाइन), अफ्रीका में सामाजिक विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ का 22वां द्विवार्षिक सम्मेलन।
- 28.10.2021-30.10.2021: 9वीं भारतीय सामाजिक कार्य कांग्रेस में 'विश्वविद्यालय सामाजिक उत्तरदायित्व — उद्देश्य और संभावना' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 18.12.2021-19.12.2021: समाज, व्यवसाय और पर्यावरण (ऑनलाइन), बांग्लादेश में शासन में शासन पर 7 वें अंतर्राष्ट्रीय एकीकृत शोध सम्मेलन में 'शहरी क्षेत्रों में आजीविका पहल' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 16.07.2021-31.10.2021: टीआईएसएस, मुंबई द्वारा आयोजित सामाजिक शोध नैतिकता संकाय विकास कार्यक्रम, एमओओसी में भाग लिया। (अंक 72%)
- 27.08.2021-31.08.2021: ह्यूमन बिहेवटिक्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित उन्नत मात्रात्मक डेटा विश्लेषण पर कार्यशाला में भाग लिया।
- 05.01.2022-18.01.2022: पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, भटिंडा द्वारा आयोजित "शिक्षाशास्त्र और उच्च शिक्षा में मूल्यांकन" पर संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया। (ग्रेड ए +)
- 01.03.2022-06.03.2022: रिसर्च मेथडोलॉजी एंड क्वांटिटेटिव डेटा एनालिसिस, ह्यूमन बिहेवटिक्स प्राइवेट लिमिटेड पर कार्यशाला में भाग लिया।

शुभश्री सान्याल

- 28.03.2022-03.04.2022: दिल्ली के टीएलसी रामानुजन कॉलेज विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 पर एक सप्ताह के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

सुकुमार पाल

- 10.07.2021: दर्शनशास्त्र विभाग, काजी नजरूल, विश्वविद्यालय, आसनसोल द्वारा आयोजित डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के दृष्टिकोण से सामाजिक मूल्यों और कल्याण पर एक आईसीपीआर प्रायोजित विशेष व्याख्यान दिया।
- 26.03.2022: नेहरु युवा केंद्र, बर्दवान द्वारा आयोजित कैच द रेन: वाटर एंड इट्स यूज पर दो व्याख्यान दिए।

सुदेशना साहा

- 02.08.2021-08.08.2021: सामाजिक कार्य विभाग, एनईआरआईएम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, गुवाहाटी, असम द्वारा आयोजित “समकालीन सामाजिक चुनौतियां: परिवर्तन की ओर एक रास्ता” पर 7 दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।
- 23.09.2021-25.09.2021: लाइफलांग लर्निंग एंड एक्सटेंशन विभाग द्वारा आयोजित भारत में महिला परिवार आधारित उद्यमिता पर अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में “महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने में सीएसआर की भूमिका: भारत भर में कॉर्पोरेट घरानों का एक अध्ययन” शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। विश्वभारती और क्लाफलिन विश्वविद्यालय, यूएसए.
- 28.10.2021-30.10.2021: मातृसेवा संघ संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 9वीं भारतीय सामाजिक कार्य कांग्रेस 2021 (आईएसडब्ल्यूसी) में “भारत भर में कॉर्पोरेट घरानों से सर्वोत्तम अभ्यास” शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया गया। सामाजिक कार्य, नागपुर; महाराष्ट्र एसोसिएशन ऑफ सोशल वर्क एजुकेटर्स (एमएसडब्ल्यूई) और नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एनएपीएसडब्ल्यूआई),
- 16.01.2022-17.01.2022: (सतत ग्रामीण विकास के लिए वैश्विक मंच), एफपीआई, जीपीएलटी और जीएफएसआरडी यूएनएसीसीसी द्वारा आयोजित ऑनलाइन एशिया-अफ्रीका संगोष्ठी में भाग लिया।
- 13.03.2022-20.03.2022: सोशल वर्क एंड साइंसेज पर वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में “इम्पैक्ट ऑफ इको – टूरिज्म ऑन डेवलपमेंट, ए केस स्टडी ऑफ वेस्ट बंगाल” शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया – एक स्वास्थ्य और सतत विकास की ओर 2022 (आईसीएसडब्ल्यूएस – टीओएचएसडी2022) श्री होलिस्टिक हेल्थ फाउंडेशन इंडिया (एसएचएचएफआई) और अन्य द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित।
- 25.03.2022-31.03.2022: आईक्यूएसी, येल्लो मार बेसिलियोस कॉलेज, कोटामंगलम के सहयोग से सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित “सामाजिक कार्य में शोध प्रतिमान” पर एक सप्ताह के अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

नीलमणि जायसवाल

- 20.03.2021-03.04.2021: मैत्रेयी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय और गुरु अंगद देव टीचिंग लर्निंग सेंटर द्वारा आयोजित “उच्च शिक्षा में शिक्षकों के लिए उभरती सुलभ प्रौद्योगिकी” नामक दो सप्ताह के ऑनलाइन राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम / पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया। शिक्षा मंत्रालय के पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन (PMMMNTT) के तहत SGTB खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया

अध्याय-2

(CEMCA) और कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस (KISS) द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तुत सांख्यिकीय विश्लेषण का परिचय

- 01.05.2021-10.06.2021: कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (CEMCA) और कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस (KISS) द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तावित सांख्यिकीय विश्लेषण के परिचय पर बड़े पैमाने पर ओपन ऑनलाइन कोर्स (MOOCs) में भाग लिया।
- 23.06.2021-24.06.2021: “बाल कल्याण में सामाजिक कार्य हस्तक्षेप: CSR से झलक” शीर्षक वाला एक पेपर प्रस्तुत किया। विभाग द्वारा आयोजित परिवार, समुदाय, स्वास्थ्य और भलाई पर राष्ट्रीय ऑनलाइन संगोष्ठी में: भारत में सामाजिक कार्य शोध के पैटर्न, प्रक्रिया और परिणाम च सामाजिक कार्य, मिजोरम विश्वविद्यालय
- 02.08.2021-08.08.2021: सामाजिक कार्य विभाग, एनईआरआईएम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स, गुवाहाटी, असम द्वारा आयोजित “समकालीन सामाजिक चुनौतियां: परिवर्तन की ओर एक रास्ता” पर 7-दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।
- 23.09.2021-25.09.2021: भारत में महिला परिवार आधारित उद्यमिता पर अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में “महिलाओं के उद्यमिता पर गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) का प्रभाव” शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया, जो कि आजीवन शिक्षा और विस्तार विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित किया गया था। और क्लैफ्लिन यूनिवर्सिटी, यूएसए
- 28.10.2021-30.10.2021: मातृसेवा संघ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 9वीं भारतीय सामाजिक कार्य कांग्रेस 2021 (आईएसडब्ल्यूसी) में “कोविड – 19 और स्ट्रगल रेड लाइट एरिया: इंटरवेंशन थ्रू चुनिंदा एनजीओ” शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। सामाजिक कार्य संस्थान, नागपुर; महाराष्ट्र एसोसिएशन ऑफ सोशल वर्क एजुकेटर्स (एमएसडब्ल्यूई) और नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एनपीएसडब्ल्यूआई) यूजीसी – मानव संसाधन विकास केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली 5
- 22.11.2021-04.12.2021: यूजीसी प्रायोजित इंटरडिसिप्लिनरी रिक्रेशर कोर्स इन ग्लोबल स्टडीज: इंटरनेशनल रिलेशंस ए वल्व्ड पॉलिटिक्स (ऑनलाइन) यूजीसी – ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू), नई दिल्ली में आयोजित 5
- विश्वभारती द्वारा आयोजित व्याख्यान शृंखला “भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोविड-19 का प्रभाव” शीर्षक से व्याख्यान दिया गया (लिंक: <https://youtu.be/pWrrKqSpbUU>)
- 18.01. 2022: बौद्धिक संपदा कार्यालय, भारत द्वारा आयोजित राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन के तहत ऑनलाइन आईपी जागरूकता/प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- 13.03.2022-20.03.2022: सामाजिक कार्य और विज्ञान पर आभासी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “महिला सशक्तीकरण में सतत ग्रामीण आजीविका की भूमिका” शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया –

एक स्वास्थ्य और सतत विकास की ओर 2022 (आईसीएसडब्ल्यूएस — टीओएचएसडी2022), श्री द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित समग्र स्वास्थ्य फाउंडेशन इंडिया (एसएचएचएफआई) और अन्य (लिंक: <https://youtu.be/ivwUKTzmOcc>)

- 25.03.2022-31.03.2022: आईक्यूएसी, येल्लो मार बेसिलियोस कॉलेज, कोथमन के सहयोग से सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित “सामाजिक कार्य में शोध प्रतिमान” पर एक सप्ताह के अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

चल रही शोध परियोजनाएं:

- शिक्षक का नाम: प्रो. प्रशांत कुमार घोष परियोजना का नाम: बीरभूम जिला प्रायोजक एजेंसियों में बाल श्रम का सर्वेक्षण: सहायक श्रम आयुक्त, सिउड़ी, बीरभूम, सरकार। पश्चिम बंगाल की स्वीकृत राशि: रु. 4 लाख
- शिक्षक का नाम: डॉ शुभश्री सान्याल परियोजना का नाम: ग्रामीण आजीविका पर कोविड — 19 का प्रभाव: बोलपुर उप-मंडल में चुनिंदा ग्रामीण क्षेत्रों का एक अध्ययन प्रायोजक एजेंसियां: एकेडी दासगुप्ता योजना और विकास केंद्र विश्व — भारती (नीतियोग के तहत; भारत सरकार) स्वीकृत राशि: रु। 25000 /

विस्तार गतिविधियाँ/एनएसएस/सांस्कृतिक और विभाग द्वारा आयोजित और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लेने वाली अन्य गतिविधियाँ:

समवर्ती क्षेत्र कार्य पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में विभाग ने श्रीनिकेतन — बोलपुर और के कई गाँवों में हस्तक्षेप बढ़ाया है। इलामबाजार ब्लॉक। निम्नलिखित क्षेत्रों में सामुदायिक स्तर पर गतिविधियों का संचालन करने के लिए शिक्षकों द्वारा छात्रों की देखरेख की जाती थी:

- 01.04.2022 -06.04.2022 : समाज कार्य विभाग ने बीएसडब्ल्यू सेमेस्टर-1 और एमएसडब्ल्यू सेमेस्टर-1 के छात्रों के लिए ग्रामीण समुदाय विसर्जन कार्यक्रम का आयोजन किया।
- बीएसडब्ल्यू सेमेस्टर —VI और एमएसडब्ल्यू सेमेस्टर —IV संकाय के छात्रों के लिए ग्रामीण समुदाय विसर्जन कार्यक्रम का आयोजन किया।

प्रकाशन:

विभाग द्वारा प्रकाशन:

- जर्नल ऑफ सोशल वर्क एंड सोशल डेवलपमेंट (पीयर रिव्यू और यूजीसी केयर लिस्टेड), वॉल्यूम 1 (जून, 2021 और दिसंबर, 2021), आईएसएसएन 2229-6468
- ► प्लेसमेंट ब्रोशर, 2021-22

अध्याय-2

प्रशांत कुमार घोष द्वारा प्रकाशन

- लिबोइस, जे., भट्टाचार्य, के., और घोष, पी. (2022), टैगोर और सामाजिक कार्य एक सार्वभौमिक प्रेरणा। नई दिल्ली: कॉन्सेप्ट पब्लिशिंग कंपनी (पी) लिमिटेड

देबोतोष सिन्हा

- डी., पाल, एस., और जायसावल, एन. (एड्स।) (2022), बच्चों के खिलाफ हिंसा की रोकथाम: चुनौतियां और अवसर। नई दिल्ली: नई दिल्ली प्रकाशक।

पारमिता राय

- जाजोदिया, पी., और राय, पी. (2021), सहोदर समायोजन प्रश्नावली का विकास (एसएक्यू – 13) एक पद्धतिगत विश्लेषण। जर्नल ऑफ सोशल वर्क एंड सोशल डेवलपमेंट, 12 (2), 24-36.

शुभश्री सान्याल

- मुखर्जी डी., और सान्याल एस. (2021), आघात – जलवायु परिवर्तन के प्रति सूचित दृष्टिकोण। इन: लील फिल्हो डब्ल्यू।, लुएटज़ जे।, अयाल डी। (एड्स।) हैंडबुक ऑफ क्लाइमेट चेंज मैनेजमेंट। सिंगर, चाम। https://doi.org/10.1007/978-3-030-22759-3_172-1.
- सान्याल एस. (2021), भारत में अविवाहित महिलाओं की अनसुनी आवाजें: हाजरा में एक स्थितिजन्य विश्लेषण। अयान, (एड्स) जेंडर जस्टिस इन इंडिया। सत्यम एंड लॉ पब्लिकेशन्स।
- सान्याल, एस., राय, के., और प्रकाश, एस. (2021), समावेशी शिक्षा: एक सामाजिक कार्य दृष्टिकोण, समावेशी और अनुकूली शिक्षाशास्त्र की चुनौतियां, पीपी 209-217 भारत में कुणाल बुक्स द्वारा प्रकाशित, ट्राइडेंट एंटरप्राइजेज, नोएडा, यूपी में मुद्रित।
- सान्याल, एस., प्रकाश, एस., और राय, के. (2021), कोविड के दौरान स्वास्थ्य व्यय का प्रभाव: एक सामाजिक-आर्थिक अवलोकन, पोस्ट कोविड युग में सुशासन के लिए लचीला रणनीति, पीपी 247-260, स्कूल ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, नेताजी सुभाष ओपन यूनिवर्सिटी द्वारा प्रकाशित।
- सान्याल, एस., प्रकाश। एस., और राय, के. (2022), प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं का डिजिटल प्रचार: नाहा, एस एंड राय चौधरी में आवश्यक या वैकल्पिक, एम (एड्स) सामाजिक – भारत में कोविड – 19 महामारी के आर्थिक प्रभाव: बढ़ती चुनौतियाँ और संभावित समाधान, नई दिल्ली प्रकाशक .. सान्याल, एस., राय, के., और प्रकाश, एस. (2022), पारंपरिक स्वास्थ्य देखभाल पद्धतियां और कोविड देखभाल में इसका प्रभाव: ओडिशा के बालासोर जिले के अंतर्गत जलेश्वर जनजातीय ब्लॉक का एक अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ एंथ्रोपोलॉजिकल रिसर्च, 1 (1), 33-44, एआरएफ (इंडिया), नई दिल्ली।

सुकुमार पाल

- पाल, एस., भट्टाचार्य, बी., कुंडू, एस., और दत्ता, एस. (2021), COVID-19 के महेनजर रिवर्स माइग्रेशन और महिलाओं की समस्या। बी आधार, (सीसीएक्ससीवीआईआईआईआई) 298, 103 106. 367 वार्षिक रिपोर्ट 2021-22
- पाल, एस. और विश्वास, एस. (2021), ट्राइबल लैंड राइट्स: ए सिचुएशनल एनालिसिस इन द कॉन्टेक्ट ऑफ वेस्ट बंगाल। जर्नल ऑफ लैंड एंड रूरल स्टडीज, 9 (1), 193-209. <http://doi.org/10.1177/2321024920968335>.
- पाल, एस. (2021), इमरुल कायेश आलम सरकार (संस्करण) में, भारत में दलितों के आधुनिक भारत और इसकी चुनौतियों के लिए दलित नेताओं, विशेष रूप से डॉ. बी.आर. अम्बेडकर का विजन। (पीपी. 121-133), अबाबिल बुक्स।
- पाल, एस., विश्वास, एस., और जोस, एस. (2021), आध्यात्मिकता, मानव जीवन और सामाजिक कार्य: कुछ प्रतिबिंब। वेद सीवी और अनीता एस (संस्करण), आध्यात्मिकता और सामाजिक कार्य (52-57) में। पुस्तकें क्लिनिक प्रकाशन।
- पाल, एस. और भिक्कु, पी. (2021), कास्ट पॉलिटिक्स इन इंडिया इन ए.के. सरकार एंड एस.धर (एड्स।), कॉन्टेक्टुअलाइजिंग पीस: एक्सपीरियंस ऑफ कंटेम्परेरी इंडिया एंड नेबरिंग कंट्रीज़। (पीपी। 84-97) मानक प्रकाशक।
- पाल, एस., विश्वास, एस., सरकार, पी., और जोस, एस. (2021), कोविड 19 का सामाजिक प्रभाव: टी. आर. सिन्हा और एस सरकार (सं.), महामारी और सामाजिक कार्य: मानव में समस्याएं और चुनौतियाँ। (25-41) पर्सपेक्टिव्स लेवेंट बुक्स.
- पाल, एस., भिक्कु, पी., और जायसवाल, एन. (एड्स।) (2022), डॉ. बी.आर. का योगदान आधुनिक भारत के लिए अम्बेडकर। नई दिल्ली: नई दिल्ली प्रकाशक। डीओआई: 10.30954 / एनडीपी – ब्रम्बेडकर।
- सिन्हा, डी., पाल, एस., और जायसवाल, एन. (एड्स।) (2022), बच्चों के खिलाफ हिंसा की रोकथाम: चुनौतियाँ और अवसर। नई दिल्ली: नई दिल्ली प्रकाशक।
- पाल, एस. और भिक्कु, पी. (2022), डॉ. बी.आर. जम्मू-कश्मीर पर अम्बेडकर का दृष्टिकोण, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35ए, एस. पाल, पी. भिक्कु और एन. जायसावल (एड्स।) में, डॉ. बी.आर. का योगदान। अम्बेडकर टू मॉडर्न इंडिया (पीपी. 37-47), नई दिल्ली पब्लिशर्स..
- पाल, एस. और विश्वास, एस. (2022), डॉ. बी.आर. अम्बेडकर, महिला अधिकारिता और भूमि अधिकार। एस. पाल में, पी. भिक्कु और एन. जायसावल (एड्स।), डॉ. बी.आर. का योगदान। अम्बेडकर टू मॉडर्न इंडिया (पीपी. 101-109), नई दिल्ली प्रकाशक..

अध्याय-2

- पाल, एस. (2022), आरक्षण नीति के कुछ प्रतिबंधात्मक क्षेत्र। एस. पाल में, पी. भिक्कु और एन. जायसावल (एड्स।), डॉ. बी.आर. का योगदान। अम्बेडकर टू मॉडर्न इंडिया (पीपी. 143 150), नई दिल्ली पब्लिशर्स ...
- पाल, एस. और विश्वास, एस. (2022), पीवीटीजी बच्चों के बीच अधिकारों का उल्लंघन: लोढ़ा समुदायों का एक मामला। डी. सिन्हा, एस. पाल, और एन. जायसावल (संस्करण) में, बच्चों के खिलाफ हिंसा की रोकथाम: चुनौतियां और अवसर (1-8), नई दिल्ली
- पाल, एस. और सरकार, पी। (2022), उत्तर बंगाल के चाय बागान क्षेत्रों में बच्चों के खिलाफ हिंसा। डी. सिन्हा, एस. पाल, और एन. जायसवाल (संस्करण) में, बच्चों के खिलाफ हिंसा की रोकथाम: चुनौतियां और अवसर (पीपी। 92-99), नई दिल्ली प्रकाशक।
- पाल, एस., मित्रा ठाकुर, एस., और गुप्ता, बी. (2022), भारत में बाल यौन शोषण और पोक्सो अधिनियम: एक विश्लेषण। डी. सिन्हा, एस. पाल, और एन. जायसवाल (संस्करण) में, बच्चों के खिलाफ हिंसा की रोकथाम: चुनौतियां और अवसर (पीपी। 92-99), पी – आईएसबीएन 3 नई दिल्ली प्रकाशक ..

सुदेशना साहा

- एस. (संस्करण।) (2022) महामारी के रोग: COVID - नई दिल्ली: नई दिल्ली प्रकाशक।
- जायसावल, एन., और साहा, एस. (2022), डॉ. ए.एस. बी.आर. एक समाज सुधारक के रूप में अम्बेडकर। एस. पाल, पी. भिक्कु, और एन. जायसावल (संस्करण) में। बी.आर. आधुनिक भारत में अम्बेडकर (पीपी। 117-131), नई दिल्ली: नई दिल्ली प्रकाशक।
- साहा, एस. (2022), भारत में कोविड-19 संकट से निपटने में कॉर्पोरेट की भूमिका एस. साहा (सं.) में, पाथोस ऑफ़ पैडेमिक: कोविड-19 (पीपी. 116-146), नई दिल्ली: नई दिल्ली प्रकाशक।
- जायसावल, एन., और साहा, एस. (2022), पसीना बहा रहा है बचपन !! बाल श्रम उन्मूलन में कॉर्पोरेट हस्तक्षेप: कुछ सर्वोत्तम प्रथाएं। डी. सिन्हा, एस. पाल, और एन. जायसवाल (संस्करण) में, बच्चों के खिलाफ हिंसा की रोकथाम: चुनौतियां और अवसर (पीपी। 36-48), नई दिल्ली: नई दिल्ली प्रकाशक। डीओआई: 10.30954/एनडीपी/पोवैक.5.

नीलमणि जायसवाल

- पाल, एस., भिक्कु, पी., और जायसावल, एन. (सं.), (2022) डॉ. का योगदान बी.आर. आधुनिक भारत के लिए अम्बेडकर। नई दिल्ली: नई दिल्ली प्रकाशक। डीओआई: 10.30954/एनडीपी-ब्रंबेडकर।
- सिन्हा, डी., पाल, एस., और जायसावल, एन. (संपा.). (2022) बच्चों के खिलाफ हिंसा की रोकथाम: चुनौतियां और अवसर। नई दिल्ली: नई दिल्ली प्रकाशक। जायसावल, एन., और साहा, एस. (2022), डॉ. ए.एस. बी.आर. एक समाज सुधारक के रूप में अम्बेडकर।

- एस. पाल, पी. भिक्खु, और एन. जायसावल (संस्करण) में। बी.आर. आधुनिक भारत में अम्बेडकर (पीपी। 117-131), नई दिल्ली : नई दिल्ली पब्लिशर्स...
- जायसवाल, एन. (2022), भारत में पर्यटन, आतिथ्य और विमानन उद्योग पर COVID-19 का प्रभाव इन एस. साहा (सं.), पाथोस ऑफ़ पैडेमिक: कोविड-19 (पीपी. 73-87), नई दिल्ली: नई दिल्ली प्रकाशक। 369 वार्षिक रिपोर्ट 2021-22
- जयसावल, एन।, और साहा, एस. (2022), डी. सिन्हा, एस. पाल, और एन. जायसावल (संस्करण) में, बच्चों के खिलाफ हिंसा की रोकथाम: चुनौतियां और अवसर (पीपी। 36-48), नई दिल्ली: नई दिल्ली प्रकाशक। डीओआई: 10.30954/एनडीपी/पोवैक .5.

सस्मिता पटेल

- पटेल, एस. (2021), होमस्टे पर्यटन शांतिनिकेतन में और उसके आसपास सतत ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने के लिए एक उपकरण के रूप में: अवसर, चुनौतियां और रोड मैप। खोआई (एक यूजीसी-केयर सूचीबद्ध पत्रिका), वॉल्यूम। (46) 46: पीपी।; आईएसएसएन: 2319-8389 (सह-लेखक),
- पटेल, एस. (2021) दक्षिण ओडिशा में सतत वन प्रबंधन में जनजातीय महिलाओं की भूमिका। उन्नत बहु-विषयक शोध के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, खंड 8 (12); पीपी.80-94; आईएसएसएन: आईएसएसएन: 2393- 8870 (सह-लेखक)
- पटेल, एस (2021) खाद्य सुरक्षा एक गंभीर चिंता के रूप में: भारत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लेंस से एक विश्लेषण। खोआई (एक यूजीसी — केयर लिस्टेड जर्नल), (कला और मानविकी पर विशेष अंक), वॉल्यूम.45 (3): पीपी.410-417; आईएसएसएन: 2319-8389 (सह लेखक),
- पटेल, एस. (2021), भारत में बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य नीतियों और कार्यक्रमों की समीक्षा: पश्चिम बंगाल के रामपुरहाट स्वास्थ्य जिले के विशेष संदर्भ में। मानविकी और सामाजिक विज्ञान शोध के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, खंड 7 (4); पीपी.99-103; आईएसएसएन: 2455-2070 (सह-लेखक),
- पटेल, एस. (2022), वन संसाधनों के संरक्षण और पुनर्जनन में महिलाओं की भागीदारी: पूर्वी ओडिशा, भारत में एक दूरस्थ गांव का एक मामला। एजुकेशन इंडिया: ए क्वार्टरली रेफरीड जर्नल ऑफ डायलॉग्स ऑन एजुकेशन (यूजीसी-केयर लिस्टेड जर्नल), खंड 11 (1); पीपी.1-10; (सह-लेखक),
- पटेल, एस. (2022), सामूहिक जिम्मेदारी के माध्यम से सामाजिक प्रतिरक्षा को मजबूत करना: अनिश्चितता को चुनौती देने में भारत का अनुभव। ईपीआरए इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, वॉल्यूम 8 (1); पीपी. 360-369; आईएसएसएन: 2455-3662 (ऑनलाइन) (सह लेखक),

अध्याय-2

- पटेल, एस. (2022), पश्चिम बंगाल के हिमालयी क्षेत्र में लेपचा का स्वदेशी ज्ञान और अभ्यास: सतत विकास लक्ष्य के लिए उनके पारिस्थितिक संरक्षण दृष्टिकोण को फिर से जोड़ने वाला एक गुणात्मक अध्ययन – 17. इंटरनेशनल जर्नल एडवांस्ड मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च; खंड 9 (1); पीपी. 106-120; आईएसएसएन: 23938870 (सह-लेखक),
- पटेल, एस. (2022), संगीत: सकारात्मक परिवर्तन के लिए सामाजिक कार्य हस्तक्षेप में एक प्रभावी उपकरण। संगीत गैलेक्सी (यूजीसी-केयर लिस्टेड जर्नल), खंड 11 (1); पीपी.122-132; आईएसएसएन: 2319-9695 (सह-लेखक),

मौमिता लाहा

- लाहा एम. (2021), गेम चेंजर या अकाउंटिंग प्रैक्टिस? भारत में जेंडर रिस्पॉन्सिव बजटिंग। पब्लिक मनी एंड मैनेजमेंट, 41 (7), 539-547.

इंद्रनील सरकार

- सरकार आई।, मंडल एम।, और सरकार डी। (2021), माइग्रेंट स्लम डवेलर्स का मातृ स्वास्थ्य: कोलकाता मेट्रोपोलिटन के चुनिंदा क्षेत्र का एक अध्ययन, जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च। वॉल्यूम। 8 (9),
- सरकार (2021), पश्चिम बंगाल में शिशु मृत्यु दर: एक स्थिति सामाजिक कार्य और सामाजिक विकास। वॉल्यूम। 12 (2), विश्लेषण।
- विश्वास आर., सरकार आई., और गुरुंग एस., (2022), कोविड -19 महामारी और फ्रंट-लाइन हेल्थकेयर वर्कर्स द्वारा सामना की गई चुनौतियां: पश्चिम बंगाल के चुनिंदा जिलों में एक अध्ययन, सहभागी विकास के दक्षिण एशियाई जर्नल, खंड 2 (1)

छात्रों की उपलब्धियां

पीएच.डी. शोधार्थी

सुश्री सस्मिता पाधी

- 23.08.2021-27.08.2021: एनआईआरडीपीआर, हैदराबाद द्वारा आयोजित * सामुदायिक वन अधिकार और वन अधिकार अधिनियम 'पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ओ
- 17.12.2021-18.12.2021: में भाग लिया और पूरा किया शोध इकाई, सामाजिक कार्य कॉलेज, (स्वायत्त) निर्मला निकेतन, मुंबई द्वारा आयोजित "रिसर्च रिपोर्ट राइटिंग: डिजीटलिंग इनसाइट्स" पर रूस प्रायोजित ऑनलाइन कार्यशाला 0
- 03.01.2022-07.01.2022: पांच दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की ई-कार्यशाला में भाग लिया सत्यबामा इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, चेन्नई द्वारा इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल 371 वार्षिक रिपोर्ट 2021-22 के सहयोग से आयोजित 'एसपीएसएस और डेटा विश्लेषण में अभिनव तकनीक' पर।

- 30.03.2022-31.03.2022: एनआईआरडीपीआर, हैदराबाद द्वारा आयोजित * जनजातीय विकास पेशेवरों के लिए नृवंशविज्ञान शोध 'पर ऑनलाइन प्रशिक्षण सह कार्यशाला कार्यक्रम में भाग लिया।

पीएच.डी. शोधार्थी:

सुश्री युमनाम बिजियाकुमारी

- 23.02.2022-25.02.2022: इंटरडिसिप्लिनरी इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन सिक्सोरिटी एंड गवर्नेंस, न्यू द्वारा आयोजित आईआईएचएसजी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 2022 ऑन ह्यूमन सिक्सोरिटी एंड गवर्नेंस में "मणिपुर में महिलाओं की भागीदारी" पर एक पेपर प्रस्तुत किया। दिल्ली

पीएच.डी. शोधार्थी:

श्री उष्णीश गुहा

- 21.02.2022-23.02.2022: आईएनसीए के सहयोग से हैदराबाद विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इंडियन एंथ्रोपोलॉजी कांग्रेस — 2022 में 'वन हेल्थ एप्रोच: ए रिब्यू' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 27.03.2022: सेंटर फॉर पब्लिक हेल्थ, स्कूल ऑफ सोशल वर्क, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, गुवाहाटी ऑफ कैंपस में वर्ल्ड सोशल वर्क मंथ लेक्चर में रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित (सत्र का शीर्षक — व्यावसायिक स्वास्थ्य: एक संक्षिप्त अंतर्दृष्टि)

पीएच.डी. शोधार्थी: श्री सृजन किशोर

- 23.06.2021-25.06.2021: कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी, सस्टेनेबिलिटी पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में सीएसआर: वर्तमान, भविष्य और सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिका" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। नैतिकता और शासन। लिस्बन अकाउंटिंग एंड बिजनेस स्कूल, पुर्तगाल .
- 22.11.2021-27.11.2021: चौथे ऑर्गेनिक एशिया के दौरान "गरीबी उन्मूलन, समावेशी विकास और सशक्तिकरण समुदाय: भारत में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से जैविक कृषि की वास्तविक क्षमता का खुलासा" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। इंडोनेशिया में कांग्रेस
- 11.12.2021-12.12.2021: चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना में सीएसआर, समावेशी विकास और कल्याण 2021 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "राज्य में टिकाऊ व्यापार को बढ़ावा देने के लिए झारखंड सीएसआर प्राधिकरण की भूमिका" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- टाटा स्टील द्वारा एक सीएसआर कॉन्क्लेव में विशिष्ट अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

पीएच.डी. शोधार्थी:

सुश्री जेनीकृष्णा एमयू

- 27.05.2021-29.05.2021: "आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए उभरती चुनौतियां: नई रणनीति और 15 वीं योजना आयोग" पर एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया, जो सामाजिक कार्य विभाग, तमिलनाडु के केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया था। और राष्ट्रीय आपदा

अध्याय-2

प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली ओ 22.02.2022: सलाम व्याख्यान शृंखला द्वारा आयोजित “दक्षिण एशिया में अनियमित प्रवास, गरीबी और विकास” विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान में भाग लिया।

पीएच.डी. शोधार्थी:

सुश्री सस्मिता पाधी

- पटेल, एस., और पाधी, एस. (2022), वन संसाधनों के संरक्षण और पुनर्जनन में महिलाओं की भागीदारी: पूर्वी ओडिशा, भारत में एक दूरस्थ गांव का एक मामला। एजुकेशन इंडिया: ए क्वार्टरली रेफरीड जर्नल ऑफ डायलॉग्स ऑन एजुकेशन ए यूजीसी – केयर लिस्ट जर्नल, 11 (1), 1-10 ..
- पटेल, एस, और पाधी, एस. (2021), शांतिनिकेतन में और उसके आसपास स्थायी ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने के लिए एक उपकरण के रूप में होमस्टे पर्यटन: अवसर, चुनौतियां और रोडमैप। खोआई, यूजीसी-केयर लिस्ट जर्नल, 47 (47), 330-335.
- पाधी, एस., और पटेल, एस. (2021), दक्षिण ओडिशा में सतत वन प्रबंधन में आदिवासी महिलाओं की भूमिका। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड मल्टीडिसिप्लिनरी से लिया गया. 0 8 (12), 80-94। शोध, <https://ijarm.com/pdfcopy/2021/dec2021/ijarm9.pdf>
- पटेल, एस., और पाधी, एस. (2021), महत्वपूर्ण चिंता के रूप में खाद्य सुरक्षा: भारत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लेंस से एक विश्लेषण। खोआई, यूजीसी- केयर लिस्ट जर्नल, 45 (45), 410-416.
- पाधी, एस., और पटेल, एस. (2021), दक्षिण ओडिशा में आदिवासी महिलाओं के बीच वन आधारित आजीविका: संभावनाएं, बाधाएं, एलजेएमईआर, 10 (7 (1)), 88-99. [http : // s3 – ap दक्षिण-पूर्व-1.amazonaws.com/ijmer/pdf/वॉल्यूम 10 / वॉल्यूम 10 – अंक7 \(1 \)/16.pdf](http://s3-ap-dक्षिण-पूर्व-1.amazonaws.com/ijmer/pdf/वॉल्यूम 10 / वॉल्यूम 10 – अंक7 (1)/16.pdf)

पीएच.डी. शोधार्थी:

सुश्री अजंता सरकार

- सरकार, ए (2022), समाज पर बाल यौन शोषण का प्रभाव – अजंता सरकार द्वारा भारतीय परिदृश्य, डी. सिन्हा, एस.पाल और एन. जायसवाल (संस्करण) में, बच्चों के खिलाफ हिंसा की रोकथाम: चुनौतियां और अवसर, नई दिल्ली प्रकाशक, नई दिल्ली। डीओआई: 10.30954/ एनडीपी /पोवैक.13
- पीएचडी का नाम। रिसर्च स्कॉलर: सुश्री गार्गी साहा ओ साहा, जी., और रॉय, पी. (2022), छिपे हुए शिकार: बच्चों पर अंतरंग साथी हिंसा (आईपीवी) का प्रभाव। डी. सिन्हा, एस. पाल, और एन. जायसवाल (संस्करण) में, बच्चों के खिलाफ हिंसा की रोकथाम: चुनौतियां और अवसर, (पीपी। 9-18), नई दिल्ली। <https://doi.org/10.30954/ndp/povac.2>।

पीएच.डी. शोधार्थी:

श्री सृजन किशोर

- किशोर, एस. (2021), कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व का क्या अर्थ है? (हिंदी [संपादकीय]), बिरसा का गांडीव, पृ. 10
- एक्का, वी., बारा, ए.बी., और किशोर, एस. (2021), सोनभद्र के बैगा। नई दिल्ली: भारतीय सामाजिक संस्थान।
- किशोर, एस. (2021), गांधीवादी और नेहरूवादी सीएसआर मॉडल। (हिंदी- [संपादकीय]), बिरसा का गांडीव, पृ. 10.
- किशोर, एस. (2021), स्मारकों के रख-रखाव के लिए सीएसआर निवेश कितना सही है? (हिंदी- [संपादकीय])। बिरसा का गांडीव, पृष्ठ 10
- किशोर, एस. (2022), बजट ईएसजी सकारात्मक था। (हिंदी- [संपादकीय])। बिरसा का गांडीव, पृष्ठ 10

पीएच.डी. शोधार्थी:

सुश्री अनामिका बसु

- ओ बसु, ए. (2022), बच्चों के खिलाफ हिंसा: कारकों की तलाश में। डी. सिन्हा, एस. पाल, और एन. जायसावल (संस्करण) में, बच्चों के खिलाफ हिंसा की रोकथाम: चुनौतियां और अवसर (पीपी। 81-91), नई दिल्ली प्रकाशक।

पीएच.डी. शोधार्थी:

श्री शांतनु कुंडू

- ओ कुंडू, एस. (2021), COVID-19 के मदेनजर रिवर्स माइग्रेशन और महिलाओं की समस्या। बी आधार, (सीसीएक्ससीवीआईआईआई) 298, आईएसएसएन: 2278-9308।

पीएच.डी. शोधार्थी:

श्रीदेबायन दत्ता

- ओयूजीसी-जेआरएफसेयूजीसी-एसआरएफ (21.12.2021 कोबी.ओ.एसकेमाध्यमसे) मेंपदोन्नतहुए.

पीएच.डी. शोधार्थी:

खेयाली रॉय

- ओ रॉय, के., और प्रकाश। एस. (2019), महिला सशक्तिकरण और मानसिक स्वास्थ्य: अस्पष्टीकृत मुद्दा। भाषा, साहित्य और शिक्षा के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, जून 2019, पीपी 129-140, अरबी, फारसी, उर्दू और विभाग इस्लामी अध्ययन, भाषा भवन, विश्व-भारती और खामा प्रकाशक, नई दिल्ली

अध्याय-2

- प्रकाश, एस, और रॉय, के. (2021), महामारी के लिए उद्यमिता संबंधी चुनौतियां (कोविड-19), वर्तमान परिदृश्य में उद्यमिता के नवाचार और हालिया रुझान, फरवरी 2021, पीपी 3-16, ग्लोबल विजन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
- प्रकाश, एस, भारत में जाति, सामाजिक असमानता और गतिशीलता की पुस्तक समीक्षा, के एल शर्मा, जर्नल ऑफ सोशल द्वारा कार्य और सामाजिक विकास, 10 (02) . 149-151
- काश, एस., और रॉय, के. (2021), बी.आर. अम्बेडकर: भारत में लिंग समानता और महिला अधिकारिता आयुषी अंतर्राष्ट्रीय अंतःविषय शोध जर्नल, विशेष अंक संख्या- 84, वॉल्यूम। 3, 626-630,
- प्रकाश, एस., और रॉय, के. (2021), स्वच्छ भारत समर इंटरनशिप: ए कम्युनिटी बेस्ड लर्निंग फॉर सोशल वर्क स्टूडेंट्स जूनी ख्यात जर्नल, 11 (05), 93-99,
- रॉय, के., और प्रकाश, एस. (2021), पश्चिम बंगाल के चयनित सरकारी स्कूलों में साप्ताहिक आयरन और फोलिक एसिड सप्लीमेंटेशन (डब्ल्यूआईएफएस) के कार्यान्वयन की स्थिति पर एक अध्ययन इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ सोशल वर्क, 3 (1) 18-24।
- सान्याल, एस., रॉय, के., और प्रकाश, एस. (2021), समावेशी शिक्षा: एक सामाजिक कार्य दृष्टिकोण, समावेशी और अनुकूली शिक्षाशास्त्र की चुनौतियां, 209-217. कुणाल बुक्स।
- सान्याल, एस., प्रकाश, एस., और रॉय, के. (2021), कोविड के दौरान स्वास्थ्य व्यय का प्रभाव: एक सामाजिक — आर्थिक अवलोकन, पोस्ट कोविड युग में सुशासन के लिए लचीला रणनीति, 247-260, स्कूल ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, नेताजी सुभाष ओपन यूनिवर्सिटी
- रॉय, के, और प्रकाश, एस द्वारा प्रकाशित (2022) । बच्चों के खिलाफ हिंसा: एक वैश्विक समस्या। बच्चों के खिलाफ हिंसा की रोकथाम: चुनौतियां और अवसर, 136 142, पी-आईएसबीएन: 978-93-92513-06-0, नई दिल्ली प्रकाशक, नई दिल्ली
- प्रकाश, एस, और रॉय के. (2022), बाल श्रम की घटनाएं: लौरिया प्रखंड में 25 परिवारों का एक अध्ययन। बच्चों के खिलाफ हिंसा की रोकथाम: चुनौतियां और अवसर 171-179, नई दिल्ली प्रकाशक, नई दिल्ली
- सान्याल, एस., रॉय, के., और प्रकाश, एस. (2022), पारंपरिक स्वास्थ्य देखभाल पद्धतियां और कोविड देखभाल में इसका प्रभाव: बालासोर के तहत जम्मू, अलेश्वर जनजातीय ब्लॉक का एक अध्ययन ।
- डिस्ट्रिक्ट, ओडिशा, इंडियन जर्नल ऑफ एंथ्रोपोलॉजिकल रिसर्च, 1 (1), 33-44। एआरएफ (इंडिया), नई दिल्ली

- सान्याल, एस., प्रकाश, एस., और रॉय, के. (2022), प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं का डिजिटल प्रचार: आवश्यक या वैकल्पिक, सामाजिक में — भारत में कोविड — 19 महामारी के आर्थिक प्रभाव: बढ़ती चुनौतियाँ और संभावित समाधान, 85-93, नई दिल्ली प्रकाशक, नई दिल्ली
- रॉय, के।, और प्रकाश, एस (2022) । महिलाओं के बीच प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं पर कोविड -19 का प्रभाव: ओडिशा के चुनिंदा जिले में एक क्रॉस सेक्शनल स्टडी, इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ सोशल वर्क, 3 (2), 23-30।
- रॉय, के., और प्रकाश, एस. (2022), बालासोर, ओडिशा की मलिन बस्तियों में किशोरों के बीच प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के ज्ञान और उपयोग के बीच असमानताएं, सहभागी विकास के दक्षिण एशियाई जर्नल, महामारी के दौरान स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष मुद्दे: प्रतिक्रिया और लचीलापन 22 (1), 26 44।

पीएचडी शोधार्थी का नाम:

शौर्य प्रकाश

- रॉय, के और प्रकाश, एस. (2019), महिला सशक्तिकरण और मानसिक स्वास्थ्य: अस्पष्टीकृत मुद्दा। भाषा, साहित्य और शिक्षा के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, 129-140, अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग, भाषा भवन, विश्व-भारती शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल और खामा प्रकाशक, नई दिल्ली
- प्रकाश, एस (2020), बुजुर्गों के बीच अलगाव: साहित्य समीक्षा के माध्यम से कुछ प्रतिबिंब, मानविकी और सामाजिक विज्ञान के शोध जर्नल, 10 (10),
- प्रकाश, एस., और रॉय, के. (2021) द्वारा महामारी के लिए उद्यमिता चुनौतियां (कोविड-19), नवाचार और वर्तमान परिदृश्य में उद्यमिता के हालिया रुझान, 3-16.
- प्रकाश, एस., और रॉय, के. (2021), बी आर अम्बेडकर: भारत में लैंगिक समानता और महिला अधिकारिता, आयुषी अंतर्राष्ट्रीय अंतःविषय शोध जर्नल, विशेष अंक संख्या- 84 (3): 626-630। वैश्विक विज्ञान पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
- प्रकाश, एस., और रॉय, के. (2021), स्वच्छ भारत समर इंटरनशिप: ए कम्युनिटी बेस्ड लर्निंग फॉर सोशल वर्क स्टूडेंट्स, जूनी ख्यात जर्नल 11 (05), 93-99.
- रॉय, के और प्रकाश, एस. (2021), पश्चिम बंगाल के चयनित सरकारी स्कूलों में साप्ताहिक आयरन और फोलिक एसिड सप्लीमेंटेशन (डब्ल्यूआईएफएस) के कार्यान्वयन की स्थिति पर एक अध्ययन, इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ सोशल वर्क, 3 (1), 18-24।
- सान्याल, एस., रॉय, के., और प्रकाश, एस. (2021), समावेशी शिक्षा: एक सामाजिक कार्य दृष्टिकोण, समावेशी और अनुकूली शिक्षाशास्त्र की चुनौतियां, पीपी 209-217, आईएसबीएन: 978-

अध्याय-2

93-91908-22-5 भारत में कुणाल बुक्स द्वारा प्रकाशित, ट्राइडेंट एंटरप्राइजेज, नोएडा, यूपी में मुद्रित।

- सान्याल, एस., प्रकाश, एस., और रॉय, के. (2021), कोविड के दौरान स्वास्थ्य व्यय का प्रभाव: एक सामाजिक-आर्थिक अवलोकन, पोस्ट कोविड युग में सुशासन के लिए लचीला रणनीतियाँ, 247-260, व्यावसायिक अध्ययन स्कूल, नेताजी सुभाष मुक्त विश्वविद्यालय
- रॉय, के., और प्रकाश, एस. (2022), बच्चों के खिलाफ हिंसा: एक वैश्विक समस्या। बच्चों के खिलाफ हिंसा की रोकथाम: चुनौतियाँ और अवसर, पीपी 136-142, नई दिल्ली प्रकाशक, नई दिल्ली
- प्रकाश, एस., और रॉय, के. (2022), बाल श्रम की घटनाएं: लौरिया प्रखंड में 25 परिवारों का एक अध्ययन। बच्चों के खिलाफ हिंसा की रोकथाम: चुनौतियाँ और अवसर, पीपी 171-179, पी – आईएसबीएन: 978-93-92513-06-0, ईबुक आईएसबीएन: 978-93-91012-37-3, नई दिल्ली प्रकाशक, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित
- सान्याल, एस., रॉय, के., और प्रकाश, एस. (2022), पारंपरिक स्वास्थ्य देखभाल व्यवहार और कोविड देखभाल में इसका प्रभाव: बालासोर जिले के तहत जलेश्वर जनजातीय ब्लॉक का एक अध्ययन, ओडिशा, भारतीय मानव विज्ञान शोध जर्नल, 1 (1): 33-44, आईएसएसएन: 2583-2417, एआरएफ (भारत), नई दिल्ली
- सान्याल, एस., प्रकाश, एस., और रॉय, के. (2022), प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं का डिजिटल प्रचार: आवश्यक या वैकल्पिक, भारत में कोविड-19 महामारी के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव: बढ़ती चुनौतियाँ और संभावित समाधान, 85-93, नई दिल्ली प्रकाशक, नई दिल्ली
- रॉय, के., और प्रकाश, एस. (2022), महिलाओं के बीच प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं पर कोविड – 19 का प्रभाव: ओडिशा के चुनिंदा जिले में एक क्रॉस सेक्शनल स्टडी, इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ सोशल वर्क, 3 (2), 23-30
- रॉय, के।, और प्रकाश, एस. (2022), बालासोर की मलिन बस्तियों में किशोरों के बीच प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के ज्ञान और उपयोग के बीच असमानता ओडिशा, दक्षिण एशियाई सहभागी विकास जर्नल, महामारी के दौरान स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष अंक: प्रतिक्रिया और लचीलापन 22 (1), 26 44, सामाजिक शोध और विकास केंद्र, पुणे, महाराष्ट्र।
- प्रकाश, एस. (2022), ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर: यह डिसेबिलिटी नहीं है। इट्स ए डिफरेंट एबिलिटी, बुक रिव्यू इन जर्नल ऑफ सोशल वर्क एंड सोशल डेवलपमेंट, 12 (1)।

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम / पाठ्यचर्या या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना:

- विभाग राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अनुसार बीएसडब्ल्यू, एमएसडब्ल्यू और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के पाठ्यक्रम को संशोधित करने की प्रक्रिया में है।

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी:

विभागीय प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित ऑन-कैंपस और ऑफ-कैंपस प्लेसमेंट के बाद निम्नलिखित छात्रों को संबंधित संगठनों में प्लेसमेंट प्राप्त हुआ है।

नाम	नौकरी पदनाम और संगठन
सौभिक मंडल	प्रबंधन प्रशिक्षु एसओएस चिल्ड्रन विलेज ऑफ इंडिया
शुभम मुखर्जी	जेएसएलपीएस में युवा पेशेवर (झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी)
अन्वेषाकर्मकार	मैनेजमेंट ट्रेनी, एसओएस चिल्ड्रन विलेज ऑफ इंडिया
श्रेयसी भट्टाचार्य	डॉक्यूमेंटेशन ऑफिसर , सृजन फाउंडेशन
शेखर रफीकुल हुसैन	मैनेजमेंट ट्रेनी, एसओएस चिल्ड्रेन्स विलेज ऑफ इंडिया
संचिता विश्वास	जिला जन साथी, संगठन जन सहस कार्यक्रम समन्वयक (टोस अपशिष्ट प्रबंधन) सिग्मा फाउंडेशन
मो. आसिफ ज़मान	गांधी फैलोशिप, पिरामल फाउंडेशन
अक्षय तिवारी	शिक्षा स्कूलों में वाश के जिला समन्वयक (यूनिसेफ), वर्ल्ड विजन इंडिया , कोलकाता,
प्रेरणा मुखर्जी	स्कूलों में WASH के जिला समन्वयक। (यूनिसेफ), वर्ल्ड विजन इंडिया, कोलकाता, स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार के राज्य समन्वयक।
मेघाश्री तमांग	करुणा शेषन बोधगया
देबकांता कबीरराज	प्रोजेक्ट ट्रेनी, प्रज्ञा
मुबारक हुसैन	फील्ड अधिकारी जन सहस
नाओदम नीलाभ सिंह	फाउंडेशन प्रोजेक्ट एसोसिएट (यूनिसेफ प्रोजेक्ट), सामाजिक कल्याण निदेशालय, असम
सौमी लहा	गांधी फैलोशिप, पीरामल फाउंडेशन एजुकेशन लर्निंग
नयन के घोष	डाटा एंट्री ऑपरेटर, सरकार। पश्चिम बंगाल
हेमंत प्रधान	फील्ड अधिकारी जन साहस
अर्निदिता प्रमाणिक	युवा पेशेवर (झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी जेएसएलपीएस)

अध्याय-2

नाम	नौकरी पदनाम और संगठन
प्रत्यूषा रॉय	युवा पेशेवर (झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी)
अंतरा कोरा	प्रोग्राम एसोसिएट, लांडेसा
पल्लबी चौधरी	काउंसलर, ग्लोबल ऑर्गनाइजेशन फॉर लाइफ डेवलपमेंट (गोल्ड))
तपस महंत	जिला फैसिलिटेटर, वर्ल्ड विजन इंडिया
सुधामयी सरदार	रिसोर्स सेंटर फैसिलिटेटर (आरसीएफ) पूर्वबर्धमान
सोमनाथ हंसदा	कम्युनिटी मोबिलाइजर (चाइल्डफंड इंडिया)
एमडी सिराजुद्दीन	जन साहस फाउंडेशन
संचिता घोष	सोशल वर्कर सरकार द्वारा संचालित स्पेशलाइज्ड एडॉप्शन एजेंसी (जी-एसएए), पी बर्धमान
बिष्णु दास	प्रोग्राम मैनेजर, धारा संस्थान
प्रियंका गराई	सेंटर मैनेजर- क्रिसिल फाउंडेशन

पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान)

पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान) कृषि विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में प्रमुख शिक्षा प्रदान करता है। बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि, एम.एससी. (एजी।) कृषि के विभिन्न विशिष्ट क्षेत्रों में, एम.एससी। कुक्कुट विज्ञान में और पीएच.डी. भारत के विभिन्न राज्यों और विदेशों से भी छात्रों ने इस अग्रणी संस्थान से कृषि में अध्ययन करने के लिए रुचि दिखाई है। वर्तमान में इस संस्थान में 12 विभाग शामिल हैं, अर्थात् - 1. कृषि विज्ञान, 2. मृदा विज्ञान और कृषि। रसायन विज्ञान 3. जेनेटिक्स एंड पौध ब्रीडिंग, 4. क्रॉप फिजियोलॉजी, 5. बागवानी और कृषि परवर्तीटेक्नोलॉजी, 6. एग्रील.स्टेटिस्टिक्स, 7.एग्रील. इकोनॉमिक्स, 8.एग्रील.एक्सटेंशन, 9.पौध पैथोलॉजी 10.एग्रील.एन्टोमोलॉजी, 11 पशु विज्ञान और 12. कृषि इंजीनियरिंग। इस वर्ष (2021-2022) के दौरान, 78 (75 भारतीय और 03 विदेशी) छात्रों ने बी.एससी (ऑनर्स) कृषि, 74 (74 भारतीय 00 विदेशी) एमएससी (एजी) छात्रों, और 38 पीएच.डी. .D छात्रों को विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों में प्रवेश दिया गया है। चर्चा के तहत वर्ष में बीएससी (ऑनर्स) कृषि के 61 छात्रों, एमएससी (एजी।) के 64 छात्रों और पीएचडी के 15 छात्रों को डिग्री से सम्मानित किया गया है। वर्तमान में 194 शोधार्थी इस भवन के विभिन्न विभागों में अपना शोध कार्य कर रहे हैं। भर्ती छात्रों में पश्चिम बंगाल के छात्रों के अलावा, हमारे पास सिक्किम, त्रिपुरा, मणिपुर, महाराष्ट्र, केरल, ओडिशा, बिहार, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, अरुणाचल प्रदेश, तमिलनाडु और के छात्र हैं। बांग्लादेश जैसे विदेशी देशों से। इस वर्ष (2021-2022) के दौरान, यह उल्लेखनीय है कि इस संस्थान के 21 छात्रों ने भारतीय कृषि शोध परिषद (आईसीएआर) द्वारा आयोजित अखिल भारतीय आधार प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) में अर्हता प्राप्त की और उन्हें प्रतिष्ठित स्थान दिया गया है। भारतीय विश्वविद्यालय और संस्थान जैसे भारतीय कृषि शोध संस्थान (IARI), भारतीय कृषि सांख्यिकी शोध संस्थान (नई दिल्ली), GBPANT कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (पंत नगर), बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (वाराणसी), IGKV (रायपुर) एनडीआरआई (करनाल) आदि। विभिन्न सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में कैपस साक्षात्कार और प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से कई छात्रों को नियुक्त किया गया है। इस साल 48 छात्रों ने आईसीएआर और यूजीसी-नेट में क्वालिफाई किया है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्तर पर 07 संकायों एवं 04 विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जा चुका है, संकायों ने अपनी

हमारे संकायों द्वारा 69 ऑनलाइन राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों और संगोष्ठियों में शोध पत्र और 172 शोध पत्र राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहकर्मि समीक्षा पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए हैं।

यह एक तथ्य है कि मार्च, 2020 के अंत से शुरू हुए कोरोना महामारी के माहौल के कारण इस संस्थान की सभी शैक्षणिक गतिविधियों में गड़बड़ी हुई है और ज्यादा प्रगति नहीं हो सकी है। इस अवधि के दौरान,

अध्याय-2

हमने शिक्षण, शोध, विस्तार गतिविधियों और परीक्षा आदि का प्रदर्शन किया। ऑनलाइन मोड के माध्यम से। यह भवन के सभी संकाय सदस्यों, छात्रों और कर्मचारियों से प्राप्त भारी समर्थन और सहयोग के कारण हो सकता है। हम उनके सहयोग और समर्थन के लिए धन्यवाद व्यक्त करते हैं। इस संस्थान ने चार ऑनलाइन किसान-वैज्ञानिक मीट का आयोजन किया:

- (i) 11.11.2021: किसानों की आय बढ़ाने के लिए रबी फसलों की उन्नत खेती तकनीक।
- (ii) 10.12.2021 : औषधीय पौधों की खेती, उनका विपणन और आयुर्वेदिक उपयोग।
- (iii) 12.01.2022: बोरो चावल की खेती की उन्नत तकनीक। विश्वभारती के सौ से अधिक किसानों के साथ-साथ छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।
- (iv) 28.03.2022: ग्रीष्मकालीन तिलहन की खेती।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष आईसीएआर के एससी उप योजना कार्यक्रम के तहत इस संस्थान ने पड़ोस के अनुसूचित जाति समुदायों के सशक्तिकरण के लिए कुछ कौशल विकास कार्यक्रम, उद्यमिता विकास कार्यक्रम आदि का प्रदर्शन किया है।

बारह शैक्षणिक विभागों के अलावा, संस्थान में शिक्षण, शोध और विस्तार गतिविधियों का समर्थन करने के लिए निम्नलिखित इकाइयाँ हैं।

कृषि फार्म :

पल्ली शिक्षा भवन के कृषि फार्म में 47.0 हेक्टेयर क्षेत्र शामिल है। (जिसमें से 34 हेक्टेयर आर.के.वी.के.पल्ली-शिक्षा भवन को 02.07.2007 को आवंटित) 13.0 हेक्टेयर के सिंचित क्षेत्र, 12.0 हेक्टेयर के शुद्ध खेती वाले क्षेत्र और प्रयोग क्षेत्र 1.0 हेक्टेयर के साथ।

यह कृषि फार्म यूजी, पीजी और पीएचडी छात्रों के साथ-साथ क्षेत्र शोध गतिविधियों में शामिल संकायों के लिए एक क्षेत्रीय प्रयोगशाला के रूप में कार्य करता है। यूजी छात्रों के लिए फील्ड आधारित प्रैक्टिकल और पीजी और पीएचडी छात्रों के थीसिस कार्य से संबंधित विभिन्न प्रयोग कृषि फार्म में विभिन्न मौसमों में आयोजित किए जाते हैं। निम्नलिखित तालिका इस वर्ष (2021-2022) के दौरान किए गए क्षेत्र परीक्षणों और प्रयोगों की संख्या को इंगित करता है।

2021-2022 के दौरान आयोजित परीक्षण / प्रयोग।

खरीफ		रबी		प्री-खरीफ	
एमएससी	06	एमएससी	22	एम.एससी	06
पीएचडी	05	पीएच.डी.	15	पीएच.डी. डी	05
परियोजना	14	परियोजना	16	परियोजना	06
कुल	25	कुल	53	कुल	17
कुल योग					95

पुस्तकालय :

पीएसबी पुस्तकालय 1957 में स्थापित किया गया था और यह विश्वभारती का सबसे बड़ा अनुभागीय पुस्तकालय है जो कृषि संस्थान के बारह विभागों और विशेष रूप से सामाजिक कार्य और ग्रामीण विकास विभाग और विश्वभारती के भीतर विभिन्न भवनों के अन्य विभागों में कार्य करता है। इसकी ओपन एक्सेस लाइब्रेरी सिस्टम के साथ सामान्य। पुस्तकालय पुस्तकों और पत्रिकाओं, ग्रे साहित्य के साथ-साथ ई-सहारा के रूप में दस्तावेजी संसाधनों से सेवाएं प्रदान करता है। पुस्तकालय अपने वाई-फाई कनेक्टिविटी के साथ दस्तावेजों की ब्राउज़िंग और पुनर्प्राप्ति के लिए इंटरनेट और इंटरनेट सुविधा प्रदान करता है। अध्ययनाधीन वर्ष में पुस्तकालय ने 46 पत्रिकाएँ और 771 पुस्तकें प्राप्त कीं। पुस्तकालय में इसके संग्रह में 54945 पुस्तकें और 5584 बाध्य पत्रिकाएँ हैं। चालू वर्ष में पुस्तकालय ने पुस्तकों की खरीद के लिए पल्ली-शिक्षा भवन द्वारा प्राप्त आईसीएआर एससी-एसपी से प्राप्त 20 लाख के अनुदान का उपयोग किया।

मृदा परीक्षण प्रयोगशाला:

पल्ली शिक्षा भवन की मृदा परीक्षण प्रयोगशाला (एसटीएल) ने इस क्षेत्र की कृषि मिट्टी की मिट्टी की उर्वरता स्थिति का आकलन किया है, विशेष रूप से सूरी सब डिवीजन, बोलपुर सब डिवीजन और रामपुरहाट सब डिवीजन के 19 ब्लॉक। यह फसलों के लिए उर्वरक आवेदन की सिफारिश प्रदान करता है। केंद्र प्रायोजित 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना' के तहत मिट्टी के नमूनों का विश्लेषण अप्रैल - 2021 से मार्च 2022 के दौरान सुचारु रूप से चल रहा है। इस वर्ष 517 मिट्टी के नमूनों में से 517 मिट्टी के नमूनों का परीक्षण और सिफारिश की गई है। प्राप्त किया। रिपोर्ट भी ऑनलाइन लोड की गई थी।

मिट्टी के नमूने की प्रगति रिपोर्ट 2021-22 के दौरान एसटीएल, पीएसबी, विश्वभारती में प्राप्त हुई थी।

उपखण्ड	उपमंडल से प्राप्त मिट्टी के नमूनों की संख्या (2021- 22)	नंबरकेलिएटेस्टपूराहुआ। नमूनोंकी(2021-22)	पूर्ण परीक्षण का प्रतिशत
सूरीउपखण्ड	482	482	100%
बोलपुर उपखण्ड	15	15	100%
रामपुरहाटउपखण्ड	-	-	-
बर्दवान जिला	20	20	100%
कुल जिला	517	517	100%

अध्याय-2

रथींद्र कृषि विज्ञान केंद्र (आरकेवीके) :

रथींद्र कृषि विज्ञान केंद्र ने बीरभूम जिले के 6,899 अभ्यास करने वाले किसानों और कृषि महिलाओं (प्रशिक्षुओं के रूप में), ग्रामीण युवाओं और घास-मूल स्तर के विस्तार कार्यकर्ताओं को शामिल करते हुए 179 सूचना, ज्ञान और कौशल विकास प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए हैं। केंद्र ने भारतीय कृषि शोध परिषद (आईसीएआर) - केंद्रीय अंतर्देशीय मत्स्य शोध संस्थान (सीआईएफआरआई) के सहयोग से अभ्यास करने वाले किसानों, कृषि महिलाओं और ग्रामीण युवाओं के लिए कौशल और उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। केंद्र ने विभिन्न गांवों में उनके स्थान विशिष्ट मूल्यांकन और सत्यापन के लिए कृषि और संबंधित क्षेत्रों पर राष्ट्रीय कृषि शोध प्रणाली (एनएआरएस) से निकलने वाली विभिन्न तकनीकों, उत्पादों और सेवाओं पर 7 ऑन फार्म ट्रायल (ओएफटी) आयोजित किए हैं। केंद्र ने 1975 के किसानों को शामिल करते हुए कृषि और संबद्ध क्षेत्रों से संबंधित पहले से ही मूल्यांकन और सफल प्रौद्योगिकियों, उत्पादों और सेवाओं पर फ्रंट लाइन प्रदर्शन (एफएलडी) का भी आयोजन किया। केवीके ने 682 विस्तार कार्यक्रम भी आयोजित किए हैं जैसे सलाहकार सेवाएं, केंद्र में किसानों का नैदानिक दौरा, क्षेत्र दिवस, समूह चर्चा, वैज्ञानिकों का किसानों के खेतों का दौरा आदि। इसमें 4611 किसान, किसान महिलाएं और ग्रामीण युवा शामिल हैं। केंद्र के वैज्ञानिकों ने कृषि समुदाय के लिए उपयोगी विभिन्न विषयों पर 4 रेडियो प्रसारणों में विषय विशेषज्ञ के रूप में रिकॉर्ड प्रारूप में प्रदर्शन किया है। केंद्र ने सीकॉम यूनिवर्सिटी, नियोतिया यूनिवर्सिटी ऑफ बी.एससी के छात्रों का मार्गदर्शन किया है। (कृषि) ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव पर सातवें सेमेस्टर का सम्मान (रॉ), केंद्र राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज), सरकार के सहयोग से इनपुट डीलरों (डीएईएसआई) के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा पर दो डिप्लोमा पाठ्यक्रम (दो सेमेस्टर की अवधि के) आयोजित कर रहा है। भारत की। इस अवधि के दौरान, आरकेवीके ने बीरभूम जिले के कृषक समुदाय के लिए कृषि मौसम डेटा और सलाह की रीयल टाइम रिकॉर्डिंग और प्रसार के लिए जिला कृषि मौसम विज्ञान इकाई (डीएएमयू) की स्थापना की है। केंद्र ने मधुमक्खी पालन और जैव इनपुट उत्पादन पर ग्रामीण युवाओं के कौशल विकास के लिए दो एससीएसपी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। इसके अलावा केवीके ने भी 150 विंचटल का उत्पादन किया। बीज की, 20,000 सब्जी के पौधे, 100 q. वर्मीकम्पोस्ट और 20 क्यू. जैविक खेती के लिए अजोला केंद्र ने दो शोध पत्र, पांच विस्तार साहित्य, चार पुस्तकें और तीन लोकप्रिय लेख प्रकाशित किए। आरकेवीके ने पोषण एवियन, विश्व मृदा दिवस, कृषि महिला दिवस, राष्ट्रीय दुग्ध दिवस, पीएम किशन सम्मान निधि आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए।

कृषि अर्थशास्त्र विभाग

विभाग का परिचय और विवरण:

कृषि अर्थशास्त्र विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती 2 जून, 2019 से तत्कालीन कृषि अर्थशास्त्र और कृषि सांख्यिकी विभाग का पुनर्गठन करके एक स्वतंत्र विभाग के रूप में कार्य कर रहा है। कृषि अर्थशास्त्र का विषय सितंबर, 2017 से मई, 2019 की अवधि के लिए कृषि अर्थशास्त्र और कृषि सांख्यिकी के तत्कालीन संयुक्त विभाग और कृषि विस्तार, कृषि अर्थशास्त्र और कृषि सांख्यिकी विभाग (सितंबर, 2017 से पहले) का एक हिस्सा था।

विभाग बाजार, व्यापार, वित्त, कृषि-व्यवसाय, आजीविका, प्राकृतिक संसाधन, संस्थानों, विकास और विकास जैसे विभिन्न विषयगत क्षेत्रों को कवर करते हुए कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में अनुप्रयुक्त, नीति और समस्या-समाधान शोध में लगा हुआ है। कृषि में मुद्दों के सापेक्ष महत्व के आधार पर विभाग इन मुद्दों पर लगातार अपना ध्यान केंद्रित करने में लगा हुआ है। उत्पादन अर्थशास्त्र, कृषि विपणन, कृषि वित्त, कृषि विकास और विकास जैसे क्षेत्रों को कवर करते हुए विभिन्न शोध परियोजनाएं की गईं।

विभाग को कृषि और ग्रामीण विकास से संबंधित सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर शिक्षण और शोध करने का अधिकार है। तदनुसार, विभाग ने आर्थिक उदारीकरण के बाद के युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए शिक्षण और शोध कार्यक्रमों को तैयार किया है। विभाग कई अनिवार्य कोर पाठ्यक्रम के साथ-साथ स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर अग्रिम वैकल्पिक और लघु पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यह विभाग अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के उभरते क्षेत्रों में नीति निर्माताओं को जागरूक करने और कृषि क्षेत्र में सार्वजनिक नीतियों और कार्यक्रमों के मूल्यांकन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कृषि अर्थशास्त्र विभाग में विशेषज्ञता के बहु-क्षेत्रों के साथ पांच स्वीकृत शिक्षण पद हैं। विभाग में एक कंप्यूटर प्रयोगशाला भी है।

अध्याय-2

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि:

क्र. सं	सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम	अवधि	स्थल	प्रतिभागी
देबाशीष सरकार				
1	कृषि शोध और शिक्षा प्रबंधन अकादमी, वैज्ञानिकों / शिक्षकों और विस्तार कर्मियों के लिए 21 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम "कृषि में सांख्यिकीय और अर्थमितीय तकनीकों के अनुप्रयोग"	04-12-2021	सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार-125004, हरियाणा (वर्चुअल मोड के माध्यम से)	मुख्य वक्ता
	डीएईएसआई कार्यक्रम, रामकृष्ण मिशन विवेकानंद शैक्षिक एवं शोध संस्थान, बेलूरमठ, हावड़ा	25-01-2022	धन्यगंगा केवीके, मुर्शिदाबाद (वर्चुअल मोड के माध्यम से)	सम्मेलन के अध्यक्ष
बिधान चंद्र रॉय				
1	कृषि विकास रिपोर्ट 2021 के विमोचन पर विचार मंथन सत्र	22-06-2021	आई.सी.ए.आर. - एन.आई.ए.पी, नई दिल्ली	पैनलिस्ट/चर्चाकार के रूप में कार्य किया
2	पूर्वोत्तर क्षेत्र में कृषि-व्यापार क्षमता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ त्रिपुरा, आई.एस.ए.एम. और सी.ए.यू. के विशेष संदर्भ में।	08-09-2021 से 09-09-2021	सी.ओ.एफ., सी.ए.यू., अगरतला	तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की
3	आई.सी.ए.आर.-एन.आई.ए.पी. का 30वां स्थापना दिवस समारोह	19-07-2021	आई.सी.ए.आर.- एन.आई.ए.पी., नई दिल्ली	आमंत्रित/पंजीकृत प्रतिभागी
4	प्रो. बारबरा हैरिस-व्हाइट द्वारा आई.डी.एस.के. स्थापना दिवस व्याख्यान 2021	27-08-2021	आई.डी.एस.के., कोलकाता	आमंत्रित/पंजीकृत प्रतिभागी

अध्याय-2

5	"किसानों की आय और शोध प्रभाव आकलन" पर कार्यशाला	29-11-2021	आइ.सी.ए.आर.- ऐन.आइ.ए.पी., नई दिल्ली	आमंत्रित/पंजीकृत प्रतिभागी
6	निदेशकों की बैठक			आमंत्रित प्रतिभागी
7	दुग्ध उत्पादन की लागत पर राष्ट्रीय कार्यशाला	28-10-2021	ए.ई.आर.सी., एस.पी.यू. वी.वी.ऐन, आनंद	आमंत्रित/पंजीकृत प्रतिभागी
8	पश्चिम बंगाल में ग्राम सर्वेक्षण अध्ययन	14-12-2021	ए.ई.आर. डिवीजन, डी.ई.एस, ऐमओए एंड ऐफ.डब्ल्यू., जी.ओ.आइ.	रिपोर्ट पेश की
बितान मंडल				
1	कृषि अर्थशास्त्रियों का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	01-08-2021 से 31-08-2021	कृषि अर्थशास्त्रियों का अंतर्राष्ट्रीय संघ। (ऑनलाइन)	प्रतिभागी
2	कृषि अर्थशास्त्रियों का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	30-08-2021	कृषि अर्थशास्त्रियों का अंतर्राष्ट्रीय संघ। (ऑनलाइन)	अध्यक्षता
3	कृषि अर्थशास्त्र शोध संघ का 29वां वार्षिक सम्मेलन'	27-10-2021 से 29-10-2021	कृषि अर्थशास्त्र शोध संघ का वार्षिक सम्मेलन	प्रतिभागी
आरती				
1	कृषि अर्थशास्त्रियों का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	01-08-2021 से 31-08-2021	कृषि अर्थशास्त्रियों का अंतर्राष्ट्रीय संघ। (ऑनलाइन)	प्रतिभागी
2	कृषि अर्थशास्त्र शोध संघ का 29वां वार्षिक सम्मेलन'	27-10-2021 से 29-10-2021	कृषि अर्थशास्त्र शोध संघ का वार्षिक सम्मेलन	प्रतिभागी

अध्याय-2

विभाग में चल रही शोध परियोजनाएं:

क्रमांक संख्या	परियोजना समन्वयक/ टीम के नेता का नाम	परियोजना का नाम*	प्रायोजन एजेंसी	स्वीकृत राशि (रु.)
1	बी सी रॉय	पश्चिम बंगाल में ग्राम सर्वेक्षण अध्ययन (बीरभूम जिले में सहजपुर गांव)	कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	रु.80.00 लाख
2	बी सी रॉय	विपणन किए जा रहे मसालों के विभिन्न उत्पादों/स्वरूपों के अनुपात का आकलन: सिक्किम में अदरक और हल्दी पर आधारित अध्ययन		

*ए.ई.आर.सी., विश्वभारती में

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया:

विभाग अपनी स्थापना से ही प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण (टी.ओ.टी.) में शामिल है। इनके अलावा, एन.एस.एस. गतिविधियों का आयोजन भवन की एन.एस.एस. इकाई द्वारा किया जाता है और विभाग के सभी कर्मचारियों द्वारा भाग लिया जाता है। विभागीय संगोष्ठी के आयोजन के अलावा, विभाग के संकाय सदस्यों ने नियमित रूप से जिला और राज्य स्तरीय विशेषज्ञ समूह की बैठकों में भाग लिया और आमंत्रित व्याख्यान दिया। कृषि विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आयोजित। विभाग के संकाय सदस्यों को भी निम्नलिखित के प्रसारण कार्यक्रम ऑल इंडिया रेडियो (एफ.एम.103.1) में विभिन्न आउटरीच और विस्तार कार्यक्रमों में नियमित रूप से भाग लिया गया था:

संकाय का नाम	दिनांक	आउटरीच और विस्तार कार्यक्रम का नाम	आयोजक का नाम
डी. सरकार	30-09-2021	मवेशी बीमा पर चर्चा में भाग	प्रसार भारती, शांतिनिकेतन
डी. सरकार	08-02-2022	कुक्कुट पक्षी बीमा पर चर्चा में भाग	प्रसार भारती, शांतिनिकेतन

- **22-12-2021:** राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, पश्चिम बंगाल के तहत एस.डी.ए. के कार्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय अधिकारी प्रशिक्षण में बिधान चंद्र राँय ने "तिलहन उत्पादन के आर्थिक पहलू और भारत में तेल के मूल्य वृद्धि के कारण" पर व्याख्यान दिया, बोलपुर।
- **05-06-2021:** बिधान चंद्र राँय ने संसाधन व्यक्ति के रूप में आइ.सी.ए.आर-ऐन.आइ.ए.पी. में ऑनलाइन परियोजना कार्यशाला में "सतत ग्राम सर्वेक्षण: पश्चिम बंगाल से अनुभव" पर व्याख्यान दिया।
- आरती ने दुग्ध उत्पादकों और डेयरी किसानों को सूचना प्रसार के लिए भाकृअनुप-ऐन.डी.आर.आइ. के सहयोग से मोबाइल ऐप "मिल्कसेफकॉन" विकसित किया है।

शिक्षकों/विद्वानों या विभाग द्वारा समग्र रूप से प्राप्त शैक्षणिक उत्कृष्टता (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता)

देबाशीष सरकार:

- अध्यक्ष, कृषि अर्थशास्त्र और सामाजिक विज्ञान शोध संघ, नई दिल्ली
- प्रधान संपादक, आर्थिक मामले, नई दिल्ली
- प्रधान संपादक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंस, नई दिल्ली
- एसोसिएट संपादक, एस.जे.ए.वी.एस., असम
- संपादकीय बोर्ड के सदस्य और समीक्षक, जर्नल ऑफ सोशल साइंस स्टडीज, यू.एस.ए.
- सलाहकार, इंस्टिट्यूट फॉर मोटिवेटिंग सेल्फ एम्प्लॉयमेंट (आइ.एम.एस.ई.), कोलकाता
- आजीवन सदस्य, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स, मुंबई
- आजीवन सदस्य, कृषि अर्थशास्त्र शोध संघ, नई दिल्ली
- बाहरी सदस्य, अध्ययन बोर्ड, कृषि व्यवसाय प्रबंधन और खाद्य प्रौद्योगिकी, उत्तर पूर्वी पहाड़ी विश्वविद्यालय (ऐन.ई.एच.यू.), शिलांग, मेघालय

बिधान चंद्र राँय

- इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स, मुंबई के 82वें वार्षिक सम्मेलन के लिए प्रतिवेदक

बितान मंडल

- संपादक, आर्थिक मामले, नई दिल्ली
- सदस्य, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स, मुंबई
- सदस्य, कृषि अर्थशास्त्र शोध संघ, नई दिल्ली
- आजीवन सदस्य और संपादकीय बोर्ड के सदस्य, जैव-संसाधन और तनाव प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल

अध्याय-2

- जैव संसाधन, पर्यावरण और कृषि शोध सोसायटी के आजीवन सदस्य

आरती

- युनिवर्सिटी ट्रुनोजॉय, इंडोनेशिया द्वारा आयोजित युवा वैज्ञानिक पुरस्कार (कृषि अर्थशास्त्र) प्राप्त किया।
- आजीवन सदस्य, कृषि अर्थशास्त्र शोध संघ, नई दिल्ली

प्रकाशन:

देबाशीष सरकार

अन्य पुस्तक:

- शिव प्रकाश और सरकार, देबाशीष (2021), स्ट्रॉबेरी प्रोडक्शन, इकोनॉमिक्स एंड वैल्यू चेन एनालिसिस, बायोटेक बुक, नई दिल्ली, आइ.एस.बी.एन.: 978-81-7622-504-5.

बिधान चंद्र रॉय

मोनोग्राफ

- रॉय, बी.सी. और मजूमदार, डी. (2021), पश्चिम बंगाल में ग्राम सर्वेक्षण अध्ययन (बीरभूम जिले में सहजपुर गांव); अध्ययन संख्या 192; कृषि-आर्थिक शोध केंद्र (पश्चिम बंगाल, सिक्किम और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के राज्यों के लिए) विश्व-भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल; पीपी-एक्सवी+174
- रॉय, बी.सी. और चट्टोपाध्याय, के.एस. (2021), विपणन किए जा रहे मसालों के विभिन्न उत्पादों के अनुपात का आकलन: अदरक और हल्दी

जर्नल में शोध पत्र:

- रॉय, बी.सी. (2022), सस्टेनेबल एग्रीकल्चरल ग्रोथ, डायवर्सिफिकेशन एंड फार्म इनकम, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स के 82वें वार्षिक सम्मेलन के लिए कॉन्फ्रेंस थीम- I पर सुझावात्मक रूपरेखा, इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स, 76(4): 710-714, ISSN 0019-5014
- गिरी, डी.; रॉय, बी. सी.; सरकार, एस. और दास, एस. (2021), जैव-आधारित कृषि प्रणाली पर जागरूकता: दक्षिण पश्चिम बंगाल के चार जिलों में एक अध्ययन; रिसर्च बायोटेक, 3(2):110-115; अनुच्छेद RB0089, www.bioticainternational.com
- मंडल, बी.; आरती और रॉय, बी.सी. (2021), मार्केट इंटीग्रेशन एंड लॉ ऑफ वन प्राइस: एन एक्सप्लोरेशन ऑफ द मेजर प्याज मार्केट्स ऑफ इंडिया, 27 अक्टूबर के दौरान ओयूएटी, भुवनेश्वर में आयोजित भारत में सार्वजनिक नीतियों और कृषि परिवर्तन पर कृषि अर्थशास्त्र शोध संघ (एईआरए) के 29 वें वार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुत पेपर -29, 2021.

- रॉय, बी.सी.; मंडल, बी.; मजूमदार, डी.; विश्वास, आर.के. और रॉय, ए. (2021), पश्चिम बंगाल राज्य में पशुधन फ़ीड और चारे का आकलन, भारत में कृषि की स्थिति, जून 2021 अंक, LXXVIII(3):36-40, DES, MoA&FW, भारत सरकार, ISSN:0002-1679 द्वारा प्रकाशित।
- रॉय, बी.सी. (2022), सिक्किम में जैविक क्रांति: अदरक और हल्दी का एक मामला, कृषि-आर्थिक अलर्ट: भारत के किसानों और कृषि के भविष्य की सहायता, अंक 27, मार्च 2022, सी.एम.ए., आइ.आइ.एम.-अहमदाबाद

बितान मंडल:

जर्नल में शोध पत्र

- मंडल, एस., चौधरी, वी.के., और मंडल, बी. (2021), पश्चिम बंगाल में किसान उत्पादक संगठनों के विकास, स्थिति और वितरण पर एक अध्ययन। *फार्मा इनोवेशन*, 10(12S), 1503-1509. <https://doi.org/10.22271/tpi.2021.v10.i12su.9760>
- मंडल, बी., ठाकुर, ए., और सिरोही, एस. (2021, अगस्त), मिश्रित पशु चारा खिलाना: भारत में छोटे जोत वाले डेयरी उत्पादकों के लिए कितना किफायती है? इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिस्ट्स द्वारा कृषि अर्थशास्त्रियों का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ऑनलाइन। <https://iaae-agecon.org/page/31st-icae---virtual-2021>
- रॉय, बी.सी., मंडल, बी., मजूमदार, डी., विश्वास, आर.के., और रॉय, ए. (2021), पश्चिम बंगाल राज्य में पशुधन चारा और चारे का आकलन। *भारत में कृषि की स्थिति*, LXXVIII (3), 36-40।
- मंडल, बी., आरती, और रॉय, बी.सी. (2021), बाजार एकीकरण और एक कीमत का कानून: भारत के प्रमुख प्याज बाजारों की खोज। *कृषि अर्थशास्त्र शोध समीक्षा*, 34(सम्मेलन अंक), 224।

आरती:

जर्नल में शोध पत्र

- कंवल, वी., सिरोही, एस., चंद। पी. और आरती (2021, अगस्त), सूखा, भूख और कुपोषण: भारत के रेगिस्तानी राज्य में स्थानिक और सामाजिक-आर्थिक बदलाव [कागजी प्रस्तुति] कृषि अर्थशास्त्रियों का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कृषि अर्थशास्त्रियों के अंतर्राष्ट्रीय संघ द्वारा ऑनलाइन। <https://iaae-agecon.org/page/31st-icae---virtual-2021>
- मंडल, बी., ठाकुर, ए., और सिरोही, एस. (2021, अगस्त), मिश्रित पशु चारा खिलाना: भारत में छोटे जोत वाले डेयरी उत्पादकों के लिए कितना किफायती है? [कागज प्रस्तुति] इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिस्ट्स द्वारा कृषि अर्थशास्त्रियों का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ऑनलाइन। <https://iaae-agecon.org/page/31st-icae---virtual-2021>
- मंडल, बी., आरती, और रॉय, बी.सी. (2021), बाजार एकीकरण और एक कीमत का कानून: भारत के प्रमुख प्याज बाजारों की खोज। *कृषि अर्थशास्त्र शोध समीक्षा*, 34(सम्मेलन अंक), 224।

अध्याय-2

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना:

विभाग ने कृषि अर्थशास्त्र विषय में दो वर्षीय मास्टर डिग्री कार्यक्रम की पेशकश करने के लिए पहले ही कदम (स्थापित और संस्थान बोर्ड द्वारा अनुमोदित) शुरू कर दिए हैं।

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं के संकेत के साथ संबंधित भवन / सदन / विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास:

विभाग की कम्प्यूटर प्रयोगशाला को आधुनिक उपकरणों एवं साफ्टवेयर से आधुनिक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। निकट भविष्य में विभाग का एक सेमिनार हॉल विकसित करने का प्रयास किया जाएगा।

अन्य प्रासंगिक जानकारी:

विभाग अंतरिक्ष, बजट, बुनियादी ढांचे और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की उपलब्धता के मामले में गंभीर बाधाओं के बावजूद, शिक्षण, शोध और विस्तार गतिविधियों में उच्च प्रदर्शन के अपने रिकॉर्ड को बनाए रखने में सक्षम था। वर्ष के दौरान, चार पीएच.डी छात्रों ने अपनी थीसिस जमा की है और उन्हें डिग्री प्रदान की गई है। इस वर्ष, विभाग के संकाय सदस्यों ने भवन के अंतिम वर्ष के यूजी छात्रों का मार्गदर्शन किया और विशेष रूप से सामाजिक विज्ञान में आइ.सी.ए.आर.-जे.आर.एफ. के उद्देश्य के लिए नियमित रूप से विशेष कक्षाएं संचालित की, जिससे राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में लगभग 100% सफलता मिली। आइ.सी.ए.आर.-जे.आर.एफ.। पिछले वर्षों की तरह, इस वर्ष भी विभाग ने किसानों और विस्तार कर्मियों (कैंपस और ऑफ कैंपस दोनों में) के लिए कई फील्ड दौरों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया है। विभाग ने बाहरी प्रायोजित परियोजनाओं, प्रकाशनों, विस्तार गतिविधियों और अन्य विभागों और संस्थानों के साथ नीति संबंधों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया।

कृषि अभियांत्रिकी विभाग

विभागीय संगोष्ठी/कार्यशाला (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक):

- **28.3.2022 - 30.3.2022:** राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के सहयोग से "आपदा जोखिम न्यूनीकरण और कृषि और खाद्य सुरक्षा में प्रबंधन" पर 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

वक्ता:

- डॉ. लाला आइ.पी.राय, कॉलेज ऑफ पी.जी. स्टडीज इन एग्रीकल्चरल साइंसेज, सी.ए.यू., मेघालय
- डॉ. सी. लैरेनजम, कृषि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी विभाग, नागालैंड विश्वविद्यालय
- डॉ. कोपल वर्मा सैनी, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली
- मिस फातिमा अमीन, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली
- श्री हर्षित शर्मा, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली
- डॉ. श्वेता बैद्य दास, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली
- डॉ. थिंगुजम विद्यालक्ष्मी देवी, आइ.सी.ए.आर.-सी.आइ.पी.एस.ई.टी., लुधियाना, पंजाब
- डॉ. जी.एस.यूरेम्बम, मृदा और जल संरक्षण इंजीनियरिंग विभाग, सी.ए.ई. और पी.एच.टी., सिक्किम
- डॉ. एल. कांता सिंह, कृषि विज्ञान केंद्र इफाल पश्चिम, मणिपुर

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / संगोष्ठी / प्रदर्शनी आदि:

- 20.1.2022-22.1.2022: कंडासामी, पी. ने उभरती और अपना योग्य प्रौद्योगिकियों पर खाद्य वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों (आइ.सी.एफ.ओ.एस.टी.) के 28वें भारतीय सम्मेलन में "डिफ्यूज़न चैनल सिस्टम का उपयोग करके नियंत्रित वातावरण की स्थिति के तहत टमाटर के शेल्फ जीवन को बढ़ाना" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। ए.एफ.एस.टी. (आई) -मुंबई चैप्टर और औरंगाबाद चैप्टर के साथ एसोसिएशन ऑफ फूड साइंटिस्ट्स एंड टेक्नोलॉजिस्ट (इंडिया) द्वारा आयोजित सस्टेनेबल एग्रो फूड इंडस्ट्रीज एंड इकोनॉमी के लिए.
- 28.3.2022-2.4.2022: कंडासामी, पी। एक संसाधन व्यक्ति के रूप में विभाग द्वारा आयोजित खाद्य सुरक्षा, गुणवत्ता और स्थिरता सुनिश्चित करने पर एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम में "खाद्य संरक्षण के लिए सौर थर्मोइलेक्ट्रिक कूलिंग सिस्टम" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। बेसिक एंड एप्लाइड साइंसेज, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फूड टेक्नोलॉजी एंटरप्रेन्योरशिप एंड मैनेजमेंट, हरियाणा।

अध्याय-2

- 29.10.2021 - 31.10.2021: स्वेन, के.सी. इंडोनेशिया के उदयाना विश्वविद्यालय में आयोजित प्रेसिजन कृषि (ए.सी.पी.ए.) पर 9वें एशियाई-ऑस्ट्रेलियाई सम्मेलन में एक मुख्य भाषण प्रस्तुत किया। पेपर का शीर्षक "स्मार्ट कृषि: भारत में वर्तमान स्थिति और भविष्य के रुझान" है।
- 18.12.2021 - 20.12.2021: हैंगशिंग, ऐल. संसाधन व्यक्ति के रूप में "जल संचयन: पहाड़ी क्षेत्रों के लिए सतत प्रौद्योगिकी" पर डी.एस.टी. द्वारा वित्त पोषित 3-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में "पहाड़ी क्षेत्रों में पारंपरिक जल संचयन प्रणाली" नामक एक पेपर प्रस्तुत किया। सी.ए.ई.पी.एच.टी., रानीपूल, सिक्किम द्वारा आयोजित "कोहरे की कटाई के विशेष फोकस के साथ"।
- 19.1.2022: हैंगशिंग, ऐल. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, मंत्रालय द्वारा आयोजित "बाढ़ के प्रकार और उसके प्रबंधन का परिचय" शीर्षक से "बाढ़ के प्रकार और उसके प्रबंधन का परिचय" शीर्षक से "बाढ़ और अपशिष्ट प्रबंधन बुनियादी ढांचे पर प्रभाव" पर एक पेपर प्रस्तुत किया। गृह मंत्रालय, नई दिल्ली नागालैंड विश्वविद्यालय के सहयोग से।
- 16.3.2022 - 17.3.2022: हैंगशिंग, ऐल. ने सिविल में सतत प्रथाओं और नवाचारों पर वर्चुअल इंटरनेशनल सम्मेलन में "नागालैंड, उत्तर पूर्व भारत में सतत जल संसाधन प्रबंधन के लिए वर्षा जल संचयन का एक अध्ययन: एक समीक्षा" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। इंजीनियरिंग (सी.पी.आइ.सी.2022) सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित श्री शिवसुब्रमण्य नादर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग।
- 20.1.2022 - 22.1.2022: अमन कुमार, रिसर्च स्कॉलर। सतत कृषि खाद्य उद्योगों के लिए उभरती और अपनाने योग्य प्रौद्योगिकियों पर 28 वें भारतीय खाद्य वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों (आई.सी.एफ.ओ.एस.टी.) के भारतीय सम्मेलन में "आयनीकरण विकिरण खुराक और शेल्फ जीवन और आम की गुणवत्ता विशेषताओं पर थर्मल एक्सपोजर का प्रभाव" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। और ए.एफ.एस.टी.(I) -मुंबई चैप्टर और औरंगाबाद चैप्टर के साथ एसोसिएशन ऑफ फूड साइंटिस्ट्स एंड टेक्नोलॉजिस्ट (इंडिया) द्वारा आयोजित और अर्थव्यवस्था।
- 15.12.2021 - 16.12.2021: अमन कुमार, रिसर्च स्कॉलर। इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) द्वारा आयोजित 36वीं भारतीय इंजीनियरिंग कांग्रेस में "फोम-मैट सुखाने के लिए आम के गूदे के फोमिंग गुणों का विश्लेषण: अंडे के एल्ब्यूमिन एकाग्रता और धिपिंग टाइम का प्रभाव" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियां/एन.एस.एस./सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियां और विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया:

- 28.3.2022 - 11.4.2022: लैम्नीथेम हैंगशिंग ने "पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य" पर ऑनलाइन दो सप्ताह के अंतःविषय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया। टीचिंग लर्निंग सेंटर और पर्यावरण अध्ययन विभाग, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

- 28.3.2022 - 30.3.2022: अमन कुमार ने कृषि इंजीनियरिंग विभाग, पी.एस.बी., विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "आपदा जोखिम न्यूनीकरण और कृषि और खाद्य सुरक्षा में प्रबंधन" पर 3-दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।

प्रकाशन:

पाठ्य पुस्तकें:

- कंदासामी, पी. (2022) फ़सल प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी एंड प्रोटेक्टेड कल्टीवेशन के फंडामेंटल्स। ब्रिलियन पब्लिशिंग, नई दिल्ली, भारत। आइ.एस.बी.एन.:978-93-92725-48-7 आइ.एस.बी.एन.:978-93-92725-50-0

संग्रहों में शोध पत्र/अध्याय:

- विश्वास, ओ., कंदासामी, पी. एंड दास, एस.के. (2022), सोलर कूलर ($5 \pm 1^\circ\text{C}$) में संग्रहित फिश नगेट्स की गुणवत्ता और स्वीकार्यता पर ड्रैगन फ्रूट पील पाउडर का प्रभाव। खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी जर्नल, <https://doi.org/10.1007/s13197-022-05377-5>
- कंदासामी, पी. (2022), संशोधित वातावरण पैकेजिंग के लिए फलों और सब्जियों की श्वसन दर: एक गणितीय दृष्टिकोण। कृषि परवर्ती टेक्नोलॉजी जर्नल, 10(1): 88-102.
- विश्वास, ओ., कंदासामी, पी., पटनायक, एस., लोरेन्जो, जे.एम., दास, ए.के. (2021), मांस और मांस उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा पहलुओं पर फाइटोकेमिकल्स का प्रभाव। इंडियन जर्नल ऑफ एनिमल हेल्थ, 60(2)-एसपीएल: 97-108। <https://doi.org/10.36062/ijah.2021.spl.02921>
- कंदासामी, पी., कुमार, ए., चक्रवर्ती, आई. (2021), फोम-मैट सुखाने के लिए आम के गूदे के झागदार गुणों का विश्लेषण: अंडे के एल्ब्यूमिन एकाग्रता और व्हिपिंग समय का प्रभाव। *PREPARE@u®* | आइ.ई.आइ. सम्मेलन। https://doi.org/10.36375/prepare_u.iei.a187
- विश्वास, ओ., कंदासामी, पी., मंडल, जी और पांडा, डी. (2021) मछली संरक्षण के लिए सौर थर्मोइलेक्ट्रिक कूलर की प्रभावशीलता: भंडारण के दौरान पंगोसियस बोकोर्टी फिश फ़िललेट्स की गुणवत्ता विशेषताओं पर प्रायोगिक अध्ययन। जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल बायोलॉजी एंड एग्रीकल्चरल साइंसेज, 9(5): 618-629. [https://doi.org/10.18006/2021.9\(5\).618.629](https://doi.org/10.18006/2021.9(5).618.629).
- बालमुरुगन, आर और कंदासामी, पी. (2021) पोर्टेबल सौर ऊर्जा से संचालित प्रकाश उत्सर्जक डायोड कीट जाल की प्रभावशीलता: मूंगफली के खेत में प्रायोगिक जांच। जर्नल ऑफ एशिया-पैसिफिक एंटोमोलॉजी। 24(4), 1024-1032. <https://doi.org/10.1016/j.aspen.2021.09.013>
- विश्वास, ओ और कंदासामी, पी. (2021) खराब होने वाले खाद्य पदार्थों के संरक्षण के लिए पोर्टेबल सौर ऊर्जा से चलने वाले थर्मोइलेक्ट्रिक कूलर का विकास और प्रायोगिक जांच। अक्षय ऊर्जा शोध के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 11(3): 1292-1303. आइ.एस.एस.एन: 1309-0127

अध्याय-2

- मिश्रा, ऐम., कंदासामी, पी., शुक्ला, आर.ऐन. और कुमार, ए. (2021) हरे आम का संवहन गर्म हवा में सुखाना: सूखे उत्पाद के कैनेटीक्स और भौतिक रासायनिक गुणों को सुखाने पर गर्म पानी के ब्लैचिंग और रासायनिक उपचार का प्रभाव . इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फ्रूट साइंस, 21(1): 732-757. <https://doi.org/10.1080/15538362.2021.1930626>.
- येवले, ऐन., स्वेन, के.सी., मान, एस. और ढाकरे, डी.एस. (2021), हल्दी (करकुमा लोंगा एल.) राइज़ोम के दीर्घकालिक भंडारण के लिए हर्मेटिक बैग का मूल्यांकन, संग्रहीत उत्पाद शोध जर्नल, 92:101806 <https://doi.org/10.1016/j.jspr.2021.101806>
- प्रियदर्शिनी, पी., मिश्रा, ए. और स्वेन, के.सी. (2021), सौर ऊर्जा संचालित हाइड्रोपोनिक्स: पारंपरिक खेती का एक विकल्प, साबुजीमा, 1(2):73-75.
- स्वेन, के.सी., मिश्रा, ए. और प्रियदर्शिनी, पी. (2021), कृषि में रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन, साबुजीमा, 1(4):102-103.
- किचू, आर.आर., दत्ता, ऐम., नायक आर.सी., हैंगशिंग, ऐल. (2022), ऊपरी धनसिरी, नागालैंड, भारत के जुमाह वाटरशेड का मात्रात्मक आकारिकी विश्लेषण। इंडियन जर्नल ऑफ इकोलॉजी। (को स्वीकृत)

सहकर्मी/समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्रों की संख्या: 10

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं के संकेत के साथ संबंधित भवन / सदन / विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास:

कृषि इंजीनियरिंग विभाग 1 अक्टूबर, 2016 को स्थापित किया गया था। विभाग के मुख्य उद्देश्य कृषि इंजीनियरिंग के क्षेत्र में शिक्षण, शोध और विस्तार गतिविधियां हैं, जिनमें कृषि मशीनीकरण, खाद्य और कृषि प्रसंस्करण, मिट्टी और जल संरक्षण इंजीनियरिंग और अक्षय ऊर्जा शामिल हैं। आधुनिक और उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों के साथ कृषि क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ाने और बनाए रखने के लिए प्रौद्योगिकी और वैज्ञानिक आधार प्रदान करना। वर्तमान में, विभाग विभिन्न पाठ्यक्रम प्रदान करता है। कृषि शक्ति और मशीनरी, संरक्षित खेती और माध्यमिक कृषि, प्रारंभिक मिट्टी और जल संरक्षण इंजीनियरिंग, अक्षय ऊर्जा और हरित प्रौद्योगिकी, खाद्य विज्ञान और पोषण के सिद्धांत, अपशिष्ट प्रबंधन, आर.एस. और जी.आइ.एस. में कृषि विज्ञान के लिए स्नातक स्तर पर ऐन.आर.ऐम. और भूमि उपयोग योजना। विभाग कृषि इंजीनियरिंग विषयों में पीएच.डी डिग्री कार्यक्रम प्रदान करता है। वर्तमान में, आठ छात्र पीएच.डी. शोध क्षेत्र खाद्य प्रक्रिया इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, खाद्य प्रसंस्करण के लिए सौर ऊर्जा, सुखाने, नियंत्रित वातावरण और भली भांति भंडारण, सटीक कृषि अनुप्रयोग, और वन बायोमास पर जलवायु परिवर्तन प्रभाव, अपवाह मॉडलिंग, स्प्रेयर, मिट्टी और संरक्षण इंजीनियरिंग हैं।

कृषि कीटविज्ञान विभाग

यू.जी.सी./सी.एस.आइ.आर./आइ.सी.ए.आर./ऐन.ई.टी./एस.ऐल.ई.टी. और जी.ए.टी.ई. परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:-

1. शुभजीत पाल, 2021 में आइ.सी.ए.आर.नेटउत्तीर्ण किया
2. मरीडू गोपी प्रसाद, 2021 में आइ.सी.ए.आर.नेटउत्तीर्ण किया
3. पीसापति लक्ष्मी श्रव्य, 2021 में आइ.सी.ए.आर.नेटउत्तीर्ण किया
4. गौसिक कुमार वी, 2021 में आइ.सी.ए.आर.नेटउत्तीर्ण किया

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि।

हीरक चटर्जी:

- 11.11.2021: पल्ली शिक्षा भवन, विश्व द्वारा आयोजित "बढ़ते किसानों के लिए रबी फसलों की उन्नत खेती तकनीक" नामक व्याख्यान शृंखला के तहत ऑनलाइन किसान-वैज्ञानिक मीट में "रबी फसलों में कीट-कीट प्रबंधन की बेहतर तकनीक" पर व्याख्यान दिया गया। भारती, श्रीनिकेतन इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी- श्रीनिकेतन चैप्टर के सहयोग से।

पलाश मंडल

- 12.1.2022: भारतीय समाज के सहयोग से पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित "बोरो चावल की खेती की उन्नत तकनीक" नामक व्याख्यान शृंखला के तहत ऑनलाइन किसान-वैज्ञानिक में "बोरो चावल में कीट कीट प्रबंधन" पर व्याख्यान दिया गया। कृषि विज्ञान- श्रीनिकेतन अध्याय।

स्वर्णाली भट्टाचार्य

- 1.6.2021 - 30.6.2021: एम.ओ.ओ.सी. पाठ्यक्रम: आइ.सी.ए.आर.-राष्ट्रीय कृषि शोध प्रबंधन अकादमी द्वारा आयोजित "शैक्षिक प्रौद्योगिकी की सैद्धांतिक नींव" पर तीस (30) दिनों के एमओओसी पाठ्यक्रम में भाग लिया।
- 27.1.2021 - 29.1.2021: राष्ट्रीय वेब कार्यशाला - बागवानी और वानिकी कॉलेज, सी.ए.यू., इंपाल द्वारा आयोजित "खाद्य कीड़े और गैर-पारंपरिक भोजन एक पोषक तत्व पैक और आजीविका सुरक्षा" पर तीन दिवसीय वेब कार्यशाला सह प्रशिक्षण में भाग लिया।
- 21.3.2022 - 27.3.2022: संकाय विकास कार्यक्रम - अमीरुद्दौला इस्लामिया डिग्री कॉलेज, लखनऊ और साइंस टेक इंस्टीट्यूट, लखनऊ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित उन्नत शोध पद्धति पर एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

अध्याय-2

- **28.3.2022:** पल्ली शिक्षा भवन, श्रीनिकेतन और इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन तिलहन की खेती पर एक ऑनलाइन किसान-वैज्ञानिक बैठक में "तिलहन फसलों में कीट-कीट प्रबंधन की उन्नत तकनीक" विषय पर व्याख्यान दिया गया। श्रीनिकेतन चैप्टर।

विभाग में चल रही शोध परियोजनाएं:

क्रमांक संख्या	परियोजना समन्वयक/टीम लीडर्स का नाम	परियोजना का नाम	प्रायोजन एजेंसी	स्वीकृत राशि (रु.)
1	डॉ स्वर्णाली भट्टाचार्य	कपास, मिर्च, भिंडी, बैंगन सोयाबीन, धान और मक्का को प्रभावित करने वाले विभिन्न कीट-कीटों पर कार्रवाई की नई विधा के साथ विभिन्न नई पीढ़ी के कीटनाशकों की जैव-प्रभावकारिता और फाइटोटॉक्सिसिटी का मूल्यांकन	टेफ्रा बायोसाइंस ऐल.ऐल.पी., रोहिणी, दिल्ली-110085 (क्यू 20223)	26,46,150.00
2	डॉ स्वर्णाली भट्टाचार्य	गोभी, लाल चना, चना, अंगूर, टमाटर, फूलगोभी, लाल चना, विभिन्न कीट-पीड़कों के खिलाफ विभिन्न आधुनिक कीटनाशकों की जैव-प्रभावकारिता और फाइटोटॉक्सिसिटी का मूल्यांकन	टेफ्रा बायोसाइंस ऐल.ऐल.पी., रोहिणी, दिल्ली-110085	17,64,100.00
3	डॉ स्वर्णाली भट्टाचार्य	धान के कीटों और प्राकृतिक शत्रुओं पर इसके प्रभाव के खिलाफ 'यूपीआई 0321' (दानेदार कीटनाशक) की जैव-प्रभावकारिता और फाइटोटॉक्सिसिटी का मूल्यांकन करना	यूनाइटेड फास्फोरस लिमिटेड (क्यू 20207)	6,90,300.00

क्रमांक संख्या	परियोजना समन्वयक/टीम लीडर्स का नाम	परियोजना का नाम	प्रायोजन एजेंसी	स्वीकृत राशि (रु.)
4	डॉ पलाश मंडल	चिल्ली माइंट के खिलाफ क्लोरोफेनपायर 10% एससी का जैव-प्रभावकारिता मूल्यांकन	रेनबो एग्रोसाइंसेज प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद, गुजरात-382470	3,83,500.00
5	डॉ पलाश मंडल	चावल में बी.पी.एच. और डब्ल्यू.बी.पी.एच. के खिलाफ एथिप्रोल 40% + इमिडाक्लोप्रिड 40% डब्ल्यू.जी. की जैव प्रभावकारिता और फाइटोटॉक्सिसिटी मूल्यांकन	भागीरथा केमिकल्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड, हैदराबाद 500034, तेलंगाना	2,30,100.00

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों/ऐन.एस.एस./सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया:

विभाग अपनी स्थापना से ही प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण (टी.ओ.टी.) में शामिल है। इसके अलावा विभाग विभागीय संगोष्ठी का आयोजन कर रहा है, विभाग के संकाय सदस्यों ने नियमित रूप से जिला और राज्य स्तरीय विशेषज्ञ समूह की बैठकों में भाग लिया और कृषि विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आयोजित आमंत्रित व्याख्यान दिया। विभाग के संकाय सदस्यों ने ऑल इंडिया रेडियो (एफ.एम. 103.1) में विभिन्न आउटरीच और विस्तार कार्यक्रमों में नियमित रूप से भाग लिया। इसके अलावा, इस विभाग के छात्र समय-समय पर संस्थान द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों में सक्रिय रूप से लगे रहते हैं और साथ ही विभाग किसानों के लाभ के लिए सभी कार्य दिवसों में कार्यालय समय के दौरान एक पौध हेल्थ क्लिनिक चलाता है। कीट प्रबंधन के संबंध में टेलीफोन सलाहकार सेवाएं भी किसानों को प्रदान की जाती हैं। स्थायी कीट प्रबंधन की दिशा में निदान और सलाहकार सेवाएं भी कृषि निदेशालय, भारत सरकार को प्रदान की जाती हैं। पश्चिम बंगाल और विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के। इसके अलावा, संकाय सदस्यों ने रथींद्र कृषि विज्ञान केंद्र, विश्व-भारती द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया, जिसमें आसपास के गांवों में उत्पादकों को ऑन-फार्म प्रशिक्षण भी शामिल था। साथ ही ऐन.एस.एस. द्वारा आयोजित स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, गांधी पुण्य, माघ मेला, हेलोकार्शन, रक्तदान शिविर में भी संकाय सक्रिय रूप से शामिल हैं।

अध्याय-2

समग्र रूप से विभाग के शिक्षकों/विद्वानों द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे डी.एस.ए. या सी.एस.ए. आदि के रूप में मान्यता)

हीरक चटर्जी

- उत्तर बंगा कृषि विश्वविद्यालय, कूचबिहार, पश्चिम बंगाल में सहायक संकाय के रूप में नियुक्त।
- वैज्ञानिक और औद्योगिक शोध विभाग (DSIR) सरकार की परियोजना समीक्षा समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। भारत की।
- आइ.सी.ए.आर. और आइ.एस.आइ., कोलकाता में विभिन्न चयन समिति और सीएसएस पदोन्नति बोर्ड में बाहरी विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।
- 15 जून 2019 से विभागाध्यक्ष, पौध संरक्षण विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्व-भटायी के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन।
- मार्च 2021 से वी.बी. विश्वविद्यालय साहित्यिक चोरी समिति के सदस्य के रूप में कार्य करना
- जूलाँजी, रायगंज विश्वविद्यालय, रायगंज, उत्तर दिनाजपुर में पी.जी.-बी.ओ.एस. के बाहरी सदस्य के रूप में कार्य किया
- जर्नल ऑफ पौध प्रोटेक्शन एंड एनवायरनमेंट के पार्षद के रूप में कार्य करना। 2007 से ओ.यू.ए.टी., उड़ीसा, भुवनेश्वर।
- 'कीट विज्ञान' पी.ए.यू., लुधियाना में पत्रिकाओं के रेफरी के रूप में कार्य करना।
- जर्नल 'ओरिज़ा' और एज़रा सोसाइटी, सी.आर.आर.आइ., कटक के रेफरी के रूप में कार्य करना
- कृषि शोध संचार, गौरव सोसाइटी, हिसार में पत्रिकाओं के रेफरी के रूप में कार्य करना।
- पादप संरक्षण और पर्यावरण जर्नल के रेफरी के रूप में कार्य करना। ओ.यू.ए.टी., उड़ीसा, भुवनेश्वर
- सी.ए.यू., ओ.यू.ए.टी., यू.बी.के.वी. जे.एन.के.वी., बी.सी.के.वी., ए.ए.यू., जोरहाट और गौर बंगा विश्वविद्यालय, मालदा के साथ शैक्षणिक कार्य में संलग्न

पीएच.डी और एम.एससी (एजी) के लिए थीसिस प्रस्तुत/पुरस्कृत

पीएच.डी. छात्र सम्मानित	00
पीएच.डी जारी	03
एम. एससी (एजी.) से सम्मानित	02
एम. एससी (एजी) जारी	02

पलाश मंडल

- 'क्रॉप एंड वीड साइंस सोसाइटी' के आजीवन सदस्य ने 'क्रॉप एंड वीड' जर्नल प्रकाशित किया।
कार्यालय: कृषि विज्ञान विभाग, एफ / एजी।, बी.सी.के.वी., भारत।

- सोसाइटी ऑफ बायो-रिसोर्स, एनवायरनमेंट एंड एग्रीकल्चरल रिसर्च के आजीवन सदस्य ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायो-रिसोर्स, एनवायरनमेंट एंड एग्रीकल्चरल साइंसेज ऑफिस: अबनपल्ली, शांतिनिकेतन, बीरभूम, पश्चिम बंगाल प्रकाशित किया।
- बीसीकेवी, मोहनपुर में मास्टर थीसिस मूल्यांकन के लिए बाहरी परीक्षक; यूबीकेवी, कूच बिहारी
- बी.सी.के.वी., यू.बी.के.वी., जे.एन.के.वी.वी., पी.ए.यू. के साथ शैक्षणिक कार्य में संलग्न
- पौध संरक्षण विभाग, विश्वभारती के पीजी समन्वयक
- जैव-संसाधन और तनाव प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य
- जैव-संसाधन, पर्यावरण और कृषि विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य
- जर्नल प्रोग्रेसिव एग्रीकल्चरल साइंसेज के संपादकीय बोर्ड के सदस्य
- विश्वभारती स्टाफ फुटबॉल टूर्नामेंट के सदस्य

पीएच.डी और एम.एससी (एजी) के लिए थीसिस प्रस्तुत/पुरस्कृत

पीएच.डी जारी	03
एम. एससी (एजी.) से सम्मानित	01
एम. एससी (एजी।) जारी	03

स्वर्णाली भट्टाचार्य

- ओ.यू.ए.टी., जे.एन.के.वी.वी., बी.सी.के.वी. के साथ शैक्षणिक कार्य में संलग्न
- "इंडियन जर्नल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी" पत्रिका के लिए एक विकल्प-आधारित फीडिंग प्रतिमान में "फीडिंग प्रेफरेंस एंड रिप्रोडक्टिव फिटनेस ऑफ राइजोपथा डोमिनिका (फैब्रिकियस, 1792)" शीर्षक वाली पांडुलिपि की समीक्षा के लिए प्रमाण पत्र प्राप्त किया।
- भवन आइ.क्यू.ए.सी. के सदस्य के रूप में कार्य करना।
- पर्यावरण अध्ययन विभाग, विश्वभारती के अध्ययन बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य करना।
- पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन की रैगिंग विरोधी समिति के सदस्य के रूप में कार्य करना।
- कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के आजीवन सदस्य और संपादकीय बोर्ड के सदस्य

पीएच.डी और एम.एससी (एजी.) के लिए शोध प्रबंध प्रस्तुत/पुरस्कृत

पीएच.डी जारी	03 (1 पुरस्कृत)
एम. एससी (एजी.) से सम्मानित	02
एम. एससी (एजी.) जारी	02

अध्याय-2

प्रकाशन:

हीरक चटर्जी

- दास, ए. और चटर्जी, एच. (2021), शहतूत की सफेद मक्खी के खिलाफ वानस्पतिक की प्रभावकारिता *डायलूरोपोरा डीसेम्पंकटाटा* (क्विटेंस और बेकर) और प्राकृतिक दुश्मनों के लिए उनकी सुरक्षा। कीट विज्ञान के भारतीय जूनियर। संदर्भ संख्या ई20328
- दास, ए., मंडल, बी. और चटर्जी, एच. (2021), शहतूत में प्रमुख कीट और उनके शिकारी जीवों की जनसंख्या गतिशीलता। *कीट विज्ञान के भारतीय जूनियर*। संदर्भ संख्या ई2107.

पलाश मंडल

- मंडल, बी., मंडल, पी. और पात्रा, एम। (2021), पश्चिम बंगाल के रेड एंड लैटेरिटिक जोन के अंतर्गत रबी सीजन के दौरान मौसम के कारक के संबंध में मिर्च पर प्रमुख चूसने वाले कीटों की प्रचुरता और नए कीटनाशक अणुओं के साथ उनका प्रबंधन। *जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलाजी स्टडीज*, 9 (2), 1294-1301.
- चटर्जी, एस., गंगोपाध्याय, सी., दाना, आई., रॉय, एस.के. और मंडल, पी. (2021), चावल की वैराइटी स्क्रीनिंग के माध्यम से पीले तना बेधक और चावल के पत्ते के फ़ोल्डर के खिलाफ मेजबान संयंत्र प्रतिरोध। *पौधे और पर्यावरण*, 3, 23-29.

स्वर्णाली भट्टाचार्य

- राउतराय, बी.के., भट्टाचार्य, एस., पटनायक, बी.आर. और दास, एस.आर. (2021), ओडिशा के उत्तर पूर्वी तटीय मैदानों में चावल के पत्ते फ़ोल्डर (*कैनकैलोक्रोसिस्मोडिनलिस गुनी*) के खिलाफ लोकप्रिय चावल की खेती की फ़ील्ड स्क्रीनिंग। *रासायनिक अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल*, 9 (1), 1115-1120।
- पाल, एस., भट्टाचार्य एस. और सहानी एस. के. (2021), टिकाऊ कृषि के लिए स्टिंगलेस मधुमक्खी पालन: विचार करने योग्य क्षेत्र। *एग्रियलिस*, 3 (12), 9-14।

पुस्तक अध्याय:

- पाल शुभजीत।, भट्टाचार्य स्वर्णाली और सिंह दिग्विजय। (2021), *टिड्डी का प्रकोप: हाल की कृषि में एक आसन्न चुनौती* को एग्रोबायोस रिसर्च द्वारा "आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकी: ग्रामीण आत्मनिर्भरता की ओर एक कदम" शीर्षक के साथ संपादित पुस्तक में एक पुस्तक अध्याय (अध्याय संख्या - 5) के रूप में प्रकाशित किया गया है। (आइ.एस.बी.एन. नंबर- 978-81-949237-7-0),
- पाल शुभजीत। और भट्टाचार्य स्वर्णाली (2021), नई दिल्ली प्रकाशक, नई दिल्ली, कोलकाता द्वारा "स्थायी कृषि के लिए एकीकृत कीट प्रबंधन रणनीतियों" नामक संपादित पुस्तक में "एंटोमोफैगी: खाद्य और फ़ीड सुरक्षा बढ़ाने के लिए भविष्य मंच" को एक पुस्तक अध्याय ((अध्याय संख्या- 13) के रूप में प्रकाशित किया गया है। (आइ.एस.बी.एन. नंबर- 978-93-91012-99-1)

कृषि विस्तार विभाग

यू.जी.सी./सी.एस.आइ./ऐन.ई.टी./एस.ऐल.ई.टी.और जी.ए.टी.ई परीक्षा में उत्तीर्ण छात्र का नाम:

1. सुमन रॉय (आइ.सी.ए.आर.ऐन.ई.टी 2021 और यू.जी.सी.नेट जून 2021)
2. प्रियंका रॉय (आइ.सी.ए.आर.ऐन.ई.टी 2021 और यू.जी.सी.नेट. जून 2021)
3. अरुलमणिकंदन बी (आइ.सी.ए.आर.नेट 2021)
4. श्रेया आनंद (आइ.सी.ए.आर.नेट 2021)
5. ममता नंदा (आइ.सी.ए.आर.नेट 2021)
6. हिबा टी (आइ.सी.ए.आर.नेट 2021)
7. काजल श्रीहंदन (आइ.सी.ए.आर.नेट 2021)
8. रवि कुमार गुप्ता (आइ.सी.ए.आर.नेट 2021)

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी, आदि में शिक्षकों / शोध विद्वानों ने भाग लिया:

- 20.11.2021-21.11.2021: सुश्री पिकी कुमारी (रिसर्च स्कॉलर) ने सतत मत्स्य पालन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया; ए.एम.आइ.टी.वाय. यूनिवर्सिटी, यूपी में ब्लू इकोनॉमी में क्रांति (ऑनलाइन),
- 29.9.2021: प्रो. सौभिक घोष ने विस्तार शिक्षा विभाग, स्नातकोत्तर द्वारा आयोजित "व्यवहार विज्ञान में मात्रात्मक शोध पद्धति" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'व्यवहार विज्ञान में मात्रात्मक शोध पद्धति का एनकैप्सुलेशन' विषय पर अतिथि वक्ता के रूप में एक प्रस्तुति दी। कृषि महाविद्यालय, डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, समस्तीपुर, पूसा, बिहार।
- 15.12.2021: प्रो. सौभिक घोष ने 'भारतीय मृदा संरक्षण सोसायटी (एससीएसआई)', नई दिल्ली के 30वें राष्ट्रीय वेब सम्मेलन में 'वाटरशेड में बेहतर जल प्रबंधन के साथ सामाजिक-आर्थिक विकास की गतिशीलता' पर एक आमंत्रित लीड व्याख्यान प्रस्तुत किया। "जलवायु लचीलापन, कृषि और पर्यावरण स्थिरता के लिए मृदा और जल प्रबंधन प्रौद्योगिकी" विषय पर।
- 21.2.2022: प्रो. सौभिक घोष ने डेयरी व्यवसाय प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित आइ.सी.ए.आर. प्रायोजित "डेयरी उद्यमों में उद्यमिता विकास के लिए ग्रामीण युवाओं को आकर्षित करने" पर आइ.सी.ए.आर. प्रायोजित लघु पाठ्यक्रम में 'ग्रामीण युवाओं के बीच उद्यमशीलता के व्यवहार का आकलन' पर एक आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया। डेयरी प्रौद्योगिकी संकाय, पश्चिम बंगाल पशु और मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय (डब्ल्यू.बी.यू.ए.एफ.एस.), मोहनपुर, नादिया।
- 1.3.2022: प्रो. सौभिक घोष ने विभाग द्वारा आयोजित "पशुपालन और संबद्ध खेती प्रणाली के माध्यम से सतत आजीविका के लिए उन्नत विस्तार और संचार रणनीतियों" पर आईसीएआर प्रायोजित शीतकालीन स्कूल में 'विस्तार कार्यक्रमों के प्रभाव मूल्यांकन के लिए दृष्टिकोण पर एक

अध्याय-2

आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया। पशु चिकित्सा और पशुपालन विस्तार शिक्षा, पश्चिम बंगाल पशु और मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय (डब्ल्यू.बी.यू.ए.एफ.एस.), कोलकाता।

दर्शन एन पी

- 4.9.2.21-6.9.2021: बर्मन ध्रुबज्योति, एन.पी. दर्शन, और आर राकेश ने बहुलवादी के माध्यम से भारतीय कृषि को बदलने पर इंडियन सोसाइटी ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन राष्ट्रीय संगोष्ठी 2021 के दौरान 'इनोवेटिव एक्सटेंशन अप्रोच के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार' विषय पर मौखिक प्रस्तुति दी। और बी.एच.यू. वाराणसी, उत्तर प्रदेश में आत्मनिर्भर भारत के लिए अभिनव विस्तार दृष्टिकोण।
- 4.9.2.21-6.9.2021: आर राकेश, एन.पी. दर्शन, बर्मन ध्रुबज्योति, च शेखर, और ए भट्टाचार्य ने इंडियन सोसाइटी ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन नेशनल सेमिनार 2021 के दौरान 'आत्मनिर्भर भारत के लिए मार्केट लेड एक्सटेंशन' विषय पर मौखिक प्रस्तुति दी। बी.एच.यू. वाराणसी, उत्तर प्रदेश में आत्मनिर्भर भारत के लिए बहुलवादी और अभिनव विस्तार दृष्टिकोण के माध्यम से भारतीय कृषि को बदलना।
- 20.1.2022-21.1.2022: एस लोकेश बाबू और एन.पी. दर्शन ने सातवीं के दौरान 'आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले में मृदा स्वास्थ्य कार्ड में की गई सिफारिशों पर मृदा स्वास्थ्य कार्ड (एस.एच.सी.) लाभार्थियों का ज्ञान स्तर' विषय पर मौखिक प्रस्तुति दी। तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (टी.एन.ए.यू.), कोयंबटूर, तमिलनाडु, भारत (हाइब्रिड मोड) में "पोषण सुरक्षा के लिए खाद्य सुरक्षा: युवा परिप्रेक्ष्य (एफ.एस.एन.एस. 2022)" शीर्षक वाला राष्ट्रीय युवा सम्मेलन 2022.

शिक्षकों/विद्वानों या विभाग द्वारा समग्र रूप से प्राप्त शैक्षणिक उत्कृष्टता (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता):

सौभिक घोष

- 25.2.2022: नौवें वार्षिक सम्मेलन के दौरान प्रस्तुत पत्रों के मूल्यांकन के लिए "फसल और पर्यावरण स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन" पर सत्र में जूरी सदस्य और "सोसाइटी फॉर फर्टिलाइजर्स एंड एनवायरनमेंट", कोलकाता, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय वेबिनार।
- अध्ययन बोर्ड (बी.ओ.एस.), विस्तार शिक्षा विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बी.एच.यू.), वाराणसी के बाहरी विशेषज्ञ सदस्य।
- सामाजिक विज्ञान के लिए आइ.सी.ए.आर. की कृषि शोध सेवा (ए.आर.एस.) की पाठ्यक्रम संशोधन समिति के सह-चयनित सदस्य, जिसमें तीन विषय शामिल हैं, अर्थात् कृषि-व्यवसाय प्रबंधन, कृषि अर्थशास्त्र और कृषि विस्तार शिक्षा

प्रकाशन:

सार्थक चौधरी

- राय पी. और चौधरी एस. (2021), *एकीकृत कीट प्रबंधन - पहुंच से बाहर तक पहुंचना*। रजत प्रकाशन। आइ.एस.बी.एन.: 978-81-7880-882-6
- चौधरी एस. और मंडल डी. (2021), *कृषि विस्तार प्रणाली*। ऑक्सफोर्ड और आइ.बी.एच. (सी.बी.एस. पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड की एक इकाई), आइ.एस.बी.एन.: 978-93-90709-91-5
- चौधरी एस. और मंडल डी. (2021), *कृषि विस्तार प्रणाली*। ऑक्सफोर्ड और आइ.बी.एच. (सी.बी.एस. पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड की एक इकाई), आइ.एस.बी.एन.: 978-93-90709-91-5
- चौधरी एस. एंड मंडल डी. (2021), *कृषि विस्तार*। न्यू विशाल प्रकाशन। आइ.एस.बी.एन.: 819524244-8
- चौधरी एस. और दास। जी (2021), *कॉलेज के छात्रों की व्यावसायिक आकांक्षाएं*। नई दिल्ली प्रकाशक। आइ.एस.बी.एन.: 978-81-950351-0-6

सौभिक घोष

- लामा, ए. और घोष, एस. (2022), *कृषि विविधीकरण*। एस.एस.डी.एन. पब., नई दिल्ली, भारत, पी. 186 (आइ.एस.बी.एन. 978-93-9279-818-4),
- कर्ण, ए. और घोष, एस. (2021), *कृषि सूचना: किसानों की जरूरतें, प्रभावशीलता और संचार*। एग्रोबियोस पब., जोधपुर, भारत, पी. 106 (आइ.एस.बी.एन. 978-81-949237-2-5),

पुस्तक अध्याय:

- घोष, सौभिक और दर्शन, एन.पी. (2022), *प्रौद्योगिकी को कम अपनाने के लिए गैप विश्लेषण*। में: कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में तकनीकी-समृद्ध विस्तार प्रणाली के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत का निर्माण। रॉय, एस.के., पाल, पी.पी., घोष, पी.के. और मिश्रा, ए. (सं.), अंतर्राष्ट्रीय पुस्तकें और आवधिक आपूर्ति सेवा, दिल्ली। पीपी. 45-76 (आइ.एस.बी.एन.: 978-93-90425-63-1),
- मूर्वेथन, पी., रॉय बर्मन, आर. और घोष, सौभिक (2021), *आत्मनिर्भर भारत के लिए विस्तार मॉडल पर नवाचार*। में: आत्मनिर्भर भारत के लिए कृषि में नवाचार। घोष, पी.के., कुमार, पी., चक्रवर्ती, डी., मंडल, डी. और शिवलिंगम (सं.)(ईडीएस.)। न्यू इंडिया पब्लिशिंग एजेंसी (एन.आइ.पी.ए.), नई दिल्ली। पीपी. 705-720 (आइ.एस.बी.एन.: 978-93-90591-53-4),

अध्याय-2

दर्शन एन पू

पुस्तक अध्याय:

- घोष, सौभिक, और दर्शन, एन.पी. (2022), *प्रौद्योगिकी को कम अपनाने के लिए गैप विश्लेषण।* में: कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में तकनीकी-समृद्ध विस्तार प्रणाली के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत का निर्माण। रॉय, एस.के., पाल, पी.पी., घोष, पी.के. और मिश्रा, ए. (सं.)(ईडीएस.)। अंतर्राष्ट्रीय पुस्तकें और आवधिक आपूर्ति सेवा, दिल्ली। पीपी. 45-76 (आइ.एस.बी.एन.: 978-93-90425-63-1),

पीयर-समीक्षा/रेफरी/यू.जी.सी.-सी.ए.आर.ई./आइ.सी.ए.आर.-एन.ए.ए.एस. सूचीबद्ध जर्नल में शोध पत्र:

एस.डी. मुखोपाध्याय

- कुमारी, पी., मुखोपाध्याय, एस.डी. और राज, आर.के. (2022), ओडिशा में मछुआरों द्वारा ज्ञान, कौशल और मोबाइल उपयोग की सीमा, जर्नल ऑफ रिसर्च इन ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस (क्वेस्ट जर्नल), वॉल्यूम। 10 अंक 4, पीपी। 68-73.

सार्थक चौधरी

- मंडल। डी. और चौधरी. एस. (2021), आपदा से निपटना: भारत में सुपर साइक्लोन अम्फान से सबक सीखा। *आपदा और विकास*/वॉल्यूम। 10 अंक 01 पीपी. 177-194, आइ.एस.बी.एन.: 0973-6700
- रॉय। ए. और चौधरी. एस. (2021), सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक कर्मचारियों का सहभागी प्रबंधन व्यवहार। *विस्तार शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल*/वॉल्यूम। XVII, आइ.एस.बी.एन.: 2319-7188

सौभिक घोष

- रॉय, एस. और घोष, एस. (2022), पश्चिम बंगाल में कोविड-19 के दौरान आजीविका के उपाय। जर्नल ऑफ़ कम्युनिटी मोबिलाइज़ेशन एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट, 17 (1): 14-22.
- रॉय, पी. और घोष, एस. (2022), त्रिपुरा में अनानास की खेती: विभेदक ज्ञान और वैज्ञानिक प्रथाओं और उनके निर्धारकों को अपनाना। *जर्नल ऑफ़ कम्युनिटी मोबिलाइज़ेशन एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट*, 17 (1): 232-242.
- रॉय, पी. और घोष, एस. (2022), त्रिपुरा में अनानास उत्पादकों के सामने आने वाली बाधाएं। *विस्तार शिक्षा के भारतीय जर्नल*। 58 (2): 140-143.
- घोष, एस., कर्ण, ए. और दर्शन, एन.पी. (2021), संरक्षण कृषि को अपनाने के लिए किसान की धारणा, व्यवहार, निवेश की जरूरत और नीति में बदलाव। *जर्नल ऑफ़ एग्रीकल्चरल फिजिक्स*, 21 (1): 285-294।

- कर्ण, ए. और घोष, एस. (2021), सूचना स्रोतों के चालक बिहार के किसान परिवारों द्वारा पैटर्न का उपयोग करते हैं। *विस्तार शिक्षा के भारतीय जर्नल* 157 (2): 67-70।
- बरेह, पी. और घोष, एस. (2021), मेघालय में ग्रामीण गरीबों की आजीविका पर स्वयं सहायता समूहों का प्रभाव। *विस्तार शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल* 117: 70-81.
- घोष, एस. और दास, यू. (2021), कृषि-पर्यटन की संभावनाएं। *कुरुक्षेत्र (ग्रामीण विकास का एक जर्नल)*, 69 (10): 35-41.
- घोष, एस. और दास, यू. (2021), ग्रामीण उद्यमिता। *कुरुक्षेत्र (ग्रामीण विकास का एक जर्नल)*, 69 (6): 29-35.

अनिदिता साहा

- गुप्ता, आर.के., साहा, ए., और तिवारी, पी.के. (2021), छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में आदिवासी डेयरी किसानों के उद्यमिता व्यवहार आयाम की पहचान करना। *इंडियन जर्नल ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन*, 57(4), 80-84।
- गुप्ता, आर.के., साहा, ए., और गुप्ता, ए. (2021), प्रमुख घटक विश्लेषण का उपयोग करके आदिवासी डेयरी किसानों की कथित बाधाओं की पहचान करना: उत्तरी पहाड़ी क्षेत्र, छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में डेयरी फार्मिंग से अंतर्दृष्टि। *जर्नल ऑफ कम्युनिटी मोबिलाइजेशन एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट* 116(2), 357-366
- पाइन, ए.के., साहा, ए., तिवारी, पी.के., ढाकरे, डी.एस., और गुप्ता, आर.के. (2021), पश्चिम बंगाल के बांकुरा जिले में रसायनों के अत्यधिक उपयोग के प्रति सब्जी उत्पादकों द्वारा अनुभव की जाने वाली बाधाएं। *इंडियन जर्नल ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन*, 57(3), 45-47.
- भट्टाचार्य, यू., साहा, ए., तिवारी, पी.के., ढाकरे, डी.एस., और गुप्ता, आर.के. (2021), पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में जैविक खेती का अभ्यास करने वाले किसानों का दत्तक ग्रहण स्तर। *विस्तार शिक्षा के भारतीय शोध जर्नल*, 21(1), 12-15
- भट्टाचार्य, यू., साहा, ए., तिवारी, पी.के., ढाकरे, डी.एस., और गुप्ता, आर.के. (2021), पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के जैविक किसानों की उपलब्धि प्रेरणा। *इंडियन जर्नल ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन*, 57(1), 38-42.
- गुप्ता, आर.के., और साहा, ए. (2021) मध्य भारतीय राज्य छत्तीसगढ़ में डेयरी किसानों की उद्यमी क्षमताओं को मापने के लिए एक पैमाना। *विद्याभारती इंटरनेशनल इंटरडिसिप्लिनरी जर्नल*, अक्टूबर- 2021 (1620 - 1635) आइ.एस.एस.एन.2319-4979
- साहू, बी., साहा, ए., और साहू, एस.एल. (2021), ओडिशा के कंधमाल जिले में जैविक हल्दी की खेती के प्रति आदिवासी किसानों की धारणा: *विद्याभारती अंतर्राष्ट्रीय अंतःविषय शोध जर्नल (विशेष अंक)* 2666- 2672

अध्याय-2

- साहू, बी., साहा, ए., और साहू, एस.एल. (2022), ओडिशा के कंधमाल जिले में जैविक हल्दी की खेती के प्रति आदिवासी किसानों का ज्ञान: *भारतीय विस्तार शिक्षा शोध पत्रिका*, 22 (1):8-12

दर्शन एन पी

- घोष, एस., कर्ण, ए. और दर्शन, एन.पी. (2021), संरक्षण कृषि को अपनाने के लिए किसान की धारणा, व्यवहार, निवेश की जरूरतें और नीति में बदलाव। *जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल फिजिक्स*, 21 (1): 285-294।

कृषि सांख्यिकी विभाग

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / एसएलईटी और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

1. रवि रंजन कुमार यूजीसी-नेट

विभागीय संगोष्ठी:

क्र. सं.	वक्ता	संगोष्ठी का शीर्षक	दिनांक
1	प्रो. एस. के. शर्मा	कारक विश्लेषण, प्रधान घटक विश्लेषण (पीसीए), क्लस्टर विश्लेषण, विभेदक विश्लेषण	02/03/2022
2	डॉ. एच. पचोरी	शोध में माप का स्तर	03/03/2022
3	प्रो. किशोर सिन्हा	वैज्ञानिक शोध	04/03/2022
4	प्रो. के. महाजन	परिकल्पना के पैरामीट्रिक परीक्षण और परिकल्पना के गैर-पैरामीट्रिक परीक्षण	05/03/2022
5	डॉ. डी एस धाकरे	आर कमांडर की मूल बातें	07/03/2022
6	प्रो. ए.एन. गिल	कर्व फिटिंग, गुणात्मक डेटा के लिए सहसंबंध	08/03/2022
7	डॉ. के. ए. सरकार	प्रयोगों का डिजाइन	08/03/2022
8	डॉ. अभिराम दास	आर के साथ परिकल्पना का परीक्षण	09/03/2022
9	प्रो. श्रीनिवास राव	एकाधिक सहसंबंध, आंशिक सहसंबंध, एकाधिक रैखिक प्रतिगमन, रसद	09/03/2022
10	प्रो. देवाशीष भट्टाचार्य	महत्व और सांख्यिकीय अनुमान का परीक्षण	10/03/2022
11	डॉ. सौरव राणा	मूल बातें आर, बीवरिएट डेटा, स्कैटर आरेख, सहसंबंध प्रतिगमन	10/03/2022
12	प्रो. रवि महाजन	सॉफ्टवेयर क्या नहीं बताता! ऐसी कार्यशाला को शोध के उद्देश्य से कैसे प्रभावी बनाया जाए?	11/03/2022

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि में शिक्षकों / शोध विद्वानों ने विस्तार से भाग लिया

- 7.9.2.21-10.9.2021: प्रोफेसर प्रो. देवाशीष भट्टाचार्य ने "सांख्यिकी और डेटा विज्ञान में उभरते रुझान" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डेविड हनागल एंडोमेंट व्याख्यान दिया।

अध्याय-2

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया

- 02-03-2020 - 11-03-2022: "सांख्यिकीय उपकरणों और तकनीकों पर विशेष जोर" वैज्ञानिक शोध में एसपीएसएस और आर के उपयोग पर 10-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

शिक्षकों/विद्वानों या समग्र रूप से विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टता (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता)

प्रो. देवाशीष भट्टाचार्य

विद्वान समाज की सदस्यता:

- द अमेरिकन स्टैटिस्टिकल एसोसिएशन
- गणितीय सांख्यिकी संस्थान, यूएसए
- भारतीय सांख्यिकी संस्थान
- कलकत्ता सांख्यिकी संघ
- भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन
- उत्पादकता, गुणवत्ता और विश्वसनीयता के लिए भारतीय संघ।

संपादकीय जिम्मेदारी

- जर्नल "स्टोकेस्टिक मॉडलिंग एंड एप्लीकेशन" के संपादक, आईएसएसएन: 0972-3641
- "इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ स्टैटिस्टिक्स एंड मैनेजमेंट सिस्टम" के प्रबंध संपादक, आईएसएसएन: 0973-7359
- वैश्विक और स्टोकेस्टिक विश्लेषण के संपादकीय बोर्ड के सदस्य ISSN 2248-9444
- जर्नल ऑफ़ द इंडियन सोसाइटी फॉर प्रोबेबिलिटी एंड स्टैटिस्टिक्स आईएसएसएन: 2277-9620 . के एसोसिएट एडिटर
- एसोसिएट एडिटर, आईएपीक्यूआर ट्रांजेक्शन, आईएसएसएन: 0970-0102
- संपादकीय बोर्ड के सदस्य, सीएसए बुलेटिन, 0008-0683 (प्रिंट), 2456-6462 (ऑनलाइन)

अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के सहकर्मी समीक्षक:

- असमानता और अनुप्रयोगों के जर्नल
- सांख्यिकी और संभाव्यता पत्र
- सांख्यिकीय योजना और निष्कर्ष पर शोधपत्र
- बहुभिन्नरूपी विश्लेषण जर्नल
- सांख्यिकी में संचार; सिद्धांत और तरीके
- नौसेना शोध रसद

- अनुप्रयुक्त सांख्यिकी और विधियों का जर्नल
- मॉडल सहायक सांख्यिकी और अनुप्रयोग

प्रकाशन:

- समकक्ष समीक्षा/रेफरी/यूजीसी-केयर/आईसीएआर-एनएएस सूचीबद्ध पत्रिकाओं में शोध पत्र:-
06

विभागीय प्रकाशन:

- स्नातक छात्रों के लिए सांख्यिकी पर व्यावहारिक मैनुअल
- पीजी छात्रों के लिए अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए सांख्यिकीय विधियों पर व्यावहारिक मैनुअल
- पीजी छात्रों के लिए प्रायोगिक डिजाइन पर व्यावहारिक मैनुअल
- पीजी छात्रों के लिए गैर-पैरामीट्रिक तकनीकों पर व्यावहारिक मैनुअल

व्यक्तिगत प्रकाशन:

- गुप्ता, ए.के., सरकार, के.ए., भट्टाचार्य, डी. और धाकरे, डी.एस. (2021), विभेदक विश्लेषण और कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग करते हुए मौसम संबंधी कारकों पर आधारित आलू उपज मॉडलिंग। सब्जी विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल।
- गुप्ता, एस.के. और भट्टाचार्य, डी. (2022), अपूर्ण द्वि-आयामी वारंटी डेटा से द्विचर विश्वसनीयता का गैर-पैरामीट्रिक अनुमान। विश्वसनीयता इंजीनियरिंग और सिस्टम सुरक्षा।
- भट्टाचार्य, यू., साहा, ए., तिवारी, पी.के., धाकरे, डी.एस. और गुप्ता, आर.के. (2021), पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के जैविक किसानों की उपलब्धि प्रेरणा। इंडियन जर्नल ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन, 57(1), 38-42.
- येवले, एन.आर., स्वैन, के.सी., मान, एस. और धाकरे, डी.एस. (2021), हल्दी (करकुमा लोंगा एल.) प्रकंदों के दीर्घकालिक भंडारण के लिए हर्मेटिक बैग का मूल्यांकन। संग्रहीत उत्पाद शोध जर्नल, 92.
- दास, एस.के., घोष, जी.के., अवस्थे, आर., चौधरी, बी.यू., मिश्रा, वी.के., कुंडू, एम.सी., रॉय, ए., मंडल, टी., लामा, ए. और धाकरे, डी.एस. (2021), मक्के-काले चने की फसल प्रणाली में माइक्रोबियल बायोमास कार्बन और मृदा एंजाइम गतिविधि पर जैविक पोषक स्रोत और बायोचार प्रौद्योगिकी। बायोमास रूपांतरण और बायोरिफाइनरी।
- पाइन, ए.के., साहा, ए., तिवारी, पी.के., धाकरे, डी.एस. और गुप्ता, आर.के. (2021), पश्चिम बंगाल के बांकुरा जिले में रसायनों के अत्यधिक उपयोग की ओर सब्जी उत्पादकों द्वारा महसूस की जाने वाली बाधाएं। इंडियन जर्नल ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन, 57 (3), 45-47.

अध्याय-2

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी:

विभाग शिक्षण, शोध और आउटरीच कार्यक्रमों के मामले में उच्च प्रदर्शन के अपने रिकॉर्ड को बनाए रखने की कोशिश कर रहा है जैसा कि यह पहले प्रदर्शन कर रहा था। वर्तमान में 13 छात्र पीएच.डी. में अध्ययनरत हैं। गौरतलब है कि प्रो. देवाशीष भट्टाचार्य चेयर प्रोफेसर, ए.के. दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट, नीति आयोग के मानद पद पर कार्यरत हैं। निदेशक, कृषि अर्थशास्त्र शोध केंद्र, कृषि मंत्रालय उनकी अतिरिक्त जिम्मेदारी है।

शस्य विज्ञान विभाग

नेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

• अनन्या मंडल	• वनवासिनी मोहंती
• विपाशा हलदर	• महंती अपर्णा
• सनिज इकबाल	• श्रेयसी दास
• शेख नईम अख्तर	• अंकुश सरकार
• अंतरा प्रमाणिक	• चिंतादा साईनाथ
• कसुकुर्थी दिव्य तेजा	• एडापु अन्वेश कुमार
• मुकेश कुमार	• सौम्यकांति मंडल
• सुचिस्मिता सतपथी	• सुमित माइती
• सौरव छतराज	• सुजय कुमार पॉल
• रुचि भारती	• राहुल कुमार गुप्ता
• अंतरा चौधरी	• अनिमेष चौधरी
• शेखर सिंह मुरा	• सुशील भारत सतपुते

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि:

ए. के. बारिक

- 23.11.2021-27.11.2021: पांचवीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में ए.के.बारिक, बी. साहा, पी. डी और बी कुमार द्वारा पूर्वी क्षेत्र में विविध चावल आधारित फसल प्रणालियों की उत्पादकता और लाभप्रदता बढ़ाने के लिए रणनीतियाँ "कृषि नवाचारों का मुकाबला करने के लिए" इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी, नई दिल्ली द्वारा हैदराबाद, तेलंगाना में आयोजित खाद्य और पोषण चुनौतियाँ"।
- 14.3.2022-15.3.2022: टी.दास द्वारा पश्चिम बंगाल की लाल और लैटेराइट मिट्टी के तहत चावल-परती में धान-परती में ग्रासपी (लैथिरसेटिवस एल.) के गुणों और उपज के कारण उपज पर सूक्ष्म पोषक तत्वों के विभिन्न फसल स्थापना विधियों और पर्ण छिड़काव का प्रभाव, ग्रामीण प्रौद्योगिकी, नवाचार और आईपीआर पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ए.के.बारिक और पी.डी.: आगे का रास्ता, ग्रामीण विकास विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेघालय द्वारा आयोजित।
- 26.3.2022-27.3.2022: टी. दास द्वारा पश्चिम बंगाल की लाल और लैटेराइटिक मिट्टी के तहत चावल-परती में धान-परती में ग्रासपी (लैथिरसेटिवस एल.) की उपज, अर्थशास्त्र और ऊर्जा पर सूक्ष्म पोषक तत्वों के विभिन्न फसल स्थापना विधियों और पर्ण छिड़काव का प्रभाव, ए.के. बारिक और पी.

अध्याय-2

डी, नेशनल सेमिनार ऑन क्लाइमेट रेजिलिएंट टेक्नोलॉजीज फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर-इंटरवेंशन एंड अप्रोच, सेंचुरियन यूनिवर्सिटी, ओडिशा।

बी दुआरी

- 29.5.2021: इंडियन सोसाइटी ऑफ वीड साइंस और आईसीएआर-डीडब्ल्यूआर द्वारा आयोजित "जलीय खरपतवार समस्याओं और जल उत्पादकता में सुधार के लिए उनका प्रबंधन" पर आईएसडब्ल्यूएस के 5वें वेबिनार में भाग लिया।
- 22.06.2021: इंडियन सोसाइटी ऑफ वीड साइंस और आईसीएआर-डीडब्ल्यूआर द्वारा आयोजित "खरपतवार प्रबंधन रणनीतियों में सुधार में खरपतवार जीव विज्ञान की भूमिका" पर आईएसडब्ल्यूएस के छठे वेबिनार में भाग लिया।
- 31.01.2022: इंडियन सोसाइटी ऑफ वीड साइंस और आईसीएआर-डीडब्ल्यूआर द्वारा आयोजित "स्वामी विवेकानंद के दर्शन और आध्यात्मिक अवधारणा: वर्तमान समाज और विज्ञान के लिए इसकी प्रासंगिकता" पर आईएसडब्ल्यूएस के 11वें वेबिनार में भाग लिया।

जी.सी. मलिक

- 25.2.2022-26.2.2022: "फसल और पर्यावरणीय स्वास्थ्य के लिए कृषि-रसायनों का प्रबंधन" पर राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया और लाल रंग में आलू (सोलनम ट्यूबरोसम) की वृद्धि और उत्पादकता पर समुद्री खरपतवार के अर्क का प्रभाव शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। और पश्चिम बंगाल की लैटेरिटिक बेल्ट।

एस.के. माइती

- 23.11.2021-27.11.2021: "पश्चिम बंगाल की अम्लीय लाल और लेटराइटिक मिट्टी में आंशिक चूना, खाद और बीज हाइड्रो-प्राइमिंग के तहत मसूर की वृद्धि और उत्पादकता" शीर्षक से शोध पत्र, अनन्या मंडल, एम। अनुसूचित जाति। पीजेटीएसएयू, हैदराबाद, भारत में आयोजित डॉ. एस. के. मैती द्वारा पर्यवेक्षित छात्र।

एम. बनर्जी

- 29.6.2021: शुष्क भूमि कृषि, शुष्क भूमि कृषि शोध स्टेशन, अरजिया, भीलवाड़ा, शोध निदेशालय, महाराणा प्रताप कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर पर एआईसीआरपी द्वारा आयोजित "शुष्क भूमि कृषि में उत्पादकता और लाभप्रदता बढ़ाने के लिए सतत रणनीति" पर राष्ट्रीय वेबिनार (राजस्थान Rajasthan),
- 18.6.2021: महाराणा प्रताप स्मृति व्याख्यान-2021 में भाग लिया "किसानों की आय बढ़ाना: आगे का रास्ता" विषय पर महाराणा प्रताप, कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर (राजस्थान),
- 7.7.2021: मृदा जैव विविधता और जैव उर्वरक पर अखिल भारतीय नेटवर्क परियोजना, आणविक जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, शोध निदेशालय, महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय

द्वारा आयोजित "सतत कृषि और जलवायु परिवर्तन शमन के लिए माइक्रोबियल प्रौद्योगिकी" पर राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया और प्रौद्योगिकी, उदयपुर (राजस्थान),

- 29.7.2021: PEASEM, मृदा और जल इंजीनियरिंग विभाग, शोध निदेशालय, महाराणा प्रताप कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान पर AICRP द्वारा आयोजित "संरक्षित खेती में सटीक तकनीक" पर राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।
- 20.6.2021: योग कला और विज्ञान विभाग, विनय भवन, विश्व-भारती और इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योगिक द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई: योग के माध्यम से रोकथाम, देखभाल और पुनर्वास" पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया। 20 जून, 2021 को विज्ञान (आईयूसी-वाईएस), यूजीसी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार।
- 19.6.2021: योग कला और विज्ञान विभाग, विनय भवन, विश्व-भारती और इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योगिक द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई: योग के माध्यम से रोकथाम, देखभाल और पुनर्वास" पर राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया। विज्ञान (आईयूसी-वाईएस), यूजीसी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार।
- 17.5.2021-21.5.2021: मैनेज द्वारा आयोजित "एग्री-स्टार्ट अप के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- 18.5.2021-21.5.2021: मैनेज, हैदराबाद द्वारा आयोजित "एकीकृत वाटरशेड प्रबंधन" पर मैनेज-आईसीएआर-आईआईएसडब्ल्यूसी सहयोगात्मक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- 1.6.2021-5.6.2021: मैनेज और विस्तार शिक्षा संस्थान, कृषि, सहकारिता और परिवार कल्याण विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से "सतत कृषि के लिए जैविक खेती" पर ऑनलाइन ऑफ कैम्पस सहयोगात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया , सरकार भारत की।
- 23.6.2021-25.6.2021: मैनेज, हैदराबाद द्वारा आयोजित "जल प्रबंधन के लिए विस्तार दृष्टिकोण" पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- 25.2.2022-26.2.2022: "फसल और पर्यावरणीय स्वास्थ्य के लिए कृषि-रसायनों का प्रबंधन" पर राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया और लाल रंग में आलू (सोलनम ट्यूबरोसम) की वृद्धि और उत्पादकता पर समुद्री खरपतवार के अर्क का प्रभाव शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। और पश्चिम बंगाल की लैटेरिटिक बेल्ट।

एमओओसी कार्यक्रम

- 1.6.2021-30.6.2021: भाकृअनुप-नाम द्वारा आयोजित "शैक्षिक प्रौद्योगिकी की सैद्धांतिक नींव" पर ऑनलाइन एमओओसी कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

अध्याय-2

- 3.8.2021-5.8.2021: मैनेज, हैदराबाद, भारत द्वारा आयोजित सतत खाद्य प्रणालियों के लिए कृषि आधारित समाधान पर ऑनलाइन एमओओसी कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।
- 25.5.2021-27.5.2021: मैनेज, हैदराबाद, भारत द्वारा आयोजित "भारत में अनुबंध खेती-मुद्दे और चुनौतियां" पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- 19.7.2021-23.7.2021: मैनेज, हैदराबाद द्वारा आयोजित कृषि और संबद्ध क्षेत्र में ई-विस्तार पर ऑनलाइन एमओओसी कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

पी. घोष

- 29.09.2021-01.10.2021: आईसीएआर - भारतीय कृषि प्रणाली शोध संस्थान, मोदीपुरम, मेरठ द्वारा आयोजित 'जलवायु परिवर्तन और संसाधन संरक्षण के लिए वैकल्पिक फसल प्रणाली' पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार सम्मेलन (वर्चुअल) में भाग लिया।
- 30.11.2021-13.12.2021: यूजीसी-एचआरडीसी, मिजोरम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'पर्यावरण अध्ययन और आपदा प्रबंधन' पर इंटरडिसिप्लिनरी रिक्रेशर कोर्स (ऑनलाइन) में भाग लिया।

चल रही शोध परियोजनाएं:

शिक्षक का नाम	परियोजना	प्रायोजक एजेंसियों का नाम	स्वीकृत राशि
डॉ बी दुआरी	आईसीएआर-आईआरआरआई सहयोगात्मक परियोजना विंडो 3 के तहत सीधे बीज वाले चावल कंसोर्टियम पर आईआरआरआई सहयोगी कार्यक्रम	अंतर्राष्ट्रीय चावल शोध संस्थान (आईआरआरआई), मनीला, फिलीपींस	20000 USD
	जीएमएस एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित हाइब्रिड के साथ-साथ उच्च उपज देने वाली किस्मों का परीक्षण।	लिमिटेड जीएमएस एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता	रु 8.268 लाख
	प्रत्यारोपित चावल पर ऑर्थोसल्फामुरन 50% डब्ल्यूजी की जैव प्रभावकारिता	निचिनो केमिकल इंडिया प्रा. लिमिटेड, हैदराबाद	रु. 3.64 लाख
	ऑर्थोसल्फामुरॉन की जैव प्रभावकारिता 0.6% + प्रेटिलाक्लोर 6 % जीआर प्रत्यारोपित चावल पर	निचिनो इंडिया प्रा. लिमिटेड, हैदराबाद	रु. 5.59 लाख

डॉ. जी.सी. मलिक	"खेत फसलों में विभिन्न कृषि रसायनों का जैव-प्रभावकारिता अध्ययन"	क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन प्राइवेट लिमिटेड	रु. 9,20,000/-
	"विभिन्न खरपतवारों और रोगों के परिदृश्य के खिलाफ विभिन्न फसलों में कुछ जड़ी-बूटियों और कवकनाशी का जैव + फाइटोटॉक्सिसिटी मूल्यांकन"	स्वेंजेंटा इंडिया लिमिटेड	रु. 7,60,000 / -
डॉ. के. प्रामाणिक	आलू की वृद्धि और उपज पर एकेडियन गोल्डस्टार का मूल्यांकन	एकेडियन सीप्लान्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	रु. 1,53,400.00
	सोयाबीन फसल में फ्लुमियोक्साज़िन 50% ईसी का मूल्यांकन जैव-प्रभावकारिता और फाइटोटॉक्सिसिटी विश्लेषण	रेनबो एग्रो साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड	रु. 6,13,600.00
	सीधे बीज वाले चावल और मेसोट्रियोन पर साइहालोफॉप ब्यूटाइल 10% ईसी का मूल्यांकन जैव-प्रभावकारिता और फाइटोटॉक्सिसिटी विश्लेषण मक्का फसल पर 2.27% w/w + एट्राज़िन 22.7% w/w SC	रेनबो एग्रो साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड	रु. 12,27,200/-
	मेसोट्रियोन की जैव-प्रभावकारिता का मूल्यांकन 2.27% w/w + एट्राज़िन 22.7% w/w एससी फ़ॉर्मूलेशन मक्का और गन्ना	विलोवुड केमिकल्स प्रा. लिमिटेड	रु. 1342250.00
	सोरघम पर यूपीएच 2221 की जैव-प्रभावकारिता और फाइटो-विषाक्तता का मूल्यांकन करने के लिए	यूपीएल लिमिटेड	रु. 6,90,300.00
	धान और टमाटर के साथ-साथ फसल सुरक्षा पर विभिन्न जैव उतेजकों की प्रभावकारिता का मूल्यांकन	गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड	रु. 29,02,328/-

अध्याय-2

	गेहूं और मक्का पर GOD-H010 की जैव-प्रभावकारिता, फाइटोटॉक्सिसिटी पर अध्ययन और आगामी फसलों पर का कैरीओवर प्रभाव	गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड	रु. 5,75,250.00
डॉ. एम. बनर्जी	"खेत फसलों में विभिन्न कृषि-रसायनों का जैव-प्रभावकारिता अध्ययन।"	नैटको फार्मा लिमिटेड	रु. 5,32,079/-
	"खेत फसलों में विभिन्न कृषि-रसायनों का जैव-प्रभावकारिता अध्ययन।"	भारत कीटनाशक लिमिटेड	रु. 17,44,000/-
डॉ. एन.सी, सरकार	जलवायु-स्मार्ट कृषि के माध्यम से आजीविका सुधार: एक ऑस्ट्रेलिया-भारत पहल (चल रही परियोजना)	ऑस्ट्रेलिया-भारत परिषद	29,550 AU\$ (रु. 14,65,000)
	पश्चिम बंगाल की कृषि-जलवायु परिस्थितियों के तहत चावल की खेती का तुलनात्मक प्रदर्शन मूल्यांकन।	रामनगर सीड फार्म प्राइवेट लिमिटेड	रु. 4,44,860
	चावल की किस्मों के डीयूएस (विशिष्टता एकरूपता स्थिरता) के लक्षणों का मूल्यांकन पश्चिम बंगाल की कृषि-जलवायु स्थितियां।	रामनगर सीड फार्म प्रा. लिमिटेड	रु. 5,98,260

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियां/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियां और विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया:

ए.के. बारिक

- 5.12.2021: शांतिनिकेतन आकाशवाणी, बीरभूम में "चावल-परती में दलहन की खेती की उन्नत तकनीक" विषय पर एक रेडियो कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया (अमनधनपरबर्टिपोटिटजोमाइटुन्नतप्रथाई दाल सश्यर्चस)
- 9.3.2022: 9 मार्च को प्रसारित शांतिनिकेतन आकाशवाणी, बीरभूम में "समस्याएं और संभावनाएं, उन्नत प्रौद्योगिकी और दलहनी फसलों में मूल्यवर्धन" विषय पर एक रेडियो कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया, 2022
- 11.11.2021: 11 नवंबर, 2021 को पल्ली शिक्षा भवन (पीएसबी), विश्व-भारती, श्रीनिकेतन द्वारा इंडियन सोसायटी ऑफ एग्रोनॉमी (आईएसए)-श्रीनिकेतन चैप्टर, नई दिल्ली।

- 12.12.2021: 10 दिसंबर, 2021 को "औषधीय पौधों की खेती, उनके विपणन और आयुर्वेदिक उपयोग" पर ऑनलाइन किसान-वैज्ञानिक सम्मेलन में संयोजक के रूप में कार्य किया। कला और विज्ञान, विश्व-भारती।
- 12.1.2022: पल्ली शिक्षा भवन (पीएसबी), विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी (आईएसए) के सहयोग से 12 जनवरी, 2022 को आयोजित "बोरो चावल की खेती के लिए बेहतर तकनीक" पर ऑनलाइन किसान-वैज्ञानिक बैठक में संयोजक के रूप में कार्य किया। - श्रीनिकेतन चैप्टर, नई दिल्ली।
- 28.3.2022: 28 मार्च, 2022 को पल्ली शिक्षा भवन (पीएसबी), विश्व-भारती, श्रीनिकेतन द्वारा इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी (आईएसए) के सहयोग से आयोजित "ग्रीष्मकालीन तिलहन की खेती" पर ऑनलाइन किसान-वैज्ञानिक बैठक में संयोजक के रूप में कार्य किया - श्रीनिकेतन चैप्टर, नई दिल्ली।

बी दुआरी

- 22.6.2021: आरकेवीके, विश्वभारती में बीरभूम जिले के लिए इनपुट डीलर्स (डीएईएसआई) पाठ्यक्रम के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा के कार्यक्रम में समूह I के लिए "कृषि में खरपतवार की समस्या और जड़ी-बूटियों के उपयोग" पर ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया और व्याख्यान दिया।
- 25.6.2021: आरकेवीके, विश्वभारती में बीरभूम जिले के लिए इनपुट डीलर्स (डीएईएसआई) पाठ्यक्रम के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा के कार्यक्रम में समूह II के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण और व्याख्यान "कृषि में खरपतवार समस्या और जड़ी-बूटियों का उपयोग" दिया।
- 29.6.2021: आरकेवीके, विश्वभारती में बीरभूम जिले के लिए इनपुट डीलर्स (डीएईएसआई) पाठ्यक्रम के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा के कार्यक्रम में "शाकनाशी के उपयोग की समस्या और संभावना और जड़ी-बूटियों के विवेकपूर्ण अनुप्रयोग" पर ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया और व्याख्यान दिया।
- 2.7.2021: आरकेवीके, विश्वभारती में बीरभूम जिले के लिए इनपुट डीलर्स (डीएईएसआई) पाठ्यक्रम के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा के कार्यक्रम में ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया गया और व्याख्यान दिया गया।
- 11.11.2021: पल्ली शिक्षा द्वारा आयोजित "किसानों की आय बढ़ाने के लिए रबी फसलों की उन्नत खेती तकनीक" पर ऑनलाइन किसान-वैज्ञानिक मीट में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया और "रबी मौसम में खेत की फसलों की उन्नत खेती और प्रबंधन प्रथाओं" पर व्याख्यान दिया। विश्व-भारती शताब्दी समारोह की पूर्व संध्या पर भावना, विश्व-भारती, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी-श्रीनिकेतन चैप्टर के सहयोग से।

अध्याय-2

- 23.12.2021: सहायक कृषि निदेशक (पी) द्वारा आयोजित टीआरएफए के तहत एनएफएसएम (ओएस) पर योजना के तहत दो दिवसीय विस्तार अधिकारियों की प्रशिक्षण बैठक में "खेत फसलों में एकीकृत खरपतवार प्रबंधन" पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया (पी प्रशासन I), बोलपुर अनुमंडल, बोलपुर।
- 15.2.2022: धनगंगा कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा आयोजित मुर्शिआबाद जिले के लिए इनपुट डीलरों के लिए कृषि विस्तार सेवाओं (डीएईएसआई) पाठ्यक्रम में डिप्लोमा के कार्यक्रम में "कृषि में खरपतवार समस्या और विभिन्न फसलों में खरपतवार प्रबंधन" पर व्याख्यान दिया। आईसीएआर-केवीके मुर्शिआबाद अतिरिक्त), रामकृष्ण मिशन आश्रम, सरगाछी, मुर्शिदाबाद।

एस.के. मैती

- आकाशवाणी-शांति निकेतन पर किसान वाणी कार्यक्रम- मृदा स्वास्थ्य और उसके प्रबंधन में कार्बनिक पदार्थों की भूमिका, खेत में कम्बाइन कटी हुई धान की पराली का सरल प्रबंधन, अम्लीय मिट्टी और उसका प्रबंधन विषयों पर।
- 1.12.2021-31.12.2021: डॉ. एस. के. मैती ने आईसीएआर-राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी, हैदराबाद द्वारा आयोजित "डिजिटल शिक्षण तकनीक" पर व्यापक ओपन ऑनलाइन पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

के. प्रामाणिक

- 21.04.2021: एफ.एम. रेडियो, शांतिनिकेतन के किसान वाणी कार्यक्रम के लिए "आकस्मिक फसल योजना और बारानी स्थिति में फसल उत्पादकता में सुधार" पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- 22.06.2021: रथींद्र कृषि विज्ञान केंद्र, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित "इनपुट डीलर्स कोर्स के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा" के लिए "खरीफ चावल की नर्सरी प्रबंधन और खेती अभ्यास" पर ऑनलाइन आमंत्रित व्याख्यान।
- 25.06.2021: रथींद्र कृषि विज्ञान केंद्र, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित "इनपुट डीलर्स कोर्स के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा" के लिए "खरीफ चावल की नर्सरी प्रबंधन और खेती अभ्यास" पर ऑनलाइन आमंत्रित व्याख्यान।
- 22.12.2021: कार्यालय सहायक कृषि निदेशक, पश्चिम बंगाल सरकार बोलपुर-श्रीनिकेतन द्वारा "टीआरएफए के तहत एनएफएसएम (तेल बीज) योजना" के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित व्याख्यान "विशेष संदर्भ के साथ तिलहन फसलों के पैकेज और प्रथाओं" पर सरसों को।
- 01.02.2022: धनगंगा कृषि विज्ञान केंद्र (आईसीएआर-केवीके मुर्शिदाबाद अतिरिक्त) रामकृष्ण मिशन विवेकानंद शैक्षिक और अनुसंधान संस्थान द्वारा आयोजित "इनपुट डीलर्स कोर्स के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा" के लिए "खेत फसलों में कुशल जल प्रबंधन" पर ऑनलाइन आमंत्रित व्याख्यान .

- 02.03.2022: एफ.एम. रेडियो, शांतिनिकेतन के किसान वाणी कार्यक्रम के लिए "उन्नत ग्रीष्मकालीन मूंगफली की खेती" पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- 28.03.2022: पल्ली शिक्षा भवन द्वारा आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी (आईएसए) नई दिल्ली-श्रीनिकेतन चैप्टर के तहत ऑनलाइन किसान-वैज्ञानिक मीट के लिए "मूंगफली की उन्नत खेती तकनीक" पर एक भाषण दिया।

एम. बनर्जी

- "दाल की खेती" पर एक रेडियो वार्ता में भाग लिया और किसान बानी कार्यक्रम में प्रसारित किया गया।
- "तिल की खेती" पर एक रेडियो वार्ता में भाग लिया और किसान बानी कार्यक्रम में प्रसारित किया गया।
- 06.07.2021 - 09.07.2021: रथींद्र केवीके द्वारा आयोजित इनपुट डीलरों (डीआईएसआई) पाठ्यक्रम के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा में "तिलहन फसलों की उत्पादन तकनीक" पर संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।

एन सी सरकार

- 11.11.2021: पल्ली शिक्षा भवन (पीएसबी), विश्व-भारती, श्रीनिकेतन द्वारा इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी (आईएसए)-श्रीनिकेतन चैप्टर के सहयोग से किसानों की आय बढ़ाने के लिए रबी फसलों की उन्नत खेती तकनीकों पर ऑनलाइन किसान-वैज्ञानिक मीट का आयोजन किया गया। नई दिल्ली।
- 10.12.2021: औषधीय पौधों की खेती, उनके विपणन और आयुर्वेदिक उपयोग पर ऑनलाइन किसान-वैज्ञानिक बैठक का आयोजन पल्ली शिक्षा भवन (पीएसबी), विश्व-भारती, श्रीनिकेतन द्वारा योगिक कला और विज्ञान विभाग, विश्व-भारती के सहयोग से किया गया।
- 12.1.2022: पल्ली शिक्षा भवन (पीएसबी), विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी (आईएसए)-श्रीनिकेतन चैप्टर, नई दिल्ली के सहयोग से बोरो चावल की खेती के लिए उन्नत तकनीकों पर ऑनलाइन किसान-वैज्ञानिक बैठक।
- 28.3.2022: पल्ली शिक्षा भवन (पीएसबी), विश्व-भारती, श्रीनिकेतन द्वारा इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी (आईएसए)-श्रीनिकेतन चैप्टर, नई दिल्ली के सहयोग से ग्रीष्मकालीन तिलहन की खेती पर ऑनलाइन किसान-वैज्ञानिक मीट का आयोजन किया गया।
- बीरभूम जिले की कठोर जलवायु परिस्थितियों में उपयुक्त सुगंधित पौधों की खेती के साथ वैकल्पिक आजीविका आय का लक्ष्य रखने के लिए सीएसआईआर-सीआईएमएपी सुगंध मिशन में लगे हुए हैं।
- 14.3.2022-15.3.2022: जिले के बोलपुर, राजनगर और राजनगर प्रखंडों में सुगंधित फसलों की खेती पर किसान-वैज्ञानिक बैठक का आयोजन किया।

अध्याय-2

- 10.12.2021: पल्ली शिक्षा भवन (पीएसबी), विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित औषधीय पौधों की खेती, उनके विपणन और आयुर्वेदिक उपयोग पर ऑनलाइन किसान-वैज्ञानिक बैठक में गिलोय और ब्राम्ही की खेती और अर्थशास्त्र विषय पर व्याख्यान दिया गया। योगिक कला एवं विज्ञान विभाग, विश्वभारती के सहयोग से।

समग्र रूप से विभाग के शिक्षकों/विद्वानों द्वारा प्राप्त शैक्षणिक उत्कृष्टता (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस आदि के रूप में मान्यता):

ए.के. बारिक

- थीसिस कार्य के लिए दो एमएससी (एजी) कृषि विज्ञान के छात्रों का पर्यवेक्षण किया
- जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल बायोलॉजी (एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल साइंसेज एंड टॉक्सिकोलॉजी) में शोध लेख "उत्पादकता, कृषि-मौसम विज्ञान सूचकांक और चावल-मूंगफली फसल प्रणाली के पोषक तत्व संतुलन" के समीक्षक के रूप में कार्य किया।
- अमेरिकन जर्नल ऑफ पोटेटो रिसर्च, मेक्सिको में शोध लेख "दक्षिणी चीन में चावल-आलू प्रणालियों की स्थायी गहनता की स्थिति और चुनौतियां" के समीक्षक के रूप में कार्य किया।
- उत्तर बंगा कृषि विश्वविद्यालय (यूबीकेवी), पुंडीबारी, कूचबिहार, पश्चिम बंगाल के सहायक प्रोफेसर/संकाय
- संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य किया, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी, नई दिल्ली
- इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी, नई दिल्ली के आजीवन सदस्य
- इंडियन सोसाइटी ऑफ फॉरेज क्रॉप्स, हिसार के आजीवन सदस्य। हरयाणा
- इंडियन सोसाइटी ऑफ सॉयल बायोलॉजी एंड इकोलॉजी, यूएस, बैंगलोर के आजीवन सदस्य
- मूल्यांकन तीन पीएच.डी. अरिंदम कुंडू, सुष्मिता दास और कृषि विज्ञान विभाग के मोहम्मद हासिम रेजा के शोध के साथ-साथ एक पीएच.डी. मिट्टी और जल संरक्षण विभाग, बीसीकेवी, मोहनपुर, नादिया, पश्चिम बंगाल की उदित मंडल की थीसिस
- प्राचार्य के रूप में कार्य करना, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन

बी.के. सरेन

- कृषि विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष के रूप में कार्य करना
- अध्यक्ष, पीजी स्थायी समिति, पीएसबी के रूप में कार्य करना
- आजीवन सदस्य, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी, आईएआरआई, नई दिल्ली
- कृषि विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय के साथ शैक्षणिक गतिविधियों में संलग्न
- बीओएस में बाहरी सदस्य, कृषि विज्ञान विभाग, बीसीकेवी, मोहनपुर

बी दुआरी

- इंटरनेशनल वीड साइंस सोसाइटी के आजीवन सदस्य
- एशिया पैसिफिक वीड साइंस सोसाइटी (APWSS) के आजीवन सदस्य
- इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी के आजीवन सदस्य
- इंडियन सोसाइटी ऑफ वीड साइंस के आजीवन सदस्य
- भारतीय कृषि विज्ञान सोसायटी के आजीवन सदस्य
- फसल और खरपतवार विज्ञान सोसायटी के आजीवन सदस्य
- भारतीय कृषि सोसायटी, कोलकाता के आजीवन सदस्य
- भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन के आजीवन सदस्य
- इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ बायोरिसोर्स एनवायरनमेंट एंड एग्रीकल्चरल साइंसेज के आजीवन सदस्य
- डॉ. बी. दुआरी चुने गए और संयुक्त सचिव, इंडियन सोसाइटी ऑफ वीड साइंस, आईसीएआर-डीडब्ल्यूआर, जबलपुर के रूप में कार्य किया (अप्रैल, 2021 तक)

जी. सी. मलिक

- डिप्टी प्रॉक्टर, विश्वभारती के रूप में कार्य किया
- प्रो. प्रभारी सुरक्षा के रूप में कार्य किया
- प्रो. प्रभारी, अतिथि गृह और परिवहन के रूप में कार्य करना
- आजीवन सदस्य, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी, आईएआरआई, नई दिल्ली

एस.के. माइती

- स्वाहा शी, पीएच.डी. डॉ. एस. के. मैती की देखरेख में स्कॉलर ने आईएसए (इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी) प्राप्त किया है - "फसल अवशेषों के पुनर्चक्रण और ट्राइकोडर्मा इनोक्यूलेशन से प्रभावित विकास, पोषक तत्व संचय और फसल की पैदावार" शीर्षक वाले पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार। इन चावल-गेहूं और गन्ना-रातून-गेहूं फसल प्रणाली उपोष्णकटिबंधीय भारत में" इंडियन जर्नल ऑफ एग्रोनॉमी 65(1):1-9 में प्रकाशित

के. प्रामाणिक

- इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी के आजीवन सदस्य, आईएआरआई, नई दिल्ली
- फसल और खरपतवार विज्ञान सोसायटी के आजीवन सदस्य, बीसीकेवी, नादिया, पश्चिम बंगाल
- इंडियन सोसाइटी ऑफ सॉयल बायोलॉजी एंड इकोलॉजी, बेंगलुरु के आजीवन सदस्य
- चावल शोध श्रमिक संघ (एआरआरडब्ल्यू), कटक, ओडिशा के आजीवन सदस्य
- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायो-रिसोर्स, एनवायरनमेंट एंड एग्रीकल्चरल साइंसेज, शांतिनिकेतन के आजीवन सदस्य

अध्याय-2

- इंडियन सोसाइटी ऑफ वीड साइंस के आजीवन सदस्य
- जैव-संसाधन और तनाव प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के आजीवन सदस्य
- कृषि मौसम विज्ञानी संघ की आजीवन सदस्यता
- रैगिंग रोधी समिति, पीएसबी, विश्वभारती के सदस्य के रूप में कार्य करना
- रैगिंग रोधी दस्ते, पीएसबी, विश्व-भारती के सदस्य के रूप में कार्य करना
- यूजी समन्वयक, पल्ली शिक्षा भवन
- सचिव, जैव संसाधन सोसायटी, पर्यावरण और कृषि शोध, शांतिनिकेतन
- प्रबंध संपादक, जैव संसाधन, पर्यावरण और कृषि विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, शांतिनिकेतन

एम. बनर्जी

- डिप्टी प्रॉक्टर, विश्वभारती के रूप में कार्य किया
- संयुक्त प्रॉक्टर, श्रीनिकेतन के रूप में कार्य करना
- पीजी समन्वयक के रूप में कार्य करना
- प्रभारी के रूप में कार्य करना, पीआरओ
- आजीवन सदस्य, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी, आईएआरआई, नई दिल्ली
- कार्यस्थल पर महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए आंतरिक शिकायत समिति के सदस्य
- नोडल अधिकारी-डब्ल्यूबीएससीसी योजना

एन सी सरकार

- आजीवन सदस्य, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी, आईएआरआई, नई दिल्ली
- आजीवन सदस्य, सोसाइटी फॉर बायोरिसोर्स एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट, कोलकाता, भारत
- प्रभारी, प्लेसमेंट सेल, पीएसबी, विश्वभारती

पी. घोष

- इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी के आजीवन सदस्य, आईएआरआई, नई दिल्ली
- इंडियन सोसाइटी ऑफ वीड साइंस के आजीवन सदस्य
- फसल और खरपतवार विज्ञान सोसायटी के आजीवन सदस्य

प्रकाशन

ए.के. बारिक

- बेरा, आर., दत्ता, ए., बोस, एस., मुखोपाध्याय, के., गोस्वामी, के.के., देबनाथ, मल्लिक, एम.आर., दास, ए., भट्टाचार्य, पी., बारिक, ए.के. और सील।, ए. (2022), स्वच्छ खाद्य उत्पादन के विशेष संदर्भ में सुरक्षित और टिकाऊ कृषि के लिए रंगीन कीटनाशक परख परीक्षण पर एक समीक्षा। अनुप्रयुक्त विज्ञान और प्रौद्योगिकी के वर्तमान जर्नल, 41 (2), 6-35

बी.के. सरेन

शोध पत्र

- डे, जे.के., सरेन, बी.के., दुआरी, बी. और प्रमाणिक, के. (2021), मक्का-फलियां फसल प्रणालियों के तहत शीतकालीन दलहनों में वृद्धि और नमी संरक्षण पर नो-टिल बायो-मल्लिंग की प्रतिक्रिया। खाद्य कृषि और पर्यावरण जर्नल, 19(2), 41-46. आईएसएसएन:1459-0255, 1459-0263
- मिड्या, ए, सरेन, बी.के., डे, जे.के., मैत्रा, एस., प्रहराज, एस., गायकवाड़, डी.जे., गैबर, ए., अलसानी, डब्ल्यू.एफ. और हुसैन, ए. (2021), फसल स्थापना के तरीके और एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन में सुधार: भाग II। निचले भारत-गंगा के मैदान, भारत में फसल प्रदर्शन, जल उत्पादकता और चावल की लाभप्रदता (ओरिज़ा सैटिवा एल।) कृषि विज्ञान, 11,1860। <https://doi.org/10.3390/agronomy11091860>
- विश्वास, सी., प्रमाणिक, के., सरेन, बी.के., मंडल, एस. एंड डी, एस.के. (2022), भारतीय सरसों का प्रदर्शन cv. विभिन्न बुवाई विधि और पोषक तत्व प्रबंधन के तहत केसरी सोना। केमिकल इंजीनियरिंग.3 (01), 01-09. आईएसएसएन: 0009-2460
- मिद्या, ए., सरेन, बी.के., डे, जे.के., मैत्रा, एस., प्रहराज, एस., गायकवाड़, डी.जे., गैबर, ए., अलहोमरानी, एम. और हुसैन, ए. (2021), फसल स्थापना के तरीके और एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन में सुधार: भाग III। भारत के निचले इंडो-गंगा के मैदान में चावल (ओरिज़ा सैटिवा एल।) फील्ड में पोषक तत्वों का उठाव और उपयोग क्षमता और मिट्टी का स्वास्थ्य। एग्रोनॉमी, 11, 1894.<https://doi.org/10.3390/agronomy11091894>

बी दुआरी

पुस्तक अध्याय:

- दुआरी, बी., डैश, एस. और तेजा, के.सी. (2021), खेत की फसलों की कृषि विज्ञान। में: कृषि, पर्यावरण और जैव प्रौद्योगिकी की पुस्तिका। एड. रक्षित, ए., सिंह, एच.बी., सिंह, ए.के., अभिलाष, पी.सी., सरमा, बी.के., त्रिपाठी, वी.के. और परेवा, एच.पी. कृषि, पर्यावरण और जैव प्रौद्योगिकी संघ, पीपी.193-201. आईएसबीएन: 978-81-948260-0-2.

जर्नल में शोध प्रकाशन:

- दश, एस., ड्यूरी, बी. और सर, के. (2021), इचिनोक्लोआ एसपीपी पर विशेष जोर देने के साथ खरपतवार प्रबंधन के लिए फेनोक्साप्रोप-पी-एथिल और पेनॉक्ससुलम की प्रभावकारिता। प्रत्यारोपित चावल में। इंडियन जर्नल ऑफ वीड साइंस, 53 (1), 78-80। डीओआई: 10.5958/0974-8164.2021.00011.3.
- मलिक, एस., दुआरी, बी. और जायसवाल, डी. (2021), सूखे सीधे बीज वाले चावल में खरपतवार प्रबंधन के लिए करीब दूरी के साथ शाकनाशी और खरपतवार गीली घास का एकीकृत उपयोग।

अध्याय-2

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोरिसोर्स एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट, 12(3), 222-227. डीओआई:10.23910/1.2021.2189d. प्रिंट ISSN 0976-3988; ऑनलाइन आईएसएसएन 0976-4038।

- डुअरी, बी., जायसवाल, डी.के., दास, एस., सर, के. और पटेल, एन. (2021), देर से बोए गए गेहूं की वृद्धि और उत्पादकता पर हर्बीसाइड्स के जुताई और प्री-मिक्स एप्लिकेशन का प्रभाव। इंडियन जर्नल ऑफ वीड साइंस, 53 (2), 188-190। डीओआई: 10.5958/0974-8164.021.00035.6
- शतपथी, बी.एस., दुआरी, बी., साहा, एस., मुंडा, एस. और चटर्जी, डी. (2021), गीले सीधे बीज वाले चावल की उपज और अर्थशास्त्र पर बुवाई के तरीकों और खरपतवार नियंत्रण प्रथाओं का प्रभाव। ओरिज़ा, 58(3), 375-383. डीओआई:10.35709/ory.2021.58.3.4।
- बिशोई, बी.एस., दुआरी, बी., नंदा, एस.एस., बेहरा, यू.के. और पात्रा, सी. (2022), ओडिशा के वेस्ट सेंट्रल टेबल लैंड ज़ोन में बाढ़ के बाद उत्तरजीविता, उत्पादकता और चावल (ओरिज़ा सैटिवा एल.) के अर्थशास्त्र को बढ़ाने के लिए नर्सरी प्रबंधन विकल्प। जैविक मंच, 14(1), 197-203. आईएसएसएन नंबर (प्रिंट): 0975-1130; आईएसएसएन नंबर (ऑनलाइन): 2249-3239.
- बिशोई, बी.एस., दुआरी, बी., नंदा, एस.एस., बेहरा, यू.के. और पात्रा, सी. (2022), बेहतर नर्सरी प्रबंधन बाढ़ के बाद की उत्तरजीविता, उत्पादकता और चावल की अर्थव्यवस्था को बढ़ाता है (ओरिज़ा सैटिवा एल.) फ्लैश फ्लड कंडीशन के तहत। फार्मा इनोवेशन, 11(2), 756-761. आईएसएसएन नंबर (प्रिंट): 2349-8242; आईएसएसएन नंबर (ई): 2277-7695.
- शतपथी, बी.एस., चटर्जी, डी., साहा, एस., दुआरी, बी. और सिंह, टी. (2022), सीधी बोई गई धान-रातून फसल प्रणाली में खरपतवार प्रबंधन। कृषि विज्ञान जर्नल 1-10। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय प्रेस द्वारा प्रकाशित। डीओआई: <https://doi.org/10.1017/S0021859622000168>

जी.सी. मलिक

शोध पत्र

- मोहंता, एस., बनर्जी, एम., मलिक, जी.सी., शंकर, टी., मैत्रा, एस., इस्माइल, आई.ए., डेसोकी, ई.एस., अतटिया, ए.ओ. और हुसैन, ए. (2021), खरीफ चावल की उत्पादकता और लाभप्रदता उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र के लैटेरिटिक बेल्ट में फसल स्थापना विधियों और नाइट्रोजन प्रबंधन से प्रभावित होती है। एग्रोनॉमी, 11, 1280। <https://doi.org/10.3390/agronomy11071280>
- शंकर, टी., मलिक, जी.सी., बनर्जी, एम., दत्ता, एस., मैत्रा, एस., प्रहराज, एस., साईराम, एम., कुमार, डी.एस., डेसोकी, ई.एस., हसन, एम.एम., इस्माइल ए.आई., सैफ, टी।, स्कालिकी, एम।, ब्रेस्टिक, एम। और हुसैन, ए. (2021), एक गहन चावल-चावल फसल प्रणाली की उत्पादकता और पोषक संतुलन भारत के पश्चिम बंगाल के लाल और लैटेरिटिक बेल्ट में विभिन्न पोषक तत्व प्रबंधन से प्रभावित होते हैं। पौधे, 10, 1622. <https://doi.org/10.3390/plants10081622>

- शंकर, टी., बनर्जी, एम., मलिक, जी.सी., दत्ता, एस., मैती, डी., मैत्रा, एस., अलहर्बी, एच., बामगूस, ए.एच., अकबर, आई.ए. और सबाग, ए.ई. (2021), चावल-चावल-काले चने की फसल अनुक्रम की उत्पादकता और पोषक तत्व उपयोग दक्षता स्थान विशिष्ट पोषक तत्व प्रबंधन से प्रभावित होती है। सस्टेनेबिलिटी, 13, 3222. पी आईएसएसएन 2071-1050।
- घोष, एम., विश्वास, पी.के., बनर्जी, एम., मलिक, जी.सी. और पॉल, एस.के. (2021), हर्बिसाइड फ्लुमियोक्साज़िन 50 एससी इन / गेहूं का अवशिष्ट भाग्य। पारिस्थितिकी, पर्यावरण और संरक्षण, 27 (4): 1780-1783. आईएसएसएन 0971-765X।
- अर्पिता, बी., मलिक, जी.सी., बनर्जी, एम. और पलाई, जे.बी. (2021), तिल की वृद्धि, उपज और गुणवत्ता मानकों पर तिल + दलहन अंतरफसल प्रणालियों का प्रभाव, फार्मा इनोवेशन जर्नल, 10(8), 712-717.
- पलाई, जे.बी., मलिक, जी.सी., मैत्रा, एस. और बनर्जी, एम. (2021), मूंगफली की वृद्धि और विकास पर राइजोबियम की भूमिका: एक समीक्षा, कृषि, पर्यावरण और जैव प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 14(1), 63-73.
- घोष, ए., बनर्जी, एम., मलिक, जी.सी., कुमार, डी.एस. और बैराग्य एम.डी. (2022), प्रतिरोपित खरीफ चावल की वृद्धि और उपज पर एकीकृत खरपतवार प्रबंधन और सफल लैथिरस पर इसके अवशिष्ट प्रभाव, द फार्मा इनोवेशन जर्नल, 11(4), 1806-1811.
- मणिशंकर, जी., बनर्जी, एम., मलिक जी.सी. और साथियाबामा, एन. (2022) रोबोटिक्स इन वीड मैनेजमेंट: ए रिव्यू, एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन इन एशिया, अफ्रीका एंड लैटिन अमेरिका, 53(4), 7013-7030।
- मणिशंकर, जी., घोष, पी., मलिक, जी.सी. और बनर्जी, एम. (2022), रासायनिक खरपतवार प्रबंधन में हालिया रुझान: एक समीक्षा, 2022, द फार्मा इनोवेशन जर्नल, 11(4), 745-753.

के. प्रामाणिक

शोध पत्र

- डे, जे.के., सरेन, बी.के., प्रामाणिक, के. और दुआरी, बी. (2021), मक्का-फलियां फसल प्रणालियों के तहत शीतकालीन दलहनों में वृद्धि और नमी संरक्षण पर नो-टिल बायो-मल्लिंग की प्रतिक्रिया। खाद्य, कृषि और पर्यावरण जर्नल। 19 (2), 41-46. आईएसएसएन: 1459-0255, 1459-0263
- डे, एस.के., सिन्हा, ए.के. और प्रामाणिक, के। (2021), पश्चिम बंगाल की लैटेराइट मिट्टी में सरसों की वृद्धि और उत्पादकता पर किस्मों का प्रभाव और रोपाई की तारीख। आर्थिक पौधों के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 8(3):172-175. आईएसएसएन: 2349-4735

अध्याय-2

- विश्वास, सी., प्रमाणिक, के., सरेन, बी.के., मंडल, एस. एंड डी, एस.के. (2022), भारतीय सरसों का प्रदर्शन cv. विभिन्न बुवाई विधि और पोषक तत्व प्रबंधन के तहत केसरी सोना। केमिकल इंजीनियरिंग.3 (01), 01-09. आईएसएसएन: 0009-2460
- मंडल, एस., प्रमाणिक, के., पांडा, डी., दत्ता, डी., कर्मकार, एस. और बोस, बी. (2022), बीजों में सल्फर: एक सिंहावलोकन.. पौधे.11 (3), 450.ISSN 2223-7747.
- दुआरी, एस., प्रमाणिक, के. और पांडा, डी. (2022), जल उत्पादकता पर सिंचाई और नाइट्रोजन प्रबंधन का प्रभाव और एरोबिक चावल के पोषक तत्व ग्रहण। ओरीज़ा। 59(1):106-112. आईएसएसएन 2249-5266.

एम. बनर्जी

शोध पत्र

- मोहंता, एस., बनर्जी, एम., मलिक, जी.सी., शंकर, टी., मैत्रा, एस., इस्माइल, आई.ए., डेसोकी, ई.एस., अतटिया, ए.ओ. और हुसैन, ए. (2021), खरीफ चावल की उत्पादकता और लाभप्रदता उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र के लैटेरिटिक बेल्ट में फसल स्थापना विधियों और नाइट्रोजन प्रबंधन से प्रभावित होती है। एग्रोनॉमी, 11, 1280। <https://doi.org/10.3390/agronomy11071280>
- शंकर, टी., मलिक, जी.सी., बनर्जी, एम., दत्ता, एस., मैत्रा, एस., प्रहराज, एस., साईराम, एम., कुमार, डी.एस., डेसोकी, ईएस, हसन, एम.एम., इस्माइल ए.आई., सैफ, टी।, स्कालिकी, एम।, ब्रेस्टिक, एम। और हुसैन, ए. (2021), एक गहन चावल-चावल फसल प्रणाली की उत्पादकता और पोषक संतुलन भारत के पश्चिम बंगाल के लाल और लैटेरिटिक बेल्ट में विभिन्न पोषक तत्व प्रबंधन से प्रभावित होते हैं। पौधे, 10, 1622. <https://doi.org/10.3390/plants10081622>
- शंकर, टी., बनर्जी, एम., मलिक, जी.सी., दत्ता, एस., मैती, डी., मैत्रा, एस., अलहर्बी, एच., बामगूस, ए.एच., अकबर, आई.ए. और सबाग, ए.ई. (2021), चावल-चावल-काले चने की फसल अनुक्रम की उत्पादकता और पोषक तत्व उपयोग दक्षता स्थान विशिष्ट पोषक तत्व प्रबंधन से प्रभावित होती है। सस्टेनेबिलिटी, 13, 3222. पी आईएसएसएन: 2071-1050।
- घोष, एम., विश्वास, पी.के., बनर्जी, एम., मलिक, जी.सी. और पॉल, एस.के. (2021), हर्बिसाइड फ्लुमियोक्साज़िन 50 एससी इन / गेहूं का अवशिष्ट भाग्य। पारिस्थितिकी, पर्यावरण और संरक्षण, 27 (4): 1780-1783. आईएसएसएन 0971-765X।
- अर्पिता, बी., मलिक, जी.सी., बनर्जी, एम. और पलाई, जे.बी. (2021), तिल की वृद्धि, उपज और गुणवत्ता मानकों पर तिल + दलहन अंतरफसल प्रणालियों का प्रभाव, फार्मा इनोवेशन जर्नल, 10(8), 712-717.

- पलाई, जे.बी., मलिक, जी.सी., मैत्रा, एस. और बनर्जी, एम. (2021), मूंगफली की वृद्धि और विकास पर राइजोबियम की भूमिका: एक समीक्षा, कृषि, पर्यावरण और जैव प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 14(1), 63-73.
- घोष, ए., बनर्जी, एम., मलिक, जी.सी., कुमार, डी.एस. और बैराग्य, एम.डी. (2022), प्रतिरोपित खरीफ चावल की वृद्धि और उपज पर एकीकृत खरपतवार प्रबंधन और सफल लैथिरस पर इसका अवशिष्ट प्रभाव, द फार्मा इनोवेशन जर्नल, 11(4), 1806-1811.
- मणिशंकर, जी., बनर्जी, एम., मलिक जी.सी. और साथियाबामा, एन. (2022) रोबोटिक्स इन वीड मैनेजमेंट: ए रिव्यू, एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन इन एशिया, अफ्रीका एंड लैटिन अमेरिका, 53(4), 7013-7030।
- मणिशंकर, जी., घोष, पी., मलिक जी.सी. और बनर्जी, एम. (2022), रासायनिक खरपतवार प्रबंधन में हालिया रुझान: एक समीक्षा, 2022, द फार्मा इनोवेशन जर्नल, 11(4), 745-753.

पुस्तक अध्याय

- बनर्जी, एम. और साहा, आर. (2021), बायोडायनामिक खेती और जैविक खेती: संसाधन संरक्षण, संरक्षण कृषि और जलवायु परिवर्तन प्रभाव और अनुकूलन के लिए पारंपरिक दृष्टिकोण, निपा जेनक्स इलेक्ट्रॉनिक संसाधन और समाधान पी. लिमिटेड.आईएसबीएन: 978-93-90591-08-4, पीपी: 189-210।

एन. सी. सरकार

- कर्मकार, एम. और सरकार, एन.सी. (2021), मसूर में जिनक का एग्रोनॉमिक बायोफोर्टिफिकेशन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायो-रिसोर्स एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट, 12(1):095-107.
- हुडा, ए.के.एस., मुखर्जी, ए., लेलियट, एस.सी., भट्टाचार्य, बी.के. और सरकार, एन.सी. (2022) जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में कृषि मौसम विज्ञान शोध का पुनरीक्षण। जर्नल ऑफ एग्रोमेटोरोलॉजी, 24(1):मार्च, <https://journal.agrimetassociation.org/index.php/जेम/article/view/1029/1181>.
- श्रीधर, आर. और सरकार, नेकां (2021), ब्राह्मी - एक आशाजनक औषधीय जड़ी बूटी। जैव संसाधन प्रबंधन का क्रॉनिकल, 5(1), 175-178.

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी:

विभाग प्रशिक्षण, खेत प्रदर्शन के साथ-साथ उत्पादन प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण के माध्यम से चावल-परती क्षेत्रों में बारानी परिस्थितियों में दलहन फसलों को उगाने के लिए किसानों को प्रेरित करने का प्रयास कर रहा है। किसानों को गुणवत्तापूर्ण फसल बीज उपलब्ध कराना हमेशा चुनौतीपूर्ण कार्य होता है। गुणवत्तापूर्ण बीजों का उत्पादन ही बीजों की उपलब्धता की समस्या को दूर करने का एकमात्र तरीका है। यह विभाग किसानों के लिए प्रमाणित बीज उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

अध्याय-2

जी. सी. मलिक

- उप कुलानुशासक, विश्वभारती के रूप में कार्य किया
- प्राध्यापक प्रभारी, सुरक्षा के रूप में कार्य किया
- प्राध्यापक प्रभारी, अतिथिशाला एवं यातायात के रूप में कार्य किया
- आजीवन सदस्य, इंडियन सोसायटी ऑफ एग्नोमोमी, आई ए आर आई, नई दिल्ली

एम. बनर्जी

- उप कुलानुशासक, विश्वभारती के रूप में कार्य किया
- संयुक्त कुलानुशासक, श्रीनिकेतन के रूप में कार्यरत
- स्नातकोत्तर समन्वयक के रूप में कार्यरत
- प्रभारी, जन संपर्क अधिकारी के रूप में कार्यरत

एन. सी. सरकार

- प्रभारी, नियोजन प्रकोष्ठ, पी एस बी, विश्वभारती

पशु विज्ञान विभाग

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / एसएलईटी और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

- अभी केवल 4 छात्र उत्तीर्ण हुए हैं (कुक्कुट विज्ञान में एम.एससी)

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया:

विश्वविद्यालय के कार्यक्रम के अनुसार भाग लिया

फसल शरीर क्रिया विज्ञान विभाग

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि।

- 09.08.2021-11.08.2021: डॉ. (श्रीमती) सानंदा मंडल ने एमएस टीम के साथ ऑनलाइन के माध्यम से बोहाई विश्वविद्यालय, चीन द्वारा आयोजित कृषि और जैविक विज्ञान (एबीएस 2021) पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: समुद्री शैवाल के अर्क के साथ बीज जैव-भड़काना फसल पौधों की वृद्धि और विकास के साथ-साथ अजैविक तनाव सहनशीलता क्षमता में सुधार करता है।
- 20.02.2022-22.02.2022: डॉ. (श्रीमती) सानंदा मंडल ने एशियन काउंसिल ऑफ साइंस एडिटर्स, डीरा, दुबई, यूएई द्वारा आयोजित इमर्जिंग साइंटिस्ट वर्चुअल कॉन्फ्रेंस में भाग लिया और पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: मैग्नेटो-प्राइमिंग: एक बहु-आयामी अजैविक तनाव शमन दृष्टिकोण।

विभाग में चल रही शोध परियोजनाएं

देवाशीष पांडा (सह-प्रधान अन्वेषक)

- परियोजना का नाम: बाढ़ और ठहराव के लिए सहनशीलता के लिए एसयूबी 1 ए और एसके लोकी के अंतर्देशीय स्वदेशी चावल लाइनों के संयोजन प्रभाव का आकलन
- प्रायोजक एजेंसियां: एसईआरबी, डीएसटी, सरकार। भारत की
- स्वीकृत राशि: रु.42,64,832/-

देवाशीष पांडा (सह-प्रधान अन्वेषक)

- परियोजना का नाम: धान और प्याज की वृद्धि और उपज के आधार पर समुद्री शैवाल के अर्क कणिकाओं (मैक्सिलाइज़र / इंडोलाइज़र) और समुद्री शैवाल निकालने वाले तरल (मैक्सिलाइज़र / इंडोलाइज़र / एक्टिवमैक्स) की जैव प्रभावकारिता और फाइटोटॉक्सिसिटी का मूल्यांकन
- प्रायोजक एजेंसियां: इंडोफिल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मुंबई
- स्वीकृत राशि: रु.4,60,200/-

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया

- 03.11.2021: डॉ. (श्रीमती) सानंदा मंडल द्वारा 'सर्दियों के मौसम में मसूर की खेती और बीज प्राइमिंग तकनीक को लागू करके इसके गुणात्मक सुधार' विषय पर रेडियो वार्ता दी गई।
- 02.03.2022: डॉ. (श्रीमती) सानंदा मंडल द्वारा 'दालों के लाभ और ग्रीष्म मूंग की खेती' विषय पर रेडियो वार्ता दी गई।

प्रकाशन:

शोध पत्र:

- मंडल, एस., प्रमाणिक, के., पांडा, डी., दत्ता, डी., कर्मकार, एस., और बोस, बी. (2022), बीजों में सल्फर: एक सिंहावलोकन। पौधे, 11(3), 450. <https://doi.org/10.3390/plants11030450>
- ड्यूरी, एस., प्रमाणिक, के., और पांडा, डी. (2022), जल उत्पादकता पर सिंचाई और नाइट्रोजन प्रबंधन का प्रभाव और एरोबिक चावल के पोषक तत्व ग्रहण। ORYZA-एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ राइस, 59(1), 106-112.
- विश्वास, सी., प्रमाणिक के., सरेन, बी.के., मंडल, एस., और डी, एस.के. (2022), भारतीय सरसों का प्रदर्शन cv. विभिन्न बुवाई विधि और पोषक तत्व प्रबंधन के तहत केसरी टंड। केमिकल इंजीनियरिंग, अनुच्छेद v03i01:01-09. <http://dx.doi.org/10.53709/CHE.2022.v03i01.001>

सहकर्मी की समीक्षा की गई पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्रों की संख्या: 3

पुस्तक अध्याय:

- पांडा, डी., मंडल, एस., और मिश्रा, ए. (2022), समुद्री शैवाल से तरल जैव उर्वरक: एक महत्वपूर्ण समीक्षा। ए. रंगा राव, और जी.ए. रविशंकर (सं.), सस्टेनेबल ग्लोबल रिसोर्सेज ऑफ सीवीड्स (वॉल्यूम 1, पीपी.485-501), स्पिंगर। https://doi.org/10.1007/978-3-030-91955-9_26
- मंडल, एस., पांडा, डी., और बोस, बी. (2022), बायोपेस्टीसाइड के साथ सीड बायोप्रिमिंग: कृषि की स्थिरता की कुंजी। एच.बी. में सिंह, और ए. वैष्णव (सं.), न्यू एंड फ्यूचर डेवलपमेंट्स इन माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोइंजीनियरिंग (पीपी. 265-288), एल्सेवियर। <https://doi.org/10.1016/B978-0-323-85577-8.00005-6>.
- मंडल, एस., और बोस, बी. (2021), सीड प्राइमिंग: बीज, बीज अंकुरण और अंकुर स्थापना के बीच एक इंटरलिंग तकनीक। ए. रुस्तगी, और बी. चौधरी (सं.) में, पादप प्रजनन पारिस्थितिकी- हाल के अग्रिम। IntechOpen. <https://doi.org/10.5772/intechopen.100804>
- पांडा, एस., पांडा, डी., और मंडल, एस. (2021), अपशिष्ट जल में बहुऔषध प्रतिरोधी जीवाणु। एस. मजूमदार, एस. बालचंद्रन, एस. संतरा, और बी. मंडल (सं.), ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, मुद्दे, चिंताएं और समाधान (पीपी. 156-160) में। अक्षरा प्रकाशिनी प्रकाशन, बोलपुर।
- मंडल, एस., पांडा, डी., मिश्रा, ए., मंडल, बी., और हट्टई, एल. (2021), फसल पौधों पर अपशिष्ट जल सिंचाई के मॉर्फो-फिजियोलॉजिकल परिणाम। एस. मजूमदार, एस. बालचंद्रन, एस. संतरा, और बी. मंडल (सं.), सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, इश्यूज, कंसर्न्स एंड सॉल्यूशन (पीपी. 146-151) में। अक्षरा प्रकाशिनी प्रकाशन, बोलपुर।

आनुवंशिकी और पादप प्रजनन विभाग

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि।

परेश चंद्र कोले

- 26.10.2021: पूर्वी क्षेत्र, पटना, बिहार के लिए आईसीएआर शोध परिसर द्वारा आयोजित "फसल विविधीकरण: पोषण सुरक्षा की ओर एक रास्ता" पर राष्ट्रीय वेबिनार।
- 8.8.2021: पौधजेनोमिया द्वारा "चने की उन्नत किस्मों में सुधार और चना उत्पादन पर उन्नत किस्मों के प्रभाव" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार
- 22.8.2021: पौधजेनोमिया द्वारा "जेनोमिक्स, जेनेटिक्स और ब्रीडिंग फॉर बायोटेक स्ट्रीज़ इन प्लांट्स" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार

अमिताभ पॉल

- 20.9.2021-30.9.2021: आईसीएआर-भारतीय कृषि सांख्यिकी के सहयोग से उत्कृष्ट क्षेत्र, उत्तर बंगा कृषि विश्वविद्यालय, पुंडीबारी, कूच बिहार के उत्कृष्ट क्षेत्र के तहत "कृषि शोध में जैव सूचना विज्ञान उपकरण के अनुप्रयोग" शीर्षक वाली दस दिवसीय आभासी कार्यशाला में भाग लिया। शोध संस्थान (आईसीएआर-आईएएसआरआई), नई दिल्ली।

निहार रंजन चक्रवर्ती

- 20.11.2021 - 30.11.2021: उत्तर बंगा कृषि विश्वविद्यालय (यूबीकेवी), पुंडीबाड़ी, कूचबिहार पश्चिम बंगाल में आयोजित "कृषि शोध में जैव सूचना विज्ञान उपकरणों के अनुप्रयोग" पर आभासी कार्यशाला प्रशिक्षण कार्यक्रम (10 दिन) में भाग लिया। भाकृअनुप-भारतीय कृषि सांख्यिकी शोध संस्थान (ICAR-IASRI) नई दिल्ली के सहयोग से।
- 27.01.2022 - 05.02.2022: भाकृअनुप-भारतीय कृषि सांख्यिकी शोध संस्थान (आईसीएआर-आईएएसआरआई) नई दिल्ली में "कृषि प्रयोग में डेटा विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय विकास" पर ऑनलाइन आईसीएआर प्रायोजित लघु पाठ्यक्रम (10 दिन) में भाग लिया।

संदीप देबनाथ

- 27.1.2022, 05.2.2022: भाकृअनुप-भारतीय कृषि सांख्यिकी शोध संस्थान (आईएएसआरआई), नई दिल्ली द्वारा आयोजित "कृषि प्रयोग में डेटा विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय विकास" पर दस दिवसीय ऑनलाइन लघु पाठ्यक्रम प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- 20.9.2021-30.9.2021: आईसीएआर-भारतीय कृषि के सहयोग से आला क्षेत्र उत्कृष्टता कार्यक्रम, उत्तर बंगा कृषि विश्वविद्यालय, पुंडीबारी, कूच बिहार के तहत आयोजित "कृषि शोध में जैव सूचना विज्ञान उपकरणों के अनुप्रयोग" नामक दस दिवसीय आभासी कार्यशाला में भाग लिया। सांख्यिकी शोध संस्थान (आईसीएआर-आईएएसआरआई), नई दिल्ली।

14.9.2021: फल विज्ञान विभाग, बागवानी संकाय, बीसीकेवी, मोहनपुर, नदिया, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "फल उत्पादन प्रौद्योगिकियों में उन्नति: वर्तमान स्थिति और भविष्य की रणनीतियाँ" पर राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

चल रही शोध परियोजनाएं:

अमिताभ पॉल

- शोध परियोजना के सह-पीआई के रूप में "मसूर में नोड्यूलेशन दक्षता के साथ पी अधिग्रहण में सुधार के लिए भौतिक उत्परिवर्तन" के रूप में मंजूरी संख्या 55/14/17/2020-बीआरएनएस/10360 परमाणु विज्ञान में शोध बोर्ड (बीआरएनएस) द्वारा वित्त पोषित), पऊवि, सरकार। भारत सरकार (कुल वित्त पोषण रु.2489100.00/-) 2020-2023 से तीन वर्षों के लिए।

संदीप देबनाथ

- वाईएसआरए-बीआरएनएस-डीएई शोध परियोजना के पीआई के रूप में "मसूर में नोड्यूलेशन दक्षता के साथ पी अधिग्रहण में सुधार के लिए भौतिक उत्परिवर्तन" के रूप में मंजूरी संख्या 55/14/17/2020-बीआरएनएस/10360 परमाणु शोध बोर्ड द्वारा वित्त पोषित विज्ञान (बीआरएनएस), पऊवि, सरकार। भारत सरकार (कुल वित्त पोषण रु.2489100.00/-) 2020-2023 से तीन वर्षों के लिए।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया:

विभाग के शिक्षक और छात्र समय-समय पर संस्थान द्वारा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यक्रमों के आयोजन में विस्तार गतिविधियों में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। इसमें छात्रों और किसानों को विस्तार कार्यक्रम, टीवी और रेडियो कार्यक्रम आदि में शामिल करना शामिल है। संकाय सदस्यों ने विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों (स्थींद्र कृषि विज्ञान केंद्र, विश्वभारती, पश्चिम बंगाल सरकार, गैर सरकारी संगठनों आदि द्वारा आयोजित) में भी भाग लिया।

व्याख्यान का विचार-विमर्श:

परेश चंद्र कोले

- 28.9.2021: दुर्गापुर उपमंडल, पूर्वी बर्धमान, पश्चिम बंगाल के टीआरएफए (ओएस) के तहत अधिकारियों की प्रशिक्षण बैठक में "चावल परती क्षेत्र में तिलहन उत्पादन बढ़ाने के लिए तिलहन फसल की विविधता में सुधार" पर व्याख्यान दिया।
- 23.12.2021: बोलपुर उपखंड, बीरभूम, पश्चिम बंगाल के शेम एनएफएसएम (ओएस) के तहत विस्तार आधिकारिक प्रशिक्षण बैठक में "बीरभूम के साथ-साथ पश्चिम बंगाल में तिलहन उत्पादन को बढ़ाने के लिए तिलहन फसल के विभिन्न सुधार" पर एक व्याख्यान दिया।

अध्याय-2

टेलीविजन कार्यक्रम और रेडियो वार्ता:

निहार रंजन चक्रवर्ती

- 24.3.2022: ऑल इंडिया रेडियो, कोलकाता द्वारा आयोजित "जलवायु परिवर्तन पर आधारित नई किस्म विकसित करने के लिए किसानों की भूमिका" पर रिकॉर्डेड रेडियो कार्यक्रम में भाग लिया।

समग्र रूप से विभाग के शिक्षकों/विद्वानों द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे डी.एस.ए. या सी.एस.ए. आदि के रूप में मान्यता):

परेश चंद्र कोले

समीक्षा:

- पादप आनुवंशिक संसाधन
- नोटुला साइंटिया बायोलॉजिके
- आरकेएमवीआईआरआई, नरेंद्रपुर केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल, मणिपुर के एमएससी (एजी) थीसिस मूल्यांकन के लिए एक बाहरी परीक्षक के रूप में कार्य किया
- बीसीकेवी, मोहनपुर के साथ शैक्षणिक कार्य में संलग्न; कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता; जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर पीएचडी थीसिस: एक (पुरस्कृत)

अमिताभ पॉल

निम्नलिखित समाजों के आजीवन सदस्य:

- इंडियन सोसाइटी ऑफ जेनेटिक्स एंड पौध ब्रीडिंग, नई दिल्ली
- फसल और खरपतवार विज्ञान सोसायटी, बीसीकेवी, नादिया
- बायोसाइंसेज एंड एग्रीकल्चर एडवांसमेंट सोसाइटी, मेरठ
- भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन
- एसोसिएशन फॉर पौध ब्रीडिंग एंड इम्प्रूवमेंट (एपीबीआई), सीयू, कोलकाता।
- बीसीकेवी, मोहनपुर के साथ शैक्षणिक कार्य में संलग्न; कल्याणी विश्वविद्यालय, कल्याणी; सीएयू, इंफाल, मणिपुर;

निहार रंजन चक्रवर्ती

निम्नलिखित में से आजीवन सदस्य:

- भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ (आईएससीए)
- पौध ब्रीडिंग एंड इम्प्रूवमेंट एसोसिएशन (एपीबीआई), कोलकाता
- आईआरडीएम, आरएमए, नरेंद्रपुर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल के साथ शैक्षणिक कार्य में संलग्न।
- आईआरडीएम, आरएमए, नरेंद्रपुर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल के साथ शैक्षणिक कार्य में संलग्न।
- पीएच.डी. थीसिस: एक (पुरस्कृत)

प्रकाशन:

परेश चंद्र कोले (शोध पत्र):

- "चावल में प्रजनन सूखा तनाव के तहत विदेशी भूमि व्युत्पन्न जनसंख्या में आनुवंशिक परिवर्तनशीलता और आशाजनक सूखा-सहिष्णु लाइनों की पहचान"। वेंकटेश्वरलु सी., कोले, पी.सी., पॉल पी.जे., सिंह, ए.के., सिंह, वी.के. और कुमार, ए., 2022. फ्रंट। संयंत्र विज्ञान। 13:814774. डोई: 10.3389/fpls.2022.814774

अमिताभ पॉल (शोध पत्र):

- "रबी मक्का में उपज और उपज योगदान लक्षणों पर चरित्र संघ और पथ गुणांक विश्लेषण (ज़िया मेस एल।)"। साधु, ए., पॉल, ए., और देबनाथ, एस., 2021. द बायोस्केन 16(1): स्वीकृत। आईएसएसएन: 0973-7049.
- "वंडा कोरुलिया के इन विट्रो बीज अंकुरण के लिए मीडिया का प्रभाव"। पोखरेल, एच. और पॉल, ए., 2022. बायोलॉजिकल फोरम 14(1): 180-183. आईएसएसएन नंबर (प्रिंट): 0975-1130; आईएसएसएन नंबर (ऑनलाइन): 2249-3239.
- "सख्त होने के दौरान वांडा कोरुलिया पौधलेट्स की स्थापना पर बढ़ते मीडिया और पोषण का प्रभाव"। पोखरेल, एच. और पॉल, ए., 2022. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पौध एंड सॉयल साइंस 34(15): 84-89, 2022; अनुच्छेद संख्या IJPSS.86246; आईएसएसएन: 2320-7035.

निहार रंजन चक्रवर्ती

शोध पत्र:

- "गैर बासमती सुगंधित 'बादशभोग' चावल में अनाज की उपज से जुड़े पराग और स्पाइकलेट उर्वरता पर विकिरण संवेदनशीलता"। कांत, ए. और चक्रवर्ती, एन.आर., 2021. बायोरिसर्च में अग्रिम 12 (2): 135-141. मार्च 2021. ISSN 0976-4585 प्रिंट करें; ऑनलाइन आईएसएसएन 2277-1573. डीओआई: 10.15515/abr.0976-4585.12.2.135141.
- "गामा किरण विकिरण से एम2 में छोटे कद और जल्दी परिपक्व होने वाले बादशाह भोग का चयन"। इमाम जेड., चक्रवर्ती, एन.आर. और गाडी जे., 2021. पौध आर्काइव्स 21(1): 900-903. ई-आईएसएसएन: 2581-6063 (ऑनलाइन), आईएसएसएन: 0972-5210, <https://doi.org/10.51470/PLANTARCHIVES.2021.v21.no1.123>.
- "आनुवंशिक परिवर्तनशीलता और प्रमुख घटक विश्लेषण के तुलनात्मक अध्ययन के माध्यम से संभावित सूखा सहिष्णुता के लिए चावल की भूमि की स्क्रीनिंग"। आचार्य एस., चक्रवर्ती एन.आर., दास एस.पी. (2021) इलेक्ट्रॉनिक जर्नल ऑफ पौध ब्रीडिंग, 12(4): 1091-1101. <https://doi.org/10.37992/2021.1204.151>. आईएसएसएन 0975-928X

अध्याय-2

- "सूखा सहिष्णुता के लिए चावल (ओरिज़ा सैटिवा एल.) लैंड्रेस का मार्कर आधारित आनुवंशिक परिवर्तनशीलता विश्लेषण। आचार्य एस., चक्रवर्ती एन.आर*।, दास एस.पी. (2021) अफ्रीकन जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज 17 (1): 117-136, आईएसएसएन 1687-4870, ई-आईएसएसएन 2314-5501 (ऑनलाइन),

संदीप देबनाथ

- "जैव चिकित्सा इकाई पुनर्गठन के लिए मल्टीचैनल सीएनएन मॉडल। सिंह, ए.के., खान, आई.आर., खान, एस., पंत, के., देबनाथ, एस., और मिया, एस., 2022. बायो मेड रिसर्च इंटरनेशनल, . अनुच्छेद आईडी 5765629, 11 पृष्ठ <https://doi.org/10.1155/2022/5765629> (प्रभाव कारक: 3.411)
- "तेल उपज में सुधार के लिए सूरजमुखी (हेलियनथस एन्युस एल.) में आनुवंशिक परिवर्तनशीलता, चरित्र संघ और विचलन अध्ययन"। लक्ष्मण, एस.एस., चक्रवर्ती, एन.आर., देबनाथ, एस., और कांत, ए., 2021. अफ्रीकन जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज, 3(1), 129-145. <https://doi.org/10.33472/AFJBS.3.1.2021.129-145>

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम / पाठ्यचर्या या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना

- ई-संसाधनों का व्यापक उपयोग उदा। शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया की बेहतरी के लिए ई कृषि शिक्षा (आईसीएआर), ई पीजी पाठशाला, सीएसएचएल डीएनए लर्निंग सेंटर (कोल्ड स्पिंग हार्बर प्रयोगशाला) आदि। छात्रों को एक अनुकूलित तरीके से व्यावहारिक कौशल के विकास के लिए 'वर्चुअल अमृता प्रयोगशालाओं' (एमएचआरडी) जैसी आभासी प्रयोगशालाओं का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी:

विभाग ने ऊतक संवर्धन और आणविक प्रजनन कार्य के लिए आधुनिक और अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएं स्थापित करने की योजना बनाई है।

डॉ. संदीप देबनाथ द्वारा प्रकाशित पेटेंट

- विन्यास योग्य मशीन लर्निंग-आधारित अंकगणितीय कोडिंग द्वारा जीनोमिक सूचना संपीड़न के लिए एक प्रणाली (11/03/2022 को प्रकाशित भारतीय पेटेंट)
- डीप लर्निंग और इमेज प्रोसेसिंग तकनीकों का उपयोग करके पौधे की पत्ती की बीमारी का पता लगाना (11/02/2022 को प्रकाशित भारतीय पेटेंट)

उद्यानिकी एवं कृषि परवर्ती प्रौद्योगिकी विभाग

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / एसएलईटी और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

1. अग्निवा हलदर
2. निरंकारी
3. मिओनिशा तो
4. गंगाराम राणा
5. कार्थिका पी

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि

जयदीप मंडल:

- 19.07.2021-20.07.2021: जयदीप मंडल ने बागवानी कॉलेज, बीदर (बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय, बागलकोट, कर्नाटक) द्वारा आयोजित "बारहमासी वाणिज्यिक बागवानी फसलों में चंदवा वास्तुकला प्रबंधन" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के वेबिनार में भाग लिया।
- 22.10.2021: जयदीप मंडल ने बागवानी प्रशिक्षण संस्थान (उचानी, करनाल), बागवानी विभाग, हरियाणा द्वारा आयोजित "बागवानी फसलों में जैविक खेती" पर वर्चुअल वेबिनार में भाग लिया।

प्रह्लाद देब

- - 21.01.2022: "परमाणु के माध्यम से सतत कृषि पर बंगबंधु अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में गामा विकिरण और मिथाइल सैलिसिलिक एसिड (एमईएसए) उपचार की विभिन्न खुराक के तहत सपोटा (अचरस जैपोटा एल।) फलों की प्रतिक्रिया" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। और फ्रंटियर रिसर्च बांग्लादेश इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर एग्रीकल्चर (बीना) बीएयूकैपस, मयमनसिंह (ऑनलाइन) में
- 21.02.2022 - 22.02.2022: बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय, नदिया में "सजावटी और खाद्य बागवानी, उभरती चुनौतियों और सतत लक्ष्यों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में कुछ जामुन की विविधता पर अध्ययन (सिज़िगियम क्यूमिनी स्कील्स) जीनोटाइप" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। पश्चिम बंगाल
- 24.03.2022 - 26.03.2022: भारत के पूर्वी उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में फल उत्पादन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पपीते के अंकुरण और अंकुर वृद्धि पर कुछ पत्ती निकालने का प्रभाव" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया: केंद्रीय बागवानी प्रयोग स्टेशन पर चुनौतियां और अवसर (आईसीएआर-आईआईएचआर), भुवनेश्वर, ओडिशा

अध्याय-2

चल रही शोध परियोजनाएं:

क्रमांक	शिक्षक का नाम	परियोजना का नाम	प्रायोजक एजेंसी	स्वीकृत राशि
1.	डॉ जयदीप मंडल (पीआई) और डॉ गौतम मंडल (सह-पीआई)	सब्जी की खेती में तीन कार्बनिक यौगिकों की क्षमता का आकलन (ककड़ी और गोभी के लिए विस्तार)	कृषि रसायन, कोलकाता	रुपये 50,000.00

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया

- विभाग के शिक्षक और छात्र संस्थान द्वारा समय-समय पर प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण पर आयोजित विस्तार गतिविधियों में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। इसमें छात्रों और किसानों को विस्तार कार्यक्रम, टीवी और रेडियो कार्यक्रमों आदि में शामिल करना शामिल है। संकाय सदस्यों ने विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों (स्थींद्र कृषि विज्ञान केंद्र, विश्व-भारती, पश्चिम बंगाल सरकार, गैर सरकारी संगठनों आदि द्वारा आयोजित) में भी भाग लिया।
- विभाग विभिन्न विश्वविद्यालय कार्यक्रमों जैसे, 'हलाकर्षण' और 'श्रीनिकेतन उत्सव' ('माघ मेला') के आयोजन में अग्रणी भूमिका निभाता है।
- डॉ. जयदीप मंडल श्रीनिकेतन के कर्मि संघ के सदस्य हैं।
- डॉ. जयदीप मंडल "जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम", पौध पैथोलॉजी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती में आयोजन समिति के सदस्य थे।
- किसान वाणी, भारत सरकार में "शीतकालिन शाक-सोबजीर पोरीचारजा" पर रेडियो कार्यक्रम।

व्याख्यान का विचार-विमर्श:

गौतम मंडल

- 5.3.2022: आकाशवाणी, शांतिनिकेतन द्वारा रिकॉर्ड और प्रसारित "आम फसल प्रबंधन (आमेर फोसोलर पोरीचोरचा)" पर रेडियो वार्ता
- 18.02.2022: विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के सहयोग से WBADMIP, WRIDD, GoWB द्वारा आयोजित मैंगो ऑर्चर्ड मैनेजमेंट पर प्रशिक्षण में "आम के बाग के रोपण, प्रशिक्षण, छंटाई और इंटरकल्चर ऑपरेशन के संबंध में आम की खेती की बेहतर विधि" पर व्याख्यान दिया गया। श्री रामकृष्ण आश्रम, निम्पीथ, पश्चिम बंगाल

जयदीप मंडल:

- 17.05.2021: रथींद्र केवीके, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित इनपुट डीलर्स (डीएईएसआई) पाठ्यक्रम के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा में "सोलनेसियस सब्जियों की खेती के पैकेज और अभ्यास" पर व्याख्यान दिया गया।
- 03.07.2021: कल्याण केवीके, पुरुलिया द्वारा आयोजित इनपुट डीलर्स (डीएईएसआई) पाठ्यक्रम के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा में "खरीफ सब्जी की खेती" पर व्याख्यान दिया गया।
- 23.09.2021: रथींद्र केवीके, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित रॉ कार्यक्रम में "सब्जी की खेती के लिए क्षेत्र प्रौद्योगिकी" पर व्याख्यान दिया गया।
- 28.09.2021: कार्यालय सहायक कृषि निदेशक (प्रशासन), दुर्गापुर (पश्चिम बर्धमान) द्वारा आयोजित टीआरएफए (ओएस) के तहत अधिकारी प्रशिक्षण बैठक में "सब्जी की खेती के लिए क्षेत्र प्रौद्योगिकी" पर व्याख्यान दिया गया।
- 24.01.2022: "होमस्टेड गार्डन में पौष्टिक सब्जियों की खेती कैसे करें?" पर व्याख्यान दिया गया। आरकेवीके, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय बालिका दिवस में।
- 11.11.2021: पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती और भारतीय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "किसानों की आय बढ़ाने के लिए रबी फसलों की उन्नत खेती तकनीक" पर ऑनलाइन किसान-वैज्ञानिक मीट में "शीतकालीन सब्जियों की बेहतर खेती और प्रबंधन प्रथाओं" पर व्याख्यान दिया गया। सोसायटी ऑफ एग्रोनॉमी (आईएसए), श्रीनिकेतन चैप्टर।
- 24.02.2022: कार्यालय सहायक कृषि निदेशक (फार्म), जिला बीज फार्म, कंकसा (पश्चिम बर्धमान) द्वारा आयोजित एनएफएसएम (दाल) योजना के तहत जिला स्तरीय प्रशिक्षण बैठक में "संरक्षित खेती: एक अवलोकन" पर व्याख्यान दिया गया।

प्रह्लाद देब

- 18.05.2021: रथींद्र केवीके, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित इनपुट डीलर्स (डीएईएसआई) पाठ्यक्रम के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा में "उष्णकटिबंधीय फलों की उत्पादन तकनीक" पर व्याख्यान दिया गया।
- 21.05.2021: रथींद्र केवीके, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित इनपुट डीलर्स (डीएईएसआई) पाठ्यक्रम के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा में "उष्णकटिबंधीय फलों की उत्पादन तकनीक" पर व्याख्यान दिया गया।
- 01.06.2021: रथींद्र केवीके, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित इनपुट डीलर्स (डीएईएसआई) पाठ्यक्रम के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा में "उष्णकटिबंधीय फलों की उत्पादन तकनीक" पर व्याख्यान दिया गया।

अध्याय-2

- 04.06.2021: रथींद्र केवीके, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित इनपुट डीलर्स (डीएईएसआई) पाठ्यक्रम के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा में "उष्णकटिबंधीय फलों की उत्पादन तकनीक" पर व्याख्यान दिया गया।

शिक्षकों/विद्वानों या विभाग द्वारा समग्र रूप से प्राप्त शैक्षणिक उपलब्धियाँ (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता)

स्नेहाशीष चक्रवर्ती

निम्नलिखित पेशेवर समाजों के आजीवन सदस्य :

- बागवानी की उन्नति के लिए सोसायटी, मोहनपुर, पश्चिम बंगाल
- द इंडियन सोसाइटी ऑफ वेजिटेबल साइंस, वाराणसी, यू.पी
- बांग्लादेश की बीज विज्ञान सोसायटी, मेमोनसिंघा, बांग्लादेश
- जैव-संसाधन और तनाव प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल
- कर्नाटक बागवानी सोसायटी, अरबवी, कर्नाटक
- बाहरी सदस्य, अध्ययन बोर्ड, बागवानी संकाय, बी.सी.के.वी
- बीसीकेवी (मोहनपुर, नदिया), और ओयूएटी (भुवनेश्वर, ओडिशा) के साथ अकादमिक कार्य में संलग्न।
- लोक सेवा आयोग, सरकार के साथ शैक्षणिक कार्य में संलग्न। पश्चिम बंगाल का।

गौतम मंडल

निम्नलिखित पेशेवर समाजों के आजीवन सदस्य:

- द हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी ऑफ इंडिया
- भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन
- बागवानी की उन्नति के लिए सोसायटी
- शुष्क बागवानी के भारतीय समाज
- इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियर्स
- जैव-संसाधन और तनाव प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल
- बागवानी विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता और विश्वभारती, शांतिनिकेतन के साथ शैक्षणिक कार्य में संलग्न।
- विभाग प्रमुख, बागवानी और कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी विभाग, पीएसबी, श्रीनिकेतन के रूप में कर्तव्य निर्वहन।
- बागवानी और कृषि परवर्तीप्रौद्योगिकी विभाग, पीएसबी, श्रीनिकेतन में अध्यक्ष, अध्ययन बोर्ड के रूप में कर्तव्य निर्वहन।

- विश्वविद्यालय शोध बोर्ड, विश्वभारती (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय), शांतिनिकेतन (पश्चिम बंगाल), भारत में सदस्य के रूप में निर्वहन कर्तव्य।
- सदस्य अकादमिक परिषद, विश्वभारती (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय), शांतिनिकेतन (पश्चिम बंगाल) के रूप में निर्वहन कर्तव्य
- बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय मोहनपुर, नादिया, पश्चिम बंगाल में पीएचडी थीसिस के बाहरी परीक्षक के रूप में कार्य किया
- शिक्षक वार्डन, एल्महर्स्ट बॉयज हॉस्टल, श्रीनिकेतन के रूप में कार्य किया; विश्वभारती (अक्टूबर 2022 तक)।

जयदीप मंडल

निम्नलिखित पेशेवर समाजों के आजीवन सदस्य:

- भारतीय बागवानी विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली।
- द इंडियन सोसाइटी ऑफ वेजिटेबल साइंस, वाराणसी, यू.पी.
- बागवानी की उन्नति के लिए सोसायटी, मोहनपुर, पश्चिम बंगाल
- उड़ीसा बागवानी सोसायटी, भुवनेश्वर, ओडिशा।
- इंडियन जर्नल ऑफ हिल फार्मिंग, बारापानी, मेघालय।
- बांग्लादेश की बीज विज्ञान सोसायटी, मेमोनसिंघा, बांग्लादेश।
- कूचबिहार कृषि विज्ञान की खेती का संघ (COBACAS), कूच बिहार, पश्चिम बंगाल
- बायोसाइंसेज एंड एग्रीकल्चर एडवांसमेंट सोसाइटी (बीएएस), मेरठ, यू.पी।
- कर्नाटक बागवानी सोसायटी, अरबवी, कर्नाटक।
- इंडियन सोसाइटी ऑफ एलियम्स, आईसीएआर-डीओजीआर, राजगुरुनगर, पुणे
- द इंडियन इकोलॉजिकल सोसाइटी, लुधियाना
- बागवानी और कृषि परवर्तीप्रौद्योगिकी विभाग और पर्यावरण अध्ययन विभाग, विश्वभारती के बीओएस सदस्य।
- सलाहकार समिति के सदस्य, जिला कृषि मौसम इकाई (डीएमयू), आरकेवीके, बीरभूम।
- अध्यक्ष, रॉकमेडर, पल्ली शिक्षा भवन।
- स्नातकोत्तर समन्वयक, बागवानी विभाग और कटाई के बाद प्रौद्योगिकी।
- कलकत्ता विश्वविद्यालय (कोलकाता, पश्चिम बंगाल) के साथ शैक्षणिक कार्य में संलग्न।

प्रह्लाद देब

स्नातकोत्तर समन्वयक (फरवरी 2022 तक) और प्रयोगशाला प्रभारी, बागवानी और कृषि परवर्तीप्रौद्योगिकी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन के रूप में कार्य किया

अध्याय-2

निम्नलिखित पेशेवर समाजों के आजीवन सदस्य:

- द हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
- बागवानी के संवर्धन के लिए सोसायटी, बंगलौर
- फ्रूट साइंस सोसाइटी ऑफ बांग्लादेश, मयमनसिंह, बांग्लादेश
- उद्यान वनस्पति शोध स्पेक्ट्रम, मेरठ, उत्तर प्रदेश
- क्रॉप एंड वीड साइंस सोसाइटी, बीसीकेवी, नादिया, डब्ल्यूबी
- जर्नल ऑफ बायो-रिसोर्स एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट, कोलकाता
- जैव संसाधन, पर्यावरण और कृषि शोध के लिए सोसायटी
- इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर माइनर फ्रूट्स, मेडिसिनल एंड एरोमैटिक प्लांट्स की कार्यकारी समिति के सदस्य।
- सदस्य, संपादकीय बोर्ड, लघु फल, औषधीय और सुगंधित पौधों के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल
- इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर हॉर्टिकल्चरल साइंसेज, बेल्जियम के सदस्य।
- उत्तर बंगा कृषि विश्वविद्यालय, पुंडीबारी, कूचबिहार, पश्चिम बंगाल के साथ शैक्षणिक कार्य में संलग्न। और बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय, मोहनपुर, नादिया, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा।

प्रकाशन:

जयदीप मंडल

- जयदीप मंडल, टी.के. मैती, एन.एन. शिंदे, एम.बी. सोंताके, जे. कबीर और पी. मुंशी। 2021. प्याज। इन: ए. चट्टोपाध्याय, टी. के. मैती, जे. कबीर, एम. जी. सोम और टी. के. बोस (संपादन), वेजिटेबल क्रॉप्स (वॉल्यूम 4), एस्ट्रल इंटरनेशनल प्रा। लिमिटेड, नई दिल्ली। पीपी. 365-580।

प्रह्लाद देब

- आर.के. पाठक, हरिओम गौतम, प्रह्लाद देब और इवी चक्रवर्ती (2021) लोकाट, इन: फ्रूट्स, ट्रॉपिकल एंड सबट्रॉपिकल (वॉल्यूम -4), एड। टी के बोस, एस्ट्रल इंटरनेशनल प्रा। लिमिटेड नई दिल्ली, पीपी.469-520।
- गौरी शंकर, प्रह्लाद देब, तनुश्री साहा, ब्रती आचार्य और इवी चक्रवर्ती (2021) फालसा, इन: फ्रूट्स, ट्रॉपिकल एंड सबट्रॉपिकल (वॉल्यूम -4), एड। टी के बोस, एस्ट्रल इंटरनेशनल प्रा। लिमिटेड नई दिल्ली, पीपी.577-604।

गौतम मंडल:

- विश्वास ओ., कंडासामी पी., मंडल जी. और पांडा डी. 2021. मछली संरक्षण के लिए सौर थर्मोइलेक्ट्रिक कूलर की प्रभावशीलता: भंडारण के दौरान पंगेसियस बोकोर्टी फिश फ़िललेट्स की

गुणवत्ता विशेषताओं पर प्रायोगिक अध्ययन। प्रायोगिक जीवविज्ञान और कृषि विज्ञान के जर्नल। 9: 618-629

जयदीप मंडल:

- एस. रहमान, जयदीप मंडल, डी. साहा और एस. मोहंता। 2021. शॉर्ट डे प्याज की वैराइटी स्क्रीनिंग (एलियम सेपा एल।), कृषि विज्ञान डाइजेस्ट। 41: 181-185. आईएसएसएन: 0253-150X (डीओआई: 10.18805/एजी.डी-5210)
- एस. रहमान, जयदीप मंडल और एस. मोहंता। 2021. पश्चिम बंगाल के तटीय लवणीय क्षेत्र के अंतर्गत प्याज (एलियम सेपा) का क्षेत्र प्रदर्शन और भंडारण नुकसान। अनुप्रयुक्त बागवानी के जर्नल। 23(2): 188-185. आईएसएसएन: 0972-1045 (डीओआई: <https://doi.org/10.37855/jah.2021.v23i02.35>)
- के. धनग्राह, जयदीप मंडल और वाई.पी. सिंह। 2021. लौकी में उपज और घटक लक्षणों के लिए हेटेरोसिस। हॉर्टफ्लोरा रिसर्च स्पेक्ट्रम, 10(1): 15-21. आईएसएसएन: 2250-2823.

प्रह्लाद देब:

- प्रेरणा बरेली और प्रह्लाद देब 2021. फलों के बैगिंग के साथ संयुक्त ताज के पत्तों की पिंचिंग पर अनानस उपज और गुणवत्ता की प्रतिक्रिया, पौधे और मृदा विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 34(10): 74-84 (डीओआई: 10.9734/ijpss/2022/v34i1030925)
- गंगाराम राणा, रोशन लाल साहू और प्रह्लाद देब 2021, कस्टर्ड सेब (एनोना रेटिकुलता एल) में बीज सुप्तता और अंकुरण वृद्धि को तोड़ने पर विभिन्न उपचारों का प्रभाव। स्थानीय कल्टीवेर, जर्नल ऑफ फार्माकोगनॉसी एंड फाइटोकेमिस्ट्री, 9(3): 787-789
- गंगाराम राणा, प्रह्लाद देब, बुद्धिसत्य डोवराह और कन्ने सुष्मिता 2021, पपीते के बीज अंकुरण और अंकुर वृद्धि पर बीज पूर्व उपचार का प्रभाव, वर्तमान सूक्ष्म जीव विज्ञान और अनुप्रयुक्त विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 9(4): 1066-1071
- बुद्धिसत्य डोवराह, प्रह्लाद देब, गंगाराम राणा और कन्ने सुष्मिता 2021, कुछ स्थानीय लकड़ी के सेब (लिमोनिया एसिडिसिमा एल) जीनोटाइप के फल भौतिक-रासायनिक अध्ययन, माइनर फ्रूट्स, औषधीय और सुगंधित पौधों का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। वॉल्यूम। 7 (1) : 53-56

सहकर्मी/समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्रों की संख्या : 8

पौध पैथोलॉजी विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/एनडीटी/एसएलडीटी और जीएटीडी परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम।

- Elangovan एमएआईसीडी-आईसीएआर-एसआरएफ (पीएच.डी.)-2021 (आईसीएआर-आईएआरआई में पौध पैथोलॉजी में पीएच.डी. में भर्ती)

पौध पैथोलॉजी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम:

- 16.2.2022-17.2.2022: आईसीएआर (एससीएसपी), नई दिल्ली के तहत "ऑयस्टर मशरूम की खेती पर जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम"
वक्ता: डॉ रंजन नाथ, डॉ मोहन कुमार विश्वास, डॉ भोलानाथ मंडल और श्री विवेक कुमार खरे
- 22.2.2022-23.2.2022: आईसीएआर (एससीएसपी), नई दिल्ली के तहत "दूधिया मशरूम की खेती पर जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम"
वक्ता: डॉ रंजन नाथ, डॉ मोहन कुमार विश्वास, डॉ भोलानाथ मंडल और श्री विवेक कुमार खरे
- 28.2.2022-4.3.2022: आईसीएआर (एससीएसपी), नई दिल्ली के तहत "ऑयस्टर मशरूम की स्पॉन तैयारी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम"
वक्ता: डॉ रंजन नाथ, डॉ मोहन कुमार विश्वास, डॉ भोलानाथ मंडल और श्री विवेक कुमार खरे
- 22.3.2022-25.3.2022: भाकृअनुप (एससीएसपी), नई दिल्ली के तहत "फसल रोगों की पहचान और उनके प्रबंधन पर जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम" में एक संयुक्त समन्वयक के रूप में भाग लिया और कार्य किया।
वक्ता: डॉ रंजन नाथ, डॉ मोहन कुमार विश्वास, डॉ भोलानाथ मंडल और श्री विवेक कुमार खरे

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि:

मोहन कुमार विश्वास

- 25.2.2022-26.2.2022: निर्णायक समिति(जजिंग कमेटी) के सदस्य के रूप में भाग लिया और कार्य किया और शोध पत्र प्रस्तुत किया, खर्च किये गए मशरूम सबस्ट्रेट (एसएमएस) के माध्यम से मिट्टी के जैविक संशोधन और टमाटर के बैक्टीरियल विल्ट के खिलाफ इसके प्रभाव के कारण 9वें वार्षिक सम्मेलन और वेबिनार में राल्स्टनिया सोलानेसेरुमिन का कारण बना। सोसाइटी फॉर फर्टिलाइजर्स एंड एनवायरनमेंट, 16, एलोरा रोड (कैनाल रोड), कोलकाता - 700075 द्वारा आयोजित "फसल और पर्यावरण स्वास्थ्य के लिए कृषि-रसायनों का प्रबंधन"।
- 7.1.2022-8.1.2022: प्रो. एम.जे. नरसिम्हन अकादमिक योग्यता पुरस्कार प्रतियोगिता के सत्र में सह-अध्यक्ष और निर्णायक समिति के सदस्य के रूप में भाग लिया और कार्य किया। बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "वैश्विक पर्यावरण और खाद्य सुरक्षा में पौध पैथोलॉजी की भूमिका"

पर पूर्वी क्षेत्र की बैठक राष्ट्रीय संगोष्ठी -22 में पश्चिम बंगाल की जलवायु स्थिति के तहत जैविक दक्षता के संदर्भ में विभिन्न खाद्य मशरूम के प्रदर्शन पर एक मुख्य व्याख्यान दिया। मफनपुर, नादिया, पश्चिम बंगाल और आईपीएस, नई दिल्ली।

भोलानाथ मंडल

- 25.5.2021: 'विश्व पर्यावरण दिवस 2021' पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित और दीमक सोसाइटी, बांग्लादेश द्वारा आयोजित 'कोविड 19: पर्यावरण को बहाल करने के लिए एक वेकअप कॉल' पर भाषण दिया।
- 31.7.2021-1.8.2021: 'पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन' पर एक अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया और हरिहरपुर फ्रेंड्स ऑफ एनवायरनमेंट, इंडिया द्वारा आयोजित 'सुंदरवन की जैव विविधता के संरक्षण के लिए समस्याएं और संभावनाएं' पर भाषण दिया गया। दीमक सोसाइटी, बांग्लादेश के साथ सहयोग।

विवेक कुमार खरे

- 6.7.2021-8.7.2021: आईसीएआर- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ऑयल पाम रिसर्च, पेडावेगी, आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित "बगान फसलों में स्थायी एकीकृत रोग प्रबंधन में हालिया प्रगति" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।
- 13.9.2021: वन संरक्षण प्रभाग, उष्ण कटिबंधीय वन शोध संस्थान, जबलपुर, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित "वन स्वास्थ्य की रक्षा के लिए स्थायी तरीके क्या देखें" विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।
- 30.3.2022: जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन में "पीसीआर पर एक दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम" में भाग लिया।

विभाग में चल रही शोध परियोजनाएं:

क्र.	शिक्षक का नाम	परियोजना का नाम	प्रायोजक एजेंसियां	स्वीकृत राशि (रु.लाखमें)
1.	प्रो. रंजन नाथ	विभिन्न फसलों पर कुछ फफूंद-नाशकों की जैव-प्रभावकारिता और अवशेष अध्ययन	विलोवुड केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली-110025	7.48
2.	प्रो. रंजन नाथ	विभिन्न फसलों पर कुछ कवकनाशी के जैव-प्रभावकारिता और अवशेष विश्लेषण पर अध्ययन	विलोवुड केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली-110025	8.47

अध्याय-2

3.	प्रो. रंजन नाथ	विभिन्न फसलों पर कुछ कवक-नाशकों की जैव-प्रभावकारिता पर अध्ययन	विलोवुड केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली-110025	2.668
4.	प्रो. रंजन नाथ	आलू के रोगों के खिलाफ डाइमेथोमोर्फ 50 WP की जैव-प्रभावकारिता	कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड, सिकुन-देराबाद, 500 003	1.61
5.	प्रो. रंजन नाथ	विभिन्न फसलों पर तीन कवकनाशी (डब्ल्यूसीपीएल 6060, डब्ल्यूसीपीएल-एसटी और क्रेसोक्सिम-मिथाइल एससी) की जैव-प्रभावकारिता पर अध्ययन	विलोवुड केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली-110025	5.175
6.	प्रो. रंजन नाथ	दो मौसमों के लिए विभिन्न फसलों के रोगों के खिलाफ मैनकोजेब और एज़ोक्सीस्ट्रोबिन संयोजन का मूल्यांकन	कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड, सिकुन-देराबाद, 500 003	4.68
7.	प्रो. रंजन नाथ	खरीफ और रबी मौसम के दौरान विभिन्न फसलों पर कुछ कवकनाशी की जैव-प्रभावकारिता पर अध्ययन	विलोवुड केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली-110025	8.32
8.	प्रो. रंजन नाथ	विभिन्न क्षेत्रों और बागवानी फसलों में साई पावर प्लस का जैव-प्रभावकारिता मूल्यांकन	साई फसल विज्ञान प्रा. लिमिटेड, कोलकाता	2.301
9.	डॉ. भोलानाथ मंडल	विभिन्न क्षेत्रों और बागवानी फसलों में इंडोफिल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के विभिन्न कृषि रसायनों का जैव-प्रभावकारिता मूल्यांकन	इंडोफिल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मुंबई	9.204
10.	डॉ. भोलानाथ मंडल	विभिन्न फसलों के कीटों और रोगों के खिलाफ कुछ कीटनाशकों और कवकनाशी का	क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड, दिल्ली	11.5

		जैव-प्रभावकारिता मूल्यांकन और फाइटोटॉक्सिसिटी विश्लेषण		
11.	डॉ. भोलानाथ मंडल	विभिन्न क्षेत्रों और बागवानी फसलों में पीआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड के विभिन्न कृषि रसायनों का जैव-प्रभावकारिता मूल्यांकन	पीआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड, गुड़गांव	4.602
12.	डॉ. भोलानाथ मंडल	विभिन्न क्षेत्रों और बागवानी फसलों में सल्फर मिल्स लिमिटेड के विभिन्न कृषि रसायनों का जैव- प्रभावकारिता मूल्यांकन	सल्फर मिल्स लिमिटेड, मुंबई	3.068
13.	डॉ. भोलानाथ मंडल	विभिन्न क्षेत्रों और बागवानी फसलों में जीवाग्रो लिमिटेड के विभिन्न कृषि रसायनों का जैव- प्रभावकारिता मूल्यांकन	जीवाग्रो लिमिटेड, मुंबई	4.6
14.	डॉ. भोलानाथ मंडल	विभिन्न क्षेत्रों और बागवानी फसलों में बायोसाइंस रिसर्च फाउंडेशन के विभिन्न कृषि रसायनों का जैव-प्रभावकारिता मूल्यांकन।	बायोसाइंस रिसर्च फाउंडेशन, चेन्नई (रोटम क्रॉप प्रोटेक्शन प्राइवेट लिमिटेड)	4.602
15.	डॉ. भोलानाथ मंडल	मेसर्स रेनबो एग्रोसाइंस प्राइवेट लिमिटेड के विभिन्न कृषि रसायनों का जैव-प्रभावकारिता मूल्यांकन। लिमिटेड विभिन्न क्षेत्रों और बागवानी फसलों में	मेसर्स रेनबो एग्रोसाइंस प्रा। लिमिटेड, अहमदाबाद	4.602

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया।

विभाग के शिक्षक और छात्र समय-समय पर संस्थान द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों में सक्रिय रूप से लगे रहते हैं और साथ ही विभाग किसानों के लाभ के लिए सभी कार्य दिवसों में कार्यालय

अध्याय-2

समय के दौरान पौध हेल्थ क्लिनिक चलाता है। किसानों को कीट प्रबंधन के संबंध में टेलीफोन परामर्श सेवाएं भी प्रदान की जाती हैं।

स्थायी कीट प्रबंधन की दिशा में निदान और सलाहकार सेवाएं कृषि निदेशालय, पश्चिम बंगाल सरकार और विभिन्न गैर सरकारी संगठनों को प्रदान की जाती हैं। इसके अलावा, संकाय सदस्यों ने रथींद्र कृषि विज्ञान केंद्र, विश्व-भारती द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया, जिसमें आसपास के गांवों में उत्पादकों को ऑन-फार्म प्रशिक्षण भी शामिल था और उन्होंने ऑल इंडिया रेडियो और टेलीविजन विस्तार कार्यक्रमों में भी भाग लिया।

- एनएसएस इकाई, पीएसबी के सहयोग से परिसर की सफाई की गई
- 10.3.2022 : गांधी पुण्यों के अवलोकन के दौरान परिसर और विभाग की सफाई की गई.

रंजन नाथ

- आकाशवाणी, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित 'किशनवाणी' कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन।
- 16.2.2022-17.2.2022: आईसीएआर (एससीएसपी), नई दिल्ली के तहत "सीप मशरूम की खेती" पर जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में संयोजक और संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया और ग्राम स्तर के किसानों/श्रमिकों (एससी/एसटी समुदायों के 40 किसान) के बीच सीप मशरूम की खेती के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया और जागरूकता विकसित की, तथा मूलभूत सामग्री भी वितरित की।
- 22.2.2022-23.2.2022: आईसीएआर (एससीएसपी), नई दिल्ली के तहत "मिल्की मशरूम की खेती" पर जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में संयोजक और संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया और ग्राम स्तर के किसानों/श्रमिकों (एससी/एसटी समुदायों के 40 किसानों) के बीच दूधिया मशरूम की खेती के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया और जागरूकता विकसित की, तथा मूलभूत सामग्री का वितरण भी किया गया।
- 28.2.2022-4.3.2022: आईसीएआर (एससीएसपी), नई दिल्ली के तहत "ऑयस्टर मशरूम की स्पॉन तैयारी" पर जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में संयोजक और संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया। ग्राम स्तर के किसानों/श्रमिकों (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदायों के 20 किसान) के बीच दूधिया मशरूम की खेती के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया और जागरूकता विकसित की।
- 22.3.2022-25.3.2022: आईसीएआर (एससीएसपी), नई दिल्ली के तहत "फसल रोगों की पहचान और उनके प्रबंधन" पर जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में संयोजक और संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया। फसलों के कवक और निमेटोड रोगों के विभिन्न पहलुओं पर ग्राम स्तर के किसानों / श्रमिकों (अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति समुदायों के 60 किसानों) को प्रशिक्षण और जागरूकता प्रदान की और स्प्रेयर सहित बुनियादी सामग्री भी वितरित की।

मोहन कुमार विश्वास

- 16.2.2022-17.2.2022: आईसीएआर (एससीएसपी), नई दिल्ली के तहत 16 से 17 फरवरी, 2022 तक "ऑयस्टर मशरूम की खेती" पर जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में समन्वयक और संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया और ग्रामीण स्तर के किसानों/श्रमिकों (एससी/एसटी समुदायों के 40 किसानों) के बीच सीप मशरूम की खेती के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया और जागरूकता विकसित की, बुनियादी सामग्री भी वितरित की गई।
- 22.2.2022-23.2.2022: आईसीएआर (एससीएसपी), नई दिल्ली के तहत 22 से 23 फरवरी, 2022 तक "मिल्की मशरूम की खेती" पर जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में समन्वयक और संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया और ग्राम स्तर के किसानों/श्रमिकों (एससी/एसटी समुदायों के 40 किसानों) के बीच दूधिया मशरूम की खेती के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया और जागरूकता विकसित की, बुनियादी सामग्री भी वितरित की।
- 28.2.2022-4.3.2022: आईसीएआर (एससीएसपी), नई दिल्ली के तहत 28 फरवरी से 4 मार्च, 2022 तक "ऑयस्टर मशरूम की स्पॉन तैयारी" पर जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक समन्वयक और संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया ग्राम स्तर के किसानों/श्रमिकों (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदायों के 20 किसान) के बीच दूधिया मशरूम की खेती के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया और जागरूकता विकसित की।
- 22.3.2022-25.3.2022: आईसीएआर (एससीएसपी), नई दिल्ली के तहत "फसल रोगों की पहचान और उनके प्रबंधन" पर जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक समन्वयक और संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया फसलों के कवक और निमेटोड रोगों के विभिन्न पहलुओं पर ग्राम स्तर के किसानों/श्रमिकों (अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति समुदायों के 60 किसानों) को प्रशिक्षण और जागरूकता प्रदान की और स्प्रेयर सहित बुनियादी सामग्री भी वितरित की।
- 12.1.2022: पल्ली शिक्षा भवन (पीएसबी), विश्वभारती, श्रीनिकेतन इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी (आईएसए) श्रीनिकेतन चैप्टर के सहयोग द्वारा आयोजित ऑनलाइन किसान - बोरो चावल की खेती की उन्नत तकनीकों पर वैज्ञानिक बैठक में "बोरो चावल के रोग और उनके उन्नत प्रबंधन" विषय पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य और व्याख्यान दिया।
- 09.02.2022: अखिल भारतीय रेडियो प्रसारण कार्यक्रम "किसान वाणी" में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया और "भारतीय कृषि बजट 2022-23 और इसके आवंटन" पर व्याख्यान दिया।
- 9-3.2022-15.3.2022: संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य करें और "मशरूम की खेती और स्पॉन उत्पादन के लिए स्वचालित प्रणाली" के लिए कौशल विकास पाठ्यक्रम में "खाद्य, अखाद्य, औषधीय और जहरीले मशरूम की पहचान" विषय पर व्याख्यान दिया। कृषि कॉलेज, पौध पैथोलॉजी विभाग,

अध्याय-2

ओयूएटी, भवानीपटना संस्थागत विकास योजना (आईडीपी), राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (एनएचईपी) द्वारा प्रायोजित।

- 19.05.2021: अखिल भारतीय रेडियो प्रसारण कार्यक्रम "किसान वाणी" में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया और "ग्रीष्मकालीन सब्जियों के रोग, कीड़े और अन्य समस्याओं और उनके प्रबंधन" पर व्याख्यान दिया।
- 02.11.2021: अखिल भारतीय रेडियो प्रसारण कार्यक्रम "किसान वाणी" में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया और "पश्चिम बंगाल में बटन मशरूम की सरल खेती तकनीक" पर व्याख्यान दिया।

भोलानाथ मंडल

- 27.9.2021: आरकेवीके, बीरभूम में डीआईएसआई कार्यक्रम की अंतिम परीक्षा में बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित।
- 18.04.2021: नेचर एनवायरनमेंट एंड वाइल्डलाइफ सोसाइटी, कोलकाता द्वारा आयोजित एक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया और 'जैविक कृषि: एक अवलोकन' पर व्याख्यान दिया।
- आकाशवाणी, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित किसान वाणी कार्यक्रम की संख्या में भाग लिया।
- एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया और कार्यालय सहायक कृषि निदेशक, बोलपुर द्वारा आयोजित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया।
- 28.3.2022: इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी, नई दिल्ली के सहयोग से पल्ली-शिक्षा भवन, विश्व-भारती द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन किसान-वैज्ञानिक बैठक में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया और 'तिलहन फसलों के विभिन्न रोगों के प्रबंधन प्रथाओं' पर व्याख्यान दिया।
- 16.2.2022-17.2.2022: पौध पैथोलॉजी विभाग, पल्ली-शिक्षा भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित 'ऑयस्टर मशरूम की खेती पर जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम' में संयुक्त समन्वयक के रूप में कार्य किया।
- 22.2.2022-23.2.2022: पौध पैथोलॉजी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित "मिल्की मशरूम की खेती पर जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम" में संयुक्त समन्वयक के रूप में भाग लिया और कार्य किया।
- 28.2.2022-4.3.2022: पौध पैथोलॉजी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित "ऑयस्टर मशरूम की स्पॉन तैयारी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम" में संयुक्त समन्वयक के रूप में भाग लिया और कार्य किया।
- 22.3.2022-25.3.2022: संयुक्त समन्वयक और संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया और फसल रोगों की पहचान और उनके प्रबंधन पर जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'फसलों के जीवाणु

रोगों की पहचान और निदान और कृषि रसायनों की संगतता परीक्षण' पर व्याख्यान दिया।', पौध पैथोलॉजी विभाग, पल्ली-शिक्षा भवन, विश्व-भारती द्वारा आयोजित।

विवेक कुमार खरे

- 16.2.2022-17.2.2022: पौध पैथोलॉजी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित "ऑयस्टर मशरूम की खेती पर जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम" में संयुक्त समन्वयक के रूप में भाग लिया और कार्य किया।
- 22.2.2022-23.2.2022: पौध पैथोलॉजी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित "मिल्की मशरूम की खेती पर जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम" में संयुक्त समन्वयक के रूप में भाग लिया और कार्य किया।
- 28.2.2022-4.3.2022: पौध पैथोलॉजी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित "ऑयस्टर मशरूम की स्पॉन तैयारी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम" में संयुक्त समन्वयक के रूप में भाग लिया और कार्य किया।
- 22.3.2022-25.3.2022: पौध पैथोलॉजी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित "फसल रोगों और उनके प्रबंधन की पहचान पर जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम" में संयुक्त समन्वयक के रूप में भाग लिया और कार्य किया।

शिक्षकों/विद्वानों या विभाग द्वारा समग्र रूप से प्राप्त शैक्षणिक भेद (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता)

रंजन नाथ

राष्ट्रीय समाज/पत्रिका की सदस्यता

- इंडियन सोसाइटी ऑफ माइक्रोलॉजी एंड पौध पैथोलॉजी (आईएसएमपीपी) ने जर्नल ऑफ माइक्रोलॉजी एंड पौध पैथोलॉजी प्रकाशित की। कार्यालय: एमपीयूएटी, उदयपुर, राजस्थान।
- कृषि विज्ञान की खेती के लिए कूचबिहार एसोसिएशन (COBACAS), कृषि और प्रौद्योगिकी के जर्नल प्रकाशित किया। कार्यालय: यूबीकेवी, कूचबिहार, पश्चिम बंगाल।
- भारतीय फाइटोपैथोलॉजिकल सोसाइटी, के स्थायी आजीवन सदस्य पौध पौध पैथोलॉजी डिजीजन, आईएआरआई, नई दिल्ली, भारत जर्नल ऑफ इंडियन फाइटोपैथोलॉजी प्रकाशित करते हैं।
- अन्य संस्थान/विश्वविद्यालय के साथ शैक्षणिक सहयोग
- बीसीकेवी, मोहनपुर नादिया, पश्चिम बंगाल के साथ शैक्षणिक कार्य में संलग्न
- यूबीकेवी, पुंडीबारी, कूचबिहार, पश्चिम बंगाल के साथ शैक्षणिक कार्य में संलग्न
- ओयूएटी, भुवनेश्वर, ओडिसा के साथ शैक्षणिक कार्य में संलग्न

अध्याय-2

थीसिस मार्गदर्शन:

- दो एमएससी छात्रों ने थीसिस जमा की और डिग्री प्रदान की।
- एक पीएच.डी. के एक छात्र को डिग्री दी गई

मोहन कुमार विश्वास

थीसिस मार्गदर्शन:

- दो एमएससी छात्र (सरनराज के और निबेदिता अधिकारी) ने अपनी थीसिस जमा की और डिग्री प्रदान की गई।

संपादक/समीक्षक

- इंडियन जर्नल ऑफ फाइटोपैथोलॉजी, आईएआरआई, नई दिल्ली, भारत के समीक्षक के रूप में कार्य करें।
- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोनॉमिक प्लांट्स, आईएसएसएन: 2349-4727, पुष्पा पब्लिशिंग हाउस के संपादकीय सदस्य के रूप में कार्य करें।
- माइक्रोबायोज जर्नल, जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी एंड बायोमेडिकल रिसर्च, आईएसएसएन (ऑनलाइन) के संपादकीय सदस्य के रूप में कार्य किया: 2395-5678, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा स्वीकृत।

अन्य संस्थानों के साथ अकादमिक सहयोग:

ओयूएटी, भुवनेश्वर, ओडिशा के साथ शैक्षणिक कार्य में लगे हुए हैं

राष्ट्रीय समाज/जर्नल की सदस्यता

- इंडियन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसाइटी के स्थायी आजीवन सदस्य, पौध पौध पैथोलॉजी डिवीजन, आईएआरआई, नई दिल्ली, भारत जर्नल ऑफ इंडियन फाइटोपैथोलॉजी प्रकाशित करते हैं।
- इंडियन सोसाइटी ऑफ माइकोलॉजी एंड पौध पैथोलॉजी, डिवीजन ऑफ पौध पौध पैथोलॉजी, एमपीयूएटी, उदयपुर, राजस्थान, भारत के स्थायी आजीवन सदस्य, जर्नल ऑफ माइकोलॉजी एंड पौध पैथोलॉजी प्रकाशित करते हैं।
- सोसायटी फॉर पौध प्रोटेक्शन एंड एनवायरनमेंट, ओयूएटी, भुवनेश्वर, भारत के स्थायी आजीवन सदस्य। जर्नल ऑफ पौध प्रोटेक्शन एंड एनवायरनमेंट प्रकाशित किया।
- पौध संरक्षण में उन्नति के लिए एसोसिएशन के आजीवन सदस्य, पादप संरक्षण विज्ञान की पत्रिका प्रकाशित करें।
- मशरूम सोसाइटी ऑफ इंडिया, सोलन के संघ के सदस्य, मशरूम रिसर्च पत्रिका का प्रकाशन करते हैं।

पाठ्येतर गतिविधियां:

- पौध संरक्षण विभाग में पीएचडी पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में कार्य करना।

- अप्रैल 2014 से पीएसबी, विश्वभारती की प्रायोगिक शिक्षण इकाई "खाद्य मशरूम और स्पॉन का उत्पादन" के प्रभारी के रूप में कार्य करना।
- एंटीरैगिंग सेल, पीएसबी, विश्व-भारती के सदस्य
- कर्मी संघ, उत्सव सखा, विश्वभारती विश्वविद्यालय के सदस्य
- एसपीएआरसी समिति सदस्य, विश्वभारती विश्वविद्यालय

भोलानाथ मंडल

पुरस्कार / मान्यता प्राप्त

- इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर डेवलपमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी (आईएसडीएस), जापान से जून, 2021 को 'लाइफटाइम फेलो सदस्य' प्राप्त किया।
- प्रभारी, मेजबान संस्थान (एचआई) एमएसएमई इनोवेटिव स्कीम (जीओआई), पल्ली-शिक्षा भवन, विश्व-भारती।

राष्ट्रीय समाज/पत्रिका की सदस्यता

- 'क्रॉप एंड वीड साइंस सोसाइटी' के आजीवन सदस्य ने 'क्रॉप एंड वीड' जर्नल प्रकाशित किया। कार्यालय: कृषि विज्ञान विभाग, एफ/एजी।, बीसीकेवी, भारत।
- 'ईस्टर्न इंडिया हॉर्टिकल्चर एंड बायोटेक्नोलॉजी सेंटर' के आजीवन सदस्य ने 'ग्रीन टेक्नोलॉजी' जर्नल प्रकाशित किया। कार्यालय: बहारु, दक्षिण 24 परगना।
- 'प्रौद्योगिकी और ग्रामीण विकास के लिए कृषि-बागवानी सोसायटी' के संस्थापक और दोनों के आजीवन सदस्य। कार्यालय: विल. + पी.ओ. - हिरणमयपुर, बसंती, दक्षिण 24 परगना।
- 'ऑर्गनाइजेशन फॉर असिस्टिंग ऑफ द थ्रॉटलिंग वर्ल्ड' के संस्थापक और दोनों के आजीवन सदस्य। कार्यालय: राजबारीपारा, जलपाईगुर।
- 'सोसाइटी फॉर पौध प्रोटेक्शन एंड एनवायरनमेंट' के आजीवन सदस्य और 'जर्नल ऑफ पौध प्रोटेक्शन एंड एनवायरनमेंट' प्रकाशित किया। कार्यालय: कीट विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय, ओयूएटी, भुवनेश्वर - 751 003, उड़ीसा।
- 'इंडियन सोसाइटी ऑफ सॉयल बायोलॉजी एंड इकोलॉजी' के आजीवन सदस्य ने 'जर्नल ऑफ सॉयल बायोलॉजी एंड इकोलॉजी' प्रकाशित किया। कार्यालय: कृषि सूक्ष्म जीव विज्ञान और कीट विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, जीकेवीके परिसर, बैंगलोर - 560065.
- कृषि मौसम विज्ञानियों के संघ ने जर्नल ऑफ एग्रोमेटोरोलॉजी, कार्यालय: एएयू, आणंद, गुजरात प्रकाशित किया।
- इंडियन माइक्रोलॉजिकल सोसाइटी (आईएमएस) ने जर्नल ऑफ माइक्रोपैथोलॉजिकल रिसर्च प्रकाशित किया। कार्यालय: कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल।

अध्याय-2

- इंडियन सोसाइटी ऑफ माइक्रोलॉजी एंड पौध पैथोलॉजी (आईएसएमपीपी) ने जर्नल ऑफ माइक्रोलॉजी एंड पौध पैथोलॉजी प्रकाशित की। कार्यालय: एमपीयूएटी, उदयपुर, राजस्थान।
- पौध संरक्षण में उन्नति के लिए एसोसिएशन (एएपीपी), प्रकाशित पादप संरक्षण विज्ञान जर्नल। कार्यालय: पौध हेल्थ क्लिनिक, शोध निदेशालय, बीसीकेवी, नादिया, पश्चिम बंगाल।
- कृषि विज्ञान की खेती के लिए कूचबिहार एसोसिएशन (COBACAS) ने जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी प्रकाशित किया। कार्यालय: यूबीकेवी, कूचबिहार, पश्चिम बंगाल।
- सोसाइटी ऑफ बायो-रिसोर्स, एनवायरनमेंट एंड एग्रीकल्चरल रिसर्च ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायो-रिसोर्स, एनवायरनमेंट एंड एग्रीकल्चरल साइंसेज ऑफिस: अबनपल्ली, शांतिनिकेतन, बीरभूम, पश्चिम बंगाल प्रकाशित किया।
- इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, बोलपुर, बीरभूम
- स्कॉलर्स एकेडमिक एंड साइंटिफिक सोसाइटी, असम के फेलो सदस्य।
- आजीवन सदस्य इंडियन सोसाइटी ऑफ वीड साइंस, जबलपुर, एमपी

अन्य उपलब्धियाँ

- शैक्षणिक वर्ष के दौरान दो एम.एससी. छात्रों को डिग्री प्रदान की गई।
- शैक्षणिक वर्ष के दौरान दो पीएच.डी. छात्रों को डिग्री प्रदान की गई।
- भारतीय फाइटोपैथोलॉजी (सिंप्रगर) (आईएसएसएन: 0367-973एक्स) सहित विभिन्न पत्रिकाओं के समीक्षक।
- कृषि-बागवानी सोसायटी फॉर टेक्नोलॉजी एंड रूरल डेवलपमेंट में मुख्य सलाहकार, के रूप में कार्य करना। कार्यालय: विल. + पी.ओ. - हिरणमयपुर, बसंती, दक्षिण 24 परगना।
- पौध पैथोलॉजी विभाग, पल्ली-शिक्षा भवन, विश्वभारती में पीजी कोर्स में समन्वयक के रूप में कार्य करना
- पल्ली-शिक्षा भवन, विश्व-भारती द्वारा संचालित 'बीज प्रमाणन कार्यक्रम' के लिए एक समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया।
- पल्ली-शिक्षा भवन, विश्व-भारती के स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए स्थायी समिति सदस्य के रूप में कार्य करना।
- पल्ली-शिक्षा भवन, विश्व-भारती के रैगिंग विरोधी दस्ते के सदस्य के रूप में कार्य करना।
- पल्ली-शिक्षा भवन, विश्वभारती के राँ और एआईए 2021-22 कार्यक्रम के लिए लीड फैकल्टी सदस्य के रूप में कार्य किया।
- शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए विनय-भवन की प्रवेश प्रक्रिया में 'पर्यवेक्षक' के रूप में कार्य किया।
- 21 सितंबर, 2021 और 24.03.2022 को कृषि-आर्थिक शोध केंद्र, विश्वभारती में रिसर्च एसोसिएट और रिसर्च फेलो के पद के लिए चयन समिति सदस्य के रूप में कार्य किया।

- साउथ एशियन रिसर्च जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड फिशरीज [आईएसएसएन: 2664-4010 (पी), 2664-6730 (ओ)] पत्रिका के सहयोगी संपादक के रूप में कार्य करते हुए।
- 14.05.2017-13.05.2022 के लिए बीरभूम जिला केंद्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड के व्यावसायिक निदेशक के रूप में कार्य करना।

विवेक कुमार खरे

राष्ट्रीय समाज/पत्रिका की सदस्यता

- इंडियन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसायटी, पौध पैथोलॉजी डिवीजन, आईएआरआई, नई दिल्ली, भारत के स्थायी आजीवन सदस्य। जर्नल, इंडियन फाइटोपैथोलॉजी प्रकाशित किया।

प्रकाशन:

पीयर/समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्रों की संख्या : 24

के रूप में दर्ज किया जाना है: विभागीय प्रकाशन, मोनोग्राफ / मैनुअल, व्यक्तिगत प्रकाशन, एकल लेखक, संदर्भ:

- भट्टाचार्य, डी., भट्टाचार्य, जे., और नाथ, आर. (2021) चावल विस्फोट रोगजनक के खिलाफ जैव-नियंत्रण एजेंटों का मूल्यांकन। फार्मा इनोवेशन जर्नल 10 (11): 1685-1689.
- भट्टाचार्य, डी., भट्टाचार्य, जे., और नाथ, आर. (2021), त्रिपुरा में प्राकृतिक स्थिति के तहत चावल विस्फोट रोगों के खिलाफ चावल विस्फोट प्रतिरोधी जीनोटाइप की पहचान। फार्मा इनोवेशन जर्नल 10(11): 48-52.
- पांडा, डी., विश्वास, एम.के., और नाथ, बी. (2022), कैलोसाइबे इंडिका की स्पॉन तैयारी के लिए विभिन्न सबस्ट्रेट्स का मूल्यांकन और उपज और जैविक क्षमता पर इसका प्रभाव। एग्रीकल्चरल साइंस डाइजेस्ट-ए रिसर्च जर्नल, 42(2), 152-158।
- पांडा, डी., और विश्वास, एम.के. (2021), कैलोसाइबे इंडिका की खेती के लिए सबस्ट्रेट तैयार करने के विभिन्न तरीकों का मूल्यांकन। जैविक मंच - एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल 13(4): 733-741
- घोष, टी., और विश्वास, एम.के. (2021), स्यूडोमोनास एरुगिनोसा के खिलाफ मूसा एक्यूमिनाटा के छिलके के अर्क के प्राथमिक फाइटोकेमिकल आकलन और जीवाणुरोधी क्षमता पर एक इन-विट्रो अध्ययन। वनस्पति अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 6 (4), 524-529.
- घोष, टी., विश्वास, एम.के., और ऐकत, के. (2022), बीज जनित माइकोप्लोरा से संक्रमित होने से पहले और बाद में चावल (खास) और सरसों (झूमी) के बीजों की प्रोटीन प्रोफाइलिंग। सामग्री आज: कार्यवाही, 51, 815-819.
- पांडा, डी., और विश्वास, एम.के. (2021), कैलोसाइबे इंडिका के यील्ड एट्रीब्यूट्स पर आवरण सामग्री के बंध्याकरण और मोटाई का प्रभाव। कृषि विज्ञान के शोध जर्नल, 12(3), 1004-1011

अध्याय-2

- रॉय, एस., दाना, आई., विश्वास, एम.के. (2021), विभिन्न कवकनाशी, पौधों के अर्क और इन विट्रो में जैविक नियंत्रण के खिलाफ स्क्लेरोटिनिया स्क्लेरोटिनियम की प्रतिक्रिया। माइक्रोपैथोलॉजिकल रिसर्च जर्नल, 59 (3), 315-318
- रॉय, एस., दाना, आई., और विश्वास, एम.के. (2021), पश्चिम बंगाल के गंगा जलोढ़ क्षेत्र के अंतर्गत भारतीय सरसों में तना सड़न पैदा करने वाले स्क्लेरोटिनिया स्क्लेरोटियोरम के लिए एकीकृत रोग प्रबंधन मॉड्यूल। एनल्स ऑफ पौध प्रोटेक्शन साइंसेज, 29(3), 205-209.
- घोष, टी., और विश्वास, एम.के. (2021), रोगजनक विविधताएं और कवक चयापचय, दालों की प्रोटीन सामग्री पर प्रभाव। एनल्स ऑफ पौध प्रोटेक्शन साइंसेज, 29(3), 222-225.
- शनमुगराज, सी., सरनराज, के., और विश्वास, एम.के. (2021), पश्चिम बंगाल की कृषि-पारिस्थितिक स्थिति के तहत सफेद बटन मशरूम (एगरिकस बिस्पोरस) की जैविक दक्षता पर विभिन्न आवरण सामग्री का जवाब। जे। माइक्रोपैथोल। रेस. 59(4): 455-459.
- पांडा, डी., और विश्वास, एम. के (2021), कैलोसाइबे इंडिका के यील्ड एट्रीब्यूट्स पर आवरण सामग्री के बंध्याकरण और मोटाई का प्रभाव। कृषि विज्ञान के शोध जर्नल, 12(3), 1004-1011.
- नूरी, टी., और विश्वास, एम. के (2021), राइज़ोक्टोनिया सोलानी कुहन के कारण आलू ब्लैक स्कर्फ को प्रबंधित करने के लिए बॉटनिकल और बायो-एजेंट की स्क्रीनिंग। कृषि विज्ञान के शोध जर्नल, 12(5): 1632-1636, पी-आईएसएसएन: 0976-1675, ई-आईएसएसएन: 2249-4538।
- घोष, टी., और विश्वास, एम.के. (2021), कृषि में सुधार के लिए पादप प्रोबायोटिक सूक्ष्मजीवों का उपयोग। कृषि विज्ञान के शोध जर्नल, 12(4): 1401-1407.
- नूरी, टी., और विश्वास, एम. के (2021), राइज़ोक्टोनिया सोलानी कुहन के विकास पर विभिन्न संस्कृति मीडिया, तापमान और पीएच का प्रभाव आलू के काले धब्बे का कारण बनता है। पौध सेल बायोटेक्नोलॉजी एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी 22 (49 और 50): 27-33.
- पांडा, डी., विश्वास, एम.के., और नाथ, बी. (2021), दूधिया मशरूम के सर्वश्रेष्ठ स्वदेशी आइसोलेट्स का आकलन और चयन। फार्मा इनोवेशन जर्नल 10(6): 35-43.
- विश्वास, एम.के., और घोष, टी. (2021), दुनिया की पहली और दूसरी लहरों के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन से कोविड-19 बीमारी का खतरा है। यूरोपियन जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर एंड क्लिनिकल मेडिसिन, 7(11), 8234-8256.
- मंडल, बी., मंडल, एस., और खटुआ, डी.सी. (2021), पश्चिम बंगाल में राइसोटोनिया सोलानेसीरम के अतिरिक्त खरपतवार मेजबान दर्ज किए गए। इंडियन जर्नल ऑफ वीड साइंस, 53(2), 206-208।
- दास, ए., मंडल, एस., नाग, एस., और मंडल, बी. (2021), अनाज के भंडारण रोगजनकों का प्रबंधन: एक समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इकोनॉमिक प्लांट्स, 8(2): 103-108।

- मंडल, एस., मंडल, बी., दास, ए., और खट्टा, डी.सी. (2021), पश्चिम बंगाल, भारत के सुंदरबन क्षेत्र में राल्स्टोनिया सोलानेसीरम के कारण बैक्टीरियल विल्ट की स्थिति। एनल्स ऑफ पौध प्रोटेक्शन साइंसेज, 29(2), 140-146.
- मिड्या, आर., इस्लाम, एस., और मंडल, बी. (2021), आलू के लेट ब्लाइट रोग के खिलाफ कवकनाशी और जैव-वानस्पतिक की फील्ड प्रभावकारिता। जे पौध फिजियोल पैथोल 9: 7, 254, 2.
- गैरैन, पी.के., मंडल, बी., और दत्ता, एस. (2021), पश्चिम बंगाल के तटीय लवणीय क्षेत्र के अंतर्गत सुपारी (पाइपर सुपारी एल.) के कॉलर रोट रोग पर मौसम के कारकों, मिट्टी के तापमान और नमी का प्रभाव। जर्नल ऑफ एग्रोमेटोरोलॉजी, 23(4), 428-434।
- गैरैन, पी.के., मंडल, बी., और दत्ता, एस. (2021), स्क्लेरोटियम रॉलिफ्स सैक पर भारतीय सरसों (ब्रैसिका जंकिया एल.) द्वारा बायोफ्यूमिगेशन का प्रभाव, जिससे सुपारी (पाइपर बेटल एल.) में कॉलर रोट हो जाता है। इंडियन फाइटोपैथोलॉजी, 74(4), 1015-1025.
- पालचौधरी, एस., खरे, वी.के., बलराम, एन., भट्टाचार्य, यू.के., दास, एस., शुक्ला, पी., चक्रवर्ती, पी. और विश्वास, के.के. (2022), कॉटन लीफ कर्ल बेगोमोवायरस रोग परिसर से जुड़े वायरस और उपग्रह घटकों का एक साथ पता लगाने के लिए एक मल्टीप्लेक्स पोलीमरेज़ चेन रिएक्शन। जर्नल ऑफ वायरोलॉजिकल मेथड्स, 300, 114369.

पुस्तकें/ पाठ्य पुस्तकें:

- मजूमदार, एस., बालचंद्रन, एस., संतरा, एस. और मंडल, बी. (2021), टोस अपशिष्ट प्रबंधन: मुद्दे, चिंताएं और समाधान। पहला संस्करण, अक्षर प्रकाशनी, पीपी. 371. आईएसबीएन: 978-81-95477-56-2.

पुस्तक अध्याय:

- घोष, टी एंड विश्वास, एम.के. (2021), सेल्युलोलिटिक नाइट्रोजन फिक्सिंग बैक्टीरिया द्वारा कृषि अपशिष्ट बायोकोनवर्जन। इन: कृषि विज्ञान में अभिनव शोध और प्रौद्योगिकी, खंड - 2, (अनिल कुमार सक्सेना एड।), स्क्रिप्टन प्रकाशन, पीपी-152-157. आईएसबीएन: 978-93-90833-45-0.
- विश्वास, एम.के. (2021), गुणवत्ता वाले अंडे (मशरूम बीज) की विशेषताएं और मशरूम के उत्पादन के लिए उनकी उत्पादन तकनीकें। संग्रह मशरूम उत्पादन पर राष्ट्रीय वेब सम्मलेन ग्रामीण युवाओं के लिए एक उभरता एवेन्यू और स्वरोजगार, कुमार एस, कुमार टी, पटेल डीके, साहा, टी। और साह (एड्स।), 2021, पीपी-13-18। मंडन भारती कृषि कॉलेज, अगवानपुर, सहरसा, आईएसबीएन: 978-81-949290-4-8 द्वारा प्रकाशित।
- विश्वास, एम.के. (2021), उष्णकटिबंधीय मशरूम के रोग और कीट: पहचान, लक्षण वर्णन और प्रबंधन। में: मशरूम की खेती और स्पॉन उत्पादन के लिए स्वचालित प्रणाली पर प्रशिक्षण मैनुअल

अध्याय-2

कौशल विकास पाठ्यक्रम, रणसिंह, एन, बेहरा, एस और मोहराना, आरएल (एड्स), 2020-21, पीपी-54-80। कृषि महाविद्यालय, ओयूएटी, भवानीपटना-766001

- पाल, टी.के., खातून, एम, मंडल, बी. और संतरा, एस. (2021), ग्रामीण क्षेत्रों में मासिक धर्म अपशिष्ट प्रबंधन की चुनौतियाँ: पश्चिम बंगाल में एक सूक्ष्म स्तर का अध्ययन। में: सालिड अपशिष्ट प्रबंधन: मुद्दे, चिंताएं और समाधान, मजूमदार, एस., बालचंद्रन, एस., संतरा, एस. और मंडल, बी. (संस्करण), अक्षर प्रकाशनी, पीपी. 153-164. आईएसबीएन: 978-81-95477-56-2.
- मंडल, एस., पांडा, डी., मिश्रा, ए., मंडल, बी. और हट्टई, एल. (2021), फसल पौधों पर अपशिष्ट जल सिंचाई के मॉर्फो-फिजियोलॉजिकल परिणाम। में: सालिड अपशिष्ट प्रबंधन: मुद्दे, चिंताएं और समाधान, मजूमदार, एस., बालचंद्रन, एस., संतरा, एस. और मंडल, बी. (संस्करण), अक्षर प्रकाशनी, पीपी 230-242. आईएसबीएन: 978-81-95477-56-2.
- दास, ए. और मंडल, बी. (2021), सुंदरबनेर मैंग्रोव उद्भिदर वेसज बाबोहर। में: चेना सुंदरबनेर अचेना बरनामाला (प्रथम परबा), सासमल, आर. और सासमल, आर (संस्करण), तापती पब्लिशर्स, कोलकाता, पीपी. 125-136. आईएसबीएन: 978-81-950967-2-5.

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी:

पादप विकृति विभाग को इसके स्नातकोत्तर शिक्षण के लिए आईसीएआर, नई दिल्ली द्वारा प्रत्यायित किया गया है। विभाग ने एक पीजी की और एक पीएच.डी. प्रयोगशाला स्थापना की है।। यू.जी. कक्षा कक्ष और सम्मेलन कक्ष का नवीनीकरण किया गया है। एमएससी के एक छात्र ने आईसीएआर-सीनियर रिसर्च फेलोशिप हासिल की और कृषि शोध के क्षेत्र में एक प्रमुख संस्थान आईसीएआर-आईएआरआई में पौध पैथोलॉजी में पीएच.डी. में प्रवेश प्राप्त किया।

इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना के लिए पौध पैथोलॉजी विभाग के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया है और बाद में संस्थान (पल्ली-शिक्षा भवन, विश्व-भारती) ने 21/02/2022 को आयोजित पहली पीएमएसी की बैठक में एमएसएमई इनोवेटिव के तहत ऊष्मायन घटक के कार्यान्वयन के लिए मुख्य रूप से एक मेजबान संस्थान (एचआई) के रूप में सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी गई है। नई दिल्ली (फाइल नं.: 17(2)/एमएसएमई इनोवेटिव/पीएमएसी/2021-22 दिनांक 08.03.2022 के माध्यम से),

मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग

विभाग में तीन विषय शामिल हैं, अर्थात् मृदा विज्ञान, कृषि रसायन विज्ञान और जैव रसायन। विभाग की गतिविधियों में मुख्य रूप से शिक्षण, शोध और विस्तार कार्य शामिल हैं। विभाग स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर शिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है। कृषि संस्थान (पल्ली शिक्षा भवन) के सभी विभागों के साथ-साथ हमारा विभाग भी यूजी कार्यक्रम में पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रमों में योगदान देता है। विभाग एक स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम अर्थात् एम.एससी की पेशकश कर रहा है। (एजी) मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विज्ञान में।

शिक्षण और शोध गतिविधियों के अलावा, शिक्षक और छात्र इलाके में किसानों की विभिन्न समस्याओं को हल करने के लिए विस्तार गतिविधियों में शामिल हैं। फसल की गुणवत्ता और उत्पादकता में सुधार, मिट्टी और जल संरक्षण के लिए फसल की खेती, मिट्टी और उर्वरता प्रबंधन में किसानों को अपनाने के लिए विभाग द्वारा की गई जांच के निष्कर्षों से सिफारिशें की जा रही हैं। यूजी छात्रों के लिए व्यापक रॉ कार्यक्रम की पेशकश की जाती है।

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम :

क्रमांक	छात्र	परीक्षा का नाम उत्तीर्ण
OR0450600011	सुमंत खमारी	यूजीसी नेट
4074539500	सुमंत खमारी	आईसीएआर नेट
4054540096	मोहम्मद निसाब सी.पी.	आईसीएआर नेट
4054539925	ममता साहू	आईसीएआर नेट

विभागीय संगोष्ठी:

क्र. सं.	सम्मेलन का शीर्षक/संगोष्ठी आदि	वक्ता	तिथि
1.	राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (एनएएचईपी) के तहत 'जैव उर्वरक उत्पादन' पर कौशल विकास प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	डॉ. पवित्र कुमार विश्वास	01.03.2022- 07.03.2022
2.	विज्ञान संस्थान, GITAM (डीम्ड यूनिवर्सिटी), विशाखापत्तनम - 530045, आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित 'विश्व मृदा दिवस' के अवसर पर अतिथि वक्ता।	प्रो. जी. के. घोष	03.12.2021
3.	कोलकाता में 12-14 फरवरी 2022 के दौरान 'उर्वरक और कृषि - चुनौतियां और आगे का रास्ता' पर एफएआई-पूर्वी क्षेत्र कार्यक्रम में 'एकीकृत पोषक प्रबंधन, मिट्टी की उर्वरता और सतत कृषि' पर एक आमंत्रित व्याख्यान और प्रस्तुति दी।	प्रो. जी. के. घोष	13.02.2022

अध्याय-2

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि

क्र. सं.	सम्मेलन/संगोष्ठी आदि का शीर्षक	अंतर्राष्ट्रीय/ राष्ट्रीय स्तर
1.	16-19 नवंबर 2021 के दौरान आयोजित 'इंडियन सोसाइटी ऑफ सायल साइंस का 85वां वार्षिक सम्मेलन और मृदा विज्ञान में विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: 2021' का आयोजन किया गया।	राष्ट्रीय
2.	प्रो. गौतम कुमार घोष कोलकाता में 12-14 फरवरी 2022 के दौरान 'उर्वरक और कृषि - चुनौतियां और आगे का रास्ता' पर एफएआई-पूर्वी क्षेत्र कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में सम्मानित अतिथि के रूप में सम्मानित	राष्ट्रीय

विभाग में चल रही शोध परियोजनाएं:

शिक्षक का नाम	परियोजना	प्रायोजक एजेंसियों का नाम	स्वीकृत राशि
प्रो. गौतम के. घोष	2016 से मृदा स्वास्थ्य कार्ड (SHC) योजना	केंद्र प्रायोजित	45.85 लाख

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों में विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया।

- गांधी पुण्याह विभाग के छात्रों द्वारा विभाग और प्रयोगशालाओं की सफाई की गई

शिक्षकों/विद्वानों या विभाग द्वारा समग्र रूप से प्राप्त शैक्षणिक भेद (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता)

जी.के. घोष:

- डीएसटी-पर्स परियोजना के कार्यान्वयन समूह के संयुक्त समन्वयक।
- कृषि संस्थान के उपाध्यक्ष।
- विभिन्न समाजों के आजीवन सदस्य
- आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी में बायोमास व्युत्पन्न बायोचार के अनुप्रयोग 'शॉन कुमार दास, जी.के. घोष और रविकांत अवस्थे (2021)' पेपर के लिए एल्सेवियर 2021 आउटस्टैंडिंग पेपर अवार्ड। पर्यावरण प्रौद्योगिकी और नवाचार 21(2021) पीपी. 1-10 <https://doi.org/10.1016/j.eti.2020.101306>

- डॉ शॉन कुमार दास (2016-17 का वीबी-2025), ने मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर गौतम कुमार घोष और विश्वभारती के डॉ आर के अवास्ते के संयुक्त पर्यवेक्षण के तहत पीएचडी डिग्री कार्यक्रम किया। एनईएच क्षेत्र, सिक्किम केंद्र, ताडोंग, गंगटोक, सिक्किम-737102 को वर्ष 2021 के लिए युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली द्वारा

पी.के. विश्वास

- मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग में स्नातकोत्तर समन्वयक।
- विभिन्न समाजों के आजीवन सदस्य

एस. मंडल

- विभिन्न समाजों के आजीवन सदस्य

वाई.वी. राव

- सेंट्रल इंस्ट्रुमेंटेशन सेंटर, पीएसबी के प्रभारी।
- डीएसटी-पर्स परियोजना के परियोजना कार्यान्वयन समूह के सदस्य।
- आईसीएआर विकास अनुदान की खरीद समिति के सदस्य
- विभिन्न समाजों के आजीवन सदस्य

एम.सी. कुंडू

- पीएच.डी. मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विज्ञान विभाग के समन्वयक।
- विभिन्न समाजों के आजीवन सदस्य

प्रकाशन:

- सोबती, आर.सी. भारती के., अभिषेक पी., राज कुमार के., नीलम वाई., सुदीप्त एस., राव वाई.वी. और सुनील बाबू जी. (2021), कोरोना वायरस: उद्भव, विकास और पुनरावृत्ति। इन: सोबती, आर.सी., ढल्ला, एन.एस., वतनबे, एम., सोबती, ए. (संस्करण) स्वास्थ्य और स्वास्थ्य प्रणाली को चित्रित करना: कोविड 19 जटिलताओं में यंत्रवत अंतर्दृष्टि। सिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-16-5105-2_1. आईएसबीएन (प्रिंट) 978-981-16-5104-5; (ऑनलाइन) 978-981-16-5105-2.
- आलोक पुरकैत, अयान मुखर्जी, दीपक कुमार हाजरा, कुसल रॉय, पवित्र कुमार विश्वास और रमेन कुमार कोले (2021), पोंगामिया पिनाटा (एल) बीज के तेल की एनकैप्सुलेशन, रिलीज और कीटनाशक गतिविधि। हेलियॉन 7e06557, www.cell.com/heliyon।
- बसाक, एन., मंडल, बी., दत्ता, ए., कुंडू, एम.सी., राय, ए.के., बसाक, पी., मित्रान, टी. (2021), उपोष्णकटिबंधीय भारत के प्रमुख कृषि-पारिस्थितिक क्षेत्रों और फसल प्रणालियों के तहत मिट्टी में

अध्याय-2

कार्बनिक कार्बन का स्टॉक और स्थिरता। कृषि, पारिस्थितिकी तंत्र और पर्यावरण, 312:107317. आईएसएसएन: 0167-8809. <https://doi.org/10.1016/j.agee.2021.107317>

- दास एसके, घोष जीके, अवस्थे आरके, सिन्हा के (2021) विभिन्न बायोचार की संरचनागत विषमता: पायरोलिसिस तापमान और फीडस्टॉक्स का प्रभाव। जे एनवायरन मैनेज 278(2):111501. <https://doi.org/10.1016/j.jenvman.2020.111501>
- दास एसके, घोष जीके, अवस्थे आरके, सिन्हा के (2021) बायोचार द्वारा व्युत्पन्न फसल, खरपतवार और वृक्ष का रूपात्मक अन्वेषण | जे हैज़र्ड मेटर: 124370। <https://doi.org/10.1016/j.jhazmat.2020.124370>
- दास, एस.के., घोष, जी.के., अवस्थे, आर., चौधरी, बी.यू., मिश्रा, वी.के., कुंडू, एम.सी., रॉय, ए., मंडल, टी., लामा, ए. ढाकरे, डी.एस. (2021) मक्का-काले चने की फसल प्रणाली में माइक्रोबियल बायोमास कार्बन और मृदा एंजाइम गतिविधि पर जैविक पोषक स्रोत और बायोचार प्रौद्योगिकी। बायोमास रूपांतरण और बायोरिफाइनरी (2021).1-11 <https://doi.org/10.1007/s13399-021-01625-4> [ISSN: 2190-6815 (प्रिंट) 2190-6823 (ऑनलाइन)] (16 जून 2021 को ऑनलाइन प्रकाशित),
- दास, एस.के., घोष, जी.के., अवस्थे, आर., कुंडू, एम.सी., चौधरी, बी.यू., बरुआ, के., और लामा, ए. (2021), मक्का-काले चने की फसल प्रणाली में उपज को अधिकतम करने के लिए अभिनव बायोचार और जैविक खाद सह-खाद तकनीक। बायोमास रूपांतरण और बायोरिफाइनरी (2021), 1-13. <https://doi.org/10.1007/s13399-021-01519-5>. [आईएसएसएन: 2190-6815 (प्रिंट) 2190-6823 (ऑनलाइन)] (7 मई 2021 को ऑनलाइन प्रकाशित)
- दास, एस.के., घोष, जी.के., अवस्थे, आर., कुंडू, एम.सी., चौधरी, बी.यू., बरुआ, के., और लामा, ए. (2021), मक्का-काले चने की फसल प्रणाली में उपज को अधिकतम करने के लिए अभिनव बायोचार और जैविक खाद सह-खाद तकनीक। बायोमास रूपांतरण और बायोरिफाइनरी (2021), 1-13. <https://doi.org/10.1007/s13399-021-01519-5>. [आईएसएसएन: 2190-6815 (प्रिंट) 2190-6823 (ऑनलाइन)] (7 मई 2021 को ऑनलाइन प्रकाशित)
- डे, डी., कुंडू, एम.सी. और सेन, डी. (2022), त्रिपुरा की अम्लीय मिट्टी में चूने, जैविक, अकार्बनिक उर्वरकों और जैव उर्वरकों के एकीकृत उपयोग से प्रभावित मूंगफली की उत्पादकता। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पौध एंड सॉयल साइंस। 34(2): 1-5. आईएसएसएन: 2320-7035. डीओआई: 10.9734/आईजेपीएसएस/2022/वी34आई230830
- घोष मनोजित, विश्वास, पवित्र कुमार, महुआ बनर्जी, गणेश चंद्र मलिक, गणेश चंद्र और पॉल, सुजॉय कुमार (2021), गेहूं में/गेहूं में हर्बिसाइड Flumioxazin 50 SC का अवशिष्ट भाग्य।

पारिस्थितिकी। पर्यावरण और दोष। 27 (4) : 2021; पीपी. (1780-1783) कॉपीराइट @ ईएम इंटरनेशनल आईएसएसएन 0971-765X

- के.एस. बेउरा, जी.के. घोष, ए.के. प्रधान, ए.कोहली, एम.सिंह, एस.शाम्भवी और एस.कुमार। (2021), फॉस्फेट रॉक के साथ संशोधित खाद से फॉस्फोरस की आंशिक रिलीज कैनेटीक्स। मृदा विज्ञान और पादप विश्लेषण में संचार 1-6. आईएसएसएन: 103624. 15322416 (ऑनलाइन) <https://doi.org/10.1080/00103624.2021.1872606>
- काशीवार, एस.आर., कुंडू, एम.सी. और डोंगरवार, यू.आर. RUSLE, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस के एकीकृत उपयोग द्वारा महाराष्ट्र, भारत के भंडारा क्षेत्र का मृदा अपरदन आकलन। प्राकृतिक खतरे 110, 937-959 (2022), <https://doi.org/10.1007/s11069-021-04974-5>.
- कस्तूरिकासेन बेउरा, गौतम कुमार घोष, अमित कुमार प्रधान, अंशुमान कोहली (2021), रॉक फॉस्फेट युक्त खाद से उपचारित जलोढ़ मिट्टी में उगाए गए चावल में फास्फोरस के रूप और इसकी जैव उपलब्धता। जर्नल ऑफ़ पौध न्यूट्रिशन, 1-12, टेलर और फ्रांसिस
- शॉन कुमार दास और गौतम कु. घोष (2021) नियंत्रित पोषक तत्वों की रिहाई और मिट्टी के स्वास्थ्य और उपज पर इसके प्रभाव के लिए बायोचार आधारित धीमी गति से रिलीज एन-पी-के उर्वरक विकसित करना। बायोमास रूपांतरण और बायोरिफाइनी DOI: 10.1007/s13399-021-02069-6
- शॉन कुमार दास और गौतम क्र. घोष (2021) कम पोषक तत्वों के नुकसान के लिए बायोचार आधारित माध्यमिक और सूक्ष्म पोषक तत्व समृद्ध धीमी गति से रिलीज नैनो-उर्वरक का विकास और मूल्यांकन। बायोमास रूपांतरण और बायोरिफाइनी सिंगर
- शॉन कुमार दास, जी.के. घोष और रविकांत अवस्थे। (2021), आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी में बायोमास व्युत्पन्न बायोचार के अनुप्रयोग। पर्यावरण प्रौद्योगिकी और नवाचार 21, 1-10। आईएसएसएन: 2352-1864 <https://doi.org/10.1016/j.eti.2020.101306>
- शॉन कुमार दास, जी.के. घोष और रविकांत अवस्थे। (2021), भारी धातु हटाने और अपशिष्ट जल उपचार के लिए फसल, खरपतवार और पेड़ के बायोमास को बायोचार में बदलना। बायोमास रूपांतरण और बायोरिफाइनी 1-14। आईएसएसएन 2190-6815, ई-आईएसएसएन 2190-6823 <https://doi.org/10.1007/s13399-021-01334-y2>
- शॉन कुमार दास, गौतम कु. घोष, विनय के. मिश्रा, बुरहान यू चौधरी, सुदीप के.आर. दत्ता, समरेंद्र हजारीका, एच. कलिता, अनिरुद्ध राय, उत्तम एन. सिंह, आर. गोपी, ई. लमालक्ष्मी देवी, ईरानी मुखर्जी, ए. बालूसामी, मतबर सिंह, आशीष यादव, चंदन कपूर, के. बरुआ (2021), फीडबैक ने पूर्वोत्तर भारत की अम्लीय मिट्टी में मिट्टी के जैविक संकेतकों को बदलने के लिए बायोचार संशोधन प्राप्त किए. बायोमास रूपांतरण और बायोरिफाइनी 1-12 <https://doi.org/10.1007/s13399-021-01670-z> सिंगर

अध्याय-2

- एसके दास और जीके घोष (2022), कृषि अनुप्रयोगों और नियंत्रित रिलीज उर्वरक के लिए हाइड्रोजेल-बायोचार कम्पोजिट: प्रदूषण मुक्त पर्यावरण की ओर एक कदम। ऊर्जा 242(9):122977 एल्सेवियर (डीओआई: 10.1007/s13399-022-02300-y)
- एसके दास, जीके घोष, बीयू चौधरी, एस हजारीका, वीके मिश्रा (2022), मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए मक्का-काले चने की फसल प्रणाली में उपज और पोषक तत्वों की वृद्धि के लिए मिट्टी नीति के रूप में बायोचार और जैविक पोषक पैकेज / प्रौद्योगिकी का विकास करना। बायोमास रूपांतरण और बायोरिफाइनरी, 1-13
- सुनंदना मंडल और जी के घोष (2021), पश्चिम बंगाल, भारत की लाल अम्लीय मिट्टी में नैनो-जेडएनओ और बल्क जेडएन-उर्वरक के मिट्टी और पत्तेदार अनुप्रयोग के लिए चावल (ओरिज़ा सैटिवा एल) की प्रतिक्रिया। मिस्त्री जर्नल ऑफ़ सॉयल साइंस DOI: 10.21608/ejss.2021.79007.1451
- सुनंदना मंडल और गौतम कुमार घोष (2021), भारत के पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के चयनित मृदा प्रोफाइल में मैक्रोन्यूट्रिएंट्स (एन, पी, के, एस) का गहराई से वितरण और मिट्टी के गुणों के साथ उनका संबंध। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ केमिकल स्टडीज 2021; 9(1): 2801-2809 <https://doi.org/10.22271/chemi.2021.v9.i1am.11651>
- सुप्रिया मजूमदार, माइकल ए. पॉवेल, पबित्रा कुमार विश्वास और पबित्रा बानिक (2022), विभिन्न चावल कृषि पारिस्थितिकी तंत्र में मृदा एंजाइम गतिविधि पर आर्सेनिक प्रेरित तनाव का प्रभाव। पर्यावरण प्रौद्योगिकी और नवाचार, 26 (2022) 102282. <https://doi.org/10.1016/j.eti.2022.102282> 2352-1864/© 2022 एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित
- सुप्रिया मजूमदार, पवित्रा कुमार विश्वास और पवित्राबानिक (2021), चावल के अकार्बनिक आर्सेनिक एक्सपोजर पर जल व्यवस्थाओं और संशोधनों का प्रभाव। पर्यावरण शोध और सार्वजनिक स्वास्थ्य के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 18:4643. <https://doi.org/10.3390/ijerph18094643> होमपेज: <https://www.mdpi.com/journal/ijerph>
- सुप्रवा रॉय और वाई. वासुदेव राव। मुर्गियों की तीन अलग-अलग किस्मों की रक्त कोशिकाओं और सीरम प्रोटीन का अध्ययन। कृषि विज्ञान डाइजैस्ट 2021;41:231-236.DOI:10.18805/ag.D-5169
- स्वयंभू घोष, अनूपज्योति गोस्वामी, गौतम के. घोष, और प्रभात प्रमाणिक (2021), चाय बागान की मिट्टी के पोर्टेंशियल फाइटेट सॉल्यूबिलाइजिंग बैक्टीरियल स्ट्रेन को फ्यूचरिस्टिक पोर्टेंशियल बायो-इनोकुलेंट के रूप में विशेषता। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज 10(04): 470-484 <https://doi.org/10.20546/ijcmas.2021.1004.049>

व्यक्तिगत प्रकाशन: ख) संयुक्त लेखक (उसी विभाग के)

- मेरिन राजू और वार्ड. वासुदेव राव। Tabernaemontana में कैटालेज, प्रोटीज, एंटीऑक्सिडेंट और रोगाणुरोधी गतिविधियों का अध्ययन लेटेक्स को अलग करता है। औषधीय पौधों और उप-उत्पादों के जर्नल-जेएमपीबी 2021;1:61-68। डीओआई: 10.22092/जेएमपीबी.2020.127797.1140

सहकर्म/समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्रों की संख्या: 25

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी:

- 16.11.2021-19.11-2021: एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन: भारतीय मृदा विज्ञान सोसायटी का 85वां वार्षिक सम्मेलन, मृदा विज्ञान में विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: 2021. पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन।

पाठ भवन

(प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा संस्थान)

“हमने बच्चों को एक मौका दिया है ताकि वे प्रकृति से प्यार करके प्रकृति में अपनी स्वतंत्रता पाएं।

क्योंकि प्रेम स्वतंत्रता है: यह हमें अस्तित्व की परिपूर्णता देता है...”

‘ए पोएट्स स्कूल’, रवींद्रनाथ टैगोर

पाठ भवन विश्वभारती की पूर्व-प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा का एक संस्थान है। विश्वभारती के इतिहास में इसका बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। एक सदी से भी पहले, 1901 में शांतिनिकेतन के रमणीय रिट्रीट में, गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने प्राचीन भारत के तपोवन पर आधारित अपने स्कूल, ब्रह्मचर्यश्रम की स्थापना की।

यह विद्यालय बाद में 1921 में एक विश्वविद्यालय, विश्वभारती के रूप में विकसित हुआ। यह विद्यालय शुरू से ही विश्वविद्यालय का अभिन्न अंग था और आज भी है। 1924 में इसका नाम बदलकर पाठ भवन कर दिया गया। जब 1951 में संसद के एक अधिनियम द्वारा विश्वभारती को एक केंद्रीय विश्वविद्यालय और 'राष्ट्रीय महत्व का संस्थान' बनाया गया था, तो पाठ भवन को इसके संस्थानों में से एक के रूप में शामिल किया गया था।

टैगोर अपने स्कूल में बच्चों को प्रकृति के बीच स्वतंत्रता का आनंद देना चाहते थे। आज भी पाठ भवन में पेड़ों की छांव में खुली हवा में कक्षाएं लगती हैं। किसी के संवेदनशील हृदय को प्रकृति में मौजूद सामंजस्य को महसूस करने और उसके साथ एक होने के लिए सुविधाएं हैं।

पाठ भवन अभी भी टैगोर के शिक्षा के विचार को कायम रखता है, जिसकी कल्पना उन्होंने एक व्यक्ति की पूर्णता में जोड़ने के लिए पांडित्यपूर्ण शिक्षा से परे जाकर की थी। यह अभी भी पारंपरिक संस्थानों से अलग है। पाठ भवन के गतिविधियों को बच्चों को नवाचार और रचनात्मकता के मूल्यों को सीखने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। छात्रों को नियमित विषयों के साथ प्रकृति अध्ययन, संगीत, नृत्य, पेंटिंग, क्ले मॉडलिंग, हस्तशिल्प और अन्य रचनात्मक कार्यों से अवगत कराया जाता है। प्रत्येक विद्यार्थी को खेलकूद में भाग लेना चाहिए। इन सभी को सीखने की प्रक्रिया में समान महत्व दिया जाता है।

प्रत्येक बुधवार को उपासना गृह में साप्ताहिक प्रार्थना सभाओं में भाग लेना और आश्रम सम्मिलानी की गतिविधियों और विश्वविद्यालय के त्योहारों में भाग लेना पाठ-भवन के छात्र होने के जीवन के अंग हैं।

आश्रम सम्मिलानी जिसे टैगोर द्वारा निर्मित एक अवधारणा है जिसे छात्रों में स्व- अनुशासन को विकसित करने के लिए अभ्यास किया जाता है। इसके कई शाखायें हैं, अर्थात्, साहित्य विभाग (साहित्यिक शाखा), सेवा विभाग (समाज सेवा), परिवेश विभाग (पर्यावरण), स्वास्थ्य विभाग (स्वास्थ्य), क्रीड़ा विभाग (खेल और क्रीड़ा), अहर्ज्य विभाग (खाद्य और रिफेक्ट्री) और सखा संघ (सांस्कृतिक शाखा), आत्म-अनुशासन और आत्मनिर्भरता के पाठों के अलावा, आश्रम सम्मिलानी की गतिविधियाँ बच्चों के समग्र विकास में योगदान करती हैं।

एक सदी के बाद भी, पाठ भवन पूर्णता के लिए टैगोर की शिक्षा के दृष्टिकोण को कायम रखता है और उसका अभ्यास करता है। अपनी दृष्टि योजना के एक भाग के रूप में, पाठ भवन शिक्षा की एक वैकल्पिक पद्धति को बनाए रखने के लिए तत्पर है, जहां सूचना के नीरस पुनरावृत्ति और संग्रह की जगह रचनात्मक गतिविधियों, गहन शोध "करके सीखने के माध्यम" और अनुभव के माध्यम से बच्चे में ज्ञान का सृजन के साथ-साथ उनका पूर्ण और समग्र विकास सुनिश्चित किया जाता है। आनंद, स्वतंत्रता और सहयोग इसके मूल सिद्धांत हैं।

पाठ भवन प्राथमिक रूप से एक आवासीय विद्यालय है, हालांकि एक अनावासी छात्र के रूप में अध्ययन करने की सुविधा है। यह किंडरगार्टन से बारहवीं कक्षा तक शिक्षा प्रदान करता है। 1954 में स्थापित और टैगोर की पत्नी मृणालिनी देवी के नाम पर पाठ भवन की बालवाड़ी इकाई मृणालिनी आनंद पाठशाला में एक बच्चे को 4+ वर्ष की आयु में भर्ती कराया जाता है। छात्र क्रमशः दसवीं और बारहवीं कक्षा पूरी करने के बाद स्कूल प्रमाणपत्र परीक्षा और पूर्व-डिग्री परीक्षा में उपस्थित होते हैं। वर्तमान में पाठ भवन के विद्यार्थियों की कुल संख्या 1156 है, जिनमें 352 आवासीय तथा 804 अनावासी छात्र हैं।

विभागीय संगोष्ठी:

- 02.10.2021: पाठ भवन के कुछ छात्रों ने स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए गीतों, कविताओं और निबंधों के साथ एक वीडियो बनाया।
- 02.10.2021: गांधी जयंती के उपलक्ष्य में इतिहास विभाग, पाठ भवन के छात्रों द्वारा "इतिहास मेला" का आयोजन किया गया।
- 02.10.2021: पाठ भवन के कुछ छात्रों द्वारा गांधी और टैगोर पर "जागरण" नामक एक नाटक वस्तुतः बनाया गया।
- 26.11.2021: पाठ भवन के कुछ छात्रों ने विश्वभारती के सिंघा सदन में आयोजित वार्षिक विज्ञान प्रदर्शनी में अपने नवाचारों का प्रदर्शन किया।
- 26.11.2021: पाठ भवन के कुछ छात्रों द्वारा कालानुक्रमिक क्रम में भारतीय इतिहास का एक दृश्य प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया।

अध्याय-2

विस्तार गतिविधियाँ / एनएसएस / विभाग द्वारा आयोजित सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ और विभाग के शिक्षकों और छात्रों की भागीदारी:

- 21.06.2022: पाठ भवन के कुछ विद्यार्थियों ने अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित कार्यक्रम "किड्स फंड्स एंड फिटनेस" में वर्चुअल रूप से भाग लिया।
- उपयुक्त आयु वर्ग के 214 छात्रों को दो चरणों में कोविड-19 टीका लगाया गया।

अप्रैल 2021 से मार्च 2022 तक आश्रम सम्मिलनी, छात्र स्वशासन की गतिविधियाँ

कोविड-19 स्थिति के कारण पाठ भवन परिसर में छात्रों की अनुपस्थिति और ऑनलाइन शिक्षण-शिक्षण कार्यक्रम के कारण, अप्रैल 2021 से दिसंबर 2021 तक 'आश्रम सम्मेलन' की सभी गतिविधियाँ ऑनलाइन आयोजित की गईं।

- इस दौरान 'साहित्य विभाग' ने जूम क्लाउड मीटिंग एप के जरिए दो साहित्यिक मीट का आयोजन किया गया।
- 'साहित्य विभाग' और 'सूखा संघ' ने मानसून की कविताओं और गीतों पर एक कार्यक्रम आयोजित किया।
- निवर्तमान कक्षा 12वीं के लिए विदाई कार्यक्रम का आयोजन ऑनलाइन किया गया।
- 'परिवेश विभाग' और 'शस्य आवास' ने एक ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस वर्ष 2022 की शुरुआत से ही महामारी की स्थिति के कारण, आश्रम सम्मिलनी की गतिविधियाँ जहाँ जूम क्लाउड मीटिंग एप्लिकेशन के माध्यम से ऑनलाइन मोड में आयोजित की गईं। ऑफलाइन मोड में कक्षाएं फिर से शुरू होने के बाद आश्रम सम्मिलनी ने भी उसी के अनुसार काम करना शुरू कर दिया।

1. 29.01.2022: आश्रम सम्मेलन के परिवेश विभाग ने "पर्यावरण पर COVID-19 का प्रभाव" विषय पर एक ऑनलाइन चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया।
2. 26.02.2022: आश्रम सम्मिलनी के सूखा संघ ने वसंत ऋतु का जश्न मनाने के लिए "बसंतर कोबिता पथ ओ गणेर अशोर" नाम से एक ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया।
3. आश्रम सम्मिलनी के साहित्य विभाग ने 15 फरवरी से नियमित रूप से ऑनलाइन मोड में साहित्य सभा का आयोजन किया।
4. सूखा संघ ने विभिन्न कक्षाओं के हमारे छात्रों के चित्र और चित्रों को प्रदर्शित करने वाले वीडियो भी तैयार किए। इनके अलावा, सूखा संघ ने हमारे छात्रों के साथ ऑडियो कहानियां तैयार करने के लिए भी सहयोग किया, जो एक महीने में वैकल्पिक रूप से बुधवार को पोस्ट की जाती थीं।
5. क्रिया विभाग ने 1 मार्च को विभिन्न आसनों और हमारे दैनिक जीवन में उनके महत्व को प्रदर्शित करते हुए एक ऑनलाइन योग कार्यशाला का आयोजन किया। इनके अलावा क्रिया विभाग ने आसन और

अभ्यास का प्रदर्शन करने वाले वीडियो भी तैयार किए जो एक महीने में वैकल्पिक रूप से रविवार को पोस्ट किए जाते थे।

6. 5 मार्च 2022 को स्वास्थ्य विभाग और आहार्य विभाग ने संयुक्त रूप से "वर्तमान स्थिति में अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन" पर एक वेबिनार का आयोजन किया।
7. 22 मार्च 2022 को अंतर्राष्ट्रीय जल दिवस मनाने के लिए परिवेश विभाग और आहार्य विभाग ने संयुक्त रूप से एक वेबिनार का आयोजन किया
8. इनके अलावा पाठ भवन के छात्रों ने विश्वविद्यालय के विभिन्न समारोहों और उत्सवों में भाग लिया, जैसे 10 मार्च 2022 को गांधी पुण्याह।

शिक्षा-सत्र

विस्तार गतिविधियाँ / एनएसएस / विभाग द्वारा आयोजित सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ और विभाग के शिक्षकों और छात्रों की भागीदारी:

शिक्षा सत्र की एनएसएस इकाई ने पूरे शैक्षणिक सत्र के दौरान विभिन्न गतिविधियों का प्रदर्शन किया। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि 2021 एक महामारी वर्ष होने के कारण वर्ष के अधिकांश भाग के दौरान सभी गतिविधियों को ऑनलाइन किया गया था।

21 मई, 2021: एनएसएस, शिक्षा-सत्र के स्वप्निल मंडल, गौरी मंडल और प्रमित नारायण मैत्रा ने यूनिसेफ द्वारा आयोजित 'यंग वारियर पर ऑनलाइन प्रशिक्षण सह बैठक' में भाग लिया।

12 जनवरी, 2022: राष्ट्रीय युवा दिवस, शिक्षा-सत्र एनएसएस इकाई के कई छात्रों ने निबंध लेखन और पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता में भाग लिया।

26 जनवरी, 2022: शिक्षा-सत्र एनएसएस इकाई ने परेड मार्च किया और उनके प्रदर्शन की कुलपति प्रो विद्युत चक्रवर्ती और पीएसएनएस के निदेशक, प्रो एन सी मंडल ने सराहना की।

10 मार्च, 2022: एनएसएस इकाई, शिक्षा-सत्र ने गांधी पूण्यह को बड़ी ईमानदारी के साथ मनाया और कैंपस सफाई कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

कोई अन्य प्रासंगिक सूचना :

शिक्षा-सत्र श्रीनिकेतन, बीरभूम, पश्चिम बंगाल में स्थित विश्व-भारती में एक उच्च माध्यमिक विद्यालय है। 'पोएट्स स्कूल' की स्थापना 1924 में प्राथमिक उद्देश्य के साथ की गई थी ताकि किसी के अंग और दिमाग को न केवल सभी आपात स्थितियों के लिए तैयार किया जा सके, बल्कि जीवन और दुनिया के बीच समंजस्यता स्थापित करने में सक्षम हो।

कवि स्वीकार करते हैं, '... शांतिनिकेतन में जो दूसरे विद्यालय एवं महाविद्यालय हैं, उनकी तुलना में उन्होंने शिक्षा-सत्र की शैक्षिक सम्भावनाओं को अधिक महत्व दिया है। उनका मानना है कि यह विद्यालय एवं महाविद्यालय भी देश भर के दूसरे शिक्षा संस्थानों जैसे होते जा रहे हैं, जहाँ बच्चों के मस्तिष्क को पिजड़े में बंद चिड़िया के सामान समझा जाता है, जिनका मूल्यांकन किसी शैक्षिक व्यवस्था द्वारा नियत पाठ के यांत्रिक दोहराव के आधार पर किया जाता है। यह शिक्षा-व्यवस्था, विदेशी शिक्षा व्यवस्था का अनुकरण करती प्रतीत हो रही है।' वे कल्पना करते हैं कि 'कवि का विद्यालय' एक दिन अपने सपनों को साकार करेगा।

महात्मा गांधी 1925 में शिक्षा-सत्र का दौरा करने आए और इसकी गतिविधियों से इतने प्रसन्न हुए कि वे अपनी बुनियादी शिक्षा की योजना को आकार देने के लिए शिक्षा-सत्र के प्रधानाध्यापक की सेवाएं

लेना चाहते थे। महात्मा गांधी की बुनियादी शिक्षा 1937 में शुरू हुई थी। शिक्षा-सत्र के छात्रों की गतिविधियों और रवींद्रनाथ के आदर्शों ने गांधी को बुनियादी शिक्षा के संदर्भ में सोचने के लिए प्रेरित किया।

विश्व-भारती, शांतिनिकेतन के अन्य संस्थानों के समानांतर शिक्षा-सत्र आज एक गैर-आवासीय संस्थान के रूप में कार्य करता है, जो अध्ययन के कई विषयों की पेशकश करता है जो उद्देश्य, पाठ्यक्रम, शिक्षाशास्त्र और कार्यप्रणाली के संबंध में अद्वितीय प्रकृति के हैं। शिक्षा-सत्र के छात्र दसवीं कक्षा के बाद स्कूल प्रमाणपत्र परीक्षा और विश्व-भारती द्वारा आयोजित बारहवीं कक्षा के बाद पूर्व-डिग्री परीक्षा में शामिल होते हैं। औपचारिक शिक्षा के अलावा, शिक्षा-सत्र में छात्र बुनाई, लकड़ी का काम, कृषि, कलात्मक हस्तशिल्प, पेंटिंग, नृत्य, मॉडलिंग और संगीत भी सीखते हैं। स्कूल में विभिन्न पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों का अनावृत्ति (एक्सपोजर) छात्रों के बीच पूर्ण शिक्षा की अवधारणा को पोषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कृषि-आर्थिक शोध केंद्र

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि:

एईआरसी, शांतिनिकेतन के कर्मचारियों की भागीदारी और उनके द्वारा पत्रों की प्रस्तुति

- 8.10.2021-9.10.2021: एडीआरटीसी, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, बेंगलुरु में " वर्ष 2021-22 हेतु एमओए एंड एफडब्ल्यू कमीशन अध्ययन कार्यप्रणाली कार्यशाला" में भाग लिया। (ऋषव मुखर्जी और सप्तर्षि चक्रवर्ती, रिसर्च एसोसिएट्स)
- 25.12.2021-27.12.2021: अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन और नीति विश्लेषण, भोपाल द्वारा आयोजित भारतीय आर्थिक संघ के 104वें वार्षिक सम्मेलन में " आदिवासी जिलों के विशेष संदर्भ में मध्य प्रदेश के जिलों की वित्तीय समावेशन की स्थिति " पर एक पेपर प्रस्तुत किया। (श्रीजीत रॉय)
- 28.3.2022-30.3.2022: कृषि इंजीनियरिंग विभाग, पल्लीशिक्षा भवन, विश्वभारती, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "आपदा जोखिम न्यूनीकरण और कृषि और खाद्य सुरक्षा में प्रबंधन" पर एक ऑनलाइन प्रशिक्षण में भाग लिया। (श्रीदेव अदक, रिसर्च फेलो और सप्तर्षि चक्रवर्ती, रिसर्च एसोसिएट)

विभाग में चल रही शोध परियोजनाएं:

कृषि-आर्थिक केंद्र, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन के तहत एमओए एंड एफडब्ल्यू द्वारा वित्त पोषित परियोजनाएं। परियोजना लागत एईआरसी के लिए कुल स्वीकृत निधि के अंतर्गत आती है। कुल स्वीकृत निधि केवल 210.00 लाख रुपये है।

परियोजनाओं के नाम इस प्रकार हैं:

- (क) किसान आत्महत्या: पश्चिम बंगाल में कारण और नीति निर्धारण (टीम लीडर: श्रीदेव अदक, शोध दल: डॉ. प्रह्लाद रॉय, सप्तर्षि चक्रवर्ती)
- (ख) पश्चिम बंगाल में भूमि स्वामित्व और कृषि उत्पादकता (टीम लीडर: ऋषव मुखर्जी, शोध दल: डॉ. प्रोहलाद रॉय, मेहदी हसन, श्रीदेव अदक, सप्तर्षि चक्रवर्ती)
- (ग) भारत के चयनित राज्यों (पश्चिम बंगाल) में दूध उत्पादन की लागत और दुग्ध उत्पादकों को सकल वापसी (टीम लीडर: सप्तर्षि चक्रवर्ती, रिसर्च टीम: डॉ. प्रह्लाद रॉय, श्रीदेव अदक, मेहदी हसन)
- (घ) पश्चिम बंगाल में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के तहत धान की खरीद के लिए विकेंद्रीकृत खरीद योजना (टीम लीडर: मेहदी हसन, रिसर्च टीम: स्टेट्स ऑफ इंडिया (पश्चिम बंगाल) (टीम लीडर: सप्तर्षि चक्रवर्ती, रिसर्च टीम: डॉ. प्रह्लाद रॉय, रिशव) मुखर्जी, श्रीदेव अदक, सप्तर्षि चक्रवर्ती)

- (ड) पश्चिम बंगाल में विभिन्न खाद्य तेलों का उपभोग पैटर्न (टीम लीडर: श्रीजीत रॉय और कुणाल साहा, शोध दल: डॉ. प्रह्लाद रॉय, ऋषव मुखर्जी, श्रीदेव अदक, सप्तर्षि चक्रवर्ती, मेहदी हसन)
- (च) नीति आयोग के लिए कृषि प्रदर्शन संकेतक (शोध दल: डी.मजूमदार, ऋषव मुखर्जी और मेहदी हसन)

प्रकाशन:

पुस्तक अध्याय

- घोष, एस. & रॉय, एस. (2022). "क्लाइमेट चेंज, इकोलोजिकल स्ट्रेस एंड लाइवलीहुड चावइसेज इन इंडियन सुंदरबन", इन ए. के. एनामुल हक, पी. मुखोपाध्याय, एम् नेपाल & एम्. आर. शमीम (ईडीएस), क्लाइमेट चेंज एंड कम्युनिटी रेसिलिएन्स, सिंगर सिंगापुर, 399-413 (आई एस बी एन) - 978-981-16-0682-3) https://doi.org/10.1007/978-981-16-0680-9_26

शोध पत्र:

- रॉय. बी. सी; मण्डल, बी; मजूमदार, डी; विश्वास, आर. के. एंड रॉय अर्नब (2021): "असेसमेंट ऑफ़ लाइवस्टॉक फीड एंड फोडर इन द स्टेट ऑफ़ वेस्ट बंगाल", एग्रीकल्चरल सिचुएशन इन इंडिया, गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया, जून 2021, LXXVIII (03), 36-40 (आई एस एस एन: 0002-1679)

पीयर रिव्यूड पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्रों की संख्या: 1

विकास हेतु भविष्य की योजनाओं से संबंधित संकेत के साथ साथ भवन / सदन / विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास:

भारत में आजीविका का मुख्य स्रोत होने के कारण कृषि क्षेत्र को कई योजनाओं और कार्यक्रमों के साथ देश में आर्थिक नियोजन और विकास में उच्च प्राथमिकता दी गई। इन योजनाओं और कार्यक्रमों के सफल कार्यान्वयन के लिए, यह महसूस किया गया कि जमीनी स्तर से उचित प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए कृषि और संबद्ध क्षेत्र से संबंधित क्षेत्र विशिष्ट समस्याओं का अध्ययन करने की आवश्यकता है।

विश्वविद्यालय की लंबी परंपरा के अनुरूप विश्वभारती में पूर्वी भारत के लिए रवींद्रनाथ टैगोर के ग्रामीण पुनर्निर्माण कार्यक्रम के इर्द-गिर्द केंद्रित श्रीनिकेतन में कृषि अर्थशास्त्र में कृषि-आर्थिक शोध केंद्र की स्थापना 1954 में की गई। शुरुआती तौर पर इन केन्द्रों में जो क्रियाएं होती थी उनमें मुख्य रूप से लगातार ग्राम सर्वेक्षण, अध्ययन, कृषि अर्थव्यवस्था एवं ग्रामीण विकास की मूल समस्याओं की जांच पड़ताल समाहित है तथा केंद्रीय एवं राज्य सरकार द्वारा संदर्भित मुद्दों पर तकनीकी सलाह देना भी इसका कार्य है। बढ़ते समय के साथ एवं बहुसंख्यक ग्रामों के सर्वेक्षण एवं पुनः सर्वेक्षण के पश्चात् केंद्रों ने आखिरकार नीति उन्मुख अध्ययन को छोड़कर समस्या उन्मुख अध्ययन पर जोर दिया। वर्तमान में केंद्र के परिचालन का क्षेत्र पश्चिम बंगाल, सिक्किम तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तक सीमित है।

अध्याय-2

यह केंद्र मई, 1990 में स्थायी हो गया और अप्रैल 1995 से विश्व-भारती के साथ एकीकृत हो गया और हाल ही में विश्वभारती के परिदर्शक (भारत के माननीय राष्ट्रपति) के द्वारा कानूनी संशोधन के पश्चात् इसे विशेष केंद्र के रूप में माना जा रहा है। आरम्भ से ही यह केंद्र विश्व-भारती के अंतर्गत कामकाज कर रहा है, इसके कार्य विश्वविद्यालय द्वारा देखे और प्रशासित किये जाते हैं। यह केंद्र कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के वार्षिक सहायता अनुदान द्वारा प्रायोजित है।

2021-22 तक इस केंद्र ने 192 से अधिक अध्ययन किये हैं जिनमें व्यापक विषयों के रूप में कृषि प्रगति एवं विकास, जिनमें और बातों के अलावा निवेश, राज-सहायता, आजीविका क्रेडिट, विपणन, खेत निवेश, सहयोगिता, खाद्य अर्थशास्त्र, मछली पालन, कृषि ग्रामीण उद्योग आदि समाहित।

कोई अन्य प्रासंगिक सूचना :

- केंद्र ने पश्चिम बंगाल राज्य के लिए कृषि प्रदर्शन संकेतकों पर नीति आयोग (राष्ट्रीय स्तर पर एडीआरटीसी-आईएसडसी, बेंगलोर द्वारा समन्वित) को त्रैमासिक रिपोर्ट प्रस्तुत की
- "पश्चिम बंगाल में ग्राम सर्वेक्षण अध्ययन (बीरभूम जिले के सहाजपुर गांव)" अध्ययन संख्या -192; कृषि-आर्थिक शोध केंद्र (पश्चिम बंगाल, सिक्किम और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह राज्यों के लिए) विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल; पीपी-xvi+173 (समूह नेता : प्रो. बी.सी. रॉय और डी. मजूमदार; शोध दल: सप्तर्षि चक्रवर्ती, ऋषव मुखर्जी, श्रीदेव अदक और मेहदी हसन) नामक परियोजना कार्य एईआरसी द्वारा समन्वित एवं बाद में संचालित किया गया

राजभाषा प्रकोष्ठ

विश्वभारती में भारत सरकार की राजभाषा नीति को लागू करने के लिए मार्च 1993 में राजभाषा प्रकोष्ठ की स्थापना की गई।

राजभाषा प्रकोष्ठ के दो बोर्ड कार्यक्रम हैं, यथा

1. कार्यान्वयन कार्यक्रम
2. प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. कार्यान्वयन कार्यक्रम

यह प्रकोष्ठ का प्रशासनिक अंग है। भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी राजभाषा (राजभाषा) नीति के कार्यान्वयन से संबंधित नियम और विनियम अमल किये जाते हैं जैसा कि क्षेत्र "सी" के लिए निर्धारित हैं जिसके अंतर्गत विश्व-भारती शामिल है। यह प्रकोष्ठ अनुवाद के मामलों में अन्य विभागों को भी सहायता प्रदान करता है।

2. प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारत सरकार की कार्यान्वयन नीति का पहला कार्यक्रम ग्रेड सी से सभी गैर हिंदी भाषी कर्मचारियों को हिंदी में अनिवार्य प्रशिक्षण देने की है ताकि उनके पास हिंदी का कार्य ज्ञान हो। विश्व-भारती जुलाई 1994 से इस कार्यक्रम में भाग ले रहा है। विश्व-भारती के परिसर में राजभाषा हिंदी में प्रशिक्षण के लिए एक पूर्णकालिक केंद्र है। जुलाई से दिसंबर, 2001 तक विश्व-भारती ने बोलपुर में स्थित अन्य केंद्रीय सरकारी संगठनों के कर्मचारियों को भी हिंदी के प्रशिक्षण में शामिल किया ताकि उनके पास हिंदी में काम करने का ज्ञान हो। यह 2002 से 2005 तक गैर-कार्यात्मक था। इसने 2006 से फिर से काम करना शुरू किया।

गतिविधियां:

- i. भारत सरकार की हिंदी शिक्षण योजना के निर्धारित पाठ्यक्रम (प्रज्ञा) को 08 कर्मचारी-सदस्यों ने पूर्ण कर लिया है जिस प्रशिक्षण कार्यक्रम को विश्वभारती, शांतिनिकेतन केन्द्र में वर्ष 2021-22 के दौरान संचालित किया गया
- ii. राजभाषा प्रकोष्ठ ने दिनांक 31.12.2021 को कुलपति कार्यालय सम्मेलन कक्ष, विश्वभारती में टीओएलआईसी बैठक का आयोजन किया। बैठक की अध्यक्षता हिंदी विभाग की प्रो. शकुंतला मिश्रा ने की।

रवीन्द्र-भवन (टैगोर अध्ययन और शोध संस्थान)

रबीन्द्रनाथ टैगोरकी मृत्यु के तुरंत पश्चात् उनके मार्गदर्शन और संरक्षण के अनुसार उत्तरायण परिसर में उदायन भवन के भीतर रवीन्द्र-भवन के कार्य की आरंभ 1 जुलाई, 1942 किया गया था। उन्होंने उत्तरायण परिसर, शांतिनिकेतन में एक टैगोर शोध केंद्र और संग्रहालय के निर्माण और विकास के लिए अपने पिता की पूरी सम्पत्ति यहां तक कि किताबें, पांडुलिपियां, कई सारे चित्र और यादगार चीजों को भी दान कर दिया। जल्द ही एक अलग भवन की आवश्यकता महसूस की गई और 1961 में टैगोर के जन्म शताब्दी वर्ष में पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा विचित्रा भवन (रवीन्द्र-भवन) का उद्घाटन किया गया। धीरे-धीरे रवीन्द्र-भवन रवीन्द्रनाथ की पांडुलिपियों, तस्वीरों, चित्रों और व्यक्तिगत सामानों का सबसे बड़ा भंडार बन गया है और भारत और विदेशों से आगंतुकों और टैगोर पर शोध कर रहे शोधार्थियों को अपनी ओर आकर्षित करने लगा। यहाँ एक संग्रहालय, पुस्तकालय, फोटो संग्रहालय और रिप्रोग्राफिक इकाई हैं जो पूरे वर्ष टैगोर पर अनुसन्धान कर रहे शोधकर्ताओं और विद्वानों की जरूरतों को पूरा करता है। संग्रहालय के साथ उसकी दीर्घाओं और कलाकृतियों को देखकर टैगोर और उनके शानदार परिवार के जीवन और कार्यों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी हासिल की जा सकती है। अतः उत्तरायण परिसर के अंदर की दीर्घाएँ और टैगोर के पाँच आवासीय घर दुनिया भर के आगंतुकों के लिए आकर्षण का केंद्र बिंदु रहे हैं। संरक्षण इकाई की स्थापना टैगोर पांडुलिपियों, दुर्लभ पुस्तकों, पत्रिकाओं और चित्रों के पुनर्स्थापन और संरक्षित करने के लिए की गई है। महर्षि देवेन्द्रनाथ टैगोर द्वारा 1863 में निर्मित शांतिनिकेतन गृह शांतिनिकेतन की सबसे पुरानी इमारत है और इसे 2008 में रवीन्द्र-भवन और विश्व-भारती द्वारा संग्रहालय में बदल दिया गया था। लिपिका पांडुलिपि में प्राचीन और मध्ययुगीन काल की पांडुलिपियों का एक समृद्ध संग्रह है, जो रवीन्द्र-भवन प्रशासन के अधिकार क्षेत्र में आता है। कोविड-19 महामारी के प्रकोप के कारण संस्था 18 मार्च से सितंबर 2021 के मध्य तक बंद रही। नवंबर 2021 में संग्रहालय एवं पुस्तकालय में कोविड निर्देशों को मानते हुए शोधार्थी सेवा फिर से शुरू की गई। हाल ही में रवीन्द्र-भवन संग्रहालय अपनी दीर्घाओं के साथ 16 अप्रैल 2022 से आगंतुकों के लिए फिर से खोल दिया गया है, हालांकि यह वर्तमान वार्षिक रिपोर्ट के दायरे में नहीं आता है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में विभिन्न इकाइयों द्वारा किए गए कार्यों का विवरण नीचे दिया गया है:

अभिलेखागार

रवीन्द्र-भवन पुरालेख टैगोर की मूल पाण्डुलिपियों, पत्राचारों और दुनिया भर के टैगोर पारखियों द्वारा उपहार स्वरूप दी गई चित्रों का सबसे बड़ा कोष माना जाता है। पुरालेख टैगोर शोध से संबंधित गतिविधियों का केंद्र बिंदु है। पिछले अप्रैल से अगस्त 2021 तक विद्वानों के प्रवेश पर महामारी प्रतिबंध के कारण देश और विदेश के विभिन्न हिस्सों के कुल 112 शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं और विभागीय शोधकर्ताओं ने इस वित्तीय वर्ष (2021-22) के दौरान अभिलेखागार का दौरा किया। वर्तमान में यह इकाई शिक्षाविदों और विद्वानों को प्रदर्शनियों और शोध उद्देश्य के लिए डिजिटल चित्र (डीवीडी, जेपीईजी और टीआईएफएफ छवि) प्रदान करके उनकी सेवा कर रही है। मूल दस्तावेजों को रवीन्द्र-भवन में पर्यावरण नियंत्रित स्ट्रांग रूम में संरक्षित किया जा रहा है।

पुरालेख को शोधार्थियों के लिए अधिक अनुकूल बनाने के लिए जुलाई 2018 में प्रत्येक शोधार्थी के लिए स्मार्ट कार्ड शुरू किया गया था। प्रत्येक विद्वान के लिए अलग-अलग फाइल तैयार की गई है; दस (10) कंप्यूटर टर्मिनल को एन-कंप्यूटिंग यंत्र के माध्यम से जोड़ा गया है, ऑडियो-विजुअल इकाई में संरक्षित डिजिटल तस्वीरों को अभिलेखीय सेवा के हिस्से के रूप में विद्वानों को दिखाया गया है। आधिकारिक स्कैनर के माध्यम से अभिलेखीय सामग्री और पुस्तकालय पुस्तकों (लिपिका आदि) की अतिरिक्त फोटोकॉपी (जेरोक्स) स्कैन की जा रही हैं।

यद्यपि महामारी के कारण पुरालेख में विद्वानों की उपस्थिति कम हो गई है, रवीन्द्र-भवन अभिलेखागार अन्य महत्वपूर्ण कार्यों में लगा हुआ है जिन्हें नीचे सूचीबद्ध किया गया है।

प्रदत्त सेवा

क्रम संख्या	विवरण	गतिविधि/टिप्पणियां
01	स्मार्ट कार्ड का पंजीकरण	60
02	अस्थायी पंजीकरण	25
03	पुरालेख में विद्वानों की संख्या	112
04	विद्वानों/शोधकर्ताओं/उपयोगकर्ताओं को अलग-अलग समय पर प्रदान की गई मोबाइल/ई-मेल जानकारी।	75 अवसर/ बार
05	साफ की गई पाण्डुलिपियों की संख्या	100
06	आधिकारिक उद्देश्य / उपयोगकर्ताओं को दिए गए प्रिंट-आउट।	2000
07	फ़ोटो और पेंटिंग पर विद्वानों की सेवा	10

अध्याय-2

क्रम संख्या	विवरण	गतिविधि/टिप्पणियां
08	स्ट्रांग रूम की निगरानी/रिकॉर्डिंग और सापेक्ष आर्द्रता और तापमान की निगरानी।	प्रत्येक कार्य दिवस पर कम से कम 02 बार
09	अभिलेखीय सामग्री की प्रतिलिपि फ़ाइल का स्कैन	200 फ़ाइलें
10	संग्रह में दिखाये गये डिजिटल तस्वीरें	12
11	पुस्तकालय और लिपिका सामग्री का स्कैन	10
12.	मांग पर दिया गया प्रिंट आउट	500
13.	प्रत्येक आधिकारिक कार्यों की डुकाई का रखरखाव	
14.	स्ट्रांग रूम में अभिलेखीय सामग्री का रखरखाव	
15.	अधिग्रहण रजिस्टर की रिकॉर्डिंग	
16.	अभिलेखागार ई-मेल के माध्यम से डिजिटल चित्रों का स्थानांतरण	

पुस्तकालय

• दस्तावेजों का अधिग्रहण:

संख्या	वस्तुओं का नाम	पुस्तक	पांडुलिपियां पत्रिकाएं	अन्य (पत्रिका को छोड़कर) पर्चे
वर्ष के प्रारम्भ मे (01.04.2021)		आरबी 48814	14041	2714
वर्ष के अंत में	खरीद	शून्य	36	शून्य
	उपहार	यूजी 3152- यूजी 3622= 471	61	29
साल की समाप्ति (31.03.2022)		RB48814	14137	2742

• वर्ष 2021-22 के अनुसार पुस्तकालय में पुस्तकों और पत्रिकाओं की संख्या:

क्रम संख्या	Item	2021-22	
		पुस्तकें	पत्रिकाएं
1	भाषा		
2	मानविकी और सामाजिक विज्ञान		

3	विज्ञान		
4	गृह विज्ञान		
5	कंप्यूटर विज्ञान		
6	वाणिज्य और प्रबंधन		
7	शिक्षा		
8	अभियांत्रिकी प्रौद्योगिकी		
9	चिकित्सीय विज्ञान		
10	कृषि विज्ञान		
11	पशु चिकित्सा विज्ञान		
12	कानून		
13	अन्य (कृपया निर्दिष्ट करें) रवींद्र साहित्य और संदर्भ पुस्तकें	471	97
कुल		471	97

- भाषा के अनुसार वर्ष 2021-22 में प्राप्त पुस्तकों और पत्रिकाओं की संख्या:

क्रम संख्या	भाषा	2021-22	
		पुस्तकें	पत्रिकाएं
1	अंग्रेज़ी	145	30
2	हिन्दी		
3	क्षत्रीय / बंगाली	323	67
4	अन्य	03	
कुल		471	97

- 2021-22 के दौरान पत्रिका की स्थिति:

वर्ष के दौरान सदस्यता ली गई पत्रिकाओं के वर्तमान शीर्षक (कृपया सूची को एक अलग शीट में संलग्न करें)	उपहार के रूप में प्राप्त पत्रिकाओं का शीर्षक
अनुलग्नक I	अनुलग्नक II

अध्याय-2

निधि और उसका उपयोग:

- 2021-22 के दौरान बजट शीर्षवार आवंटन और व्यय:

बजट शीर्ष	स्वीकृत राशि (रु.)	पुस्तकों के लिए		पत्रिकाओं के लिए		फर्नीचर के लिए खर्च की गई राशि* रु.
		खरीदी गई पुस्तकों की संख्या	राशि (रु.)	सदस्यता ली गई पत्रिका शीर्षकों की संख्या	राशि (रु.)	
वार्षिक अनुदान (पूँजी)						
राजस्व बजट	45,000/-					44,713/-
अन्य, (कृपया निर्दिष्ट करें)						
केन्द्रीय पुस्तकालय से फर्नीचर, कंप्यूटर आदि प्राप्त करने/खरीदने के मामले में, कृपया केवल आइटम, संख्या, प्राप्त होने की तारीख का उल्लेख करें।				18.04.22 को एक इंटेल कोर आई3 कंप्यूटर पूर्ण सेट प्राप्त किया		

- पुस्तकालय संग्रह की सूची प्रसंस्करण की स्थिति:

पुस्तकालय संग्रह	वर्ष 2021-22 के दौरान सूचीबद्ध संस्करण		वर्ष 2021-22 के दौरान सूचीबद्ध लंबित संस्करण	
	नियमावली	मशीन	नियमावली	मशीन
पुस्तकें		1269		547
पत्रिकाएं				

वर्ष 2021-22 के दौरान पुस्तकालय का उपयोग:

- पुस्तकालय के नियमित सदस्य और पुस्तकालय के उपयोग का स्वरूप (केवल आंकड़ों में)

उपयोगकर्ता प्रकृति	शिक्षक	शोधार्थी	छात्र	कर्मचारी	वी.बी. सदस्यों सहित अन्य	कुल योग
कुल पंजीकृत सदस्य →	65	345	35	13	24	482

- वर्ष 2021-22 के दौरान उपयोगकर्ताओं को प्रदान की जाने वाली सेवाएं (स्पष्ट रूप से):

सेवाएं	शिक्षक	शोधार्थी	छात्र	कर्मचारी	वी.बी. सदस्यों सहित अन्य	कुल योग
Reference Services	1351	435	352	369	12	2519

- विशिष्ट आगंतुक / उपयोगकर्ता (गैर-सदस्य, केवल आंकड़ों में)

अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय / अन्य राज्य	पश्चिम बंगाल	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम प्रतिभागी	अस्थायी उपयोगकर्ता (छात्र)	अस्थायी उपयोगकर्ता (विद्वान)	अन्य कोई
01	01			12	08	-

प्रकाशन और संगोष्ठियों/सम्मेलनों, कार्यशालाओं में पुस्तकालय कर्मचारियों की भागीदारी:

साबाहत नौशीन

- अहमद, शकील, एच.डी.ए. और एन.एस. (2021). मैपिंग आउटलाइन ऑफ़ द सडिंटिफिक लिटरेचर ऑन इन्फोडेमिक रिसर्च (2004-2020). आरबीयू जर्नल, ऑफ़ लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइंस 23, 80-91.
 - नौशीन, डी.एस. (2021). इनोवेटिव लाइब्रेरी सर्विसेज ऑफ़ विश्व-भारती लाइब्रेरी नेटवर्क फॉर ऑनलाइन-टीचिंग लर्निंग. इन ए डॉ खान (एड.), कोविड-19 एंड इट्स इम्पैक्ट इन इंडिया (पीपी. 189-195). चंडीदास महाविद्यालय.
 - नौशीन, डी.एस. (2022). रिसर्चइंग लाइब्रेरीज फॉर रिसर्च. इन डी. एस. ए. एंड के. डी. बी. खान डॉ आलमगीर, रहमान (एड.), इम्पैक्ट ऑफ़ कोविड ऑन द एजुकेशन सिस्टम: इश्यूज एंड चैलेंजेज (पीपी. 110-117). एएसएस पब्लिकेशन.
 - सोफिक, एस., रहमान, डी. जेड., एंड नौशीन, डी. एस. (2021). प्रोडक्टिविटी ट्रेड्स एंड पैटर्न्स ऑफ़ साइंटिफिक कोलैबोरेशन ऑफ़ बायोमेट्रिक रिसर्च: एन एक्सप्लोरेटरी एनालिसिस. लाइब्रेरी फिलॉसोफी एंड प्रैक्टिस, 2021 (5930), 1-24.
- लाइब्रेरी का फर्श स्थान (वर्ग मीटर): 508.365 वर्गमीटर
 - क्या पढ़ने के कमरे के लिए अलग प्रावधान है? हाँ

अध्याय-2

• भौतिक सत्यापन के लिए सूचना **:

वर्ष 2021-22 के दौरान भौतिक रूप से सत्यापित दस्तावेजों का संस्करण	सत्यापन रिपोर्ट की स्थिति	वर्ष 2022-23 के दौरान भौतिक सत्यापन किए जाने वाले दस्तावेजों का संस्करण
6547		5478

** पुस्तकालय दस्तावेजों के भौतिक सत्यापन के मामले में, सभी से अनुरोध किया जाता है कि वे भारत सरकार के जी एफ आर के मार्गदर्शन के अनुसार प्रत्येक वर्ष कम से कम 20% संग्रह का भौतिक सत्यापन को पूरा करें।

अनुलग्नक I

• पत्रिकाओं की खरीद की सूची:

देश, बहैय़र देश, शारदीय आनन्दराजार, शारदीय आजकाल , शारदीय वर्तमान, शारदीय देश, शारदीय पत्रिका , शारदीय कृतिवास, शारदीय वसुमती

अनुलग्नक II

• उपहार के रूप में प्राप्त पत्रिकाओं की सूची

विश्ववीणा, पिनसूज, निड इण्डिया समाचार, उडरसूरी, साहित्य पत्रिका, साहित्य पत्र, मन्दिरा, आधुनिक मुसाफिर, शांतिनिकेतन, विश्वभारती पत्रिका, सूरछन्दा, विचित्रिता, शनिवारेर चिठि, अयन, एपार बांला, सञ्जुर्णी, द इंडियन हिस्टोरीकल क्वाटर्ली, न्यू इंडिया समाचार, द मॉडर्न रिव्यू, इंदिरा गाँधी सेंटर फॉर नेशनल इंटीग्रेशन विश्व-भारती , विश्व-भारती क्वाटर्ली, ललित कला कंटेम्पररी, द सिनो इंडियन जर्नल, मार्च ऑफ़ द इंडिया पहाड़ी पेंटिंग्स, लाइफ़ द बाइबिल, मार्ग, विश्व-भारती न्यूज़, ऐल'इलस्ट्रेशन, रूपलेखा, बुद्धिस्ट इयरली, आल इंडिया ओरिएण्टल कांफ्रेंस, प्रेजिडेंट ताई ची ताओ एंड द चाइनीज गुड विल मिशन, विश्व-भारती बुलेटिन, गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर 115वा बर्थडे सेलिब्रेशन

पूर्ण प्रोजेक्ट:

1. रीअरेंजमेंट ऑफ़ स्टैक एंड प्रिपरेशन ऑफ़ बे गाइड

जारी प्रोजेक्ट:

1. डिजिटलाइजेशन ऑफ़ ब्रिटल बुक्स एंड हैंड रिटेन जर्नल्स
2. प्रिपरेशन ऑफ़ इंडेक्स फॉर डिजिटल बुक्स

दृश्य-श्रव्य तथा रिप्रोग्राफिक इकाई और चित्र-अनुभाग

रिप्रोग्राफिक तथा दृश्य-श्रव्य इकाई में कवि की आवाज की रिकॉर्डिंग को तार, टेप, स्पूल और डिस्क के रूप में सुरक्षित रखा गया है। यहाँ छवि संग्रह, सीडी/डीवीडी (श्रव्य तथा दृश्य), समकालीन डिजिटल छवि, रंगीन स्लाइड, माइक्रोफिल्म नेगेटिव, बीएचएस तथा मिनी डीवी कैसेट की वीडियो कवरेज तथा नेगेटिव उपलब्ध है। टैगोर की कहानियों और कविताओं पर आधारित रवींद्रनाथ और शांतिनिकेतन को दर्शाने वाली फिल्में यहां संरक्षित हैं। विभिन्न कलाकारों द्वारा गाए गए टैगोर के गीतों के ग्रामोफोन डिस्क और ऑडियो-कैसेट ऑडियो संग्रह का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

इस इकाई में भवन की संग्रहित रवींद्रनाथ के चित्रों का पूरा रंगीन, पारदर्शी तथा उच्च गुणवत्ता युक्त डिजिटल छवियों का एक पूरा सेट है। हमारे पास एनजीएमए (नई दिल्ली और बेंगलोर), रवींद्र-भारती, भारतीय संग्रहालय और ललित कला अकादमी (कोलकाता) में संग्रहित टैगोर के चित्रकारी की उच्च गुणवत्ता वाली डिजिटल छवियां भी हैं।

विश्वभारती के समारोहों, आयोजनों और त्योहारों के नियमित कवरेज के अतिरिक्त, हमने विश्व-भारती में आए हुए अत्यंत विशिष्ट व्यक्तियों की भी तस्वीर एवं वीडियो कवरेज का भी दस्तावेजीकरण किया है जो हमारी जिम्मेदारी का हिस्सा भी है। हाल ही में हमने माननीय शिक्षा राज्य मंत्री श्री सुभाष सरकार, आईसीसीआर के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे, इंडोनेशिया में माननीय भारतीय राजदूत, भारत में मेक्सिको के राजदूत एच ई फेडेरिको सालास लोटफे आदि की यात्रा को कवर किया।

चित्र अनुभाग की गतिविधियां:

इकाई का नियमित कार्य (रिप्रोग्राफिक और श्रव्य-दृश्य इकाई):

1. वीडियो रिकॉर्डिंग
(वी.बी समारोह और त्योहार, कार्यक्रम आदि) : 1215 मिनट
2. वीडियो रिकॉर्डिंग : 3660 मिनट (लगभग)
(वीबी की विभिन्न जांच समितियां जबकि गोपनीयता बनाए रखने के लिए आरबी एवीयू में कोई प्रति नहीं रखी गई है)
3. स्टिल फोटोग्राफी
(वी.बी समारोह, त्योहार और अन्य कार्यक्रम) : 8,732 छवि
4. विद्वानों को प्रदान की गई श्रव्य-दृश्य सेवा : 850 मिनट (लगभग)
5. रवीन्द्रभवन ए/वी यूनिट से जारी प्रिंट : 140 संख्या (लगभग)

अध्याय-2

6. चित्र/पुस्तक/स्कैन या डिजिटाइज्ड किया गया नेगेटिव : 474 (पुस्तक) छवि
7. रवीन्द्र भवन और विश्व-भारती के विभिन्न कार्यक्रमों के लिए श्रव्य-दृश्य उपकरणों की व्यवस्था : 4050 मिनट (लगभग)
8. विद्वानों को दी गई डिजिटल श्रव्य-दृश्य क्लिप : 127 मिनट

इकाई का नियमित कार्य (चित्र-अनुभाग):

1. उपस्थित विद्वानों की संख्या : 53 व्यक्तिगत, 4293 मिनट
2. विद्वानों को सीडी/पेन ड्राइव/ई-मेल पर दी गई डिजिटल छवियां : 312 संख्या
3. वीबी और अन्य सरकारी क्षेत्र के विभिन्न विभागों को दी गई डिजिटल छवियां : 382 संख्या
4. स्कैन या डिजिटाइज्ड अभिलेखीय तस्वीरें : 73 छवि
5. विद्वानों को दिए गए तस्वीरों (अभिलेखीय) का विवरण : 694 संख्या
6. माइक्रोसॉफ्ट एक्सेस में संग्रहित छवि संग्रहालय की चित्र सूची : 73 छवि
7. छवि कैप्सूलीकरण : 156 छवि
8. फ़ोल्डर के अनुसार चित्रों का भौतिक सत्यापन : 168 छवि

प्राप्त उपहार:

1. श्रव्य-दृश्य सीडी : 03 संख्या
2. छवि : 54 संख्या

लिपिका पांडुलिपि संग्रहालय

लिपिका पांडुलिपि संस्कृत, बंगाली, ओडिया, तिब्बती, अरबी-फारसी और तमिल जैसी विभिन्न भाषाओं और पुरातन लिपियों से संबंधित 12500 से अधिक पांडुलिपियों के संग्रह के साथ पांडुलिपि अध्ययन और राष्ट्र की लिखित विरासत के संरक्षण के लिए एक केंद्र है। इसके अलावा, इस पांडुलिपि का स्वामित्व सुरुल जमींदार के पुराने भूमि -अभिलेख और जोयादेव केंदुली (स्वर्गीय महंत हरिकंतसरण देव ब्रजबासी, निम्बार्क आश्रम) के बंदोबस्ती रिकॉर्ड में है। ताड़ पत्रों, तरित ताड़ पत्रों साचिपात और तुलोत (पुराने

हस्तनिर्मित कागज) पर इन पाण्डुलिपियों को लिखा गया है। कुछ पाण्डुलिपियाँ अपने विशेष लेखन चरित्र के कारण असाधारण हैं। पाण्डुलिपियों पर आधारित उच्च शोध को बढ़ावा देने के स्वीकृत उद्देश्य की पूर्ति के लिए केंद्र द्वारा पाण्डुलिपियों का अधिग्रहण, निवारक और उपचारात्मक संरक्षण, परीक्षण, पहचान, शिल्प अंकन, वस्तुओं को परिग्रहण संख्या के अनुसार ढेर में रखना, हस्त सूची तैयार करना, वर्णनात्मक कैटलॉग तैयार करना, उपयोगकर्ताओं की गतिविधियों को बढ़ाना और पाण्डुलिपियों का संपादन आदि कार्य किये जाते हैं। केंद्र विश्वविद्यालय के छात्रों और विद्वानों के लिए पाण्डुलिपि पर कभी कभी प्रदर्शन कक्षाएं भी आयोजित करता रहा है। प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान, 25 विद्वानों ने पाण्डुलिपिविज्ञान संबंधी शोध कार्य के लिए पाण्डुलिपि का उपयोग किया है। इस अवधि के दौरान 286 बंडल निवारक संस्कृत पाण्डुलिपियों का संरक्षण किया गया है।

विश्वा-भारती पाण्डुलिपि संख्या 1762 (बांग्ला अभिधान, पृष्ठ 12-582) का संपादन और प्रूफ चेकिंग (सबूत जाँच) किया गया है। बांग्ला अभिधान की प्रतिलिपि और दूसरी प्रेस कॉपी प्रूफ तैयार की जा चुकी है। '8वें खंड' (खंड-VIII) बांग्ला 'पुथी परिचय' और सुरुल-नाथी-संकालन-2 (खंड - II) वर्तमान में चल रही परियोजना की वर्णनात्मक सूची का संकलन है।

संग्रहालय

रवीन्द्र-भवन संग्रहालय रवींद्रनाथ टैगोर पर एक जीवनी संग्रहालय है जिसमें 31.03.2022 तक 4385 यादगार और कलाकृतियों का एक विशाल संग्रह है, जिनमें से 20% (लगभग) विभिन्न दीर्घाओं में प्रदर्शित हैं और शेष संग्रहालय स्टोर और स्ट्रांग रूम में संरक्षित हैं। मुख्य गैलरी रवींद्रनाथ के जीवन और साहित्यिक कार्यों पर जोर देती है और यह विचित्र भवन की पहली मंजिल पर स्थित है। विचित्र के भूतल पर गीतांजलि गैलरी विशेष गैलरी है जो रवींद्रनाथ की नोबेल पुरस्कृत कविताओं की पुस्तक गीतांजलि पर आधारित है। लोगों को देखने के लिए उत्तरायण में रवींद्रनाथ और उनके परिवार के छह ऐतिहासिक घरों के अलावा, रवींद्र-भवन के शांतिनिकेतन गृह में दो और दीर्घाओं की व्यवस्था है जो रवींद्रनाथ के पिता महर्षि देवेन्द्रनाथ टैगोर (देवेन्द्रक) और उनके सबसे बड़े भाई द्विजेंद्रनाथ टैगोर (द्विजेंद्रक) के जीवन पर आधारित है। टैगोर की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में, पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल और विश्व-भारती के कुलाधिसचिव (रेक्टर) श्री जगदीप धनखड़ द्वारा 16 अगस्त 2020 को टैगोर के परिवार की प्रतिष्ठित महिलाओं के जीवन पर आधारित दो अलग-अलग दीर्घाओं "ठाकुर बारीर सीमन्तिनिरा" और "ब्रह्म-विद्यालय" का उद्घाटन किया गया। इसके अलावा, रवींद्रनाथ के ज्येष्ठ पुत्र रथींद्रनाथ टैगोर, जो एक महान कलाकार थे, उनके स्टूडियो 'गुहाघर' को एक संग्रहालय में बदल दिया गया ताकि उनके द्वारा बनाई गई पेंटिंग और कलाकृतियों को प्रदर्शित किया जा सके।

अध्याय-2

रवीन्द्र-भवन द्वारा आयोजित प्रदर्शनियाँ और विशेष व्याख्यान:

कोविड-19 की स्थिति के कारण संग्रहालय दीर्घा को बंद कर दिया गया था और हमें कोई प्रदर्शनी और विशेष व्याख्यान आयोजित करने का मौका नहीं मिला।

विशेष आगंतुक:

पिछले साल रवीन्द्र-भवन आगंतुकों के लिए पूरी तरह से बंद था। केवल विशिष्ट आगंतुक जैसे माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री, माननीय केंद्रीय गृह मंत्री, पश्चिम बंगाल के महामहिम राज्यपाल अन्य विशिष्ट आगंतुकों के साथ रवीन्द्र-भवन का दौरा किया।

डिजिटलीकरण और भौतिक सत्यापन:

हम अपनी सामान्य जिम्मेदारी के साथ भौतिक सत्यापन के अलावा संग्रहालय की रवीन्द्रनाथ टैगोर के चित्रों और वस्तुओं का डिजिटलीकरण कर रहे हैं।

शोध कार्य

पूर्ण प्रोजेक्ट:

- रवीन्द्रनाथ -निर्मलकुमारी पत्राचार, चिठिपत्र 20
- कालानुक्रमिक रवीन्द्र रचनावली, खंड 8
- निर्मलचंद्र चट्टोपाध्याय लेखन (संकलन)
- कालानुक्रमिक रवीन्द्र पत्रावली खंड 1
- मध्यकालीन बंगाली शब्दकोश का संपादन और प्रूफ रीडिंग
- सुरुल नोठी संकल्प, दूसरा खंड। (टंकण पूर्ण)

जारी प्रोजेक्ट:

- कालानुक्रमिक-रवीन्द्र-पत्रावली खंड 12-4
- विश्वभारती पत्रिका, वर्षवार सूचकांक
- चीन और रवीन्द्रनाथ
- विश्वभारती-तिमाही सूचकांक
- शांतिनिकेतन ब्रह्मचर्यश्रम के छात्रों, शिक्षकों और आश्रमवासियों द्वारा पुरानी हस्तलिखित पत्रिकाओं की रचना और डिजिटलीकरण: प्रभात, बिथिका

संरक्षण इकाई

यह इकाई पुरानी अभिलेखीय सामग्री, दुर्लभ और भंगुर और फटी हुई पुस्तकों और संग्रहालय की वस्तुओं की संरक्षण आवश्यकताओं का ध्यान रखती है। इस इकाई में फ्यूमिगेशन, पेजिनेशन, डी-अम्लीकरण, टिशू लेमिनेशन, टिशू रिपेयर और बुक बाइंडिंग का कार्य किया जाता है।

कार्य: रेगुलर बुक बाइंडिंग और टिशू के साथ भंगुर पृष्ठों की मरम्मत।

अन्य कार्य: बाध्यकारी कार्य के अलावा आधिकारिक कार्य में जब भी आवश्यकता हो।

कार्य का प्रकार	सामग्री	मद की संख्या
कपड़ा बंधन	पुस्तकें	150
पुस्तकों का लेमिनेशन और मरम्मत	पुस्तकें	250 टुकड़े
लिफ़ाफ़ा	5"×7" and 7"×9"	150 टुकड़े

विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क

कोविड-19 के प्रकोप के कारण, इस अवधि के दौरान भौतिक मोड में पुस्तकालय सेवाएं 1 दिसंबर 2021 तक बंद थी। इसलिए, 1 दिसंबर 2021 तक, रिमोट एक्सेस और क्लाउड-आधारित एलएसडिस्कवरी सेवा के माध्यम से ऑनलाइन सेवा पुस्तकालय सेवाओं को पूरा करने का एकमात्र तरीका था। मौजूदा गतिविधियों और सेवाओं को जारी रखने के अलावा, वीबीएलएन द्वारा लॉकडाउन के दिनों में अकादमी समुदाय की जरूरतों को पूरा करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:

व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से सूचना का प्रसार; टेलीग्राम समूह; लाइब्रेरी फेस बुक; यूट्यूब चैनल: ओपन एक्सेस शैक्षिक संसाधनों को सारणीबद्ध करना और विभिन्न चैनलों (ई-मेल, विश्वविद्यालय की वेबसाइट, पुस्तकालय वेबसाइट, व्हाट्सएप आदि) के माध्यम से सूचित करना; एकादमिक बिरादरी को अद्यतन करने के लिए विभिन्न शैक्षणिक/शोध संबंधी विषयों पर वेबिनार का आयोजन; ई-संसाधनों पर ऑनलाइन प्रदर्शन कार्यक्रम की व्यवस्था, शोध उपकरण (जैसे ग्रामरली आरएएक्सटर) एलएसडिस्कवरी सीमित उपयोगकर्ताओं और सुविधाओं के लिए ओपन एर्थेंस (डिस्कवरी सेवाओं) के स्थान पर वीबीएलएन के सभी संसाधनों की असीमित पहुंच और एकल खिड़की खोज के लिए वीबीएलएन द्वारा सदस्यता ली गई; विद्वान और IRINS (इंडियन रिसर्च इंफॉर्मेशन नेटवर्क सिस्टम) डेटाबेस में पंजीकरण के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, स्कूल सर्टिफिकेट और प्री-डिग्री परीक्षा आयोजित करने के लिए शैक्षणिक विभागों को सहयोग प्रदान करना। विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन परामर्श; ऑनलाइन पीएचडी अंतिक चिरायु, बीओएस बैठक, पीएचडी विद्वानों के पूर्व प्रस्तुत संगोष्ठी, आदि; ऑनलाइन प्रशानिक बैठक की व्यवस्था। ऑनलाइन मोड में विबी लेक्चर सीरीज और यंग स्कॉलर सीरीज आदि का आयोजन किया गया।

नैक पीयर टीम के दौरे के अवसर पर केंद्रीय पुस्तकालय ने पोस्टर छापने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आईडी कार्ड, बैनर, आदि आदि, और यात्रा को उद्देश्यपूर्ण और सफल बनाने के लिए यात्रा के दिन के दौरान सक्रिय रूप से शामिल थे।

वर्ष 2020-21 के लिए एक्यूएआर ठीक से तैयार किया गया है और विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी को समय पर जमा किया गया है।

पुस्तकालय सेवाओं और संसाधनों पर क्यूआर कोड को प्रोत्साहित करने के लिए अद्यतन किया गया है। कम सिरदर्द में पुस्तकालय का उपयोग करने के लिए उपयोगकर्ता समुदाय/महत्व की जाँच के लिए उरकुंड विरोधी साहित्यिक चोरी सॉफ्टवेयर थीसिस और अन्य प्रकाशन कई जागरूकता कार्यक्रमों के साथ किए जा रहे हैं। पुस्तकालय सेवाओं को 02 दिसंबर 2021 से भौतिक मोड में फिर से शुरू कर दिया गया है जो कोविड के प्रकोप के कारण जनवरी 2022 के दौरान कुछ दिनों के लिए फिर से बंद कर दिया गया था।

2021-22 की अवधि के लिए केंद्रीय पुस्तकालय की वार्षिक रिपोर्ट

(1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022)

1. वर्ष 2021-22 के दौरान जोड़ी गई पुस्तकों/आवधिकों की कुल संख्या

क. खरीदी गई पुस्तकें (प्रिंट)	60
ख. खरीदी गई ई-पुस्तकें (सदा मोड़)	575
ग. किताबें जो हमें उपहार में मिलीं (प्रिंट)	601
घ. वर्ष के दौरान जोड़े गए कुल प्रिंट किताबें (आर्ड) (a + d)	661
ङ. पत्रिका के शीर्षक सबस्क्राइब किए गए (केंद्रीय पुस्तकालय के लिए — 207) (52 पत्रिका सहित, और अनुभागीय पुस्तकालयों के लिए-45)	252
च. खरीदे गए समाचार पत्र (सीएल 23 (शीर्षक) और अनुभागीय पुस्तकालय 17 नं)	40
छ. दान के रूप में प्राप्त जर्नल्स के अंक	6043
ज. सीडी/डीवीडी (जर्नल्स में निहित) सबस्क्राइब किए गए	15

i) 31.03.2022 की स्थिति के अनुसार परिग्रहण की गई पुस्तकों/आवधिकों की कुल संख्या

क) पुस्तकें खरीदी गई	: 441350
पुस्तकें दान	: जी 10719
कुल पुस्तकें (प्रिंट)	: 452069
ई-पुस्तकें खरीदी गई (नंबर)	: 575
ई-पुस्तकों के लिए भुगतान की गई राशि	: 8824544.82
खरीदी गई ई-पुस्तकें (पूरक)	: शून्य
कुल ई-पुस्तकें (3836+1280+1464+389+575)=	: 7544
ख) परिग्रहण मुद्दे जर्नल्स, पत्रिकाओं और समाचार पत्रों की (सदस्यता)	: 15652
ग) पत्रिकाओं के परिग्रहण मुद्दे (उपहार)	: 6043
घ) बाध्य पत्रिकाओं के लिए परिग्रहण	: 567

ii) विभागीय/अनुभागीय पुस्तकालयों को हस्तांतरित पुस्तकों की कुल संख्या

क) संगोष्ठी पुस्तकालय - 101; ख) अनुभागीय पुस्तकालय और अन्य — 66

iii) पुस्तकों/पत्रिकाओं का निर्गम और वापसी

क) जारी की गई पुस्तकों की संख्या — 4866 (पुस्तक उधार 02 दिसंबर 2021 से शुरू की गई थी):

ख) लौटाई गई पुस्तकों की संख्या — 4722

अध्याय-2

क) सर्कुलेशन सेक्शन के कुल लेनदेन (ए + बी) — 9588

2. अन्य आधुनिक प्रौद्योगिकी आधारित सेवाएं **296180**

- कुल ईएसएस इन्फ्लिबनेट ई-जर्नल्स, डेटाबेस डाउनलोड या देखे जाने प्रयोक्ताओं द्वारा 232504
- कुल प्रयोक्ता ओपेक खोज सुविधाएं 63259
- डेलनेट और बीसीएल के माध्यम से अंतर पुस्तकालय ऋण सेवा 07
- पाठक के अनुरोध पर डिजिटाइड किए गए दस्तावेजों की संख्या 10
- पाठक के अनुरोध पर डिजिटिज किए गए कुल पृष्ठ 400

3. कुल हिट: दृश्य: विभिन्न ई-संसाधनों में डाउनलोड और ब्राउजिंग **246421**

क. इन्फ्लिबनेट (जर्नल + डेटाबेस) : 232504

ख. जेगेट	: 6396
ग. सेज ऑनलाइन जर्नल्स	: 597
घ. इंडियास्टेट	: 1967
ङ. आईओपी जर्नल्स	: 798
च. बेथम साइंस जर्नल्स	: 1826
छ. ईपीडब्ल्यूआरएफ	: 2033

4. इंटर-लाइब्रेरी लोन (आईएलएल) / डॉक्यूमेंट डलीवरी सर्विस (डीडीएस) ब्रिटिश काउंसिल लाइब्रेरी, कोलकाता (7,000 से अधिक ई-जर्नल और 1,00,000 + ई-बुक्स), डेलनेट, नई दिल्ली के लिए सदस्यता; JCCC@INFLIBनेट:J-गेट (37,000 से अधिक ई-जर्नल)

5. पुस्तकालय सदस्य

- कुल पंजीकृत सदस्य 2033
(शिक्षक — 596, विद्वान — 747, छात्र — 5768, कर्मचारी — 4781, अन्य — 10) पुस्तकालय
- साइट के माध्यम से संसाधनों तक पहुँचने वाले उपयोगकर्ताओं की कुल संख्या 1,17,108

6. पुस्तकालय का समय:

क. केंद्रीय पुस्तकालय:

साप्ताहिक अवकाश (शनिवार और रविवार) को छोड़कर सभी दिन सुबह 7.00 बजे — शाम 8.00 बजे, शनिवार और रविवार: सुबह 10 बजे — शाम 6 बजे। अन्य अवकाश प्रातः 10.00 बजे से सायं 6.00 बजे तक (केवल वाचनालय) कुल संख्या 1 दिनों की लाइब्रेरी वर्ष में खुली थी — 158 दिन (लॉकडाउन 114 दिन, साप्ताहिक अवकाश — 63 और अन्य अवकाश — 30),

ख. अनुभागीय पुस्तकालय:

उनमें से अधिकांश सुबह 9.30 बजे से शाम 6.00 बजे के दौरान खुले रहते हैं, साप्ताहिक अवकाश के दिन शनिवार और रविवार होते हैं जबकि रबीन्द्र भवन के लिए बुधवार और गुरुवार और पाठ भवन पुस्तकालय के लिए बुधवार और रविवार (सेवा समय 6.30 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक) होता है।

7. दस्तावेज प्रसंस्करण

खरीदी गई पुस्तकें – 60, उपहार पुस्तकें – 601, रेट्रो कन्वेक्शन – 1033

सूचीबद्ध पुस्तकों की कुल संख्या – 1694

अपलोड की गई डिजिटल पुस्तकों की कुल संख्या – 195

8. प्रकाशन निम्न मदों को अद्यतन किया गया है और पुस्तकालय बेबसाइट, ई-मेल आदि के माध्यम से प्रकाशित किया गया – (a) मासिक पुस्तकालय – ई-न्यूजलेटर 12 खण्ड मुक्त (b) ग्रंथालय बुलेटिन – समसामयिक जर्नल – 202 विश्वभारती के लिए सबक्राइड जर्नल, (c) लाइब्रेरी मैनुअल, ब्रोशर, (d) लाइब्रेरी रेफरेन्स मैनुअल

9. पुस्तकों की प्रदर्शनी

कुल पंद्रह (15) महत्वपूर्ण हस्तियों पर पुस्तकों और संबद्ध सामग्रियों की प्रदर्शनी दिसंबर 2021 के दौरान रेफरेन्स सेक्शन द्वारा आयोजित किया गया है – 2021 मार्च 2022.

10. पुस्तकालय स्वचालन:

- विश्व-भारती पुस्तकालय एनकेएन (NKN) और शिक्षा मंत्रालय के रेलटेल (RailTel) परियोजना के माध्यम से कैम्पस-वाईफाई संक्षम कनक्शन से जुड़ा हुआ है (MoE) भारत सरकार। पुस्तकालय प्रणाली में 165 पीस, 59 प्रिंटर हैं जिनमें 18 बारकोड प्रिंटर, 05 वेब कैमरा, 01 डिजिटल कैमरा, 03 एलसीडी शामिल है। इसके केंद्रीय पुस्तकालय और 12 अनुभागीय पुस्तकालयों में प्रोजेक्टर है।
- विश्व-भारती ई-पत्रिकाओं को ऑनलाइन ब्राउज करने की सेवाएं और सुविधाएं प्रदान करता है। अपने उपयोगकर्ताओं के लिए डेटाबेस, ई-पुस्तकें। ऑनलाइन खोज, शैक्षणिक के लिए ई-मेल सुविधाएं और शोध उद्देश्यों आदि को भी पुस्तकालय द्वारा प्रदान किया गया है।
- लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर (LibSys-10 (क्लाउड-वेस्ट, यूनिकोड वेब कंफ्लेंट) है। लाइब्रेरी गतिविधि और सेवाओं को स्वचालित करने के लिए उपयोग किया जा रहा है। लाइब्रेरी कैटलॉग डेटाबेस अब INDCAT के माध्यम से INFLIBनेट की एक परियोजना (लिंक: <https://indcatinflibet.ac.in/index.php/pppup/index/check-yluYW1oVmlzdmEOmbbonEDASIsInVaSI6ZTOKINzMxMiMwidmFS\sllox>) की एक परियोजना के माध्यम से पहुँचा जा

अध्याय-2

सकता है। विबीएलएन (लिंक: <http://bu.disconers.in/home/dashboard>) रिमोट एक्सेस सक्षम LSDiscovery के माध्यम से जो किसी भी डिवाइस, किसी भी नेटवर्क, किसी भी प्लेटफॉर्म, किसी भी उपयोगकर्ता (अतिथि सहित), किसी भी समय, किसी भी संसाधन के माध्यम से उपलब्ध है। आदि विबीएलएन के आधुनिकीकरण के रास्ते की अनूठी विशेषताएं हैं। वर्तमान में विश्व-भारती लाइब्रेरी कैटलॉग डेटाबेस में दस्तावेजों के 5,93,514 शीर्षक हैं, जिनमें 7,85,153 व्यक्तिगत परिग्रहण संख्याएं हैं, जिनमें 48,984 बाउंड वॉल्यूम जर्नल और 2,879 थीसिस और 7544 खरीदी गई ई-पुस्तकें शामिल हैं। इसके अलावा, विश्व प्रसिद्ध प्रकाश एग्रीगेटर्स (एल्सेवियर, कैम्ब्रिज ऑनलाइन। सिंगर, सेज, टेलर और फ्रांसीस) ई-बुक (स्थायी मोड), विभिन्न संघों के माध्यम से 1,15,000 शीर्षक खरीदे। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस और ब्रिटिश काउंसिल पुस्तकालय) जो पुस्तकालय बेब पेज में ब्राउज करने के लिए (वर्णमाला, विषय-वार, प्रकाशन-वार) लिंक किया गया है।

- पुस्तकालय सर्वर पर डिजिटल पुस्तकों को अपलोड करना पूरी तरह से किया जा चुका है और <http://bufidiscovery.in/home/dashboard> और NDLI(नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया) के माध्यम से सुलभ है। सॉफ्टकॉपी में प्राप्त वर्मान शोध प्रबंध भी अपलोड किए जा रहे हैं। ई-संसाधनों के अलावा केंद्रीय पुस्तकालय ने संकाय प्रकाशनों का एक संस्थागत भंडार बनाया है; विभिन्न पाठ्यक्रमों के पाठ्यक्रम; प्रश्न पत्र विभिन्न कार्यक्रमों की परीक्षाओं की संख्या, विश्वभारती और विबीएलएन की वार्षिक रिपोर्ट, बीबीएलएन आदि का मासि ई-न्यूजलेटर।

ई-संसाधन:

- (i) ईएसएस (इन्फ्लिबनेट) से प्राप्त ई-पत्रिकाओं का वर्तमान शीर्षक : 7032+
- | | |
|---|--------------|
| अमेरिकन केमिकल सोसाइटी | 49 जर्नल्स |
| अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स | 19 जर्नल्स |
| अमेरिकन फिजिकल सोसाइटी | 15 जर्नल्स |
| वार्षिक समीक्षा | 43 पत्रिकाएँ |
| आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक | 1 जर्नल |
| JSTOR | 3165 जर्नल्स |
| ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस | 262 जर्नल्स |
| प्रोजेक्ट संग्रहालय | 676 जर्नल्स |
| सिंगर लिंक 1700 संग्रह और प्रकृति जर्नल | 1724 जर्नल्स |
| टेलर और फ्रांसिस | 1078 जर्नल्स |

ii) वर्तमान शीर्षक ईएसएस (इन्फिलबनेट) से ऑनलाइन डेटाबेस एक्सेस :

- किया गया: 05 औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान (आईएसआईडी) डेटाबेस;
- जेगेट प्लस (जैसीसीसी);
- गणित विज्ञान नेट;
- वेब ऑफ साइंस
- उरकुंड समानता जांच सॉफ्टवेयर।

iii) डेटाबेस का वर्तमान शीर्षक सब्सक्राइब किया गया; 07

- indiatat.com
- उड़िया पत्रिका संग्रह (उड़िया पत्रिकाओं का डिजिटल संकलन) 1856 — 1950
- विकाशील पुस्तकालय नेटवर्क (DEL नेट);
- टेलर और फ्रांसिस से विश्व युद्धों से शीत युद्ध तक की गुप्त फाइलें अध्याय
- चीन और आधुनिक दुनिया : हांगकांग, ब्रिटेन और चीन, 1841-1951 सेग्नेज लर्निंग इंडिया प्रा. लिमिटेड:
- EPWRF इंडिया टाइम सीरीज़
- व्याकरण

11. संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी/अन्य कार्यक्रम आयोजित:

- विशेष सत्र: एलएस डिस्कवरी के माध्यम से रिमोट एक्सेस पर ग्यारह (11) विशेष सत्र। ज़ोटेरो: विश्व-भारती लाइब्रेरी नेटवर्क व्याकरणिक रूप से संदर्भ प्रबंधन सॉफ्टवेयर, संसाधन, सेवाएं और सुविधाएं, उरकुंड के माध्यम से समानता की जांच, विद्वान डेटाबेस में पंजीकरण, व्याकरण, चीन और आधुनिक दुनिया: हांगकांग, ब्रिटेन और चीन 1841-1951, ओयूपी: ग्राहक 16 जून, 17 जून, 18 जून, 8 जुलाई, 9 जुलाई, 10 जुलाई, 28 जुलाई, 29 जुलाई, 23 अगस्त, 24 अगस्त, 25 अगस्त का विबी के लिए प्रशिक्षण और कार्यान्वयन, ब्लूम्सबरी ई-पुस्तकों के लिए उत्पाद जागरूकता आदि की व्यवस्था की गई है। छात्रों, विद्वानों के लिए 2021. पुस्तकालय कर्मचारी। संकाय सदस्य आदि।
- 12 अगस्त, 2021 (पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस) पर डॉ. एस. आर. रंगनाथन को श्रद्धांजलि: डॉ. एस. आर. रंगनाथन, केंद्रीय पुस्तकालय की 129वीं जयंती के अवसर पर। विश्वभारती सामाजिक दूरी बनाए रखते हुए शांतिपूर्ण और सुखद तरीके से मनाई गई। विश्वभारती लाइब्रेरी नेटवर्क के सभी कर्मचारियों ने इस शुभ अवसर पर प्रसिद्ध गुरु डॉ. एस. आर. रंगनाथन को श्रद्धांजलि और श्रद्धांजलि अर्पित की है, इसके बाद विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष (अभिनय) द्वारा एक छोटा सा भाषण डॉ. प्रबीर कुमार चौधरी, वाइस प्रिंसिपल, पीएसवी की गरिमामयी उपस्थिति में दिया गया है।

अध्याय-2

- **23 अगस्त को रक्षा बंधन का पर्व। 2021:** रक्षा बंधन : रक्षा बंधन — भारत और दुनिया के अन्य हिस्सों में प्यार और एकता के प्रतीक के रूप में मनाया जाने वाला एक पवित्र और लोकप्रिय त्योहार है। गुरुदेव टैगोर ने समाज में लोगों के मन में आशा पैदा करने और सद्भाव फैलाने के लिए रक्षा बंधन की धारणा का इस्तेमाल किया। महान त्योहार, केंद्रीय पुस्तकालय के महत्व के अनुरूप, विश्वभारती ने सभी के बीच प्रेम, एकता और अखंडता फैलाने के लिए दिन मनाया। कार्यक्रम का आयोजन शानदार तरीके से किया गया।
- **पुस्तकालय दिवस — 2021 का अवलोकन:** हर साल की तरह। विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क द्वारा 20 दिसंबर 2021 को पुस्तकालय दिवस — 2021 (20 दिसंबर 2021) का आयोजन कांफ्रेंस हॉल, सेंट्रल लाइब्रेरी, वीबी में आयोजित किया गया है। महामारी के कारण, 'सर्वश्रेष्ठ पुस्तकालय उपयोगकर्ता पुरस्कार 2021' प्रदान नहीं किया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष (अभिनय) डॉ. निमाई चंद साहा के परिचयात्मक भाषण से हुई। पुस्तकालय दिवस के अवसर पर सामूहिक सभी से बचने के लिए केवल केंद्रीय पुस्तकालय के कर्मचारी ही कार्यक्रम में शामिल हुए।
- नव नियुक्त संकाय सदस्यों से मिलें 22 फरवरी 2022 को सुबह 11.30 बजे। "विश्व-भारती पुस्तकालय संसाधन, सेवाएं और सुविधाएं" के स्वागत और उन्हें जागरूक करने के लिए युवा और नव नियुक्त संकाय सदस्यों के साथ एक विशेष बैठक की व्यवस्था की गई थी। पुस्तकालय संसाधनों के उचित उपयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए उनकी शैक्षणिक गतिविधियों में सहायता करना। सत्र में अटारह संकाय सदस्य शामिल हुए और वीबी पुस्तकालय के प्रयास की सराहना की।
- **ई-संसाधनों पर प्रदर्शन कार्यक्रम —** ई-संसाधनों की खरदी के भाग के रूप में। वीबीएलएन ने ओयूपी, सीयूपी, टी एंडएफ जैसे 25 विश्व स्तरीय प्रकाशकों / एग्रीगेटर्स के ई-संसाधनों पर प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया है। सिंगर प्रकृति। एल्सेवियर, मैकग्रा हिल, विले, ब्लूम्सबरी। बेंथम साइंस, ब्रिल, सेज, गेल, पियर्सन, आईओपी। CABI, प्रोक्वेस्ट, नई दिल्ली पब्लिशर्स, ASAPI बलानी इन्फोटेक, बीएसपी, वर्ल्ड साइंटिफिक, सीबीएस पब्लिशिंग.टेरी, न्यू एज इंटरनेशनल आदि 14-16 दिसंबर 2021, सुबह 11 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक।
- **विश्व-भारती व्याख्यान शृंखला —** विश्व-भारती पुस्तकालय नेटवर्क ने 07.04.2021, 16.04.2021, 20.04.2021, 23.04.2021, 27.04 को विश्वभारती व्याख्यान शृंखला (30 से 48वें व्याख्यान) के आभासी मोड पर उन्नीस व्याख्यान (19) व्याख्यान की व्यवस्था की। 2021, 19.05.2021, 15.07.2021, 06.08.2021, 09.08.2021, 18.08.2021, 26.08.2021, 22.09.2021, 28.10.2021, 12.11.2021, 30.11.2021, 21.01.2022, 25.01.2022, 23.02.2022 और 25.02.2022 क्रमशः। इन व्याख्यान शृंखला में देश के प्रसिद्ध शिक्षाविदों और चिकित्सा चिकित्सकों और दुनिया के विभिन्न हिस्सों ने अपने विषयों के विभिन्न विषयों और कोविड महामारी की तैयारियों के रे में भी अपने

विचार साझा किए थे। इन व्याख्यानों में कुल 1956 प्रतिभागी शामिल हुए। इसके अलावा, 23.01.2022 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 126वीं जयंती पर एक विशेष व्याख्यान भी आयोजित किया गया था।

12. पुस्तकालय पेशेवरों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान आदि:

- सभी कर्मचारी: विश्व-भारती लाइब्रेरी नेटवर्क के पूरे वर्ष विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया है जिसमें अधिकांश कर्मचारियों से सक्रिय समर्थन और सहयोग (वेबिनार की मेजबानी, तकनीकी सहायता, प्रचार, प्रतिभागियों आदि के लिए विभिन्न क्षमताओं में भाग लिया और अभिनय किया) के साथ काम किया है। वबीएलएन।

निर्माई चांद साहा

इस अवधि के दौरान वीबीएलएन द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में व्याख्यान देने के अलावा, विश्वभारती के एलावा निम्नलिखित आमंत्रित व्याख्यान दिए गए हैं – 29.01.2022:

- यूजीसी के लिए निदेशक, एचआरडीसी, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। प्रायोजित 5 बहु-विषयक पुश्चयों पाठ्यक्रम – 28 जनवरी – 11 फरवरी 2022 के दौरान डीएलआईएससी, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा उच्च शिक्षा और शोध में डिजिटल आयाम पर, और “वर्तमान डिजिटल उच्च शिक्षा युगम नैतिक पहलू, उपकरण” विषय पर ऑनलाइन मोड के माध्यम से व्याख्यान और तकनीक दिया।
- 09.12.2021 – त्रिपुरा में सार्वजनिक पुस्तकालयों को बदलने पर दो दिवसीय राज्य स्तरीय संगोष्ठी में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित: बीरचंद्र राज्य केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा आयोजित संभावनाएं और चुनौतियां। अगरतल्ला, उच्च शिक्षा विभाग सरकार। त्रिपुरा के आरआरआरएलएफ, कोलकाता, संस्कृति मंत्रालय सरकार की वित्तीय सहायता के साथ। भारत सरकार ने 08 – 09 दिसंबर 2021 के दौरान और “युवा और महिला अधिकारिता के लिए आधुनिक सार्वजनिक पुस्तकालय का रूपांतरण” शीर्षक से एक व्याख्यान दिया। इसके अलावा अंतिम तकनीकी सत्र यानी सत्र IV की अध्यक्षता की।
- 24.11.2021 – 30.11.2021 : भारतीय विद्या भवन प्रबंधन संस्थान के सहयोग से एक्सेलर औपन द्वारा आयोजित “उच्च प्रभाव वाली पत्रिकाओं में शोध पत्र लेखन और प्रकाशन पर सात दिवसीय एफडीपी” (राष्ट्रीय स्तर) में आयोजकों द्वारा संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित विज्ञान।
- कोलकाता 29.11.2021 : शोध और प्रकाशन के पहियों पर एक व्याख्यान दिया। सुरक्षित व्यवहार : उपकरण और तकनीक हालांकि ऑनलाइन मोड।

अध्याय-2

- 31.08.2021 – 29.09.2021 : यूजीसी-एचआरडीसी, बर्दवान विश्वविद्यालय, पूरबी बर्धमान में 1 फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (एवाई 2021-22) के समन्यवयक द्वारा एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।
- 14.09.2021 के माध्यम से एक व्याख्यान दिया। ऑनलाइन “शोध के पहिए और सुरक्षित प्रथाओं की ओर प्रकाशन: उपकरण और तकनीक:”।
- 31.08.2021 – 29.09.2021 : यूजीसी-एचआरडीसी, विश्वविद्यालय में फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (एवाई 2021-22) के समन्यवयक द्वारा एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित बर्दमान, पूर्व बर्धमान।
- 08.08.2021 : “शोध के पहिये और विषय पर ऑनलाइन के माध्यम से पहला व्याख्यान दिया। सुरक्षित प्रथाओं की ओर प्रकाशन: उपकरण और तकनीक”।
- 10.08.2022 : निदेशक द्वारा एक व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। डॉ. हरिसिंह सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के यूजीसी-एचआरडीसी, विषय पर पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में 31 जुलाई से 13 अगस्त 2021 के दौरान पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में एक ऑनलाइन व्याख्यान देने के लिए द न्यू नॉर्मल: रीडिन्गिंग लाइब्रेरीज एंड लाइवरेरियनशिप। आमंत्रित के रूप में नैक मूल्यांकन में पुस्तकालयों और पुस्तकालयाध्यक्षों की भूमिका पर एक व्याख्यान दिया – वास्तविकता और अपेक्षाएं।
- 26.06.2021 : आईक्यूएसी कालीनगर महाविद्यालय, कालीनगर, उत्तर 24 परगना हाबरा, पश्चिम बंगाल द्वारा शोध पद्धति पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया और “शैक्षणिक अखंडता को संभालना – उपकरण और तकनीक” पर व्याख्यान दिया।
- 19.02.2022 : सॉफ्टवेयर विकास वाग, बी. वोक द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित शैक्षिक प्रशासन में सूचना प्रौद्योगिकी पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय वेबिनार में एक भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया। अध्ययन और IQAC, आशुतोष कॉलेज, कोलकाता – 700 026, पश्चिम बंगाल और इस विषय पर एक व्याख्यान दिया गया है।
- 10.01.2022 : पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित मानसिक स्वास्थ्य सूचना साक्षरता एवं कोविड-19 विषय पर दो दिवसीय राज्य स्तरीय संगोष्ठी में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित। त्रिपुरा विश्वविद्यालय, त्रिपुरा, 09-10 दिसंबर 2021 के दौरान और “मानसिक स्वास्थ्य सूचना साक्षरता और कोविड – 19 लाइवरेरियन की भूमिका” शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- 17.12.2021 : आयोजित एक संगोष्ठी में एक भाषण देने के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित 5वां पूर्व बर्धमान जिला पुस्तक मेला समिति 2021-22 तदनुसार दौरा किया सतगछिया

स्पोर्टिंग क्लब मैदान, सतगछिया, मेमारी — 11, पूर्वी वर्धमान में मेला और सार्वजनिक पुस्तकालय की समस्याएं पर एक व्याख्यान देना।

- 24.06.2021 : केंद्रीय पुस्तकालय लालबाबा कॉलेज, बेलूर, हावड़ा और केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा संयुक्त रूप से ऑनलाइन मोड के माध्यम से मुक्त शैक्षिक संसाधनों के उपयोग पर राज्य स्तरीय उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। मालदा कॉलेज। मालदा और “आवश्यक संसाधन प्राप्त करना — कहाँ और कैसे?” पर व्याख्यान दिया।
- 09.04.2021 : आमंत्रित के रूप में, बेरहामपुर गर्ल्स कॉलेज, बेरहामपुर में शारीरिक रूप से दौरा किया। मुर्शिदाबाद नैक दौरे के लिए कॉलेज पुस्तकालय की तैयारी पर विशेषज्ञता का निर्वहन करने और नैक के आलोक में कॉलेज पुस्तकालय के विकास पर एक व्याख्यान देने के लिए।
- 11.06.2021 : विश्व-भारती पुस्तकालय नेटवर्क, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित ऑनलाइन मंच के माध्यम से “वीबीएलएन के संसाधन, सेवाएं और सुविधाएं” पर एक विशेष सत्र में व्याख्यान देना।
- 09.07.2021 : विश्व-भारती लाइब्रेरी नेटवर्क द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से “विद्वान डेटाबेस में पंजीकरण” पर एक विशेष सत्र में व्याख्यान देना। विश्वभारती, शांतिनिकेतन।
- 31.01.2022 : विद्या-भवन और विनय-भवन के विशेष संदर्भ में “वीबीएलएन के संसाधन, सेवाएं और सुविधाएं पर एक विशेष सत्र में व्याख्यान देना। अन्य भावना” विश्व-भारती लाइब्रेरी नेटवर्क, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से।

अजय कुमार शर्मा

- 17.06.2021 : विश्व-भारती लाइब्रेरी नेटवर्क द्वारा आयोजित एक विशेष सत्र में जोटरो : द रेफरेंस मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर पर ऑनलाइन व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया। विश्व-भारती, शांतिनिकेतन जूम के माध्यम से।
- 22.05.2021 “Google टूल्स” पर ऑनलाइन व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया छात्रों, शोधार्थियों और शिक्षकों के लिए “भारतीय-भाषाओं को पढ़ाने और सीखने में डिजिटल उपकरणों के अनुप्रयोग” पर तीन महीने के ऑनलाइन कौशल विकास प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम में मैत्रेयी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्कूल के सहयोग से आयोजित किया गया जूम के माध्यम से इंडिक स्टडीज (इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस आइंसेज), यूएसए।

अध्याय-2

13. प्रकाशन

निमाई चांद साहा

- दास सुदीप्त, साहा निमाईचं, और अन्य। (सं) (2021), सतत विकास के लिए पुनरीक्षण रणनीतियाँ। लुनावाड़ा, भारत रेडशाइन प्रकाशन। (आईएसबीएन:978-9390937-61-5), पी. 109. यह प्रकाशन 13-14 जून 2020 के दौरान 1 अंतर्राष्ट्रीय ई सम्मेलन यानी ई-कॉन्सस 2020 का परिणाम है; जुलाई 2021 को प्रकाशित।

सबहत नौशीन

- अहमद शकील, एच.डी.ए. और एस. एस (2021), इन्फोडेमिक रिसर्च पर वैज्ञानिक साहित्य का मैपिंग आउटपुट: एक स्कोपस आधारित विश्लेषण (2004-2020), आरबीयू जर्नल ऑफ पुस्तकालय और सूचना विज्ञान, 23, 80-91.
- नौशीन डी.एस. (2021), विश्वभारती पुस्तकालय की अभिनव पुस्तकालय सेवाएं ऑनलाइन-शिक्षण और सीखने के माहौल के लिए नटवर्क। ए डॉ. खान (एड) में, COVID-19 AND ITS IMPACT IN INDIA (PP. 189-195) Chandidas Mahavidyalaya.
- नौशीन डी. एस. (2022), शोध के लिए पुनः खोज पुस्तकालय D.S.A. & K.D.B. खान में डॉ. आलमगीर रहमान (एड), शिक्षा प्रणाली पर COVID-19 का प्रभाव मुद्दे और चुनौतियां (पीपी. 110-117), एएस एएस प्रकाशन।
- सोफिक एस. रहमान, डी.जेड, और नौशीन डी.एस. (2021), ग्रंथ सूची शोध के वैज्ञानिक सहयोग के उत्पादकता रुझान और पैटर्न: एक खोजपूर्ण विश्लेषण। पुस्तकालय दर्शन और अभ्यास, 2021 (5930), 1-24।

स्मृतिमय घोष

- घोष एस. (2021), प्राचीन भारत में सीखने और पुस्तकालयों पर एक अवलोकन। (Innovation the Research Concept 6(3), 70-73. ISSN: 2456-5474
- Ghosh S. (2021), Prachind Bharter Siksha Byabastha O Granthagar, Granthagar, 7.(1), 11-16, आईएसएसएन: 0017-324X

14. शैक्षणिक / प्रशासनिक उत्कृष्टता:

निमाई चांद साहा

- विभिन्न प्रशासनिक समितियों (आईक्यूएसी, डीपीसी) के सदस्यों के अलावा विश्वभारती को निम्नलिखित अतिरिक्त उत्तरदायित्व सौंपे गए हैं। वर्ष के दौरान समन्वयक, विश्वभारती प्रवेश समन्वय प्रकोष्ठ।

- In-charge, Visva-Bharati Computer Centre — इसके अलावा विभिन्न बाहरी लोगों द्वारा निम्नलिखित जिम्मेदारियां दी गई हैं: विश्वविद्यालय;
- बीओएस के बाहरी सदस्य, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, सिद्धू काहनु बिरशा विश्वविद्यालय, पुरुलिया।
- पुस्तकालय के विकास के लिए बाहरी, विशेषज्ञ, ऊषा मार्टिन विश्वविद्यालय, अंगारा, रांची, झारखंड
- संपादक : इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस (यूएलआईएस) 2018 से।
आईएसएसएन: 2141-2537, <https://academicjournals.org/journal/UJLIC>
- संपादक: i) वीबीएलएन का मासिक ई-न्यूजलेटर - समीक्षक: i) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस (आई जे एल आई एस) से 2015, आईएसएसएन: 2141-2537, <https://academicjournals.org/journal/IJLIC>
- ii) LASLIC Bulletin, लासलिक बुलेटिन, आईएएसएसएन: 0018-8441, <http://www.laslic1955.org.in/Default.aspx?PageId=126>
- पीएचडी सह-पर्यवेक्षक: डॉ. स्मृतिमय घोष को पीएच.डी. 15.11.2021 को प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, विद्या भवन, विश्व-भारती से “भारतीय पुस्तकालय प्रणाली का विकास: ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य” नाम थीसिस पर दिया गया।
- निबंध Dissertation लघु, शोध प्रबंध पर्यवेक्षक: इंदिरा गांधी मुक्त विश्व विद्यालय के तहत पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में पीजी कार्यक्रम के हिस्से के रूप में जिशा ई अरुण (नामांकन संख्या: 2002404957) द्वारा प्रस्तुत “पूर्वोत्तर भारत के केंद्रीय विश्वविद्यालयों के विशेष संदर्भ के साथ विद्वान डेटाबेस में भागीदारी पर तुलनात्मक अध्ययन” शीर्षक से निर्देशित शोध प्रबंध राष्ट्रीय अवधि के दौरान मुक्त विश्वविद्यालय।
- कुछ विभागों के पीएचडी पाठ्यक्रम कार्य के उम्मीदवारों के लिए कक्षाएं लेने का विश्व-भारती में।
- वर्ष के दौरान विशेष सत्र के तहत वीबी समुदाय के लिए व्याख्यान दिया।

कौशिक घोष

- विश्वभारती युवा विद्यान व्याख्यान शृंखला के सदस्य (ज्ञापन संख्या — REG/अधिसूचित 295 दिनांक 01.12.2020)
- विश्व-भारती प्रवेश समन्वय प्रकोष्ठ, विअव-भारती के आमंत्रित सदस्य (संदर्भ सं.: वीबीएसीसी/117/2021-22 दिनांक 29.05.2021)
- विश्व-भारती सहकारी क्रेडिट सोसायटी के वेबमास्टर <http://www.vbcest.org/>

अध्याय-2

- विश्व-भारती पुस्तकालय द्वारा आयोजित बारह विभिन्न वेबिनार की सफलतापूर्वक मेजबानी की नेटवर्क और संवाद: वर्ष के दौरान विश्व-भारती युवा विद्वानों की व्याख्यान शृंखला, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन।

अजय कुमार शर्मा

- प्रवेश समन्वय प्रकोष्ठ के सदस्य
- विश्व-भारती युवा विद्वान व्याख्यान शृंखला के सदस्य
- यौन शोषण की रोकथाम के लिए आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) के संयोजक विश्व-भारती में कार्यस्थल पर महिलाओं का उत्पीड़न (17 जुलाई 2021 तक)।
- विश्व-भारती में समर्थ परियोजना के ज्ञान मॉड्यूल के प्रशासक।
- पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में अकादमिक शोध के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (IJARLIS) नामक पत्रिका के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।
- “इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इन्फॉर्मेशन” नामक पत्रिका के एसोसेट एडिटर स्रोत और सेवाएं (आईजेएसएस)।
- “संगीत गैलेक्सी” नामक पत्रिका के संपादकीय बोर्ड की सदस्य।
- “डिजिटल लाइब्रेरी सेवाओं के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल” शीर्षक से पत्रिका के संपादक।
- विश्व-भारती पुस्तकालय के वेबमास्टर नेटवर्क (<http://visva-bharatilibrary.in/index.php>)
- चीन भवन, विश्व-भारती के वेबमास्टर (<http://visva-bharati.wix.com/cbvbs>),

स्मृतिमय घोष

- डॉ. स्मृतिमय घोष को पीएच.डी 15.11.2021 को प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, विद्या भवन, विश्व-भारती की ओर से “भारतीय पुस्तकालय प्रणाली का विकास: ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य” नामक थीसिस की प्रस्तुति पर दिया गया।

15. संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला/प्रशिक्षण भागीदारी:

अजय कुमार शर्मा

- 28.02.2022 : Go to Webinar के माध्यम से EWRI (E-Waste Recyclers India) के सहयोग से DELनेट द्वारा आयोजित “संस्थानों में ई-अपशिष्ट प्रबंधन के लिए सर्वोत्तम अभ्यास” पर वेबिनार में भाग लिया।

- 29.12.2021 : गोडोवेबिनर के माध्यम से डेलनेट — डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क द्वारा आयोजित “एनईपी 2020 : प्रो. जयदीप शर्मा, इगनू द्वारा पुर्नपरिभाषित पुस्तकालय और एलआईएश शिक्षा” का आयोजन विली द्वारा Go ToWebinar के माध्यम से किया गया।
- 08.10.2021 : गो टू वेबिनर के माध्यम से विली द्वारा आयोजित फेस द फेक फैक्ट्स-इंडिया एडिशन: अपॉर्चुनिटीज फॉर एकेडमिक लाइब्रेरियन इन एडवांस क्रिटिकल एंगेजमेंट विद इंफॉर्मेशन” पर वेबिनर में भाग लिया।
- 28.08.221 : “ज्ञान प्रबंधन में सर्वोत्तम अभ्यास” पर वेबिनर में भाग लिया डॉ. अदिति राउल, मैनेजर, केएम एंड शेयरिंग प्लेटफॉर्म, डीएसएम नीदरलैंड्स” द्वारा गोडो वेबिनाम के माध्यम से डेलनेट — डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क द्वारा आयोजित।
- 01.07.2021 : वेबिनर में भग लिया, DELनेट द्वारा किया गया — GoToWebinar, डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क के माध्यम से लाइब्रेरी नेटवर्क का विकास करना। Topic : “डॉ. एच. के. कौल मेमोरियल सेन्टर 2021 — इन्टर कनेक्टेडनेस द्वारा रीया ब्राऊन, एसीस्टेंट डायरेक्टर, आर्टलैव, ऑस्ट्रेलिया”।

31 मार्च तक वीबीएलएन की कुल पुस्तकों से संबंधित जानकारी

अनुभागीय पुस्तकालय	31 मार्च तक की किताबें तक (खरीदी गई)	पुस्तकें 31 2022 मार्च 2022 से (उपहार)	पुस्तकें जोड़ी गई		पत्रिकाएं जोड़ी गई	
			(खरीद उपहार)		सदस्यता विस्तार	उपहार
चीन भवन	41172	5015	शून्य	36	1	2
शिक्षा भवन	20885	512	शून्य	43	शून्य	शून्य
पाठ्य भवन	37831	1990	शून्य	272	शून्य	शून्य
दर्शन सदन	9755	46	शून्य	40	10	शून्य
हिंदी भवन	36769	467	शून्य	61	1	8
संगीत भवन	37209	586	शून्य	188	2	शून्य

अध्याय-2

पल्ली संगठन	37885	180	शून्य	11	शून्य	शून्य
विनय भवन	22670	362	शून्य	67	17	शून्य
रवीन्द्र भवन	48814	3622	शून्य	471	9	32
पल्ली शिक्षा भवन	54945		771	शून्य	35	11
कला भवन	17758	39	शून्य	16	7	शून्य
शिक्षा सत्र	27829	429	शून्य	285	शून्य	शून्य
सभी अनुभागीय पुस्तकालय	393522	13248	771	1490	82	53
केंद्रीय पुस्तकालय	441350	10719	60	601	225	19
कुल	834872					
ग्रंथन विभाग	8600					
बांग्लादेश भवन	3916					
कुल प्रिंट पुस्तकें (पी + जी)	858839					
ई-किताबें और थीसिस	10413					
कुल पुस्तकें	881768					

हालांकि, डेटाबेस में 7,91,768 प्रतियां हैं और बाकी लगभग 90,000 किताबें हैं जिन्होंने केंद्रीय पुस्तकालय में खरीदा और परिग्रहण किया गया था और उसके बाद उन पुस्तकों को उपयोगकर्ताओं के हित के लिए विभिन्न अनुभागीय पुस्तकालयों में स्थांतरित कर दिया गया है और संबंधित अनुभागीय पुस्तकालय यानी इन 90000+ पुस्तकों में पुनः परिग्रहण किया गया है। डबल परिग्रहण/गिनती होना।

बिंदु 1 पर विस्तृत जानकारी

अधिग्रहण अनुभाग

विषयवार खरीदी गई पुस्तकों की संख्या

विषय	संख्या
भाषाएँ	638
मानविकी और सामाजिक विज्ञान	345
विज्ञान	43
गृह विज्ञान	9
कृषि विज्ञान	334
पशु चिकित्सा	24
विज्ञान अन्य (संगीत, कला, धर्म, करियर परामर्श आदि)	868
कुल :	2261

खरीदी गई पुस्तकों की भाषा/संस्करण

अंग्रेजी	792
बंगाली	1076
अन्य	124
केंद्रीय पुस्तकालय के लिए कुल सदस्यता	1992

आवधिक खंड

विदेशी पत्रिकाएं	66
भारतीय पत्रिकाएं	89
पत्रिका	52
समाचार पत्र	18
केंद्रीय पुस्तकालय के लिए कुल सदस्यता:	225

अध्याय-2

प्वाइंट-9 पर विस्तृत जानकारी

परिसंचरण अनुभाग:

श्रेणी	शिक्षक	पंडित	विद्यार्थी	कर्मचारी	वीबी सदस्य	बड़ा कुल
पुस्तकालय उपयोगकर्ता	596	747	5276	478	10	7599

केंद्रीय पुस्तकालय के विभिन्न अनुभागों में उपयोगकर्ता का दौरा (माह-वार)

महीन	वाचनालय	नियत कालीन खंड	स्टैक रूप	संदर्भ अनुभाग
दिसंबर-2021	48	54	194	12
जनवरी-2022	शून्य	4	11	09
फरवरी-2022	182	197	850	41
मार्च-2022	599	181	1298	109
कुल	829	336	2353	171

ग्रंथन विभाग कोलकाता

कुल आवेदन: 15 यूएस

प्रकाशनों की सूची:

1. अचलायतन
लेखक : रवींद्रनाथ टैगोर
कीमत : आर 110.00
आईएसबीएन : 978-81-7522-453-7
2. बिसर्जन
लेखक : रवींद्रनाथ टैगोर
कीमत : रु. 90.00
आईएसबीएन : 978-81-7522-561-9
3. छेलेबेला (पाठ)
लेखक : रवींद्रनाथ टैगोर
कीमत : रु. 70.00
आईएसबीएन : 978-81-7522-403-2
4. डाकघर
लेखक : रवींद्रनाथ टैगोर
कीमत : रु. 75.00
आईएसबीएन : 978-81-7522-453-7
5. हास्यकौतुक
लेखक : रवींद्रनाथ टैगोर
कीमत : रु. 150.00
आईएसबीएन : 978-81-7522-542-8
6. जीवन स्मृति (सचित्र)
लेखक : रवींद्रनाथ टैगोर
कीमत : रु. 500.00
आईएसबीएन : 978-81-7522-512-1

अध्याय-2

7. **कथा ओ काहिनी**
लेखक : रवीन्द्रनाथ टैगोर
कीमत : रु. 120.00
आईएसबीएन : 978-81-7522-106-2
8. **‘ऑन दि एजेज ऑफ टाइम’**
लेखक : रवीन्द्रनाथ टैगोर
कीमत : रु. 270.00
आईएसबीएन : 978-81-7522-434-6
9. **पथप्रचय (खंड 3)**
लेखक : रवीन्द्रनाथ टैगोर
कीमत : रु. 150.00
आईएसबीएन : 978-81-7522-549-9
10. **पुनश्च**
लेखक : रवीन्द्रनाथ टैगोर
कीमत : रु. 200.00
आईएसबीएन : 978-81-7522-192-5
11. **रवीन्द्र रचनावली (खंड 4) लोकप्रिय**
कीमत : रु. एन.ए.
आईएसबीएन : 978-81-7522-359-2
12. **रवीन्द्र रचनावली (खंड 9) लोकप्रिय**
कीमत : रु. एनए
आईएसबीएन : 978-81-7522-364-6
13. **रवीन्द्र रचनावली (खंड 15) लोकप्रिय**
कीमत : रु. एन.ए.
आईएसबीएन : 978-81-7522-370-7
14. **रवीन्द्र रचनावली (खंड 18) लोकप्रिय**
कीमत : रु. एन.ए.
आईएसबीएन : 978-81-7522-468-1

15. सहज पाठ (खंड 3)

लेखक	:	एन.ए.
कीमत	:	रु. 120.00
आईएसबीएन	:	978-81-7522-056-0

बिक्री विवरण

वर्ष 2021-22 में सकल बिक्री	:	रु. 1,50,19,469.50
वर्ष 2021-22 में शुद्ध बिक्री	:	रु. 1,07,67,572.00

बांग्लादेश भवन

सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ:

- 21.02.2022 विश्वभारती ने बांग्लादेश भवन परिसर में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया। बांग्लादेश भवन और विदेशी छात्र सहायता प्रकोष्ठ ने संयुक्त रूप से विश्व-भारती की ओर से दिन भर चलने वाले कार्यक्रम का आयोजन किया।

वर्तमान स्थिति के साथ एक संक्षिप्त इतिहास :

बांग्लादेश भवन, निस्संदेह के बहुमूल्य ताज में एक नया पंख है, हाल के दिनों में विश्व-भारती जिसे 2018 में विश्वविद्यालय ने तैयार किया था। भारत के माननीय प्रधान मंत्री और बांग्लादेश के जनवादी गणराज्य, श्री नरेन्द्र मोदी और शेख हसीना ने क्रमशः 25 तारीख को दोनों देशों के दर्शकों के सामने भवन का उद्घाटन किया। मई 2018। बांग्लादेश भवन को आम इतिहास, संघर्ष, भाषा और संस्कृति (आंशिक रूप से), जातीयता और स्पष्ट रूप से दोनों देशों के सामान्य भावनात्मक लगाव को चिह्नित करने के लिए पड़ोसी दो देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के स्मारक के रूप में गठित किया गया था। गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर, निस्संदेह, दोनों देशों में राष्ट्रीय इकाई के निर्माण में आम प्रेरणाओं में से एक रहे हैं। दोनों पक्षों के बंगाली लोगों के पास हजार वर्षों से एक समान विरासत है। बांग्लादेश की प्रधान मंत्री शेख हसीना ने 2010 में नई दिल्ली की अपनी यात्रा के दौरान इस भवन की स्थापना के लिए भारत सरकार से अपनी हार्दिक इच्छा व्यक्त की और 2013 में भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने इसके बाद ढाका में प्रस्ताव की घोषणा की और शांतिनिकेतन में साइट स्थापित करने का आग्रह किया। यह भवन के स्थल के लिए स्वाभाविक चयन रहा है क्योंकि कवि का यह शांति का निवास अभी भी विभाजनकारी राजनीतिक सीमा के दोनों ओर बंगाली मानस में जीवंतता का कारण बनता है। भवन के निर्माण की लागत पूरी तरह से सरकार द्वारा वहन की गई थी। बांग्लादेश का दूसरी ओर, 28880 वर्ग फुट की भूमि विश्वभारती द्वारा सरकार की सहमति से दान में दी गई थी। भारत की।

भवन की स्थापत्य विशिष्टता देश-विदेश के लोगों को भवन की ओर आकर्षित करती है। 29.01.2019 को बांग्लादेश सरकार द्वारा एकमुक्त 10 करोड़ रुपये भवन अनुदानित किये गये थे। यहां शांतिनिकेतन में नव स्थापित बांग्लादेश भवन के शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के दौरान वर्तमान स्थिति और प्रदर्शन का संक्षिप्त विवरण दिया गया है।

मुख्य इकाइयाँ :

संग्रहालय

बांग्लादेश भवन संग्रहालय के नियमित कामकाज ने 18 सितंबर 2018 से अपनी यात्रा शुरू की, जब इसे आम लोगों के लिए खोल दिया गया। संग्रहालय में कुछ विशिष्ट कलाकार हैं। तमाशा आने वाले पूर्वी बंगाल में टैगोर परिवार की विरासत को प्रदर्शित करते हैं। 1952 का ऐतिहासिक मातृभाषा आंदोलन, जो पूर्वी पाकिस्तान में शुरू हुआ। 1971 में पूर्वी पाकिस्तान का मुक्ति संग्राम, बांग्लादेश के नाजुक हरस्तशिल्प और पूर्वी बंगाल के कुछ परातात्विक लेखों की खोज की गई। हालांकि माहामारी COVID-19 के कारण शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में लॉकडाउन के बाद से संग्रहालय में सामान्य यात्रा पर रोक लगा दी गई है।

पुस्तकालय

बांग्लादेश भवन पुस्तकालय अपनी प्रकृति में अद्वितीय है क्योंकि यहां रखी गई लगभग सभी पुस्तकें (3000 से अधिक) पूरी तरह से बांग्लादेश से प्रकाशित की जाती हैं और बांग्लादेश सरकार द्वारा दान की जाती हैं। मातृ भाषा आंदोलन (1952) और मुक्ति पर पुस्तकें, बांग्लादेश का युद्ध (1971) निश्चित रूप से पुस्तकालय से आगे निकल गया। इसके अलावा, रवींद्रनाथ, नजरूल, ललन फकीर की पुस्तकें अन्य वस्तुओं का उल्लेख करने योग्य हैं। रवींद्र रचनावली के दो प्कार के पूरे सेट और पूर्ण नजरूल रचनादल्लन के दो सेट संबंधित विद्वानों और शांतिनिकेतन के बाहर के विद्वान इस पुस्तकालय में मुफ्त में अध्ययन के लिए आते हैं। पाठकों के सामान्य प्रवेश को पुस्तकालय में प्रतिबंधित कर दिया गया है। शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में समय-समय पर कोविड प्रोटोकॉल का पालन करना।

सभागार, संगोष्ठी हॉल और कैफेटेरिया:

बांग्लादेश भवन में विश्व-भारती का सबसे बड़ा सभागार है जिसमें सभी आधुनिक सिविधाओं के साथ 453 सीटें हैं। विश्व-भारती के किसी भी शैक्षणिक या सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए एक विशाल कैफेटेरिया और दो संगोष्ठी कक्ष (350 व्यक्तियों को समायोजित करने की क्षमता वाली एक जगम दीवार से विभाजित) हैं। बांग्लादेश भवन विश्वभारती को बैठक/सम्मलेन के लिए हॉल प्रदान करता है। बांग्लादेश भावना सामूहिक निर्णय और प्रयास करने से विश्व-भारती बिरादरी को एकजुट करने का स्थान रहा है।

भविष्य की योजना

24.03.2018 को बांग्लादेश की लागत और विश्वभारती के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार विश्वविद्यालय भविष्य में बांग्लादेश भवन में एक अध्ययन और शोध केंद्र बनाने की इच्छुक है।

अध्याय-2

बांग्लादेश भवन के मुख्य अधिकारियों के डेस्क की टिप्पणियाँ

अपने अस्तित्व के प्रारंभिक चरण में है। यह निकट भविष्य में संसाधन प्राप्त करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास रहा है। भावना अब किसी भी पड़ोसी देश को पाटने के अपने आदर्श वाक्य के साथ आगे बढ़ने के लिए साधनों के निरंतर और निरंतर प्रवाह के स्रोत का पता लगा रही है पिछले शैक्षणिक वर्ष में सक्षम प्राधिकारी द्वारा गठित एक स्थिरता समिति अभी भी संसाधनों का पता लगाने के लिए काम कर रही है भवन के नोथ रनिंग। इस भवन के भवन में लम्बित कार्य एवं कमियों को लेकर विश्वविद्यालय अपनी निर्माता कंपनी से लगातार बातचीत कर रहा है। एचवीएसी प्रणाली, मुख्य भवन के प्रवेश बिंदु पर टूटे शीशे के पैनल और इमारत की गंभीर रूप से क्षतिग्रहस छत्र (उत्तर-पश्चिम से टकराई) की मरम्मत की जानी बाकी है। हालांकि पिछले शैक्षणिक वर्ष में विश्वभारती समुदाय की महत्वपूर्ण बैठकों और सभाओं के स्थान के रूप में संगोष्ठी हॉल का कई बार उपयोग किया गया है।

ए. के. दासगुप्ता योजना और विकास केंद्र (नीति आयोग द्वारा प्रायोजित एक केंद्र)

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:

राष्ट्रीय कार्यशाला:

- 8 मई – 17 मई 2021: दस दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला: में शोध पद्धति सामाजिक विज्ञान।
- 20 जुलाई – 29 जुलाई 2021: दस दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम: आर्थिक थ्योरी और संबंधित डेटा विश्लेषण।
- 20 सितंबर – 29 सितंबर 2021: दस दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला: शोध कार्यप्रणाली और डेटा प्रबंधन।
- 23 नवंबर – 2 दिसंबर 2021: दस दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला: शोध डेटा विश्लेषण में एसपीएसएस के उन्नत व्यावहारिक प्रशिक्षण की मूल बातें।

कौशल विकास कार्यक्रम:

- 22 फरवरी – 28 फरवरी 2022: संस्थान के सहयोग से हैंड टिक पर प्रशिक्षण कृषि। पीएसबी और आईसीएआर द्वारा प्रायोजित, एससी-एसपी 2022.
- 04 मार्च – 10 मार्च 2022: केंद्र द्वारा हैंड बाटिक पर प्रशिक्षण।
- 14 मार्च – 16 मार्च 2022: कृषि संस्थान, पीएसबी के सहयोग से 3 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम और ICAR, SC-SP 2022 द्वारा प्रायोजित
- 22 मार्च – 25 मार्च 2022: कृषि संस्थान, पीएसबी के सहयोग से और आईसीएआर, एससी-एसपी 2022 द्वारा प्रायोजित डिजाइन डम्पलिंग्स पर 4 दिवसीय प्रशिक्षण।

विभाग में चल रही शोध परियोजनाएं:

सभी शोध परियोजनाओं को योजना और विकास के लिए एके दासगुप्ता केंद्र के तहत किया जाता है।

1. कोविड-19 के प्रभाव में पश्चिम बंगाल के पूरबा और पश्चिम मेदिनीपुर जिलों में लोक कारीगर पेटुस समुदाय की अर्थव्यवस्था और आजीविका: उत्तरजीविता रणनीतियाँ, महामारी का प्रभाव और भविष्य की योजनाओं की आवश्यकता
2. ग्रामीण आजीविका पर कोविड-19 का प्रभाव: बोलपुर में चयनित ग्रामीण क्षेत्रों का एक अध्ययन उप-मंडल।
3. बीरभूम में कौशल विकास कार्यक्रम के लिए नैदानिक अध्ययन
4. बीरभूम में विविध कृषि गतिविधियों के लिए सर्वेक्षण।

अध्याय-2

प्रकाशन:

- ग्रामीण कार्यबल की आजीविका पर कोविड-19 महारारी का प्रभाव, नई दिल्ली प्रकाशक, नई दिल्ली, आईएसीएन-9789392513404
- भारत के स्वास्थ्य और आर्थिक मुद्दों पर कोविड-19 का प्रभाव। देबासिस द्वारा संपादित भट्टाचार्या एंड दया शंकर कुशवाहा, नई दिल्ली पॉबलिशर्स, नई दिल्ली, आईएसबीएन-9789393878533

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी:

केंद्र ने ए कडी सेंटर, विश्व-भारती ऑन हैंड बाटिक और डिज़ाइन किए गए पकौड़े (घोहोना बोरी) से प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए पुरुष और महिला दोनों समुदाय के युवाओं (70 नगः) को जुटाया। कृषि संस्थान के सहयोग से एक उद्यमिता विकास कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। स्थानीय ग्रामीण समुदाय के लिए बाटिक और डिज़ाइन किए गए पकौड़े पर प्रशिक्षण दिया गया। केंद्र की स्थानीय समुदाय को सशक्त बनाने के लिए उपर्युक्त क्षेत्र में और अधिक कौशल कार्यक्रमों को बढ़ाने की योजना है।

केंद्र का एक संक्षिप्त इतिहास:

1995 में तत्कालीन योजना आयोग ने अपने शिक्षण, अनुसंधान विस्तार और सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए कुछ चयनित विश्वविद्यालयों में एक इकाई और एक चेयर स्थापित करने की योजना बनाई। विश्वारती उन विश्वविद्यालयों में से एक है जिन्होंने इस तरह के केंद्र और एक चेयर की स्थापना के लिए बंदोबस्ती निधि प्राप्त की। पूर्व योजना आयोग द्वारा इस विषय पर किये गये पत्र व्यवहार से ऐसे केंद्र की स्थापना का उद्देश्य स्पष्ट हो जायेगा। राज्यों के रूप में “योजना अध्ययन आयोग अध्ययन और अनुसंधान को बढ़ा देने में रुचि रखता है” योजना और विकास पर और संबंधित मुद्दों पर एक सूचित बहस उठाना। केंद्र का नाम “योजना और विकास इकाई” था। प्रमुख क्षेत्र जिन पर इकाई अपनी शोध गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित कर रही है, वे हैं ग्रामीण विकास, कृषि, ग्रामीण स्वास्थ्य, बाल विकास और प्रभाव।

भारत सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों का मूल्यांकन बाद में प्रसिद्ध अर्थशास्त्री प्रोफेसर ए.के. दासगुप्ता के नाम पर यूनिट का काम बदल दिया गया। तत्कालीन योजना आयोग ने 2012 में चेयर और यूनीट का नाम बदलकर “प्रोफेसर ए.के. दासगुप्ता चेयर इन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट” और यूनिट का नाम “ए.के. दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट” रखा। वर्तमान में केंद्र 33, पूर्वपल्ली, शांतिनिकेतन में स्थित है। केंद्र है नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित और कुलपति, विश्व-भारती की अध्यक्षता में हैं।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ

विश्वभारती ने सन् 1983 में एससी और एसटी के लिए एक विशेष प्रकोष्ठ की स्थापना की और इसमें निम्नलिखित गतिविधियाँ शामिल हैं:

विश्वभारती द्वारा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए विशेष प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है, जो छात्रों के प्रवेश, शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की पदोन्नति के संबंध में आरक्षण नीति के कार्यान्वयन की देख-रेख करता है। प्रकोष्ठ की गतिविधियों को देखने के लिए एक प्रभारी प्रोफेसर और एक सहायक कुलसचिव को तैनात किया जाता है और उन्हें एक अनुभाग अधिकारी, एक वरिष्ठ सहायक, एक कार्यालय सहायक और एक चपरासी (आवधिक कर्मी) द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। वर्तमान में यह प्रकोष्ठ एससी/एसटी/ओबीसी और पीडब्ल्यूडी प्रकोष्ठ के रूप में कार्य कर रहा है।

प्रो. लारिशा एम लिंडेम, जीवविज्ञान विभाग, शिक्षा भवन, प्रो. देबासिस भट्टाचार्य, कृषि सांख्यिकी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन और डॉ. संजय घोष, संयुक्त कुलसचिव (लेखा), विश्वभारती को क्रमशः एससी, एसटी, पीडब्ल्यूडी तथा ईडब्ल्यूएस और ओबीसी श्रेणी के लिए संपर्क अधिकारी नियुक्त किया गया है।

इसके अलावा प्रो. लारिशा एम लिंडेम, जीवविज्ञान विभाग, शिक्षा भवन, प्रो. देवाशीष भट्टाचार्य, कृषि सांख्यिकी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन और डॉ. संजय घोष, संयुक्त कुलसचिव (लेखा), विश्वभारती को अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/पीडब्ल्यूडी/ईडब्ल्यूएस और ओबीसी हेतु समय-समय पर जारी भारत सरकार के प्रासंगिक नियमों/दिशानिर्देशों के अनुसार कर्तव्यों का पालन करने के लिए नोडल अधिकारी के रूप में भी नियुक्त किया गया है।

कर्मचारियों (शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक) और छात्रों के प्रवेश के संबंध में आरक्षण नीतियों के कार्यान्वयन की समीक्षा और निगरानी के लिए उपाचार्य द्वारा अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति पर एक स्थायी सलाहकार समिति का गठन किया गया है। इसके अलावा विभिन्न भवनों में एससी, एसटी, ओबीसी और पीडब्ल्यूडी और ईडब्ल्यूएस छात्रों के प्रवेश के संबंध में आरक्षण नीति के उचित कार्यान्वयन का निरीक्षण करने के लिए 'प्रवेश में आरक्षण निगरानी समिति' भी गठित की गई है।

प्रकोष्ठ सीधी भर्ती और पदोन्नति के मामले में शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक पदों के एससी/एसटी/ओबीसी और ईडब्ल्यूएस के आरक्षण रोस्टर और आरक्षण रोस्टर रजिस्ट्रों की देखभाल कर रहा है। विकलांग व्यक्तियों के लिए सभी समूह ए, बी, सी और डी पदों पर सीधी भर्ती में और केवल गैर-शैक्षणिक पदों के समूह सी और डी की पदोन्नति के मामले में आरक्षण रजिस्टर शुरू किए गए हैं। आरक्षण नीति और अन्य संबंधित मामलों के संबंध में भारत सरकार के दिशानिर्देश / परिपत्र विश्वविद्यालय की

अध्याय-2

कार्यकारी परिषद के अनुमोदन से लागू किए जाते हैं। वर्ष 2010, 2019 और 2021 में शैक्षणिक पदों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के बैकलॉग और कमी को भरने के लिए एक विशेष भर्ती अभियान चलाया गया था। इसके अलावा, दिनांक 31 जनवरी, 2019 के भारत सरकार के पत्रांक O.M.No.30039/1/2019-Estt(Res) के अनुसार विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक और गैर- शैक्षणिक पदों पर ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) के लिए सीधी भर्ती में 10% आरक्षण को लागू किया गया है।

बारहवीं योजना के दौरान सामान्य विकास सहायक अनुदान के तहत यूजीसी द्वारा निर्देश के अनुसार विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक छात्रों के लिए यूजी और पीजी स्तर पर 'रेमेडियल कोचिंग' की एक योजना शुरू की गई थी और इन समुदायों के छात्रों की एक बड़ी संख्या ने योजना का लाभ उठाया। हालाँकि वर्तमान में यह योजना काम नहीं कर रही है।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों या कर्मचारियों द्वारा दर्ज की गई किसी भी शिकायत/परिवाद को तुरंत देखा जाता है और उनके समय पर और उचित निवारण के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन के ध्यान में लाया जाता है।

विश्वविद्यालय के सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से प्रकोष्ठ पीडब्ल्यूडी के लिए 5% आरक्षण और प्रवेश में ओबीसी की केंद्रीय सूची और भर्ती में 4% के आरक्षण का पालन कर रहा है।

इंदिरा गांधी केंद्र, विश्वभारती

केंद्र द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियाँ/एनएसएस/साँस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ और विभाग के शिक्षकों और छात्रों की सहभागिता:

- 21/02/2022: “अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस” समारोह
- इंदिरा गांधी केंद्र ने 21 फरवरी, 2022 को बांग्लादेश भवन, विदेशी छात्र सहायता प्रकोष्ठ और विश्वभारती के कर्मी मंडल के सहयोग से “अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस” मनाया। समारोह विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय अतिथि गृह से सुबह के जुलूस के साथ शुरू हुआ और बांग्लादेश भवन में समाप्त हुआ। जुलूस में भाग लेने वालों में विदेशों और भारत के विश्वभारती के छात्र, विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, इंदिरा गांधी केंद्र के निदेशक एवं कर्मचारियों के साथ विभिन्न भवनों के गणमान्य लोग शामिल हुए। जुलूस की शुरुआत भाषा के शहीदों को याद करते हुए प्रतिभागियों द्वारा गाए गए देशभक्ति गीतों के साथ हुई। सुबह के जुलूस के अंत में बांग्लादेश भवन के सभागार में एक साँस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विदेशी छात्रों, विभिन्न विदेशी भाषा विभागों के भारतीय छात्रों और पाठ-भवन के छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

अन्य संबद्ध सूचना

- इंदिरा गांधी केंद्र की स्थापना विश्वभारती के दो पूर्व कुलपतियों की पहल से हुई थी। मुख्य रूप से यह एक शोध केंद्र है, जो गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा बताए गए शांति और सार्वभौमिक भाईचारे के विचारों के प्रसार के तरीकों का खुलासा करने के लिए परियोजनाओं (अकादमिक और साँस्कृतिक) को शुरू करने वाला है।
- वर्तमान में केंद्र का केवल एक शोध सहयोगी “सिंधु घाटी सभ्यता और स्वास्थ्य अभ्यास” शोध परियोजना पर काम कर रहा है। परियोजना पूरी होने के कगार पर है। दो शोध-पत्रों की पांडुलिपियां प्रकाशन के लिए तैयार हैं।
- अटल इनक्यूबेशन मिशन, नीति आयोग के एसीआईसी कार्यक्रम के तहत इंदिरा गांधी केंद्र ने “अटल इनक्यूबेशन सेंटर” के लिए अनुदान सहायता के लिए आवेदन किया है। केंद्र को सूचीकृत किया गया है और राशि प्राप्त करने की दिशा में केंद्र दो कदम पहले ही पार कर चुका है। शायद बहुत कम समय में इंदिरा गांधी केंद्र को एक नई शुरुआत के लिए राशि मिल सकती है।

संगणक केंद्र

कंप्यूटर केंद्र की स्थापना 1983 में भौतिक विज्ञान विभाग में की गई थी। पहली इमारत (ढलान वाली छत के साथ) का उद्घाटन 16 जनवरी 1988 को तत्कालीन चांसलर राजीव गांधी द्वारा किया गया था। कंप्यूटर केंद्र एक सेवा केंद्र के रूप में कार्य करता है, जो अपने शैक्षणिक कार्यों को करने के अलावा शैक्षणिक और प्रशासनिक दोनों विभागों का सहयोग करता है। भारत सरकार ने कंप्यूटर एप्लीकेशन (पीजीडीसीए) पाठ्यक्रम में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आयोजित करने की 1989 में मंजूरी दी और पहला सत्र 1991 में शुरू हुआ। पीजीडीसीए पाठ्यक्रम की सफल प्रगति का मूल्यांकन यूजीसी द्वारा 1993-94 के दौरान किया गया और एमसीए पाठ्यक्रम में उन्नयन की अनुमति दी गई। पाठ्यक्रम 1999 में शुरू हुआ और बाद में कंप्यूटर और सिस्टम विज्ञान विभाग में स्थानांतरित हो गया। वर्तमान भवन का निर्माण यूजीसी योजनागत अनुदान से किया गया था और 2006 में इसका उद्घाटन हुआ था।

1) संसाधन: हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर

i) हार्डवेयर -

- कुल पीसी - 30
- प्रिंटर (फोटोकॉपियर सहित) - 7
- प्रोजेक्टर - 1
- सिस्को राउटर - 1
- फ़ायरवॉल [फोर्टिगेट 600डी(UTM)] - 1

ii) सॉफ्टवेयर

- ओएस-विंडोज 10 और 11 और उबंटू 20.04 LTS
- एंटी-वायरस- ESECT और क्विक हील
- सीएमएस
- WYSIWUG वेब बिल्डर
- इनवेंटम
- वीएमवेयर

2) प्रकार्य और सेवाएँ

- a) विश्वभारती परिवार के लिए 24x7 कंप्यूटर केंद्र की सेवाएँ उपलब्ध हैं।
- b) 1 जीबीपीएस बैंडविड्थ वाले एनकेएन बैकबोन के माध्यम से वाई-फाई सज्ज परिसर।
- c) विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर 4500 (लगभग) नोटिस और अन्य दस्तावेज अपलोड किए।
- d) विश्वविद्यालय की वेबसाइट का रखरखाव और उन्नयन
- e) तकनीकी सहायता के अन्य क्षेत्र:

- i. जूम के माध्यम से शैक्षणिक और प्रशासनिक बैठकें - लगभग 903 ऑनलाइन बैठकों की मेजबानी की।
- ii. साप्ताहिक और विशेष उपासना मंदिर का यूट्यूब लाइव - सोलह (16) कार्यक्रम।
- iii. ऑनलाइन संगीत चिकित्सा और विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम की मेजबानी - लगभग एक सौ (100) सत्र संख्या।
- iv. ऑनलाइन योग शिविर की मेजबानी - लगभग एक सौ तीस (130) संख्या।
- v. समर्थ परियोजना के कुछ मॉड्यूल का उपयोग करने के लिए लॉजिस्टिक सहायता प्रदान करना:
 - a. 2021 से विश्वविद्यालय प्रवेश प्रक्रिया
 - b. नियुक्ति प्रक्रिया
 - c. 2021-22 से परीक्षा कार्यक्रम
- f) सभी भवनों में स्मार्ट क्लासरूम स्थापित करने में सहायता प्रदान करना।
- g) विश्वविद्यालय समुदाय को संस्थागत ई-मेल सुविधा और पासवर्ड रीसेट करने की सुविधा प्रदान करता है- लगभग पंद्रह सौ (1500) से अधिक नई मेल आईडी बनाई गई और दो सौ (200) से अधिक पासवर्ड रीसेट किया गया।
- h) संकाय पदों के लिए आवेदकों की स्क्रीनिंग में सहायता प्रदान करता है - 25 संकाय सदस्यों ने सेवा का लाभ उठाया।
- i) आवश्यकता पर प्रशासन और शैक्षणिक विभागों को आईसीटी परामर्श और मार्गदर्शन सेवाएँ।
- j) विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को समर्थ मॉड्यूल (फाइल ट्रेकिंग) के प्रशिक्षण के लिए एक स्थान के रूप में कंप्यूटर केंद्र का उपयोग किया गया था। विभिन्न दिनों में कुल एक सौ सोलह (116) में कर्मचारियों ने भाग लिया।
- k) कंप्यूटर केंद्र का उपयोग सीयूईटी-2022 के लिए राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के साथ ऑनलाइन बैठक में भाग लेने और चर्चा एवं तकनीकी सहायता के लिए 'समर्थ' टीम के साथ बैठक के लिए एक स्थल के रूप में किया गया था। कुल ग्यारह बैठकों में विश्वभारती के प्रवेश समन्वय प्रकोष्ठ के कर्मियों ने भाग लिया।
- l) निम्न दो ऑनलाइन अभिविन्यास/जागरूकता सत्र आयोजित किए:
 - i. 19 जनवरी 2022 को "जूम - एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग टूल"
 - ii. 27 जनवरी 2022 को "सिंक्रोनस एंड असिंक्रोनस एकेडेमिक प्रैक्टिसेज यूजिंग लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस)"
- m) एमएचआरडी (अब एमओई) वाई-फाई पासवर्ड का निर्माण- वर्ष के दौरान आठ सौ (800) से अधिक पासवर्ड बनाए गए।

अध्याय-2

- n) विश्वविद्यालय परिवार के लिए एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया था, जो पूरे परिसर में वाई-फाई कनेक्टिविटी से संबंधित मुद्दों को सबसे तेजी से संबोधित करता है और हल करता है।
- o) वर्ष के दौरान 'ऑनलाइन शिक्षण के लिए आइसीटी सक्षम बुनियादी ढाँचे' के लिए पचहत्तर लाख रुपये (75,00,000/-) की पूँजीगत संपत्ति अनुदान का उचित उपयोग सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू की गई है, क्योंकि प्रभारी, कंप्यूटर केंद्र उक्त अनुदान का नोडल अधिकारी थे।

उद्यान अनुभाग

पूरे सत्र 2021-22 के दौरान विश्वविद्यालय उद्यान अनुभाग ने सभी उद्यानों के सौंदर्यीकरण की व्यवस्था नियमित रूप से बनाए रखी। उद्यान अनुभाग ने विभागों के साथ-साथ विभिन्न भवनों की आवश्यकता के अनुसार मानव शक्ति का उचित उपयोग किया। सौंदर्यीकरण के लिए व्यवस्थित रूप से वृक्षारोपण की व्यवस्था की गई और स्वच्छ पर्यावरण को बनाए रखने का भी प्रयास किया गया। समग्र रूप से स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के लिए अनुभाग नियमित रूप से सफाई का ध्यान रखता है। यह अनुभाग विभिन्न कार्यों के लिए फूलों की आपूर्ति करता है और मंदिर (उपासना) और विश्वविद्यालय के विभिन्न पारंपरिक उत्सवों के आयोजन के लिए मानव शक्ति और सामग्री भी प्रदान करता है। अनुभाग के लोगों ने जरूरत के हिसाब से अवांछित पेड़ों, पेड़ों की शाखाओं को काटा। इस अनुभाग ने मौसमी फूलों के लिए एक नर्सरी का रख-रखाव किया और रोपण के लिए बाहर से नए पेड़ और उर्वरक के अनूठे संग्रह की पहल भी की। उद्यान अनुभाग भी धीरे-धीरे शुरू की गई कटाई-छँटाई प्रणाली की प्रक्रिया का पालन करता है। सभी संबंधित गतिविधियों को देखने के लिए अनुबंधित श्रमिकों (आदिवासी महादल) ने भी उद्यान कर्मचारियों के साथ काम किया। उद्यान अनुभाग मुख्य रूप से उपासनागृह, छातिमतला, रवींद्र भवन, केंद्रीय प्रशासनिक भवन, कुलपति कार्यालय, केंद्रीय पुस्तकालय, पूरबीता, कुथिबाड़ी, कुलसचिव का निवास, पूर्वपल्ली पुरुष छात्रावास, लिपिका, उद्यान कार्यालय, पुराना मेला मैदान, मलांचा, कला-भवन क्षेत्र, संगीत-भवन क्षेत्र, इंदिरा गांधी केंद्र, शैक्षणिक और शोध केंद्र, रथींद्र अतिथि गृह, पूर्वपल्ली अतिथि गृह क्षेत्र आदि की देखभाल करता है।

क्रीड़ा बोर्ड

परिकल्पना:

विश्व में स्थिरता, टिकाऊपन, संपत्ति और शांति बनाए रखने के लिए विभिन्न शारीरिक अभ्यासों के माध्यम से हमारे भवनों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के युवाओं के लिए एक मजबूत खेल आधार बनाने के लिए जागरूकता फैलाना; स्वच्छ पर्यावरण और मानव संसाधन विकसित करना; आज के सितारे एवं कल के नेतृत्वकर्ताओं में खेल के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एकता की भावना विकसित करना।

मिशन:

दोपहर के सत्र में कक्षा 2 से 12 तक की खेल गतिविधियों का पर्यवेक्षण और नियंत्रण करना; विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं (अर्थात् भवन, विभाग, कक्षाओं की पारस्परिक प्रतिस्पर्धाओं के साथ राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालयी खेल, आमंत्रण मैच आदि) को आयोजित करने के लिए आवश्यक कदम उठाना; विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं/प्रतियोगितायों (अंतर-विद्यालयी, राष्ट्रीय/विश्वविद्यालयी खेलों, अनुमंडल/ जिला, आमंत्रण मैच आदि) में भाग लेना; विभिन्न खेल संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला को आयोजित करना और प्रतिष्ठित खेल हस्तियों द्वारा अतिथि व्याख्यान/प्रशिक्षण के लिए पहल करना; विश्वविद्यालय के युवाओं की व्यापक खेल सुविधाओं के लिए खेल सुविधाओं को विकसित करना; विभिन्न खेल विषयों में अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रशिक्षण शिविर; प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए खेल कोटे में प्रवेश और उनकी सुविधाएँ; भारत के साथ विदेश के प्रमुख विश्वविद्यालयों के साथ खेल संस्कृति विनिमय कार्यक्रम; नवोदित छात्र खिलाड़ियों को प्रेरित करने और दूसरों को विस्तृत जानकारी देने के लिए वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित करना; स्वस्थ संबंध बनाए और विकसित करना; राज्य संघ, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, भारतीय खेल प्राधिकरण, जिला संघ और अन्य समान खेल निकायों के साथ विश्वविद्यालय के खेल की बेहतरी के लिए व्यापक अवसर का उपयोग करने के लिए संपर्क; छात्र युवाओं की सामान्य फिटनेस विकसित करना, प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का पता लगाना और खेल उपलब्धि के उच्च स्तर के लिए उनका सहयोग करना; आधुनिक बुनियादी खेल ढाँचे को विकसित करने के लिए नवीनतम वैज्ञानिक खेल ज्ञान का उपयोग करना। विभिन्न राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के खेलों में 200 से अधिक छात्र खिलाड़ियों ने भाग लिया।

2021-22 के दौरान उपलब्धि:

- आम तौर पर विभिन्न अंतरविश्वविद्यालयी प्रतिस्पर्धाओं में बीस से अधिक टीमों भाग लेती रही हैं, लेकिन महामारी की स्थिति (कोविड-19) के कारण विश्वविद्यालय की टीमों इस सत्र में भाग नहीं ले

पाई, बहरहाल हम किसी भी समय खेलने के लिए निम्नलिखित टीमों को तैयार रखते हैं- फुटबॉल, क्रिकेट, योग, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, जिम्नास्टिक, बैडमिंटन, टेबल-टेनिस, खो-खो, कबड्डी, जूडो, वुशु, एथलेटिक्स, तीरंदाजी आदि।

- फुटबॉल (पुरुष), वॉलीबॉल (पुरुष और महिला), क्रिकेट (पुरुष), जिम्नास्टिक (पुरुष और महिला), योग (पुरुष और महिला), बास्केटबॉल (पुरुष और महिला), बैडमिंटन (पुरुष और महिला), टेबल - टेनिस (पुरुष और महिला), जूडो (पुरुष और महिला), वुशु (पुरुष और महिला), खो-खो और कबड्डी (पुरुष और महिला), एथलेटिक्स (पुरुष और महिला), तीरंदाजी (पुरुष और महिला) आदि के लिए प्रशिक्षण-अभ्यास की सुविधाएँ दी गई।
- स्वस्थ, सुरक्षित और व्यक्तिगत अभ्यास के लिए छात्रों को ऑनलाइन और ऑफ-लाइन मोड द्वारा अधिक सुविधाएँ और जागरूकता के प्रयास शुरू किए गए हैं।

पूरे सत्र में खेल के बुनियादी ढाँचे का विकास जारी रहा।

एनसीसी

14 अगस्त 2021 - फिट इंडिया दौड़ (50 बीएन एनसीसी द्वारा आयोजित) जिनमें विश्वभारती एनसीसी इकाई ने कई स्थानों पर जीत हासिल की:

दौड़:

1) पहला - अविजित कैवर्त 2) तृतीय - अरुण माल

चिन अप

1) पहला — a) दिव्येंदु मंडल b) सुकुमार लाहा

2) तीसरा — राजकुमार थंडेर

26 से 31 जुलाई 2021

- 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के आठवें शिविर में विश्वभारती एनसीसी इकाई के 3 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

18 से 27 सितंबर 2021

विश्वभारती एनसीसी यूनिट के 7 प्रतिभागियों ने संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर - बीडी -3 में भाग लिया, जिसका आयोजन 50 बीएन एनसीसी द्वारा बांधगोरा काली कृष्ण विद्यालय, बोलपुर, बीरभूम में किया गया था, जहाँ निम्नलिखित कैडेट दिए गए स्थान पर थे:

1. दिव्येंदु मंडल - सर्वश्रेष्ठ ड्रिल
2. दीपशिखा तमांग - पूरे कैप के सर्वश्रेष्ठ कैडेट के लिए चौथा
3. तपस्या घोष - पूरे कैप के सर्वश्रेष्ठ कैडेट के लिए तीसरा
4. छात्रा समूह - कैप के सर्वश्रेष्ठ कैडेट्स के लिए प्रथम
5. मेघा सहाना - सर्वश्रेष्ठ कैडेट के लिए दूसरा और सर्वश्रेष्ठ ड्रिल के लिए भी
6. हीरा मंडल - सर्वश्रेष्ठ कैडेट

50 बंगाल बटालियन में सर्वश्रेष्ठ कैडेट:

क) साग्निक भट्टाचार्य

ग) संबित भट्टाचार्य

ग) सौमिक पॉल

घ) शांतनु पाल

2 अक्टूबर 2021 को विश्वभारती एनसीसी इकाई के कैडेटों द्वारा 'स्वच्छ भारत अभियान' का आयोजन किया गया।

28 नवंबर 2021 को विश्वभारती एनसीसी इकाई के कैडेटों द्वारा एनसीसी दिवस मनाया गया और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में निम्नलिखित कैडेटों ने स्थान प्राप्त किया:

- a) पहला — शांतनु दास
- b) तीसरा — कौशिक मंडल

4 से 14 मार्च 2022

विश्वभारती एनसीसी इकाई के कैडेटों ने संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर - बीडी-9 में भाग लिया, जो 50 बीएन एनसीसी द्वारा आयोजित किया गया था, जहाँ निम्नलिखित कैडेट विभिन्न प्रतियोगिताओं में उल्लिखित स्थानों पर रहे: -

- क. फायरिंग में पहला - कौशिक मेटा
- ख. फायरिंग में तीसरा - रीना पली
- ग. दौड़ में पहला - सुभदीप रॉय
- घ. दौड़ में पाँचवाँ - संबित भट्टाचार्य
- ङ. दौड़ में छठा - सग्निक भट्टाचार्य
- च. फुटबॉल में प्रथम — विश्वभारती की डेल्टा फुटबॉल टीम
- छ. खो-खो में प्रथम - विश्वभारती की खो-खो-डेल्टा टीम
- ज. निबंध लेखन में दूसरा - दीप कुमार दास
- झ. निबंध लेखन में तीसरा — सुष्मिता सरदार
- ञ. सर्वश्रेष्ठ कैडेट पुरस्कार - संचारी भट्टाचार्य

विश्वभारती एनसीसी इकाई ने निम्नलिखित दिवसों को हमेशा की तरह मनाया:

1. 15 अगस्त 2021 — स्वतंत्रता दिवस
2. 26 जनवरी 2022 — गणतंत्र दिवस
3. 14 फरवरी 2022 - काला दिवस

व्याख्यान शृंखला

विश्वभारती व्याख्यान शृंखला:

1. 30वीं विश्वभारती व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत “चुनाव को कैसे समझें?” विषय पर व्याख्यान प्रो. संजय कुमार, संयुक्त सलाहकार, नीति आयोग, भारत सरकार और पूर्व में सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज (सीएसडीएस), नई दिल्ली के निदेशक द्वारा 07 अप्रैल 2021 (बुधवार) को शाम 4.00 बजे दिया गया।
2. 31वीं विश्वभारती व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत “एक नई कौमार्यपन? पश्चिम बंगाल में बाल विवाह” विषय पर व्याख्यान प्रो. समिता सेन द्वारा 16 अप्रैल 2021 (शुक्रवार) शाम 4.00 बजे दिया गया, प्रो. सेन कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में शाही और नौसेना इतिहास में वेरे हार्मर्सवर्थ प्रोफेसर हैं। वह डायमंड हार्बर महिला विश्वविद्यालय (पश्चिम बंगाल, भारत) की पहली कुलपति भी रहीं हैं।
3. 32वीं विश्वभारती व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत “भारत की अर्थव्यवस्था: एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य” पर व्याख्यान पद्मभूषण प्रो. अरविंद पनगड़िया, एक भारतीय-अमेरिकी अर्थशास्त्री और कोलंबिया विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर, जिन्होंने भारत सरकार के थिंक-टैंक नीति आयोग के पहले उपाध्यक्ष के रूप में जनवरी 2015 और अगस्त 2017 के बीच कार्य किया, द्वारा 20 अप्रैल 2021 (मंगलवार) शाम 6.30 बजे दिया गया।
4. 33वीं विश्वभारती व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत “लीडरशिप टूलकिट: एडिंग ए कोचिंग प्रोसेस टू एनहांस लीडर इफेक्टिवनेस” विषय पर प्रो. बॉब कोलोडिंस्की, प्रोफेसर, प्रबंधन विभाग, कॉलेज ऑफ बिजनेस करियर प्लानिंग फैकल्टी एसोसिएट (जेएमयू सेंटर फॉर फैकल्टी इनोवेशन), जेम्स मैडिसन यूनिवर्सिटी, हैरिसनबर्ग, वर्जीनिया द्वारा 23 अप्रैल 2021 (शुक्रवार) शाम 5.30 बजे दिया गया।
5. 34वीं विश्वभारती व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत “एकाधिक सीमांतता और हिंदुत्व” पर प्रो. बद्री नारायण तिवारी, निदेशक, जी.बी. पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान (जीबीपीएसएसआई) झूसी, प्रयागराज द्वारा 27 अप्रैल 2021 (मंगलवार) शाम 4.00 बजे दिया गया। प्रो. बद्री तिवारी, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, सूरीनाम विश्वविद्यालय, लीडेन विश्वविद्यालय में फेलो रह चुके हैं।
6. 35वीं विश्वभारती व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत “कोविड महामारी के माध्यम से परिसंचलन: भविष्य की दृष्टि” विषय पर व्याख्यान डॉ. कुणाल सरकार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष और प्रख्यात सलाहकार - कार्डियक सर्जरी, जो वर्तमान में मेडिका सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, कोलकाता, भारत में कार्यरत हैं, द्वारा 19 मई 2021 (बुधवार) शाम 4.00 बजे विषय पर दिया गया।

7. 36वीं विश्वभारती व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत “रवींद्रनाथ और अन्य लेखकों का कर्म” विषय पर व्याख्यान प्रोफेसर अमल कुमार पाल, बांग्ला विभाग, भाषा भवन और निदेशक (कार्यकारी), रवींद्र-भवन, विश्वभारती द्वारा 15 जुलाई 2021 (गुरुवार) शाम 4.00 बजे दिया गया।
8. 37वीं विश्वभारती व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत “2021 में चीन - आगे क्या?” विषय पर व्याख्यान प्रोफेसर राणा मित्तर्, आधुनिक चीन के इतिहास और राजनीति के प्रोफेसर, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यूके और उपाध्यक्ष (सार्वजनिक जुड़ाव), ब्रिटिश अकादमी द्वारा 9 अगस्त 2021 (सोमवार) शाम 4.00 बजे दिया गया।
9. 38वीं विश्वभारती व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत “तीसरी कोविड लहर के लिए तैयारी” विषय पर व्याख्यान डॉ. कुणाल सरकार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष और प्रख्यात सलाहकार - कार्डिएक सर्जरी, जो वर्तमान में मेडिका सुपरस्पेशलिटी अस्पताल, कोलकाता, भारत में कार्यरत हैं, द्वारा 6 अगस्त 2021 (सोमवार) शाम 4.00 बजे दिया गया।
10. 39वीं विश्वभारती व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत “कोविड महामारी की तीसरी लहर का सामना करने की तैयारी” पर डॉ. दीपेंद्र के. सरकार, प्रोफेसर, सर्जरी विभाग; परामर्शक, कोविड केयर नेटवर्क; कोविड रणनीतिकार टीम, आईपीजीएमईआर, कोलकाता और हॉक प्रोफेसर, मेयो क्लिनिक, रोचेस्टर द्वारा 18 अगस्त 2021 (बुधवार) दोपहर 3.00 बजे दिया गया।
11. 40वीं विश्वभारती व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत कलकत्ता, तेलंगाना में उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति थोड्डाथिल बी. राधाकृष्णन द्वारा “अशांति और शांति के बीच मेरा प्रवास - बड़ा होना, सीखना, रहना और सार्वभौमिक नागरिकता में निहित जिम्मेदार समाज में काम करना” विषय पर व्याख्यान 26 अगस्त 2021 (गुरुवार) शाम 4.00 बजे दिया गया।
12. 41वीं विश्वभारती व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत डॉ. नबा कुमार बसु, सर्जन और प्रख्यात लेखक द्वारा “आलो आंधारे टानापोड़ेने रथींद्रनाथ” विषय पर व्याख्यान 22 सितंबर 2021 (बुधवार) शाम 4.00 बजे दिया गया।
13. 42वीं विश्वभारती व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत “टैगोर-गांधी संवाद: विचारों का एक अनुकरणीय आदान-प्रदान” विषय पर व्याख्यान प्रोफेसर डेनिस डाल्टन, राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर एमेरिटस, बरनार्ड कॉलेज, कोलंबिया विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क, यूएस द्वारा 28 अक्टूबर 2021 (गुरुवार) शाम 7.00 बजे दिया गया।
14. 43वीं विश्वभारती व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत प्रो. पद्मनाभन बलराम, प्रख्यात बायोकेमिस्ट और भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलूर, भारत के पूर्व निदेशक द्वारा “कोरोनावायरस के दौर में रसायनविज्ञान और जीवविज्ञान पर विचार” विषय पर व्याख्यान 12 नवंबर 2021 (शुक्रवार) को

अध्याय-2

4.00 बजे दिया गया। प्रो. पद्मनाभन तीसरे सर्वोच्च भारतीय नागरिक सम्मान पद्मभूषण से सम्मानित हैं।

15. 44वीं विश्वभारती व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत “एक शिक्षक और एक छात्र के बीच संबंध: गुरु देव रवींद्रनाथ टैगोर और महात्मा गांधी को समझना” विषय पर व्याख्यान प्रो. ए. रघुरामराजू, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुपति, आंध्र प्रदेश, भारत द्वारा 30 नवंबर 2021 (मंगलवार) शाम 4.00 बजे दिया गया।
16. 45वीं विश्वभारती व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत “प्रांतोबासीर लेखालिखि” विषय पर व्याख्यान डॉ. नबा कुमार बसु, सर्जन और प्रख्यात लेखक द्वारा 25 जनवरी 2022 (मंगलवार) दोपहर 3.00 बजे दिया गया।
17. 46वीं विश्वभारती व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर), नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे द्वारा “भारत: एक विनम्र शक्ति” विषय पर व्याख्यान 21 जनवरी 2022 (शुक्रवार) शाम 5.00 बजे दिया गया।
18. 47वीं विश्वभारती व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत “भारत की विदेश नीति: पुरानी कूटनीति के लिए नई चुनौतियाँ” विषय पर व्याख्यान राजदूत अमित दासगुप्ता, शुरुआती देश निदेशक, सिडनी में भारत के महावाणिज्य दूत (2009-2012), फिलीपींस में राजदूत और वित्त निदेशक, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जूम प्लेटफॉर्म पर 23 फरवरी 2022 (बुधवार) शाम 4.00 बजे दिया गया।
19. 48वीं विश्वभारती व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत “औपनिवेशिक विरोधी विषय के बाद कौन आता है? अम्बेडकर की मानव स्वतंत्रता का पुरातत्व” विषय पर व्याख्यान डॉ. ऐश्वर्य कुमार, दर्शनशास्त्र, दर्शनशास्त्र, इतिहास और सरकार में प्रोफेसरियल फेलो, स्टैनफोर्ड ग्लोबल स्टडीज, सेंटर फॉर साउथ एशिया, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा जूम प्लेटफॉर्म 25 फरवरी 2022 (शुक्रवार) सुबह 11.00 बजे पर दिया गया।

संवाद: विश्वभारती युवा विद्वानों की व्याख्यान शृंखला

1. 5वीं विश्वभारती युवा विद्वानों की व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत “अचलायतन पुनर्विचार : अनुशासन का वास्तुशास्त्र” विषय पर व्याख्यान जूम प्लेटफॉर्म के माध्यम से अंग्रेजी विभाग, भाषा भवन, विश्वभारती की एसोसिएट प्रोफेसर अनन्या दत्ता गुप्ता द्वारा 17 मई, 2021 (सोमवार) दोपहर 3:30 बजे दिया गया।
2. छठी विश्वभारती युवा विद्वानों की व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत डॉ. सुरंजिमा साहा, सहायक व्याख्याता, पाठ-भवन द्वारा “संपर्क क्षेत्र: इत्सामुद्दीन की 'द वंडर्स ऑफ विलायत' ” विषय पर व्याख्यान 5 जुलाई, 2021 (सोमवार) दोपहर 3:30 बजे दिया गया।

3. 7वीं विश्वभारती युवा विद्वानों की व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत “सटीक कृषि: स्थिति, रणनीति और प्रौद्योगिकी” विषय पर व्याख्यान डॉ किशोर च. स्वाइन, सहायक प्रोफेसर, कृषि इंजीनियरिंग विभाग, पीएसबी, विश्वभारती द्वारा 17 अगस्त, 2021 (मंगलवार) दोपहर 3:30 बजे दिया गया।
4. 8वीं विश्वभारती युवा विद्वानों की व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत “विद्युत रसायन और उद्योगों में इसके अनुप्रयोग” विषय पर व्याख्यान जूम प्लेटफॉर्म के माध्यम से डॉ. अरुण भट्टाचार्य, सहायक व्याख्याता, शिक्षा-सत्र, विश्वभारती द्वारा 7 अक्टूबर, 2021 (गुरुवार) दोपहर 3:30 बजे दिया गया।
5. 9वीं विश्वभारती युवा विद्वानों की व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत “भारत में समावेशी शिक्षा के कार्यान्वयन की बाधाएँ” विषय पर व्याख्यान डॉ. शर्मिला यादव, सहायक प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, विनय भवन, विश्वभारती द्वारा 9 दिसंबर, 2021 (गुरुवार) दोपहर 3:30 बजे दिया गया।
6. 10वीं विश्वभारती युवा विद्वानों की व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत “भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोविड-19 के प्रभाव” विषय पर व्याख्यान डॉ नीलमणि जायसवाल, सहायक प्रोफेसर, सामाजिक कार्य विभाग, पल्ली संगठन विभाग, विश्वभारती द्वारा 21 दिसंबर, 2021 (मंगलवार) दोपहर 3:30 बजे दिया गया।
7. 11वीं विश्वभारती युवा विद्वानों की व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत “लोग क्यों चलते हैं: मानव इतिहास में प्रवासन की तकनीकी-स्थानिकता” विषय पर व्याख्यान डॉ. अतीग घोष, सहायक प्रोफेसर, इतिहास विभाग, विद्या भवन, विश्वभारती द्वारा 27 जनवरी, 2022 (गुरुवार) दोपहर 3:30 बजे दिया गया।
8. 12वीं विश्वभारती युवा विद्वानों की व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत “कल्पना के लिए प्रोत्साहन: पुनर्निर्माण की दहलीज के रूप में डिजाइन” विषय पर व्याख्यान डॉ. बनतनवी दास महापात्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, डिजाइन विभाग, कला भवन, विश्वभारती द्वारा 28 फरवरी, 2022 (सोमवार) दोपहर 3:30 बजे दिया।

विशेष व्याख्यान:

1. डॉ. सुभाष सरकार, माननीय शिक्षा राज्य मंत्री, भारत सरकार द्वारा “नई शिक्षा नीति – 2020” विषय पर विशेष व्याख्यान 18 अगस्त 2021 (बुधवार) सुबह 10.15 बजे दिया गया।
2. नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 126वीं जयंती पर “कबी गुरु देशनायक: किछू भावना” विषय पर 23 जनवरी 2022 दोपहर 3.00 बजे डॉ. अतीग घोष, सहायक प्रोफेसर, इतिहास विभाग, विश्वभारती द्वारा विशेष व्याख्यान दिया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

निम्नलिखित गतिविधियाँ हुईं:

- 20.05.2021: एनएसएस विश्वभारती ने “महामारी में एनएसएस स्वयंसेवकों की भूमिका” पर विशेष ऑनलाइन जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया। एनएसएस कोलकाता कार्यालय के क्षेत्रीय निदेशक श्री विनय कुमार ने विशेष व्याख्यान दिया। इस जागरूकता कार्यक्रम में कुल 100 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।
- 07.07.2021: एनएसएस विश्वभारती ने भाषा और विद्या भवन के स्वयंसेवकों के लिए ऑनलाइन अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया। अभिविन्यास कार्यक्रम में कुल 60 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।
- 15.08.2021: विश्वभारती के एनएसएस स्वयंसेवकों ने स्वतंत्रता दिवस परेड में भाग लिया। परेड में 30 स्वयंसेवकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।
- 12.01.2022: एनएसएस विश्वभारती ने “राष्ट्रीय युवा दिवस” के अवसर पर ऑनलाइन निबंध और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया, इसमें एनएसएस के कुल 50 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।
- 10.03.2022: शिक्षा सत्र की एनएसएस इकाई ने शिक्षा सत्र परिसर में “स्वच्छ भारत अभियान” का आयोजन किया। इसमें कुल 80 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

विद्यार्थी चिकित्सा बीमा

वर्ष	कुल जारी कार्ड	कुल प्रीमियम एकत्रित राशि	भुगतान की गई दावा राशि (₹)	प्राप्त छात्रों के दावे की कुल संख्या
2021-22	11193	2574390	350877	43

प्लेसमेंट पर रिपोर्ट		
वर्ष	कुल आवेदक	कुल चयनित
कैबिनेट सचिवालय द्वारा डीएफओ — जीडी (भारत सरकार)	178	34 (मौखिक घोषणा)

गतिविधि:

1. मनोवैज्ञानिक परामर्श निदेशक पीएसएनएस के कार्यालय की नियमित गतिविधि है।
2. छात्र सहायता कोष (अधिसूचित)

अध्याय - 3

शैक्षणिक पंचांग/कार्यक्रम

वर्ष : 2020-21

शैक्षणिक सत्र 1 जुलाई 2021 से 30 जून 2022 तक

	कार्यक्रम	समय सारणी
1.	प्रवेश	
क)	विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से उपलब्ध विभिन्न पाठ्यक्रमों एवं प्रोस्पेक्टस के प्रवेश पत्र।	06 अगस्त 2021 से
ख)	ऑनलाइन के माध्यम से आवेदन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि	26 अगस्त, 2021
	मेरिट सूची का ऑनलाइन प्रकाशन	10 सितंबर 2021
	उम्मीदवारों की काउंसलिंग (यूजी)	सितंबर 2021 - नवंबर 2021
	कक्षाओं का प्रारंभ	भवन के अनुसार
ग)	प्रवेश परीक्षा -पीजी पाठ्यक्रम एवं उसके परिणाम	सितंबर 2021- अक्टूबर 2021
घ)	पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश	अक्टूबर 2021- नवंबर 2021
2.	कक्षाओं का प्रारंभ	
क)	पाठ-भवन एवं शिक्षा-सत्र (माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा)	4 जनवरी एवं 1 अगस्त 2021
ख)	यूजी -I, III, V, VII, पीजी -I, III, बी.एड, बी.पी.एड एवं बी .ललित कला पाठ्यक्रमों में डिप्लोमा	सितंबर, 2021 तक
ग)	यूजी-II,IV,VII,VIII एवं पीजी- II,IV पाठ्यक्रम	16 फरवरी, 2022
3.	सर्टिफिकेट /डिप्लोमा / एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम	
क)	प्रवेश एवं प्रवेश प्रक्रिया को पूरा करने एवं कक्षाओं के प्रारंभ होने के लिए विज्ञापन [प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/ एडवांस डिप्लोमा ललित कला में डिप्लोमा/ पाठ्यक्रम (विदेशी एवं भारतीय)] ललित कला में एवं ब्रिज पाठ्यक्रम में)	विज्ञापन: 06 अगस्त, 2021 प्रवेश प्रक्रिया: अक्टूबर, 2021
4.	अंतिम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए फॉर्म भरना	
क)	स्कूल प्रमाणपत्र/पूर्व डिग्री परीक्षा (वार्षिक)	19 जनवरी, 2022 से 04 फरवरी, 2022 तक

ख)	यूजी -I, III, V, VII एवं पीजी-I, III सेमेस्टर	07 मार्च, 2022 तक		
ग)	UG-II, IV, VI, VIII, पीजी-II एवं पीजी-IV सेमेस्टर /अन्य अंतिम वर्ष	21 जून, 2022 से 08 जुलाई, 2022 तक		
5.	आंतरिक मूल्यांकन अंक जमा करना	विशेष परीक्षा शुरू होने से कम से कम एक सप्ताह पहले तक परीक्षा अनुभाग में जमा किया जाना है।		
6.	परीक्षा	प्रथम सेमेस्टर(सत्र) 18 अप्रैल, 2022 से 04 मई, 2022 के भीतर एवं दूसरा सेमेस्टर(सत्र) 15 अगस्त, 2022 के भीतर पूरा किया जाना है।		
क)	विद्यालय प्रमाणपत्र	मई, 2022 तक पूरा किया जाना है		
	पूर्व डिग्री	मई, 2022 तक पूरा किया जाना है		
ख)	यूजी -I, III, V, VII एवं पीजी-I, III एवं V सेमेस्टर	04 मई, 2022 तक पूरा किया जाना है		
ग)	यूजी -II, IV, VI, VIII एवं पीजी-II, IV सेमेस्टर	15 अगस्त, 2022 तक पूरा किया जाना है		
घ)	एम.फिल.	15 अगस्त, 2022 तक पूरा किया जाना है		
7.क.	अवकाश	क) पहला सत्र (गर्मी छुट्टी)	ख) दूसरा सत्र (पूजा अवकाश)	ग) तीसरा सत्र (शीतकालीन अवकाश)
	पाठ भवन	10 मई, 2021 से 09 जून, 2021	11 अक्टूबर, 2021 से 06 नवंबर, 2021	27 दिसंबर, 2021 से 02 जनवरी, 2022
	शिक्षा-सत्र	10 मई, 2021 से 09 जून, 2021	11 अक्टूबर, 2021 से 06 नवंबर, 2021	27 दिसंबर, 2021 से 02 जनवरी, 2022
7. ख.	संकाय के लिए अवकाश			
ए)	पहला सत्र - गर्मी छुट्टी	20 मई, 2021 से 30 जून, 2021		
बी)	दूसरा सत्र - पूजा अवकाश	11 अक्टूबर, 2021 से 20 अक्टूबर, 2021		
सी)	तीसरा सत्र - शीतकालीन अवकाश	27 दिसंबर, 2021 से 31 दिसंबर, 2021		

अध्याय-3

8.	परिणाम का प्रकाशन	
क)	स्कूल सर्टिफिकेट /प्री-डिग्री	अगस्त, 2022 के 01 वें सप्ताह तक
ख)	यूजी -I, III, V, VII एवं पीजी-I, III सेमेस्टर	परीक्षा समाप्त होने के एक माह के भीतर।
ग)	यूजी -II, IV, VI, VIII एवं पीजी -II, IV सेमेस्टर	परीक्षा समाप्त होने के एक माह के भीतर।
9.क)	शोधछात्र का चयन -विभागवार	प्रत्येक वर्ष जुलाई
ख)	पीएच.डी कोर्स वर्क की शुरुआत	प्रत्येक वर्ष अगस्त
ग)	पीएच.डी .के कोर्स वर्क परिणामों का प्रकाशन (केवल एक सेमेस्टर)	प्रत्येक वर्ष अप्रैल माह

अध्याय - 4

31.03.2022 तक छात्र सांख्यिकी
अकादमिक वर्ष 2021-22 में नए दाखिले

पाठ्यक्रम का नाम: स्नातक

कार्यक्रम	सामान्य		अनु.जाति		अनु.ज.जा.		दिव्यांग		अ.पि.वर्ग		अल्पसंख्यक श्रेणी		नागरिकता		निवासी छात्र	
	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.
यूजी सत्र-I	286	413	113	145	48	59	18	4	151	149	59	65				

पाठ्यक्रम का नाम: स्नातकोत्तर

कार्यक्रम	सामान्य		अनु.जाति		अनु.ज.जा.		दिव्यांग		अ.पि.वर्ग		अल्पसंख्यक श्रेणी		नागरिकता		निवासी छात्र	
	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.
पीजी सत्र-I	379	470	167	164	61	63	10	5	188	231	94	96	-	-	-	-

पाठ्यक्रम का नाम: पीएच.डी.

कार्यक्रम	सामान्य		अनु.जाति		अनु.ज.जा.		दिव्यांग		अ.पि.वर्ग		अल्पसंख्यक श्रेणी		नागरिकता		निवासी छात्र	
	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.
पीएच.डी.	64	56	13	8	7	1	1	0	18	14	13	15				

पाठ्यक्रम का नाम: डिप्लोमा/सर्टिफिकेट

कार्यक्रम	सामान्य		अनु.जाति		अनु.ज.जा.		दिव्यांग		अ.पि.वर्ग		अल्पसंख्यक श्रेणी		नागरिकता		निवासी छात्र	
	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.
प्रथम वर्ष (सर्टिफिकेट)	62	118	0	1	1	0	0	0	1	1	7	5	-	-	-	-
प्रथम वर्ष (डिप्लोमा)	28	24	7	2	0	2	0	0	4	5	1	0	-	-	-	-

अध्याय-4

विद्यालय वर्ग
विद्यार्थी सांख्यिकी

पाठ-भवन एवं मृणालिनी आनंद पाठशाला।

31.03.2022 तक छात्रों की संख्या

कक्षा	सामान्य		ई. डब्लु. एस		अनु.जाति		अनु.ज.जा.		दिव्यांग		अ.पि.वर्ग		अल्प-संख्यक श्रेणी		नागरिकता		निवासी छात्र	
	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F
*एमएपी प्रथम वर्ष																		
एमएपी द्वितीय वर्ष	9	6	5	1	7	7	2	5	1	-	9	8	4	1	-	-		
कक्षा -I	7	13	-	-	7	6	2	3	-	-	5	8	-	1				
कक्षा -II	6	6	-	-	7	8	2	2	-	-	8	8	3	-			-	-
कक्षा -III	6	22	4	3	10	15	3	4	-	-	15	13	7	-			15	19
कक्षा -IV	17	14	1	-	10	12	4	8	-	1	14	23	9	12			6	15
कक्षा -V	21	18	-	-	8	15	5	2	-	-	16	17	8	5			15	14
कक्षा -VI	17	22	-	-	12	14	5	5	-	-	18	12	7	7	-	-	14	15
कक्षा -VII	21	24	-	-	8	12	3	4	-	1	10	5	6	6	1	1	13	15
कक्षा -VIII	16	16	2	2	17	16	6	3	1	1	8	9	2	2	-	1	20	27
कक्षा -IX	15	26	1	1	12	12	4	3	-	1	16	16	5	5	1	2	19	26
कक्षा -X	25	22	-	-	13	8	4	4	1	-	7	5	4	4	1	-	21	18
कक्षा -XI	17	20	2	1	10	16	2	5	-	-	7	9	3	2			25	30
कक्षा -XII	33	33	-	1	10	11	2	7	2	-	13	4	7	5	2	2	35	29
कुल	220	242	15	9	131	152	44	55	5	4	146	137	65	50	5	6	183	208

शिक्षा सत्र
विद्यार्थी सांख्यिकी

31.03.2022 तक छात्रों की संख्या :

कक्षा	सामान्य		अनु.जाति		अनु.ज.जा.		दिव्यांग		अ.पि.वर्ग		अल्प-संख्यक श्रेणी		नागरिकता	निवासी छात्र	
	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F		M	F
केजी-I	08	01	06	01	02	01	00	00	01	05	01	01	भारतीय	--	--
केजी-II	04	04	01	04	01	02	00	00	05	03	00	01	भारतीय	--	--
कक्ष-I	05	04	03	03	02	00	00	00	03	02	04	02	भारतीय	--	--
कक्ष-II	04	04	03	06	01	00	00	00	03	03	03	03	भारतीय	--	--
कक्ष-III	10	05	03	02	02	00	00	00	04	01	04	01	भारतीय	--	--
कक्ष-IV	08	11	12	02	01	03	01	00	10	04	03	05	भारतीय	--	--
कक्ष-V	18	09	06	07	03	02	00	00	08	11	10	04	भारतीय	--	--
कक्ष-VI	17	13	09	03	05	01	01	00	11	05	08	05	भारतीय	--	--
कक्ष-VII	13	12	09	08	04	01	02	00	06	07	00	04	भारतीय	--	--
कक्ष-VIII	16	24	13	05	05	05	00	01	08	12	05	02	भारतीय	--	--
कक्ष-IX	20	22	06	09	02	03	01	00	10	10	06	03	भारतीय	--	--
कक्ष-X	25	26	07	05	06	01	00	00	15	07	08	02	भारतीय	--	--
कक्ष-XI	36	30	10	12	08	02	01	01	14	15	10	05	भारतीय	--	--
कक्ष-XII	23	30	14	09	02	01	00	00	09	03	05	00	भारतीय	--	--
कुल	207	195	102	76	43	22	06	02	107	85	67	38		--	--

अध्याय-5

वर्ष 2021-2022 के लिए पूंजीगत परिसंपत्तियों में से मद शीर्ष 'परिसर विकास' के तहत स्वीकृत परियोजनाएं

क्रमांक संख्या	कार्य का नाम	आवंटन से अधिक नहीं है (₹ में)	कार्यान्वयन
1	शांतिनिकेतन और श्रीनिकेतन क्षेत्र, विश्वभारती में मौजूदा सड़कों की मरम्मत/नवीनीकरण/सुधार	30,00,000.00 (+जीएसटी और एलडब्ल्यूसी)	अभियंत्रण अनुभाग, विश्वभारती
2	परिसर में विद्युत व्यवस्था की मरम्मत/संवर्धन -विद्युत और अर्थिंग कनेक्शनों को सुदृढ़ बनाना	9,43,540.00 (जीएसटी और एलडब्ल्यूसी सहित)	
3	45क्वार्टर, एंड्रयूज पल्ली, शांतिनिकेतन में पुरानी क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों की मरम्मत/प्रतिस्थापन और पम्पिंग प्रणाली में सुधार आदि।	10,81,529.00 (जीएसटी और एलडब्ल्यूसी सहित)	
4	शारीरिक शिक्षा विभाग, विनय-भवन, शांतिनिकेतन में बास्केटबॉल मैदान का नवीनीकरण	8,23,000.00	
5	भारत तीर्थ, रतनपल्ली, शांतिनिकेतन में रोशनी	50,000.00	
6	भौतिकी विभाग, शिक्षा भवन, शांतिनिकेतन में साइकिल स्टैंड में सुधार	3,00,000.00	
7	विश्वभारती (जैसे बालीपारा, चिपकुटी, भुवनडांगा, श्रीनिकेतन, दक्षिण पल्ली, आदि) के परिसर के विभिन्न स्थानों पर बाड़ लगाना / चारदीवारी।	9,08,331.00	
	कुल	71,06,400.00 [संपूर्ण आवंटन (क्रम संख्या 1 से 7) ₹ 75.00 लाख तक सीमित होगा]	

अध्याय – 6

जारी किये गए अनुदानों का विवरण और वार्षिक प्रतिवेदन के लिए व्यय

		2017-18 रु. लाख में	2018- 19 रु. लाख में	2019-20 रु. लाख में	2020-21 रु. लाख में	2021-22 रु. लाख में
वेतन	प्रारंभिक जमा	2870.75	2359.25	-349.69	-185.97	-95.37
	अनुदान जारी	17562.61	15231.46	21000.00	18488.32	18866.50
	व्यय	18074.11	17940.40	20836.28	18397.72	19512.09
	जमा शेष	2359.25	-349.69	-185.97	-95.37	-380.96
आवर्ती	प्रारंभिक जमा	472.10	15.48	-115.79	-818.84	-586.64
	अनुदान जारी	6549.90	9114.52	10866.44	10601.19	9732.30
	आंतरिक पावती	894.67	883.73	1231.61	1100.28	1348.88
	व्यय	7901.19	10129.52	12801.10	11469.27	11219.48
	जमा शेष	15.48	-115.79	-818.84	-586.64	-724.94
पूंजीगत सम्पत्ति	प्रारंभिक जमा	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	अनुदान जारी	1669.83	1225.00	900.00	631.04	454.00
	व्यय	1177.26	939.34	729.69	458.00	448.04
	जमा शेष	492.57	285.66	170.31	173.04	5.94

परिशिष्ट-क

भवनों के अध्यक्ष

क्र. सं.	अध्यक्ष के नाम	भवन का नाम
1.	प्रो. काह्नु चरण साहू	विनय-भवन
2.	प्रो. तारा प्रसाद चट्टोपाध्याय	शिक्षा-भवन
3.	प्रो. अमित कुमार हाजरा	पीएसवी
4.	प्रो. पंकज पंवार	कला-भवन
5.	प्रो अरुण कुमार बारिक	पीएसबी
6.	प्रो. सबिता प्रधान	भाषा भवन
7.	प्रो. माधवी रुज	संगीत भवन
8.	प्रो. बिपाशा राहा	विद्या भवन

पाठ भवन एवम् शिक्षा सत्र अध्यक्ष

क्र. सं.	अध्यक्ष के नाम	भवन का नाम
1.	श्री अभिजीत सेनगुप्ता (प्रभारी)	पाठ-भवन
2.	सिउली सिन्हा (प्रभारी)	शिक्षा-सत्र

परिशिष्ट-ख
(संस्थानों के अध्यक्ष / निदेशक)
भाषा-भवन, विश्वभारती के विभागाध्यक्ष

क्र. सं.	विभागाध्यक्ष के नाम	विभाग
1.	प्रो. मानवेंद्र नाथ साहा	बांग्ला
2.	प्रो. सबिता प्रधान	अंग्रेज़ी
3.	प्रो. नीलांजन चक्रवर्ती	समन्वयक, सीएमईएलएलसीएस
4.	प्रो. निरंजन जेना	संस्कृत, पाली और प्राकृत
5.	प्रो. चक्रधर त्रिपाठी	हिन्दी
6.	प्रो. सबिता प्रधान	ओड़िया
7.	प्रो. वसीफ अहमद	अरबी, फारसी, उर्दू इस्लामी अध्ययन
8.	प्रिंसिपल, भाषा-भवन	भारत-तिब्बतन अध्ययन
9.	डॉ. गीता ए. कीनी	जापानी
10.	डॉ. अभिजीत बनर्जी	चीनी भाषा और संस्कृति
11.	प्रो. अरुण रंजन मिश्रा	बौद्ध अध्ययन केंद्र के प्रभारी
12.	प्रो. अमल पाल	टैगोर अध्ययन के समन्वयक
13.	डॉ. धीमान भट्टाचार्य	प्रोफेसर-प्रभारी, तुलनात्मक साहित्य केंद्र

विद्या-भवन, विश्वभारती के विभागाध्यक्ष

क्र. सं.	विभागाध्यक्ष के नाम	विभाग
1.	प्रो. सौम्य चक्रवर्ती	अर्थशास्त्र एवं राजनीति
2.	प्रो. बिपाशा राहा	इतिहास
3.	प्रो. अनिल कुमार	एआईएचसी एवं ए
4.	प्रो. प्रेमांशु चक्रवर्ती	भूगोल
5.	डॉ. अनूप बर्मन	दर्शन एवं तुलनात्मक धर्म
6.	डॉ. मौसुमी भट्टाचार्य	प्रभारी, पत्रकारिता एवं जनसंचार केंद्र
7.	डॉ. अर्णब घोष	मानव विज्ञान
8.	प्रिंसिपल, विद्या-भवन	प्रभारी, स्त्री अध्ययन केंद्र।

शिक्षा-भवन, विश्वभारती के विभागाध्यक्ष

क्र. सं.	विभागाध्यक्ष के नाम	विभाग
1.	प्रो. तापस रॉय महापात्रा	गणित
2.	प्रो. अस्मिता सेन गुप्ता	भौतिक विज्ञान
3.	प्रो. गौतम ब्रह्मचारी	रसायन शास्त्र
4.	प्रो. स्वदेश रंजन बिश्वास	वनस्पति विज्ञान
5.	प्रो. दीपक कुमार मंडल	प्राणि विज्ञान
6.	प्रो. परमार्थ दत्ता	कंप्यूटर और प्रणाली विज्ञान
7.	प्रो. सुधांशु शेखर माइती	सांख्यिकी
8.	प्रो. अमित रॉय	जैव प्रौद्योगिकी विभाग
9.	प्रो. प्रताप कुमार पाघी	पर्यावरण अध्ययन विभाग
10.	प्रो. सुब्रत सिन्हा	प्रभारी, एकीकृत विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (आईएसईआरसी)
11.	प्रो. प्रशांत कुमार चटर्जी	प्रभारी, गणित शिक्षा केंद्र, (सीएमई), शिक्षा-भवन

विनय-भवन, विश्वभारती के विभागाध्यक्ष

क्र. सं.	विभागाध्यक्ष के नाम	विभाग
1.	प्रो. बेणुधर चिनारा	शिक्षा
2.	प्रो. सुमंत कुमार मंडल	शारीरिक शिक्षा
3.	प्रो. काहनु चरण साहू	योगिक कला एवं विज्ञान

कला-भवन, विश्वभारती के विभागाध्यक्ष

क्र. सं.	विभागाध्यक्ष के नाम	विभाग
1.	डॉ. मेघाली गोस्वामी	कला का इतिहास
2.	प्रो. गौतम कुमार दास	डिज़ाइन
3.	श्री सुतनु चटर्जी	मूर्ति
4.	अर्घ्य प्रिया मजूमदार	चित्र
5.	श्री अजीत सील	ग्राफिक कला

संगीत-भवन, विश्वभारती के विभागाध्यक्ष

क्र. सं.	विभागाध्यक्ष के नाम	विभाग
1.	प्रो. माधवी रुज	संगीत भवन
2.	प्रो. बुद्धदेव दास	रवींद्र संगीत, नृत्य एवं नाटक (आरएसडीडी)

पीएसवी, विश्वभारती के विभागाध्यक्ष

क्र. सं.	विभागाध्यक्ष के नाम	विभाग
1.	प्रो. अरविंद मंडल	शिल्प-सदन, पीएसवी
2.	प्रो. अमित कुमार हाजरा	आजीवन शिक्षा और विस्तार विभाग (आरईसी)
3.	प्रो. अशोक कुमार सरकार	सामाजिक कार्य, पीएसवी
4.	प्रो. शांतनु रक्षित	पीसीके, पीएसवी

पीएसबी, विश्वभारती के विभागाध्यक्ष

क्र. सं.	विभागाध्यक्ष के नाम	विभाग
1.	प्रो. विनय कुमार सरेण	कृषि विज्ञान
2.	प्रो. गौतम कुमार घोष	मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विज्ञान
3.	डॉ. पी. कंदासामी	कृषि अभियंता, पीएसबी
4.	डॉ. जयंत कुमार चटर्जी	पशु विज्ञान
5.	डॉ. गौतम मंडल	बागवानी एवं कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी
6.	प्रो. सिद्धार्थ देव मुखोपाध्याय	कृषि विस्तार
7.	प्रो. अमिताभ पॉल	आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन
8.	प्रो. अरुण कुमार बारिक	फसल शरीर क्रिया विज्ञान, पीएसबी
9.	प्रो. देबाशीष सरकार	कृषि अर्थशास्त्र
10.	प्रो. देबाशीष भट्टाचार्य	कृषि सांख्यिकी
11.	प्रो. हीरक चटर्जी	कृषि कीट विज्ञान
12.	डॉ. रंजन नाथ	वनस्पति-रोगविज्ञान

परिशिष्ट

परिशिष्ट-ग

परिदर्शक (आगंतुक): श्री राम नाथ कोविंद, भारत के माननीय राष्ट्रपति

प्रधान (रेक्टर): श्री जगदीप धनखड़, पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल

विश्वविद्यालय के सांविधिक अधिकारी

(विश्वभारती अधिनियम, 1951 की धारा 12 और परिनियमों के परिनियम 7 के अनुसार)

आचार्य (कुलपति)	श्री नरेंद्र मोदी
उपाचार्य (कुलपति)	प्रो. विद्युत चक्रवर्ती
सह-उपाचार्य (प्रो-वाइस चांसलर)	रिक्त
ग्रंथागारिक	डॉ. निमाई चौदसाहा (कार्यवाहक)
छात्र-परिचालक (प्रॉक्टर)	प्रो. शंकर मजूमदार
निदेशक, ग्रंथन विभाग	प्रो. अमृत सेन (कार्यवाहक)
निदेशक अध्ययन, शैक्षिक नवाचार और ग्रामीण पुनर्निर्माण	रिक्त
संस्कृति और सांस्कृतिक संबंध निदेशक	प्रो. अमल कुमार पाल (कार्यवाहक)
निदेशक शारीरिक शिक्षा, खेलकूद, राष्ट्रीय सेवा एवं छात्र कल्याण	प्रो. नारायण चंद्र मंडल (कार्यवाहक)
निदेशक, इंदिरा गांधी केंद्र	प्रो. संदीप बसु सर्वाधिकारी
कुलसचिव एवं पदेन सचिव न्यायालय, ईसी, एसी	श्री अशोक कुमार महतो (कार्यवाहक)
वित्त अधिकारी	प्रो. प्रशांत कुमार घोष (कार्यवाहक)
भवनों के अध्यक्ष/प्रधानाचार्य	परिशिष्ट-क के अनुसार

अन्य (विश्वविद्यालय के गैर-सांविधिक अधिकारी)

पद	नाम	कार्यालय/अनुभाग
संयुक्त कुलसचिव	डॉ. देबाशीष चक्रवर्ती	परीक्षा एवं विकास
संयुक्त कुलसचिव	श्री देबाशीष दत्ता	प्रतिष्ठान
संयुक्त कुलसचिव	डॉ. संजय घोष	लेखा
संयुक्त कुलसचिव	श्री अशोक कुमार महतो	संपदा, कुलसचिव कार्यालय एवं कानूनी प्रकोष्ठ

संयुक्त कुलसचिव	डॉ. प्रशांत मेश्राम	शिक्षा एवं अनुसंधान
संयुक्त वित्त अधिकारी	श्री गौरांगा दत्त	परामर्श प्रकोष्ठ (डीन)
संयुक्त कुलसचिव	डॉ. प्रज्ञालंकार भिक्कू	आईक्यूएसी
संयुक्त कुलसचिव	श्री सौम्येंद्र सेन	
विशेष अधिकारी	श्री नीलांजन बनर्जी	रवीन्द्र-भवन
उप कुलसचिव	डॉ. तन्मय नाग	प्रशासन एवं प्रतिष्ठान
उप कुलसचिव	श्री प्रशांत कुमार घोष	आंतरिक लेखा परीक्षा
उप निदेशक (शारीरिक शिक्षा)	डॉ. सुदर्शन विश्वास	खेल बोर्ड
वरिष्ठ प्रणाली विश्लेषक	श्री संतोशंकर दासगुप्ता	संगणक केंद्र
विश्वविद्यालय अभियंता	श्री अमित सेनगुप्ता	अभियांत्रिकी
मुख्य चिकित्सा अधिकारी	डॉ. अरिंदम चटर्जी (कार्यवाहक)	पीएम अस्पताल
चिकित्सा अधिकारी	डॉ. एस.एस. देबनाथ	पीएम अस्पताल
चिकित्सा अधिकारी	डॉ. संतोष कुमार दास	पीएम अस्पताल
चिकित्सा अधिकारी	डॉ. देबाशीष घोष दस्तीदार	पीएम अस्पताल
चिकित्सा अधिकारी	डॉ. आनंद मोहन दास	पीएम अस्पताल
चिकित्सा अधिकारी	डॉ. अनिर्बाण दासगुप्ता	पीएम अस्पताल
चिकित्सा अधिकारी	डॉ. मोहित साहा	पीएम अस्पताल
चिकित्सा अधिकारी	डॉ. सौमित्र सामंत	पीएम अस्पताल
चिकित्सा अधिकारी	डॉ. चंद्रशेखर कुंडू	पीएम अस्पताल
कार्यक्रम अधिकारी	डॉ. बिकास मांडवी	आरईसी, श्रीनिकेतन
उप पुस्तकालयाध्यक्ष	डॉ. पार्थ प्रतिम रॉय	पीएसबी पुस्तकालय
उप पुस्तकालयाध्यक्ष	डॉ. तापस कुमार दास	कला-भवन पुस्तकालय
सहायक कुलसचिव	श्री सुरंजन घोष	परीक्षा
सहायक कुलसचिव	श्री दैबकीनन्दन दास	लेखा
सहायक कुलसचिव	श्री उत्पल हाजरा	प्रशासन
सहायक कुलसचिव	श्री ब्रतीन रॉय	वित्त
सहायक कुलसचिव	श्री मलय सूत्रधर	केंद्रीय खरीद अनुभाग, एचबीए और सांख्यिकी अनुभाग
सहायक कुलसचिव	श्री अनिर्बाण सरकार	ग्रंथन विभाग

परिशिष्ट

सहायक कुलसचिव	श्री हिल्लोल मुखोपाध्याय	कानूनी प्रकोष्ठ और ऑनलाइन आरटीआई और शिकायत प्रकोष्ठ
सहायक कुलसचिव	श्री प्रदीप साहा	भर्ती
सहायक कुलसचिव	श्रीमती सुतपा बसु	प्रतिष्ठान
सहायक अभियंता	श्री अंशुमान विश्वास	अभियांत्रिकी(सिविल)
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	डॉ. सुश्री शबाहत नौशीन	रवीन्द्र-भवन पुस्तकालय
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	श्री अजय कुमार शर्मा	चीन भवन पुस्तकालय
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	डॉ. सनत भट्टाचार्य	शिक्षा भवन पुस्तकालय
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	डॉ. कौशिक घोष	केंद्रीय पुस्तकालय
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	श्री प्रदीप हेम्ब्रम	संगीत-भवन पुस्तकालय
सूचना वैज्ञानिक	श्री रामप्रसाद मजूमदार	केंद्रीय पुस्तकालय
क्यूरेटर	डॉ. प्रदीप मंडल	रवीन्द्र-भवन
फोटोग्राफिक अधिकारी	श्री सौरभ चक्रवर्ती	रवीन्द्र-भवन

परिशिष्ट-घ
(शैक्षिक कर्मचारी)
प्रोफेसर की सूची

क्र.सं.	संकाय का नाम	विभाग / भवन
1.	प्रो. विभाष चंद्र झा	भूगोल / विद्या भवन
2.	प्रो. नरोत्तम सेनापति	संस्कृत पाली एवं प्राकृत / भाषा भवन
3.	प्रो. सर्बजित सेनगुप्ता	अर्थशास्त्र एवं राजनीति / विद्या भवन
4.	प्रो. तारा प्रसाद चट्टोपाध्याय	भौतिकी / शिक्षा भवन
5.	प्रो. सबिता प्रधान	ओड़िया / भाषा भवन
6.	प्रो. असीम कुमार दास	रसायन शास्त्र / शिक्षा भवन
7.	प्रो. प्रशांत घोष	सामाजिक कार्य / पल्ली संगठन विभाग
8.	प्रो. स्वपन राहा	गणित / शिक्षा भवन
9.	प्रो. सार्थक चौधुरी	कृषि विस्तार / पल्ली शिक्षा भवन
10.	प्रो. मोनोरंजन प्रधान	ओड़िया / भाषा भवन
11.	प्रो. संदीप बसु सर्वाधिकारी	इतिहास / विद्या भवन
12.	प्रो. पंकज पंवार	मूर्तिकला / कला भवन
13.	प्रो. अरुण मंडल	संस्कृत पाली एवं प्राकृत / भाषा भवन
14.	प्रो. चक्रधर त्रिपाठी	हिंदी / भाषा भवन
15.	प्रो. नारायण चंद्र मंडल	वनस्पति विज्ञान / शिक्षा भवन
16.	प्रो. बेणुधर चिनारा	शिक्षा / विनय भवन
17.	प्रो. देबाशीष भट्टाचार्या	कृषि सांख्यिकी / पल्ली शिक्षा भवन
18.	प्रो. मुक्तेश्वर नाथ तिवारी	हिंदी / भाषा भवन
19.	प्रो. आलोक कुमार दत्त	कंप्यूटर एवं प्रणाली विज्ञान / शिक्षा भवन
20.	प्रो. अमित कुमार हाजरा	आजीवन अध्ययन एवं विस्तार / पल्ली संगठन विभाग
21.	प्रो. परमार्थ दत्त	कंप्यूटर एवं प्रणाली विज्ञान / शिक्षा भवन
22.	प्रो. मृणाल कांति मंडल	बांग्ला / भाषा भवन
23.	प्रो. नियाज़ अहमद खान	अरबी, फारसी, उर्दू एवं इस्लामी अध्ययन / भाषा भवन
24.	प्रो. सुदीप्त भट्टाचार्य	अर्थशास्त्र एवं राजनीति / विद्या भवन
25.	प्रो. प्रशांत चटर्जी	गणित / शिक्षा भवन

परिशिष्ट

क्र.सं.	संकाय का नाम	विभाग / भवन
26.	प्रो. दिलीप कुमार मित्र	पेंटिंग / कला भवन
27.	प्रो. मानस माड्गी	भौतिकी / शिक्षा भवन
28.	प्रो. नीलांजन चक्रवर्ती	आधुनिक यूरोपीय भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन (फ्रेंच) केंद्र / भाषा भवन
29.	प्रो. स्वपन मंडल	भौतिकी / शिक्षा भवन
30.	प्रो. सिराजुल इस्लाम	दर्शन एवं धर्म (तुलनात्मक धर्म) / विद्या भवन
31.	प्रो. अरुण बारिक	कृषि विज्ञान / पल्ली शिक्षा भवन
32.	प्रो. अमल कुमार पाल	बांग्ला / भाषा भवन
33.	प्रो. सब्यसाची सरखेल	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत (सितार) / संगीत-भवन
34.	प्रो. बिनय कुमार सोरेन	कृषि विज्ञान/पल्ली शिक्षा भवन
35.	प्रो. शांतनु राय	प्राणी विज्ञान / शिक्षा भवन
36.	प्रो. सुमंत कुमार मंडल	शारीरिक शिक्षा / विनय भवन
37.	प्रो. इंद्राणी मुखोपाध्याय	रवींद्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत भवन
38.	प्रो. परेश च. कोले	आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग / पल्ली शिक्षा भवन
39.	प्रो. बिपाशा राहा	इतिहास / विद्या भवन
40.	प्रो. अशोक कुमार सरकार	सामाजिक कार्य /पल्ली संगठन विभाग
41.	प्रो. रंजन नाथ	वनस्पति-रोगविज्ञान / पल्ली शिक्षा भवन
42.	प्रो. सुदीप बसु	बांग्ला / भाषा भवन
43.	प्रो. हीरक चटर्जी	कृषि कीट विज्ञान / पल्ली शिक्षा भवन
44.	प्रो. देबोतोष सिन्हा	सामाजिक कार्य /पल्ली संगठन विभाग
45.	प्रो. अपर्णा राय (भट्टाचार्य)	बांग्ला / भाषा भवन
46.	प्रो. ललिता चक्रवर्ती	संस्कृत पाली एवं प्राकृत / भाषा भवन
47.	प्रो. प्राणेश चौधुरी	रसायन विज्ञान / शिक्षा भवन
48.	प्रो. गौतम घोष	मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विज्ञान / पल्ली शिक्षा भवन
49.	प्रो. अस्मिता सेनगुप्ता	भौतिकी / शिक्षा भवन
50.	प्रो. प्रणब सरकार	रसायन विज्ञान / शिक्षा भवन
51.	प्रो. आशीष भट्टाचार्य	भौतिकी / शिक्षा भवन
52.	प्रो. सैयद एजाज हुसैन	इतिहास / विद्या भवन

क्र.सं.	संकाय का नाम	विभाग / भवन
53.	प्रो. अम्रा बोस	बांग्ला / भाषा भवन
54.	प्रो. तापस कुंडू	भौतिकी / शिक्षा भवन
55.	प्रो. बिधान चंद्र रॉय	कृषि अर्थशास्त्र / पल्ली शिक्षा भवन
56.	प्रो. काहनु चरण साहू	शिक्षा / विनय भवन
57.	प्रो अरुण रंजन मिश्र	संस्कृत पाली एवं प्राकृत / भाषा भवन
58.	प्रो स्नेहाशीष चक्रवर्ती	बागवानी एवं कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी / पल्ली शिक्षा भवन
59.	प्रो. इंद्राणी दास	आधुनिक यूरोपीय भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन केंद्र (इतालवी) / भाषा भवन
60.	प्रो. बिप्लब लोहा चौधुरी	पत्रकारिता एवं जनसंचार / विद्या भवन
61.	प्रो. अपूर्वा चट्टोपाध्याय	अर्थशास्त्र एवं राजनीति / विद्या भवन
62.	प्रो. गौतम ब्रह्मचारी	रसायन विज्ञान / शिक्षा भवन
63.	प्रो. पीयूष कांति घोष	भौतिकी / शिक्षा भवन
64.	प्रो. गौतम दास	डिजाइन / कला भवन
65.	प्रो. शकुंतला मिश्र	हिंदी / भाषा भवन
66.	प्रो. अंशुमान चट्टोपाध्याय	प्राणी विज्ञान / शिक्षा भवन
67.	प्रो. स्वदेश रंजन बिश्वास	वनस्पति विज्ञान / शिक्षा भवन
68.	प्रो. देबरती बंद्योपाध्याय	अंग्रेजी / भाषा भवन
69.	प्रो. माधवी रुज	रवींद्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत भवन
70.	प्रो. प्रशांत कुमार मंडल	गणित / शिक्षा भवन
71.	प्रो. तापस राय महापात्रा	गणित / शिक्षा भवन
72.	प्रो. संजय कुमार मल्लिक	कला इतिहास / कला भवन
73.	प्रो सिद्धार्थ देब मुखोपाध्याय	कृषि विस्तार / पल्ली शिक्षा भवन
74.	प्रो. उत्पल रॉय	कंप्यूटर एवं प्रणाली विज्ञान / शिक्षा भवन
75.	प्रो. समीरन मंडल	शारीरिक शिक्षा / विनय भवन
76.	प्रो. शिशिर कुमार सहाना	डिजाइन (सेरेमिक) / कला भवन
77.	प्रो. मदन मोहन पांजा	गणित / शिक्षा भवन
78.	प्रो जगताराम भट्टाचार्य	संस्कृत पाली एवं प्राकृत / भाषा भवन
79.	प्रो. रवींद्रनाथ मिश्र	हिंदी / भाषा भवन

परिशिष्ट

क्र.सं.	संकाय का नाम	विभाग / भवन
80.	प्रो. मानवेंद्र नाथ साहा	बांग्ला / भाषा भवन
81.	प्रो. सुधांशु शेखर माड्गी	सांख्यिकी / शिक्षा भवन
82.	प्रो. अमृत सेन	अंग्रेजी / भाषा भवन
83.	प्रो. अमिताभ पॉल	आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन / पल्ली शिक्षा भवन
84.	प्रो. दीपक मंडल	प्राणी विज्ञान / शिक्षा भवन
85.	प्रो. सौविक घोष	कृषि विस्तार, / पल्ली शिक्षा भवन
86.	प्रो. समर कुमार साहा	प्राणी विज्ञान / शिक्षा भवन
87.	प्रो. स्वपन कुमार घोष	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत (तबला एवं पखवाज) / संगीत-भवन
88.	प्रो. वासवी मुखर्जी	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत (खेयाल) / संगीत भवन
89.	प्रो. बुद्धदेव दास	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत (एसराज) / संगीत भवन
90.	प्रो. वाई. हेमंत कुमार	रवींद्र संगीत नृत्य एवं नाटक (मणिपुरी नृत्य) / संगीत भवन
91.	प्रो. कोन्जेंगबाम सुनीता देवी	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक (मणिपुरी नृत्य / संगीत भवन)
92.	प्रो. अमित राय	जैव प्रौद्योगिकी / शिक्षा भवन
93.	प्रो. श्रुति बंधोपाध्याय	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक / (मणिपुरी नृत्य), संगीत भवन
94.	प्रो. राजर्षि रॉय	शिक्षा / विनय भवन
95.	प्रो. संजीव कुमार दास	इंडो तिब्बती अध्ययन / भाषा भवन
96.	प्रो. अविजीत बनर्जी	चीना / भाषा भवन
97.	प्रो. गौरव कांति दास	रसायन विज्ञान / शिक्षा भवन
98.	प्रो. प्रेमांशु चक्रवर्ती	भूगोल / विद्या भवन
99.	प्रो. भबतोष मंडल	रसायन विज्ञान / शिक्षा भवन
100.	प्रो. स्वपन कुमार चंद्र	रसायन विज्ञान / शिक्षा भवन
101.	प्रो. सुब्रत मंडल	वनस्पति विज्ञान / शिक्षा भवन
102.	प्रो. प्रताप कुमार पथी	पर्यावरण विज्ञान / शिक्षा भवन
103.	प्रो. स्वाति गांगुली	अंग्रेजी / भाषा भवन
104.	प्रो. शुभाशीष राय	गणित / शिक्षा भवन

क्र.सं.	संकाय का नाम	विभाग / भवन
105.	प्रो. दिव्येंदु बनर्जी	गणित / शिक्षा भवन
106.	प्रो. गणेश चंद्र मलिक	कृषि विज्ञान / पल्ली शिक्षा भवन
107.	प्रो. देबाशीष सरकार	कृषि अर्थशास्त्र / पल्ली शिक्षा भवन
108.	प्रो. निरंजन जेना	संस्कृत, पाली एवं प्राकृत / भाषा भवन
109.	प्रो. तारापद बाग	गणित / शिक्षा भवन
110.	प्रो. लरिशा एम. लिंडेम	प्राणी विज्ञान / शिक्षा भवन
111.	प्रो. मंजरी भट्टाचार्य	भूगोल / विद्या भवन
112.	प्रो. वसीफ अहमद	अरबी, फारसी, उर्दू एवं इस्लामी अध्ययन (अरबी) / भाषा भवन
113.	प्रो. शांतनु रक्षित	पल्ली चर्चा केंद्र (ग्रामीण विकास) / पल्ली संगठन विभाग
114.	प्रो. बिजय कृष्ण दलुई	रसायन विज्ञान / शिक्षा भवन
115.	प्रो. सुब्रत सिन्हा	एकीकृत विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र / शिक्षा भवन
116.	प्रो. सौम्या चक्रवर्ती	अर्थशास्त्र एवं राजनीति / विद्या भवन
117.	प्रो. चौधुरी हबीबुर रहमान	वनस्पति विज्ञान / शिक्षा भवन
118.	प्रो. मानबेंद्र मुखोपाध्याय	बांग्ला / भाषा भवन
119.	प्रो. अनिल कुमार	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व / विद्या भवन
120.	प्रो. अरविंद मंडल	शिल्प सदन (सिरेमिक/मिट्टी के बर्तन) / पल्ली संगठन विभाग
121.	प्रो. बिकास चंद्र गुप्ता	भौतिकी / शिक्षा भवन
122.	प्रो. सुजीत कुमार पॉल	लाइफ लॉन्ग लर्निंग एंड एक्सटेंशन (आरईसी) / पल्ली संगठन विभाग
123.	प्रो. तथागत चौधुरी	जैव प्रौद्योगिकी / शिक्षा भवन
124.	प्रो. आदिनाथ माजी	रसायन विज्ञान / शिक्षा भवन
125.	प्रो. सुदीप्त मैत्रा	प्राणी विज्ञान / शिक्षा भवन
126.	प्रो. गोपाल चंद्र साहा	शारीरिक शिक्षा / विनय भवन

एसोसिएट प्रोफेसर की सूची

क्र.सं.	संकाय का नाम	विभाग / भवन
01.	डॉ रफीकुल इस्लाम	आजीवन अध्ययन एवं विस्तार / पल्ली संगठन विभाग
02.	डॉ जयंत कुमार चटर्जी	पशु विज्ञान / पल्ली शिक्षा भवन
03.	डॉ रोमित रॉय	जर्मन / भाषा भवन
04.	डॉ. गीता ए. कीनी	जापानी / भाषा भवन
05.	श्री साक्षी गोपाल दास	डिजाइन / कला भवन
06.	श्रीमती तंद्रिमा पट्टेआ	चीना / भाषा भवन
07.	डॉ. अनूप बर्मन	दर्शन एवं धर्म / विद्या भवन
08.	श्री राम प्रसाद दास	सामाजिक कार्य / पल्ली संगठन विभाग
09.	श्री अजीत सील	ग्राफिक कला / कला भवन
10.	डॉ. श्रीकांत सिल	भौतिकी / शिक्षा भवन
11.	डॉ. सुमिताभ पॉल	मूर्तिकला / कला भवन
12.	डॉ. संतदास घोष	अर्थशास्त्र एवं राजनीति / विद्या भवन
13.	श्री तथागत मुखोपाध्याय	कंप्यूटर एवं प्रणाली विज्ञान / शिक्षा भवन
14.	श्री विशाल सी भांड	शिल्प सदन (डिजाइन) / पल्ली संगठन विभाग
15.	डॉ कौशिक भट्टाचार्य	दर्शन एवं धर्म / विद्या भवन
16.	डॉ अपर्णा साहा	भौतिकी / शिक्षा भवन
17.	डॉ अर्पिता सेन	इतिहास / विद्या भवन
18.	डॉ बुद्धदेव दुआरी	कृषि विज्ञान, पल्ली शिक्षा भवन
19.	डॉ निर्मल कुमार मंडल	बांग्ला / भाषा भवन
20.	डॉ. रीता मोदक	बांग्ला / भाषा भवन
21.	श्री मोहन कुमारन पी.	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक (कथकली नृत्य) / संगीत भवन
22.	डॉ मंजरी चक्रवर्ती	दर्शन एवं धर्म / विद्या भवन
23.	श्री देबाशीष महालनोबिष	डिजाइन / कला भवन
24.	श्री अर्घ्य प्रिया मजूमदार	चित्रकला / कला भवन
25.	डॉ. एम. अलंकार मासिलामणि	पल्ली चर्चा केंद्र (ग्रामीण विकास) / पल्ली संगठन विभाग
26.	डॉ. सरिता खेत्री	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व / विद्या भवन
27.	डॉ सुतनु चटर्जी	मूर्तिकला / कला भवन

क्र.सं.	संकाय का नाम	विभाग / भवन
28.	डॉ अर्पण मुखर्जी	ग्राफिक कला / कला भवन
29.	डॉ. संचयन घोष	चित्रकला / कला भवन
30.	डॉ. बिप्लब रायचौधुरी	भौतिकी / शिक्षा भवन
31.	श्री शांतनु जेना	शिल्प सदन (डिजाइन) / पल्ली संगठन विभाग
32.	डॉ. परमिता रॉय (चौधुरी)	सामाजिक कार्य / पल्ली संगठन विभाग
33.	डॉ मौसमी भट्टाचार्य	पत्रकारिता एवं जनसंचार / विद्या भवन
34.	डॉ अतनु ससमाल	बांग्ला / भाषा भवन
35.	डॉ. श्रीला बसु	बांग्ला / भाषा भवन
36.	श्री प्रशांत कुमार घोष	रवींद्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत भवन
37.	डॉ. रथिंद्र नाथ प्रमाणिक	पल्ली चर्चा केंद्र (अर्थशास्त्र) / पल्ली संगठन विभाग
38.	डॉ सुशांत घोष	एकीकृत विज्ञान / शिक्षा भवन
39.	डॉ. सुदर्शन बिश्वास	शारीरिक शिक्षा / विनय भवन
40.	डॉ. सुदेव प्रतिम बसु	अंग्रेजी / भाषा भवन
41.	डॉ. बिधान चंद्र बाग	रसायन विज्ञान / शिक्षा भवन
42.	डॉ. मतीलाल कलई	मूर्तिकला / कला भवन
43.	डॉ पवित्र कुमार बिश्वास	मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विज्ञान / पल्ली शिक्षा भवन
44.	डॉ अमरेंद्र कुमार	इतिहास / विद्या भवन
45.	डॉ. गौतम मंडल	बागवानी एवं कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी / पल्ली शिक्षा भवन
46.	डॉ. महेश स्वाता खेतमालीश	शारीरिक शिक्षा / विनय भवन
47.	डॉ. पुलक कुमार पात्रा	पर्यावरण अध्ययन / शिक्षा भवन
48.	डॉ. हरेकृष्ण मिश्र	संस्कृत, पाली एवं प्राकृत / भाषा भवन
49.	डॉ. जयदीप मंडल	बागवानी एवं कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी / पल्ली शिक्षा भवन
50.	श्री राजर्षि विश्वास	चित्रकला / कला भवन
51.	डॉ. मेघाली गोस्वामी	कला इतिहास / कला भवन
52.	श्रीमती बनतनवी दास महापात्रा	डिजाइन / कला भवन
53.	डॉ. विश्वजीत मंडल	अर्थशास्त्र एवं राजनीति / विद्या भवन
54.	डॉ. श्यामसुंदर बैराग्य	शिक्षा / विनय भवन
55.	डॉ. अमित कुमार बिश्वास	अर्थशास्त्र एवं राजनीति / विद्या भवन

परिशिष्ट

क्र.सं.	संकाय का नाम	विभाग / भवन
56.	डॉ. प्रबीर कुमार चौधरी	शिल्प सदन (बुनाई) / पल्ली संगठन - विभाग
57.	डॉ. आशीष मित्र	शिल्प सदन (बुनाई) / पल्ली संगठन विभाग
58.	डॉ. अनन्या दत्त गुप्त	अंग्रेजी / भाषा भवन
59.	डॉ. सोमा चुनारी	वनस्पति विज्ञान / शिक्षा भवन
60.	डॉ. एस. बालाचंद्रन	पर्यावरण विज्ञान / शिक्षा भवन
61.	डॉ. संजय कुमार मंडल	संस्कृत, पाली एवं प्राकृत / भाषा भवन
62.	डॉ. सौरभ दास ठाकुर	अंग्रेजी / भाषा भवन
63.	डॉ. दीपांकर रॉय	अंग्रेजी / भाषा भवन
64.	डॉ. विश्वजीत रॉय	बांग्ला / भाषा भवन
65.	डॉ. सुछंदा मंडल	मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विज्ञान / पल्ली शिक्षा भवन
66.	श्री सौम्यदीप चट्टोपाध्याय	अर्थशास्त्र एवं राजनीति / विद्या भवन
67.	डॉ. शंकर रॉय मौलिक	शिल्प सदन (रंगाई) / पल्ली संगठन विभाग
68.	डॉ. अर्नब घोष	मानव विज्ञान / विद्या भवन
69.	डॉ. स्वप्न कुमार मंडल	भौतिकी / शिक्षा भवन
70.	डॉ. मिलन कांति बिश्वास	बांग्ला / भाषा भवन
71.	डॉ. अमर प्रसाद मिश्र	गणित / शिक्षा भवन
72.	डॉ. अंजन कुमार भुनिया	गणित / शिक्षा भवन
73.	डॉ. बुद्धदेव मुखर्जी	भौतिकी / शिक्षा भवन
74.	श्री प्रशांत साहो	चित्रकला / कला भवन
75.	डॉ. अंशुमान दासगुप्ता	कला इतिहास / कला भवन
76.	डॉ. ज्ञानेंद्र रथ	वनस्पति विज्ञान / शिक्षा भवन
77.	डॉ. मानस घोष	रसायन विज्ञान / शिक्षा भवन
78.	डॉ. पी. कंडास्वामी	कृषि अभियंता / पल्ली शिक्षा भवन
79.	डॉ. अलकानंद हाजरा	रसायन विज्ञान / शिक्षा भवन
80.	डॉ. वासुदेव राव वाई	मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विज्ञान / पल्ली शिक्षा भवन
81.	डॉ. नाज़नीन आरा बेगम	रसायन विज्ञान / शिक्षा भवन
82.	श्रीमती अनिदिता साहा	कृषि विस्तार / पल्ली शिक्षा भवन
83.	डॉ. सुभाष चंद्र रॉय	हिंदी / भाषा भवन
84.	डॉ. मैरी हांसदा	हिंदी / भाषा भवन

सहायक प्रोफेसर की सूची

क्र.सं.	संकाय का नाम	विभाग / भवन
1.	श्री सौमिक नंदी मजूमदार	कला इतिहास / कला भवन
2.	श्री अरानी चक्रवर्ती	भौतिकी / शिक्षा भवन
3.	श्री अरुणभ दास	इतिहास / विद्या भवन
4.	श्रीमती श्यामली सेनगुप्ता	शिल्प सदन (लकड़ी कार्य) / पल्ली संगठन विभाग
5.	श्री पार्थ प्रतिम सिकंदर	शिक्षा / विनय भवन
6.	श्रीमती काकली दत्ता	कंप्यूटर एवं प्रणाली विज्ञान / शिक्षा भवन
7.	श्री सुभायु चट्टोपाध्याय	इतिहास / विद्या भवन
8.	डॉ. उत्तम कुमार सिकंदर	अर्थशास्त्र एवं राजनीति / विद्या भवन
9.	श्री अंबरीश नंदन	पेंटिंग / कला भवन
10.	डॉ. सुमित बसु	रवींद्र संगीत नृत्य एवं नाटक (मणिपुरी नृत्य) / संगीत भवन
11.	श्री मोनोजित मल्लिक	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत (गायन) / संगीत भवन
12.	श्री बसंत मुखर्जी	रवींद्र संगीत नृत्य एवं नाटक (कथकली) / संगीत भवन
13.	श्रीमती प्रकृति चक्रवर्ती	भारत-तिब्बतन अध्ययन / भाषा भवन
14.	श्री शुभाशीष बनर्जी	कंप्यूटर एवं प्रणाली विज्ञान / शिक्षा भवन
15.	डॉ. शेडुप तेनज़िन	भारत-तिब्बतन अध्ययन / भाषा भवन
16.	श्रीमती संचिता पाल चौधुरी	कंप्यूटर एवं प्रणाली विज्ञान / शिक्षा भवन
17.	श्री पलाश मंडल	कृषि कीट विज्ञान / पल्ली शिक्षा भवन
18.	श्री संदीप कुमार घोष	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत (तबला एवं पखवाज) / संगीत भवन
19.	श्री चिरंजीव सिन्हा	चीना / भाषा भवन
20.	श्रीमती गार्गी भट्टाचार्या	संस्कृत, पाली एवं प्राकृत / भाषा भवन
21.	श्रीमती हेम कुसुम	चीना / भाषा भवन
22.	डॉ. देबाशीष पांडा	पादप शरीर क्रिया विज्ञान / पल्ली शिक्षा भवन
23.	डॉ. स्वपन कुमार माइती	कृषि विज्ञान / पल्ली शिक्षा भवन
24.	श्री सनत कुमार रथ	शिक्षा / विनय भवन
25.	श्री पी. मुकुंद कुमार	रवींद्र संगीत नृत्य एवं नाटक (कथकली) / संगीत भवन
26.	डॉ. प्रहलाद रॉय	शिक्षा / विनय भवन
27.	श्री मोहन कुमार बिश्वास	पादप रोग विज्ञान / पल्ली शिक्षा भवन

परिशिष्ट

क्र.सं.	संकाय का नाम	विभाग / भवन
28.	श्री अरिंदम चक्रवर्ती	सांख्यिकी / शिक्षा भवन
29.	श्री कमल धर	मूर्तिकला / कला भवन
30.	श्री अचिरांसु आचार्य	अर्थशास्त्र एवं राजनीति / विद्या भवन
31.	श्रीमती मौसुमी रॉय	दर्शन एवं धर्म (धर्म) / विद्या भवन
32.	श्री ऋषि बरुआ	मूर्तिकला / कला भवन
33.	डॉ नीलांजना दास	जैव तकनीक / शिक्षा भवन
34.	डॉ अजय कुमार दास	जापानी / भाषा भवन
35.	डॉ जगदीश भगत	हिंदी / भाषा भवन
36.	श्री तापस चटर्जी	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत (एसराज) / संगीत भवन
37.	श्रीमती जया बोरो	शिल्प सदन (मिट्टी के बर्तन/ चीनी मिट्टी की चीज़ें) / पल्ली संगठन विभाग
38.	श्री मनोज कुमार प्रजापति	शिल्प सदन (मिट्टी के बर्तन) / पल्ली संगठन विभाग
39.	श्री आशीष घोष	शिल्प सदन (काष्ठकारी) / पल्ली संगठन विभाग
40.	डॉ कालीपद प्रमाणिक	कृषि विज्ञान, / पल्ली शिक्षा भवन
41.	श्री सलिल साहनी	ग्राफिक कला / कला भवन
42.	श्री सुभाष चंद्र टुडु	भौतिकी / शिक्षा भवन
43.	श्री नब कुमार माझी	शिल्प सदन (काष्ठकारी) / पल्ली संगठन विभाग
44.	श्री देब कुमार दास	शिल्प सदन (काष्ठकारी) / पल्ली संगठन विभाग
45.	श्री मृणाल कांति सरकार	शिल्प सदन (बुनाई) / पल्ली संगठन विभाग
46.	श्रीमती प्रमिला पट्टलिया	ओड़िया / भाषा भवन
47.	डॉ. बीना गांधी देउरी	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व / विद्या भवन
48.	श्रीमती संगीता सैकिया	असमिया / भाषा भवन
49.	श्री के. मावली राजन	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व / विद्या भवन
50.	डॉ. अदानी लोखो	वनस्पति विज्ञान / शिक्षा भवन
51.	डॉ छाया रानी मंडल	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत (गायन) / संगीत भवन
52.	डॉ. महुआ बनर्जी	कृषि विज्ञान, / पल्ली शिक्षा भवन
53.	श्रीमती सुकन्या चटर्जी	शिल्प सदन (काष्ठकारी) / पल्ली संगठन विभाग
54.	डॉ शुभाशीष रॉय	भौतिकी / शिक्षा भवन
55.	श्रीमती हेमा गुप्ता (जोशी)	वनस्पति विज्ञान / शिक्षा भवन

क्र.सं.	संकाय का नाम	विभाग / भवन
56.	श्रीमती बुला सिंह	रसायन विज्ञान / शिक्षा भवन
57.	डॉ. मोथिन शेख	रसायन विज्ञान / शिक्षा भवन
58.	डॉ. कार्तिक च. भौमिक	रसायन विज्ञान / शिक्षा भवन
59.	श्री बोंबा दाम	वनस्पति विज्ञान / शिक्षा भवन
60.	श्री तीर्थकर घोष	सांख्यिकी / शिक्षा भवन
61.	डॉ. महाश्वेता नंदी	एकीकृत विज्ञान / शिक्षा भवन
62.	डॉ. उमेश कुमार सिंह	एकीकृत विज्ञान / शिक्षा भवन
63.	डॉ. स्वपन कुमार पंडित	एकीकृत विज्ञान / शिक्षा भवन
64.	डॉ. ज्योति रतन घोष	नृविज्ञान / विद्या भवन
65.	श्री सनत हंसदा	संताली / भाषा भवन
66.	डॉ. पायल मुखर्जी	बांग्ला / भाषा भवन
67.	डॉ. सरत कुमार जेना	ओड़िया / भाषा भवन
68.	डॉ. जॉली बसाक	जैव तकनीक / शिक्षा भवन
69.	श्री आदित्य सॉ मंडल	भौतिकी / शिक्षा भवन
70.	डॉ. रंग्या गचुई	नृविज्ञान / विद्या भवन
71.	डॉ. प्रीतिलक्ष्मी स्वैन	संस्कृत, पाली एवं प्राकृत / भाषा भवन
72.	डॉ. नीलांजना भट्टाचार्या	भाषाविज्ञान एवं तुलनात्मक साहित्य / भाषा भवन
73.	डॉ. धनेश्वर माझी	संताली / भाषा भवन
74.	डॉ. अर्जुन कुमार	हिंदी / भाषा भवन
75.	श्री बिश्वजीत हलदर	अर्थशास्त्र एवं राजनीति / विद्या भवन
76.	डॉ. अमिताभ बंधोपाध्याय	भौतिकी / शिक्षा भवन
77.	श्री आत्रेय भट्ट	चीना / भाषा भवन
78.	श्रीमती इशिता चक्रवर्ती	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत (गायन) / संगीत-भवन
79.	डॉ. सूर्य कुमार सैकिया	प्राणी विज्ञान / शिक्षा भवन
80.	श्री रणवीर सुमेध भगवान	मराठी / भाषा भवन
81.	डॉ. पुम खान पौ	इतिहास / विद्या भवन
82.	श्री राजेश मेनन एन.	रवींद्र संगीत नृत्य एवं नाटक (कथकली) / संगीत भवन
83.	श्री रणजीत दास	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत (तबला, पखवाज एवं खोले) / संगीत भवन

परिशिष्ट

क्र.सं.	संकाय का नाम	विभाग / भवन
84.	श्री देबदास कुंडू	चीना / भाषा भवन
85.	श्री नरोत्तम दे	जैव तकनीकि / शिक्षा भवन
86.	श्री कल्याण हांसदा	गणित / शिक्षा भवन
87.	श्री बिश्वजीत दे	रसायन विज्ञान / शिक्षा भवन
88.	श्रीमती सरन इशिका माइती	सांख्यिकी / शिक्षा भवन
89.	डॉ रवींद्र कुमार दास	ओड़िया / भाषा भवन
90.	डॉ. अमित कुमार वर्मा	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत (तबला) / संगीत भवन
91.	डॉ. एम.पी. टेरेस सैमुएल	दर्शन एवं धर्म / विद्या भवन
92.	डॉ. भोलानाथ मंडल	पादप रोग विज्ञान / पल्ली शिक्षा भवन
93.	डॉ. विश्वजीत पाण्डेय	भौतिकी / शिक्षा भवन
94.	डॉ. सुदीप्त दास	भौतिकी / शिक्षा भवन
95.	डॉ टपू बिश्वास	अंग्रेजी / भाषा भवन
96.	डॉ. सब्यसाची दासगुप्ता	इतिहास / विद्या भवन
97.	डॉ. समीरन साहा	जैव तकनीकि / शिक्षा भवन
98.	डॉ दुस्त्रिया मुर्मु	संताली / भाषा भवन
99.	डॉ चित्रलेखा माइती	शिक्षा / विद्या भवन
100.	श्री मनसाराम मुर्मू	संताली / भाषा भवन
101.	डॉ.(सुश्री) सरिता	शिक्षा / विनय भवन
102.	श्रीमती सोमा मुखर्जी	भाषा विज्ञान एवं तुलनात्मक साहित्य / भाषा भवन
103.	डॉ. सुधी मंडलोई	इतिहास / विद्या भवन
104.	डॉ नीलांजन बंधोपाध्याय	एकीकृत विज्ञान / शिक्षा भवन
105.	डॉ. लक्ष्मी नारायण गुड़न	गणित / शिक्षा भवन
106.	श्री तपन सोरेन	संताली / भाषा भवन
107.	डॉ. रामू हेम्ब्रम	संताली / भाषा भवन
108.	श्री सेंथिल प्रकाश एस.	तमिल / भाषा भवन
109.	श्रीमती अनामिका मोक्तान	अर्थशास्त्र एवं राजनीति / विद्या भवन
110.	डॉ. राम प्रमोल कुमार	संस्कृत पाली एवं प्राकृत / भाषा भवन
111.	डॉ. अतीकुर रहमान	अरबी, फारसी, उर्दू एवं इस्लामी अध्ययन (अरबी) / भाषा भवन

क्र.सं.	संकाय का नाम	विभाग / भवन
112.	श्री भैरी लाल यादव	भूगोल / विद्या भवन
113.	डॉ. रेम्या वी.पी.	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व / विद्या भवन
114.	डॉ. रेखा ओझा	दर्शन एवं धर्म / विद्या भवन
115.	डॉ. सोनम जांगपो	भारत-तिब्बतन अध्ययन / भाषा भवन
116.	डॉ. कृष्णेंद्र गुप्ता	भूगोल / विद्या भवन
117.	डॉ. निहार रंजन चक्रवर्ती	आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन / पल्ली शिक्षा भवन
118.	शेख शाहजहां	पेंटिंग / कला भवन
119.	डॉ. ऋषभ गांधार नारज़ारी	कला इतिहास / कला भवन
120.	श्रीमती अर्पिता दत्ता (नी दास)	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत -भवन
121.	डॉ. सुकुमार पाल	सामाजिक कार्य / पल्ली संगठन -विभाग
122.	डॉ. निखिल पाल	गणित / शिक्षा भवन
123.	श्री उत्तम कुमार बसाक	ग्राफिक कला / कला भवन
124.	श्री मोड़रंगथेम थॉमस सिंह	ग्राफिक कला / कला भवन
125.	डॉ. दिग्विजय सिंह धाकरे	कृषि सांख्यिकी / पल्ली शिक्षा भवन
126.	श्री शुचीन्द्रनाथन पी.के.	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक (कथकली) / संगीत भवन
127.	श्रीमती शर्मिला यादव	शिक्षा / विनय भवन
128.	श्री अमित कुमार धर	मूर्तिकला / कला भवन
129.	श्री राजेश के. वी.	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक (नाटक) / संगीत भवन
130.	श्रीमती सुदेशना साहा	सामाजिक कार्य / पल्ली संगठन विभाग
131.	श्री नीलमणि जायसवाल	सामाजिक कार्य / पल्ली संगठन विभाग
132.	डॉ. किशोर च. स्वाइन	कृषि अभियंता / पल्ली शिक्षा भवन
133.	डॉ. सुदीप कुमार मंडल	रसायन विज्ञान / शिक्षा भवन
134.	श्री. मैडी लिंडा	डिजाइन / कला भवन
135.	श्री देबाशीष दास	डिजाइन / कला भवन
136.	डॉ. अर्चना दास	डिजाइन / कला भवन
137.	डॉ. प्रह्लाद देव	बागवानी एवं कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी / पल्ली शिक्षा भवन
138.	श्रीमती धारित्री बोरो	पेंटिंग / कला भवन
139.	डॉ. सानंद मंडल	पादप शरीर क्रिया विज्ञान / पल्ली शिक्षा भवन
140.	डॉ. बितान मंडल	कृषि अर्थशास्त्र / पल्ली शिक्षा भवन

परिशिष्ट

क्र.सं.	संकाय का नाम	विभाग / भवन
141.	श्री अनुपम चौधुरी	डिजाइन / कला भवन
142.	श्री प्रशांत फिरिंगी	ग्राफिक कला / कला भवन
143.	श्री लवंशैभा खरमावल्लोङ	मूर्तिकला / कला भवन
144.	डॉ शुभांशु सांतरा	आजीवन अध्ययन एवं विस्तार/ पल्ली संगठन विभाग
145.	डॉ. सुष्मिता पटेल	सामाजिक कार्य / पल्ली संगठन विभाग
146.	डॉ. राकेश कुंडू	प्राणी विज्ञान / शिक्षा भवन
147.	डॉ पृथ्वीदीप साहू	रसायन विज्ञान / शिक्षा भवन
148.	डॉ सुतापा मुखर्जी	प्राणि विज्ञान / शिक्षा भवन
149.	डॉ सौम्या मुखोपाध्याय	सांख्यिकी / शिक्षा भवन
150.	डॉ शुभश्री सान्याल	सामाजिक कार्य / पल्ली संगठन विभाग
151.	डॉ. मधुसूदन पाल	कंप्यूटर एवं प्रणाली विज्ञान / शिक्षा भवन
152.	डॉ नारायण चंद्र सरकार	कृषि विज्ञान, / पल्ली शिक्षा भवन
153.	डॉ गिरीश ए	एकीकृत विज्ञान / शिक्षा भवन
154.	डॉ स्वर्णाली भट्टाचार्या	कृषि कीट विज्ञान / पल्ली शिक्षा भवन
155.	डॉ. माणिक चंद्र कुंडू	मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विज्ञान / पल्ली शिक्षा भवन
156.	श्रीमती संहिता चटर्जी	पत्रकारिता एवं जनसंचार / विद्या भवन
157.	सुश्री श्रुति कुमुद	हिंदी / भाषा भवन
158.	श्रीमती भावना खजूरिया बसुमतारी	डिजाइन / कला भवन
159.	डॉ इंद्रमणि साहू	ओड़िया / भाषा भवन
160.	डॉ नंदिता बसु सर्वाधिकारी	रवींद्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत भवन
161.	डॉ मानिनी मुखोपाध्याय	रवींद्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत भवन
162.	श्री सप्तर्षि राय	रवींद्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत भवन
163.	श्री सुरजीत रॉय	रवींद्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत भवन
164.	डॉ राजकुमार सिंह	भौतिकी / शिक्षा भवन
165.	डॉ. सुचिरा रॉय चौधरी	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व / विद्या भवन
166.	श्री मानस भूल	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत -भवन
167.	श्री सजाद हुसैन हमदानी	मूर्तिकला / कला भवन
168.	डॉ नंदलाल मंडल	वनस्पति विज्ञान / शिक्षा भवन

क्र.सं.	संकाय का नाम	विभाग / भवन
169.	श्रीमती सहाना बारीक	अंग्रेजी / भाषा भवन
170.	डॉ. नोरबू ग्यालत्सेन नेगी	भारत-तिब्बत अध्ययन / भाषा भवन
171.	डॉ. सुदीप्त दास	जापानी / भाषा भवन
172.	श्री एन. पी. शंकरनारायण	रवींद्र संगीत नृत्य एवं नाटक (चंदा) / संगीत भवन
173.	श्रीमती टी. ज्ञानपति देवी	रवींद्र संगीत नृत्य एवं नाटक (मणिपुरी नृत्य) / संगीत भवन
174.	श्री सीताराम दास	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत (तबला) / संगीत भवन
175.	श्री अनिमेष चंद्र चंद्र	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत (एसराज) / संगीत भवन
176.	श्री शुभायु सेन मजूमदार	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत (एसराज) / संगीत भवन
177.	श्री अबीर सिंह खंगुरा	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत (एसराज) / संगीत भवन
178.	श्री आलोक बंदोपाध्याय	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत (एसराज) / संगीत भवन
179.	डॉ. मनोज कुमार शर्मा	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत (सितार) / संगीत भवन
180.	डॉ. प्रसेनजीत साहा	शिक्षा / विद्या भवन
181.	श्रीमती फरहा नाज़	दर्शन एवं धर्म (धर्म) / विद्या भवन
182.	डॉ. शिल्पी घोष	शिक्षा / विद्या भवन
183.	श्रीमती मौमिता लाहा	सामाजिक कार्य / पल्ली संगठन विभाग
184.	डॉ. रंजिनी रामचंद्रन	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत (गायन) / संगीत भवन
185.	श्रीमती सुदीप्त सरकार	भूगोल / विद्या भवन
186.	डॉ. अतीग घोष	इतिहास / विद्या भवन
187.	श्री सौरभ राणा	सांख्यिकी / शिक्षा भवन
188.	डॉ. अमर्त्य मुखर्जी	रवींद्र संगीत नृत्य एवं नाटक (नाटक) / संगीत भवन
189.	डॉ. बिप्लब बिश्वास	रवींद्र संगीत नृत्य एवं नाटक (नाटक एवं रंगमंच कला) / संगीत भवन
190.	डॉ. अनघा चक्रवर्ती	भौतिकी / शिक्षा भवन
191.	डॉ. मृत्युंजय कुमार प्रभाकर	रवींद्र संगीत नृत्य एवं नाटक (नाटक एवं रंगमंच कला) / संगीत - भवन
192.	श्री अभिजीत थंडर	शारीरिक शिक्षा / विनय भवन
193.	डॉ. सेंटु मित्रा	शारीरिक शिक्षा / विनय भवन
194.	डॉ. तनुश्री पॉल	स्त्री अध्ययन केंद्र
195.	डॉ. कल्लोल चटर्जी	शारीरिक शिक्षा / विनय भवन

परिशिष्ट

क्र.सं.	संकाय का नाम	विभाग / भवन
196.	डॉ. अदिति गनीव सांगवान	ग्राफिक कला / कला भवन
197.	श्री उमाकांत प्रसाद	शिक्षा / विनय भवन
198.	श्रीमती सौमी मंडल	शिक्षा / विनय भवन
199.	डॉ. अलीउल अज़ीम	जापानी / भाषा भवन
200.	सुश्री स्तुति मामेन	अंग्रेजी / भाषा भवन
201.	डॉ. प्रिय ब्रत दत्ता	अर्थशास्त्र एवं राजनीति / विद्या भवन
202.	डॉ. धीमान भट्टाचार्या	भाषा विज्ञान एवं तुलनात्मक साहित्य / भाषा भवन
203.	डॉ अंजलिका मैथी राय	वनस्पति विज्ञान / शिक्षा भवन
204.	डॉ स्वरूप कु. माजी	भौतिकी / शिक्षा भवन
205.	श्री शुभ्रा ज्योति दास	दर्शन एवं धर्म (धर्म) / विद्या भवन
206.	डॉ संदीप देबनाथ	आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन / पल्ली शिक्षा भवन
207.	श्री सुजय मंडल	दर्शन एवं धर्म / विद्या भवन
208.	श्री देबादित्य बर्मन	कंप्यूटर एवं प्रणाली विज्ञान / शिक्षा भवन
209.	डॉ प्रीतम घोष	कृषि विज्ञान, / पल्ली शिक्षा भवन
210.	डॉ अशोक मुखर्जी	शारीरिक शिक्षा / पल्ली शिक्षा भवन
211.	डॉ. कादर अली सरकार	कृषि सांख्यिकी / पल्ली शिक्षा भवन
212.	श्री सुभाष कु. ठाकुर	आधुनिक यूरोपीय भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन केंद्र (रसियन)/भाषा भवन
213.	श्री निपुण नूतन	आधुनिक यूरोपीय भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन केंद्र (फ्रेंच)/भाषा भवन
214.	सुश्री रेखा निंगथौजम	शारीरिक शिक्षा / विनय भवन
215.	सुश्री अर्पिता पॉल	जापानी / भाषा भवन
216.	डॉ रुबेन फिलिप मैथ्यू	आधुनिक यूरोपीय भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन केंद्र (जर्मन)/भाषा भवन
217.	डॉ लिप्सी जॉन एल	शारीरिक शिक्षा / विनय भवन
218.	सुश्री सुनीता आचार्य	आधुनिक यूरोपीय भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन केंद्र (रूसी भाषा) / भाषा भवन
219.	डॉ. अवशेष सुब्बा	शारीरिक शिक्षा / विनय भवन
220.	श्री सुमन भट्टाचार्या	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत - भवन

क्र.सं.	संकाय का नाम	विभाग / भवन
221.	श्री कौस्तव कर्मकार	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत - भवन
222.	श्री शुवंकर मंडल	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत - भवन
223.	श्री एल. लम्बिनथांग सिमटे	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व / विद्या भवन
224.	सुश्री सुजाता रक्षित	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व / विद्या भवन
225.	सुश्री परिचिति साहा	योगिक कला एवं विज्ञान / विनय भवन
226.	डॉ. दर्शन एनपी	कृषि विस्तार/पल्ली शिक्षा भवन
227.	डॉ. एल. हांगशिग	कृषि अभियंता / पल्ली शिक्षा भवन
228.	श्री बिप्लब राजवंशी	रसायन विज्ञान / शिक्षा भवन
229.	डॉ सौगत विश्वास	गणित / शिक्षा भवन
230.	श्री रूपेश कुमार	योगिक कला एवं विज्ञान / विनय भवन
231.	श्री सौरभ बनर्जी	रसायन विज्ञान / शिक्षा भवन
232.	सुश्री आरती	कृषि अर्थशास्त्र / पीएसबी
233.	डॉ. बिपुल पाल	गणित/शिक्षा भवन
234.	डॉ. सबरनी प्रमाणिक नायक	एआईएचसी एवं ए / विद्या भवन
235.	डॉ विनोद कुमार चौहान	प्राणी विज्ञान / शिक्षा भवन
236.	श्री अशोक मंडी	रसायन विज्ञान / शिक्षा भवन
237.	श्री विवेक कु. खरे	पादप रोग विज्ञान / पीएसबी
238.	डॉ. ऋतिक देब	प्राणि विज्ञान/शिक्षा भवन
239.	श्री देबाशीष चटर्जी	सांख्यिकी/शिक्षा भवन
240.	डॉ सुशील कुमार	पर्यावरण विज्ञान / शिक्षा भवन
241.	श्री नीलरतन सरकार	बांग्ला/भाषा भवन
242.	डॉ. प्रदीप दे	रसायन विज्ञान / शिक्षा भवन
243.	डॉ ध्रुवज्योति मंडल	रसायन विज्ञान / शिक्षा भवन
244.	श्री बिष्णु पद पाल	संस्कृत/भाषा भवन
245.	डॉ सुकेश लोहार	हिंदी /भाषा भवन
246.	श्री पिनाकी गाएन	डिजाइन/कला भवन
247.	श्री माधवेंद्र सिन्हा	अर्थशास्त्र/विद्या भवन
248.	श्री कुमार जसाकिया	पेंटिंग / कला भवन
249.	डॉ उमालक्ष्मी थिंगुजाम	कृषि रसायन विज्ञान / पीएसबी

परिशिष्ट

क्र.सं.	संकाय का नाम	विभाग / भवन
250.	श्री एस. संतोष कुमार	कला इतिहास / कला भवन
251.	डॉ. सिपॉय सर्वेश्वर	नृविज्ञान / विद्या भवन
252.	डॉ. इप्सिता सरकार	दर्शन एवं धर्म (दर्शन) / विद्या भवन
253.	डॉ. अनिद्या विश्वाश	वनस्पति विज्ञान / शिक्षा भवन
254.	डॉ. मुरुगेसन ए	दर्शन एवं तुलनात्मक धर्म / विद्या भवन
255.	डॉ. सुमन सरकार	सांख्यिकी / पीसीके (पीएसवी)
256.	श्री बैराबथिना वेंकटेश	डाइंग एंड टेक्स्टाइल केमिस्ट्री / शिल्पा सदाना (PSV)
257.	डॉ. सुरहिता बसु	पत्रकारिता एवं जनसंचार / विद्या भवन
258.	डॉ. अर्पण पॉल	पत्रकारिता एवं जनसंचार / विद्या भवन
259.	डॉ. के.सी. पाणिग्रही	ग्रामीण विकास / पीएसवी
260.	डॉ. तनिमा भट्टाचार्या	शिल्प सदन (सहायक शिल्प),/पल्ली संगठन विभाग
261.	डॉ. जगदीश चंद्र महतो	भौतिकी / शिक्षा भवन

सहायक व्याख्याता

पाठ-भवन

क्र. सं.	सहायक व्याख्याता के नाम
1.	श्री मधुसूदन मंडल
2.	श्रीमती पत्रलेखा सरकार (दत्त)
3.	श्री सुभ्रांशु सेन
4.	श्री तारक नाथ साहा
5.	सुश्री नम्रता भट्टाचार्य
6.	श्री जतिंद्र नाथ राउल
7.	श्रीमती सुतपा साहा
8.	श्री अनिमेष घोष
9.	श्री सुचित कु. चक्रवर्ती
10.	श्रीमती बुलबुल कोनार
11.	श्री कुमार विक्रान्त बसाक
12.	श्रीमती लोपामुद्रा सेन
13.	श्री अनिल बरन मंडल

क्र. सं.	सहायक व्याख्याता के नाम
14.	श्रीमती चैताली घोषाल
15.	श्रीमती सुरंजिमा साहा
16.	श्रीमती शारदा बसु मुखोपाध्याय
17.	श्री अभिजीत सेनगुप्ता
18.	श्री अमिताभ मुखर्जी
19.	श्रीमती श्रीमयी मंडल
20.	श्री सुरोजीत सेन
21.	श्रीमती संगीता हेमब्रम
22.	श्रीमती देबलीना दलाल
23.	श्री निबिर कु. घोष
24.	श्री हरधन सोरेन
25.	श्री निलय रॉय
26.	श्रीमती राखी सरकार
27.	श्रीमती अनुराधा साहा
28.	श्रीमती सोनाली चक्रवर्ती
29.	श्री तारित रॉय चौधुरी
30.	श्रीमती चंद्रानी मुखोपाध्याय
31.	श्री समीर देबनाथ
32.	श्रीमती अल्पना धीबर
33.	श्रीमती अर्निदिता अग्रवाल
34.	श्रीमती सोनाली गांगुली (हजारी)
35.	श्रीमती दीपाली घोष
36.	श्रीमती शिल्पी मुखर्जी
37.	श्रीमती रुमा दास (हाजरा)
38.	श्री किशोर भट्टाचार्य
39.	श्री बिश्वजीत बीर
40.	श्रीमती सरबरी दत्ता
41.	श्रीमती सुजाता मित्रा (रॉय)
42.	श्रीमती मौसुमी दास

परिशिष्ट

क्र. सं.	सहायक व्याख्याता के नाम
43.	श्री करुणामय मजूमदार
44.	श्रीमती प्रिया हलदर
45.	सुश्री सुतापा प्रमाणिक (मजूमदार)
46.	श्री जयंत मंडल
47.	श्रीमती प्रीति.सी.नर्तियांग
48.	श्रीमती श्रावनी भट्टाचार्य
49.	श्री पार्थ प्रतिम रॉय
50.	श्री नेमाई शंकर चक्रवर्ती
51.	श्री पार्थ चक्रवर्ती
52.	श्री छत्रपति मुर्मू

सहायक व्याख्याता
शिक्षा सत्र

क्र. सं.	सहायक व्याख्याता के नाम
1.	श्री रुद्र प्रसाद सिन्हा
2.	श्री गणेश मंडल
3.	श्रीमती जयश्री माइती (साहा)
4.	श्री संदीप भक्त
5.	श्री गोपी नाथ मंडल
6.	श्री प्रदीप सोरेन
7.	श्री अरूप भट्टाचार्य
8.	श्री गौतम साहा
9.	श्रीमती शंपा भुट्टी
10.	श्री कृष्णेंद्र दे
11.	श्रीमती ऋतुपर्णा चर
12.	श्री सुमंत दास
13.	श्रीमती अंजलि दास
14.	श्री पार्थ सारथी चटर्जी
15.	श्री दिव्येंद्र मंडल

16.	श्रीमती तमाली मजूमदार
17.	श्री चंद्र देहुरी
18.	श्रीमती मिताली दे सरकार
19.	श्री सुमन चक्रवर्ती
20.	श्री इकबाल जहांगीर
21.	श्रीमती निबेदिता साहा
22.	श्री मोहम्मद एम. हमीद
23.	श्रीमती सिउली सिन्हा (घोष)
24.	श्री श्रीनिबाश घोष
25.	श्रीमती सुदीप्ता सेन
26.	श्री कांचन दासगुप्ता
27.	श्रीमती प्रिया पाठक
28.	श्री सुब्रत सिन्हा
29.	श्रीमती संगीता सरकार
30.	श्रीमती तृप्ति घोष
31.	श्री सौमेन सेनगुप्ता
32.	श्री देवव्रत बराट
33.	श्री सोमनाथ मेहेना
34.	श्रीमती वंदना श्रीवास्तव
35.	श्री बिश्वदीप दास
36.	श्री शुभ्रज्योति दत्ता

परिशिष्ट-ड

01.04.2021 से 31-03-2022 तक संसद (कोर्ट) के सदस्य

क्र. सं.	कोर्ट की संरचना	नाम
(i)	आचार्य (कुलाधिपति)	श्री नरेंद्र मोदी
(ii)	उपाचार्य (कुलपति)	प्रो. बिद्युत चक्रवर्ती
(iii)	सह-उपाचार्य (उप कुलपति)	रिक्त
(iv)	अध्ययन, शैक्षिक नवाचार और ग्रामीण पुनर्निर्माण के निदेशक	रिक्त
(v)	संस्कृति एवं सांस्कृतिक संबंधों के निदेशक	रिक्त
(vi)	निदेशक, शारीरिक शिक्षा, खेलकूद, राष्ट्रीय सेवा एवं छात्र कल्याण	रिक्त
(vii)	भावनों के अध्यक्ष	1. अध्यक्ष, भाषा भवन
		2. अध्यक्ष, विद्या भवन
		3. अध्यक्ष, शिक्षा भवन
		4. अध्यक्ष, कला भवन
		5. अध्यक्ष, संगीत भवन
		6. अध्यक्ष, पाठ भवन
		7. अध्यक्ष, पल्ली संगठन भवन
		8. अध्यक्ष, पल्ली संगठन विभाग
		9. अध्यक्ष, विनय भवन
		10. अध्यक्ष, शिक्षा सत्र
(viii)	ग्रंथागरिका (पुस्तकालयाध्यक्ष)	पुस्तकालयाध्यक्ष, केंद्रीय पुस्तकालय
(ix)	छात्र-परिचालक (कुलानुशासक)	कुलानुशासक
(x)	पल्ली संगठन विभाग के अध्यक्ष	
(xi)	ग्रंथन विभाग के अध्यक्ष	अध्यक्ष, ग्रंथन विभाग, विश्वभारती, 6, ए.जे. बोस रोड, कोलकाता - 700 017

क्र. सं.	कोर्ट की संरचना	नाम
(xii)	विभागों के अध्यक्ष	भाषा भवन
		1. अध्यक्ष, बांग्ला विभाग
		2. अध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग
		3. अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
		4. अध्यक्ष, हिंदी विभाग
		5. अध्यक्ष, ओड़िया विभाग
		6. अध्यक्ष, अरबी, फारसी, उर्दू एवं इस्लामी अध्ययन विभाग
		7. अध्यक्ष, भारत-तिब्बतन अध्ययन विभाग
		8. अध्यक्ष, जापानी विभाग
		9. अध्यक्ष, चीना विभाग
		10. अध्यक्ष, संताली विभाग
		विद्या भवन
		1. अध्यक्ष, अर्थशास्त्र एवं राजनीति विभाग
		2. अध्यक्ष, इतिहास विभाग
		3. अध्यक्ष, एआईएचसी विभाग एवं ए
		4. अध्यक्ष, भूगोल विभाग
		5. अध्यक्ष, दर्शनशास्त्र एवं धर्म विभाग
		6. प्रभारी, पत्रकारिता एवं जनसंचार केंद्र
		7. अध्यक्ष, मानव विज्ञान विभाग
		शिक्षा-भवन
		1. अध्यक्ष, भौतिकी विभाग
		2. अध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग
		3. अध्यक्ष, गणित विभाग
		4. अध्यक्ष, प्राणि विज्ञान विभाग

परिशिष्ट

क्र. सं.	कोर्ट की संरचना	नाम
		5. अध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग
		6. अध्यक्ष, सांख्यिकी विभाग
		7. अध्यक्ष, कंप्यूटर एवं प्रणाली विज्ञान
		8. अध्यक्ष, जैव-प्रौद्योगिकी केंद्र
		9. अध्यक्ष, पर्यावरण अध्ययन केंद्र
		कला-भवन
		1. अध्यक्ष, मूर्तिकला विभाग
		2. अध्यक्ष, चित्रकला विभाग
		3. अध्यक्ष, डिजाइन विभाग
		4. अध्यक्ष, ग्राफिक कला विभाग
		5. अध्यक्ष, कला इतिहास विभाग
		संगीत-भवन
		1. विभागाध्यक्ष, रवीन्द्र संगीत, नृत्य एवं नाटक विभाग
		2. अध्यक्ष, शास्त्रीय संगीत विभाग
		विनय-भवन
		1. अध्यक्ष, शिक्षा विभाग
		2. अध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा विभाग
		पल्ली शिक्षा-भवन
		1. अध्यक्ष, कृषि विज्ञान विभाग
		2. अध्यक्ष, फसल सुधार, बागवानी एवं कृषि वनस्पति विज्ञान विभाग
		3. अध्यक्ष, पौध संरक्षण विभाग
		4. अध्यक्ष, कृषि विस्तार और सांख्यिकी विभाग
		पल्ली संगठन विभाग
		1. अध्यक्ष, सामाजिक कार्य विभाग

क्र. सं.	कोर्ट की संरचना	नाम
		2. अध्यक्ष, पल्ली चर्चा केंद्र
		3. प्रधान, शिल्पा सदन
		4. अध्यक्ष, आजीवन शिक्षा और विस्तार विभाग (आरईसी)
(xiii)	प्रत्येक संस्थान से एक अध्यापक, वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से;	भाषा भवन
		प्रो. कैलाश चंद्र पट्टनायक ओड़िया विभाग, भाषा-भवन [28-02-2022 तक]
		विद्या-भवन
		प्रो. वी.सी. झा, भूगोल विभाग, विद्या-भवन, विश्व-भारती
		शिक्षा-भवन
		प्रो. तारा प्रसाद चट्टोपाध्याय भौतिकी विभाग, शिक्षा-भवन, विश्व-भारती
		कला-भवन
		श्री देबाशीष महलनोविश कला भवन, विश्व-भारती
		संगीत भवन
		प्रो. बुद्धदेव दास, संगीत भवन विश्व-भारती
		विनय-भवन
		प्रो. सुमंत कुमार मंडल विनयभवन, विश्व-भारती
		पल्ली-शिक्षा भवन
		प्रो. देबाशीष भट्टाचार्य कृषि सांख्यिकी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्व-भारती
		पल्ली संगठन विभाग

परिशिष्ट

क्र. सं.	कोर्ट की संरचना	नाम
		प्रो. प्रशांत घोष, पल्ली संगठन विभाग, विश्व-भारती
		पाठ भवन
		श्री पार्थ चक्रवर्ती, पाठ-भवन, विश्वभारती
		शिक्षा सत्र
		श्री संदीप भक्त, शिक्षा-सत्र, विश्वभारती
xiv)	गैर-शिक्षण कर्मचारियों के पांच प्रतिनिधि वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से;	1. श्री बिनय भूषण दे, प्रयोगशाला परिचारक, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती 2. श्री विश्वनाथ किस्कु, हिंदी भवन, विश्वभारती 3. श्री पार्थ प्रतिम राय, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती 4. श्री सुभेंदु कांजी, ग्रंथन विभाग (प्रकाशन विभाग), 6 आचार्य जगदीश चंद्र बोस रोड, कोलकाता - 700 017 [21-12-2021 तक] 5. श्री रेणुपद दास, प्रयोगशाला परिचारक, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती
(xv)	शिक्षा-समिति (अकादमिक परिषद) द्वारा अध्ययन, खेल, पाठ्येतर गतिविधियों एवं व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में खुद को प्रतिष्ठित करने वाले छात्रों में से या पिछले वर्ष के दौरान अध्ययन के क्षेत्र, ललित कला, खेल, विस्तार कार्य या दसवीं कक्षा और उससे ऊपर के स्तर पर कोई अन्य पुरस्कार जीतने वाले छात्रों में से दो छात्रों को नामांकित किया जाएगा।	1. रिक्त 2. रिक्त

क्र. सं.	कोर्ट की संरचना	नाम
(xvi)	उपाचार्य (कुलपति) द्वारा योग्यता के आधार पर तीन छात्रों को नामांकित किया जाना ताकि छात्रों के किसी भी वर्ग को प्रतिनिधित्व प्रदान किया जा सके जो उनकी राय में अप्रतिनिधित्व है: बशर्ते कि मद (xiv) और (xv) के तहत छात्रों को नामांकित करने में, महिला छात्रों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व किया जाएगा;	1. रिक्त
		2. रिक्त
		3. रिक्त
(xvii)	संसद के पांच प्रतिनिधि, तीन लोकसभा अध्यक्ष द्वारा अपने सदस्यों में से और दो राज्यसभा के सभापति द्वारा अपने सदस्यों में से मनोनीत किए जाएंगे;	लोकसभा
		1. श्री सुदीप बंद्योपाध्याय, 72/4, एस.एन. बनर्जी रोड, कोलकाता - 700 014
		2. श्रीमती लॉकेट चटर्जी, लोकसभा के माननीय सदस्य, शेरबुड एस्टेट, 'ई' ब्लॉक, 'आर' आई, अंद्रपुर, कोलकाता-700103, पश्चिम बंगाल
		3. श्री अधीर रंजन चौधरी, माननीय लोकसभा सदस्य, 9, हरिबू आर, पश्चिम, पीओ- कोसिमबाजार, बरहमपुर, मुर्शिदाबाद-742102, पश्चिम बंगाल
		राज्य सभा
		1. श्री विवेक ठाकुर, सी-1/19, हुमायूं रोड, नई दिल्ली, स्थाई पता : उमा कॉम्प्लेक्स, फ्रेजर रोड, पटना- 8000001
		2. डॉ अमर पटनायक, प्लॉट नंबर 8/ए, खारवेला नगर, स्टेशन स्क्वायर, यूनिट - III, भुवनेश्वर, ओडिशा - 751001

परिशिष्ट

क्र. सं.	कोर्ट की संरचना	नाम
(xviii)	उस संघ द्वारा अपने सदस्यों में से चुने जाने वाले पूर्व छात्र संघ के तीन प्रतिनिधि;	1. रिक्त
		2. रिक्त
		3. रिक्त
(xix)	उद्योग, श्रम, वाणिज्य, बैंकिंग एवं कृषि के प्रतिनिधियों सहित पेशेवर व्यवसायों एवं विशेष हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले सात व्यक्ति, जिन्हें परिदर्शक (आगंतुक) द्वारा नामित किया जाना है;	1. रिक्त
		2. रिक्त
		3. रिक्त
		4. रिक्त
		5. रिक्त
		6. रिक्त
		7. रिक्त
(xx)	प्रधान द्वारा नामित एक व्यक्ति (रेक्टर);	i. श्री संजय बुधिया, प्रबंध निदेशक, पैटन ग्रुप, 3सी कैमैक स्ट्रीट, 8वीं मंजिल, कोलकाता - 700 016 [12-06-2021 तक] ii. प्रो. गोपालचंद्र मिश्रा, 6ए, गोपाल लाल टैगोर रोड, बड़ानगर, कोलकाता — 700 036 [18-08-2021 से]
(xxi)	आचार्य (कुलपति) द्वारा नामित एक व्यक्ति;	प्रो. अर्चित्य विश्वास, 'शुक्ति', एन-9, श्रीनगर गरिया, कोलकाता - 700 094 [03-10-2021 तक]
(xxii)	कर्म-समिति (कार्यकारी परिषद) के अन्य सदस्य जो ऊपर निर्दिष्ट नहीं हैं।	1. i) श्री न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) सख्ता राम सिंह, पूर्व न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय, 303, सी.के. दफ्तरी, वकील का कक्ष, भारत का सर्वोच्च न्यायालय, तिलक, लेन, नई दिल्ली - 110 001 [11-11-2021 तक]

क्र. सं.	कोर्ट की संरचना	नाम
		ii) श्री बिल्वदल भट्टाचार्य, एडवोकेट, 1, हरप्रसाद शास्त्री सरणि, न्यू अलीपुर, ब्लॉक-बी, कोलकाता - 700 053 [12-11-2021 से]
		2. प्रो. (सेवानिवृत्त) दुलाल चंद्र घोष, पश्चिमपल्ली, शांतिनिकेतन, नब नालंदा स्कूल के पास [03-10-2021 तक]
		3. प्रो मंजू मोहन मुखर्जी, पूर्व, अध्यापक, सामाजिक कार्य विभाग, पीएसवी, विश्वभारती
		4. श्री तन्मय रॉय चौधुरी, एसआरबी 103बी, शिप्रा रिवेरा, इंदिरापुरम, ज्ञानखंड 3, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201014
		5. डॉ. रफीकुल इस्लाम, आजीवन अध्ययन एवं विस्तार विभाग, पल्ली संगठन विभाग, विश्व- भारती
		6. प्रो. सबिता प्रधान, ओड़िया विभाग, भाषा-भवन, विश्व-भारती [01-03-2022 से]

परिशिष्ट-च

01.04.2021 से 31-03-2022 तक कर्म-समिति के सदस्य

क्र. सं.	सदस्यगण	नाम
(i)	उपाचार्य (कुलपति)	प्रो. विद्युत चक्रवर्ती
(ii)	सह-उपाचार्य (उप कुलपति)	रिक्त
(iii)	अध्ययन, शैक्षिक नवाचार एवं ग्रामीण पुनर्निर्माण के निदेशक	रिक्त
(iv)	संस्कृति एवं सांस्कृतिक संबंधों के निदेशक	रिक्त
(v)	निदेशक, शारीरिक शिक्षा, खेलकूद, राष्ट्रीय सेवा एवं छात्र कल्याण	रिक्त
(vi)	अध्यक्ष, पाठ भवन	श्रीमती बोधिरूपा सिन्हा
(vii)	पल्ली-संगठन विभाग, पल्ली-शिक्षा भवन, कला भवन, संगीत भवन, विद्या भवन, शिक्षा भवन एवं भाषा भवन के अध्यक्षों में से तीन अध्यक्षों को वरिष्ठता अनुसार बारी-बारी से उपाचार्य द्वारा नामित किया जाएगा।	1. i) अध्यक्ष, पल्ली संगठन विभाग, विश्वभारती [24-10-2021 तक]
		ii) अध्यक्ष, विद्या भवन, विश्वभारती [27-10-2021 से]
		2. i) अध्यक्ष, शिक्षा भवन, विश्वभारती [24-10-2021 तक]
		ii) अध्यक्ष, संगीत भवन, विश्वभारती [27-10-2021 से]
		3. अध्यक्ष, भाषा भवन, विश्वभारती
(viii)	विश्वविद्यालय के दो अध्यापक, वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से	1. डॉ. रफीकुल इस्लाम, आजीवन अध्ययन एवं विस्तार विभाग, पल्ली संगठन विभाग, विश्वभारती
		2. i. प्रो. कैलाश चंद्र पट्टनायक, ओड़िया विभाग, भाषा भवन, विश्व-भारती [28-02-2022 तक]

क्र. सं.	सदस्यगण	नाम
		ii. प्रो. सबिता प्रधान, ओड़िया विभाग, भाषा भवन, विश्व-भारती [01-03-2022से]
(ix)	संसद (न्यायालय) द्वारा अपने सदस्यों में से चुने जाने वाले दो व्यक्ति, जिनमें से कोई भी कर्मचारी या विश्वविद्यालय का छात्र नहीं होगा	रिक्त
(x)	परिदर्शक (आगंतुक) द्वारा मनोनीत किए जाने वाले दो व्यक्ति	1. 20-07-2020से रिक्त 2. 20-07-2020से रिक्त
(xi)	प्रधान (रेक्टर) द्वारा नामित किया जाने वाला एक व्यक्ति	i. श्री न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) सख्ता राम सिंह, पूर्व न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय [11-11-2021तक] ii. श्री बिल्वदल भट्टाचार्य, अधिवक्ता, 1, हरप्रसाद शास्त्री सारणी, न्यू अलीपुर, ब्लॉक-बी, कोलकाता- 700 053 [12-11-2021से]
(xii)	आचार्य (कुलाधिपति) द्वारा मनोनीत किया जाने वाला एक व्यक्ति	प्रो. (सेवानिवृत्त) दुलाल चंद्र घोष पश्चिमपल्ली, शांतिनिकेतन नब नालंदा स्कूल के पास [03-10-2021तक]
(xiii)	उपाचार्य (कुलपति) द्वारा नामित एक पूर्व छात्र	श्री तन्मय रॉय चौधरी एसआरबी 103बी, शिप्रा रिवेरा, इंदिरापुरम, ज्ञानखंड 3, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश 201014
(xiv)	उपाचार्य (कुलपति) द्वारा नामित किए जाने वाले विश्वभारती के एक पूर्व-अध्यापक (प्रोफेसर के रूप में कम से कम पांच वर्ष की सेवा के साथ)	प्रो मंजू मोहन मुखर्जी पूर्व शिक्षक, सामाजिक कार्य विभाग, पीएसवी, विश्वभारती

परिशिष्ट

परिशिष्ट-छ

01.04.2021 से 31.03.2022 तक नई नियुक्तियां

सह - आचार्य

क्र. सं.	नियुक्त व्यक्ति का नाम	विभाग / भवन	नियुक्ति की तिथि
1.	डॉ. मैरी हांसदा	हिंदी / भाषा भवन	04.01.2022

सहायक प्रोफेसर

क्र. सं.	नियुक्त व्यक्ति का नाम	विभाग / भवन	नियुक्ति की तिथि
1.	श्री देबाशीष चटर्जी	सांख्यिकी/शिक्षा भवन	02.07.2021
2.	डॉ सुशील कुमार	पर्यावरण विज्ञान / शिक्षा भवन	05.07.2021
3.	श्री नीलरतन सरकार	बांग्ला/भाषा भवन	06.07.2021
4.	डॉ. प्रदीप दे	रसायन विज्ञान / शिक्षा भवन	06.07.2021
5.	डॉ ध्रुवज्योति मंडल	रसायन विज्ञान / शिक्षा भवन	06.07.2021
6.	श्री बिष्णु पद पाल	संस्कृत/भाषा भवन	06.07.2021
7.	डॉ सुकेश लोहार	हिंदी / भाषा भवन	07.07.2021
8.	श्री पिनाकी गाएन	डिजाइन/कला भवन	17.08.2021
9.	श्री माधवेंद्र सिन्हा	अर्थशास्त्र/विद्या भवन	19.08.2021
10.	श्री कुमार जसाकिया	पेंटिंग / कला भवन	01.09.2021
11.	डॉ उमालक्ष्मी थिंगुजाम	कृषि रसायन विज्ञान / पीएसबी	01.09.2021
12.	श्री एस. संतोष कुमार	कला इतिहास / कला भवन	02.09.2021
13.	डॉ. सिपॉय सर्वेश्वर	नृविज्ञान / विद्या भवन	02.09.2021
14.	डॉ इप्सिता सरकार	दर्शन एवं धर्म (दर्शन) / विद्या भवन	10.09.2021
15.	डॉ. अनिंद बिश्वास	वनस्पति विज्ञान / शिक्षा भवन	15.11.2021
16.	डॉ. मुरुगेसन ए	दर्शन एवं तुलनात्मक धर्म / विद्या भवन	17.12.2021
17.	डॉ. सुमन सरकार	सांख्यिकी / पीसीके (पीएसवी)	04.01.2022
18.	श्री बैराबथिना वेंकटेश	डाइंग एंड टेक्स्टाइल केमिस्ट्री / शिल्प सदन (पीएसवी)	04.01.2022
19.	डॉ. सुरहिता बसु	पत्रकारिता एवं जनसंचार / विद्या भवन	19.01.2022
20.	डॉ. अर्पण पॉल	पत्रकारिता एवं जनसंचार / विद्या भवन	19.01.2022

परिशिष्ट

क्र. सं.	नियुक्त व्यक्ति का नाम	विभाग / भवन	नियुक्ति की तिथि
21.	डॉ. के.सी. पाणिग्रही	ग्रामीण विकास / पीएसवी	24.01.2022
22.	डॉ. तनिमा भट्टाचार्य	शिल्प सदन (सहायक शिल्प)/पल्ली संगठन विभाग	27.01.2022
23.	डॉ. जगदीश चंद्र महतो	भौतिकी / शिक्षा भवन	28.01.2022

वार्षिक प्रतिवेदन 2021-2022

विश्वभारती

संपादकीय समिति

01. प्रो. बिपाशा राहा, प्रिंसिपल, विद्या-भवन - अध्यक्ष
02. प्रो. सुधांशु शेखर माइती, सांख्यिकी विभाग, शिक्षा भवन
03. प्रो. प्रशांत चटर्जी, गणित विभाग, शिक्षा-भवन
04. प्रो. प्रेमांशु चक्रवर्ती, भूगोल विभाग, विद्या-भवन
05. प्रो. सार्थक चौधुरी, कृषि विस्तार विभाग, पीएसबी
06. प्रो. सुजीत कुमार पॉल, आजीवन अध्ययन एवं विस्तार विभाग, पीएसबी
07. प्रो. शकुंतला मिश्रा, हिंदी विभाग, भाषा-भवन
08. डॉ. प्रसेनजीत साहा, शिक्षा, विद्या-भवन
09. डॉ. प्रह्लाद रॉय, शिक्षा विभाग, विनय भवन
10. डॉ. सरिता आनंद, शिक्षा विभाग, विनय भवन
11. प्रो. अमल कुमार पाल, निदेशक, रवीन्द्र-भवन
12. प्रो. मुक्तेश्वर नाथ तिवारी, हिंदी विभाग, भाषा-भवन
13. प्रो. देवारति बंधोपाध्याय, अंग्रेजी विभाग, भाषा-भवन
14. प्रो. संजय कुमार मल्लिक, कला इतिहास विभाग, कला-भवन
15. डॉ. सुभाष चंद्र रॉय, हिंदी विभाग, भाषा-भवन
16. डॉ. बितान मंडल, कृषि अर्थशास्त्र विभाग, पीएसबी
17. डॉ. अलीउल अजीम, जापानी विभाग, भाषा-भवन
18. डॉ. भैरु लाल यादव, भूगोल विभाग, विद्या-भवन
19. डॉ. सौम्या मुखोपाध्याय, सांख्यिकी विभाग, शिक्षा भवन
20. डॉ. मधुसूदन पाल, कंप्यूटर एवं प्रणाली विज्ञान विभाग, शिक्षा-भवन
21. श्री ऋषि बरुआ, मूर्तिकला विभाग, कला-भवन
22. डॉ. परमिता रॉय, सामाजिक कार्य विभाग, पीएसबी

23. डॉ. उमाकांत प्रसाद, शिक्षा विभाग, विनय-भवन
24. डॉ. सेंट्र मित्रा, शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग, विनय-भवन
25. डॉ. रूपेश कुमार, योगिक कला एवं विज्ञान विभाग, विनय-भवन
26. डॉ. दर्शन एन.पी., कृषि विस्तार विभाग, पीएसबी
27. डॉ. शंकर रॉय मौलिक, शिल्प-सदन विभाग, पीएसबी
28. डॉ. अमित वर्मा, संगीत भवन
29. डॉ. मनोज कुमार शर्मा, संगीत भवन
30. डॉ. के.एम. राजन, एआईएचसी एवं पुरातत्व विभाग, विद्या-भवन
31. डॉ. कौशिक घोष, केंद्रीय पुस्तकालय
32. श्री पार्थ प्रतिम राय, पाठ भवन
33. मो. मोजरुल हामिद, शिक्षा-सत्र
34. श्री राजेश कुमार साव, राजभाषा प्रकोष्ठ, विश्वभारती
35. श्री प्रियव्रत रॉय, रवीन्द्र भवन
36. श्री मलय सूत्रधर, सहायक कुलसचिव - सचिव

